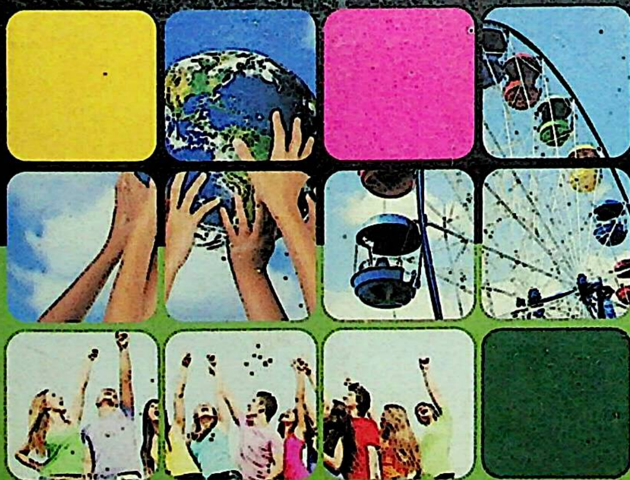
arihant
Inspiring Minds, Inspiring Lives

प्रतियोगी पुस्तकों के भारत के नं० 1 प्रकाशक

सामान्य ज्ञान 2013



सामान्य जागरूकता एवं समसामयिक विषयों का महत्त्वपूर्ण 'नॉलेज कैप्सूल'

मनोहर पाण्डे

₹ 25

5.5

सामान्य ज्ञान 2013

मनोहर पाण्डे



अरिहन्त पब्लिकेशन्स (इण्डिया) लिमिटेड

अरिहन्त पब्लिकेशन्स (इण्डिया) लिमिटेड

卐 वाणिज्यक कार्यालय — 4577/15, अग्रवाल रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली-110002
फोन : 011-47630600, 23280316; फैक्स : 011-23280316

मुख्य कार्यालय — कालिन्दी, टी॰पी॰ नगर, मेरठ (यूपी)-250002
फोन : 0121-2401479, 2512970, 4004199 ; फैक्स : 0121-2401648

सभी प्रतिवाद का न्यायिक क्षेत्र 'मेरठ' होगा।

卐 शाखा कार्यालय
आगरा, बंगलुरु, भुवनेश्वर, दिल्ली (I & II), गुवाहाटी, हल्द्वानी, हैदराबाद, जयपुर, कोलकाता, कोटा, लखनऊ, नागपुर, मेरठ तथा पटना

卐 **ISBN**
978-81-8348-293-6

卐 **मूल्य : ₹ 25**

टाइप सेट : अरिहन्त डीटीपी यूनिट, मेरठ

Printed & Bound in India
by Arihant Print Solution

'अरिहन्त' के प्रोडक्ट्स के बारे में अधिक जानकारी के लिए हमारे वेबसाइट www.arihantbooks.com पर लॉग इन करें या info@arihantbooks.com पर सम्पर्क करें।

विषय-सूची

समसामयिक घटना-क्रम 5-32

भारत का इतिहास 1-29

प्राचीन भारत सिन्धु घाटी सभ्यता (2) वैदिक काल (3) उत्तर वैदिक काल (4) महाजनपदों का उदय (5) भारत में धार्मिक आन्दोलन (5) मगध एक शक्तिशाली राज्य (6) विदेशी आक्रमण (7) संगम युग (8) गुप्त साम्राज्य (9) गुप्तोत्तर काल (10) दक्षिण भारत के प्रमुख राजवंश (10) सीमावर्ती राजवंश (11) राजपूत वंश (11)

मध्यकालीन भारत दिल्ली सल्तनत (12) उत्तरवर्ती राजवंश (14) मुगल साम्राज्य (15)

आधुनिक भारत भारत के गवर्नर जनरल (18) 1857 का विद्रोह (19) सामाजिक व धार्मिक सुधार आन्दोलन (20) भारत के वायसराय (20) राष्ट्रीय आन्दोलन (22) ब्रिटिश काल में शिक्षा का विकास (26), प्रमुख भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अधिवेशन (26) राष्ट्रीय स्वतन्त्रता आन्दोलन महत्त्वपूर्ण संगठन (27) प्रमुख क्रान्तिकारी घटनाएँ (27) भारतीय इतिहास के प्रमुख युद्ध (28) भारत में संवैधानिक विकास (29)

भूगोल 30-45

भौतिक भूगोल (30) ब्रह्माण्ड (30) सौरमण्डल (30) स्थलमण्डल (32) जलमण्डल (34) विश्व का भूगोल (35) भारत का भूगोल (37) भारत में परिवहन (42) पर्यावरण तथा पारिस्थितिकी (45)

भारतीय राजव्यवस्था 46-61

संविधान का निर्माण (46) भारतीय संविधान की अनुसूचियाँ (47) राज्यों का पुनर्गठन (48) नागरिकता (49) मौलिक अधिकार (49) राज्य के नीति निदेशक सिद्धान्त (50) मौलिक कर्त्तव्य (51) संघीय कार्यपालिका (51) विधायिका (53) न्यायपालिका (55) राज्य कार्यपालिका (57) राज्य विधायिका (57) पंचायती राज (58) भारत के राष्ट्रीय प्रतीक (60) प्रमुख संविधान संशोधन (61)

भारतीय अर्थव्यवस्था 62-69

पंचवर्षीय योजनाएँ (62) मुद्रा एवं बैंकिंग (63) स्टॉक एवं शेयर बाजार (65) राष्ट्रीय आय एवं राजस्व (65) कृषि एवं उद्योग (65) विदेश व्यापार (67) मानव संसाधन (67) जनगणना 2011, स्मार्ट तथ्य (69)

सामान्य विज्ञान 70-99

विज्ञान की प्रमुख शाखाएँ (70) प्रमुख आविष्कार एवं आविष्कारक (70)

भौतिक विज्ञान न्यूटन के गति–विषयक नियम (71) आर्किमिडीज का सिद्धान्त (75)

रसायन विज्ञान भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तन (80) विभिन्न औषधियाँ एवं उनके उदाहरण (84) प्रमुख धातुएँ एवं उनके उपयोग (84) प्रमुख धातुएँ एवं उनके अयस्क (86)

जीव विज्ञान मानव शरीर तन्त्र (87) विटामिनों के स्रोत, कार्य एवं कमी के प्रभाव (88) विषाणुओं द्वारा होने वाले मनुष्यों में प्रमुख रोग (90) जीवाणुओं द्वारा मनुष्यों में होने वाले प्रमुख रोग (91) चिकित्सा सम्बन्धी आविष्कार (92)

कम्प्यूटर कम्प्यूटर के प्रमुख कार्य (95) कम्प्यूटर प्रणाली (95) कम्प्यूटर का आधुनिक विकास (96) भारत में कम्प्यूटर का विकास (96) भारत के सुपर कम्प्यूटर (97) कम्प्यूटर शब्दावली (99)

सामान्य ज्ञान 100-128

शब्द संक्षेप (100) महत्त्वपूर्ण दिवस (103) विश्व के प्रमुख देश (104) विश्व सर्वाधिक बड़ा लम्बा, ऊँचा, छोटा (105) विश्व में प्रथम (106) विश्व के अन्य महत्त्वपूर्ण तथ्य (107-110) भारत में प्रथम (110) भारत के महत्त्वपूर्ण तथ्य (112-116) संयुक्त राष्ट्र संघ (116) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (118) भारतीय रक्षा एवं प्रतिरक्षा (119) पुरस्कार एवं सम्मान (122) खेल–खिलाड़ी (125-128)

समसामयिक घटना-क्रम





चर्चित व्यक्तित्व

➤ **बॉबी जिन्दल** भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक बॉबी जिन्दल ने लुसियाना के गवर्नर पद (दूसरी बार) के लिए 9 जनवरी, 2012 को शपथ ग्रहण की।

➤ **स्कॉट थॉमसन** विश्व की प्रमुख इण्टरनेट कम्पनी 'याहू' ने 4 जनवरी, 2012 को मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद पर स्कॉट थॉमसन को नियुक्त किया।

➤ **रमेश सिप्पी** प्रसिद्ध फिल्म निर्माता रमेश सिप्पी को राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (NFDC) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

➤ **पण्डित जसराज** 82 वर्षीय दिग्गज शास्त्रीय गायक पण्डित जसराज ने 8 जनवरी, 2012 को अण्टार्कटिका के दक्षिण ध्रुव पर अपनी प्रस्तुति देकर सातों महाद्वीपों में कार्यक्रम पेश करने वाले पहले भारतीय बन गए।

➤ **जोएचिम गॉक** जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल ने 21 फरवरी, 2012 को जर्मनी के नागरिकों के अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाले कार्यकर्त्ता जोएचिम गॉक को जर्मनी का नया राष्ट्रपति नियुक्त किया।

➤ **डॉ. बी सी गुप्ता** भारत के केन्द्रीय खाद्य सचिव डॉ बी सी गुप्ता को 2 दिसम्बर, 2011 को 88 देशों की संस्था अन्तर्राष्ट्रीय चीनी परिषद् का अध्यक्ष चुना गया।

➤ **आमिर खान** बच्चों के अधिकारों के लिए काम करने वाली अन्तर्राष्ट्रीय संस्था यूनीसेफ ने आमिर खान को अपना ब्राण्ड एम्बेसडर बनाया है।

➤ **सौरव गांगुली** भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को क्रिकेट के क्षेत्र में जानी-मानी अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका 'विजडन इण्डिया' के सम्पादकीय बोर्ड का अध्यक्ष 2 दिसम्बर, 2011 को नियुक्त किया गया।

➤ **राहुल द्रविड़** 9 मार्च, 2012 को 'द वाल' के नाम से प्रसिद्ध भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी राहुल द्रविड़ ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है। वैसे वे आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते रहेंगे।

➤ **नैन्सी जे पॉवेल** अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा ने नैन्सी जे पॉवेल को भारत में अमेरिका का राजदूत नियुक्त किया।

➤ **मँगू सिंह** 31 दिसम्बर, 2011 को मँगू सिंह को दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (DMRC) का प्रबन्ध निदेशक नियुक्त किया गया।

➤ **वीरेन्द्र सहवाग** भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग ने 8 दिसम्बर, 2011 को वेस्टइण्डीज के विरुद्ध एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 219 रन बनाकर एक मैच में सर्वाधिक रन बनाने वाले पुरुष बल्लेबाज का रिकॉर्ड बनाया।

➤ **आनन्द कुमार** 'सुपर-30' के संस्थापक बिहार के आनन्द कुमार विश्व के 20 प्रमुख शिक्षकों में शामिल किए गए हैं।

➤ **इन्दिरा गोस्वामी** असमिया लेखिका इन्दिरा गोस्वामी का 29 नवम्बर, 2011 को लम्बी बीमारी के बाद गुवाहाटी में निधन हो गया। वर्ष 2000 में उन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार भी मिला था।

➤ **इंगलक शिनवात्रा** थाईलैण्ड की पहली महिला प्रधानमन्त्री इंगलक शिनवात्रा को 26 जनवरी, 2012 (गणतन्त्र दिवस) को मुख्य अतिथि के तौर पर आमन्त्रित किया गया।

➤ **मुन्सिफ मारजुकी** सोशल डेमोक्रेटिक नेता और मानवाधिकार कार्यकर्त्ता मुन्सिफ मारजुकी को 13 दिसम्बर, 2011 को ट्यूनीशिया का राष्ट्रपति नियुक्त किया गया।

➤ **माइकल डी हिंगिस** आइरिश कवि और मानवाधिकार कार्यकर्त्ता माइकल डी हिंगिस, आयरलैण्ड के नौवें राष्ट्रपति निर्वाचित हुए।

➤ **असलम शेर खान** विश्व कप विजेता भारतीय हॉकी टीम के सदस्य असलम शेर खान 12 दिसम्बर, 2011 को ओलम्पियन एसोसिएशन ऑफ इण्डिया के सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने गए।

➤ **स्नेहा शेखावत** 26 जनवरी, 2012 को 63वें गणतन्त्र दिवस के अवसर पर दिल्ली के राजपथ पर आयोजित भव्य परेड में पहली बार महिला फ्लाइट लेफ्टिनेन्ट स्नेहा शेखावत ने वायु सेना के दस्ते का नेतृत्व कर इतिहास रचा।

➤ **बिक्रम सिंह** ले. जनरल बिक्रम सिंह अब थलसेना अध्यक्ष का पद सम्भालेंगे। 31 मई, 2012 को जनरल वी.के. सिंह के सेवानिवृत्त होने के पश्चात् वे यह पद भार ग्रहण करेंगे।

➤ **मारियो मोन्टी** 13 नवम्बर, 2011 को यूरोपीय आयोग के पूर्व आयुक्त व अर्थशास्त्री मारियो मोन्टी को इटली का प्रधानमन्त्री नियुक्त किया गया।

➤ **साइरस मिस्त्री** शापूरजी पालोनजी ग्रुप (कन्स्ट्रशन क्षेत्र) के प्रवन्ध निदेशक साइरस मिस्त्री को दिसम्बर, 2011 में टाटा का उत्तराधिकारी चुन लिया गया।

➤ **नाबाम टुकी** कांग्रेस नेता नाबाम टुकी ने 1 नवम्बर, 2011 को अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमन्त्री पद की शपथ ली।

➤ **कमलेश शर्मा** 30 अक्टूबर, 2011 को भारतीय राजनयिक कमलेश शर्मा दूसरे कार्यकाल के लिए राष्ट्रमण्डल समूह के महासचिव नियुक्त किए गए।

➤ **श्री कृष्ण सिंह** थल सेना के दूसरे वरिष्ठ अधिकारी लेफ्टिनेन्ट जनरल श्री कृष्ण सिंह को सेना का उप-प्रमुख नियुक्त किया गया।

➤ **सबेस्टियन वेटेल** जर्मनी के सबेस्टियन वेटेल 9 अक्टूबर, 2011 को जापान ग्रांप्री में तीसरे स्थान पर रखते हुए लगातार दो बार विश्व चैम्पियन बनने वाले फार्मूला वन के इतिहास के सबसे युवा 24 वर्षीय ड्राइवर बने।

➤ **जगजीत सिंह** गजल गायकी को एक नया मुकाम देने वाले, महान् गायक जगजीत सिंह का 10 अक्टूबर, 2011 को निधन हो गया।

➤ **कर्नल मुअम्मर गद्दाफी** लीबिया पर 42 वर्षों तक शासन करने वाले मुअम्मर गद्दाफी की हत्या 20 अक्टूबर, 2011 को उनके गृह नगर सिर्ते में कर दी गई।

➤ **स्टीव जॉब्स** कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर व इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद निर्माता कम्पनी एप्पल के सह-संस्थापक स्टीव जॉब्स का 5 अक्टूबर, 2011 को निधन हो गया।



➤ **हरगोविन्द खुराना** भारतीय मूल के अमेरिकी वैज्ञानिक एवं नोबेल पुरस्कार विजेता हरगोविन्द खुराना का 9 नवम्बर, 2011 को निधन हो गया।

➤ **भूपेन हजारिका** 86 वर्षीय गायक, संगीतकार, फिल्मकार और 1992 में दादा साहेव फाल्के पुरस्कार से सम्मानित पद्मभूषण भूपेन हजारिका का 5 नवम्बर, 2011 के मुम्बई में निधन हो गया।

➤ **अरुण मजुमदार** अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक अरुण मजुमदार को 30 नवम्बर, 2011 को ऊर्जा विभाग में अवर सचिव के लिए मनोनीत किया।

➤ **जॉय मुखर्जी** बीते जमाने के प्रसिद्ध अभिनेता जॉय मुखर्जी का निधन 9 मार्च, 2012 को मुम्बई के लीलावती अस्पताल में हो गया। उन्होंने कई प्रसिद्ध हिन्दी फिल्मों में काम किया, जिसमें 'लव इन टोकियो' तथा 'शार्गिद' मुख्य हैं।



➤ **दिलीप टिर्की** भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान दिलीप टिर्की को राजस्थान राज्य खेल परिषद् द्वारा संचालित महिला हॉकी अकादमी का तकनीकी सलाहकार नियुक्त किया गया है। इनको वर्ष 2005 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

➤ **रोड्डम नरसिम्हा** देवास-एंट्रिक्स करार मसले पर इसरो (ISRO) के वैज्ञानिकों पर हो रही कार्रवाई के विरोध में 24 फरवरी, 2012 को प्रसिद्ध अंतरिक्ष वैज्ञानिक रोड्डम नरसिम्हा ने अंतरिक्ष आयोग के सदस्य पद से इस्तीफा दे दिया। नरसिम्हा पिछले 20 वर्षों से अंतरिक्ष आयोग के सदस्य थे। रोड्डम नरसिम्हा देवास-एंट्रिक्स करार की जाँच करने वाले चतुर्वेदी समिति के भी सदस्य थे।

➤ **शहारा खातून** बांग्लादेश की गृह मंत्री शहारा खातून ने 24 फरवरी, 2012 को भारत का दौरा किया। इस दौरान द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के लिए काम करने पर सहमति जाहिर की गई। सीमा प्रबंधन तथा घुसपैठ रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने पर भी विचार किया गया।

➤ **कोफी अन्नान** संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान को सीरिया में संयुक्त राष्ट्र तथा अरब लीग का विशेष दूत नियुक्त किया गया है। कोफी अन्नान का मुख्य दायित्व वहाँ जारी हिंसा तथा मानवाधिकार उल्लंघन के मामलों को रोकने की रणनीति तैयार करना है।



➤ **अखिलेश यादव** 38 वर्षीय अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश के 34वें मुख्यमंत्री नियुक्त किए गए हैं। 15 मार्च, 2012 को उन्होंने पद ग्रहण



गोपनीयता की शपथ ली। हाल में सम्पन्न विधानसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी को बहुमत प्राप्त होने के बाद उन्हें विधान सभा में बहुमत दल का नेता चुना गया था।

- **गोपाल कृष्ण गाँधी** भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान के प्रमुख पद पर गोपाल कृष्ण गाँधी को नियुक्त किया गया है। पूर्व प्रशासनिक अधिकारी गोपाल कृष्ण गाँधी वर्ष 2004 से 2009 तक पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के पद पर कार्य कर चुके हैं।
- **रूनाको मोर्टन** वेस्टइंडीज के क्रिकेट खिलाड़ी रूनाको मोर्टन की एक सड़क हादसे में 5 मार्च, 2012 को मृत्यु हो गई। वे 33 वर्ष के थे। उन्होंने वेस्टइंडीज की ओर से 15 टेस्ट तथा 56 वन डे मैच खेले। आईपीएल में मोर्टन राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते थे।
- **बी जे दीवान** 'नन्हें दाण्डी यात्री' के नाम से मशहूर बी जे दीवान का 12 मार्च, 2012 को अहमदाबाद में निधन हो गया। वे 93 वर्ष के थे। बी जे दीवान आंध्र प्रदेश तथा गुजरात उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रह चुके थे।

चर्चित स्थान

- **सूरजपुर** सूरजपुर को छत्तीसगढ़ का 26वाँ जिला बनाया गया है। मुख्यमन्त्री रमन सिंह ने 19 जनवरी, 2012 को इसका औपचारिक शुभारम्भ किया।
- **जयपुर** 10वें प्रवासी भारतीय दिवस का आयोजन वर्ष 2012 में 7 से 9 जनवरी के मध्य जयपुर में हुआ।
- **बागुंडी** राजस्थान के बाड़मेर के बागुंडी युद्ध क्षेत्र में भारतीय थल सेना द्वारा आयोजित सुदर्शन शक्ति सैन्य युद्धाभ्यास 5 दिसम्बर, 2011 को सम्पन्न हो गया।
- **पर्थ** राष्ट्रमण्डल देशों के प्रमुखों का द्विवार्षिक सम्मेलन (चोगम) ऑस्ट्रेलिया के शहर पर्थ में आयोजित किया गया।

CHOGM 2011

- **कान** औद्योगिक और उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों के संगठन जी-20 का छठा शिखर सम्मेलन फ्रांस के शहर कान में 3-4 नवम्बर, 2011 को आयोजित किया गया।
- **अड्डू** दक्षिण एशियाई देशों के संगठन 'दक्षेस' (SAARC) का 17वाँ दो दिवसीय सम्मेलन 10-11 नवम्बर, 2011 को मालदीव के 'अड्डू' नामक शहर में आयोजित किया गया।

SAARC

- **समस्तीपुर** बिहार की ऐतिहासिक विरासत में एक और अति प्राचीन कालखण्ड जुड़ गया है। समस्तीपुर के पाण्डव (पाण्ड) नामक स्थान पर फरवरी 2012 में उत्खनन द्वारा छह हजार वर्ष पुरानी मानव सभ्यता की खोज की।
- **दिरांग** रक्षा मन्त्रालय के अन्तर्गत एक स्वायत्त संस्थान के रूप में अरुणाचल प्रदेश के दिरांग में पर्वतारोहण एवं सम्बन्धित खेल के राष्ट्रीय संस्थान की स्थापना को 25 अक्टूबर, 2011 को स्वीकृति प्रदान की।
- **डेनमार्क** अक्टूबर, 2011 में डेनमार्क यूरोप का पहला और विश्व का भी पहला देश बन गया है जहाँ सैचुरेटेड फैट (वसा वाले खाद्य पदार्थों) पर कर लगा दिया गया है।
- **दुबई** संयुक्त अरब अमीरात का पहला गुरु नानक दरबार दुबई के जबल अली इलाके में फरवरी, 2012 में शुरू हो गया।
- **वान** 23 अक्टूबर, 2011 को पूर्वी तुर्की के वान शहर के निकट भीषण भूकम्प आया, जिसमें 604 लोग मारे गए तथा 4000 से अधिक लोग घायल हो गए।
- **बादियान जारान** चीन के उत्तरी मंगोलिया स्वायत्त क्षेत्र में स्थित रेगिस्तान बादियान जारान में हाल ही में पुरातत्त्वविदों ने लगभग 5000 वर्ष पुरानी सभ्यता के अवशेषों को ढूँढ़ निकाला है।
- **जयपुर** जयपुर के सेन्ट्रल पार्क में 206 फीट ऊँचा राष्ट्रीय ध्वज स्थापित किया गया है। यह 72 फीट लम्बा और 48 फीट चौड़ा है, जो देश का सबसे बड़े आकार का ध्वज है। राजस्थान देश का पहला राज्य है, जिसकी राजधानी में यह स्मारक चिह्न रूपी राष्ट्रीय ध्वज स्थापित किया गया है।
- **कुडनकुलम** कुडनकुलम परमाणु संयंत्र का विरोध कुछ गैर सरकारी संगठनों (NGOs) द्वारा किया जा रहा है। सरकार ने इस संयंत्र का विरोध करने वाले संगठनों पर कार्यवाई करने की बात की है।

राष्ट्रीय परिदृश्य



➤ **नालंदा के किसानों ने बनाया विश्व रिकॉर्ड** आलू उत्पादन में बिहार के नालंदा जिले के दरवेशपुरा गाँव के किसानों ने विश्व रिकॉर्ड कायम किया है। यहाँ 729 क्विंटल प्रति हेक्टेयर आलू का उत्पादन किया गया है, जो एक विश्व रिकॉर्ड है।

➤ **राष्ट्रीय आतंकवाद निरोधक केन्द्र का गठन** केन्द्र सरकार ने 12 जनवरी, 2012 को राष्ट्रीय आतंकवाद निरोधक केन्द्र (एनसीटीसी) के गठन को मंजूरी प्रदान कर दी। यह केन्द्र देश में सभी प्रकार की आतंकवाद निरोधक गतिविधियों के लिए शीर्ष निकाय के रूप में कार्य करेगा।

➤ **देश की प्रथम ऑनलाइन ब्रेल लाइब्रेरी** केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मन्त्री श्री मुकुल वासविक ने 4 जनवरी, 2012 को मुम्बई के बान्द्रा स्थित नेशनल इन्स्टीट्यूट फॉर विजुअली हैण्डीकैप्ड (NIVH) में देश की पहली ऑनलाइन ब्रेल लाइब्रेरी लॉन्च की।

➤ **NCHER विधेयक को मंजूरी** नेशनल कमीशन ऑफ हायर एजुकेशन एण्ड रिसर्च (एन सी एच ई आर) को केन्द्रीय मन्त्रिमण्डल ने 20 दिसम्बर, 2011 को मंजूरी प्रदान की इस विधेयक के प्रावधानों के तहत उच्च शिक्षा के नियमन करने वाली सभी एजेन्सियों को समाप्त करके एक नई एजेन्सी एन सी एच ई आर बनाने का प्रावधान है। मेडिकल और कृषि शिक्षा इसके दायरे में नहीं आएँगे।

➤ **बिहार में विश्व का सबसे बड़ा मंदिर प्रस्तावित** कम्बोडिया के अंकोरवाट के मंदिर की प्रतिकृति पर आधारित विश्व का सबसे बड़ा मंदिर बिहार के हाजीपुर में बनाये जाने का प्रस्ताव है। इस मंदिर पर ₹100 करोड़ की लागत आने की संभावना है। इसे 'विराट अंकोरवाट मंदिर' नाम दिया गया है।

➤ **देश की सबसे लम्बी रेल सेवा प्रारम्भ** एक नई साप्ताहिक ट्रेन 'विवेक एक्सप्रेस' को देश के सबसे लम्बे रेलमार्ग असोम के डिब्रूगढ़ और तमिलनाडु के कन्याकुमारी के बीच 18 नवम्बर, 2011 को चलाना प्रारम्भ किया। इन दोनों स्थानों के बीच 4286 किमी की दूरी है।



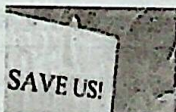
➤ **मानव विकास रिपोर्ट-2011** संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा 2 नवम्बर, 2011 को जारी की गई मानव विकास रिपोर्ट में भारत को 134वाँ स्थान प्राप्त हुआ। नॉर्वे, ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैण्ड क्रमश: पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर हैं।



➤ इस रिपोर्ट में बहुआयामी गरीबी का मूल्यांकन करने के लिए आय के अतिरिक्त स्वास्थ्य, जीवन स्तर व शिक्षा को समाहित किया जाता है।

➤ **विश्व का सबसे बड़ा यूरेनियम भण्डार भारत में** आन्ध्र प्रदेश के तुमालापल्ली में यूरेनियम का विशाल भण्डार (49,000 टन) प्राप्त हुआ है, जिससे 1.5 लाख टन यूरेनियम पैदा किया जा सकता है। यह भण्डार विश्व का सबसे बड़ा यूरेनियम भण्डार है।

➤ **महिलाओं को 50% आरक्षण** केन्द्रीय मन्त्रिमण्डल ने पंचायती राज संस्थाओं में सभी स्तर पर महिलाओं की भागीदारी एक तिहाई से बढ़ाकर 50% करने हेतु विधेयक (110वाँ संविधान संशोधन विधेयक) को मंजूरी प्रदान कर दी।



➤ **अल्पसंख्यकों को 4.5% आरक्षण** 22 दिसम्बर, 2011 को केन्द्रीय मन्त्रिमण्डल ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के 27% आरक्षण के भीतर 4.5% आरक्षण देने की मंजूरी प्रदान की। यह निर्णय राष्ट्रीय धार्मिक एवं भाषायी अल्पसंख्यक आयोग की सिफारिशों के आधार पर लिया गया।

➤ **राष्ट्रीय साझा मोबिलिटी कार्ड योजना** केन्द्रीय शहरी विकास मन्त्री कमलनाथ ने राष्ट्रीय साझा मोबिलिटी कार्ड योजना को 6 दिसम्बर, 2011 को लॉन्च किया। इसका उद्देश्य देश भर में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आधुनिक बनाना तथा बड़े शहरों में वाहनों की भीड़-भाड़ को कम करना है।

➤ **ट्रान्सपैरेन्सी इन्टरनेशनल रिपोर्ट, 2011** वैश्विक स्तर पर भ्रष्टाचार पर निगरानी करने वाली एक प्रमुख संस्था ट्रान्सपैरेन्सी इन्टरनेशनल ने 183 देशों में कराए गए सर्वेक्षण के आधार पर जारी सूची में भारत को (3.3 अंक के साथ) 95वें स्थान पर रखा।

➤ **जननी शिशु सुरक्षा योजना** देश के सरकारी अस्पतालों में गर्भवती महिलाओं के लिए नि:शुल्क प्रसूति और दवाओं तथा आहार की गारन्टी देने वाली राष्ट्रीय योजना का प्रारम्भ हरियाणा के मेवात जिले से हुआ।

➤ **'शिक्षा का हक' अभियान** शिक्षा का अधिकार कानूनू (RTI) का प्रभावी क्रियान्वयन केन्द्र सरकार द्वारा 11 नवम्बर, 2011 को हरियाणा के मेवात जिले के नूह से प्रारम्भ किया गया। इसका उद्देश्य सम्पूर्ण देश में लोगों में शिक्षा के अधिकार, निःशुल्क तथा अनिवार्य शिक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करना है।



➤ **सामाजिक-आर्थिक व जाति जनगणना** स्वाधीनता के बाद भारत में पहली बार सामाजिक-आर्थिक और जाति आधारित जनगणना -2011 की शुरूआत 29 जून, 2011 को त्रिपुरा राज्य के पश्चिमी त्रिपुरा जिले के हेजमारा खण्ड के संखोला गाँव में हुई।

➤ **राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन** ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों (Self Help Group-SHGs) को सुदृढ़ कर उनके माध्यम से निर्धनों की निर्धनता निवारण के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीवका मिशन की शुरूआत केन्द्र सरकार ने 3 जून, 2011 को की।

अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य



➤ **100 साल बाद अफगानिस्तान में रेल** आतंकवाद से त्रस्त अफगानिस्तान में 100 वर्ष बाद रेलमार्गों को खोलने की घोषणा हुई है। चीन तथा भारत रेलवे के विकास में अफगानिस्तान की सहायता कर रहे हैं। वर्ष 1912 में अफगानिस्तान शासक ने ब्रिटिश औपनिवेशिक नीतियों के भय से रेलवे संचालन बंद कर दिया था।

➤ **ब्रिटानिका इंसाइक्लोपीडिया का प्रकाशन बंद** 244 वर्षों से लगातार प्रकाशित होने वाली ब्रिटानिका इंसाइक्लोपीडिया के प्रकाशन को बंद करने की घोषणा की गई है। यह सबसे पहले वर्ष 1768 में स्कॉटलैण्ड से प्रकाशित हुई थी। इसके नये संस्करण प्रत्येक दो वर्ष पर प्रकाशित होते रहे हैं। ब्रिटानिका इंसाइक्लोपीडिया का ऑनलाइन संस्करण यथावत् चलता रहेगा।

➤ **श्रमिक अधिकारों हेतु भारत व अमेरिका में सहमति** भविष्य में श्रम व रोजगार के मुद्दे पर भारत और अमेरिका के साझा सहमति पत्र पर 3 फरवरी, 2012 को हस्ताक्षर हुए। सहमति पत्र में श्रम व रोजगार के मुद्दों पर सहयोग करने का प्रावधान है।

➤ **जहीरूल इस्लाम आईएसआई के नये प्रमुख** पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के प्रमुख पद पर जहीरूल इस्लाम की नियुक्ति की गई है। जहीरूल इस्लाम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी शाहनवाज खान के भाई हैं। शाहनवाज खान आजाद हिन्द फौज के सेनानायक थे।

➤ **विश्व का सबसे ऊँचा टॉवर** 17 नवम्बर, 2011 को जापान की राजधानी टोक्यो स्थित टॉवर 'स्काई ट्री' को विश्व का सबसे ऊँचा टॉवर घोषित किया गया। इसकी ऊँचाई 634 मी है।



➤ **नागोया प्रोटोकॉल** नागोया प्रोटोकॉल पर सितम्बर, 2011 तक विश्व के 60 देशों ने स्वीकृति प्रदान की। इसका सम्बन्ध आनुवंशिक स्रोतों तक पहुँच व लाभों की उचित व समान हिस्सेदारी से है।

➤ **स्टार्ट सन्धि अनुमोदित** नाभिकीय हथियारों की संख्या में कटौती के लिए 'स्टार्ट' (START-Strategic Arms Reduction Treaty) सन्धि अमेरिका व रूस द्वारा अनुमोदित की गई।

➤ **वनुआतु, विश्व व्यापार संगठन का 154वाँ सदस्य** प्रशान्त महासागर स्थित छोटा द्वीपीय राष्ट्र वनुआतु विश्व व्यापार संगठन का 154वाँ नया सदस्य बन गया।

➤ **सीरिया में हिंसा के विरुद्ध महासभा में प्रस्ताव पारित** संयुक्त राष्ट्र महासभा ने पिछले 11 महीनों से सीरिया में जारी हिंसा को तुरन्त समाप्त करने सम्बन्धी प्रस्ताव को फरवरी, 2012, में 12 के मुकाबले 137 मतों से पास कर दिया।

➤ **रूस और चीन के बीच पहली तेल पाइपलाइन** दुनिया के सबसे बड़े तेल उत्पादकों में से एक रूस और ऊर्जा के सबसे बड़े उपभोक्ता चीन के बीच पहली तेल पाइपलाइन शुरू हो गई।

➤ **सऊदी अरब में महिलाओं को मताधिकार** सऊदी अरब किंग अब्दुल्ला ने ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए महिलाओं को पहली बार मताधिकार व चुनाव में उम्मीदवार बनने का अधिकार प्रदान करने की घोषणा की।

➤ **विश्व-जनसंख्या 7 अरब** 31 अक्टूबर, 2011 को विश्व की जनसंख्या सात अरब हो गई। भारत, फिलीपीन्स तथा रूस में 31 अक्टूबर की रात से 1 नवम्बर की सुबह तक जन्म लेने वाले बच्चों को सांकेतिक रूप से सात अरबवाँ बच्चा माना गया।



अर्थ एवं वित्त

➤ **मल्टीब्राण्ड रिटेल में 51% एफ डी आई** केन्द्र सरकार ने 24 नवम्बर, 2011 को मल्टीब्राण्ड रिटेल में 51% एफ डी आई को मंजूरी दे दी तथा सिंगल ब्राण्ड में एफ डी आई की सीमा बढ़ाकर 100% कर दी गई है।

➤ **31वाँ अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला** भारतीय उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 31वें अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले का उद्घाटन 14 नवम्बर, 2011 को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में किया गया।

➤ **टी सी एस बाजार पूँजीकरण में अव्वल** टाटा समूह की आई टी कम्पनी टाटा कन्सल्टेंन्सी सर्विसेज (टीसीएस) 20 दिसम्बर, 2011 को भारत में बाजार पूँजीकरण के मामले में सबसे मूल्यावान कम्पनी (रिलायन्स इण्डस्ट्रीज को पछाड़कर) बन गई।

➤ **कोल इण्डिया लिमिटेड में नंई मूल्य निर्धारण प्रणाली** सार्वजनिक कम्पनी कोल इण्डिया लिमिटेड के निदेशक मण्डल ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत सकल कैलोरी (ताप की इकाई) आधारित मूल्य निर्धारण प्रणाली को 1 जनवरी, 2012 से लागू करने को मंजूरी प्रदान कर दी।

➤ **एसबीआई की 'बैंक ऑन व्हील्स' सेवा** देश में सार्वजनिक क्षेत्र में सबसे बड़े बैंक 'स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया' ने मोबाइल बैंकिंग सेवा की शुरूआत की है। इसका उद्देश्य गाँवों में रहने वालो को उनके घर पर बैंकिंग सुविधा मुहैया कराना है।

➤ **राष्ट्रीय बिजली कोष को मंजूरी** विद्युत वितरण नेटवर्क में सुधार हेतु बिजली कम्पनियों को दिए जाने वाले कर्ज पर ब्याज सब्सिडी मुहैया कराने के लिए राष्ट्रीय बिजली कोष के गठन को 13 दिसम्बर, 2011 को मंजूरी दे दी गई।

➤ **राष्ट्रीय आवृत्ति आवंटन योजना** केन्द्रीय संचार व सूचना प्रौद्योगिकी मन्त्री श्री कपिल सिब्बल ने 30 सितम्बर, 2011 को 'राष्ट्रीय आवृत्ति आवंटन योजना' का अनावरण किया। इस योजना का मुख्य उद्देश्य दुर्लभ प्राकृतिक संसाधन स्पेक्ट्रंम का समान व अनुकूलतम् उपयोग सुनिश्चित करना है।

➤ **खाद्य सुरक्षा विधेयक को मंजूरी** सस्ती दरों पर अनाज उपलब्ध कराने हेतु केन्द्रीय मन्त्रिमण्डल ने खाद्य विधेयक को 18 दिसम्बर, 2011 को मंजूरी प्रदान की। इस विधेयक के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली 75% जबकि शहरी क्षेत्रों में रहने वाली 50% आबादी को सस्ती दरों पर अनाज उपलब्ध कराना है।

➤ **एस्टोनिया ने 'यूरो' मुद्रा को अपनाया** एस्टोनिया ने यूरो मुद्रा को अपना लिया। यह यूरो जोन देशों के समूह का 17वाँ सदस्य है। इससे पहले यहाँ 'क्रोन' मुद्रा चलन में थी।

➤ **'बीएसई-ग्रीनेक्स'** बॉम्बे स्टॉक एक्सचेन्ज ने 22 फरवरी, 2012 को 'बीएसई-ग्रीनेक्स' नाम से नया इण्डेक्स लॉन्च किया। यह इण्डेक्स कार्बन उत्सर्जन के मामले में कम्पनियों के प्रदर्शन का लेखा-जोखा रखेगी।

➤ **कृषि सर्वेक्षण रिपोर्ट 2011-12** कृषि. सर्वेक्षण रिपोर्ट में खेती के विभिन्न पहलुओं को गंभीरता से लेते हुए बागवानी, पशु विकास तथा पोल्ट्री उत्पादकता में वृद्धि पर विचार किया गया है। इस रिपोर्ट में माना गया है कि बाढ़ तथा सूखे के बावजूद देश में रिकॉर्ड 21.9 करोड़ टन खाद्यान्न का उत्पादन हुआ है।

आर्थिक सर्वेक्षण 2011-12

वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी ने 15 मार्च, 2012 को लोकसभा में वर्ष 2011-12 का आर्थिक सर्वेक्षण प्रस्तुत किया। इसमें उन्होंने 2011-12 वित्त वर्ष के दौरान सकल आर्थिक समृद्धि दर 6.9% होने की बात की। आर्थिक सर्वेक्षण में निम्न मुख्य बिंदुओं को प्रकाशित किया गया है—

➤ इसमें संगठित व्यापार और कृषि को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया है।

➤ 'खेत से खाने की मेज तक' व्यवस्था विकसित करने के लिए मल्टी ब्रांड रिटेल में एफडीआई को अनिवार्य बताया गया है।

➤ खाद्यान्नों के लिए आधुनिक भण्डारण सुविधाओं के निर्माण की जरूरत को स्वीकृति मिली है।

➤ विशेष फसल उत्पादन करने वाले राज्यों/क्षेत्रों में विशिष्ट बाजार विकसित करने को महत्व दिया गया है।

- आर्थिक सर्वेक्षण 2011-12 के अनुसार वर्ष 2012-13 में विकास दर 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसमें वर्ष 2013-14 के लिए विकास दर 8.6% अनुमानित है।
- कृषि तथा सेवा क्षेत्र में प्रदर्शन बेहतर हुआ है। वर्ष 2012-13 के दौरान कृषि में विकास दर 2.5% रहने का अनुमान है। सेवा क्षेत्र में जीडीपी की हिस्सेदारी 59% तक पहुँचेगी।
- औद्योगिक वृद्धि दर 4.5% रहने की संभावना है।
- वर्ष 2011 में जीडीपी के मुकाबले राजकोषीय घाटा 4.6% तथा 2012 में इसके जीडीपी का 4.1% रहने की संभावना है।
- अप्रैल 2011 से जनवरी 2012 के बीच निर्यात 23.5 प्रतिशत बढ़ा तथा देश का कुल निर्यात 242.8 अरब डॉलर हो गया है।
- वर्ष 2011-12 में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि पिछले नौ वर्षों में सबसे निम्न वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2011-12 में अर्थव्यवस्था में 6.9 प्रतिशत वृद्धि दर की आशा व्यक्त की गई है।
- केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन द्वारा 31 जनवरी, 2012 को जारी राष्ट्रीय आय के त्वरित अनुमानों द्वारा घोषित सकल घरेलू उत्पाद में नवीनतम संशोधनों के अनुसार वर्ष 2009-10 में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि 8.2 प्रतिशत रही जबकि वर्ष 2010-11 में यह 9.2 प्रतिशत रही।
- वैश्विक आर्थिक संकट के बावजूद निर्यात में 22.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आयात में 2010-11 के दौरान 15.6 प्रतिशत की वास्तविक वृद्धि दर्ज की गई है।
- सकल घरेलू बचत दर 2009-10 में 33.8 प्रतिशत थी, जो 2010-11 में गिरकर 32.3 प्रतिशत रह गई। पारिवारिक बचतों में आई कमी के कारण यह गिरावट दर्ज की गई है।
- वर्ष 2010-11 में 244.78 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन हुआ है जो एक रिकॉर्ड है। वर्ष 2011-12 के दौरान 250.42 मिलियन टन खाद्यान्न का उत्पादन अनुमानित है।
- विनिर्माण क्षेत्र में अप्रैल-दिसम्बर 2010 में 9.0% वृद्धि दर्ज की गई थी जो इसी दौरान 2011 में 3.9% रही। इसका कारण समस्त औद्योगिक क्षेत्र का अवमंदन है।
- दूरसंचार क्षेत्र में सतत् वृद्धि दर्ज की गई है। 31 दिसम्बर 2011 को टेलीफोनों की संख्या 926.95 मिलियन थी। ग्रामीण क्षेत्रों में दूरसंचार सघनता केवल 37.5% थी।

रेल बजट 2012–13

रेलमंत्री दिनेश त्रिवेदी ने 14 मार्च, 2012 को वर्ष 2012-13 के लिए रेल बजट संसद में प्रस्तुत किया। यह देश का 82वाँ रेल बजट है। इस बजट की प्रमुख बातें निम्नलिखित हैं—

- आठ साल बाद यात्री किराए में वृद्धि की घोषणा की गई है। आंकड़ों के हिसाब से हर किमी पर किराया 2 से 30 पैसे प्रति किलोमीटर की दर से बढ़ाया गया है।
- प्लेटफॉर्म टिकट अब ₹3 के बजाय ₹5 का होगा।
- यात्री सुविधाओं में वृद्धि करते हुए वेटिंग लिस्ट यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने की बात की गई है।
- ₹60,100 करोड़ का योजना परिव्यय, जिसमें सुविधा तथा सुरक्षा को अधिक महत्व दिया गया है।
- रेलवे में 75 नई एक्सप्रेस, 21 नई पैसेंजर, 9 डीएमयू तथा 8 एएमयू ट्रेनों के परिचालन का प्रस्ताव है। 39 रेलगाड़ियों का विस्तार तथा 23 के फेरों में वृद्धि का प्रस्ताव भी है।
- काकोदकर समिति की सिफारिशों के अनुरूप रेलवे संरक्षा प्राधिकरण की स्थापना करने की बात की गई है।
- रेलवे के आधुनिकीकरण के लिए सैम पित्रोदा समिति द्वारा अनुशंसित मिशनों की स्थापना की जाएगी।
- महत्वपूर्ण स्टेशनों पर 50 एस्केलेटर आगामी 2012-13 के वित्तीय वर्ष में बनाये जाएँगे।
- ई-टिकट के मामले में यात्री के मोबाइल फोन पर एसएमएस को वैध आरक्षण को प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जाएगा।
- राजधानी, शताब्दी तथा दुरोन्तो गाड़ियों में ऑन बोर्ड रेल बंधु मैगजीन शुरू की जाएगी।
- 151 डाकघरों के माध्यम से पीआरएस टिकटों की बिक्री की जाएगी।
- सभी गरीब रथ ट्रेनों में विकलांगों के लिए विशेष तौर पर तैयार एसी कोच लगाए जाएँगे।
- रेल खेल रत्न पुरस्कार आरंभ किया जाएगा। यह पुरस्कार हर वर्ष 10 खिलाड़ियों को दिया जाएगा।

➤ वर्ष 2017 तक रेलवे के आधुनिकीकरण पर ₹ 839000 करोड़ खर्च किए जाएँगे। इसमें स्टेशनों तथा टर्मिनलों को आधुनिक बनाने का प्रस्ताव भी है।

➤ 250 से 300 किलोमीटर प्रति घण्टा की रफ्तार से चलने वाली रेल गाड़ियों की कार्ययोजना तेजी से बनेगी।

➤ आपात स्थितियों के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के लिए लखनऊ, बंगलुरु तथा खड़गपुर में 'संरक्षा ग्राम' नामक नए प्रशिक्षण केन्द्र बनाए जाएँगे।

➤ अगले पाँच वर्षों में 19000 किमी पटरियों तथा 11,250 पुलों को बदलने की योजना है।

आम बजट 2012–13

वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी ने 16 मार्च, 2012 को वित्त वर्ष 2012-13 के लिए आम बजट लोकसभा में प्रस्तुत किया। यह वित्त मंत्री के रूप में प्रणव मुखर्जी का लगातार सातवाँ आम बजट था। आम बजट 2012-13 की प्रमुख बातें निम्न हैं—

➤ आयकर की सीमा को 1.8 लाख से बढ़ाकर 2.0 लाख किया गया।

➤ सेवा शुल्क को 12% किया गया है जो पहले 10% था।

➤ वित्तीय वर्ष 2012-13 में सब्सिडी जीडीपी के 2% से नीचे लाई जाएगी। तीन वर्षों में इसे 1.75% तक लाने का लक्ष्य है।

➤ कृषि पर खर्च को 18 प्रतिशत बढ़ाकर ₹ 20,208 करोड़ करने का प्रावधान है। पूर्वी भारत में हरित क्रांति के लिए एक हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

➤ बचत को प्रोत्साहन देने के लिए तथा घरेलू पूँजी बजार की संरचना में सुधार के लिए 'राजीव गाँधी इक्विटी बचत योजना' शुरू की गई है। इसमें ₹ 50 हजार तक के निवेश पर 50% की छूट मिलेगी।

➤ राष्ट्रीय शहरीकरण मिशन की शुरुआत की गई है, जिसमें एम्स की तर्ज पर सात और अस्पतालों को विकसित किये जाएँगे।

➤ 25 अगस्त, 2012 से जीएसटी (GST) लागू करने की घोषणा की गई है।

➤ एजुकेशन लोन के लिए अलग से क्रेडिट गारण्टी फण्ड की व्यवस्था की जाएगी।

➤ ₹ 60 हजार करोड़ के इंफ्रास्ट्रक्चर बॉण्ड जारी किए जाने का प्रस्ताव रखा गया है।

➤ वित्तीय वर्ष 2012-13 के लिए ₹ 1.79 लाख करोड़ की सब्सिडी का प्रावधान है जो पिछले वित्तीय वर्ष के मुकाबले 14 प्रतिशत कम है।

➤ सर्व शिक्षा अभियान के लिए बजट में 21.7% की वृद्धि की गई है।

➤ 12वीं पंचवर्षीय योजना में ब्लॉक स्तर पर 6 हजार मॉडल स्कूल खोलने का प्रस्ताव रखा गया है।

➤ राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान का बजट 29% बढ़ाया गया है।

➤ बारहवीं पंचवर्षीय योजना में 'तीव्रतर सतत् तथा अधिक समावेशी विकास' के लक्ष्य के साथ आगामी राजकोषीय वर्ष में समृद्धि के लिए पाँच उद्देश्य चिह्नित किए गए हैं।

➤ केन्द्र प्रायोजित योजना को सुचारू तथा कारगर बनाने और उनकी संख्या कम करने के लिए विशेषज्ञों की सिफारिशें तथा आयोजना और उनके वर्गीकृत समाधान को ध्यान में रखा जाएगा।

➤ राष्ट्रीय सूचना उपयोगिता केन्द्र के रूप में स्थापित किए जाने वाला जीएसटी नेटवर्क अगस्त 2012 में कार्य आरंभ करेगा।

➤ वर्ष 2012-13 के लिए ₹ 30,000 करोड़ की राशि विनिवेश के माध्यम से जुटाई जाएगी। इसमें सरकार के पास निवेश की जाने वाली संस्थाओं में कम-से-कम 51 प्रतिशत का स्वामित्व और प्रबंधात्मक नियंत्रण रहेगा।

➤ 51 प्रतिशत तक के बहु ब्राण्ड खुदरा व्यापार की अनुमति देने के निर्णय को राज्य सरकारों के मतैक्य के बाद लागू करने का प्रयास किया जाएगा।

➤ मार्च 2012 के अंत तक 'स्वाभिमान' अभियान के तहत शामिल 73,000 बस्तियों में से 70,000 को कवर करने का उद्देश्य निर्धारित किया गया है।

➤ भारत के 81 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (CBS) को सफलतापूर्वक अपनाया गया है। इनमें नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फण्ड ट्रांसफर सिस्टम की शुरुआत की जाती है।

➤ बारहवीं पंचवर्षीय योजना की अवधि में अवसंरचना में ₹ 50 लाख करोड़ निवेश की आधी राशि निजी क्षेत्र से प्राप्त होने की आशा है।

➤ ₹ 8,000 करोड़ की प्रारंभिक राशि के साथ पहली अवसंरचना ऋण निधि की शुरुआत मार्च, 2012 में की जाएगी।

➤ वर्ष 2013 तक एनएचडीपी के तहत 8800 किमी की लम्बाई की सड़कों को कवर करने का लक्ष्य रखा गया है।

➤ हस्तकरघा बुनकरों के ऋणों की माफी तथा सरकारी सोसाइटी के लिए ₹ 3884 करोड़ के वित्तीय पैकेज की घोषणा की गई है। मिजोरम, नागालैण्ड तथा झारखण्ड में बुनकर सेवा केन्द्र स्थापित होंगे।

➤ 12वीं पंचवर्षीय योजना में निम्न मिशनों को कृषि विकास के उद्देश्य से आपस में मिलाने की योजना—

- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन
- राष्ट्रीय सतत् कृषि मिशन
- राष्ट्रीय तिलहन तथा पाम ऑयल मिशन
- राष्ट्रीय कृषि विस्तार तथा प्रौद्योगिकी मिशन
- राष्ट्रीय बागवानी मिशन

➤ कृषि ऋण लक्ष्य को ₹ 1,00,000 करोड़ से बढ़ाकर वर्ष 2012-13 में ₹ 5,75,000 करोड़ किया जा रहा है।

➤ एकीकृत बाल विकास योजना के लिए ₹ 15,850 करोड़ का आवंटन किया गया है, जो वित्त वर्ष 2011-12 की तुलना में 58% अधिक है।

➤ रक्षा सेवाओं के लिए ₹ 1,93,407 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जिसमें पूँजी व्यय हेतु ₹ 79,579 करोड़ शामिल है।

बजट अनुमान 2012-13

क्षेत्रक	(₹ करोड़ में)
सकल कर प्राप्तियाँ	10,77,612
केन्द्र को निवल कर	7,71,071
कर भिन्न प्राप्तियाँ	1,64,614
ऋण भिन्न पूँजी प्राप्तियाँ	41,650
कुल व्यय की राशि	14,90,925
आयोजन व्यय	5,21,025

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी



➤ **यूनिवर्सल ट्रांसलेटर** माइक्रोसॉफ्ट ने एक ऐसे सॉफ्टवेयर को विकसित किया है जिसके माध्यम से अंग्रेजी से 26 भाषाओं में अनुवाद करना आसान होगा। इस सॉफ्टवेयर को 'यूनिवर्सल ट्रांसलेटर' नाम दिया गया है।

➤ **एस्पायर एस 5** सूचना प्रौद्योगिकी कम्पनी एसर ने विश्व के सबसे पतले व हल्के लैपटॉप 'एस्पायर एस 5' को लास वेगास में 9 जनवरी, 2012 को लॉन्च किया। इसका वजन मात्र 1.35 किग्रा व एलसीडी स्क्रीन 13.3 इंच (34 सेमी) की है।

➤ **'क्यूरोसिटी'** अमेरिकी अन्तरिक्ष एजेन्सी 'नासा' ने 'क्यूरोसिटी' अन्तरिक्ष यान को 26 नवम्बर, 2011 को मंगल ग्रह की यात्रा पर रवाना किया। यह यान मंगल ग्रह की जलवायु और तापमान के बारे में जानकारी जुटाएगा।

➤ **वीएफटीएस 102** अन्तर्राष्ट्रीय खगोलविदों की एक टीम ने अन्तरिक्ष में सबसे तेज गति से घूमने वाला तारा खोज लिया है। इस तारे का नाम वीएफटीएस 102 है, जो अपनी विषुवत् रेखा पर 600 किमी प्रति घण्टे की रफ्तार से घूमता है।

➤ **केप्लर-22बी** अमेरिकी अन्तरिक्ष एजेन्सी नासा ने सौरमण्डल से बाहर केप्लर-22 बी नामक ग्रह का पता लगाया है, जो पृथ्वी से आकार में दोगुना बड़ा तथा 600 प्रकाश वर्ष दूर है।

➤ **अवॉक्स** रक्षा अनुसन्धान और विकास संगठन ने स्वदेशी तकनीक से निर्मित अवॉक्स (AWACS : Airborne Warning and Control System) प्रणाली का प्रथम उड़ान परीक्षण 7 दिसम्बर, 2011 को किया गया।

➤ **अग्नि-4** भारत ने 15 नवम्बर, 2011 को परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम अग्नि-4 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण ओडिशा के व्हीलर द्वीप से एकीकृत परीक्षण रेंज (आई टी आर) से किया। यह मिसाइल 3000 किमी तक मार करने में सक्षम है।

➤ **डब्ल्यूडी 0806-661 बी** अमेरिका स्थित पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी के खगोलविदों ने अक्टूबर, 2011 में सौरमण्डल से बाहर डब्ल्यूडी 0806-661 बी नामक अन्तरिक्ष के सबसे ठण्डे तारे की खोज की।

➤ **डर्मस्ट्रैडियम तथा कॉपरनिशियम** इण्टरनेशनल यूनियन ऑफ प्योर एण्ड एप्लाइड फिजिक्स (IUPAP) द्वारा लन्दन स्थित इन्स्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स में 4 नवम्बर, 2011 को सम्पन्न इसके 27वें महासभा में क्रमशः 110, 111 एवं 112 परमाणु संख्या वाले तीन नए तत्त्वों डर्मस्ट्रैडियम (Ds) रोंटजेनियम (Rg) एवं कॉपरनिशियम (Cm) के नामों को मंजूरी देते हुए इन्हें आवर्त सारणी में जोड़ा गया।

➤ **रुस्तम-1** रक्षा अनुसन्धान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की प्रयोगशाला एयरोनॉटिकल डेवलपमेण्ट एस्टेब्लिशमेन्ट (एडीई) द्वारा विकसीत मानव रहित हवाई वाहन रुस्तम-1 का सफल परीक्षण किया गया। यह 14 घण्टे तक उड़ान भरने तथा 8000 मी की ऊँचाई तक जाने में सक्षम है।

पुरस्कार एवं सम्मान



➤ **84वाँ ऑस्कर पुरस्कार** फिल्म जगत के सर्वाधिक प्रतिष्ठित 84वें ऑस्कर पुरस्कारों का वितरण 4 मार्च, 2012 को किया गया। दिए गए प्रमुख पुरस्कारों का विवरण निम्न है—

सर्वश्रेष्ठ फिल्म	द आर्टिस्ट
सर्वश्रेष्ठ अभिनेता	जीन डुजार्डिन (द आर्टिस्ट)
सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री	मिरील स्ट्रीप (द आयरण लेडी)
सर्वश्रेष्ठ निर्देशक	माइकल हजानाविसिअस (द आर्टिस्ट)

➤ **फीफा बैलोन डिओर ट्रॉफी** 9 जनवरी, 2012 को ज्यूरिख (स्विट्जरलैण्ड) में अर्जेन्टीनी फुटबॉलर लियोन मेसी को फीफा का यह सर्वोच्च पुरस्कार दिया गया। लगातार तीन बार जीतने वाले वह दुनिया के दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं।

➤ **महात्मा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति एवं सद्भावना पुरस्कार 2011** तिब्बतियों के आध्यात्मिक धर्मगुरु दलाई लामा को वर्ष 2011 के महात्मा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति एवं सद्भावना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।



➤ **साहित्य अकादमी पुरस्कार** कथाकार काशीनाथ सिंह को वर्ष 2011 के साहित्य अकादमी पुरस्कार के लिए चुना गया है। उनके उपन्यास 'रेहन पे रग्घू' के लिए उन्हें यह पुरस्कार दिया गया।

➤ **आईटीएफ विश्व चैम्पियन्स पुरस्कार** विश्व के सर्वोच्च वरीयता प्राप्त सर्बियाई खिलाड़ी नोवाक जोकोविच तथा चेक गणराज्य की पेत्ता क्वितोवा को अन्तर्राष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आईटीएफ) ने वर्ष 2011 के लिए विश्व चैम्पियन्स पुरस्कार से पुरस्कृत किया।

➤ **इन्दिरा गाँधी पुरस्कार** सामाजिक कार्यकर्त्ता इला भट्ट को शान्ति, निशस्त्रीकरण और विकास के लिए वर्ष 2011 के प्रतिष्ठित इन्दिरा गाँधी पुरस्कार के लिए चुना गया।

➤ **मिस वर्ल्ड-2011** 6 नवम्बर, 2011 को मिस वेनेजुएला इवियन लुनासोल साकरेस कोलमेनारेस लन्दन में 'मिस वर्ल्ड-2011' चुनी गई।

➤ **एथलीट ऑफ द ईयर अवार्ड** फर्राटा दौड़ के विश्व रिकॉर्डधारी जमैका के उसेन बोल्ट एवं ऑस्ट्रेलिया की महिला धावक सैली पीयरसन को अन्तर्राष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ (आई ए ए एफ) ने वर्ष 2011 के 'एथलीट ऑफ द ईयर' अवार्ड से सम्मानित किया।



➤ **संयुक्त राष्ट्र सहिष्णुता एवं अहिंसा पुरस्कार** अफगानिस्तान की महिलाओं के अधिकारों के लिए कार्यरत कार्यकर्त्ता अनारकली होलारयार एवं फिलस्तीनी शान्ति कार्यकर्त्ता खालिद-अबू-अवाद को वर्ष 2011 के संयुक्त राष्ट्र सहिष्णुता व अहिंसा पुरस्कार से 9 दिसम्बर, 2011 को सम्मानित किया गया।

➤ **दादा साहेब फाल्के पुरस्कार** वर्ष 2010 का दादा साहेब फाल्के पुरस्कार निर्माता-निर्देशक के बालाचन्दर को दिया गया।



➤ **धनवन्तरि पुरस्कार** धनवन्तरि मेडिकल फाउण्डेशन का चिकित्सा के क्षेत्र में वर्ष 2011 का धनवन्तरि पुरस्कार प्रसिद्ध नेफ्रोलॉजिस्ट (किडनी रोग विशेषज्ञ) डॉ. एम के मणि को 30 अक्टूबर, 2011 को दिया गया।

➤ **45वें ज्ञानपीठ पुरस्कार** प्रसिद्ध साहित्यकार अमरकांत को 13 मार्च, 2012 को 45वाँ ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किया गया। इस पुरस्कार के लिए अमरकांत तथा श्रीलाल शुक्ल को संयुक्त रूप से चुना गया था। श्रीलाल शुक्ल का निधन अक्टूबर, 2011 में हो गया। इस पुरस्कार में पाँच लाख रुपये की राशि तथा प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया जाता है।

➤ **लोकमान्य तिलक पुरस्कार** दिग्गज पत्रकार एच के दुआ को पत्रकारिता में उत्कृष्ट योगदान के लिए वर्ष 2011 के प्रतिष्ठित लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चुना गया।

➤ **देवीशंकर अवस्थी सम्मान** समकालीन हिन्दी समालोचना के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए जितेन्द्र श्रीवास्तव को उनकी रचना 'आलोचना का मानव-मर्म' के लिए वर्ष 2011 का देवीशंकर अवस्थी सम्मान दिया गया है। यह पुरस्कार साहित्य अकादमी द्वारा दिया जाता है।

➤ **मैन बुकर पुरस्कार** वर्ष 2011 का मैन बुकर पुरस्कार ब्रिटिश लेखक जूलियन बार्न्स को प्रदान किया गया।



➤ **इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय एकता पुरस्कार** राष्ट्रीय एकता एवं सदभावना के लिए वर्ष 2010 का 26वाँ

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय एकता पुरस्कार पूर्व केन्द्रीय मन्त्री डॉ. मोहन धुरिया को 31 अक्टूबर, 2011 को दिया गया।

➤ **एबेल पुरस्कार, 2011** अमेरिकी गणितज्ञ जॉन मिल्नर को गणित के क्षेत्र का वर्ष 2011 का प्रतिष्ठित एबेल पुरस्कार दिया गया।

➤ **इनोवेशन अवार्ड फॉर द एम्पावरमेंट ऑफ वूमेन एण्ड गर्ल्स** भारतीय गैर-सरकारी संगठन (NGO) चिंतन को अमेरिकी का पहला 'इनोवेशन अवार्ड फॉर द एम्पावरमेंट ऑफ वूमेन एण्ड गर्ल्स' प्रदान किया गया है।

नोबेल पुरस्कार, 2011

वर्ष 2011 के लिए विश्व के सर्वाधिक प्रतिष्ठित सम्मान नोबेल पुरस्कार की घोषणा अक्टूबर, 2011 में की गई।

विजेता	क्षेत्र	उपलब्धि
▪ टॉमस ट्रांसट्रोमर (स्वीडन)	साहित्य	छवियों (मानवीय कल्पनाओं) को यथार्थ रूप में नया आयाम देने हेतु
▪ ब्रूस ब्यूटलर (अमेरिका), जूल्स हॉफमैन (लग्जमबर्ग), राल्फ एम. स्टीनमैन (कनाडा)	चिकित्सा विज्ञान	पुरस्कार का आधा भाग संयुक्त रूप से ब्यूटलर और हॉफमैन को प्रतिरक्षा प्रणाली के सक्रियण सम्बन्धी खोज हेतु। शेष आधा भाग स्टीनमैन को डेण्ड्रिटिक कोशिका और अनुकूल प्रतिरक्षा में उनकी भूमिका की खोज हेतु
▪ साउल पर्लमुटर (अमेरिका), ब्रियान पीं श्मिट (ऑस्ट्रेलिया)	भौतिक विज्ञान	तारों में होने वाले विस्फोटों (सुपरनोवा) का अध्ययन कर ब्रह्माण्ड के विस्तार में तेजी आने की बात को सिद्ध करने हेतु
▪ डैन शेचमैन	रसायन विज्ञान	'क्वासीक्रिस्टल्स' की खोज हेतु
▪ थॉमस जे. सार्जेंट (अमेरिका) व क्रिस्टोफर ए. सिम्स (अमेरिका)	अर्थशास्त्र	वृहत अर्थव्यवस्था में कारण और प्रभाव के अनुभवजन्य अनुसन्धान हेतु
▪ एलेन जॉनसन सरलीफ, लेमाह ग्बोवी, तवाक्कुल करमान (अफ्रीका)	शान्ति	स्त्रियों की सुरक्षा और अधिकारों के लिए किए गए अहिंसक संघर्षों हेतु

➤ **मान बुकर अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार** साहित्य के क्षेत्र का वर्ष 2011 का प्रतिष्ठित मान बुकर अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार अमेरिका के प्रसिद्ध उपन्यासकार फिलिप रोथ को 28 जून, 2011 को प्रदान किया गया।



➤ **विश्व खाद्य पुरस्कार** वर्ष 2011 का विश्व खाद्य पुरस्कार ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति लुइज इनासियो लुला ड सिल्वा व घाना के पूर्व राष्ट्रपति जॉन ए कुफोर को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया।

➤ **59वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार** वर्ष 2011 में प्रदर्शित फिल्मों के लिए 59वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा 7 मार्च, 2012 को की गई प्रमुख पुरस्कारों का विवरण निम्न है

सर्वश्रेष्ठ फिल्म डिउल (मराठी) व बयारी (ब्यारी)

सर्वश्रेष्ठ निर्देशक गुरविन्दर सिंह (अन्हे घोरे दा दान) पंजाबी

सर्वश्रेष्ठ अभिनेता गिरीश कुलकर्णी (डिउल)

सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री विद्या बालन (डर्टी पिक्चर)

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार-2011

➤ प्रत्येक वर्ष 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित एक समारोह में राष्ट्रीय खेल पुरस्कार दिया जाता है। वर्ष 2011 के पुरस्कृत खिलाड़ियों व प्रशिक्षकों के नाम निम्नलिखित हैं—

➤ **राजीव गाँधी खेल रत्न पुरस्कार 2011** गगन नारंग (निशानेबाज) को देश के इस सर्वोच्च खेल पुरस्कार के तहत ₹ 7.5 लाख की राशि उन्हें प्रदान की गई है।

➤ **द्रोणाचार्य पुरस्कार 2011**

- आई वेंकटेश्वर राव (मुक्केबाजी)
- रामफल (कुश्ती)
- राजेन्द्र सिंह (हॉकी)
- कन्ते राय (एथलेटिक्स)
- देवेन्द्र कुमार राठौर (जिमनास्टिक)

➤ **ध्यानचन्द पुरस्कार 2011**

- शब्बीर अली (फुटबॉल)
- सुशील कोहली (तैराकी)
- राजकुमार (कुश्ती)

खेल-परिदृश्य



➤ **सचिन तेन्दुलकर का शतकों का शतक** महान क्रिकेटर सचिन तेन्दुलकर ने बांग्लादेश के विरुद्ध एशिया कप के लीग मैच में 16 मार्च, 2012 को अपने शतकों का शतक पूरा किया। इस महान उपलब्धि के लिए उन्हें दुनियाभर से बधाई संदेश प्राप्त हुए हैं।



➤ **विजय हजारे ट्रॉफी** मुम्बई को 6 विकेट से हराकर बंगाल ने विजय हजारे ट्रॉफी जीती। बंगाल के लक्ष्मीरतन शुक्ला को 'मैन ऑफ द मैच' घोषित किया गया। विजय हजारे ट्रॉफी एक घरेलू वन डे टूर्नामेंट है।

➤ **आईसीसी विश्व कप, 2011** भारत, श्रीलंका व बांग्लादेश की मेजबानी में 19 फरवरी-2 अप्रैल, 2011 को सम्पन्न 10वाँ विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेन्ट भारत ने श्रीलंका को हराकर जीता।

➤ **सुल्तान अजलान शाह हॉकी टूर्नामेन्ट, 2011** विश्व चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 3-2 से पराजित कर 20वाँ अजलान शाह हॉकी टूर्नामेन्ट का खिताब 15 मई, 2011 को जीत लिया।

➤ **हॉकी चैम्पियन्स ट्रॉफी, 2011** ऑस्ट्रेलिया ने स्पेन को 1-0 से हराकर 11 दिसम्बर, 2011 को चौथी बार हॉकी चैम्पियन्स ट्रॉफी का खिताब जीत लिया।

➤ **कोपा अमेरिका फुटबॉल कप, 2011** उरुग्वे ने पराग्वे को 3-0 से पराजित कर 24 जुलाई, 2011 को कोपा अमेरिका फुटबॉल कप, 2011 जीत लिया।

➤ **डूरण्ड कप** भारत के सबसे पुराने और विश्व के तीसरे सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेन्ट के फाइनल में 15 अक्टूबर, 2011 को चर्चित ब्रदर्स (गोवा) ने प्रयाग यूनाइटेड (कोलकाता) को हराकर टूर्नामेन्ट का खिताब जीत लिया।

➤ **फेड कप, 2011** चेक गणराज्य ने 6 नवम्बर, 2011 को रूस को हरा कर फेड कप टूर्नामेन्ट जीत लिया।

➤ **रग्बी विश्व चैम्पियन** न्यूजीलैण्ड रग्बी का नया विश्व चैम्पियन बन गया है। उसने खिताबी मुकाबले में फ्रांस को 8-7 से हराया।

➤ **महिला कबड्डी विश्व कप** पटना में आयोजित प्रथम विश्व कप महिला कबड्डी के फाइनल में भारत ने ईरान को पराजित किया।

➤ **पुरुष कबड्डी विश्व कप** 20 नवम्बर, 2011 को मेजबान भारत ने लुधियाना में आयोजित कबड्डी विश्व कप के महिला और पुरुष वर्ग का खिताब अपने नाम किया। फाइनल में पुरुष टीम ने कनाडा को तथा महिला टीम ने ब्रिटेन को हराया।

➤ **इण्डियन ग्रैण्ड प्रिक्स एफ-1 रेस** फॉर्मूला वन रेसिंग टीम रेड बुल के ड्राइवर सेबेस्टियन वेटेल (जर्मनी) ने 30 अक्टूबर, 2011 को प्रथम इण्डियन ग्रैण्ड प्रिक्स फॉर्मूला वन रेस जीत ली।

➤ **विश्व महिला टीम शतरंज चैम्पियनशिप, 2011** चीन की महिला शतरंज टीम ने 27 दिसम्बर, 2011 को विश्व महिला टीम चैम्पियनशिप 2011 का स्वर्ण पदक जीत लिया।

➤ **शतरंज विश्व कप, 2011** 26 अगस्त से 21 सितम्बर, 2011 के मध्य रूस के खांटी-मान्सिस्क में आयोजित इस प्रतियोगिता का खिताब रूसी ग्रैण्डमास्टर पीटर स्विडलर ने जीत लिया।

➤ **34वें राष्ट्रीय खेल** झारखण्ड की मेजबानी में देश के 34 वें राष्ट्रीय खेल राँची में 12-26 फरवरी, 2011 को सम्पन्न हुए। खेल के मैदान पर ड्रम वादन का एक दृश्य इन खेलों का 'लोगो' था, जबकि एक मशाल के साथ दौड़ता हुआ बालक, इन खेलों का शुभंकर था।

➤ **विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप-2011** द. कोरिया के दायगू में 27 अगस्त से 4 सितम्बर, 2011 के दौरान सम्पन्न 13वीं विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 12 स्वर्ण, 8 रजत व 5 काँस्य पदको सहित में 25 पदक जीतकर अमेरिका ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

फ्रेंच ओपन-2011

वर्ग	विजेता	उप-विजेता
▪ पुरुष एकल	राफेल नडाल	रोजर फेडरर
▪ महिला एकल	ली ना	फ्रेंस्का स्केवोने
▪ पुरुष युगल	मैक्स मिर्नी डेनियल नेस्टर	जुआन सेबेस्टियन एडूवार्डो स्कवांक
▪ महिला युगल	एंड्रिया हलावेनकोवा लूसी हेराडिकी	सानिया मिर्जा एलेना वेस्निना

विम्बलडन-2011

वर्ग	विजेता	उप-विजेता
▪ पुरुष एकल	नोवाक जोकोविच	राफेल नडाल
▪ महिला एकल	पेट्र क्वितोवा	मारिया शारापोवा
▪ पुरुष युगल	बाब ब्रायन माइक ब्रायन	रॉबर्ट लिंडस्टे हारिया टेकाऊ
▪ महिला युगल	क्वेटो पेश्चे कैटरीना स्रेबोत्निक	सबीने लीस्की समान्ता स्टासुर

अमेरिकी ओपन-2011

वर्ग	विजेता	उप-विजेता
पुरुष एकल	राफेल नडाल	नोवाक जोकोविच
महिला एकल	सेरेना विलियम्स	समान्ता स्टोसुर
पुरुष युगल	जुर्गेन मेल्जर, फिलिप पेजसेनर	मैरियूज फयर्सेगवर्ग, मार्सिन मोत्कोवस्की

वर्ग	विजेता	उप-विजेता
महिला युगल	वानिया किंग योरोस्लावा श्वेडोना	लीजेल हुबर लीसा रेमण्ड

ऑस्ट्रेलियन ओपन-2012

खिताब	विजेता	उप-विजेता
पुरुष एकल	नोवाक जोकोविच (सर्बिया)	राफेल नडाल (स्पेन)
महिला एकल	विक्टोरिया अजारेंका (बेलारूस)	मारिया शारापोवा (रूस)
पुरुष युगल	लिएण्डर पेस (भारत) एवं राडेक स्टेपानेक (चेक गणराज्य)	बॉब ब्रायन एवं माइक ब्रायन (अमेरिका)
महिला युगल	स्वेतलाना कुज्नेत्सोवा (रूस) एवं वेरा ज्वोनारेवा (रूस)	सारा ईरानी एवं रॉबर्टा विंसी (इटली)

भारत सरकार



राष्ट्रपति	श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल
उप-राष्ट्रपति	श्री हामिद अंसारी

मन्त्रिपरिषद्

डॉ. मनमोहन सिंह	प्रधानमन्त्री उन मन्त्रालयों और विभागों का प्रभार जो किसी मन्त्री को नहीं सौंपे गए हैं। इनमें कार्मिक, जन शिकायत और पेंशन, योजना, परमाणु ऊर्जा तथा अन्तरिक्ष विभाग शामिल हैं।

कैबिनेट मन्त्री	मन्त्रालय
▪ प्रणब मुखर्जी	वित्त
▪ शरद पवार	कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण
▪ ए के एंटनी	रक्षा
▪ पी चिदम्बरम	गृह
▪ एस एम कृष्णा	विदेश
▪ वीरभद्र सिंह	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम
▪ विलासराव देशमुख	विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान
▪ गुलाम नबी आजाद	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
▪ सुशील कुमार शिन्दे	ऊर्जा
▪ एम वीरप्पा मोइली	कॉर्पोरेट कार्य
▪ फारूक अब्दुल्ला	नवीन एवं अक्षय ऊर्जा
▪ एस जयपाल रेड्डी	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस
▪ कमलनाथ	शहरी विकास

कैबिनेट मन्त्री	मन्त्रालय
▪ वायलार रवि	प्रवासी भारतीय मामले
▪ अम्बिका सोनी	सूचना और प्रसारण
▪ मल्लिकार्जुन खड़गे	श्रम और रोजगार
▪ कपिल सिब्बल	मानव संसाधन विकास, दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी
▪ आनन्द शर्मा	वाणिज्य, उद्योग और कपड़ा
▪ डॉ. सी पी जोशी	सड़क परिवहन और राजमार्ग
▪ कुमारी शैलजा	आवास और शहरी गरीबी उन्मूलन तथा संस्कृति
▪ सुबोध कान्त सहाय	पर्यटन
▪ एम एस गिल	सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन
▪ जी के वासन	पोत परिवहन
▪ पवन कुमार बंसल	संसदीय कार्य तथा जल संसाधन
▪ मुकुल वासनिक	सामाजिक न्याय और अधिकारिता
▪ एमके अलगिरि	रसायन और उर्वरक
▪ श्रीप्रकाश जायसवाल	कोयला
▪ सलमान खुर्शीद	विधि और न्याय तथा अल्पसंख्यक मामले
▪ प्रफुल्ल पटेल	भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उद्यम

कैबिनेट मन्त्री	मन्त्रालय
▪ वी किशोर चन्द्र देव	जनजातीय मामलों के मन्त्रालय और पंचायत राज
▪ बेनी प्रसाद वर्मा	इस्पात
▪ दिनेश त्रिवेदी	रेल
▪ जयराम रमेश	ग्रामीण विकास और पेयजल एवं स्वच्छता
▪ अजीत सिंह	नागरिक उड्डयन

राज्यमन्त्री (स्वतन्त्र प्रभार)	मन्त्रालय
▪ केवी थॉमस	उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण
▪ कृष्णा तीरथ	महिला और बाल विकास
▪ अजय माकन	युवा कार्यक्रम और खेल
▪ दिनशा जे पटेल	खनन
▪ श्रीकान्त जेना	सांख्यिकी, कार्यक्रम कार्यान्वयन, रसायन एवं उर्वरक
▪ जयन्ती नटराजन	पर्यावरण और वन
▪ पवन सिंह घाटोबार	पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास और संसदीय कार्य

राज्यमन्त्री	मन्त्रालय
▪ ई अहमद	विदेश और मानव संसाधन विकास
▪ मुल्लापल्ली रामचन्द्रन	गृह
▪ वी नारायणसामी	संसदीय कार्य, कार्मिक, जन शिकायत और पेंशन, प्रधानमन्त्री कार्यालय
▪ ज्योतिरादित्य सिन्धिया	वाणिज्य और उद्योग
▪ डी पुरंदेश्वरी	मानव संसाधन विकास
▪ के एच मुनियप्पा	रेल
▪ पनबाका लक्ष्मी	कपड़ा
▪ नमो नारायण मीणा	वित्त
▪ एम एम पल्लमराजू	रक्षा
▪ सौगात राय	शहरी विकास
▪ एस एस पलनिमणिक्कम	वित्त
▪ जितिन प्रसाद	सड़क, परिवहन और राजमार्ग
▪ श्रीमती परणीत कौर	विदेश
▪ हरीश रावत	कृषि, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और संसदीय कार्य
▪ भरत सिंह सोलंकी	रेल
▪ महादेव एस खण्डेला	जनजातीय कार्य
▪ शिशिर अधिकारी	ग्रामीण विकास
▪ सुल्तान अहमद	पर्यटन
▪ मुकुल रॉय	पोत परिवहन
▪ चौधरी मोहन जतुआ	सूचना तथा प्रसारण

राज्यमन्त्री	मन्त्रालय
▪ डी नेपोलियन	सामाजिक न्याय और अधिकारिता
▪ डॉ.एस जगतरक्षकन	सूचना और प्रसारण
▪ एस गाँधीसेलवन	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण
▪ तुषारभाई चौधरी	सड़क परिवहन और राजमार्ग
▪ सचिन पायलट	संचार तथा सूचना प्रौद्योगिकी
▪ प्रतीक प्रकाश बापू पाटिल	कोयला
▪ आर पी एन सिंह	पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और कॉर्पोरेट कार्य
▪ विसेंट पाला	जल संसाधन और अल्पसंख्यक मामले
▪ अगाथा संगमा	ग्रामीण विकास
▪ अश्विनी कुमार	योजना विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान
▪ के सी वेणुगोपाल	ऊर्जा
▪ सुदीप बन्द्योपाध्याय	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण
▪ चरणदास महन्त	कृषि और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग
▪ जितेन्द्र सिंह	गृह
▪ राजीव शुक्ला	संसदीय कार्य

विभिन्न भारतीय उच्चाधिकारी

उच्चाधिकारी	पदनाम
▪ एस एच कपाड़िया	सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
▪ मीरा कुमार	अध्यक्ष, लोकसभा
▪ अरुण जेटली	राज्यसभा में विपक्ष के नेता
▪ सुषमा स्वराज	लोकसभा में विपक्ष की नेता
▪ मोंटेक सिंह अहलूवालिया	उपाध्यक्ष, योजना आयोग
▪ विनोद राय	नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG)
▪ एस वाई कुरैशी	मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC)
▪ डी पी अग्रवाल	अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग (UPSC)
▪ के रहमान खान	उपसभापति, राज्यसभा
▪ करिया मुण्डा	उपाध्यक्ष लोक सभा
▪ गुलाम ई वाहनवति	महान्यायवादी
▪ अजीत सेठ	कैबिनेट सचिव
▪ एयर चीफ मार्शल	वायु सेनाध्यक्ष
▪ एडमिरल निर्मल कुमार वर्मा	जल सेनाध्यक्ष
▪ जनरल बिक्रम सिंह	थल सेनाध्यक्ष
▪ वजाहत हबीबुल्लाह	अध्यक्ष, अल्पसंख्यक आयोग
▪ वी एस सम्पत	आयुक्त, निर्वाचन आयोग
▪ हरिशंकर ब्रह्मा	आयुक्त, निर्वाचन आयोग

उच्चाधिकारी	पदनाम
■ डी सुब्बाराव	गवर्नर, रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया (RBI)
■ एस के थोराट	अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC)
■ विनय मित्तल	चेयरमैन, रेलवे बोर्ड
■ नेहचल संधू	डायरेक्टर, गुप्तचर ब्यूरो (IB)
■ आर के सिन्हा	निदेशक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र (BARC)
■ श्रीकुमार बनर्जी	अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग (AEC)
■ सतीश कुमार गोयल	अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड (CBEC)
■ हरीश मारीवाला	अध्यक्ष, फिक्की (FICCI)
■ के राधाकृष्णन	अध्यक्ष, अन्तरिक्ष अनुसन्धान संगठन और अन्तरिक्ष आयोग (ISRO)
■ एस बी माथुर	अध्यक्ष, भारतीय यूनिट ट्रस्ट (UTI)
■ लक्ष्मण दास	अध्यक्ष, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT)
■ डॉ. विजय केलकर	अध्यक्ष, 13वाँ वित्त आयोग
■ सुधीर वासुदेव	अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक, तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ONGC)
■ डॉ. रामेश्वर उराँव	अध्यक्ष, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (NCST)
■ पी एल पूनिया	अध्यक्ष, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (NCSC)
■ एम एन राव	अध्यक्ष, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (NCBC)
■ के जी बालकृष्णन	कार्यवाहक अध्यक्ष, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC)
■ सुशोमन सरकार	अध्यक्ष, भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC)
■ डॉ. आर चिदम्बरम	भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार
■ पुलोक चटर्जी	प्रधानमन्त्री के प्रधान सचिव
■ रंजन मथाई	विदेश सचिव
■ आर एस गुजराल	राजस्व सचिव
■ शशिकान्त शर्मा	रक्षा सचिव
■ राजकुमार सिंह	गृह सचिव
■ शिव शंकर मेनन	राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार
■ रोहिंटन नरीमन	भारत के महा-अधिवक्ता
■ निरूपमा राव	अमेरिका में भारतीय राजदूत
■ एस के त्रिपाठी	निदेशक, रिसर्च एण्ड एनालिसिस विंग (RAW)
■ अमर प्रताप सिंह	निदेशक, केन्द्रीय जाँच ब्यूरो (CBI)

उच्चाधिकारी	पदनाम
■ आर के उपाध्याय	अध्यक्ष, भारत संचार निगम लि. (BSNL)
■ प्रकाश बख्शी	अध्यक्ष, नाबार्ड (NABARD)
■ जे एस शर्मा	अध्यक्ष, भारतीय दूरसंचार नियन्त्रण प्राधिकरण (TRAI)
■ न्यायमूर्ति मार्कण्डेय काटजू	अध्यक्ष, भारतीय प्रेस परिषद्
■ एम पी वीरेन्द्र कुमार	अध्यक्ष, प्रेस ट्रस्ट ऑफ इण्डिया (PTI)
■ हरदीप पुंरी	संयुक्त राष्ट्र संघ के भारत में स्थायी प्रतिनिधि
■ एस अयप्पन	महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् (ICAR)
■ दिलीप मोदी	अध्यक्ष, एसोसिएटेड चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज ऑफ इण्डिया (ASSOCHAM)
■ समीर के. ब्रह्मचारी	महानिदेशक, औद्योगिक एवं वैज्ञानिक अनुसन्धान परिषद् (CSIR)
■ यू के सिन्हा	अध्यक्ष, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (SEBI)
■ एन श्रीनिवासन	अध्यक्ष, भारतीय क्रिकेट कण्ट्रोल बोर्ड (BCCI)
■ ममता शर्मा	अध्यक्ष, राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW)
■ सत्यानन्द मिश्र	मुख्य सूचना आयुक्त
■ आर गोविन्द	निदेशक, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद् (NCERT)
■ विनीत जोशी	अध्यक्ष सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ सेकेण्डरी एजूकेशन (CBSE)
■ सुनील गंगोपाध्याय	अध्यक्ष, साहित्य अकादमी
■ रोहित नन्दन	प्रबन्ध निदेशक एयर इण्डिया (AI)
■ वी के मल्होत्रा	अध्यक्ष, भारतीय ओलम्पिक संघ (IOA)
■ वी पी अग्रवाल	निदेशक, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI)
■ एन पी पटेल	अध्यक्ष इफको (IFFCO)
■ ए के श्रीवास्तव	अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, नेशनल एल्युमीनियम कम्पनी लिमिटेड (NALCO)
■ जी रामास्वामी	अध्यक्ष, भारतीय चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स संस्थान (ICAI)
■ एम डी माल्या	अध्यक्ष, इण्डियन बैंक्स एसोसिएशन (IBA)
■ सोम मित्तल	अध्यक्ष, नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एण्ड सर्विस कम्पनीज (NASSCOM)

उच्चाधिकारी	पदनाम
▪ लीला सैमसन	चेयरपर्सन, फिल्म सेंसर बोर्ड
▪ नन्दिता दास	अध्यक्ष, भारतीय बाल फिल्म सोसायटी (CFSI)
▪ एन एम बोरा	अध्यक्ष, ऑयल इण्डिया लिमिटेड (OIL)
▪ आर एस बुतोला	अध्यक्ष, इण्डियन ऑयल कॉर्पोरेशन (IOC)
▪ प्रदीप कुमार	केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त (CVC)
▪ ए के उपाध्याय	अध्यक्ष, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI)
▪ राजशेखरन पिल्लै	कुलपति, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU)
▪ मंगू सिंह	प्रबन्धक निदेशक, दिल्ली मैट्रो रेलवे कॉर्पोरेशन (DMRC)
▪ एन के रघुपति	अध्यक्ष, कर्मचारी चयन आयोग (SSC)
▪ वी के सारस्वत	महानिदेशक, रक्षा अनुसन्धान एवं विकास संगठन (DRDO)

राज्यों के राज्यपाल एवं मुख्यमन्त्री

राज्य	राज्यपाल	मुख्यमन्त्री
आन्ध्र प्रदेश	ईएसएल नरसिम्हन	किरण कुमार रेड्डी
अरुणाचल प्रदेश	जन. (सेवानिवृत्त) जे जे सिंह	नबाम तुकी
असोम	जे बी पटनायक	तरुण गोगोई
बिहार	देवानन्द कोंवर	नीतीश कुमार
छत्तीसगढ़	शेखर दत्त	डॉ. रमन सिंह
गोवा	के शंकरनारायणन	मनोहर पर्रिकर
गुजरात	कमला बेनीवाल	नरेन्द्र मोदी
हरियाणा	जगन्नाथ पहाड़िया	भूपिन्दर सिंह हुड्डा
हिमाचल प्रदेश	उर्मिला सिंह	प्रेम कुमार धूमल
जम्मू और कश्मीर	एन एन वोहरा	उमर अब्दुल्ला
झारखण्ड	सैयद अहमद	अर्जुन मुण्डा
कर्नाटक	हंसराज भारद्वाज	सदानन्द गौड़ा
केरल	हंसराज भाद्वाज (अतिरिक्त प्रभार)	ओमन चांडी
मध्य प्रदेश	रामनरेश यादव	शिवराज सिंह चौहान
महाराष्ट्र	के शंकर नारायणन	पृथ्वीराज चौहान
मणिपुर	गुरुवचन जगत	ओकंराम इबोबी सिंह
मेघालय	रंजीत शेखर मूसाहारी	डॉ. मुकुल संगमा
मिजोरम	वी पुरुषोत्तम	ललथनहवाला
नागालैण्ड	निखिल कुमार	नेफ्यू रियो
ओडिशा	मुरलीधर भण्डारे	नवीन पटनायक
पंजाब	शिवराज पाटिल	प्रकाश सिंह बादल
राजस्थान	शिवराज पाटिल (अतिरिक्त प्रभार)	अशोक गहलौत
सिक्किम	बाल्मीकि प्रसाद सिंह	पवन कुमार चामलिंग
तमिलनाडु	के रोसैया	जे जयललिता
त्रिपुरा	डी वाई पाटिल	माणिक सरकार
उत्तर प्रदेश	बी एल जोशी	अखिलेश यादव
उत्तराखण्ड	मार्ग्रेट अल्वा	विजय बहुगुणा
पश्चिम बंग	एम के नारायणन	ममता बनर्जी

संघ शासित क्षेत्रों का प्रशासन

संघीय प्रदेश	ले. गवर्नर/ प्रशासक	मुख्यमन्त्री
▪ अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह	ले.जन. (सेवानिवृत्त) भोपेन्द्र सिंह	–
▪ चण्डीगढ़	शिवराज पाटिल	–
▪ दादरा एवं नगर हवेली	सत्यगोपाल	–
▪ दमन और दीव	सत्यगोपाल	–
▪ दिल्ली	तेजेन्द्र खन्ना (उप-राज्यपाल)	शीला दीक्षित
▪ लक्षद्वीप	जे के डाडू	–
▪ पुदुचेरी	इकबाल सिंह	एन रंगास्वामी

प्रमुख देशों के शासनाध्यक्ष



देश	राष्ट्रपति	प्रधानमन्त्री
अफगानिस्तान	हामिद करजई	–
अर्जेण्टीना	–	क्रिस्टीना फर्नांडीज डी किर्चनर
ऑस्ट्रेलिया		जूलिया गिलार्ड
बांग्लादेश	जिया उर रहमान	शेख हसीना
बेल्जियम	–	हर्मन वान रॉम्पुई
ब्राजील	डिल्मा रॉसेफ	–
कम्बोडिया	–	हुन सेन
चीन	हू जिंताओ	वेन जियाबाओ
कोलम्बिया	जुआन मैन्युएल सांतोस	–
कांगो (जैरे)	जासेफ कबीला	–
क्रोएशिया	स्टाइप मेजिक	–
क्यूबा	राउल कास्त्रो	–
डेनमार्क	–	हेले थोर्निंग श्मिट
पूर्वी तिमोर	जोस रामोस होर्टा	जैनाना गुस्माओ
फिनलैण्ड	टारजा हेलोनन	–
फ्रांस	निकोलस सरकोजी	–
हंगरी	फ्रेंक मेडल	–
इण्डोनेशिया	सुसिलो बाम्बेंग युधोयोनो	–
इराक	जलाल तालबानी	नूरी अल-मलिकी
ईरान	महमूद अहमदीनेजाद	–
इजरायल	–	बेंजामिन नेतान्याहू
इटली	–	मारियो मॉन्टी
जापान	–	योसिहिको नोडा
जॉर्डन	–	फैसल अलफायेज
केन्या	मवाई किबाका	रेला ओडिंगा
उत्तर कोरिया	कम जोंग उन	–
दक्षिण कोरिया	ली म्यूंग बाक	किम तेई हू
लीबिया	–	अब्दुल रहीम अल कीब
लाइबेरिया	एलेन जॉनसन सरलीफ	–
मंगोलिया	नैमब्रायन इंखबेयर	–
मलेशिया	–	नजीब तुन रजाक
मालदीव	मोहम्मद अन्नी नशीद	–
मॉरिशस	अनिरुद्ध जगन्नाथ	नवीनचन्द्र रामगुलाम
म्यांमार	थीन सीन	–
नेपाल	डॉ रामबरन यादव	बाबूराम भट्टाराई
नॉर्वे	–	जींस स्टोलटेनबर्ग
पाकिस्तान	आसिफ अली जरदारी	यूसुफ रजा गिलानी
फिलीपींस	बेनिग्नो एक्विनो	–
पोलैण्ड	लेच कैकजिंस्की	डोनाल्ड टस्क
पुर्तगाल	एनिबल कवाको सिल्वा	–
रोमानिया	ट्रेन बेसक्य	एमिल बोक
रूस	दिमित्री मेदवेदे	ब्लादिमीर पुतिन
सर्बिया	–	वास्लो कोस्टूनिका
सीरिया	बशर अल-अस	मोहम्मद नजल-ओटारी
सिंगापुर	टोनी टैन	ली सिएन लूंग
द. अफ्रीका	जैकब जुमा	–
स्पेन	–	जोस लुइस रॉड्रिग्स जेपेट्रो
श्रीलंका	महिंदा राजपक्षे	डी एम जयरत्ने
सूडान	उमर हसन-अल-बशीर	–
स्वीडन	–	फ्रेडरिक रीनफैल्ट
स्विट्जरलैण्ड	हंस रुडोल्फ मर्ज	–
तुर्की	अब्दुल्ला गुल	रिसेप तईप
थाइलैण्ड	–	यिंगलक शिनावात्रा
संयुक्त अरब अमीरात	–	शेख़ मोहम्मद बिन रशीद अल-मखतूम
संयुक्त राज्य अमेरिका	बराक ओबामा	–
वियतनाम	त्राउंग तान सांग	–
जाम्बिया	माइकल साता	–
जिम्बाब्वे	रॉबर्ट जी. मुगाबे	–
भूटान		जिग्मी थाई थिनली
न्यूजीलैण्ड		जॉन की
यूनाइटेड किंगडम		डेविड कैमरून

- ऑस्ट्रिया चान्सलर–वर्नर फेमैन
- भूटान नरेश–जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक
- कनाडा गवर्नर जनरल–माइकल जीन
- जर्मनी चान्सलर–एंजेला मर्केल
- न्यूजीलैण्ड गवर्नर जनरल–आनन्द सत्यानन्द
- सऊदी अरब–शाह–अब्दुल्ला बिन अब्दुल अजीज अल सौद
- यूनाइटेड किंगडम महारानी–एलिजाबेथ-II

अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं के प्रमुख



बान की मून (दक्षिण कोरिया)	महासचिव, संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO)
नासिर अब्दुल्लाजिज अल नसीर (कतर)	अध्यक्ष, संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA)
यूकिया अमानो (जापान)	महानिदेशक, अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अभिकरण (IAEA)
जुआन सोमाविया (चिली)	महानिदेशक, अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO)
डॉ. जैक्स डिऑफ (सेनेगल)	महानिदेशक, संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO)
इरिना बीकोवा	महानिदेशक संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (UNESCO)
मारग्रेट चान (चीन)	महानिदेशक, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)
क्रिस्टीन लगार्ड (फ्रांस)	महानिदेशक, अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)
रोबर्ट जोएलिक (अमेरिका)	अध्यक्ष, विश्व बैंक (World Bank)
पास्कल लेमी (फ्रांस)	महानिदेशक, वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (WTO)
सुपाचई पानिचपाकड़ी (थाइलैण्ड)	महासचिव, अंकटाड (UNCTAD)
कान्देह के युमकेला (सिएरा लियोन)	महानिदेशक, संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (UNIDO)

एंटनी लेक (अमेरिका, न्यूजीलैण्ड)	महानिदेशक, संयुक्त राष्ट्र आपात बाल कोष (UNICEF)
हिशासी ओवाडा (जापान)	अध्यक्ष, अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय (ICJ)
ओंग केंग यंग (सिंगापुर)	महासचिव, आसियान (ASEAN)
अब्दुल्ला सलेम अल-बरदई (लीबिया)	महासचिव, तेल निर्यातक देशों का संगठन (OPEC)
फातिमा दियाना सईद (मालदीव)	महासचिव, दक्षेस (SAARC)
एण्डर्स फोग मुसेन (डेनमार्क)	महासचिव, नाटो (NATO)
कार्टर रोबर्ट्स (अमेरिका)	अध्यक्ष, वर्ल्ड वाइल्ड लाइफ फण्ड (WWF)
रोनाल्ड के. नोबेल (अमेरिका)	महासचिव, इण्टरपोल (INTERPOL)
डॉ जैक्स रोगे (बेल्जियम)	अध्यक्ष, अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (IOC)
लेमिन डियाक (सेनेगल)	अध्यक्ष, एमेच्योर एथलेटिक्स फेडरेशन (IAAF)
सेप ब्लेटर (ब्राजील)	अध्यक्ष, अन्तर्राष्ट्रीय फुटबॉल फेडरेशन (FIFA)
शरद पवार (भारत)	अध्यक्ष, अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद् (ICC)
हरूहिको कुरोदा (जापान)	अध्यक्ष, एशियन विकास बैंक (ADB)
कमलेश शर्मा (भारत)	अध्यक्ष, राष्ट्रकुल (Commonwealth)

राष्ट्रीय एवं निजी बैंकों के अधिकारी

एसबीआई एवं उसके सहयोगी बैंक

भारतीय स्टेट बैंक	प्रतीप चौधरी
स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर	शिव कुमार
स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद	एम. भगवंत राव
स्टेट बैंक ऑफ मैसूर	दिलीप माविनकुर्वे
स्टेट बैंक ऑफ पटियाला	अशोक नायर
स्टेट बैंक ऑफ ट्रावनकोर	पी. नन्दकुमारन

अन्य राष्ट्रीयकृत बैंक

इलाहाबाद बैंक	जे.पी. दुआ
आन्ध्रा बैंक	आर. रामाचन्द्रन
बैंक ऑफ बड़ौदा	एम.डी. माल्या
बैंक ऑफ इण्डिया	आलोक कुमार मिश्रा
बैंक ऑफ महाराष्ट्र	ए. भट्टाचार्य
केनरा बैंक	एस. रामन
सैन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया	एम.वी. टंकसाल
कॉर्पोरेशन बैंक	अजय कुमार

देना बैंक	डी.एल. रावल
इण्डियन बैंक	टी.एम. भसीन
इण्डियन ओवरसीज बैंक	एम. नरेन्द्र
ओरियण्टल बैंक ऑफ कॉमर्स	नागेश पिदह
पंजाब नेशनल बैंक	के.आर. कामथ
पंजाब एण्ड सिन्ध बैंक	देविन्दर पाल सिंह
सिंडिकेट बैंक	बसन्त सेठ
यूको बैंक	अरुण कौल
यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया	एम.वी. नायर
यूनाइटेड बैंक ऑफ इण्डिया	भास्कर सेन
विजया बैंक	उपेन्द्र कामत

निजी बैंक

आईडीबीआई बैंक	आर.एम. मल्ला
एक्सिस बैंक	शिखा शर्मा
कैथोलिक सीरियन बैंक लि.	वीपी ईश्वरदास
सिटी यूनियन बैंक लि.	एस बालासुब्रमनियम
डेवलपमेन्ट क्रेडिट बैंक लि.	मुरली एम नटराजन
धनलक्ष्मी बैंक लि.	अमिताभ चतुर्वेदी
फेडरल बैंक लि.	एम वेणुगोपालन
एचडीएफसी बैंक	आदित्य पुरी
आईसीआईसीआई बैंक	चन्दा कोचर
आईएनजी वैश्य बैंक लि.	शैलेन्द्र भण्डारी
इण्डसइण्ड बैंक लि.	आर. सेशसई
जम्मू एण्ड कश्मीर बैंक लि.	मुश्ताक अहमद
कर्नाटक बैंक लि.	पी जयराम भट्ट
करूर वैश्य बैंक लि.	के. वेंकटरमण
कोटक महिन्द्रा बैंक	उदय एस कोटक
लक्ष्मी विलास बैंक लि.	पी.आर. सोमसुन्दरम
नैनीताल बैंक लि.	देवेन्द्र प्रताप सिंह
रत्नाकर बैंक लि.	विश्ववीर अहुजा
साउथ इण्डियन बैंक लि.	वी.ए. जोसेफ
तमिलनाडु मर्कैंटाइल बैंक लि.	जी. नागामल रेड्डी
यस बैंक	राना कपूर

समसामयिक ज्ञान-सूत्र



- 84वें ऑस्कर अवार्ड में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार दिया गया है — ***द आर्टिस्ट***
- 59वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार इन्हें दिया गया है — ***विद्या बालन***
- शैलेन्द्र नाथ 'मन्ना' जिनका हाल में निधन हो गया, इस खेल से जुड़े थे — ***फुटबॉल***
- इस बाँध को लेकर केरल एवं तमिलनाडु में विवाद चल रहा है — ***मुल्लापेरियार***
- इस भारतीय को संयुक्त राष्ट्र की नस्ली भेदभाव उन्मूलन समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है — ***दिलीप लाहिरी***
- देवीशंकर अवस्थी सम्मान प्रदान किया गया है — ***जितेन्द्र श्रीवास्तव***
- ये पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के नये प्रमुख नियुक्त किए गये हैं — ***जहिरुल इस्लाम***
- 42वें इनटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इण्डिया (इफ्फी) का गोल्डन पीकॉक अवार्ड इस फिल्म को दिया गया — ***पोरफीरियो***
- भारतीय रिजर्व बैंक ने लोक भविष्य निधि (PPF) के तहत एक साल में इतनी राशि स्वीकार करने का निर्देश जारी किया है — ***एक लाख रुपये***
- दिसम्बर, 2011 में दक्षिण अफ्रीका के इस शहर में संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता आयोजित की गई — ***डरबन***
- क्योटो सन्धि से पीछे हटने वाला विश्व का पहला देश है — ***कनाडा***
- वैज्ञानिकों ने इतने नए ग्रहों को खोज निकालने का दावा किया है — ***18***
- महिलाओं का कृषि में योगदान विषय पर वैश्विक सम्मेलन मार्च, 2012 में यहाँ आयोजित हुआ — ***नई दिल्ली***
- विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय स्पर्द्धा जीती है — ***बंगाल***
- पहला महिला विश्व कप कबड्डी आयोजित किया गया — ***पटना***
- इस राज्य सरकार ने नई जैविक खेती नीति को मंजूरी प्रदान की है — ***हिमाचल प्रदेश***
- 58वीं राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैम्पियनशिप, 2011 में हेवीवेट वर्ग का स्वर्ण पदक इस मुक्केबाज ने जीता — ***परमजीत समोटा***
- 116 साल पुराना मुल्लापेरियार बाँध केरल के इस जिले में अवस्थित है — ***इडुक्की***

- एयर इण्डिया ने इन विमानों को लीजबैक व्यवस्था के तहत लेने का निर्णय लिया है *ड्रीमलाइनर बोइंग 787*
- भारत ने यह फुटबॉल चैम्पियनशिप छठी बार जीती है *सैफ फुटबॉल चैम्पियनशिप*
- केन्द्रीय मन्त्रिमण्डल द्वारा मंजूर सिटीजन चार्टर बिल के अनुसार हर नागरिक के पास सरकारी सेवाओं को इतने दिनों के भीतर हासिल करने का हक होगा *30 दिन*
- डेविस कप 2011 के विजेता हैं *राफेल नडाल*
- ऑस्ट्रेलिया का प्रतिष्ठित 'वाकले पुरस्कार 2011' इन्हें दिया गया है *जूलियन असांजे*
- एटीपी वर्ल्ड टूर फाइनल का खिताब इन्होंने जीता *रोजर फेडरर*
- पृथ्वी जैसे आकार वाले इन दो ग्रहों की खोज हाल ही में की गई है *केपलर 20ई एवं केपलर 20 एफ*
- गुजरात के कृषि वैज्ञानिकों ने सरसों की एक नई प्रजाति विकसित की है, जिसका नाम है *जी एम-3*
- अन्तर्राष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आईटीएफ) ने वर्ष 2011 के लिए विश्व चैम्पियन्स पुरस्कार से इन दो खिलाड़ियों को सम्मानित किया है *नोवाक जोकोविच एवं पेत्रा क्वितोवा*
- जर्मनी के बॉन शहर में आयोजित विदेश मन्त्रियों के सम्मेलन की अध्यक्षता इस देश ने की *अफगानिस्तान*
- ओपेक ने तेल उत्पादन का रोजाना लक्ष्य इतना तय किया है *3 करोड़ बैरल*
- इस देश ने अपने नागरिकों को 'राइट टू रिकॉल' अधिकार देने का फैसला किया है *ब्रिटेन*
- भारत में यह कम्पनी शेयर बाजार की सबसे प्रभावशाली कम्पनी बन गई है *इनफोसिस*
- अण्टार्कटिका की बर्फ के नीचे मौजूद चट्टानों के विस्तृत नक्शे को यह नाम दिया गया है *बैडमैप*
- अन्तरिक्ष में सबसे तेज गति से घूमने वाले तारे की खोज की गई है, जिसका नाम है *वीएफटी एस 102*
- सौरमण्डल के बाहर इस ग्रह की खोज की गई है, जिस पर जीवन होने का अनुमान है *केपलर 22 बी*
- वैज्ञानिकों ने इस गॉड पार्टिकल को देखने का दावा किया है *हिग्स बोसोन*
- ये दो देश पूरे 23 माह के गतिरोध के बाद शुरू हुए सामरिक संवाद में साझा सैन्य अभ्यासों का दायरा बढ़ाने व नियमित संवाद करने पर सहमत हुए हैं *भारत एवं चीन*
- यूरोपीय संघ ने इस बहु-आयामी परियोजना हेतु 90 करोड़ पाउण्ड की राशि मंजूर की है *द लिविंग अर्थ सिम्युलेटर*
- एआईएफएफ ने 'वर्ष का सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर' इस खिलाड़ी को चुना *सुनील छेत्री*
- भगवान बुद्ध की ज्ञान प्राप्ति के 2600 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में इस शहर में चार दिनों का वैश्विक बौद्ध सम्मेलन आयोजित किया गया *नई दिल्ली*
- इस देश की संसद द्वारा नए संविधान के गठन हेतु संविधान सभा को छह माह का विस्तार दिया गया है *नेपाल*
- सड़कों पर प्रदर्शन और जनसभा पर पाबन्दी सम्बन्धी विधेयक इस देश की संसद ने पारित किया है *मलेशिया*
- केन्द्र सरकार ने अभी हाल ही में सरकारी तन्त्र पर वार करने के पाँच सूत्रीय फार्मूले की घोषणा की है। इस फार्मूले के जन शिकायत निवारण बिल के अनुसार अपना काम समय पर न होने या काम के लिए रिश्वत माँगनें पर आम आदमी जन शिकायत निवारण अधिकारी के पास अपनी शिकायतें दर्ज कराएँगे, जिन पर ...... दिनों में सुनवाई होगी। *15*
- पाकिस्तान के इन क्रिकेटरों को खेल के दौरान स्पॉट फिक्सिग का दोषी पाए जाने के कारण जेल की सजा सुनाई गई। *सलमान बट, मुहम्मद आसिफ एवं मुहम्मद आमेर*
- 31 अक्टूबर, 2011 को विश्व की जनसंख्या 7 अरब हो गई। इस दिन जन्मे दुनिया भर के तीन बच्चों को 'यू एन' ने प्रतीकात्मक रूप से '7 अरब वाँ शिशु' होने का सम्मान दिया। भारत में लखनऊ की इस बच्ची को यह गौरव प्राप्त हुआ। *नर्गिस*
- अभी हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो दर एवं रिवर्स रेपो दर को बढ़ाकर क्रमशः ...... एवं ...... किया। *85%, 7.5%*
- 16 नवम्बर, 2011 को यूनेस्को द्वारा इस रूप में मनाया गया। *अन्तर्राष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस*
- पाक-चीन के चौथे संयुक्त युद्धाभ्यास का नाम है। *यूई-4 (फ्रेंडशिप-4)*

➤ इस देश के हीरा बेचने पर लगा अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिबन्ध समाप्त कर दिया गया है *जिम्बाब्वे*

➤ इटली की संसद द्वारा इस अर्थशास्त्री के नेतृत्व में सरकार का गठन किया गया है *मारियो मोंटी*

➤ झारखण्ड राज्य सरकार द्वारा बीपीएल परिवार की लड़कियों को ध्यान में रखते हुए इस योजना की शुरूआत की गई है *लाडली लक्ष्मी योजना*

➤ यूटीआई म्यूचुअल फण्ड द्वारा इस नाम से वित्तीय जागरूकता अभियान की शुरूआत की गई है *स्वतन्त्र*

➤ वह विमानन कम्पनी जिसने जैव ईंधन का प्रयोग करते हुए विमान की उड़ान का सफल परीक्षण किया है *एयर चाइना*

➤ 'कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी)-5' में पाँच करोड़ रुपये के इनाम का विजेता जिसे मनरेगा (महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना) का ब्राण्ड अम्बेसडर नियुक्त किया गया है। *सुशील कुमार*

➤ हिन्दी भाषा के विख्यात साहित्यकार 45वें ज्ञानपीठ पुरस्कार के विजेता, जिनका हाल ही में निधन हो गया *श्री लाल शुक्ल*

➤ अफगानिस्तान की शेरनी कही जाने वाली इस महिला का चयन सहिष्णुता व अहिंसा को प्रोत्साहित करने के लिए 2011 के यूनेस्को-मदनजीत सिंह पुरस्कार के लिए किया गया है *अनारकली होलारयार*

➤ अन्तरिक्ष विज्ञानियों ने बृहस्पति ग्रह के इस चन्द्रमा पर पानी ढूँढने में सफलता पाई है *यूरोपा*

➤ विश्व कप कबड्डी प्रतियोगिता, 2011 भारत के इस राज्य में आयोजित की गई *पंजाब*

➤ हाल ही में अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ द्वारा जारी विश्व रैंकिंग के पुरुष वर्ग में भारत .... स्थान पर है। *10 वें*

➤ अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ द्वारा हाल ही में जारी विश्व रैंकिंग में पुरुष वर्ग एवं महिला -वर्ग में .... और .... शीर्ष स्थान पर हैं। *ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैण्ड*

➤ अमेरिका की पत्रिका 'फॉर्च्यून' द्वारा हाल ही में जारी भारत की शक्तिशाली कारोबारी महिलाओं की सूची में शीर्ष स्थान पर हैं *चन्दा कोचर*

➤ वह देश जहाँ 7.2 रिक्टर तीव्रता के भूकम्प के कारण लगभग 1,000 लोग मारे गए *तुर्की*

➤ चीन ने .... नामक मानव रहित अन्तरिक्षयान का अन्तरिक्ष में सफल प्रक्षेपण किया है *शेंझाउ-8*

➤ अमेरिका ने हाल ही में भारतीय मूल के इस कानूनविद् एवं संचार नीति विशेषज्ञ को फेडरल कम्युनिकेशन कमीशन का आयुक्त नियुक्त किया है *अजित वरदराज पई*

➤ इस राज्य सरकार ने वर्ष 2012 को बिटिया वर्ष घोषित किया है *झारखण्ड*

➤ बेल्जियम ने भारत के इस उद्योगपति को देश के सर्वोच्च सम्मान 'कमाण्डर ऑफ द ऑर्डर ऑफ लियोपोल्ड-2' से सम्मानित किया है *नरेश गोयल*

➤ विश्व मुक्केबाजी रैंकिंग में भारत के इस मुक्केबाज को 69 किग्रा वर्ग में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। *विकास कृष्णन*

➤ हाल ही में .... नामक अन्तरिक्ष के सबसे युवा मिलीसेकण्ड पल्सर्स तारे की खोज की गई *जे 1823-3021 ए*

➤ केन्द्र सरकार ने सार्वभौमिक भाईचारे को प्रोत्साहन देने के लिए इनकी स्मृति में एक करोड़ रुपये की राशि के अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार की घोषणा की है। *रवीन्द्र नाथ टैगोर*

➤ भारतीय ओलम्पिक संघ ने इस इलेक्ट्रॉनिक कम्पनी को लन्दन ओलम्पिक 2012 के लिए भारतीय दल का अधिकारिक प्रायोजक बनाया है *सैमसंग*

➤ इण्डोनेशिया के इस शहर में भारत-आसियान शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया *बाली*

➤ इस देश के 300 साल पुरानी शाही उत्तराधिकार नियमों में परिवर्तन किया गया है *ब्रिटेन*

➤ चीन के नोबेल पुरस्कार कहे जाने वाले कन्फ्यूशियस पीस प्राइज के लिए इनका चयन किया गया है *ब्लादिमीर पुतिन*

➤ राष्ट्रीय ज्ञान आयोग के अध्यक्ष, जिन्हें अन्तर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ का विश्व दूरसंचार एवं सूचना सोसायटी पुरस्कार प्रदान किया गया *सैम पित्रोदा*

➤ फ्रॉम ग्रीन टू रिवोल्यूशन—इण्डियन एग्रीकल्चर, परफॉर्मेंस एण्ड चैलेन्जेज पुस्तक के लेखक *एम एस स्वामीनाथन*

➤ अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रसिद्ध उपन्यासकार सर जैफ्री आर्चर द्वारा रचित नवीनतम कृति *ओनली टाइम विल टैल*

➤ जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान जिन्हें भारतीय क्रिकेट टीम का कोच नियुक्त किया गया *डंकन फ्लेचर*

➤ कॉम्पेक्ट डिस्क (सीडी) के आविष्कारक एवं सोनी कम्पनी के पूर्व प्रमुख, जिनका 81 वर्ष की आयु में निधन हो गया *नोरिओ ओगा*

➤ जापान के हिरोशिमा और नागासाकी शहरों के इन मेयरों को पहला गौतम बुद्ध अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति पुरस्कार प्रदान किया गया *डॉ. तादातोशी अकीबा, तोमीहिसा ताऊए*

➤ इन्हें रूस में भारत का नया राजदूत नियुक्त किया गया है *अजय मल्होत्रा*

➤ भारत के इस शीर्ष चिकित्सा संस्थान ने एक और कामयाबी के तहत रोबोट के जरिए 4 मरीजों के गले के कैंसर का सफल ऑपरेशन किया *अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स)*

➤ कश्मीर के पंचायत चुनावों में पहली बार इस कश्मीरी पण्डित महिला ने चुनाव जीतकर इतिहास रच दिया *आशा पण्डित*

➤ समाज में महिलाओं की आर्थिक उन्नति बढ़ाने के उद्देश्य से इस शहर में महिलाओं के लिए वैश्विक सम्मेलन का आयोजन किया गया *इस्ताम्बुल*

➤ इस लैटिन अमेरिकी देश ने समलैंगिक सम्बन्धों को वैधानिक मान्यता प्रदान की *ब्राजील*

➤ इस खबरिया चैनल को कोलम्बिया विश्वविद्यालय की ओर से दिए जाने वाले प्रतिष्ठित पत्रकारिता पुरस्कार के लिए चुना गया *अल जजीरा अंग्रेजी*

➤ देश के इस अत्याधुनिक संचार उपग्रह का 21 मई को फ्रेंच गुयाना के कौरू अन्तरिक्ष केन्द्र से यूरोपीय प्रक्षेपण किया गया *जीसैट-8*

➤ अमेरिका के इस अन्तरिक्ष यान ने अपनी अन्तिम अन्तरिक्ष यात्रा के तहत नासा के फ्लोरिडा स्थित केनेडी अन्तरिक्ष केन्द्र से 16 मई, 2011 को उड़ान भरी *एण्डेवर*

➤ माउण्ट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली सबसे उम्रदराज भारतीय महिला, जिनकी आयु 45 वर्ष है *प्रेमलता अग्रवाल*

➤ .... अरब एयर कैरियर्स ऑर्गेनाइजेशन में शामिल होने वाली पहली भारतीय एयरलाइन्स हो गई *जेट एयरवेज*

➤ बैडमिण्टन की इस महाशक्ति ने डेनमार्क को 3-0 से हराकर सुदीरमन कप जीत लिया *चीन*

➤ रुद्रवीणा वादक और भारतीय राष्ट्रीय संगीत के प्रख्यात संगीतकार, जिनका 74 वर्ष की आयु में निधन हो गया *उस्ताद असद अली खान*

➤ 65वीं सन्तोष ट्रॉफी राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप का खिताब इस टीम ने जीता *बंगाल*

➤ विश्वप्रसिद्ध फिल्म 'स्पाइडरमैन' की निर्मात्री, जिनका पिछले दिनों देहान्त हो गया *लारा जिस्किन*

➤ चीन ने सूखे की स्थिति से निबटने के लिए इस नदी पर बाँध बनाकर इसकी धारा को मोड़ने की योजना बनाई है *ब्रह्मपुत्र*

➤ वह नाम जो अमेरिकी सरकार ने उस विशेष अभियान को दिया जिसमें कुख्यात आतंकवादी ओसामा बिन लादेन मारा गया *ऑपरेशन जेरोनिमो*

➤ वैज्ञानिक अनुसन्धान के लिए दिए जाने वाले घनश्याम दास बिड़ला पुरस्कार के लिए आईआईटी मुम्बई के इस प्रोफेसर को चुना गया *सुभाशीष चौधरी*

➤ फ्रांस में सम्पन्न 64वें कान फिल्म महोत्सव में ब्रैड पिट और शॉन पेन जैसे दिग्गज कलाकारों से सुसज्जित इस फिल्म को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार दिया गया *द ट्री ऑफ लाइफ*

➤ 'एनर्जी एण्ड इक्विटी' पुस्तक के लेखक हैं *इवान इल्यीच*

➤ विश्व में केवल महिलाओं हेतु सबसे बड़ा विश्वविद्यालय इस देश में स्थापित किया गया है *सऊदी अरब*

➤ विश्व के आठ सर्वाधिक विकसित एवं औद्योगिक देशों के समूह जी-8 का 37वाँ सम्मेलन फ्रांस के इस शहर में आयोजित किया गया *डूयूविले*

➤ भारत के इस राष्ट्रीय उद्यान में वन्य-जीव संरक्षण की दिशा में हुई सार्थक प्रगति को देखते हुए यूनेस्को ने खतरे की सूची से हटा दिया है *मानस राष्ट्रीय उद्यान*

➤ आयकर विभाग ने सालाना........तक के वेतन व ब्याज आय पर आयकर रिटर्न दाखिल करने से छूट देने का निर्णय लिया है *₹ 5,00,000*

➤ इस राज्य सरकार ने साहसिक खेलों के विकास के लिए अलग से साहसिक पर्यटन प्राधिकरण गठित करने का निर्णय लिया *उत्तराखण्ड*

➤ ड्रग कन्ट्रोलर जनरल ऑफ इण्डिया ने चीन की इस दवा निर्माता कम्पनी के भारत में दवा निर्यात पर रोक लगा दी *चोंगक्वीगडेक्सीन फार्मा*

- अन्तर्राष्ट्रीय एजेन्सी ईसीए इण्टरनेशनल द्वारा जारी विश्व के सबसे महँगे शहरों की सूची में यह शहर प्रथम स्थान पर है *टोक्यो (जापान)*
- भारतीय फुटबॉल इतिहास के सबसे बड़े करार के तहत इस नाइजीरियाई खिलाड़ी को फुटबॉल क्लब मोहन बागान ने एक साल के लिए दो करोड़ में अनुबन्धित किया *ओडाफे ओकोली*
- इस भारतीय को संयुक्त राष्ट्र के कामकाज में सुधार लाने वाले बदलाव प्रबन्धन दल (सीएमटी) का मुखिया नियुक्त किया गया *अतुल खरे*
- राइट टू सर्विस एक्ट को लागू करने वाला प्रथम प्रदेश *पंजाब*
- पाकिस्तानी सीमा से लगा भारत के कच्छ इलाके का एक हिस्सा, जहाँ घुसपैठ रोकने के लिए भारत कमाण्डो तैनात करेगा *सर क्रीक लाइन*
- भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा निर्मित तकनीक, जो परमाणु रिएक्टरों के आसपास निकलने वाले विकिरण पर नजर रखेगी *गामा डोज*
- जाने-माने बाल साहित्यकार और विज्ञान के शिक्षक घमण्डी लाल अग्रवाल को भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मन्त्रालय द्वारा इस पुरस्कार हेतु चुना गया *भारतेन्दु हरिश्चन्द्र पुरस्कार*
- ...... को वाशिंगटन स्थित ड्यूक विश्वविद्यालय ने अपना पहला हिन्दू धार्मिक गुरु नियुक्त किया है *उषा राजगोपालन*
- आदिवासी युवा कवि जिन्हें उनकी कविता अघोषित उलगुलान के लिए युवा कवियों के दिए जाने वाले प्रतिष्ठित भारत भूषण अग्रवाल सम्मान हेतु चयनित किया गया *अनुज लुगुन*
- असोम के इस युवा कलाकार को लगभग 12 घण्टे 20.30 मी लम्बे और 1.4 मी चौड़े स्क्रेच आर्ट कलाकृति बनाने पर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल किया गया *अपुराज बरुआ*
- प्रख्यात ध्रुपद गायक जिन्हें प्रख्यात मुगल संगीतकार तानसेन के गुरु का वंशज कहा जाता था, का 27 जुलाई को नई दिल्ली में निधन हो गया *उस्ताद रहीम फहीमुद्दीन डागर*
- पुणे की 33 वर्षीया महिला, जो एशिया के सबसे बड़े मरुस्थल गोबी रेगिस्तान को पार करने वाली पहली भारतीय महिला बनीं *सुचेता कदेथांकर*
- एशियाई फुटबॉल संघ के पूर्व अध्यक्ष, जिन पर अन्तर्राष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ की एथिक्स समिति ने आजीवन प्रतिबन्ध लगा दिया *मुहम्मद बिन हमाम*
- एशिया का नोबेल कहे जाने वाले रेमन मैग्सेसे पुरस्कार के लिए इस वर्ष इन दो भारतीयों को चुना गया *नीलिमा मिश्रा और हरीश हाण्डे*
- केन्द्रीय मन्त्रिमण्डल द्वारा इस भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी को दूरदर्शन का महानिदेशक नियुक्त किया गया *त्रिपुरारी सरन*
- लाइबेरिया में भारत के महावाणिज्य दूत, जिन्हें वहाँ के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया *सरदार उपजीत सिंह सचदेव*
- शंघाई में 25 जुलाई, 2011 को फिना विश्व तैराकी चैम्पियनशिप में 100 मी ब्रेस्टस्ट्रोक की हीट्स में 1 मिनट 2.62 सेकण्ड का समय लेकर यह भारतीय तैराक लन्दन ओलम्पिक 2012 के लिए क्वालीफाई करने वाला भारत का पहला तैराक बना *संदीप सेजवाल*
- भारतीय नौसेना ने इस वरिष्ठ अधिकारी को सभी पनडुब्बी अधिग्रहण योजनाओं की देखरेख के लिए नियुक्त किया *एम.टी. मोरेस*
- इस देश की टीम ने शीर्ष रैंक वाली अर्जेंटीना की टीम को हराकर एफ आई वी बी विश्व जूनियर वॉलीबॉल का शीर्षक जीत लिया *रूस*
- भारत ने हाल ही में इस बाल्टिक देश के साथ दोहरे कराधान से बचाव समझौते (डीटीएए) पर हस्ताक्षर किए *लिथुआनिया*
- पाँच बार चैम्पियन रह चुकी इस खिलाड़ी ने महिला वर्ग की राष्ट्रीय बिलियर्ड्स और स्नूकर चैम्पियनशिप जीत ली *विद्या पिल्लै तिलकराज*
- 78वें राष्ट्रीय स्नूकर चैम्पियनशिप के विजेता *आदित्य मेहता*
- केन्द्रीय मन्त्रिमण्डल ने असंगठित क्षेत्रों के लिए एक राष्ट्रीय स्तर की सुरक्षा निधि की स्थापना को अपनी मंजूरी दे दी। इस निधि का नाम है *राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा फण्ड (एनएससीएफ)*
- नौसेना प्रमुख, जिन्हें तीनों सेनाध्यक्षों की समिति का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया *एडमिरल निर्मल वर्मा*
- चैम्पियन डबल ट्रैप निशानेबाज और एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक विजेता, जो आईएसएसएफ की नवीनतम विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले भारतीय निशानेबाज बने *रंजन सोढ़ी*
- अमेरिकी तैराक जिन्होंने हाल ही में आयोजित विश्व तैराकी चैम्पियनशिप में कुल छह पदक-पाँच स्वर्ण और एक काँस्य-जीतकर इतिहास रचा *रेयान लोचे*

➤ भारत के इतिहास में उच्च न्यायालय के पहले न्यायाधीश जिनके खिलाफ वित्तीय अनियमितता के आरोप में राज्यसभा में महाभियोग प्रस्ताव पारित किया गया *सौमित्र सेन*

➤ एन आर नारायणमूर्ति की इन्फोसिस के अध्यक्ष के रूप में सेवानिवृत्ति के बाद ...... ने यह पद सम्भाल लिया। *के वी कामथ*

➤ इस क्रेडिट रेटिंग ने इतिहास में पहली बार, अमेरिकी अर्थव्यवस्था की सम्प्रभु दर्जा शीर्ष स्तर 'एएए' से गिराकर एए + कर दिया *स्टैण्डर्ड एण्ड पुअर्स (एस एण्ड पी)*

➤ नेत्रहीन वकील, जिन्हें देश का पहला दृष्टिहीन वरिष्ठ अधिवक्ता बनने का गौरव प्राप्त हुआ *के. रुंगटा*

➤ इस संगठन को युवाओं में भारतीय संस्कृति के प्रसार के लिए 19वें राजीव गाँधी राष्ट्रीय सद्भावना पुरस्कार के लिए चुना गया *स्पिक मैके*

➤ यह मालवाहक जहाज, जो इण्डोनेशिया से कोयला और फ्यूल ऑयल लेकर गुजरात आ रहा था, हाल ही में पश्चिमी भारतीय समुद्र तट (अरब सागर) पर मुम्बई के करीब समुद्र में डूब गया *एम वी रैक कैरियर*

➤ चीन में आया एक तूफान, जिसने इसके पूर्वी प्रान्त झेजियांग में कहर बरपाया *मुइफा*

➤ भारतीय प्रशासनिक सेवा की 1983 बैच की अधिकारी, जिन्होंने नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् (एनडीएमसी) की अध्यक्ष के रूप में शपथ ली *अर्चना अरोड़ा*

➤ अमेरिकी स्पेस रिसर्च सेन्टर नासा ने 5 अगस्त, 2011 को बृहस्पति ग्रह को जानने-समझने के लिए अपने इस खास स्पेस शटल को फ्लोरिडा के केप केनेवरल बेस से अन्तरिक्ष में प्रक्षेपित किया, जो 2016 तक वहाँ पहुँचेगा *जूनो*

➤ नासा के वैज्ञानिकों ने इस ग्रह पर पानी की धाराओं के होने का दावा किया है, जो इसके दक्षिणी हिस्से में स्थित न्यूटन क्रेटके ढलानों के इर्द-गिर्द हैं *मंगल ग्रह*

➤ भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त एस वाई कुरैशी लिखित पुस्तक, जिसका हाल ही में लन्दन में विमोचन किया गया *ओल्ड डेल्ही लिविंग ट्रेडिशन*

➤ पृथ्वी के इतने करीब आने वाला अब तक का सबसे बड़ा क्षुद्रग्रह, जो धरती से करीब 12,000 किमी की दूरी से गुजरा *क्षुद्रग्रह 2011*

➤ संचार उपग्रह, जिसे ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान पीएसएलवी-सी-17 के माध्यम से 15 जुलाई को श्रीहरिकोटा से प्रक्षेपित किया गया *जीसैट-12*

➤ उत्तर प्रदेश के महानिरीक्षक (कानून व व्यवस्था) डॉ. आनन्द महेश्वरी द्वारा लिखित पुस्तक, जिसमें अपराध की प्रकृति और उससे निपटने के तरीके पर विस्तार से चर्चा की गई है *क्राफ्ट ऑफ काउन्टर इनसरजेन्सी*

➤ इन्हें विदेश में जमा काले धन की जाँच के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित विशेष जाँच दल (एसआईटी) का अध्यक्ष बनाया गया है *जस्टिस बी पी जीवन रेड्डी*

➤ पूर्व केन्द्रीय कपड़ा मन्त्री, जिन्हें 2 जी स्पैक्ट्रम आवंटन घोटाले के मामले में अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा *दयानिधि मारन*

➤ इस बॉलीवुड अभिनेता को महिला एवं बाल विकास मन्त्रालय (भारत सरकार) का ब्राण्ड एम्बेसडर बनाया गया *आमिर खान*

➤ इन्हें राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण बैंक (नाबार्ड) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया *प्रकाश बख्शी*

➤ भारत की इस युवा खिलाड़ी ने एशियाई जूनियर अण्डर-19 स्क्वैश चैम्पियनशिप का ख़िताब जीता *अनाका एलन कामोनी*

➤ इस पूर्व ऑस्ट्रेलियाई हॉकी खिलाड़ी को भारतीय हॉकी टीम का नया कोच नियुक्त किया गया *माइकल जैक नोब्स*

➤ भारती एयरटेल के सीईओ, जिन्हें एक बार फिर जीएसएम मोबाइल सेवा कम्पनियों के संगठन सीओएआई का अध्यक्ष चुना गया *संजय कपूर*

➤ भारतीय ओलम्पिक संघ के सीनियर अधिकारी, जिन्हें लगातार छठी बार एशियाई ओलम्पिक परिषद् (ओसीए) का महासचिव चुना गया *रणधीर सिंह*

➤ भारत के इस एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता मुक्केबाज ने 21वें प्रेसीडेण्ट कप मुक्केबाजी टूर्नामेन्ट में स्वर्ण पदक जीता *वी. सन्तोष कुमार*

➤ ...... ने अमेरिका को हराकर महिला फुटबॉल विश्व कप जीता। *जापान*

➤ इस यूरोपीय देश ने विज्ञान, मानविकी, प्रौद्योगिकी और कला के क्षेत्रों में भारत और अन्य

गैर-यूरोपीय संघ देशों से अत्यधिक प्रतिभावान लोगों के आव्रजन के लिए वीजा का एक नया वर्ग बनाया *ब्रिटेन*

➤ इस विकसित देश ने अगले वर्ष से 500 सबसे बड़ी प्रदूषक कम्पनियों पर कार्बन टैक्स लगाने का ऐलान किया है *ऑस्ट्रेलिया*

➤ भारत के इस पड़ोसी देश की नौसेना ने स्वदेशी मानवरहित विमानों (यूएवी) की पहली खेप को अपने बेड़े में शामिल किया *पाकिस्तान*

➤ गंगा नदी के इलाके से अवैध खनन को रोकने के लिए अनशन पर बैठने और फिर मौत के मुँह में समा जाने वाले संन्यासी, जिन्हें भू-समाधि दी गई *स्वामी निगमानन्द*

➤ जाने-माने क्रिकेट कमेन्टेटर हर्ष भोगले द्वारा लिखित पुस्तक, जिसमें क्रिकेट की बारीकियों और उसमें होने वाली हार-जीत पर विस्तार से चर्चा की गई है *द विनिंग वे*

➤ जापानी कम्पनी फिजुत्सु लिमिटेड द्वारा निर्मित इस सुपर कम्प्यूटर को दुनिया का सबसे तेज कम्प्यूटर घोषित किया गया *'के'*

➤ तमिलनाडु में निर्माणाधीन कुदानकुलम परमाणु रिएक्टर के डिजाइनर व रूसी वैज्ञानिक, जिनकी हाल ही में विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई *सर्गेय रिझोव*

➤ ...... को राज्यों के वित्त मन्त्रियों की अधिकार प्राप्त समिति का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है *सुशील कुमार मोदी*

➤ इन्हें भारतीय साइकलिंग महासंघ (सीएफआई) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया *परमिन्द सिंह ढींढसा*

➤ भारतीय एथलेटिक्स के यूक्रेनी कोच, जिन्हें डोपिंग के गम्भीर मामलों के सामने आने के बाद बर्खास्त कर दिया गया *यूरी आग्रोवनिक*

➤ दूर-संवेदी प्रणाली के जाने-माने वैज्ञानिक, जिन्हें इसरो ने एन्ट्रिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड का नया अध्यक्ष और सीएमडी नियुक्त किया है *वी एस हेगड़े*

➤ करीब 20 वर्षों तक चले गृहयुद्ध के बाद यह देश 9 जुलाई को विश्व का नवीनतम देश बना *दक्षिण सूडान*

➤ अफ्रीकी देश, जहाँ की पूर्व महिला विकास मन्त्री पॉलीन एन को वहाँ कराए गए नरसंहार के लिए 25 वर्ष कैद की सजा सुनाई गई *रवाण्डा*

➤ इस भारतीय पत्रकार को उनके उपन्यास मैक्लस्कीगंज के लिए लन्दन में 17वें इन्दु शर्मा कथा सम्मान से नवाजा गया *विकास कुमार झा*

➤ अमेरिकी अन्तरिक्ष एजेन्सी नासा ने 8 जुलाई को अपने इस अन्तिम स्पेस शटल को आखिरी बार प्रक्षेपित किया *अटलाण्टिस*

➤ फ्रांस की वित्तमन्त्री, जिन्हें डॉमिनिक स्ट्रॉस कान के स्थान पर अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का नया प्रवन्ध निदेशक नियुक्त किया गया *क्रिस्टीन लगार्ड*

➤ सुप्रीम कोर्ट द्वारा पी जे थॉमस की नियुक्ति को निरस्त किए जाने के चार महीने पश्चात् इन्हें सर्वसम्मति से मुख्य सतर्कता आयुक्त (सीवीसी) चुना गया *प्रदीप कुमार*

➤ केरल की राजधानी तिरुअनन्तपुरम के इस मन्दिर से एक लाख करोड़ रुपये की कीमत का खजाना मिला *पद्मनाभस्वामी मन्दिर*

➤ कानून मन्त्रालय ने लोगों को त्वरित न्याय दिलाने तथा विभिन्न अदालतों में लम्बित 2.79 करोड़ मामलों के त्वरित निपटारे के लिए 1 जुलाई, 2011 से पूरे दो में इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम को शुरू किया *नेशनल मिशन मोड*

➤ लगभग दस महीने तक सोमालियाई डाकुओं के कब्जे में रहा समुद्री जहाज, जिस पर सवार छह भारतीय नाविक हाल ही में भारत पहुँचे *एम वी स्वेज*

➤ पुलित्जर सम्मान प्राप्त अमेरिकी लेखक जोसफ लेलीवेल्ड द्वारा लिखित पुस्तक, जिसमें महात्मा गाँधी के बारे में कुछ आपत्तिजनक बातें लिखी हैं *ग्रेट सोल-महात्मा गाँधी एण्ड हिज स्ट्रगल विद इण्डिया*

➤ सचिन तेन्दुलकर के फैन के रूप में प्रसिद्ध बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के एक गाँव के निवासी, जो निर्माणाधीन अमेरिकी डॉक्यूमेन्टरी फिल्म 'बियोण्ड ऑल बाउण्ड्रीज' के मुख्य पात्र हैं *सुधीर गौतम*

➤ फॉरवर्ड हॉकी खिलाड़ी जिन्हें भारतीय हॉकी टीम का कप्तान बनाया गया *अर्जुन हलप्पा*

➤ गोवा के शिक्षा मन्त्री जिन्हें एक करोड़ अमेरिकी डॉलर के साथ मुम्बई हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया *एटनासियो मांसरेट*

➤ ब्रिटिश पत्रिका 'लैंसेट' के नवीनतम संस्करण में दिल्ली के पीने के पानी में पाए गए इस बैक्टीरिया का उल्लेख किया गया है *सुपरबग (एनडीएम-1)*

- विश्व मौसम संगठन की रिपोर्ट के अनुसार आर्कटिक क्षेत्र की इस वातावरणीय परत की मोटाई में 40% की कमी आई है *ओजोन परत*
- कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाले की जाँच के लिए गठित समिति, जिसने अपनी अन्तिम रिपोर्ट में केन्द्र सरकार को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया *शुंगलु समिति*
- यह भारतीय टेनिस जोड़ी विश्व की नम्बर 1 टेनिस जोड़ी हो गई *महेश भूपति, लिएण्डर पेस*
- सुपर ग्लू की खोज करने वाले 94 वर्षीय अमेरिकी वैज्ञानिक जिनका दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया *हैरी वेस्ली कूवर*
- राजस्थान की साडा गाँव की सरपंच, जिन्होंने हाल ही में संयुक्त राष्ट्र के ग्यारहवें इम्फो पावर्टी सम्मेलन की अध्यक्षता की *छवि राजावत*
- विमानों की आवाजाही पर उपग्रहों के माध्यम से निगरानी रखने के लिए निर्मित उन्नत प्रणाली, जिसके लिए केन्द्र सरकार की ओर से ₹ 378 करोड़ की राशि मंजूर की गई *गगन परियोजना*
- जो महापौर, सभापति या नगर पालिका प्रधान ठीक से काम नहीं कर रहे, जनता द्वारा उनको वापस बुलाए जाने सम्बन्धी कानून, जिसे मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के बाद लागू करने वाला राजस्थान तीसरा राज्य बना *राइट टू रीकॉल*
- छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा गठित नक्सल विरोधी सशस्त्र बल, जिसके गठन पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा सवाल उठाए गए *- कोया कमाण्डोज*
- मध्य प्रदेश सरकार द्वारा लिंगानुपात को कम करने के लिए चलाई गई योजना, जिसे पूरे देश में लागू करने की माँग की गई है *लाडली लक्ष्मी योजना*
- कन्नड़ के जाने-माने लेखक जिन्हें उनके उपन्यास 'मन्द्र' के लिए वर्ष 2010 के 20वें सरस्वती सम्मान के लिए चुना गया *प्रो. एस एल भैरप्पा*
- राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश, जिन्हें झारखण्ड उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया *प्रकाश टाटिया*
- भारतीय पूर्व गायिका, जिन्हें ब्रिटेन के हाउस ऑफ कॉमन्स (ब्रिटिश संसद) द्वारा उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया *आशा भोंसले*
- संयुक्त राष्ट्र की इकाई औद्योगिक विकास संगठन ने भारत को विश्व के दस शीर्ष औद्योगिक उत्पादकों में स्थान दिया है। इस सूची में प्रथम स्थान पर है *चीन*
- फ्रांस के महान् फुटबॉलर, जिन्हें दूसरी बार यूरोपियन फुटबॉल एसोसिएशन का अध्यक्ष चुना गया *माइकल प्लाटिनी*
- अन्तर्राष्ट्रीय बाघ संरक्षण सम्मेलन, यहाँ आयोजित किया *नई दिल्ली*
- प्रथम रौल बॉल विश्व कप का आयोजन भारत के इस शहर में किया गया *पुणे*
- गैर सरकारी संगठन 'प्राज्वला' की सह-संस्थापक और मानव तस्करी के खिलाफ मुहिम छेड़ने वाली महिला, जिन्हें अमेरिका में मानवाधिकार सम्मान वाइटल वॉयसेस ग्लोबल लीडरशिप अवार्ड से नवाजा गया *सुनीता कृष्णन*
- जाली पैनकार्ड की समस्या से निपटने के लिए पूरे देश के आयकरदाताओं के लिए यह पैनकार्ड जारी किया जाएगा *बायोमैट्रिक पैनकार्ड*
- ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका (ब्रिक्स) के सरकार प्रमुखों का तीसरा सम्मेलन यहाँ आयोजित किया गया *सान्या (चीन)*
- हेपेटाइटिस-बी वायरस की खोज में योगदान के लिए नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले वैज्ञानिक, जिनका अमेरिका में निधन हो गया *बारुच ब्लूमबर्ग*
- भारतीय मूल के इस अमेरिकी चिकित्सक को कैंसर पर लिखी उनकी पुस्तक 'द एम्परर ऑफ ऑल मैलडीज ए बायोग्राफी ऑफ कैंसर' के लिए प्रतिष्ठित पुलित्जर पुरस्कार दिया गया *सिद्धार्थ मुखर्जी*
- कॉमनवेल्थ खेलों के काँस्य पदक विजेता इस निशानेबाज ने विश्व कप निशानेबाजी में 50 मी राइफल का स्वर्ण पदक जीत लन्दन ओलम्पिक के लिए क्वालिफाई किया *संजीव राजपूत*
- अफगानिस्तान में गठबन्धन सेना के इस प्रमुख को अमेरिकी खुफिया एजेन्सी सीआईए का नया प्रमुख नियुक्त किया गया *डेविड पेट्रियस*

- अमेरिकी खुफिया एजेन्सी सीआईए के निदेशक, जिन्हें अमेरिका का रक्षा मन्त्री नियुक्त किया गया *लिओन पनेटा*
- अर्जेन्टीना का यह स्टार फुटबॉलर स्पेनिश लीग के एक सत्र में 50 गोल करने वाला प्रथम फुटबॉलर बन गया *लियोनेल मैसी*
- दक्षिण प्रशान्त महासागर में न्यूजीलैण्ड और हवाई द्वीप समूह के बीच का देश, जिसने अपना समय 24 घण्टे आगे कर लिया *समोआ*
- संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में इस शहर में विश्व के अल्पविकसित देशों का सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें 48 देशों ने हिस्सा लिया *इस्ताम्बुल*
- योजना आयोग और पर्यावरण मन्त्रालय द्वारा इस सिस्टम पर काम किया जा रहा है, जिससे आर्थिक विकास के पर्यावरण पर होने वाले असर का आकलन किया जा सकेगा *ग्रीन अकाउन्टिंग सिस्टम*
- इन्हें भारत में ब्रिटेन का नया उच्चायुक्त नियुक्त किया गया *जेम्स बेवन*
- वह शहर जहाँ समुद्री डकैती का मुकाबला करने के लिए पहली बार सार्वजनिक-निजी क्षेत्र का उच्चस्तरीय सम्मेलन आयोजित किया गया *दुबई*
- हास्य-व्यंग्य के क्षेत्र में दिया जाने वाला देश का सर्वोच्च पुरस्कार काका हाथरसी हास्य पुरस्कार इन्हें दिया गया *डॉ. सुरेन्द्र दुबे*
- भारतीय मूल के बिजनसमैन, जिन्हें वर्ष 2011 के लिए ब्रिटेन के धनी व्यक्तियों की सूची में सर्वोच्च स्थान दिया गया *लक्ष्मीनारायण मित्तल*
- सिक्किम हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, जिन्होंने अपने खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया को रुकवाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय की शरण ली *पी डी दिनाकरण*
- लोगों के विरोध के बावजूद सरकार ने महाराष्ट्र स्थित इस परमाणु संयन्त्र के निर्माण को जारी रखने को फैसला दिया *जैतापुर परमाणु परियोजना*
- भारत में इस वर्ष 30 अक्टूबर को पहली बार आयोजित होने वाली फॉर्मूला वन रेस को यह नाम दिया गया *बुद्ध इन्टरनेशनल सर्किट*
- भारतीय चुनावों में प्रयुक्त होने वाली इलैक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) का इस्तेमाल इस देश में लोकतन्त्र की बहाली के लिए होने वाले चुनावों में किया जाएगा *मिस्र*
- हॉवर्ड लॉ यूनिवर्सिटी के वरिष्ठ फैलो, जो तिब्बत निर्वाचित सरकार के नए प्रधानमन्त्री निर्वाचित हुए *लोबसंग सांगए*
- मिस्र के विदेशमन्त्री, जिन्हें सर्वसम्मति से अरब लीग का नया महासचिव चुना गया *नबिल अल अरबी*
- सिंगापुर के संस्थापक और प्रथम प्रधानमन्त्री, जिन्होंने मन्त्रिमण्डल में 50 वर्षों तक बने रहने के बाद इस्तीफा देने की घोषणा की *ली कुआन यू*
- भारत के इस उद्योगपति को फ्रांस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा गया *राहुल बजाज*
- 63वें गणतन्त्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी, 2012 को इस महिला सैन्य अधिकारी ने राजपथ पर आयोजित परेड में वायु सेना के दस्ते का नेतृत्व कर इतिहास रचा *स्नेहा शेखावत*
- दावोस में आयोजित 42वें विश्व आर्थिक मंच सम्मेलन 2012 का विषय था *द ग्रेट ट्रांस्फॉर्मेशन : शेपिंग न्यू मॉडल्स*
- अण्डमान-निकोबार में छह दिनों तक चले 14 मित्र देशों की नौसेना के साझा युद्धाभ्यास का नाम था *'मिलन'*
- क्रिकेट खिलाड़ी जिन्हें अपने देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया' से सम्मानित किया है *रिकी पोंटिंग*
- भारत ने फ्रांस की एक कम्पनी से इस बहुउपयोगी युद्धक विमान को खरीदने का फैसला किया है *राफेल*
- वर्ल्ड चैम्पियन विश्वनाथन आनन्द के बाद शतरंज के ग्रुप-ए में खेलने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं *पी हरिकृष्ण*
- एक भारतीय कम्पनी ने भारत की अब तक की सबसे बड़ी शेयर पुनर्खरीद (बायबैक) योजना शुरू की है *रिलायन्स इण्डस्ट्रीज*
- सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्टाचार की शिकायत पर जाँच का फैसला लेने के लिए समय सीमा तय की है *4 महीने*
- नासा के खगोलविदों के दावे के अनुसार इस टेलीस्कोप ने 11 सौरमण्डलों में फैले 26 नए ग्रहों का पता लगाया है *कैपलर*
- वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की बैठक हाल ही में स्विट्जरलैण्ड के इस शहर में आयोजित की गई *दावोस*

- कोलकाता में आयोजित 36वें अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तक मेले में जारी की गई पुस्तक 'निर्वासन' की लेखिका हैं *तस्लीमा नसरीन*
- डबल ट्रैप निशानेबाजी की राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में राज्यवर्द्धन सिंह राठौर और रंजन सिंह सोढ़ी को पीछे छोड़कर राष्ट्रीय चैम्पियन बने हैं *अजय मित्तल*
- 2जी घोटाले में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कुल लाइसेन्स रद्द कर दिए हैं, *122*
- एचपी को पछाड़कर यह कम्पनी पर्सनल कम्प्यूटर की विश्व की सबसे बड़ी विक्रेता बनी है *एप्पल*
- भारत सरकार द्वारा वर्ष 2012 को घोषित किया गया है *गणित वर्ष*
- फिलिपीन्स में इस समुद्री तूफान ने भारी तबाही मचाई *वाशी*
- अमेरिका ने अपने इस पायलट रहित कार्गो ड्रोन विमान का सफल परीक्षण अफगानिस्तान में किया। *कमान के-मैक्स*
- कनाडा के वैज्ञानिकों ने फ्रैंकनस्टीन चींटियाँ बनाई हैं, जिन्हें यह नाम दिया गया है *सुपर सोल्जर्स*
- चीन में 12 वर्षों के ज्योतिष चक्र के आधार पर लगातार 12 वर्षों का नामकरण अलग-अलग जानवरों के आधार पर होता है। वर्ष 2012 है *ड्रैगन का वर्ष*
- श्रीलंका में भारत के सहयोग से 19 किमी लम्बा रेल लिंक इन स्थानों के बीच शुरू किया गया *गाले से हिक्कादुवा*
- केन्द्रीय मन्त्रिमण्डल की सुरक्षा मामलों की समिति की (सीसीएस) ने हवा-से-हवा में मार करने वाली 500 फ्रांसीसी मिसाइलें खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इन मिसाइलों का नाम है *मीका*
- हाल ही में इस देश में 500 किमी प्रति घण्टा की रफ्तार वाली सुपर स्पीड ट्रेन लॉन्च की गई है *चीन*
- रूस के इस शहर के क्षेत्रफल को विस्तृत किया जा रहा है, जिससे यह 2.4 गुना बढ़ जाएगा *मॉस्को*
- वैज्ञानिकों ने ऑस्ट्रेलिया के इस इलाके में ऐसा खनिज खोजा है, जो अब तक सिर्फ चाँद पर पाया गया है *पिलबारा*
- 10वाँ प्रवासी भारतीय दिवस जयपुर में 9 जनवरी, 2012 को मनाया गया, इसकी मुख्य अतिथि थीं *कमला प्रसाद बिसेसर*
- इस देश ने अपने 3-डी टेलीविजन चैनल का प्रायोगिक प्रसारण शुरू किया है *चीन*
- इस देश ने भोजपुरी भाषा को संवैधानिक मान्यता प्रदान की है *मॉरिशस*
- युवाओं को एचआईवी/एड्स से बचाने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा चलाई गई ट्रेन का नाम है *रेड रिबन एक्सप्रेस*
- केन्द्र सरकार ने इनमें शिकायतों का निवारण करने के लिए ओम्बुड्समैन नियुक्त करने का फैसला किया है *उच्च शिक्षण संस्थान*
- रणजी ट्रॉफी 2011-12 का खिताब इस टीम ने जीता है *राजस्थान*
- हिमाचल प्रदेश की इस भाषा को विश्व की भाषाओं के सर्वेक्षण में शामिल किया गया है *पंगवाली*

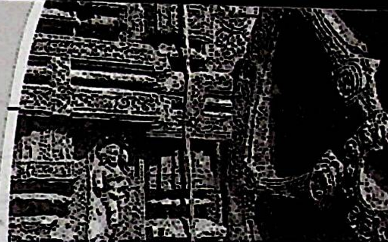
चर्चित पुस्तकें



पुस्तक	लेखक
द ट्रिब्यून 130 ईयर्स : *ए विटनेस टू हिस्ट्री*	प्रो. ई एन दत्ता
द लास्ट जेट इंजन	रुचिर जोशी
द सेटेनिक वर्सेज	सलमान रुश्दी
नेल्सन मण्डेला : *मेरा जीवन बातों-बातों में*	नेल्सन मण्डेला
नॉन स्टॉप इण्डिया	मार्क टुली
द मास्टर एण्ड हिज एमिसेरी : *द डिवाइडेड ब्रेन एण्ड द मेकिंग ऑफ द वेस्टर्न वर्ल्ड*	इयान मैकगिलक्रिस्ट
बीइंग डिफरेन्ट	राजीव मल्होत्रा

पुस्तक	लेखक
एक्सप्रेशन ऑफ थॉटस	के रहमान खान
भगवद्गीता ऐज इट इज ए.सी. भक्तिवेदांत	स्वामी प्रभुपाद द्वारा अनुदित
द आफिसियल जर्नी टू मक्का ओपस	टीम वीवा
निर्वासन	तस्लीमा नसरीन
भारतीय संविधान : *विश्वकोष*	सुभाष कश्यप
महामन्दी की वापसी	पॉल क्रुगमैन
माई अनफॉरगेटेबल मेमोरीज	ममता बनर्जी
कन्ट्रोवर्सियली योर्स	शोएब अख्तर

भारत का इतिहास



हिमालय पर्वत के दक्षिण तथा हिन्द महासागर के उत्तर में स्थित एशिया महाद्वीप का विशाल प्रायद्वीप भारत कहलाता है। 'भारत' का नामकरण ऋग्वैदिक काल के प्रमुख जन 'भरत' के नाम पर किया गया था। यूनानियों ने इस देश को 'इण्डिया' कहा तथा मध्यकालीन लेखकों ने इस देश को 'हिन्द' अथवा 'हिन्दुस्तान' के नाम से सम्बोधित किया।

प्राचीन भारत



ऐतिहासिक स्रोत

प्राचीन भारतीय इतिहास को जानने के मुख्यतः तीन स्रोत बताए गए हैं—1. साहित्यिक स्रोत, 2. विदेशी यात्रियों के विवरण, तथा 3. पुरातत्व सम्बन्धी साक्ष्य

- साहित्यिक स्रोतों में धर्म-ग्रन्थ एवं ऐतिहासिक ग्रन्थ शामिल हैं। सबसे प्राचीन धर्म-ग्रन्थ 'वेद' हैं। वेद चार हैं—ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद।
- वेदों के संकलनकर्ता महर्षि कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास थे।
- बौद्ध ग्रन्थों में त्रिपिटक सर्वाधिक उल्लेखनीय है जबकि जैन ग्रन्थों में परिशिष्टपर्वन, भद्रबाहुचरित, भगवती सूत्र प्रमुख हैं।
- मुख्य ऐतिहासिक ग्रन्थों में अर्थशास्त्र (कौटिल्य), राजतरंगिणी (कल्हण) पृथ्वीराज रासो (चन्दबरदाई) हर्षचरित (बाणभट्ट) उल्लेखनीय हैं।
- पुराण भी ऐतिहासिक स्रोत हैं। पुराणों की संख्या 18 है। भारत आने वाले विदेशी यात्रियों एवं लेखकों के विवरण से प्राचीन भारतीय इतिहास की जानकारी प्राप्त होती है।
- यूनानी-रोमन (क्लासिकल) लेखकों में टेसियस तथा हेरोडोटस हैं।
- सिकन्दर के साथ भारत आने वाले विदेशी लेखक नियार्कस, सिक्रिटस तथा आरिस्टोबुलस थे।
- अन्य विदेशी लेखकों में तीन— मेगस्थनीज, डायमेकस तथा डायानिसियस के नाम शामिल हैं।
- मेगस्थनीज, सेल्यूकस का राजदूत था जो चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में आया था।
- मेगस्थनीज की इण्डिका में मौर्ययुगीन समाज एवं संस्कृति का विवरण मिलता है।
- टॉलमी ने 'भारत का भूगोल' तथा प्लिनी ने 'नेचुरल हिस्ट्री' नामक पुस्तक लिखी।
- चीनी-लेखकों में फाह्यान, सुंगयुन, ह्वेनसांग तथा इत्सिंग प्रमुख हैं।
- ह्वेनसांग का वृत्तान्त सि-यू-की नाम से प्रसिद्ध है।

अरबी लेखक अलबरूनी महमूद गजनवी के साथ भारत आया था। उसकी कृति किताब-उल-हिन्द अथवा तहकीक-ए-हिन्द (भारत की खोज) में तत्काल भारतीय समाज की दशा का वर्णन है।



- पुरातात्विक साक्ष्यों में अभिलेख, मुद्रा एवं स्मारक आते हैं।
- अभिलेख शिलाओं, स्तम्भों, ताम्रपत्रों, दीवारों, मुद्राओं एवं प्रतिमाओं आदि पर खुदे हैं।
- मध्य एशिया में बोगजकोई से प्राप्त अभिलेख में हित्ती नरेश सब्बिलुमा तथा मितन्नी नरेश मतिवजा के बीच सन्धि का उल्लेख है।
- बेसनगर (विदिशा) से प्राप्त गरुड़ स्तम्भ लेख से भागवत धर्म के प्रसार का विवरण मिलता है।
- अन्य अभिलेखों में हाथीगुम्फा अभिलेख (कलिंग नरेश खारवेल), प्रयाग स्तम्भ लेख (समुद्रगुप्त), मन्दसौर अभिलेख (मालवा नरेश यशोधर्मन) प्रमुख हैं।
- चालुक्य नरेश पुलकेशिन द्वितीय का ऐहोल अभिलेख विशेष रूप से प्रसिद्ध है।
- 'आहत सिक्के' बिना लेख के प्राचीनतम सिक्के थे, इन्हें कार्षापण, पुराण, धरण एवं शतमान भी कहा गया है।
- सातवाहन नरेश शातकर्णि की एक मुद्रा पर जलपोत का चित्र उत्कीर्ण है।
- समुद्रगुप्त की मुद्राओं पर वीणावादन दिखाया गया है।
- चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य की व्याघ्र शैली की मुद्राओं से शक विजय का विवरण मिला है।



प्राक्-ऐतिहासिक काल

- प्रागैतिहासिक काल में लिपि कला का विकास नहीं हुआ था।
- 'ज्ञानी मानव' *होमो सैपियन्स* का उद्भव चालीस हजार वर्ष पूर्व हुआ था।

- सबसे प्राचीन फसलों में गेहूँ और जौ आते हैं। नवपाषाण काल में ही पहिए तथा आग का आविष्कार हुआ था।
- मनुष्य ने सर्वप्रथम कुत्ते को पालतू बनाया तथा सबसे पहले 'ताँबा' धातु का प्रयोग किया था।
- मनुष्य द्वारा बनाया गया पहला औजार 'कुल्हाड़ी' था।



सिन्धु घाटी सभ्यता

➤ सिन्धु घाटी सभ्यता को हड़प्पा सभ्यता भी कहा जाता है।

➤ इसकी सर्वमान्य तिथि 2500 ई. पू. से 1750 ई. पू. मानी गई है; जिसकी खोज रायबहादुर दयाराम साहनी द्वारा वर्ष 1921 में की गई।

➤ सिन्धु सभ्यता से जुड़े भारत में स्थित महत्त्वपूर्ण स्थल हैं—अहमदाबाद (गुजरात) के समीप लोथल, राजस्थान में कालीबंगा, हिसार (हरियाणा) जिले में बनवाली, चण्डीगढ़ (पंजाब) के समीप रोपड़।

➤ लोथल से सबसे बड़ी जहाजों की गोदी (डॉक-यार्ड) का साक्ष्य मिला है।

आर्थिक जीवन

➤ सिन्धु निवासी कृषि से जुड़े थे। मुख्य फसलें 'गेहूँ' और 'जौ' थीं। वे कृषि के साथ पशुपालन भी करते थे।

➤ बैल, भेड़, बकरी, कुत्ते, सुअर आदि पशु पालतू माने जाते थे।

➤ अनाज के भण्डारण के लिए अन्नागार बने होते थे।

➤ इस सभ्यता के लोग ताँबे का प्रयोग करते थे। वस्तु विनिमय व्यापार का माध्यम था।

➤ विश्व में सर्वप्रथम यहाँ के निवासियों ने कपास की खेती प्रारम्भ की थी। यूनानियों ने इसे सिण्डॉन कहा है।

सामाजिक जीवन

➤ 'परिवार' समाज का आधार था, जो मातृसत्तात्मक था।

➤ समाज चार वर्गों मे बँटा था—विद्वान्, योद्धा, व्यापारी और शिल्पकार।

➤ लोग शाकाहारी एवं मांसाहारी दोनों थे। आमोद-प्रमोद का साधन जुआ खेलना, शिकार, नृत्य-संगीत इत्यादि थे।

- हड़प्पन लिपि भावचित्रात्मक (Pictographic) है। यह लिपि दाईं से बाईं ओर लिखी जाती थी।
- मोहनजोदड़ो से प्राप्त वृहत् स्नानागार एक प्रमुख स्मारक है, जिसके मध्य स्थित स्नानकुण्ड 11.88 मी लम्बा, 7.01 मी चौड़ा एवं 2.43 मी गहरा है। इसका प्रयोग आनुष्ठानिक स्नान हेतु किया जाता था।

➤ हड़प्पा निवासी ऊनी एवं सूती दोनों प्रकार के वस्त्र पहनते थे।

➤ शवों को जलाने एवं दफनाने की प्रथा प्रचलित थी।

नगर योजना

➤ हड़प्पा सभ्यता की प्रमुख विशिष्टता नगर योजना है।

➤ नगरों के उच्च भाग को 'नगर दुर्ग' एवं निम्न भाग को 'निचला-नगर' कहा गया।

➤ कालीबंगा एकमात्र हड़प्पाकालीन स्थल था, जिसका निचला शहर (सामान्य लोगों के रहने हेतु) भी किले से घिरा हुआ था।

धार्मिक व्यवस्था

➤ सिन्धु सभ्यता के लोग मातृदेवी की पूजा करते थे।

➤ वृक्षपूजा का भी प्रचलन था। मन्दिर के अवशेष यहाँ नहीं मिले हैं, फिर भी मातृदेवी की उपासना के साथ-साथ कूबड़वाला सांड लोगों के लिए विशेष पूजनीय था। नाग की भी पूजा होती थी।

➤ कालीबंगा से अग्नि-कुंड के साक्ष्य मिले हैं।

➤ फाख्ता एक पवित्र पक्षी माना जाता था।

शिल्प तथा उद्योग-धन्धे

➤ लोगों का मुख्य पेशा शिल्प एवं उद्योग था। कपड़ा बुनना, बर्तन बनाना, खिलौने बनाना, मुद्रा-निर्माण (टेराकोटा द्वारा), आभूषण-निर्माण प्रमुख उद्योग-धन्धे थे।

➤ यहाँ काले रंग से डिजाइन किए हुए लाल मिट्टी के बर्तन बनाए जाते थे।

व्यापार एवं वाणिज्य

➤ व्यापार के सन्दर्भ में मेलुहा, दिलुमन (बहरीन) तथा मगन (मकान) का उल्लेख मिलता है। मेलुहा की पहचान सिन्धु घाटी से होती है।

➤ हड़प्पा और मोहनजोदड़ो (मृतकों का टीला) व्यापार के प्रसिद्ध केन्द्र थे।

➤ बैल की आकृति युक्त मुहर से यह ज्ञात होता है कि मेसोपोटामिया तथा सिन्धु प्रदेश के बीच घनिष्ठ व्यापार सम्बन्ध था।

हड़प्पाकालीन व्यापार व्यवस्था

स्थल	आयातित वस्तुएँ
अफगानिस्तान, ईरान (मध्य एशिया)	टिन
खेतड़ी (राजस्थान), बलूचिस्तान	ताँबा
अफगानिस्तान, फारस, कर्नाटक	सोना
अफगानिस्तान, फारस (ईरान)	चाँदी
दक्षिण भारत, ईरान, राजस्थान, अफगानिस्तान	सीसा
सौराष्ट्र	गोमेद
बदख्शां (अफगानिस्तान)	नील रत्न

हड़प्पा सभ्यता : प्रमुख स्थल *उत्खननकर्ता, वर्ष, नदी, स्थिति एवं साक्ष्य*

प्रमुख स्थल	उत्खननकर्ता	वर्ष	नदी	स्थिति	प्राप्त साक्ष्य
हड़प्पा	दयाराम साहनी	1921	रावी	मोण्टगोमरी (पाकिस्तान)	मुहरों पर एक शृंगी पशु, ताँबे की इक्कागाड़ी
मोहनजोदड़ो	राखलदास बनर्जी	1922	सिन्धु	लरकाना (पाकिस्तान)	तीन मुख वाले देवता (पशुपति नाथ), नर्तकी की काँस्य मूर्ति, विशाल अन्नागार व स्नानागार
चन्हूदड़ो	एम जी मजूमदार	1931	सिन्धु	सिन्ध (पाकिस्तान)	मनके बनाने के कारखाने
कालीबंगा	बी बी लाल एवं बी के थापर	1953	घग्घर	श्रीगंगानगर (राजस्थान)	जुते हुए खेत, नक्काशीदार ईंटे
कोटदीजी	फजल अहमद	1953	सिन्धु	खैरपुर (पाकिस्तान)	पत्थर के बाणाग्र
रंगपुर	रंगनाथ राव	1553-54	मादर	काठियावाड़ (गुजरात)	चावल की भूसी
रोपड़	यज्ञदत्त शर्मा	1953-56	सतलज	रोपड़ (पंजाब)	मानव के साथ कुत्ते दफनाने का साक्ष्य
लोथल	रंगनाथ राव	1957-58	भोगवा	अहमदाबाद (गुजरात)	बन्दरगाह (डॉकयार्ड)
बनवाली	रवीन्द्र सिंह बिष्ट	1974	रंगोई	हिसार (हरियाणा)	मिट्टी का खिलौना, हल, जौ



वैदिक काल

➤ 1500 ई. पू. से 600 ई. पू. तक के कालखण्ड को वैदिक सभ्यता की संज्ञा दी जाती है।

➤ वैदिक काल के दो भाग हैं—ऋग्वैदिक (1500-1000 ई.पू.) तथा उत्तर-वैदिक (1000-600 ई. पू.)।

➤ आर्य सर्वप्रथम अफगानिस्तान एवं पंजाब में बसे। मैक्समूलर ने आर्यों का मूल निवास मध्य एशिया माना है।

ऋग्वैदिक काल

सामाजिक व्यवस्था

➤ समाज का आधार परिवार था।

➤ दहेज प्रथा, विधवा विवाह एवं दास प्रथा का प्रचलन था।

➤ आर्यों के मनोरंजन का साधन संगीत, रथदौड़, घुड़दौड़ एवं द्यूतक्रीड़ा इत्यादि थे।

➤ जीवन भर अविवाहित रहने वाली महिलाओं को अमाजू कहा जाता था।

> आर्यों की भाषा संस्कृत थी एवं समाज पितृप्रधान था। समाज की सबसे छोटी इकाई परिवार या कुल थी जिसका मुखिया पिता होता था। इसे कुलप कहा जाता था।

आर्थिक व्यवस्था

➤ आर्य पशुचारक थे। कृषि उनका दूसरा मुख्य पेशा था।

➤ गाय मुद्रा की परिचायक थी। 'घोड़ा' उपयोगी पशु था। अन्य पशुओं में हाथी, ऊँट, बैल, भेड़, बकरी इत्यादि प्रमुख थे।

➤ ऋग्वेद में बढ़ई, रथकार, बुनकर चर्मकार, कुम्हार आदि शिल्पियों के उल्लेख हैं।

राजनीतिक व्यवस्था

➤ समाज कबीलाई था। सम्पूर्ण कबीला विश कहलाता था तथा कबीले का प्रधान राजन होता था।

➤ परिवारों के समूह को ग्राम तथा ग्राम के प्रधान को ग्रामणी कहा जाता था।

➤ परिवार ही सबसे छोटी प्रशासनिक इकाई थी।

धार्मिक व्यवस्था

➤ ऋग्वैदिक काल में इन्द्र महत्त्वपूर्ण देवता थे। इन्हें ऋग्वेद में 'पुरन्दर' कहा गया है।

➤ दूसरा महत्त्वपूर्ण देवता अग्नि तथा तीसरा प्रमुख देवता वरुण था।

➤ 'सोम' को पेय पदार्थ का देवता माना जाता था।

ऋग्वैदिककालीन नदियाँ

प्राचीन नाम	आधुनिक नाम
क्रुम	कुर्रम
कुभा	काबुल
वितस्ता	झेलम
अस्किनी	चिनाब
परुष्णी	रावी
शतुद्रि	सतलज
विपाशा	व्यास
सदानीरा	गण्डक
दृषद्वती	घग्घर
गोमल	गोमती
स्वात्	सुवास्तु

> ▪ ऋग्वेद में सर्वाधिक पवित्र नदी के रूप में 'सरस्वती' का वर्णन हुआ है तथा ऊषा, अदिति, सूर्या जैसी देवियों का भी उल्लेख है।
>
> ▪ सत्यमेव जयते 'मुण्डकोपनिषद्' से तथा असतो मा सद्गमय ऋग्वेद से लिया गया है। गायत्री मन्त्र का उल्लेख भी ऋग्वेद में मिलता है।

ऋग्वैदिक देवी-देवता

देवता	सम्बन्ध
इन्द्र	युद्ध का नेता एवं वर्षा का देवता
अग्नि	देवता एवं मनुष्य के बीच मध्यस्थ
वरुण	समुद्र का देवता, विश्व के नियामक
मरुत	आँधी-तूफान का देवता
द्यौ	आकाश का देवता (सबसे प्राचीन)
उषा	प्रगति एवं उत्थान-देवता
सोम	वनस्पति देवता
आश्विन	विपत्तियों को हरने वाले देवता
पूषन	पशुओं का देवता

उत्तरवैदिक काल

➤ उत्तरवैदिक सभ्यता पंजाब से कुरुक्षेत्र तक फैली थी।

➤ सामवेद, यजुर्वेद एवं अथर्ववेद तथा ब्राह्मण ग्रन्थों, आरण्यकों एवं उपनिषदों की रचना इसी समय हुई।

➤ कुरु, पांचाल और काशी उत्तरवैदिक काल के मुख्य जनपद थे।

राजनीतिक व्यवस्था

➤ राजतन्त्र शासन का आधार बना। इस समय कबीले एक दूसरे में विलीन होकर जनपदों के रूप में सामने आए।

➤ सभा एवं समिति राजा की निरंकुशता पर रोक लगाती थी।

सामाजिक व्यवस्था

➤ परिवार पितृप्रधान था एवं संयुक्त परिवार की व्यवस्था प्रचलित थी।

➤ समाज में स्त्रियों की दशा में गिरावट आई। 'गौत्र' प्रथा प्रचलित थी। जाति-प्रथा कर्म के आधार पर स्थापित हुई।

आर्थिक व्यवस्था

➤ कृषि तथा पशुपालन के साथ विभिन्न शिल्पों की चर्चा मिलती है। पशुपालन की अपेक्षा कृषि आर्थिक जीवन का मुख्य आधार बनी। हल को सिरा कहा जाता था।

➤ व्यापार प्रायः वस्तु विनिमय द्वारा ही होता था।

➤ मिट्टी के एक विशेष प्रकार के बर्तन बनाए जाते थे, जिन्हें चित्रित धूसर मृदभाण्ड (Painted Grey Ware-PGW) कहा जाता है।

➤ इस काल की अर्थव्यवस्था प्राक्-शहरी थी।

धार्मिक व्यवस्था

➤ इन्द्र के स्थान पर प्रजापति सर्वाधिक प्रिय देवता बने।

➤ समाज में ब्राह्मणों का प्रभुत्व बढ़ गया क्योंकि वे ही धार्मिक अनुष्ठान कराते थे। जादू-टोने में विश्वास बढ़ा था।

वैदिक साहित्य *एक दृष्टि में*

वेद	वेद का अर्थ ज्ञान से है।
ऋग्वेद	▪ ऋग्वेद में 10 मण्डल, 1028 श्लोक (1017 सूक्त तथा 11 बालखिल्य) तथा लगभग 10,600 मन्त्र हैं। ▪ ऋग्वेद के सातवें मण्डल में 'दसराज्ञ युद्ध' का उल्लेख है। यह परुष्णी (रावी) नदी के तट पर हुआ जिसमें सुरदास विजयी हुआ। ▪ 10वें मण्डल में पुरुष सूक्त का जिक्र आता है जिसमें चार वर्णों (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य एवं शूद्र) का उल्लेख है।
यजुर्वेद	▪ यजुर्वेद कर्मकाण्ड प्रधान ग्रन्थ है। इसका पाठ करने वाले ब्राह्मणों को अध्वर्यु कहा गया है। यजुर्वेद दो भागों में विभक्त है कृष्ण यजुर्वेद (गद्य) शुक्ल यजुर्वेद (पद्य)
सामवेद	▪ साम का अर्थ 'गान' से है।
अथर्ववेद	▪ 'अथर्व' शब्द का तात्पर्य है—पवित्र जादू। अथर्ववेद में रोग-निवारण, राजभक्ति, विवाह, प्रणय गीत, अन्धविश्वासों का वर्णन है।
उपवेद	▪ *ऋग्वेद*-आयुर्वेद (चिकित्साशास्त्र) ▪ *यजुर्वेद*-धनुर्वेद (युद्धशास्त्र से सम्बन्धित) ▪ *सामवेद*-गन्धर्ववेद (संगीतशास्त्र) ▪ *अथर्ववेद*-शिल्पवेद (भवन निर्माण कला)
ब्राह्मण	▪ प्रत्येक वेद की गद्य-रचना ही ब्राह्मण ग्रन्थ हैं।
आरण्यक	▪ आरण्यक शब्द 'अरण्य' से बना है जिसका अर्थ है-जंगल। ▪ इनमें आत्मा, परमात्मा, जन्म, मृत्यु, पुनर्जन्म आदि का उल्लेख है। ये ज्ञान मार्ग एवं कर्म मार्ग के बीच सेतु का कार्य करते हैं।
उपनिषद्	▪ इनका शाब्दिक अर्थ उस विद्या से है जो गुरु के समीप बैठकर, एकान्त में सीखी जाती है। आत्मा और ब्रह्मा के सम्बन्ध में दार्शनिक चिन्तन इनमें है। ▪ उपनिषदों की संख्या 108 है। इन्हें वेदान्त भी कहते हैं।
वेदांग	▪ वेदों का अर्थ समझने के लिए वेदांग की रचना की गई। ये 6 हैं—शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छन्द और ज्योतिष।
षड्दर्शन	▪ जीवन से जुड़े दर्शनों की व्याख्या है। दर्शन — प्रवर्तक सांख्य — कपिल योग — पतञ्जलि वैशेषिक — कणाद न्याय — गौतम पूर्व मीमांसा — जैमिनी उत्तर मीमांसा — बादरायण (व्यास)
पुराण	▪ मत्स्य, विष्णु, नारद, वामन प्रमुख पुराण हैं। सर्वाधिक प्राचीन मत्स्य पुराण है जिसमें विष्णु के 10 अवतारों का उल्लेख है।

रामायण	▪ महर्षि वाल्मीकि ने इसकी रचना की थी। ▪ इसे चतुर्विंशतिसहस्त्रीसंहिता भी कहा जाता है।
महाभारत	▪ महर्षि व्यास ने इसकी रचना की थी। ▪ महाभारत को जयसंहिता और सतसहस्त्री संहिता के नाम से भी जाना जाता है।
स्मृतियाँ	▪ इनमें सामाजिक नियम बताए गए हैं। कुछ मुख्य स्मृतियाँ निम्न हैं ▪ मनुस्मृति ▪ गौतम स्मृति ▪ विष्णु स्मृति ▪ नारद स्मृति ▪ याज्ञवल्क्य स्मृति ▪ वशिष्ठ स्मृति

वेदों से सम्बद्ध ब्राह्मण ग्रन्थ

वेद	ब्राह्मण ग्रन्थ
ऋग्वेद	कौशितकी और ऐतरेय
यजुर्वेद	तैत्तिरीय और शतपथ
सामवेद	पंचविश और जैमिनीय
अथर्ववेद	गोपथ



महाजनपदों का उदय

6ठी शताब्दी ई. पू. में भारतवर्ष निम्नलिखित 16 जनपदों में बँटा हुआ था

महाजनपद	राजधानी	क्षेत्र (आधुनिक स्थान)
अंग	चम्पा	भागलपुर, मुंगेर (बिहार)
मगध	गिरिव्रज/ राजगृह	पटना, गया (बिहार)
काशी	वाराणसी	वाराणसी के आस-पास (उत्तर प्रदेश)
वत्स	कौशाम्बी	इलाहाबाद
वज्जि	वैशाली	मुजफ्फरपुर
कोसल	श्रावस्ती	फैजाबाद
अवन्ति	उज्जैन/ महिष्मती	मालवा (मध्य प्रदेश)
मल्ल	कुशावती	देवरिया (उत्तर प्रदेश)
पांचाल	अहिच्छत्र	फर्रूखाबाद (उत्तर प्रदेश)
चेदि	सुक्तिमती	बुन्देलखण्ड
कुरू	इन्द्रप्रस्थ	आधुनिक दिल्ली, मेरठ एवं हरियाणा के कुछ क्षेत्र
मत्स्य	विराटनगर	जयपुर (राजस्थान)
कम्बोज	हाटक	राजोरी एवं हजारा
शूरसेन	मथुरा	मथुरा (उत्तर प्रदेश)
अश्मक	पोटली/ पोतन	गोदावरी नदी क्षेत्र
गान्धार	तक्षशिला	रावलपिंडी (पाकिस्तान)



भारत में धार्मिक आन्दोलन

➤ ई. पू. छठी सदी में ब्राह्मणवादी कर्मकाण्डों के विरुद्ध बौद्ध एवं जैन धर्मों का उदय हुआ।

जैन धर्म



➤ जैन धर्म के संस्थापक तथा प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव थे। जैन धर्म के तेइसवें तीर्थंकर पार्श्वनाथ थे।

➤ महावीर स्वामी चौबीसवें एवं अन्तिम तीर्थंकर थे।

महावीर स्वामी *एक दृष्टि में*

जन्म	540 ई. पूर्व
जन्मस्थान	वैशाली के पास कुण्डग्राम में
बचपन का नाम	वर्द्धमान
पिता	सिद्धार्थ (ज्ञातृक क्षत्रिय कुल)
माता	त्रिशला (लिच्छिवी नरेश चेतक की बहन)
पत्नी	यशोदा
पुत्री	प्रियदर्शनी
संन्यास धारण	30 वर्ष की अवस्था में (गृहत्याग)
ज्ञान प्राप्ति	▪ 12 वर्ष की कठोर तपस्या के बाद ▪ स्थान जाम्भिकग्राम के समीप ऋजुपालिका नदी का तट ▪ ज्ञान कैवल्य ज्ञान (सर्वोच्च ज्ञान) ▪ कैवल्य की प्राप्ति के बाद महावीर को केवलिन, जिन (विजेता) अर्हत (योग्य) आदि नामों से जाना जाने लगा।
जैन संघ	पावापुरी में स्थापना
शिष्य	आनन्द सुरदेव, महासयग, कुण्डकोलिय, नन्दिनीपिया, कामदेव
मृत्यु	काल 468 ई. पू. उम्र 72 वर्ष स्थान पावापुरी (नालंदा)

▪ जैन धर्म दो पन्थों-श्वेताम्बर एवं दिगम्बर में बँट गया था। श्वेताम्बर श्वेत वस्त्र धारण करते हैं, जबकि दिगम्बर पन्थ को मानने वाले वस्त्रों का परित्याग करते हैं।

▪ महावीर स्वामी की मृत्यु के बाद जैन संघ का प्रथम अध्यक्ष 'सुधर्मन' था।

जैन महासंगीतियाँ

संगीति	समय	स्थल	संगीति अध्यक्ष
प्रथम	322 से 298 ई.पू.	पाटलिपुत्र	स्थूलभद्र
द्वितीय	512 ई.	वल्लभी	देवर्द्धिगणि क्षमाश्रवण

➤ उद्देश्य धर्मग्रन्थों का संकलन लिपिबद्ध करना

➤ त्रिरत्न सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन व सम्यक आचरण

➢ पंचमहाव्रत अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अस्तेय तथा ब्रह्मचर्य हैं। इसमें प्रथम चार पार्श्वनाथ द्वारा जोड़े गए तथा अंतिम (ब्रह्मचर्य) महावीर द्वारा जोड़ा गया।

➢ जैन धर्म के अधिकांश ग्रन्थ प्राकृत भाषा में रचित हैं।

बौद्ध धर्म



बौद्ध धर्म के संस्थापक महात्मा बुद्ध थे।

महात्मा बुद्ध का जीवन परिचय

जन्म	563 ई. पू. (लगभग 2500 वर्ष पूर्व)
जन्मस्थान	लुम्बिनी (कपिलवस्तु)
पिता	शुद्धोधन (शाक्यों के राज्य कपिलवस्तु के शासक)
माता	महामाया देवी
बचपन का नाम	सिद्धार्थ
पालन-पोषण	गौतमी प्रजापति (मौसी)
विवाह	▪ अवस्था-16 वर्ष ▪ पत्नी-यशोधरा (कोलिय गणराज्य की राजकुमारी)
पुत्र	राहुल
गृह-त्याग	महाभिनिष्क्रमण (29 वर्ष की आयु में)
ज्ञान प्राप्ति	▪ 35 वर्ष की आयु में वैशाख पूर्णिमा के दिन ▪ स्थान बोधगया (बिहार) ▪ घटना सम्बोधि ▪ वृक्ष पीपल का वृक्ष (बोधि वृक्ष)
प्रथम उपदेश	▪ ऋषिपत्तन (सारनाथ) ▪ घटना धर्मचक्रप्रवर्तन
मृत्यु	▪ काल 483 ई. पू. ▪ दिन वैशाख पूर्णिमा ▪ स्थान कुशीनगर ▪ घटना महापरिनिर्वाण

▪ बुद्ध, संघ एवं धर्म को त्रिरत्न कहा जाता है।
▪ बौद्ध ग्रंथों में त्रिपिटक सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण हैं। ये हैं– विनयपिटक, सुत्तपिटक तथा अभिधम्मपिटक

बौद्ध प्रतीक

घटना	प्रतीक
जन्म	कमल एवं सांड
गृह-त्याग	घोड़ा
ज्ञान	पीपल (वृक्ष)
निर्वाण	पद चिह्न
मृत्यु	स्तूप

अष्टांगिक मार्ग

• सम्यक् दृष्टि	• सम्यक् वाणी
• सम्यक् संकल्प	• सम्यक् व्यायाम
• सम्यक् आजीव	• सम्यक् स्मृति
• सम्यक् कर्म	• सम्यक् समाधि

बौद्ध संगीति

सभा/संगीति	काल	स्थान	अध्यक्ष	शासनकाल
प्रथम	483 ई.पू.	राजगृह	महाकस्सप	अजातशत्रु
द्वितीय	383 ई.पू.	वैशाली	सब्बकामी	कालाशोक
तृतीय	255 ई.पू.	पाटलिपुत्र	मोग्गलिपुत्त तिस्स	अशोक
चतुर्थ	प्रथम शताब्दी ई.	कुण्डलवन	वसुमित्र/अश्वघोष	कनिष्क

चतुर्थ बौद्ध संगीति में बौद्ध धर्म दो सम्प्रदायों- हीनयान और महायान में विभक्त हो गया।

वैष्णव धर्म

➢ भागवत धर्म ही आगे चलकर वैष्णव धर्म कहलाया।

➢ इस धर्म के संस्थापक वासुदेव कृष्ण थे।

➢ विष्णु एवं कृष्ण का एकीकरण नारायण से हुआ है। नारायण के उपासक 'पंचरात्रिक' कहलाए।

➢ अवतारवाद वैष्णव धर्म का आधारभूत सिद्धान्त है।

➢ मेगस्थनीज ने कृष्ण को हेराक्लीज कहा है।

शैव धर्म

➢ शैव सम्प्रदाय की स्थापना लकुलिश ने की।

➢ शैव धर्म के पाँच सिद्धान्त हैं—कार्य, कारण, योग विधि तथा दुखान्त।

➢ लिंग पूजा का पहला वर्णन मत्स्य पुराण में मिलता है।

➢ दक्षिण में लिंगायत सम्प्रदाय जंगम कहलाता था।

➢ कश्मीरी शैव सम्प्रदाय के संस्थापक वसुगुप्त थे।



मगध एक शक्तिशाली राज्य

छठी शताब्दी ई. पू. में मगध एक शक्तिशाली राज्य बनकर उभरा। मगध का एक साम्राज्य के रूप में आविर्भाव हर्यंक वंश के शासन के साथ हुआ।

हर्यंक वंश (544-412 ई.पू.)

बिम्बिसार

➢ यह हर्यंक वंश का संस्थापक था तथा उसका उपनाम श्रेणिक था। उसकी राजधानी गिरिव्रज (राजगृह) थी।

➢ बिम्बिसार ने वैवाहिक सम्बन्धों (कोशल नरेश प्रसेनजित की बहन, वैशाली के चेतक की पुत्री चेलना तथा पंजाब की राजकुमारी क्षेमा से विवाह कर) से साम्राज्य का विस्तार किया।

अजातशत्रु

➤ बिम्बिसार की हत्या उसके पुत्र अजातशत्रु ने कर दी। वह 492 ई.पू. में मगध की गद्दी पर बैठा।

➤ अजातशत्रु का उपनाम कुणिक था। वह बौद्ध धर्म का अनुयायी था।

उदायिन

➤ अजातशत्रु की हत्या उसके पुत्र उदायिन ने 460 ई. पू. में की और मगध की गद्दी पर बैठा।

➤ उदायिन ने पाटिलपुत्र की स्थापना की।

➤ नागदशक हर्यंक वंश का अन्तिम शासक था।

शिशुनाग वंश (412-344 ई.पू.)

➤ नागदशक को शिशुनाग ने 412 ई. पू. में अपदस्थ करके मगध पर शिशुनाग वंश की स्थापना की।

➤ शिशुनाग वंश का अंतिम राजा नंदिवर्द्धन था।

नन्द वंश (344-324 ई.पू.)

➤ महापद्मनन्द नन्द वंश का संस्थापक था।

➤ धननन्द, सिकन्दर का समकालीन था। वह नन्द वंश का अन्तिम शासक था। ग्रीक लेखकों ने धननन्द को 'अग्रमीज' कहा है।

सिकन्दर

➤ सिकन्दर मकदूनिया के शासक फिलिप का पुत्र था। उसका जन्म 356 ई.पू. हुआ था।

➤ सिकन्दर, अरस्तू का शिष्य था। सिकन्दर ने 326 ई.पू. में भारत पर आक्रमण किया। सिकन्दर का सेनापति सेल्यूकस निकेटर था।

➤ सिकन्दर तथा पोरस के बीच 326 ई.पू. में हाइडेस्पीज का युद्ध (वितस्ता का युद्ध) हुआ।

➤ सिकन्दर की सेना ने व्यास नदी पार करने से मना कर दिया। उसका जल-सेनापति निर्याकस था।

➤ सिकन्दर स्थल-मार्ग द्वारा 325 ई.पू. में भारत से लौटा। 323 ई.पू. में बेबीलोन में उसकी मृत्यु हो गयी।

मौर्य साम्राज्य (323-184 ई.पू.)
(प्रथम अखिल भारतीय सम्प्रदाय)

चन्द्रगुप्त मौर्य

➤ 322 ई.पू. चन्द्रगुप्त मौर्य ने गुरु चाणक्य की सहायता से धननन्द की हत्या कर मौर्य वंश के शासन की नींव रखी।

➤ चन्द्रगुप्त ने 305 ई.पू. में सिकन्दर के सेनापति सेल्यूकस को हराया।

➤ चन्द्रगुप्त ने श्रवणबेलगोला (मैसूर) में अन्तिम समय बिताया। चन्द्रगुप्त को 'सैण्ड्रोकोट्स' भी कहा गया है।

➤ मेगस्थनीज चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में सेल्यूकस का राजदूत था। वह 5 वर्षों तक पाटलिपुत्र में रहा।

➤ भारत के सम्बन्ध में उसने इण्डिका लिखी है।

बिन्दुसार

➤ चन्द्रगुप्त की मृत्यु के बाद उसका पुत्र बिन्दुसार गद्दी पर बैठा। उसका साम्राज्य सम्पूर्ण उत्तर भारत में तथा दक्षिण के कुछ भागों में फैला हुआ था। उसके शासनकाल में तक्षशिला में दो विद्रोह हुए जिन्हें दबाने के लिए उसने पहले सुसीम को व बाद में अशोक को भेजा।

➤ सीरिया के शासक एण्टियोकस ने डायमेकस को बिन्दुसार के दरबार में भेजा था।

अशोक

➤ 269 ई.पू. में मगध की राजगद्दी पर अशोक बैठा। राजगद्दी पर बैठने के समय वह अवन्ती का राज्यपाल था।

➤ अशोक ने कलिंग-युद्ध (261 ई.पू.) में हुए रक्तपात से दुःखी होकर बौद्ध धर्म स्वीकार किया।

➤ उपगुप्त ने अशोक को बौद्ध धर्म की दीक्षा दी।

➤ अशोक ने साँची के स्तूप का निर्माण कराया था।

➤ अशोक के अभिलेखों को सर्वप्रथम जेम्स प्रिंसेप ने 1837 में पढ़ा। उसने बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए अपने पुत्र महेन्द्र एवं पुत्री संघमित्रा को श्रीलंका भेजा था।

➤ अशोक के बाद कुणाल गद्दी पर बैठा।

शुंग वंश (184-75 ई.पू.)

➤ 184 ई.पू. में अन्तिम मौर्य शासक वृहद्रथ की हत्या कर उसके सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने गद्दी हथिया ली तथा शुंग वंश की स्थापना की।

➤ पुष्यमित्र शुंग ने ब्राह्मण आन्दोलन को पुनर्जीवित किया। उसके समय में भागवत धर्म का विकास हुआ।

आन्ध्र-सातवाहन वंश

➤ सातवाहन साम्राज्य की स्थापना तीसरी सदी में सिमुक द्वारा की गई। इसे 'आन्ध्र' भी कहते हैं।

➤ गौतमीपुत्र शातकर्णी इस वंश का महान् शासक था। उसने कार्ले में चैत्य मन्दिर एवं अमरावती स्तूप का निर्माण किया।

➤ इनकी राजकीय भाषा प्राकृत एवं लिपि ब्राह्मी थी।

➤ इस काल में ताँबे तथा काँसे के अतिरिक्त सीसे के सिक्के बहुत प्रचलित हुए।



विदेशी आक्रमण

हिन्द-यूनानी (इण्डो-ग्रीक)

➤ मौर्योत्तर काल में भारत पर सबसे पहला आक्रमण बैक्ट्रिया के ग्रीकों ने किया, जिन्हें यवन कहा जाता है। भारत पर यवनों का प्रथम आक्रमण पुष्यमित्र शुंग के समय हुआ था।

➤ भारत में सर्वप्रथम प्रवेश करने का श्रेय यूथेडेमस वंश के डेमिट्रियस प्रथम को है, उसने 183 ई.पू. में साकल को अपनी राजधानी बनाया।

➤ सबसे प्रसिद्ध यवन शासक मिनाण्डर था। बौद्ध साहित्य में वह 'मिलिन्द' के नाम से प्रसिद्ध है।

➤ इण्डोग्रीक शासकों ने भारत में सर्वप्रथम 'सोने के सिक्के' जारी किए।

➤ यूक्रेटाइड्स ने भारत के कुछ हिस्सों को जीतकर तक्षशिला को अपनी राजधानी बनाया।

शक

➤ शकों को सीथियन भी कहा जाता है।

➤ शक पाँच शाखाओं में विभक्त थे—प्रथम शाखा काबुल में, द्वितीय शाखा तक्षशिला में, तृतीय शाखा मथुरा में, चतुर्थ शाखा उज्जयिनी में तथा पंचम शाखा नासिक में स्थापित थी।

➤ भारत के पश्चिमोत्तर प्रांत में बसने वाले शकों ने स्वयं को क्षत्रप कहा।

➤ रुद्रदामन प्रथम (130-150 ई.) शकों का सबसे महान् शासक था।

हिन्द-पार्थियन अथवा पह्लव

➤ शकों के बाद पार्थियाई लोगों का पश्चिमोत्तर भारत पर आधिपत्य स्थापित हुआ। उनका मूल निवास-स्थान ईरान था, भारतीय साहित्य में वे पह्लव कहे गए हैं। पह्लव शासन का वास्तविक संस्थापक मिथ्रेडेट्स प्रथम था।

➤ पह्लव वंश का सर्वाधिक प्रसिद्ध शासक गोन्दोफर्निस था। इस समय सेण्ट थॉमस ईसाई धर्म का प्रचार करने भारत आया था।

कुषाण वंश

➤ कुषाण यूचि कबीला की एक शाखा थी। इस वंश का संस्थापक तथा प्रथम शासक कुजुल कडफिसस था। कुषाण वंश का सबसे प्रसिद्ध शासक कनिष्क था।

➤ कनिष्क ने 78 ई. में शक सम्वत् आरम्भ किया। उसने बौद्ध धर्म को संरक्षण प्रदान किया तथा महायान सम्प्रदाय का प्रचार-प्रसार किया।

➤ चरक, कनिष्क के राजवैद्य थे, जिन्होंने चरक संहिता लिखी। कामसूत्र की रचना वात्स्यायन ने इसी काल में की थी।



संगम युग

➤ संगम से तात्पर्य तमिल कवियों के संघ अथवा मण्डल से है। इसका आयोजन पाण्ड्य राजाओं के संरक्षण में हुआ।

संगम परिषदें

प्रथम संगम
- अध्यक्ष-अगस्त्य ऋषि
- स्थल-मदुरा
- महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ-मुदुकुरूम, अकात्तियम आदि

द्वितीय संगम
- अध्यक्ष-अगस्त्य एवं तोलक्कापियर
- स्थल-कपाटपुरम
- महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ-तोलक्काप्पियम अगत्तियम, मापुरानम

तृतीय संगम
- अध्यक्ष-नक्कीरर
- स्थल-उत्तरी मदुरा
- महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ-परिपादल, पदित्रपुत्र नैडुण्थौके आदि

➤ संगम साहित्य से ज्ञात होता है कि दक्षिण में आर्य सभ्यता का प्रसार अगस्त्य एवं कौडिण्य ऋषि ने किया।

➤ इस काल में मुरुगन की उपासना सर्वाधिक प्रचलित थी।

➤ इस समय तीन महत्त्वपूर्ण राज्यों—चोल, चेर तथा पाण्ड्य का उल्लेख मिलता है।

चेर राज्य

➤ संगम युग के राज्यों में चेर सर्वाधिक प्राचीन राज्य था। उदायिनजेरल प्रथम चेर शासक था। इस वंश का प्रतीक चिह्न धनुष था।

➤ नेदुनजेरल आदन ने मरन्दै को अपनी राजधानी बनाया। नेदुनजेरल ने इमयवरम्बन की उपाधि ग्रहण की।

➤ शेनगुट्टवन, 'लाल चेर' के नाम से जाना जाता है।

➤ वांजि (कुरुवुरु) चेरों की राजधानी थी।

चोल राज्य

➤ चोल राज्य चोलमण्डलम या कोरोमण्डल के नाम से भी जाना जाता है। इसका प्रतीक चिह्न बाघ था।

➤ करिकाल प्रारंभिक चोल शासकों में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण था।

पाण्ड्य राज्य

➤ पाण्ड्य राज्य प्रायद्वीप के सुदूर दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी भाग में था। मदुरै इसकी राजधानी थी।

➤ मछली पाण्ड्यों का प्रतीक चिह्न था।

➤ पाण्ड्य वंश का ऐतिहासिक शासक पलशालै मुदुकुडुमी था। इसने पलशालै तथा महेश्वर की उपाधि धारण की थी।
➤ पाण्ड्य शासक नेण्डुजेलियन ने रोमन सम्राट आगस्टस के दरबार में अपना दूत भेजा था।



गुप्त साम्राज्य

चन्द्रगुप्त प्रथम

➤ गुप्त वंश का संस्थापक श्रीगुप्त (240-280 ई.) था। वास्तविक संस्थापक चन्द्रगुप्त प्रथम को माना जाता है।
➤ चन्द्रगुप्त प्रथम ने 320 ई. में गुप्त संवत् आरम्भ किया।
➤ चन्द्रगुप्त प्रथम ने लिच्छिवी राजकुमारी कुमारदेवी से विवाह किया था।

समुद्रगुप्त

➤ चन्द्रगुप्त प्रथम के बाद उसका पुत्र समुद्रगुप्त शासक बना। स्मिथ ने इसे भारत का नेपोलियन कहा है।
➤ समुद्रगुप्त की विजयों का विवरण काव्य प्रशस्ति (प्रयाग प्रशस्ति) में मिलता है। इसे हरिषेण ने उत्कीर्ण किया था।
➤ समुद्रगुप्त कवि, संगीतकार और विद्वानों का संरक्षक था।

चन्द्रगुप्त द्वितीय

➤ चन्द्रगुप्त द्वितीय 'विक्रमादित्य' के नाम से प्रसिद्ध है।
➤ इसके अन्य नाम—देवगुप्त, देवराज, देवश्री थे।

चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य के दरबार में नौ विद्वानों की एक मण्डली थी, जिसे नवरत्न कहा जाता था। ये नवरत्न थे–कालिदास, धनवन्तरि, क्षपणक, अमरसिंह, शंकु, वेताल भट्ट, घटकर्पर, वाराहमिहिर, वररुचि।

➤ चीनी यात्री फाह्यान इसके शासनकाल में (399-412 ई.) भारत आया था।
➤ चन्द्रगुप्त द्वितीय ने विक्रमांक, विक्रमादित्य, परमभागवत आदि उपाधियाँ धारण कीं।

कुमारगुप्त प्रथम

➤ चन्द्रगुप्त द्वितीय के उपरान्त कुमारगुप्त प्रथम शासक बना। गुप्त शासकों में सर्वाधिक अभिलेख कुमारगुप्त प्रथम के मिलते हैं।
➤ कुमारगुप्त प्रथम के अन्तिम दिनों में पुष्यमित्रों का आक्रमण हुआ था।
➤ इसके शासनकाल में नालन्दा विश्वविद्यालय की स्थापना हुई थी।

स्कन्दगुप्त

➤ इसके शासनकाल में हूणों का आक्रमण हुआ था।
➤ सुदर्शन झील का पुनरुद्धार स्कन्दगुप्त के समय सौराष्ट्र के गवर्नर पर्णदत्त के पुत्र चक्रपालित ने करवाया था।
➤ स्कन्दगुप्त ने 466 ई. में चीनी सम्राट सांग के दरबार में राजदूत भेजे थे।

कुमारगुप्त तृतीय

➤ गुप्त साम्राज्य का अन्तिम महान् शासक था।
➤ गुप्त साम्राज्य के पतन के बाद गुप्त प्रान्तों में सर्वप्रथम जूनागढ़ (सौराष्ट्र) प्रान्त स्वतन्त्र हुआ था।

गुप्तकालीन प्रवृत्तियाँ

सामाजिक स्थिति

➤ समाज में चार वर्ण थे, वर्णों का आधार गुण और कर्म न होकर जन्म था।
➤ ह्वेनसाँग ने शुद्रों का खेतिहर (कृषक) के रूप में उल्लेख किया है।
➤ सती प्रथा का सर्वप्रथम प्रमाण (510 ई.) भानुगुप्त के एरण अभिलेख से मिलता है, जिसमें गोपराज नामक सेनापति की स्त्री के सती होने का उल्लेख मिलता है।
➤ समाज में दहेज प्रथा, पर्दा प्रथा तथा बाल विवाह प्रथा नहीं थी। दास प्रथा विद्यमान थी। स्त्री शिक्षा का प्रचलन था।

आर्थिक स्थिति

➤ चावल और जौ प्रमुख फसलें थीं। 'खिल' ऐसी भूमि थी, जो जोती नहीं जाती थी।
➤ कपड़े का निर्माण सर्वप्रमुख उद्योग था।
➤ चाँदी के सिक्कों का प्रयोग स्थानीय लेन-देन के लिए होता था। स्वर्ण मुद्रा दीनार थी।
➤ विदेशों से निर्यात की जाने वाली वस्तुओं में मसाला सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण था।

सांस्कृतिक स्थिति

➤ हिन्दू धर्म के सम्प्रदाय (वैष्णव एवं शैव) विकसित थे।
➤ त्रिमूर्ति के अन्तर्गत गुप्त काल में ब्रह्मा, विष्णु और महेश की पूजा होती थी।
➤ गुप्त स्थापत्य ने नागर शैली का आधार तैयार किया।
➤ कला और साहित्य के विकास से इस काल को स्वर्णयुग कहा जाता है।
➤ देवगढ़ का दशावतार मन्दिर (वैष्णव मन्दिर) भारतीय मन्दिर निर्माण में पहला उदाहरण है।
➤ आर्यभट्ट, वराहमिहिर, धनवन्तरि तथा ब्रह्मगुप्त प्रमुख विद्वान् थे।

गुप्तकालीन शासन व्यवस्था

- ➤ राजपद वंशानुगत था। राजा को पालनकर्ता भगवान विष्णु के रूप में देखा जाता था तथा सबसे बड़े अधिकारी 'कुमारामात्य' होते थे।
- ➤ गुप्तचर कर्मचारी को 'दूत' तथा पुलिस कर्मचारियों को 'भट्ट' कहा जाता था।

गुप्तोत्तर काल

गुप्त वंश के पतन के बाद जिन वंशों का उदय हुआ वे थे

- वल्लभी में मैत्रक वंश
- कन्नौज में मौखरी वंश
- थानेश्वर में पुष्यभूति वंश
- मगध में परवर्ती गुप्त वंश
- बंगाल में चन्द्र (गौड़ वंश)

हर्षवर्द्धन

- ➤ 16 वर्ष की अवस्था में हर्षवर्द्धन राजगद्दी पर बैठा। उसने शिलादित्य की उपाधि ग्रहण की।
- ➤ वर्द्धन वंश की राजधानी थानेश्वर थी, किन्तु हर्ष ने कन्नौज को अपनी राजधानी बनाया।
- ➤ बाणभट्ट हर्ष का राजकवि था। उसने 'हर्षचरित' की रचना की।
- ➤ हर्षवर्द्धन ने नागानन्द, रत्नावली और प्रियदर्शिका की रचना की।
- ➤ ह्वेनसाँग, हर्षवर्द्धन के शासनकाल में भारत आया था।
- ➤ दक्षिण भारत के चालुक्य शासक पुलकेशिन द्वितीय ने हर्षवर्द्धन को नर्मदा नदी के किनारे 630 ई. में हराया।

पाल वंश

- ➤ पाल वंश का संस्थापक गोपाल (750 ई.) था। उसकी राजधानी मुंगेर थी। वह बौद्ध धर्म का अनुयायी था।
- ➤ धर्मपाल ने विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना की।
- ➤ देवपाल इस वंश का शक्तिशाली शासक था।



दक्षिण भारत के प्रमुख राजवंश

पल्लव वंश

- ➤ सिंहविष्णु (575-600 ई.) पल्लव वंश का संस्थापक था। उसकी राजधानी काँची थी।
- ➤ महाबलीपुरम के रथ मन्दिर का निर्माण नरसिंह वर्मन प्रथम ने करवाया था।
- ➤ काँची के कैलाश मन्दिर का निर्माण नरसिंहवर्मन द्वितीय ने करवाया था।
- ➤ पल्लव वंश का अन्तिम शासक अपराजित (879-897 ई.) था।

राष्ट्रकूट

- ➤ दन्तिदुर्ग (752 ई.) ने राष्ट्रकूट वंश की स्थापना की।
- ➤ ध्रुव (धारावर्ष) प्रथम राष्ट्रकूट शासक था जिसने कन्नौज पर अधिकार करने हेतु त्रिपक्षीय संघर्ष में भाग लिया और प्रतिहार नरेश वत्सराज एवं पाल नरेश धर्मपाल को पराजित किया।
- ➤ राष्ट्रकूटों की राजधानी मनकिर या मान्यखेट थी।
- ➤ ऐलोरा के प्रसिद्ध कैलाश मन्दिर का निर्माण कृष्ण प्रथम ने करवाया था।
- ➤ इन्द्र तृतीय के शासनकाल में अरब यात्री अलमसूदी भारत आया।
- ➤ राष्ट्रकूट वंश का अन्तिम महान् शासक कृष्ण-तृतीय था।
- ➤ ऐलोरा एवं ऐलिफेन्टा (महाराष्ट्र) गुहामन्दिरों का निर्माण राष्ट्रकूटों के समय ही हुआ था।

चालुक्य वंश (कल्याणी)

- ➤ कल्याणी के चालुक्य वंश की स्थापना तैलप-द्वितीय ने की थी। तैलप-द्वितीय की राजधानी मान्यखेट थी।
- ➤ चालुक्यों का पारिवारिक चिह्न वाराह था।
- ➤ सोमेश्वर प्रथम ने कल्याणी (कर्नाटक) को राजधानी बनाया।
- ➤ इस वंश का सबसे प्रतापी शासक विक्रमादित्य-चतुर्थ था।
- ➤ विल्हण एवं विज्ञानेश्वर विक्रमादित्य-चतुर्थ के दरबार में ही रहते थे।
- ➤ मिताक्षरा की रचना विज्ञानेश्वर ने तथा विक्रमांकदेवचरित की रचना विल्हण ने की थी।

चालुक्य वंश (वातापी)

- ➤ वातापी के चालुक्य वंश की स्थापना जयसिंह ने की।
- ➤ इस वंश का सबसे प्रतापी राजा पुलकेशिन द्वितीय था।
- ➤ पुलकेशिन द्वितीय ने 'दक्षिणापथेश्वर' तथा 'परमेश्वर' की उपाधि धारण की थी।

चोल साम्राज्य (9वीं-12वीं शताब्दी)

- ➤ चोल वंश का संस्थापक विजयालय था। इसकी राजधानी तंजौर या तंजावुर थी। उसने नरकेसरी की उपाधि धारण की।
- ➤ राजराजा प्रथम ने श्रीलंका पर आक्रमण किया। वहाँ के राजा महिम-पंचम को भागकर दक्षिणी श्रीलंका के रोहण में शरण लेनी पड़ी।
- ➤ राजराजा-प्रथम ने तंजौर में राजराजेश्वर शिवमन्दिर बनवाया।
- ➤ राजेन्द्र प्रथम ने बंगाल के दौरान पाल शासक महीपाल को पराजित कर 'गंगैकोण्डचोल' की उपाधि धारण की।

➤ चोल वंश का अन्तिम शासक राजेन्द्र तृतीय था।
➤ चोल प्रशासन की महत्त्वपूर्ण विशेषता स्थानीय स्वशासन थी।
➤ चोल शासकों के पास वृहत् नौ-सेना थी।



सीमावर्ती राजवंश

सेन वंश

➤ सेन वंश की स्थापना सामन्तसेन ने बंगाल में की। इसकी राजधानी नदिया (लखनौती) थी।
➤ लक्ष्मणसेन बंगाल का अन्तिम हिन्दू शासक था।

कश्मीर के राजवंश

➤ सातवीं शताब्दी में दुर्लभवर्द्धन नामक व्यक्ति ने कश्मीर में कार्कोट वंश की स्थापना की।
➤ कार्कोट वंश के शासक ललितादित्य मुक्तापीड़ ने मार्तण्ड मन्दिर का निर्माण करवाया।
➤ 980 ई. में उत्पल वंश की रानी दिद्दा ने कश्मीर पर शासन किया।
➤ जयसिंह (1128-1155 ई.) लोहार वंश का अन्तिम शासक था।



राजपूत वंश

गुर्जर प्रतिहार वंश

➤ इस वंश का संस्थापक नागभट्ट प्रथम था।
➤ प्रतिहार वंश का सर्वाधिक शक्तिशाली शासक मिहिरभोज था। इसने कन्नौज को राजधानी बनाया इसके शासनकाल में अरब यात्री सुलेमान भारत आया।
➤ राजशेखर, प्रतिहार शासक महेन्द्रपाल के दरबार में रहते थे।
➤ इस वंश का अन्तिम शासक यशपाल था।

चाहमान या चौहान वंश

➤ चौहान वंश का संस्थापक वासुदेव था। इस वंश की प्रारम्भिक राजधानी अहिच्छत्र थी।
➤ अजयराज द्वितीय ने अजमेर नगर की स्थापना की।
➤ पृथ्वीराज तृतीय (रायपिथौरा) इस वंश का अन्तिम महान शासक था।
➤ पृथ्वीराज रासो के लेखक चन्दबरदाई पृथ्वीराज तृतीय के दरबारी कवि थे।
➤ तराइन का प्रथम युद्ध 1191 ई. में हुआ, जिसमें पृथ्वीराज तृतीय ने मुहम्मद गोरी को हराया।
➤ तराइन का द्वितीय युद्ध 1192 ई. में हुआ, जिसमें मुहम्मद गोरी ने पृथ्वीराज तृतीय को हराया।

परमार वंश

➤ परमार वंश का संस्थापक उपेन्द्रराज था। इसकी राजधानी धारा नगरी थी। (प्राचीन राजधानी–उज्जैन)
➤ इस वंश का सर्वाधिक शक्तिशाली शासक भोज था।
➤ भोज ने त्रिभुवननारायण मन्दिर का निर्माण कराया।

चन्देल वंश

➤ नन्नुक (831 ई.) ने चन्देल वंश की स्थापना की।
➤ उसकी राजधानी खजुराहो थी।
➤ धंगदेव के शासनकाल में खजुराहो के कन्दरिया महादेव मन्दिर का निर्माण हुआ।

प्रमुख विदेशी यात्री

मूल देश	अवधि	शासक
मेगस्थनीज (यूनानी)	305 ई.पू.	चन्द्रगुप्त मौर्य
डाइमेकस (सीरिया)	298 ई.	बिन्दुसार
फाह्यान (चीन)	399 ई.	चन्द्रगुप्त द्वितीय
ह्वेनसाँग (चीन)	630 ई.	हर्षवर्द्धन
इत्सिंग (चीन)	675 ई.	–
मार्कोपोलो (इटली)	1288 ई.	कायाल (पाण्ड्य)
इब्नबतूता (मोरक्को)	1333 ई.	मुहम्मद बिन तुगलक

प्रमुख रचनाएँ एवं रचनाकार

पुस्तक	लेखक
बुद्धचरित	अश्वघोष
कुमारसम्भव, ऋतुसंहार, मेघदूत, मालविकाग्निमित्रम्	कालिदास
अर्थशास्त्र	चाणक्य
गीतगोविन्द	जयदेव
राजतरंगिणी	कल्हण
हर्षचरित	बाणभट्ट
चरक संहिता	चरक
वृहतसंहिता, पंचसिद्धान्तिका	वराहमिहिर
अष्टाध्यायी	पाणिनी
महाभाष्य	पतंजलि
सूर्यसिद्धान्त	आर्यभट्ट

महत्त्वपूर्ण संवत् एवं उनके प्रवर्तक

समय	संवत्	प्रवर्तक
58 ई.पू.	विक्रम	मालवा नरेश विक्रमादित्य
78 ई.	शक	कनिष्क
248 ई.	कलचुरि	ईश्वरसेन
319 ई.	वल्लभी	वल्लभ
319-20 ई.	गुप्त	चन्द्रगुप्त प्रथम
606 ई.	हर्ष विक्रम	हर्षवर्द्धन
1076 ई.	चालुक्य विक्रम	विक्रमादित्य षष्ठ
1119 ई.	सेन	लक्ष्मणसेन

मध्यकालीन भारत

भारत पर अरबों का प्रथम आक्रमण 712 ई. में मुहम्मद बिन कासिम के नेतृत्व में हुआ था। उस समय सिंध पर काहिर का शासन था।

महमूद गजनवी

- महमूद गजनवी (998 ई.) में गजनी की गद्दी पर बैठा। उसने भारत पर 17 बार आक्रमण किया। उसका पहला आक्रमण वैहिन्द के शासक जयपाल के विरुद्ध था।
- 1025 ई. में महमूद गजनवी ने सोमनाथ मन्दिर (सौराष्ट्र) पर आक्रमण किया तथा भयंकर लूटपाट की।
- महमूद गजनवी का अन्तिम आक्रमण सिन्ध और मुल्तान के तटवर्ती क्षेत्रों के जाटों के विरुद्ध था।
- अलबरूनी, फिरदौसी, उत्बी तथा फारुखी महमूद गजनवी के दरबार में रहते थे।

मुहम्मद गोरी

- मुहम्मद गोरी ने भारत पर पहला आक्रमण 1175 ई. में मुल्तान में किया।
- इसने पृथ्वीराज चौहान के साथ प्रसिद्ध तराइन का युद्ध (1191, 1192 ई.) लड़ा था।
- चन्दावर के युद्ध (1194 ई.) में मुहम्मद गोरी ने कन्नौज के शासक जयचन्द को हराया।
- 1206 ई. में खोखरों ने मुहम्मद गोरी की हत्या कर दी।



दिल्ली सल्तनत

गुलाम वंश (1206-1290 ई.)

कुतुबुद्दीन ऐबक



- कुतुबुद्दीन ऐबक जून, 1206 में सुल्तान बना। उसने लाहौर को अपनी राजधानी बनाया।
- ख्वाजा बख्तियार काकी की स्मृति में कुतुबमीनार की नींव कुतुबुद्दीन ऐबक ने रखी थी।
- उसने दिल्ली में कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद तथा अजमेर में अढ़ाई दिन का झोपड़ा बनवाया।
- कुतुबुद्दीन ऐबक को लाख बख्श भी कहा जाता है।
- ऐबक की मृत्यु 1210 ई. में चौगान खेलते समय घोड़े से गिरकर हो गई। उसे लाहौर में दफनाया गया।

इल्तुतमिश

- इल्तुतमिश पहला शासक था, जिसने 1229 ई. में बगदाद के खलीफा से वैधानिक स्वीकृति प्राप्त की।
- उसने 1231-32 ई. में कुतुबमीनार का निर्माण कार्य पूरा किया तथा मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह बनवाई।
- चाँदी के टंका तथा ताँबे के जीतल नामक सिक्के का प्रचलन इल्तुतमिश ने किया।
- इल्तुतमिश ने तुर्कान-ए-चहलगानी या चालीसा का गठन किया।

रजिया सुल्तान

- रजिया दिल्ली की प्रथम व अन्तिम मुस्लिम महिला शासिका थी। वह 1236 ई. में गद्दी पर बैठी।
- रजिया ने अल्तुनिया से विवाह किया। रजिया की हत्या 1240 ई. में कैथल में हुई।
- रजिया के बाद बहराम शाह, अलाउद्दीन मसूदशाह तथा नसीरुद्दीन महमूद ने शासन किया, परन्तु वे अयोग्य थे और बलबन ने सत्ता हथिया ली।

बलबन

- बलबन 1266 ई. में गद्दी पर बैठा। अपने विरोधियों की समाप्ति के लिए उसने लौह एवं रक्त की नीति अपनाई तथा चालीसा को समाप्त कर दिया।
- बलबन ने नियाबत-ए-खुदाई तथा जिल्ले-इलाही की उपाधि ग्रहण की।
- बलबन ने पारसी-नववर्ष नौरोज की शुरूआत की।
- बलबन ने दरबार में सिजदा तथा पाबोस नामक प्रथाओं की शुरूआत की।
- बलबन ने वित्त विभाग (दीवान-ए-विजारत) तथा सैन्य विभाग (दीवान-ए-आरिज) की स्थापना की।

खिलजी वंश (1290-1320 ई.)

जलालुद्दीन फिरोज खिलजी

- 1290 ई. में जलालुद्दीन फिरोज खिलजी ने खिलजी वंश की स्थापना की।
- उसने किलोखरी को अपनी राजधानी बनाया।
- सुल्तान कैकूबाद ने उसे शाइस्ता खाँ की उपाधि दी थी।

अलाउद्दीन फिरोज खिलजी



- 1296 ई. में अलाउद्दीन खिलजी दिल्ली का सुल्तान बना। उसने सेना को नकद वेतन देने एवं स्थायी सेना की नींव रखी।
- घोड़ा दागने एवं सैनिकों का हुलिया लिखने की प्रथा आरम्भ की।
- बाजार नियन्त्रण प्रणाली को दृढ़ता से लागू किया।
- उसने मलिक काफूर को दक्षिण भारत की विजय के लिए भेजा।

➤ जमायतखाना मस्जिद, अलाई दरवाजा, सीरी का किला तथा हजार सितून का निर्माण अलाउद्दीन खिलजी ने करवाया था।
➤ उसने सिकन्दर-ए-सानी (सिकन्दर द्वितीय) की उपाधि ग्रहण की तथा जाब्ता (भूमि की पैमाइश) के आधार पर लगान का निर्धारण किया।
➤ अमीर खुसरो, अलाउद्दीन खिलजी का दरबारी कवि था। सितार एवं तबले के आविष्कार का श्रेय उसे दिया जाता है।
➤ अलाउद्दीन खिलजी की मृत्यु 1316 ई. में हुई।

मुबारक शाह खिलजी

➤ पहला सुल्तान जिसने स्वयं को खलीफा घोषित किया।
➤ उसने खिलाफत उल-लह अल-इमाम की उपाधि धारण की।

तुगलक वंश (1320-1398 ई.)

ग्यासुद्दीन तुगलक

➤ 1320 ई. में खुसरो खाँ को पराजित कर ग्यासुद्दीन तुगलक दिल्ली के सिंहासन पर बैठा।
➤ सिंचाई हेतु नहर निर्माण कराने वाला वह दिल्ली सल्तनत का प्रथम शासक था।
➤ ग्यासुद्दीन तुगलक ने दिल्ली में तुगलकाबाद नामक नया नगर स्थापित किया।
➤ ग्यासुद्दीन तुगलक की मृत्यु 1325 ई. में बंगाल के अभियान से लौटते समय जूना खाँ द्वारा निर्मित लकड़ी के महल में दबने से हुई।

मुहम्मद बिन तुगलक

➤ ग्यासुद्दीन के बाद जौना खाँ 'मुहम्मद बिन तुगलक' के नाम से दिल्ली के सिंहासन पर बैठा।
➤ 1327 ई. में उसने अपनी राजधानी दिल्ली से देवगिरि में स्थानान्तरित की और इसका नाम दौलताबाद रखा।
➤ सुल्तान ने दोआब क्षेत्र में कर वृद्धि का आदेश दिया था किन्तु 'प्लेग' फैलने से उसे इस आदेश को वापस लेना पड़ा
➤ मुहम्मद बिन तुगलक ने ताँबा की सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन किया, जिनका मूल्य चाँदी के रुपए टंका के बराबर होता था।
➤ उसने कृषि विकास हेतु दीवान-ए-कोही विभाग की स्थापना की।
➤ 1334 ई. में मोरक्को का प्रसिद्ध यात्री इब्नबतूता भारत आया। वह दिल्ली में आठ वर्षों तक काजी बन कर रहा था।
➤ मुहम्मद बिन तुगलक की मृत्यु 1351 ई. में थट्टा के निकट सोंढाल में हो गई।

फिरोजशाह तुगलक

➤ फिरोजशाह तुगलक 1351 ई. में दिल्ली का सुल्तान बना।
➤ उसने 24 कष्टदायक करों को समाप्त कर केवल चार कर खराज, खम्स, जजिया (ब्राह्मणों पर) एवं जकात वसूल करने का आदेश दिया।
➤ फिरोजशाह तुगलक ने हिसार, फिरोजाबाद (दिल्ली), फतेहाबाद, जौनपुर, फिरोजपुर जैसे नगरों की स्थापना की।
➤ सुल्तान फिरोज तुगलक ने दिल्ली में कोटला फिरोजशाह दुर्ग का निर्माण करवाया।
➤ फिरोजशाह ने बिजली गिरने से ध्वस्त कुतुबमीनार की पाँचवीं मंजिल का पुनर्निर्माण करवाया।
➤ फिरोज ने फारसी भाषा में अपनी आत्मकथा फुतुहत-ए-फिरोजशाही की रचना की।
➤ बरनी, इसका दरबारी था। इसने तारीख-ए-फिरोजशाही नामक पुस्तक लिखी।
➤ तुगलक वंश का अन्तिम शासक नासिरुद्दीन महमूद था। तैमूरलंग ने नासिरुद्दीन महमूद के समय 1398 ई. में दिल्ली पर आक्रमण किया।

सैयद वंश (1414-1451 ई.)

➤ सैयद वंश का संस्थापक खिज्र खाँ था।
➤ खिज्र खाँ के पुत्र मुबारक खाँ ने शाह की उपाधि ली।
➤ अन्तिम शासक अलाउद्दीन आलम शाह था।

लोदी वंश (1451-1489 ई.)

बहलोल लोदी

➤ लोदी वंश का संस्थापक बहलोल लोदी था।
➤ उसने 1451 ई. में बहलोल शाहगाजी की उपाधि से दिल्ली पर शासन आरम्भ किया।
➤ उसकी सबसे बड़ी सफलता जौनपुर को पुनः दिल्ली में शामिल करना थी।

सिकन्दर लोदी

➤ 1504 ई. में सिकन्दर लोदी ने आगरा की स्थापना की।
➤ सिकन्दर लोदी ने गुलरुखी शीर्षक से फारसी कविताएँ लिखीं तथा आगरा को राजधानी बनाया।
➤ उसने भूमि की माप के लिए गजे सिकन्दरी का प्रचलन करवाया।
➤ सिकन्दर लोदी की मृत्यु 1517 ई. में हो गई थी। उसके बाद इब्राहिम लोदी इब्राहिम शाह की उपाधि से आगरा के सिंहासन पर बैठा।

इब्राहिम लोदी

➤ 1526 ई. में पानीपत के प्रथम युद्ध में इब्राहिम लोदी बाबर से पराजित हुआ।
➤ वह लोदी वंश का अन्तिम शासक था।

सूफी आन्दोलन

➤ सूफी दर्शन एकेश्वरवाद में विश्वास करता था। यह एक प्रकार का रहस्यवाद था।

➤ अजमेर के ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती, दिल्ली के शेख निजामुद्दीन औलिया और नासिरुद्दीन, फतेहपुर सीकरी के शेख सलीम चिश्ती तथा फरीदुद्दीन गंज़शकर प्रसिद्ध सूफी सन्त थे।

सूफी सम्प्रदाय एवं उनके संस्थापक

सम्प्रदाय	संस्थापक	भारत में प्रचारक
चिश्ती	अबू अब्दाल चिश्ती	ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती
सुहारावर्दी	जियाउद्दीन अबुलजीव	वहाउद्दीन जकारिया
कादिरी	अब्दुल कादिर	शाह नियामतुल्ला
नक्शबन्दी	बहाउद्दीन	मखदूम जिलानी
शत्तारिया	अब्दुल शत्तार	ख्वाजा बाकीबिल्लाह

भक्ति आन्दोलन

➤ भारत में सामाजिक-धार्मिक आन्दोलन का प्रसार मध्य युग में हुआ। इसका उद्देश्य हिन्दुओं और मुस्लिमों में समन्वय कराना था।

➤ दक्षिण में रामानुज, उत्तर में रामानन्द और कबीर, महाराष्ट्र में नामदेव, बंगाल में चैतन्य एवं पंजाब में गुरु नानक भक्ति आन्दोलन के प्रमुख सन्त थे।

➤ कबीर की शिक्षाएँ बीजक में संगृहीत हैं।



उत्तरवर्ती राजवंश

विजयनगर साम्राज्य

➤ दक्षिण भारत में विजयनगर साम्राज्य की स्थापना 1336 ई. में हरिहर एवं बुक्का ने की।

➤ इस साम्राज्य के दौरान हिन्दू धर्म पुनर्जीवित हुआ।

➤ देवराय प्रथम के समय इटली का यात्री निकोलो कोंटी 1420 ई. में विजयनगर आया।

➤ इस साम्राज्य का महान शासक कृष्णदेव राय एक कुशल योद्धा एवं विद्वान था।उसके शासन काल में पुर्तगाली यात्री डोमिंगोस पायस आया था

➤ कृष्णदेव राय ने तेलुगु भाषा में अमुक्तमाल्यद एवं संस्कृत में जाम्बवती कल्याणम् एवं उषा परिणय की रचना की।

➤ बनीहट्टी के नजदीक तालीकोटा के प्रसिद्ध युद्ध (1565 ई.) में विजयनगर का शासक रामराय पराजित हुआ। इसी के साथ दक्षिण में हिन्दू सर्वोच्चता का अन्त हो गया।

बहमनी साम्राज्य (1347-1518 ई.)

➤ मुहम्मद तुगलक के शासनकाल में हंसन गंगू ने बहमनी साम्राज्य की स्थापना की थी। उसकी राजधानी गुलवर्गा थी।

➤ महमूद गवाँ एक फारसी था जो लगभग 25 वर्षों तक बहमनी साम्राज्य में मन्त्री रहा।

➤ बहमनी शासक हुमायूँ को दक्कन का नीरो कहा जाता था।

➤ 1417 ई. में मुहम्मद तृतीय के शासनकाल में रूसी यात्री निकितन बहमनी साम्राज्य की यात्रा पर आया था।

➤ महमूद गवाँ की हत्या के बाद बहमनी पाँच छोटे-छोटे राज्यों बीदर, अहमदनगर, बीजापुर, गोलकुण्डा तथा बरार में विभाजित हो गया।

➤ 1565 ई. में इन सभी राज्यों ने मिलकर तालीकोटा के युद्ध में विजयनगर साम्राज्य को नष्ट कर दिया।

बहमनी राज्य के विखण्डन से बने पाँच राज्य

राज्य	राजवंश	संस्थापक
अहमदनगर	निजामशाही	मलिक अहमद
बीजापुर	आदिलशाही	युसुफ आदिल शाह
गोलकुण्डा	कुतुबशाही	कुली कुतुबशाह
बीदर	बरीदशाही	अमीर अली बरीद
बरार	इमादशाही	फतेहउल्ला इमादशाह

मराठों का उत्कर्ष



➤ मराठा साम्राज्य के संस्थापक शिवाजी थे। उनका जन्म 1627 ई. में शिवनेर दुर्ग (जुन्नार के समीप) में हुआ था।

➤ शिवाजी के पिता का नाम शाहजी भोंसले एवं माता का नाम जीजाबाई था। उनके गुरु कोंडदेव थे।

➤ शिवाजी पर गुरु रामदास का काफी प्रभाव पड़ा था।

➤ 1656 ई. में शिवाजी ने रायगढ़ को अपनी राजधानी तथा सूरत को 1664 ई. एवं 1679 ई. में अपने अधीन किया।

➤ पुरन्दर की सन्धि (1665 ई.) में महाराजा जयसिंह एवं शिवाजी के मध्य हुई।

➤ शिवाजी को औरंगजेब ने 16 मई, 1666 ई. में जयपुर भवन में कैद कर लिया।

➤ शिवाजी के मन्त्रिमण्डल को अष्टप्रधान कहा जाता था।

➤ 1674 ई. में शिवाजी ने रायगढ़ में काशी के विद्वान् गंगाभट्ट से अपना राज्याभिषेक करवाया। शिवाजी ने 'छत्रपति' की उपाधि ग्रहण की।

➤ अप्रैल 1680 ई. में शिवाजी की मृत्यु हो गई।

सरदेशमुखी मराठा राजा को उसके देशस्वामी (देशमुख) होने के नाते दिया जाने वाला एक पुराना कर था। सरदेशमुखी 10% भूमि कर के बराबर होता था, जिसकी वसूली मराठा शासक करता था।

चौथ किसी भी क्षेत्र से प्राप्त कुल भूमि आय का एक चौथाई होता था जो उस क्षेत्र से वसूला जाता था, जहाँ मराठा आक्रमण की पूर्ण सम्भावना होती थी।

सिख गुरु एवं उनसे सम्बद्ध तथ्य

गुरु	तथ्य
▪ गुरु नानक (1469-1539)	सिख धर्म की स्थापना, आदिग्रन्थ की रचना
▪ गुरु अंगद (1539-1552)	गुरुमुखी लिपि के जनक
▪ गुरु अमरदास (1552-1574)	22 गद्दियों की स्थापना
▪ गुरु रामदास (1574-1581)	अमृतसर की स्थापना
▪ गुरु अर्जुन देव (1581-1606)	हरमन्दिर साहब (स्वर्ण मन्दिर) का निर्माण
▪ गुरु हरगोविन्द (1606-1645)	अकालतख्त की स्थापना
▪ गुरु हरराय (1645-1661)	मुगलों से युद्ध
▪ गुरु हरकिशन (1661-1664)	कम आयु में निधन
▪ गुरु तेगबहादुर (1664-1675)	मुगलों से संघर्ष
▪ गुरु गोविन्द सिंह (1675-1708)	खालसा पंथ की स्थापना

मैसूर

➤ हैदर अली के नेतृत्व में मैसूर शक्तिशाली राज्य के रूप में उभरा।

➤ हैदर अली ने अपनी सेना को पश्चिमी सैन्य प्रशिक्षण दिया एवं अंग्रेजों को प्रथम आंग्ल-मैसूर युद्ध (1767 ई.-1769 ई.) में पराजित किया।

➤ द्वितीय आंग्ल-मैसूर युद्ध (1782 ई.) में हैदर अली की मृत्यु के बाद टीपू सुल्तान ने उसका स्थान लिया।

➤ टीपू सुल्तान फ्रांस के जैकोबिन क्लब का सदस्य बना तथा उसने स्वतंत्रता का वृक्ष लगाया था।

➤ टीपू ने फ्रांसीसी पद्धति पर एक मजबूत सेना बनाई।

➤ तृतीय आंग्ल-मैसूर युद्ध (1789-92 ई.) में अंग्रेज, निजाम और मराठों ने मिलकर टीपू को हराया और उसे श्रीरंगापट्टनम की सन्धि (1792 ई.) करनी पड़ी।

➤ चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध (1799 ई.) में लार्ड वेलेजली ने टीपू की मृत्यु के बाद मैसूर राज्य पर कब्जा किया।

मेवाड़

➤ 1448 ई. में राणा कुम्भा ने चित्तौड़ में विजय स्तम्भ बनाया। 1517-18 में घटोली के युद्ध में राणा सांगा ने इब्राहिम लोदी को हराया था।

➤ खानवा का युद्ध 1527 ई. में राणा सांगा एवं बाबर के बीच हुआ, जिसमें बाबर विजयी हुआ।

➤ हल्दीघाटी का युद्ध 1576 ई. राणा प्रताप एवं अकबर के बीच हुआ, जिसमें अकबर विजयी हुआ।

जौनपुर

➤ फिरोज तुगलक ने मुहम्मद तुगलक की स्मृति में जौनपुर की स्थापना की।

➤ जौनपुर को भारत का शिराज कहा जाता है।



मुगल साम्राज्य

बाबर

➤ भारत में मुगल वंश का संस्थापक बाबर था।

➤ बाबर का जन्म 1483 ई. में मावराउनहर (ट्रान्स अक्सियाना) की एक रियासत फरगना में हुआ था।

➤ बाबर को भारत पर आक्रमण करने का निमन्त्रण पंजाब के शासक दौलत खाँ लोदी एवं मेवाड़ के शासक राणा सांगा ने दिया था।

➤ पानीपत के प्रथम युद्ध (1526 ई.) में बाबर ने पहली बार तुगलुमा युद्ध नीति एवं तोपखाने का प्रयोग किया।

प्रमुख मुगल शासक एवं उनके शासनकाल

शासक	वर्ष
बाबर	1526-1530 ई.
हुमायूँ	1530-1556 ई.
अकबर	1556-1605 ई.
जहाँगीर	1605-1627 ई.
शाहजहाँ	1628-1658 ई.
औरंगजेब	1658-1707 ई.

➤ उस्ताद अली एवं मुस्तफा बाबर के दो प्रसिद्ध निशानेबाज थे।

➤ बाबर को अपनी उदारता के लिए कलन्दर की उपाधि दी गई थी।

➤ खानवा के युद्ध (1527 ई.) में विजय के बाद बाबर ने गाजी की उपाधि धारण की थी।

➤ उसने चन्देरी के युद्ध (1528 ई.) में मेदिनी राय को तथा घाघरा के युद्ध (1529 ई.) में बिहार एवं बंगाल की संयुक्त अफगान सेना को पराजित किया।

बाबर ने सड़कों को नापने के लिए गज-ए-बाबरी नामक माप का प्रयोग किया था।

➤ बाबर ने अपनी आत्मकथा बाबरनामा की रचना की, यह तुर्की भाषा में थी।

➤ बाबर को मुंबईयान नामक पद्यशैली का भी जन्मदाता माना जाता है।

हुमायूँ

➤ हुमायूँ, 1530 ई. में सिंहासन पर बैठा। 1533 ई. में दिल्ली में दीनपनाह की स्थापना की।

➤ चौसा का युद्ध 25 जून, 1539 में शेर खाँ एवं हुमायूँ के बीच हुआ। इस युद्ध में शेर खाँ विजयी रहा।

➤ बिलग्राम या कन्नौज का युद्ध 17 मई, 1540 में शेर खाँ एवं हुमायूँ के बीच हुआ। इस युद्ध में हुमायूँ को पराजित कर शेर खाँ ने आगरा एवं दिल्ली पर कब्जा कर लिया।

➤ 1555 ई. में हुमायूँ, ने सिकन्दर सूरी को पराजित कर पुनः दिल्ली पर कब्जा किया।

➤ 1 जनवरी, 1556 को दीनपनाह भवन की सीढ़ियों से गिरने के कारण हुमायूँ की मृत्यु हो गई।

➤ गुलबदन बेगम ने हुमायूँनामा की रचना की।

लेनपूल ने हुमायूँ पर टिप्पणी करते हुए लिखा है "हुमायूँ जीवन भर लड़खड़ाता रहा और लड़खड़ाते हुए अपनी जान दे दी।"

शेरशाह

➤ सूर साम्राज्य का संस्थापक शेरशाह सूरी था। इसके बचपन का नाम फरीद खाँ था।

➤ शेरशाह (फरीद) की बहादुरी से प्रसन्न होकर बिहार के अफगान सुल्तान मुहम्मद बहार खाँ लोहानी ने उसे शेर खाँ की उपाधि प्रदान की।

➤ शेरशाह ने ग्राण्ड ट्रंक रोड बनवाई।

➤ डाक प्रथा का प्रचलन शेरशाह द्वारा किया गया। रोहतासगढ़ किला तथा किला-ए-कुन्हा (दिल्ली) शेरशाह ने बनवाए।

➤ मलिक मुहम्मद जायसी, शेरशाह का समकालीन था। उसने 'पद्मावत' की रचना शेरशाह के शासन काल में की थी।

➤ शेरशाह की मृत्यु 1545 ई. में कालिंजर के किले को जीतने के क्रम में हुई। शेरशाह का मकवरा सासाराम में स्थित है।

अकबर

➤ अकबर का जन्म 15 अक्टूबर, 1542 को अमरकोट के राणा वीरसाल के महल में हुआ।

➤ अकबर का राज्याभिषेक 14 फरवरी, 1556 ई. को पंजाब के कलानौर नामक स्थान पर हुआ।

➤ बैरम खाँ 1556 से 1560 ई. तक अकबर का संरक्षक रहा।

➤ पानीपत के द्वितीय युद्ध (1556 ई.) में अकबर ने हेमू को पराजित किया।

➤ हल्दीघाटी का युद्ध 18 जून, 1576 को मेवाड़ के शासक महाराणा प्रताप एवं अकबर के बीच हुआ। इस युद्ध में अकबर विजयी हुआ।

➤ अकबर ने दीन-ए-इलाही (1582) धर्म चलाया। उसने 1574 ई. में 'इबादतखाना' बनवाया।

➤ दीन-ए-इलाही धर्म स्वीकार करने वाला प्रथम एवं अन्तिम हिन्दू शासक बीरबल था।

➤ अकबर ने जैन धर्म के जैनाचार्य हरिविजय सूरि को जगतगुरु की उपाधि प्रदान की तथा सूफी मत में अपनी आस्था जताते हुए चिश्ती सम्प्रदाय को आश्रय दिया।

➤ अकबर के दरबार में प्रसिद्ध संगीतकार तानसेन था।

➤ अकबर के दीवान राजा टोडरमल ने 1580 ई. में 'दहसाला बन्दोबस्त' लागू किया।

➤ उसके दरबार के प्रसिद्ध चित्रकार अब्दुस्समद दसवन्त एवं बसावन थे।

➤ अकबर ने गुजरात विजय की स्मृति में फतेहपुर सीकरी में बुलन्द दरवाजा निर्मित करवाया।

➤ अकबर ने मनसबदारी प्रथा आरम्भ की।

➤ अकबर के समकालीन प्रसिद्ध सूफी सन्त शेख सलीम चिश्ती थे।

➤ स्थापत्य कला के क्षेत्र में अकबर की महत्त्वपूर्ण रचना आगरा का लाल किला, फतेहपुर सीकरी में शाही महल, बुलन्द दरवाजा तथा इलाहाबाद का किला है।

➤ अकबर का मकबरा सिकन्दरा में स्थित है।

- मुगलों की राजकीय भाषा फारसी थी।
- महाभारत का फारसी भाषा में रज्मनामा नाम से अनुवाद बदायूँनी, नकीब खाँ एवं अब्दुल कादिर ने किया था।

अकबर के दरबार के नव-रत्न

1. मुल्ला दो प्याजा	6. राजा मानसिंह
2. अब्दुल रहीम खानखाना	7. टोडरमल
3. हकीम खाँ	8. फैजी
4. अबुल फजल	9. बीरबल
5. तानसेन	

जहाँगीर

➤ जहाँगीर का जन्म 30 अगस्त, 1569 ई. में हुआ। उसके बचपन का नाम सलीम था।

➤ 1605 ई. में वह नूरुद्दीन मुहम्मद जहाँगीर बादशाही गाजी की उपाधि धारण कर गद्दी पर बैठा।

➤ जहाँगीर को न्याय की जंजीर के लिए याद किया जाता है।

- खुसरो को सहायता देने के कारण जहाँगीर ने सिख गुरु अर्जुनदेव को फाँसी दिलवा दी। खुसरो गुरु से गोइन्दवाल में मिला था।
- जहाँगीर का मुख्य शिक्षक अब्दुर्रहीम खानखाना था।
- जहाँगीर के शासनकाल में मुगल चित्रकला अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँची। जहाँगीर के दरबार में प्रमुख चित्रकार आगा रजा, अबुल हसन, मुहम्मद नासिर, मुहम्मद मुराद, उस्ताद मन्सूर, विशनदास, मनोहर, गोवर्द्धन तथा फारुख बेग थे।
- जहाँगीर ने आगा रजा के नेतृत्व में आगरा में एक चित्रशाला की स्थापना की। जहाँगीर के समय को चित्रकला का स्वर्णकाल कहा जाता है।
- उसके समय कैप्टन हॉकिन्स, सर टॉमस रो, विलियम फिंच एवं एडवर्ड टैरी यूरोपीय यात्री आए थे।
- जहाँगीर के मकबरे का निर्माण नूरजहाँ ने करवाया था।

मुगलकालीन पुस्तकें एवं उनके लेखक

पुस्तकें	लेखक
बाबरनामा	बाबर
हुमायूँनामा	गुलबदन बेगम
आइन-ए-अकबरी	अबुल फजल
मुन्तखिब-उत-तवारीख	अब्दुल कादिर
तुजुक-ए-जहाँगीर	जहाँगीर
बादशाहनामा	अब्दुल हमीद लाहौरी
मासिरे-आलमगीरी	मुस्तयाद खाँ
रुकात-ए-आलमगीरी	औरंगजेब
तबकात-ए-नासिरी	मिनहाज-उल-सिराज
मुन्तखिब-उल-तवारीख	बदायूँनी
तारीख-ए-फरिश्ता	फरिश्ता
मुन्तखब-उल-लुबाव	खफी खाँ
पद्मावत	मलिक मुहम्मद जायसी
तारीख-ए-रशीदी	मिर्जा हैदर दोगलत
तोहफा-ए-अकबरशाही	अब्बास खाँ सरवानी
अकबरनामा	अबुल फजल

शाहजहाँ

- खुर्रम (शाहजहाँ) का जन्म 1592 ई. में लाहौर में हुआ था।
- 1628 ई. में शाहजहाँ ने आगरा में अबुल मुजफ्फर शहाबुद्दीन साहिब किरन-ए-सानी की उपाधि धारण की।
- मुमताज महल की याद में शाहजहाँ ने ताजमहल का निर्माण आगरा में करवाया।
- शाहजहाँ ने मयूर सिंहासन का निर्माण करवाया।
- शाहजहाँ के शासनकाल को स्थापत्य कला का स्वर्ण युग कहा जाता है।
- शाहजहाँ द्वारा बनवाई गई प्रमुख इमारतें दिल्ली का लाल किला, दीवाने आम, दीवाने खास, दिल्ली की जामा मस्जिद, आगरा की मोती मस्जिद, ताजमहल हैं।
- शाहजहाँ के दरबार में प्रमुख चित्रकार मुहम्मद फकीर एवं मीर हासिम थे।
- शाहजहाँ ने संगीतज्ञ लाल खाँ को गुणसमन्दर की उपाधि दी थी।
- 1658 ई. में औरंगजेब ने शाहजहाँ को बंदी बना लिया। 1666 ई. में उसकी मृत्यु हो गई।

औरंगजेब

- औरंगजेब का जन्म 3 नवम्बर, 1618 को उज्जैन के दोहाद नामक स्थान पर हुआ था।
- औरंगजेब को जिन्दा पीर कहा जाता है।
- औरंगजेब ने झरोखा-दर्शन एवं नौरोज मनाने पर रोक लगा दी।
- 1679 ई. में जजिया कर पुनः लागू किया।
- औरंगजेब ने बीबी का मकबरा का निर्माण 1679 ई. में औरंगाबाद (महाराष्ट्र) में करवाया।
- औरंगजेब ने दिल्ली में सिखों के नवें गुरु तेगबहादुर की हत्या करवा दी थी।
- औरंगजेब की मृत्यु 1707 ई. में हुई।

बहादुरशाह प्रथम

- बहादुरशाह जफर प्रथम ने औरंगजेब द्वारा लगाए गए जजिया कर की वसूली बन्द करवा दी।
- खफी खाँ ने इसे शाहे बेखबर कहा है।
- 27 फरवरी, 1712 को बहादुरशाह प्रथम की मृत्यु हो गई।

नादिरशाह का आक्रमण

- ईरान के सम्राट नादिरशाह ने 1739 ई. में दिल्ली पर आक्रमण किया था। (मुहम्मदशाह के समय में)
- नादिरशाह लगभग 70 करोड़ रुपये की धनराशि और शाहजहाँ का बनवाया हुआ तख्तेताऊस तथा कोहिनूर हीरा लेकर फारस वापस गया।
- पानीपत का तृतीय युद्ध (1761 ई.) मराठों और अहमद शाह अब्दाली की सेना के बीच हुआ।

आधुनिक भारत

भारत में यूरोपीय व्यापारिक कम्पनियों का आगमन

➤ 1498 ई. में वास्को-डि-गामा (पुर्तगाली) भारत के पश्चिमी तट पर स्थित बंदरगाह कालीकट पहुँचा।

➤ 1505 ई. में फ्रांसिस्को डी अल्मेडा भारत में प्रथम पुर्तगाली वायसराय बनकर आया तथा 1509 ई. में अलफांसो द अल्बुकर्क वायसराय बना।

➤ अल्बुकर्क ने 1510 ई. में बीजापुर के यूसुफ आदिल शाह से गोवा को जीता।

➤ पुर्तगालियों ने अपनी पहली व्यापारिक कोठी कोचीन में खोली। भारत आने वाला प्रथम डच नागरिक कारनेलिस ड हस्तमान था।

यूरोपीय कम्पनियाँ

कम्पनी	स्थापना-वर्ष
पुर्तगाली ईस्ट इण्डिया कम्पनी	1498 ई.
अंग्रेजी ईस्ट इण्डिया कम्पनी	1600 ई.
डच ईस्ट इण्डिया कम्पनी	1602 ई.
डेनिश ईस्ट इण्डिया कम्पनी	1616 ई.
फ्रांसीसी ईस्ट इण्डिया कम्पनी	1664 ई.
स्वीडिश ईस्ट इण्डिया कम्पनी	1731 ई.

➤ 1600 ई. में इंग्लैण्ड की महारानी एलिजाबेथ प्रथम ने ईस्ट इण्डिया कम्पनी को अधिकार-पत्र प्रदान किया।

➤ प्रारम्भ में ईस्ट इण्डिया कम्पनी में 217 साझेदार थे तथा पहला गवर्नर टॉमस स्मिथ था।

➤ मुगल दरबार में आने वाला प्रथम अंग्रेज कैप्टन हॉकिन्स था, जो जेम्स प्रथम के राजदूत के रूप में 1609 ई. में जहाँगीर के दरबार में आया था।

➤ 1615 ई. में सम्राट् जेम्स प्रथम ने सर टॉमस रो को अपना राजदूत बनाकर मुगल सम्राट जहाँगीर के दरबार में भेजा। अंग्रेजों द्वारा प्रथम व्यापारिक कोठी (फैक्ट्री) सूरत में 1608 ई. में खोली गई।

➤ 1611 ई. में दक्षिण-पूर्वी समुद्र तट पर सर्वप्रथम अंग्रेजों ने मसुलीपट्टनम् में व्यापारिक कोठी की स्थापना की।

➤ भारत में फ्रांसीसियों ने प्रथम कोठी सूरत में 1668 ई. में स्थापित की। 1674 ई. में फ्रांसिस मार्टिन ने पाण्डिचेरी की स्थापना की।

➤ इसकी स्थापना फैंको कैरों ने की।

➤ डचों का भारत में अन्तिम रूप से पतन 1759 ई. को अंग्रेजों के साथ वेदरा के युद्ध से हुआ।

बंगाल

➤ औरंगजेब की मृत्यु के बाद बंगाल, मुर्शिद कुली खाँ के नेतृत्व से पूरी तरह मुक्त हो गया।

➤ 1704 ई. में बंगाल की राजधानी ढाका से हटाकर मुर्शिदाबाद बनाई गई।

➤ 1726 ई. में मुर्शिद कुली खाँ की मृत्यु के बाद शुजाउद्दीन बंगाल का नवाब बना।

➤ सिराजुद्दौला 10 अप्रैल, 1756 ई. को बंगाल का नवाब बना।

➤ प्लासी के युद्ध (1757 ई.) में अंग्रेजों और सिराजुद्दौला की सेनाओं के बीच संघर्ष हुआ।

➤ 22 अक्टूबर, 1764 ई. को बक्सर के युद्ध में मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय, अवध का नवाब शुजाउद्दौला तथा मीर कासिम ने अंग्रेजों के विरुद्ध गठबन्धन किया।



भारत के गवर्नर जनरल

बंगाल का गवर्नर

➤ रॉबर्ट क्लाइव (1757-60 ई. एवं पुनः 1765-67 ई.) ने बंगाल में द्वैध शासन स्थापित किया।

➤ इसने बंगाल के समस्त क्षेत्र के लिए दो उप-दीवान, बंगाल के लिए मुहम्मद रज़ा खाँ और बिहार के लिए राजा शिताब राय को नियुक्त किया।

वारेन हेस्टिंग्स (1773-85 ई.)

➤ उसे दीवानी द्वारा 1774 ई. में बंगाल का पहला गवर्नर-जनरल बनाया गया। उसने फौजदारी एवं अपीलीय न्यायालयों की स्थापना की।

➤ 1773 ई. में रेग्युलेटिंग अधिनियम पारित किया।

➤ 1784 ई. के पिट्स इण्डिया अधिनियम ने कम्पनी के कामकाज को ब्रिटिश संसद के नियन्त्रण में कर दिया।

➤ इसी के समय 1792 ई. में जोनाथन डंकन ने बनारस में संस्कृत विद्यालय की स्थापना की।

लॉर्ड कार्नवालिस (1786-93 ई.)

➤ 1793 ई. में बंगाल में स्थायी बन्दोबस्त के रूप में एक नई राजस्व पद्धति की शुरूआत की गई। यह प्रथा बंगाल और बिहार में लागू थी।

➤ लॉर्ड कार्नवालिस ने भारत में सिविल सेवाओं को आरम्भ किया।

सर जॉन शोर (1793-98 ई.)

➤ उसके शासनकाल में ब्रिटिश संसद द्वारा चार्टर अधिनियम 1793 पारित किया गया तथा अहस्तक्षेप की नीति अपनाई।

➤ उसने वाराणसी में संस्कृत महाविद्यालय बनाया।

लॉर्ड वेलेजली (1798-1805 ई.)

➤ कलकत्ता में नागरिक सेवा में भर्ती किए गए युवकों को प्रशिक्षित करने के लिए **फोर्ट विलियम कॉलेज** की स्थापना की।

➤ इसने **सहायक सन्धि** की नीति प्रतिपादित की।

➤ सहायक सन्धि स्वीकार करने वाले राज्य थे। हैदराबाद, मैसूर, तंजौर, अवध, पेशवा, भोंसले, सिन्धिया, जयपुर, मच्छेड़ी, बूँदी तथा भरतपुर।

➤ इसे **बंगाल का शेर** कहा जाता था।

सर जॉन बार्लो (1805-07 ई.)

➤ इसके समय बैलूर का सिपाही विद्रोह (1806 ई.) हुआ।

लॉर्ड मिन्टो (1807-13 ई.)

➤ महाराजा रणजीत सिंह के साथ अंग्रेजों ने 1809 ई. में **अमृतसर की सन्धि** पर हस्ताक्षर किए। सतलज के पश्चिम भाग की ओर महाराजा रणजीत सिंह के राज्य की सीमा मान ली गई।

➤ 1813 के चार्टर अधिनियम द्वारा ईस्ट इण्डिया कम्पनी का **भारतीय व्यापार का एकाधिकार** समाप्त किया गया।

लॉर्ड हेस्टिंग्स (1813-23 ई.)

➤ इसके सुधारों में रैयतवाड़ी प्रथा को लागू करना शामिल है।

➤ रैयतवाड़ी प्रथा के अन्तर्गत काश्तकारों को सरकार के सीधे सम्पर्क में रखा गया। यह टॉमस मुनरो के विचारों पर आधारित था।

➤ उसके समय में चौथे आंग्ल-मराठा युद्ध (1817-18 ई.) में मराठा परिसंघ की निर्णायक हार हुई।

लॉर्ड एमहर्स्ट (1823-28 ई.)

➤ इसके कार्यकाल के दौरान प्रथम आंग्ल-बर्मा युद्ध (1824-26) तथा बैरकपुर का सैन्य विद्रोह (1824 ई.) हुआ।

लॉर्ड विलियम बेन्टिंक (1828-35 ई.)



➤ वह सामाजिक सुधारों के लिए प्रसिद्ध है। उसने **सती प्रथा** (1829 ई.) ठगी, कन्या तथा भ्रूण-हत्या और मानव बलि जैसी कुप्रथाओं पर रोक लगाई।

➤ उसने रणजीत सिंह से सन्धि की।

➤ 1835 ई. में **कलकत्ता मेडिकल कॉलेज** की स्थापना की गई।

सर चार्ल्स मेटकॉफ (1835-36 ई.)

➤ इसे प्रेस पर प्रतिवन्ध हटाने के लिए जाना जाता है। इसे 'प्रेस का मुक्तिदाता' कहा जाता है।

लॉर्ड ऑकलैण्ड (1836-42 ई.)

➤ इसके कार्यकाल में प्रथम अफगान युद्ध (1939-42) ई. हुआ।

➤ इसने कलकत्ता से दिल्ली तक ग्राण्ड ट्रंक रोड का पुनरुद्धार करवाया।

लॉर्ड एलनबरो (1842-44 ई.)

➤ इसने काबुल के सफल अभियान का संचालन किया।

➤ इसके शासनकाल में सिन्ध का विलय (1843 ई.) ब्रिटिश क्षेत्र में किया गया।

लॉर्ड हार्डिंग (1844-48 ई.)

➤ इसने शिक्षा को विस्तार तथा गंगा नहर के लिए एक परियोजना को भी अन्तिम रूप दिया।

➤ इसके समय में **प्रथम आंग्ल-सिख युद्ध** हुआ था जिसमें अंग्रेजों ने पंजाब पर प्रभुत्व स्थापित किया।

लॉर्ड डलहौजी (1848-56 ई.)



➤ इसने डॉक्ट्रिन ऑफ लैप्स की नीति प्रतिपादित की।

➤ डलहौजी ने हड़प नीति के माध्यम से सतारा, झाँसी, जैतपुर, संभल, बाघट, उदयपुर और नागपुर को ब्रिटिश प्रभुत्व में शामिल किया।

➤ इसने देशी शासकों की पेंशन समाप्त कर दी। बरार और अवध पर भी नियन्त्रण स्थापित किया तथा शिमला को ग्रीष्मकालीन राजधानी बनाया।

➤ इसके कार्यकाल में लोक निर्माण विभाग की स्थापना की तथा 1853 ई. में पहली रेलगाड़ी चलाई गई।

➤ 1856 ई. में विधवा पुनर्विवाह अधिनियम पारित हुआ।

➤ पहली बार डाक टिकटों को इसी समय जारी किया गया तथा कलकत्ता व आगरा के मध्य तार सेवा प्रारम्भ हुई।



1857 का विद्रोह

➤ सन् 1857 ई. के विद्रोह को प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम की संज्ञा भी दी जाती है।

➤ 29 मार्च, 1857 ई. को मंगल पाण्डे ने बैरकपुर में विद्रोह आरम्भ किया।

➤ 10 मई, 1857 ई. के दिन मेरठ की पैदल टुकड़ी के दिल्ली पहुँचते ही इस क्रान्ति की शुरूआत हुई।

➤ इस क्रान्ति के समय ब्रिटिश प्रधानमंत्री पामर्स्टन था।

1857 ई. की महान् क्रान्ति के प्रमुख केन्द्र

केन्द्र	भारतीय नायक	विद्रोह की तिथि	विद्रोह दबाने वाला	तिथि
दिल्ली	बख्त खाँ (सैन्य नेतृत्व)	11, 12 मई, 1857	निकलसन एवं हडसन	21 सितम्बर, 1857 ई.
कानपुर	नाना साहब, तात्याँ टोपे	5 जून, 1857	कैम्पवेल	6 सितम्बर, 1857 ई.
लखनऊ	बेगम हजरत महल	4 जून, 1857	कैम्पवेल	मार्च, 1858
झाँसी	रानी लक्ष्मीबाई	जून, 1857	ह्यरोज	3 अप्रैल, 1858 ई.
इलाहाबाद	लियाकत अली	1857	कर्नल नील	1858 ई.
जगदीशपुर	कुँवर सिंह	अगस्त, 1857	विलियम टेलर आयर	1858 ई.
बरेली	खान बहादुर खाँ	1857	–	1858 ई.
फैजाबाद	मौलवी अहमदुल्ला	1857	–	1858 ई.
फतेहपुर	अजीमुल्ला	1857	जनरल रेनर्ड	1858 ई.

सर्वोच्च शासन सत्ता के अन्तर्गत भारत

- 1 नवम्बर, 1858 को रानी की उद्घोषणा से भारत का शासन ब्रिटिश क्राउन के अधीन हो गया।
- देशी शासकों को पुत्र गोद लेने का अधिकार प्रदान किया गया। समानता से व्यवहार करने का वचन दिया गया।



सामाजिक व धार्मिक सुधार आन्दोलन

ब्रह्म समाज

- राजा राममोहन राय ने 1828 ई. में ब्रह्म समाज की स्थापना की। इस समाज ने सती प्रथा, बहु-विवाह, जातिवाद, अस्पृश्यता का विरोध किया।
- राजा राममोहन राय के बाद देवेन्द्रनाथ टैगोर और केशवचन्द्र सेन ने ब्रह्म समाज का नेतृत्व किया।

प्रार्थना समाज

- 1867 ई. में केशवचन्द्र सेन के मार्गदर्शन में प्रार्थना समाज की स्थापना की गई।
- रानाडे और भण्डारकर इसके प्रमुख सदस्य थे।

आर्य समाज

- आर्य समाज की स्थापना दयानन्द सरस्वती (मूल शंकर) ने 1875 ई. में बम्बई में की।
- बाद में आर्य समाज का मुख्यालय लाहौर में बना।
- दयानन्द सरस्वती ने सत्यार्थ प्रकाश की रचना की।

रामकृष्ण मिशन

- रामकृष्ण मिशन (1897 ई.) की स्थापना स्वामी विवेकानन्द ने की।
- स्वामी विवेकानन्द ने 1896 ई. में न्यूयॉर्क में वेदान्त सोसायटी का गठन किया।

थियोसोफिकल सोसायटी

- इसकी स्थापना 1875 ई. में मैडम ब्लावात्सकी एवं कर्नल अल्काट ने न्यूयॉर्क (यू एस ए) में की थी।
- 1882 ई. में इसका मुख्यालय मद्रास के निकट अड्यार में स्थापित हुआ।
- 1893 ई. में एनी बेसेन्ट भारत आईं और थियोसोफिकल आन्दोलन का नेतृत्व सम्भाला।

अलीगढ़ आन्दोलन



- सैयद अहमद खान ने इस आन्दोलन का नेतृत्व किया।
- उन्होंने अपने सामाजिक विचारों का प्रचार तहजीब-उल-अखलाक द्वारा किया।
- 1877 ई. में उन्होंने आंग्ल-मुस्लिम स्कूल की स्थापना अलीगढ़ में की। यह 1920 ई.में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय बना।

यंग-बंगाल आन्दोलन

- इसकी स्थापना बंगाल में 1828 ई. में हेनरी विवियन डेरोजियो ने की।
- डेरोजियो ने एकेडेमिक एसोसिएशन एवं सोसायटी फोर द एग्जीबिशन ऑफ जनरल नॉलेज की स्थापना की।

अहमदिया आन्दोलन

- इसका नेतृत्व मिर्जा गुलाम अहमद ने 1889 ई. में किया।
- इन्होंने अपनी पुस्तक बराहीन-ए-अहमदिया में अपने सिद्धान्तों की व्याख्या की।



भारत के वायसराय

लॉर्ड कैनिंग (1856-62 ई.)

- यह भारत का प्रथम वायसराय था।
- 1857 की क्रांति इसी के कार्यकाल में हुई थी।
- इसने बंगाल काश्तकारी अधिनियम लागू किया।
- भारतीय दण्ड संहिता अस्तित्व में आई तथा उच्च न्यायालयों की स्थापना की गई।

- 1857 ई. में कलकत्ता, मद्रास और बम्बई में विश्वविद्यालयों की स्थापना की गई।

लॉर्ड एल्गिन (1862-63 ई.)

- इनके शासनकाल में वहावियों का विद्रोह हुआ।

सर जॉन लारेन्स (1864-69 ई.)

- उसके शासनकाल में भूटान से युद्ध हुआ तथा 1865 ई. में भारत एवं यूरोप के बीच प्रथम समुद्री टेलीग्राफ सेवा प्रारम्भ हुई।
- उड़ीसा में अकाल पड़ा और अफगानिस्तान के साथ सैनिक सम्बन्ध स्थापित हुए।

लॉर्ड मेयो (1869-72 ई.)

- इसके शासनकाल में भारत में वित्तीय विकेन्द्रीकरण हुआ तथा कृषि एवं वाणिज्य विभाग की स्थापना हुई।
- सन् 1871 में पहली अनियमित जनगणना की गई।

लॉर्ड नार्थब्रुक (1872-76 ई.)

- उसने कूका आन्दोलन का दमन किया।
- उसने आयात कर को कम किया एवं निर्यात कर को समाप्त कर दिया।

लॉर्ड लिटन (1876-80 ई.)

- उसे ओवन मैरिडिथ के नाम से जाना जाता था।
- उसने दिल्ली में एक भव्य दरबार (1878 ई.) का आयोजन किया जिसमें विक्टोरिया को भारत की महारानी घोषित किया गया।
- इसने सिविल सेवा में प्रवेश की अधिकतम आयु सीमा 21 वर्ष से घटाकर 19 वर्ष की।
- अलीगढ़ में एक 'मुस्लिम-एंग्लो प्राच्य महाविद्यालय' की स्थापना की।
- रिचर्ड स्टेची की अध्यक्षता में एक अकाल आयोग का गठन किया।

लॉर्ड रिपन (1880-84 ई.)

- सन् 1881 में नियमित जनगणना आरम्भ हुई।
- 1882 ई. में वर्नाक्यूलर अधिनियम को रद्द कर दिया गया।
- 1883 ई. में इल्बर्ट बिल पारित किया गया जिसने जातीय भेदभाव के आधार पर की जा रही न्यायिक अयोग्यता को दूर किया।
- फ्लोरेंस नाइटिंगेल ने रिपन को भारत के उद्धारक की संज्ञा दी।

लॉर्ड डफरिन (1884-88 ई.)

- इसके शासनकाल में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना (1885 ई.) हुई तथा तृतीय आंग्ल-बर्मा युद्ध (1885-88 ई.) हुआ।

लॉर्ड लैन्सडाउन (1888-94 ई.)

- उसके शासनकाल में भारत परिषद् अधिनियम (1882) पारित किया गया जिसके द्वारा विधान परिषद् का विस्तार हुआ।
- भारत और अफगानिस्तान के बीच सीमा निर्धारण के लिए डूरण्ड आयोग का गठन किया गया।

लॉर्ड एल्गिन द्वितीय (1894-99 ई.)

- 1895 ई. में आंग्ल-रूस सन्धि पर हस्ताक्षर किए गए, जिसके अन्तर्गत ऑक्सस नदी, ब्रिटिश साम्राज्य की उत्तरी सीमा निर्धारित की गई।
- 1895-98 ई. के दौरान उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब एवं मध्य प्रदेश में भयंकर अकाल पड़ा।

लॉर्ड कर्जन (1899-1905 ई.)

- 1899 से 1900 ई. के दौरान अकाल और प्लेग के कारण समस्याओं में वृद्धि हुई।
- उसने 1902 ई. में सर एण्ड्रयू फ्रेजर की अध्यक्षता में एक पुलिस आयोग तथा 1904 ई. में पुरातत्त्व विभाग की स्थापना की।

लॉर्ड मिन्टो (1905-10 ई.)

- जर्मनी के खतरे से निपटने के लिए आंग्ल-रूस सन्धि (1907 ई.) की गई।
- 1909 ई. के एक्ट में मुस्लिमों के लिए पृथक निर्वाचक मण्डल की व्यवस्था की गई।
- मार्ले-मिन्टो सुधार (1909 ई.) से केन्द्रीय और प्रान्तीय विधान परिषदों में निर्वाचित सदस्यों की संख्या बढ़ाई गई।

लॉर्ड हार्डिंग द्वितीय (1910-16 ई.)

- 1911 ई. में किंग जॉर्ज के आगमन के अवसर पर दिल्ली में एक शाही दरबार का आयोजन किया गया।
- बंगाल-विभाजन को रद्द कर दिया गया तथा कलकत्ता के स्थान पर दिल्ली को नई राजधानी बनाया गया।
- 1911 ई. में लॉर्ड हार्डिंग के जुलूस पर रास बिहारी बोस ने बम फेंका था।
- इसी के समय प्रथम विश्वयुद्ध (1914 ई.) आरम्भ हुआ।

लॉर्ड चेम्सफोर्ड (1916-21 ई.)

- 1917 ई. में अगस्त घोषणा की गई।
- भारत सरकार अधिनियम (1919) जिसे माण्टेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार भी कहा जाता है, से प्रान्तों में द्वैध शासन व्यवस्था की स्थापना की।
- 13 अप्रैल, 1919 को जनरल डायर के दिशा-निर्देश पर जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड घटित हुआ।

लॉर्ड रीडिंग (1921-26 ई.)

- 1921 ई. में प्रिन्स ऑफ वेल्स भारत आया।
- 1923 ई. में चितरंजन दास एवं मोतीलाल नेहरू ने इलाहाबाद में स्वराज पार्टी का गठन किया।

लॉर्ड इरविन (1926-31 ई.)

- 3 फरवरी, 1928 को साइमन कमीशन भारत आया।
- 1929 ई. में कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वराज का लक्ष्य निर्धारित किया गया तथा 26 जनवरी, 1930 ई. को स्वतन्त्रता दिवस मनाने की घोषणा की गई।
- दाण्डी मार्च के साथ 1930 ई. में महात्मा गाँधी ने सविनय अवज्ञा आन्दोलन आरम्भ किया।
- नवम्बर, 1930 में प्रथम गोलमेज सभा लन्दन में आयोजित की गई। इसमें कांग्रेस के प्रतिनिधियों ने हिस्सा नहीं लिया।
- मार्च 1931 में गाँधी-इरविन समझौता हुआ।

लॉर्ड विलिंगटन (1931-36 ई.)

- 1931 ई. में द्वितीय गोलमेज कांग्रेस का आयोजन हुआ, इसमें कांग्रेस के प्रतिनिधि गाँधीजी थे।
- 1932 ई. में कम्युनल अवार्ड द्वारा दलितों को पृथक् निर्वाचक मण्डल दिया गया। गाँधीजी ने इसके विरोध में आमरण अनशन किया।
- सितम्बर, 1932 के पूना पैक्ट के तहत सवर्ण हिन्दुओं और दलित वर्ग के बीच व्यावहारिक रूप से संयुक्त निर्वाचन क्षेत्र पर सहमति हुई।
- भारत सरकार अधिनियम 1935 पारित हुआ।

लॉर्ड लिनलिथगो (1936-43 ई.)

- पहली बार चुनाव 1937 ई. में हुए। कांग्रेस ने ग्यारह में से सात प्रान्तों में अपनी सरकारें बनाई।
- 1939 ई. में द्वितीय विश्वयुद्ध में भारत को शामिल करने के विरोध में कांग्रेस प्रान्तीय सरकारों ने त्यागपत्र दे दिया।
- मुस्लिम लीग ने कांग्रेस मन्त्रिमण्डल के त्याग-पत्र को मुक्ति दिवस के रूप में मनाया।
- 8 अगस्त, 1940 ई. को अगस्त प्रस्ताव अंग्रेज़ों द्वारा लाया गया।
- 1942 ई. में कांग्रेस ने भारत छोड़ो प्रस्ताव पारित किया।

लॉर्ड वेवेल (1944-47 ई.)

- वेवेल योजना ने जून, 1945 में शिमला सम्मेलन आयोजित किया। मुस्लिम लीग ने इसका बहिष्कार किया।
- कैबिनेट मिशन योजना (1946 ई.) ने एक अन्तरिम सरकार का प्रावधान किया और भारतीय संविधान की रूपरेखा तैयार करने का मार्ग प्रशस्त किया।
- ब्रिटिश प्रधानमन्त्री क्लीमेन्ट एटली ने 20 फरवरी, 1947 को यह घोषणा की जिसमें जून, 1948 से पहले सत्ता का हस्तान्तरण किया जाना था।

लॉर्ड माउण्टबेटन (1947 ई.)

- 3 जून, 1947 को माउण्टबेटन की योजना के तहत भारत का विभाजन किया गया।
- भारतीय स्वतन्त्रता अधिनियम से भारत तथा पाकिस्तान का निर्माण हुआ।
- 14 अगस्त, 1947 को पाकिस्तान एवं 15 अगस्त, 1947 को भारत स्वतन्त्र हुआ।



राष्ट्रीय आन्दोलन

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (1885 ई.)

- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना एक अवकाश प्राप्त अंग्रेज अधिकारी ए. ओ. ह्यूम द्वारा 1885 ई. में की गई।
- गोकुलदास तेजपाल संस्कृत महाविद्यालय, बम्बई में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का पहला अधिवेशन हुआ था।
- जिसके प्रथम अध्यक्ष व्योमेशचन्द्र बनर्जी थे। इसमें 72 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था।

बंगाल विभाजन (1905 ई.)

- राष्ट्रीय चेतना का दमन करने के लिए लॉर्ड कर्जन ने 16 अगस्त, 1905 को बंगाल विभाजन की घोषणा की।
- पूरे देश में 16 अक्टूबर, 1905 को 'शोक दिवस' मनाया गया।
- इस अवसर पर रवीन्द्रनाथ टैगोर ने आमार सोनार बांग्ला नामक गीत लिखा, जो बाद में बांग्लादेश का राष्ट्र-गान बना।
- स्वदेशी एवं बहिष्कार आन्दोलन के फलस्वरूप 1911 ई. में बंगाल विभाजन को रद्द कर दिया गया।

मुस्लिम लीग की स्थापना (1906 ई.)

- नवाब सलीमुल्ला के नेतृत्व में 30 दिसम्बर, 1906 को ढाका में मुस्लिम लीग की स्थापना हुई।
- सलीमुल्ला, लीग के संस्थापक अध्यक्ष थे, जबकि प्रथम अधिवेशन की अध्यक्षता मुश्ताक हुसैन ने की।
- मुस्लिम लीग ने अमृतसर अधिवेशन (1908 ई.) में मुसलमानों के लिए पृथक् निर्वाचन मण्डल की माँग की, जिसे 1909 ई. में मार्ले-मिण्टो सुधारों में मान लिया गया।

दिल्ली दरबार (1911 ई.)

➤ 1911 ई. में दिल्ली में एक भव्य दरबार का आयोजन इंग्लैण्ड के सम्राट जॉर्ज पंचम एवं महारानी मेरी के स्वागत में किया गया।

➤ इसमें बंगाल का विभाजन रद्द करने तथा भारत की राजधानी को कलकत्ता से दिल्ली स्थानान्तरित करने की घोषणा हुई।

➤ बिहार एक अलग राज्य बना, जिसमें उड़ीसा भी शामिल था।

होमरूल आन्दोलन (1916 ई.)

➤ एनी बेसेन्ट ने सितम्बर, 1916 में अड्यार में इसकी स्थापना की। इसके प्रथम सचिव जॉर्ज अरूण्डेल थे।

➤ बाल गंगाधर तिलक ने पूना में होमरूल लीग गठित की।

राष्ट्रीय आन्दोलन (गाँधी युग)

महात्मा गाँधी



➤ 2 अक्टूबर, 1869 को गुजरात के पोरबन्दर में गाँधीजी का जन्म हुआ। वे 1893 ई. में अफ्रीका गए तथा रंगभेद-नीति के खिलाफ आवाज उठाई।

➤ जनवरी, 1915 में भारत लौटे।

➤ 1916 ई. में गाँधीजी ने अहमदाबाद के निकट साबरमती आश्रम की स्थापना की।

➤ अप्रैल, 1917 में बिहार के चम्पारण में किसानों पर नील की खेती के लिए 'तिनकठिया पद्धति' के द्वारा किए जा रहे अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाई।

➤ चम्पारण के पश्चात् गाँधीजी ने अहमदाबाद मिल हड़ताल (1918 ई.) के मुद्दे पर हस्तक्षेप किया।

➤ वर्ष 1918 में गुजरात के खेड़ा में लगान अदायगी के विरुद्ध आन्दोलन चलाया गया।

- भारत में क्रान्तिकारी भावना को समाप्त करने के लिए ब्रिटिश सरकार ने न्यायाधीश सर सिडनी रौलेट की अध्यक्षता में एक कमेटी नियुक्त की।
- 1919 ई. में जो विधेयक लाया गया, उसे रौलेट एक्ट अथवा काला कानून कहा गया।
- इस एक्ट को 'बिना अपील' 'बिना वकील' तथा 'बिना दलील' का कानून भी कहा गया।

जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड (1919 ई.)

➤ 13 अप्रैल, 1919 को वैशाखी के दिन अमृतसर के जलियाँवाला बाग में डॉ. सत्यपाल एवं सैफुद्दीन किचलू की गिरफ्तारी के विरोध में एक सार्वजनिक सभा का आयोजन किया गया था।

➤ जनरल डायर ने बिना किसी पूर्व सूचना के हजारों की संख्या में मौजूद लोगों पर गोलियाँ चलवा दीं। लगभग 1000 लोग मारे गए। इस हत्याकांड में हंसराज नामक भारतीय ने डायर का सहयोग किया था।

➤ इस काण्ड के विरोधस्वरूप रवीन्द्रनाथ टैगोर ने नाइटहुड, महात्मा गाँधी ने कैसर-ए-हिन्द तथा जमनालाल बजाज ने राय बहादुर की उपाधि त्याग दी।

खिलाफत आन्दोलन (1920 ई.)

➤ 23 नवम्बर, 1919 में अखिल भारतीय खिलाफत कमेटी का गठन किया गया।

➤ 31 अगस्त, 1920 को खिलाफत दिवस मनाया गया।

➤ इस आन्दोलन का नेतृत्व मुहम्मद अली और शौकत अली ने किया।

असहयोग आन्दोलन (1920 ई.)

➤ लाला लाजपत राय की अध्यक्षता में कलकत्ता अधिवेशन में असहयोग आन्दोलन का प्रस्ताव पारित हुआ।

➤ इस आन्दोलन के दौरान शिक्षण संस्थाओं तथा न्यायालयों का बहिष्कार किया गया।

➤ अगस्त, 1920 में गाँधीजी ने असहयोग आन्दोलन की शुरुआत की।

➤ मुहम्मद अली को सर्वप्रथम इस आन्दोलन में गिरफ्तार किया गया।

➤ उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में स्थित चौरी-चौरा में 5 फरवरी, 1922 को प्रदर्शनकारी भीड़ द्वारा पुलिस के 22 जवानों को थाने के अन्दर जिन्दा जला दिया गया।

➤ इस घटना से आहत होकर गाँधीजी ने 12 फरवरी, 1922 को असहयोग आन्दोलन वापस ले लिया।

साइमन कमीशन (1927 ई.)

➤ ब्रिटिश सरकार ने सर जॉन साइमन के नेतृत्व में 7 सदस्यों वाले आयोग की स्थापना की, जिसमें सभी सदस्य अंग्रेज थे। 3 फरवरी, 1928 को यह कमीशन बम्बई पहुँचा।

➤ इस आयोग का कार्य इस बात की सिफारिश करना था कि भारत के संवैधानिक विस्तार का स्वरूप कैसा हो?

➤ इस आयोग में किसी भी भारतीय को शामिल नहीं करने के कारण भारत में इसका तीव्र विरोध हुआ।

➤ आयोग के विरोध के दौरान लाहौर में लाठी की गहरी चोट के कारण 1928 ई. में लाला लाजपत राय की मृत्यु हो गई।

नेहरू रिपोर्ट (1928 ई.)

➤ 19 मई, 1928 को पण्डित मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता में भारतीय संविधान के प्रारूप को तैयार करने के लिए 8 सदस्यीय समिति गठित की गई।

➤ इस समिति ने अगस्त, 1928 में संविधान का प्रारूप तैयार किया। इस प्रारूप को नेहरू रिपोर्ट कहते हैं।
➤ नेहरू रिपोर्ट में भारत की डोमिनियन एस्टेट्स का समर्थन किया गया था।

पूर्ण स्वराज (1929 ई.)

➤ दिसम्बर, 1929 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन लाहौर में हुआ।
➤ इस ऐतिहासिक अधिवेशन में कांग्रेस ने पूर्ण स्वराज की घोषणा की।
➤ 26 जनवरी, 1930 को पूरे देश में स्वतन्त्रता दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया।

सविनय अवज्ञा आन्दोलन (1930 ई.)

➤ महात्मा गाँधी ने इरविन के समक्ष 13 जनवरी, 1930 को 11 सूत्रीय प्रस्ताव रखा।
➤ गाँधीजी द्वारा प्रस्तुत माँगों पर विचार न करने के कारण सविनय अवज्ञा आन्दोलन शरू किया गया।
➤ 12 मार्च, 1930 को गाँधीजी ने 79 स्वयंसेवकों के साथ साबरमती आश्रम से 322 किमी दाण्डी मार्च किया तथा 6 अप्रैल को नमक कानून तोड़ा गया।
➤ सुभाषचन्द बोस ने गाँधीजी के नमक सत्याग्रह की तुलना नेपोलियन के एल्बा से पेरिस यात्रा से की।

प्रथम गोलमेज सम्मेलन (1930-31 ई.)

➤ यह सम्मेलन 12 नवम्बर, 1930 से 13 जनवरी, 1931 तक लन्दन में आयोजित किया गया।
➤ यह सम्मेलन कांग्रेस के बहिष्कार के फलस्वरूप 19 जनवरी, 1931 को समाप्त हो गया।

गाँधी-इरविन समझौता (1931 ई.)

➤ महात्मा गाँधी और वायसराय इरविन के मध्य 5 मार्च, 1931 को समझौता हुआ, जिसे गाँधी-इरविन समझौता कहा जाता है।

द्वितीय गोलमेज सम्मेलन (1931 ई.)

➤ यह सम्मेलन 7 सितम्बर, 1931 से 1 दिसम्बर, 1931 तक लन्दन में हुआ, जिसमें कांग्रेस ने भाग लिया।
➤ यह सम्मेलन साम्प्रदायिक समस्या पर विवाद के कारण असफल रहा।
➤ लन्दन से वापस आकर गाँधीजी ने पुनः सविनय अवज्ञा आन्दोलन प्रारम्भ किया।

तृतीय गोलमेज सम्मेलन (1932 ई.)

➤ 17 नवम्बर, 1932 से आरम्भ तृतीय गोलमेज सम्मेलन में कांग्रेस ने भाग नहीं लिया।
➤ तीनों गोलमेज सम्मेलनों के दौरान इंग्लैण्ड का प्रधानमन्त्री रैम्जे मैकडोनाल्ड था।

साम्प्रदायिक निर्णय (1932 ई.)

➤ ब्रिटिश प्रधानमन्त्री रैम्जे मैक्डोनाल्ड ने 16 अगस्त, 1932 को 'कम्युनल अवार्ड' की घोषणा की।
➤ इसमें दलित वर्गों के लिए पृथक् निर्वाचन का प्रस्ताव था।
➤ इसके विरोध में गाँधीजी ने जेल में ही 20 सितम्बर, 1932 को आमरण अनशन प्रारम्भ कर दिया।
➤ मदनमोहन मालवीय, राजेन्द्र प्रसाद और राजगोपालाचारी के प्रयत्नों से 25 सितम्बर, 1932 को गाँधीजी और अम्बेडकर के बीच पूना समझौता हुआ।
➤ समझौते के अन्तर्गत संयुक्त निर्वाचन के सिद्धान्त को स्वीकारा गया। साथ ही हरिजनों के लिए सुरक्षित 75 स्थानों को बढ़ाकर 148 कर दिया।

क्रान्तिकारी राष्ट्रवाद

➤ भारत में प्रथम क्रांतिकारी घटना 22 जून, 1897 ई. को घटी थी, जब चाफेकर बन्धु ने पूना में प्लेग अधिकारियों की हत्या कर दी थी।
➤ अभिनव भारत की स्थापना बी.डी. सावरकर ने की थी।
➤ श्याम जी कृष्ण वर्मा ने 1905 ई. में लन्दन में 'इण्डिया हाउस' की स्थापना की थी।
➤ शचीन्द्र सान्याल, जोगेशचन्द्र चटर्जी, रामप्रसाद बिस्मिल और चन्द्रशेखर आजाद ने अक्टूबर, 1924 में कानपुर में क्रान्तिकारी संस्था 'हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन' (एच आर ए) का गठन किया।
➤ इस संस्था द्वारा 9 अगस्त, 1925 को लखनऊ-सहारनपुर सम्भाग के काकोरी स्थान पर ट्रेन में डकैती कर सरकारी खजाना लूटा गया। यह घटना काकोरी काण्ड के नाम से चर्चित है।
➤ 'काकोरी षड्यन्त्र' में रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला, रोशन सिंह और राजेन्द्र लाहिड़ी को फाँसी दी गई।
➤ चन्द्रशेखर आजाद के नेतृत्व में सितम्बर, 1928 में हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (एच एस आर ए) की स्थापना दिल्ली में की गई।
➤ लाला लाजपत राय पर लाठियों से प्रहार करने वाले पुलिस अधिकारी साण्डर्स (लाहौर) की हत्या 30 अक्टूबर, 1928 को भगतसिंह, चन्द्रशेखर आजाद और राजगुरु ने की।
➤ भगतसिंह और बटुकेश्वर दत्त ने 8 अप्रैल, 1929 को केन्द्रीय विधानमण्डल में बम फेंका।
➤ बंगाल के प्रसिद्ध क्रांतिकारी मास्टर सूर्यसेन के नेतृत्व में 1930 ई. में चटगाँव शस्त्रागार पर धावा बोला गया था।
➤ चन्द्रशेखर आजाद 27 फरवरी, 1931 को पुलिस मुठभेड़ में शहीद हुए।

➤ 23 मार्च, 1931 को भगतसिंह, सुखदेव और राजगुरु को फाँसी दी गई।
➤ अक्टूबर, 1943 में सुभाष चन्द्र बोस को आजाद हिन्द फौज का सर्वोच्च सेनापति बनाया गया।
➤ 'दिल्ली चलो' तथा 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा' का नारा सुभाष चन्द्र बोस ने दिया था।
➤ 'आजाद हिन्द फौज' के गठन का विचार सर्वप्रथम कैप्टन मोहन सिंह के मन में आया था।

अगस्त प्रस्ताव (1940 ई.)

➤ अगस्त प्रस्ताव में भारत के लिए डोमिनियन स्टेट्स को मुख्य लक्ष्य माना गया। युद्ध के पश्चात् संविधान सभा के गठन का लक्ष्य रखा गया।
➤ कांग्रेस ने अगस्त प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया।

क्रिप्स मिशन (1942 ई.)

➤ डोमिनियन स्टेट्स के साथ भारतीय संघ की स्थापना क्रिप्स मिशन में प्रस्तावित थी।
➤ युद्ध के पश्चात् प्रान्तीय विधानसभाओं द्वारा संविधान सभा के सदस्यों का चुनाव करने की बात की गई।

> गाँधीजी ने क्रिप्स योजना के बारे में कहा था, यह एक आगे की तारीख का चेक (Post Dated Cheque) है।

भारत छोड़ो आन्दोलन (1942 ई.)

➤ 8 अगस्त, 1942 को बम्बई (ग्वालिया टैंक) में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की बैठक में भारत छोड़ो प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया।
➤ गाँधीजी ने लोगों को करो या मरो का नारा दिया।
➤ 9 अगस्त, 1942 को सभी प्रमुख कांग्रेसी नेताओं की गिरफ्तारी हुई। इस दौरान बलिया (उत्तर प्रदेश), तामलुक (बंगाल) एवं सतारा (महाराष्ट्र) में समानान्तर सरकारों का गठन किया गया।
➤ मुस्लिम लीग ने 'भारत छोड़ो आन्दोलन' का विरोध किया। 23 मार्च, 1943 को पाकिस्तान दिवस मनाया गया।

राजगोपालाचारी फॉर्मूला (1944 ई.)



➤ इसमें मुस्लिम लीग को तुरन्त भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन का समर्थन करने को कहा गया।
➤ युद्ध के उपरान्त मुस्लिम बहुसंख्यक क्षेत्रों को आत्म-निर्धारण का अधिकार देने की बात थी।
➤ देश के विभाजन की स्थिति में रक्षा, वाणिज्य एवं दूरसंचार का संचालन एक ही केन्द्र से किया जाए।
➤ जिन्ना ने फॉर्मूले को अस्वीकार कर दिया क्योंकि वे द्वि-राष्ट्र सिद्धान्त को स्वीकार करते थे।

वेवेल योजना (शिमला सम्मेलन, 1945 ई.)

➤ इस योजना में कहा गया कि गवर्नर-जनरल एवं कमाण्डर-इन-चीफ को छोड़कर गवर्नर-जनरल की कार्यकारिणी के सभी सदस्य भारतीय होंगे।
➤ परिषद् में हिन्दू एवं मुस्लमानों की संख्या बराबर रखे जाने की बात की गई।
➤ मुस्लिम लीग ने शर्त रखी कि परिषद् के सभी मुस्लिमों का मनोनयन वह खुद करेगी तथा कार्यकारिणी परिषद् में माँग की।

कैबिनेट मिशन (1946 ई.)

➤ पाकिस्तान का प्रस्ताव अस्वीकृत। प्रान्तों को स्वायत्तता तथा अवशिष्ट शक्तियाँ।
➤ प्रान्तीय विधानसभाओं में संविधान सभा के सदस्यों का चयन। रक्षा, विदेश मामले एवं संचार के लिए एक सामान्य केन्द्र की व्यवस्था।
➤ देशी रियासतें, उत्तराधिकारी सरकार या ब्रिटिश सरकार से समझौता करने हेतु स्वतन्त्र।
➤ जून 1946 में लीग तथा कांग्रेस दोनों ने कैबिनेट मिशन योजना को स्वीकार कर लिया।
➤ मुस्लिम लीग ने 16 अगस्त, 1946 को प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस मनाने की घोषणा की।
➤ सितम्बर 1946 में जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में अन्तरिम सरकार का गठन हुआ।
➤ अक्टूबर 1946 में मुस्लिम लीग, अन्तरिम सरकार में शामिल हुआ।
➤ फरवरी 1947 में कांग्रेस के सदस्यों ने मुस्लिम लीग के सदस्यों को अन्तरिम सरकार से निष्कासित करने की माँग की, लीग ने संविधान सभा को भंग करने की माँग उठाई।

एटली की घोषणा

➤ इस घोषणा में 30 जून, 1948 तक सत्ता-हस्तान्तरण करने की बात की गई।
➤ सत्ता हस्तान्तरण या तो एक सामान्य केन्द्र द्वारा या कुछ क्षेत्रों में प्रान्तीय सरकारों को गठित करने की घोषणा द्वारा हुई।

माउण्टबेटन योजना (3 जून, 1947)

➤ 22 मार्च, 1947 को भारत के अन्तिम ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड माउन्टबेटन भारत आए।
➤ 3 जून, 1947 को लॉर्ड माउण्टबेटन द्वारा एक योजना की घोषणा की गई, जिसे 'माउण्टबेटन योजना' के नाम से जाना जाता है।
➤ माउण्टबेटन योजना के आधार पर ही 'भारतीय स्वतन्त्रता विधेयक' ब्रिटिश संसद में 4 जुलाई, 1947 को प्रस्तुत किया गया, जिसे 18 जुलाई को स्वीकृति मिली।

➤ 15 अगस्त, 1947 को भारत को स्वतन्त्रता दे दी गई।

➤ ब्रिटिश संसद ने 'भारतीय स्वतन्त्रता अधिनियम 1947' पारित किया तथा 15 अगस्त, 1947 से इसे क्रियान्वित किया गया।

ब्रिटिश काल में शिक्षा का विकास

➤ चार्ल्स वुड की अध्यक्षता में गठित वुड डिस्पैच को भारतीय शिक्षा का मैग्नाकार्टा कहा जाता है।

➤ लॉर्ड रिपन ने 1882 ई. में डब्ल्यू.डब्ल्यू. हण्टर की अध्यक्षता में हण्टर कमीशन की स्थापना की।

➤ 1917 ई. में डॉ. माइकल सैडलर के नेतृत्व में कलकत्ता विश्वविद्यालय की समस्याओं के अध्ययन के लिए सैडलर आयोग नियुक्त किया गया।

➤ शिक्षा के विकास पर रिपोर्ट देने के लिए सरकार ने 1929 में हार्टोग समिति गठित की।

➤ 1937 ई. में वर्धा में आयोजित अखिल भारतीय शिक्षा सम्मेलन में गाँधीजी ने वर्धा योजना प्रस्तुत की।

➤ 1944 ई. में भारत सरकार के शिक्षा सलाहकार सर जॉन सार्जेण्ट ने शिक्षा पर एक विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की, जिसे सार्जेन्ट योजना कहा जाता है।

ऐतिहासिक उपाधि, प्राप्तकर्ता एवं दाता

उपाधि	प्राप्तकर्ता	दाता
गुरुदेव	रवीन्द्रनाथ टैगोर	महात्मा गाँधी
महात्मा	महात्मा गाँधी	रवीन्द्रनाथ टैगोर
राष्ट्रपिता	महात्मा गाँधी	सुभाष चन्द्र बोस
सरदार	बल्लभभाई पटेल	बारदोली की महिलाएँ
देशरत्न	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद	महात्मा गाँधी
नेताजी	सुभाष चन्द्र बोस	एडोल्फ हिटलर
राजा	राजा राममोहन राय	अकबर द्वितीय

समाचार-पत्र/प्रथम प्रकाशन वर्ष/प्रकाशक/सम्पादक

समाचार-पत्र	वर्ष	प्रकाशक/सम्पादक
बंगाल गजट	1816	गंगाधर भट्टाचार्य
दिग्दर्शन	1818	मार्शमैन
कलकत्ता जर्नल	1818	जेम्स सिल्क बकिंघम
संवाद कौमुदी	1821	राजा राममोहन राय
मिरातुल अखबार	1822	राजा राममोहन राय
बंगदत्त	1830	द्वारकानाथ टैगोर
रस्त गोफ्तार	1851	दादाभाई नौरोजी
सोमप्रकाश	1858	ईश्वरचन्द्र विद्यासागर
इण्डियन मिरर	1861	मनमोहन घोष
अमृत बाजार पत्रिका	1868	मोतीलाल घोष
बंगाली	1879	सुरेन्द्रनाथ बनर्जी
कविवचन सुधा	1867	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
भारत जीवन	1884	रामकृष्ण वर्मा
हिन्दुस्तान रिव्यू	1899	सच्चिदानन्द सिन्हा
मराठा	1881	बालगंगाधर तिलक
वन्देमातरम्	1905	अरविन्दो घोष
बॉम्बे क्रॉनिकल	1913	फिरोजशाह मेहता
न्यू इण्डिया	1915	ऐनी बेसेन्ट
इण्डिपेन्डेन्ट्स	1919	मोतीलाल नेहरू
कामरेड	1919	मोहम्मद अली
यंग इण्डिया	1919	महात्मा गाँधी
हरिजन	1933	महात्मा गाँधी

प्रमुख भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अधिवेशन

वर्ष	स्थान	अध्यक्ष
1885	बम्बई	डब्ल्यू.सी. बनर्जी
1886	कलकत्ता	दादाभाई नौरोजी
1887	मद्रास	सैयद बदरुद्दीन तैयबजी (प्रथम मुस्लिम अध्यक्ष)
1888	इलाहाबाद	जॉर्ज यूले (प्रथम अंग्रेज अध्यक्ष)
1889	बम्बई	सर विलियम वेडरबर्न
1890	कलकत्ता	फिरोजशाह मेहता
1892	इलाहाबाद	डब्ल्यू सी बनर्जी
1893	लाहौर	दादाभाई नौरोजी
1894	मद्रास	ए. वेब
1895	पूना	सुरेन्द्रनाथ बनर्जी
1896	कलकत्ता	एम. रहीमतुल्ला सयानी
1904	बम्बई	सर हेनरी कॉटन
1905	बनारस	जी के गोखले (स्वदेशी की माँग)
1906	कलकत्ता	दादाभाई नौरोजी ('स्वराज्य' शब्द का प्रथम बार प्रयोग)
1907	सूरत	रासबिहारी घोष (कांग्रेस का विभाजन)
1908	मद्रास	रासबिहारी घोष (कांग्रेस के लिए एक संविधान)
1909	लाहौर	मदनमोहन मालवीय
1910	इलाहाबाद	सर विलियम वेडरबर्न
1916	लखनऊ	ए सी मजूमदार (कांग्रेस का मुस्लिम लीग के साथ मिलना)
1917	कलकत्ता	एनी बेसेन्ट (प्रथम महिला अध्यक्ष)
1918	बम्बई	सैयद हसन इमाम
1918	दिल्ली	मदनमोहन मालवीय
1919	अमृतसर	पंडित मोतीलाल नेहरू
1921	अहमदाबाद	हकीम अजमल खान
1922	गया	सी आर दास
1923	दिल्ली (विशेष)	अबुल कलाम आजाद (सबसे कम उम्र के अध्यक्ष)
1924	बेलगाँव	महात्मा गाँधी
1925	कानपुर	श्रीमती सरोजिनी नायडू (प्रथम भारतीय महिला अध्यक्ष)
1926	गौहाटी	श्रीनिवास अयंगर
1927	मद्रास	एम ए अंसारी
1929	लाहौर	जवाहरलाल नेहरू

वर्ष	स्थान	अध्यक्ष
1932	दिल्ली	आर डी अमृतलाल
1933	कलकत्ता	श्रीमती नलिनी सेनगुप्ता
1934	बम्बई	राजेन्द्र प्रसाद
1936	लखनऊ	जवाहरलाल नेहरू
1937	फैजपुर	जवाहरलाल नेहरू (पहली बार गाँव में सत्र हुआ).
1938	हरिपुरा	सुभाषचन्द्र बोस
1939	त्रिपुरी	सुभाषचन्द्र बोस (बोस का त्याग-पत्र, राजेन्द्र प्रसाद का अध्यक्ष बनना)
1946	मेरठ	जे बी कृपलानी
1947	दिल्ली	राजेन्द्र प्रसाद

राष्ट्रीय स्वतन्त्रता आन्दोलन *महत्त्वपूर्ण संगठन*

संस्थाएँ	वर्ष	सूत्रधार/संस्थापक
एशियाटिक सोसायटी	1784	विलियम जोन्स
यंग बंगाल	1825	हेनरी लुई विवियन डिरोजियो
ब्रह्म समाज	1828	राजा राममोहन राय
ब्रिटिश सार्वजनिक सभा	1843	दादा भाई नौरोजी
रहनुमाई माजदयासन समाज	1851	दादा भाई नौरोजी
साइन्टिफिक सोसायटी	1862	सर सैयद अहमद खाँ
मोहम्मडन एंग्लो लिटरेरी सोसाइटी	1863	अब्दुल लतीफ
वेद समाज	1871	श्रीधरालु नायडू
प्रार्थना समाज	1867	केशव चन्द्र सेन
पूना सार्वजनिक सभा	1870	रानाडे/चिपलुणकर
आर्य समाज	1875	स्वामी दयानन्द सरस्वती
इण्डियन एसोसिएशन	1876	सुरेन्द्रनाथ बनर्जी
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	1885	ए ओ ह्यूम
बॉम्बे प्रेसीडेन्सी एसोसिएशन	1885	फिरोजशाह मेहता, तैलंग तथा तैयबजी
इण्डियन सोशल कान्फ्रेंस	1887	गोविन्द रानाडे
रामकृष्ण मिशन	1897	स्वामी विवेकानन्द
सर्वेंट्स ऑफ इण्डिया सोसायटी	1905	गोपाल कृष्ण गोखले
मुस्लिम लीग	1906	सलीमुल्ला एवं आगा खाँ
गदर पार्टी	1913	हरदयाल, काशीराम व सोहन सिंह
होमरूल लीग	1916	बाल गंगाधर तिलक
कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इण्डिया	1920	एम एन राय
सर्वेंट्स ऑफ पीपुल सोसायटी	1920	लाला लाजपत राय
अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस	1920	एन एम जोशी
स्वराज पार्टी	1923	मोतीलाल नेहरू, चितरंजन दास
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ	1925	के बी हेडगेवार
हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन	1928	चन्द्रशेखर आजाद, भगत सिंह
अखिल भारतीय किसान सभा	1936	एन जी रंगा व सहजानन्द
खुदाई खिदमतगार	1937	खान अब्दुल गफ्फार खान
फारवर्ड ब्लाक	1939	सुभाष चन्द्र बोस
रेडिकल डेमोक्रेटिव दल	1940	एम एन राय
आजाद हिन्द फौज	1943	सुभाष चन्द्र बोस

प्रमुख क्रान्तिकारी घटनाएँ

वर्ष	घटना	स्थान	क्रान्तिकारी
1897	कमिश्नर रैंड व एमहर्स्ट हत्याकाण्ड	पुणे	चापेकर बंधु
1908	किंग्सफोर्ड की हत्या का प्रयास (अलीपुर षड्यन्त्र काण्ड)	मुजफ्फरपुर	खुदीराम बोस व प्रफुल्ल चाकी
1909	जैक्सन हत्याकाण्ड	नासिक	अनन्त कन्हेरे
1909	कर्नल वाइली हत्याकाण्ड	लन्दन	मदनलाल धींगरा
1912	वायसराय हार्डिंग की हत्या का प्रयास (दिल्ली बमकाण्ड)	दिल्ली	रासबिहारी बोस व बसन्त कुमार
1927	काकोरी काण्ड	काकोरी	रामप्रसाद बिस्मिल व अशफाक उल्ला खाँ
1928	साण्डर्स हत्याकाण्ड	लाहौर	सरदार भगत सिंह
1930	शस्त्रागार डकैती काण्ड	चटगांव	सूर्यसेन
1940	जनरल डायर हत्याकाण्ड	लन्दन	ऊधमसिंह

राष्ट्रीय स्वतन्त्रता संग्राम के उद्‌बोधक नारे

- "स्वराज हमारा जन्म-सिद्ध अधिकार है।" लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक
- "सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा।" मोहम्मद इकबाल
- "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा।"
- नेताजी सुभाष चन्द्र बोस
- "हू लिव्स इफ इण्डिया डाइज" पं जवाहरलाल नेहरू
- "सरफरोशी की तमन्ना, अब हमारे दिल में है, देखना है जोर कितना बाजु-ए-कातिल में है।" रामप्रसाद 'बिस्मिल'
- "हिन्दी, हिन्दू, हिन्दोस्तान" भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
- "वन्देमातरम्।" बंकिमचन्द्र चटर्जी
- "वेदों की ओर लौटो।" महर्षि दयानन्द सरस्वती
- "इन्कलाब जिन्दाबाद।" सरदार भगत सिंह
- "दिल्ली चलो।" नेताजी सुभाष चन्द्र बोस
- "करो या मरो।" महात्मा गाँधी
- "पूर्ण स्वराज" पं जवाहरलाल नेहरू
- "जयहिन्द" नेताजी सुभाष चन्द्र बोस
- "अंग्रेजों भारत छोड़ो" महात्मा गांधी
- "विजयी विश्व तिरंगा प्यारा" श्यामलाल गुप्ता

अंग्रेजी शासन के दौरान हुए महत्त्वपूर्ण विद्रोह

आन्दोलन/विद्रोह	सम्बन्धित नेता/नेतृत्व	विद्रोह का वर्ष
संन्यासी विद्रोह	केना सरकार, दिरजीनारायण	1763-1800
चुआर विद्रोह	दुर्जन सिंह	1798
वेलुथाम्पी विद्रोह	वेलुथाम्पी	1808-09
भील विद्रोह	सेवाराम	1825-31
रामोसी विद्रोह	चित्तर सिंह	1822-29
पागलपन्थी विद्रोह	टीपू	1825-27
अहोम विद्रोह	गोमधर कुँवर	1828
वहाबी आन्दोलन	सैयद अहमद टीटूमीर	1831
कोल आन्दोलन	नारायण राव	1831-32
खासी विद्रोह	तीरथ सिंह	1833
फैराजी आन्दोलन	शरीयतुल्ला	1839
संथाल विद्रोह	सिद्धू कान्हू	1855-57
मुण्डा विद्रोह	बिरसा मुण्डा	1899-1900
नील आन्दोलन	दिगम्बर	1859-60
पाबना विद्रोह	ईशानचन्द्र राय एवं शम्भुपाल	1873-76
मोपला विद्रोह	अली मुदालियार	1920-22
कूका आन्दोलन	भगत जवाहरमल	–
रम्पा विद्रोह	सीताराम राजू	1879-1922
तानाभगत आन्दोलन	जतरा भगत	1914
तेभागा आन्दोलन	कम्पाराम सिंह एवं भंवन सिंह	1946
तेलंगाना आन्दोलन	–	1946

भारतीय इतिहास के प्रमुख युद्ध

युद्ध	तिथि/वर्ष	पक्ष
वितस्ता/झेलम का युद्ध	326 ई.पू.	सिकन्दर व पोरस
तराइन का प्रथम युद्ध	1191	मुहम्मद गौरी व पृथ्वीराज चौहान
तराइन का द्वितीय युद्ध	1192	मुहम्मद गौरी व पृथ्वीराज चौहान
चन्दावर का युद्ध	1194	मुहम्मद गौरी व राजा जयचन्द
पानीपत का प्रथम युद्ध	1526	बाबर व इब्राहिम लोदी
खानवा का युद्ध	1527	बाबर व राणा सांगा
चन्देरी का युद्ध	1528	बाबर व मेदिनीराय
चौसा का युद्ध	1529	हुमायूँ व शेरशाह सूरी
घाघरा का युद्ध	1539	बाबर व अफगान
बिलग्राम का युद्ध	1540	शेरशाह सूरी व हुमायूँ
पानीपत का द्वितीय युद्ध	1556	अकबर व हेमू
तालीकोटा का युद्ध	1565	बहमनी व विजयनगर
हल्दीघाटी का युद्ध	1576	राणा प्रताप व अकबर
असीरगढ़ का युद्ध	1599-1600	अकबर व मीरन बहादुर
करनाल का युद्ध	1739	नादिरशाह व मुगल सम्राट
प्लासी का युद्ध	1757	क्लाइव व सिराजुद्दौला
वाण्डिवाश का युद्ध	1760	अंग्रेज व फ्रांसीसी
पानीपत का तृतीय युद्ध	1761	अहमदशाह अब्दाली व मराठे
बक्सर का युद्ध	1764	अंग्रेज तथा संयुक्त सेना
प्रथम मैसूर युद्ध	1767-69	हैदरअली व अंग्रेज
द्वितीय मैसूर युद्ध	1780-84	हैदरअली व अंग्रेज
तृतीय मैसूर युद्ध	1790	टीपू सुल्तान व अंग्रेज
चतुर्थ मैसूर युद्ध	1799	टीपू सुल्तान व अंग्रेज
चिलियान वाला युद्ध	1849	ईस्ट इण्डिया कम्पनी व सिख
भारत-चीन सीमा युद्ध	1962	भारत व चीन
भारत-पाक युद्ध	1965	भारत व पाकिस्तान
भारत-पाक युद्ध	1971	भारत व पाकिस्तान
कारगिल युद्ध	1999	भारत व पाकिस्तान

भारत में संवैधानिक विकास

एक्ट का नाम	प्रमुख प्रावधान
1773 का रेग्यूलेटिंग एक्ट	▪ कोर्ट ऑफ डाइरेक्टर का कार्यकाल एक वर्ष के स्थान पर 4 वर्ष का हो गया। ▪ बंगाल का प्रशासक अंग्रेजी क्षेत्रों का गवर्नर जनरल बना। ▪ कलकत्ता में सुप्रीम कोर्ट की स्थापना की गई। ▪ कर्मचारियों का निजी व्यापार प्रतिबन्धित कर दिया गया।
1784 का पिट्स इंडिया एक्ट	▪ द्वैध शासन की स्थापना कोर्ट ऑफ डाइरेक्टर्स तथा बोर्ड ऑफ कंट्रोल। ▪ गवर्नन-जनरल कौंसिल के सदस्यों को नियम तथा अध्यादेश पारित करने का अधिकार दिया। ▪ छह कमिश्नरों के एक बोर्ड का गठन।
1793 का चार्टर एक्ट	▪ कम्पनी का भारत में व्यापार करने का अधिकार 20 वर्ष के लिए बढ़ा। ▪ गवर्नर-जनरल का बम्बई तथा मद्रास प्रेसीडेंसी पर भी शासन हो गया।
1833 का चार्टर एक्ट	▪ बंगाल के गवर्नर को भारत का गवर्नर-जनरल बना दिया गया। ▪ कम्पनी का व्यापारिक एकाधिकार पूर्णत: समाप्त हो गया, उसे अब केवल राजनीतिक अधिकार थे।
1858 का भारत सरकार अधिनियम	▪ भारत का प्रशासन ब्रिटिश क्राउन को सौंपा गया। ▪ भारत का गवर्नर-जनरल अब भारत का वायसराय कहलाने लगा। ▪ समस्त अधिकार भारत सचिव (Secretary of State for India) को सौंप दिए गए। ▪ 15 सदस्यीय भारत परिषद का गठन।
1861 का भारतीय परिषद् अधिनियम	▪ गवर्नर जनरल की शासकीय परिषद् में अब भारतीय भी शामिल किए जा सकते थे। ▪ परिषद् को कानून बनाने की शक्ति प्रदान की गयी, जिसके अन्तर्गत लॉर्ड कैनिंग ने विभागीय प्रणाली का सूत्रपात किया, इसी से मंत्रिमण्डलीय प्रणाली का जन्म हुआ।
1892 का भारतीय परिषद् अधिनियम	▪ परिषद् के सदस्य बजट पर वाद-विवाद व प्रश्न पूछ सकते थे कितु उस पर वोट देने का अधिकार उन्हें नहीं दिया गया। ▪ इस अधिनियम का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण प्रावधान चुनाव पद्धति का सूत्रपात होना था।
1909 का भारतीय परिषद् अधिनियम	▪ केंद्रीय कौंसिल में सदस्यों की संख्या बढ़ाकर 60 कर दी गई। ▪ राज्य कौंसिलों में भी सदस्यों की संख्या बढ़ाई गई। ▪ मुस्लिमों के लिए पृथक् निर्वाचन क्षेत्र की व्यवस्था। ▪ विधान परिषद् के सदस्य, अध्यक्ष की सहमति से सार्वजनिक हितों से सम्बन्धित प्रश्न पूछ सकते थे।
1919 का भारत सरकार अधिनियम	▪ भारतीय कार्यों की देखभाल के या मांटेग्यू चेम्सफोर्ड सुधारं के लिए भारतीय उच्चायुक्त की नियुक्ति ▪ साम्प्रदायिक निर्वाचन के दायरे में सिख, एंग्लो-इण्डियन, भारतीय ईसाई और यूरोपियन भी शामिल किए गए। ▪ पहली बार उत्तरदायी शासन शब्द का स्पष्ट प्रयोग किया गया तथा प्रत्यक्ष निर्वाचन प्रणाली लागू की गई। प्रान्तों में द्वैध-शासन-व्यवस्था को प्रारम्भ किया गया।
1935 भारत सरकार अधिनियम	▪ केन्द्र में द्वैध शासन की व्यवस्था की गई। संघीय विषयों को दो भागों-संरक्षित एवं हस्तांतरित में विभाजित किया गया। ▪ इस अधिनियम में किसी प्रकार के परिवर्तन का अधिकार ब्रिटिश संसद के पास था। ▪ इसके द्वारा रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की स्थापना की गई।

भूगोल

भौतिक भूगोल

ब्रह्माण्ड

- ➤ हिकेटियस को 'भूगोल का पिता' कहा जाता है।
- ➤ टॉलमी ने सर्वप्रथम मानचित्र कला का प्रयोग किया।
- ➤ कॉपरनिकस ने यह सर्वप्रथम प्रतिपादित किया कि सूर्य हमारे सौरमण्डल का केन्द्र है और पृथ्वी उसकी परिक्रमा करती है।
- ➤ दूरबीन का आविष्कार गैलीलियो ने किया था।
- ➤ यूरेनस की खोज विलियम हर्शेल ने की थी।
- ➤ ब्रह्माण्ड उत्पत्ति का बिग बैंग सिद्धान्त अलेक्जेण्डर फ्रीडमैन ने दिया था।
- ➤ असंख्य तारों के समूह को आकाशगंगा (गैलेक्सी) कहते हैं।
- ➤ एक अनुमान के अनुसार ब्रह्माण्ड में 10^{10} मिलियन आकाशगंगा हैं।
- ➤ हमारा सौरमण्डल जिस आकाशगंगा में स्थित है उसे मंदाकिनी कहते हैं। यह सर्पिलाकार है।
- ➤ ऑरियन नेबुला हमारी आकाशगंगा के सबसे शीतल एवं चमकीले तारों का समूह है।
- ➤ मंगल एवं बृहस्पति ग्रह के बीच क्षुद्रग्रह पाए जाते हैं।
- ➤ हाइड्रा सबसे बड़ा ज्ञात तारामण्डल है।
- ➤ हमारे सौरमण्डल में कुल 8 ग्रह—बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति, शनि, यूरेनस एवं नेपच्यून हैं।
- ➤ आकार के अनुसार ग्रहों का क्रम क्रमशः बृहस्पति, शनि, यूरेनस, नेपच्यून, पृथ्वी, शुक्र, मंगल एवं बुध है।
- ➤ सूर्य से बढ़ती दूरी के आधार पर ग्रहों का क्रम क्रमशः बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति, शनि, यूरेनस एवं नेपच्यून है।
- ➤ शुक्र एवं अरुण (यूरेनस) को छोड़कर अन्य सभी ग्रहों के घूर्णन एवं परिक्रमण की दिशा (पश्चिम से पूर्व) एक ही है।
- ➤ बुध एवं शुक्र को आन्तरिक ग्रह माना जाता है।
- ➤ सूर्य के केन्द्र से बाहर की ओर स्तर क्रमशः केन्द्र, फोटोस्फीयर, क्रोमोस्फीयर एवं कोरोना होते हैं।
- ➤ पृथ्वी के निकटतम तारे क्रमशः सूर्य एवं प्रोक्सिमा सेंचुरी हैं।

सौरमण्डल

सूर्य *'स्मार्ट' तथ्य*

▪ पृथ्वी से न्यूनतम दूरी	14.70 करोड़ किमी
▪ पृथ्वी से अधिकतम दूरी	15.21 करोड़ किमी
▪ पृथ्वी से मध्यम दूरी	14.98 करोड़ किमी
▪ सूर्य का व्यास	13,92,200 किमी
▪ सूर्य का अर्द्ध व्यास	6,96,100 किमी (पृथ्वी के अर्द्ध व्यास से 109 गुना अधिक)
▪ आयतन	पृथ्वी से 13 लाख गुना अधिक
▪ द्रव्यमान	पृथ्वी से 3,32,000 गुना
▪ फोटोस्फीयर ताप (सतह का ताप)	6000° सेग्रे
▪ केन्द्र का ताप	15 मिलियन सेग्रे
▪ ऊर्जा उत्सर्जन	10^{26} जूल/सेकण्ड
▪ घूर्णन अवधि	25.38 दिन (भू-मध्य रेखा के सापेक्ष) और 33 दिन (ध्रुवों के सापेक्ष)
▪ रासायनिक संघटन	हाइड्रोजन 70%, हीलियम 28.5% तथा अन्य तत्त्व 2%
▪ आयु	लगभग 5 बिलियन वर्ष
▪ प्रकाश को पृथ्वी पर पहुँचने में लगने वाला समय	8 मिनट, 18 सेकण्ड
▪ सूर्य के प्रकाश की चाल	3×10^8 मी/से (3 लाख किमी/से)

सौरमण्डल *'स्मार्ट' तथ्य*

सबसे बड़ा ग्रह	बृहस्पति (Jupiter)
सबसे छोटा ग्रह	बुध (Mercury)
पृथ्वी का उपग्रह	चन्द्रमा (Moon)
सूर्य के सबसे निकट ग्रह	बुध (Mercury)
सूर्य से सबसे दूर स्थित ग्रह	वरुण (Neptune)
पृथ्वी के सबसे निकट स्थित ग्रह	शुक्र (Venus)
सबसे अधिक चमकीला ग्रह	शुक्र (Venus)
सबसे अधिक चमकीला तारा	साइरस (Dog Star)
सबसे अधिक उपग्रहों वाला ग्रह	शनि (Saturn)
सबसे अधिक ठण्डा ग्रह	वरुण (Neptune)
सबसे अधिक गर्म ग्रह	शुक्र (Venus)
रात्रि में लाल दिखाई देने वाला ग्रह	मंगल (Mars)

सबसे बड़ा उपग्रह	गैनीमेड (Gannymede)
सबसे छोटा उपग्रह	डीमोस (Deimos)
नीला ग्रह	पृथ्वी (Earth)
भोर का तारा	शुक्र (Venus)
साँझ का तारा	शुक्र (Venus)
पृथ्वी की बहन	शुक्र (Venus)
हरा ग्रह	वरुण (Neptune)
विशाल लाल धब्बे वाला ग्रह	बृहस्पति (Jupiter)

निक्स ओलंपिया मंगल ग्रह पर स्थित सर्वोच्च पर्वत है, जो माउण्ट एवरेस्ट की तुलना में तीन गुना ऊँचा है।

ग्रह *'स्मार्ट' तथ्य*

ग्रह	सूर्य की परिक्रमा अवधि	अपने अक्ष पर घूर्णन की अवधि	उपग्रह संख्या
बुध	88 दिन	58.6 दिन	0
शुक्र	224.7 दिन	243 दिन	0
पृथ्वी	365.26 दिन	23.9 घण्टा	1
मंगल	687 दिन	24.6 घण्टा	2
बृहस्पति	11.9 वर्ष	9.9 घण्टा	63
शनि	29.5 वर्ष	10.3 घण्टा	60
अरुण	84.0 वर्ष	17.2 घण्टा	27
वरुण	164.8 वर्ष	17.1 घण्टा	13

पृथ्वी *'स्मार्ट' तथ्य*

▪ पृथ्वी की अनुमानित आयु	4.6 अरब वर्ष
▪ सम्पूर्ण धरातलीय क्षेत्रफल	51,01,00,500 वर्ग किमी
▪ भूमि क्षेत्रफल (29.08%)	14,89,50,800 वर्ग किमी
▪ जलीय क्षेत्रफल (सम्पूर्ण धरातल का 70.92%)	36,11,49,700 वर्ग किमी
▪ औसत घनत्व	5.52 ग्राम प्रति घन सेमी
▪ विषुवत रेखीय व्यास	12,756 किमी
▪ ध्रुवीय व्यास	12,714 किमी
▪ गुरुत्वाकर्षण से बाहर निकलने के लिए आवश्यक निर्गमन गति	11.2 किमी/सेकण्ड
▪ पृथ्वी का द्रव्यमान	5.880×10^{24} किग्रा
▪ पृथ्वी का आयतन	10,83,20,88,40,000 घन किमी
▪ समुद्र तल से पृथ्वी की सर्वाधिक ऊँचाई	8,848 मी (माउण्ट एवरेस्ट)
▪ समुद्र तल से सागर की सर्वाधिक गहराई	11,033 मी (मेरियाना ट्रेन्च) प्रशान्त महासागर, फिलीपीन्स के पूर्व में
▪ पृथ्वी के धरातल का सर्वाधिक निचला स्थान	मृत सागर (Dead Sea) 396 मी (इजराइल, जॉर्डन)
▪ पृथ्वी द्वारा अपने अक्ष पर घूर्णन अवधि	23 घण्टे, 56 मिनट, 40.91 सेकण्ड
▪ पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा अवधि	365 दिन, 5 घण्टे, 48 मिनट, 45.51 सेकण्ड
▪ अक्ष का कक्ष के तल से झुकाव	23°27′
▪ सूर्य से माध्य दूरी	14,94,07,7,000 किमी
▪ भूमध्यरेखा पर परिधि	40,075 किमी
▪ ध्रुवीय परिधि	40,024 किमी
▪ सूर्य से सबसे नजदीक की अवस्था उपसौर (Perihelion)	3 जनवरी
▪ सूर्य से सबसे ज्यादा दूरी की अवस्था सूर्योच्च या अपसौर (Aphelion)	4 जुलाई
▪ धरातल का औसत तापमान	283°K (10°C या 50°F)

चन्द्रमा *'स्मार्ट' तथ्य*

▪ पृथ्वी से माध्य दूरी	3,82,200 किमी
▪ व्यास	3,475 किमी
▪ चन्द्रमा का द्रव्यमान पृथ्वी के द्रव्यमान के अनुपात में	1: 8.1
▪ चन्द्रमा तथा पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण बलों में अनुपात	1 ; 6
▪ चन्द्रमा की सतह का अदृश्य भाग	41%
▪ चन्द्रमा की पृथ्वी से अधिकतम दूरी (अपभू दूरी)	4,06,000 किमी
▪ चन्द्रमा की पृथ्वी से न्यूनतम दूरी (उपभू दूरी)	3,64,000 किमी
▪ चन्द्रमा की पृथ्वी के चारों ओर घूमने की अवधि (परिभ्रमण काल)	27 दिन, 7 घण्टे, 43 मिनट, 11.47 सेकण्ड
▪ चन्द्रमा की घूर्णन अवधि (अपने अक्ष पर)	25 दिन, 7 घण्टे, 43 मिनट, 11.47 सेकण्ड
▪ चन्द्रमा के उच्चतम पर्वत की ऊँचाई	35,000 फीट (लीबनिट्ज पर्वत जो चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर स्थित है)
▪ चन्द्रमा के प्रकाश को पृथ्वी तक पहुँचने में लगा समय	1.3 सेकण्ड

अन्तरिक्ष की प्रमुख माप इकाइयाँ

- प्रकाश वर्ष = 6×10^{12} मील (9.46×10^{12} किमी)
- खगोलीय इकाई = 1.496×10^{8} किमी
- पारसेक = 3.26 प्रकाश वर्ष
- कॉस्मिक वर्ष = 225 मिलियन वर्ष

खोजे गए प्रमुख नये ग्रह

- केपलर 22 बी
- केपलर 20 ई
- केपलर 20 एफ
- एचडी 85512 बी
- जीएल 581 जी
- PSRJ 11719-1438



स्थलमण्डल

- ➤ पृथ्वी की आकृति जियॉड एवं लक्ष्वक्ष गोलाभ है।
- ➤ पृथ्वी की घूर्णन गति (परिभ्रमण) के कारण दिन एवं रात की घटना होती है। पृथ्वी की परिक्रमण गति के कारण ऋतु परिवर्तन होता है।
- ➤ नक्षत्र दिवस का मान 23 घण्टे, 56 मिनट तथा 0.099 सेकण्ड होता है।
- ➤ पृथ्वी सूर्य का एक चक्कर 365.24 दिन में लगाती है।
- ➤ पृथ्वी के नीचे जाने पर प्रति 32 किमी की गहराई पर 1°C तापमान बढ़ता जाता है।
- ➤ कोरिऑलिस प्रभाव (Coriolis Effect) तथा फॉकल्ट पेण्डुलम (Foucault Pendulum) द्वारा पृथ्वी के घूर्णन को समझा जा सकता है तथा स्टेलर परालैक्सेस (Stellar Parallaxes) द्वारा पृथ्वी के परिक्रमण को समझा जा सकता है।
- ➤ बसन्त विषुव की घटना 21 मार्च (दिन-रात समान) को तथा शरद् विषुव की घटना 23 सितम्बर (दिन-रात समान) को होती है।
- ➤ सूर्यग्रहण की घटना सदैव अमावस्या को ही होती है परन्तु चन्द्रमा के कक्ष तलों में 5° झुकाव के कारण प्रत्येक अमावस्या को नहीं होती है।
- ➤ सूर्यग्रहण की घटना में पृथ्वी एवं सूर्य के बीच चन्द्रमा आ जाता है। सूर्यग्रहण के समय सूर्य के दिखाई देने वाले भाग को सूर्य किरीट (Carona) कहते हैं।
- ➤ एक वर्ष में न्यूनतम दो एवं अधिकतम सात ग्रहण हो सकते हैं।
- ➤ चन्द्रग्रहण की घटना, सूर्य एवं चन्द्रमा के बीच पृथ्वी के आ जाने के कारण होती है।
- ➤ चन्द्रग्रहण सदैव पूर्णिमा को पड़ते हैं, लेकिन पृथ्वी एवं चन्द्रमा के कक्ष तलों में 5° के झुकाव के कारण प्रत्येक पूर्णिमा को नहीं पड़ते।
- ➤ ग्लोब पर पश्चिम से पूर्व की ओर खींची गई काल्पनिक रेखाओं को अक्षांश कहते हैं।
- ➤ अक्षांश रेखाओं की कुल संख्या 180 है।
- ➤ प्रति 1 डिग्री की अक्षांशीय दूरी लगभग 111 किमी होती है। 0° अक्षांश रेखा को भूमध्य रेखा भी कहते हैं।
- ➤ 23.5° उत्तरी अक्षांश को कर्क रेखा तथा 23.5° दक्षिणी अक्षांश को मकर रेखा कहते हैं।
- ➤ पृथ्वी पर दो अक्षांशों के मध्य कोणीय दूरी को देशान्तर कहते हैं। दो देशान्तर रेखाओं के बीच की दूरी गोरे नाम से जानी जाती है।
- ➤ 0° देशान्तर रेखा (ग्रीनविच रेखा) को पृथ्वी की मानक समय रेखा माना जाता है।
- ➤ पृथ्वी 4 मिनट में 1° देशान्तर दूरी तय करती है।
- ➤ अन्तर्राष्ट्रीय तिथि रेखा की कल्पना 180° देशान्तर पर उत्तर से दक्षिण की गई है। इस रेखा के पूर्व एवं पश्चिम में एक दिन का अन्तर माना जाता है।
- ➤ भारत की मानक समय रेखा 82.5° पूर्वी देशान्तर है जो नैनी, इलाहाबाद से गुजरती है।
- ➤ पृथ्वी की आन्तरिक संरचना को क्रमशः क्रस्ट, मैण्टिल एवं कोर नामक तीन परतों में विभाजित किया जाता है।
- ➤ क्रस्ट में सर्वाधिक मात्रा में पाया जाने वाला तत्त्व ऑक्सीजन (46.8%) है।
- ➤ सम्पूर्ण पृथ्वी में लोहा (35%) सर्वाधिक मात्रा में पाया जाने वाला तत्त्व है।
- ➤ पृथ्वी पर 70.2% भाग में जलमण्डल तथा 29.8% भाग में स्थलमण्डल है।

चट्टानों का रूपान्तरण

मूल चट्टान	रूपान्तरित चट्टान
शेल	स्लेट
चूना पत्थर	संगमरमर
चॉक तथा डोलोमाइट	संगमरमर
बलुआ पत्थर	क्वार्ट्जाइट
ग्रेनाइट	नीस
बेसाल्ट	सिस्ट
स्लेट	फाइलाइट
कांग्लोमरेट	क्वार्ट्जाइट

विभिन्न स्थलाकृतियाँ

स्थलाकृतियाँ	क्षेत्रफल (% में)
मैदान	41
पठार	33
रेगिस्तान	20
पहाड़ियाँ	14
पर्वत	12

सागरीय जल द्वारा निर्मित प्रमुख स्थलाकृतियाँ

1. तटीय क्लिफ
2. स्टैक
3. रोधिका
4. लूप
5. स्पिट
6. पुलिन

पवन द्वारा निर्मित प्रमुख स्थलाकृतियाँ

1. वात गर्त
2. मशरूम रॉक
3. इन्सेलबर्ग
4. बरखान
5. छत्रक शिला
6. भू-स्तम्भ
7. बालुका स्तूप
8. लोयस
9. ज्यूमेन
10. यारडंग

हिमनद से निर्मित प्रमुख स्थलाकृतियाँ

1. U घाटियाँ	2. हिमोढ़
3. लटकती घाटी	4. हार्न (गिरिशृंग)
5. भेड़ पीठ (रॉश मुटोने)	6. ड्रमलिन
7. सर्क (हिमगह्वर)	8. यारडंग
9. फियोर्ड	10. एस्कर

विश्व के प्रमुख ज्वालामुखी

ज्वालामुखी	देश/स्थल
कोटोपेक्सी	इक्वेडोर
पोपोकैटेपिटल	मैक्सिको
मोनालोआ	अमेरिका (हवाई द्वीप)
इरेबस	अण्टार्कटिका
एटना	इटली (सिसली)
सेण्ट हेलेन्स	अमेरिका
विसूवियस	इटली (नैपल्स खाड़ी)
किलाउया	हवाई द्वीप
स्ट्राम्बोली	आइसलैण्ड (भूमध्य सागर)
क्राकाटोओ	इण्डोनेशिया

नदी द्वारा निर्मित प्रमुख स्थलाकृतियाँ

1. V घाटी	2. जलोढ़ पंख
3. गार्ज, कैनियन	4. जलोढ़ शंकु
5. नदी विसर्प	6. बालुका तट
7. जल-प्रपात	8. प्राकृतिक तटबन्ध
9. डेल्टा	10. समतल मैदान

कार्स्ट निर्मित प्रमुख स्थलाकृतियाँ

1. लैपीज	2. अन्धी घाटी
3. डोलाइन	4. घोल घाटी
5. युवाला	6. स्टैलेग्टाइट
7. पोल्जे	8. स्टैलेक्माइट

वायुमण्डल

➤ वायुमण्डल में जलवाष्प लगभग 2% पाई जाती है, परन्तु मौसम की क्रियाओं के लिए यह अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है।

➤ धूल के कण, सूर्य से आने वाली किरणों के प्रकीर्णन का भी कार्य करते हैं, जिसके कारण आकाश का रंग नीला दिखाई देता है।

➤ वायुमण्डल का औसत तापमान 280 K है।

➤ दिन के उच्चतम तथा न्यूनतम ताप के अन्तर को दैनिक तापान्तर कहते हैं।

➤ महीने के उच्चतम एवं न्यूनतम ताप के अन्तर को मासिक तापान्तर कहा जाता है।

➤ वार्षिक तापान्तर, वर्ष के अधिकतम एवं न्यूनतम ताप का अन्तर होता है।

वायुमण्डल की संरचना

मण्डल	ऊँचाई (किमी)	विशेष तथ्य
क्षोभमण्डल	0-18	मौसमी घटनाएँ होती हैं।
समतापमण्डल	18-50	वायु परिवहन होता है तथा ओजोन परत पाई जाती है।
मध्यमण्डल	50-80	ऊँचाई के साथ तापमान में गिरावट होती है।
आयनमण्डल	80-640	विद्युत आवेशित कण पाए जाते हैं। रेडियो तरंगें इसी मण्डल से वापस पृथ्वी पर लौटती हैं।
बाह्यमण्डल	640 किमी से ऊपर	तापमान 5000°C होता है।

➤ समदाब रेखाएँ (आइसोबार) सागर तल पर समान वायुदाब वाले क्षेत्रों को मिलाने वाली रेखा होती हैं।

➤ सागर तल पर वायुदाब सर्वाधिक (1013.25 mb) होता है।

वायुमण्डल में गैसों का वितरण

1. नाइट्रोजन	78.084%
2. ऑक्सीजन	20.94%
3. ऑर्गन	0.93%
4. कार्बन डाइ-ऑक्साइड	0.031%
5. हाइड्रोजन	0.00005%

वायुदाब पेटियाँ

➤ हवाओं की दिशा, पृथ्वी के घूर्णन के कारण उत्पन्न कोरिऑलिस बल से निर्धारित होती है।

➤ हवा, उच्च वायुदाब से निम्न वायुदाब की ओर बहती है।

➤ वाणिज्य पवनें 30° अक्षांशों से विषुवतरेखीय पवनों की ओर स्थायी रूप से चलती हैं।

➤ पछुआ पवनें उपोष्ण उच्च वायुदाब से उपध्रुवीय निम्न वायुदाब कटिबन्ध की ओर वर्ष भर बहती हैं।

➤ पछुआ पवनों को 40° दक्षिणी अक्षांश के पास गरजता चालीसा, 50° दक्षिणी अक्षांश के पास प्रचण्ड पचासा एवं 60° दक्षिणी अक्षांश के पास चीखता साठा कहते हैं।

स्थानीय पवनें

स्थानीय पवन	सम्बन्धित स्थल	स्थानीय पवन	सम्बन्धित स्थल
फॉन	आल्पस पर्वत	बर्ग	दक्षिण अफ्रीका
चिनूक	उत्तरी अमेरिका	सिमूम	ईरान
मिस्ट्रल	फ्रांस	सान्ता आना	कैलिफोर्निया
सिरक्को	सहारा मरुस्थल	लू	भारत-पाकिस्तान

बादल के प्रकार

बादल	विशेष तथ्य
▪ पक्षाभ बादल	सर्वाधिक ऊँचाई पर पाए जाते हैं तथा चक्रवात की सूचना देते हैं।
▪ पक्षाभ स्तरीय बादल	सूर्य एवं चन्द्रमा के चारों ओर प्रभामण्डल बनाते हैं तथा चक्रवातों की भी सूचना देते हैं।
▪ उच्च स्तरीय बादल	विस्तृत तथा लगातार वर्षा करते हैं।
▪ वर्षा स्तरीय बादल	काले रंग के होते हैं तथा अधिक वर्षा करते हैं।
▪ कपासी बादल	गोभी के फूल के समान आकार; प्रायः मौसम साफ रहता है।
▪ कपासी वर्षा बादल	अत्यधिक विस्तृत तथा घने होते हैं। पर्वत सदृश्य आकार का होता है। ओला, तड़ित झंझा के साथ मूसलाधार वर्षा करते हैं।

➤ चक्रवात निम्न दाब के केन्द्र होते हैं। इनमें केन्द्र से बाहर की ओर वायुदाब बढ़ता जाता है।

➤ चक्रवातों की दिशा उत्तरी गोलार्द्ध में घड़ी की सुइयों के विपरीत वामावर्त तथा दक्षिणी गोलार्द्ध में घड़ी की सुइयों के अनुकूल दक्षिणावर्त होती हैं।

➤ जब केन्द्र में दाब अधिक होता है तो केन्द्र से हवाएँ बाहर की ओर चलती हैं, जिसे प्रति चक्रवात कहते हैं।

➤ भूमध्य रेखा के आस-पास अल्प दाब का क्षेत्र डोलड्रम कहलाता है।

➤ एक अति निम्न दाब के केन्द्र को टॉरनेडो कहते हैं।

➤ उष्णकटिबन्धीय चक्रवात दोनों गोलार्द्धों में 8° से 24° अक्षांशों के बीच उत्पन्न होते हैं।

➤ उष्णचक्रवात, महासागरों (जलराशि) के ऊपर अधिक सक्रिय होते हैं।

➤ विषुवत् रेखा पर कोरिऑलिस बल के कारण उष्णचक्रवात, उत्पन्न नहीं होते हैं।

प्रमुख स्थानीय चक्रवात

चक्रवात	सम्बन्धित स्थल
टॉरनेडो	मिसीसिपी नदी बेसिन (अमेरिका)
टाइफून	चीन, जापान, फिलीपीन्स
विली-विली	उत्तरी-पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया
हरिकेन	मैक्सिको खाड़ी
डोना	यूएसए
ठाणे	भारत
कैटरिना	यूएसए

जलमण्डल

पृथ्वी पर जल वितरण

▪ महासागर	97.25%
▪ हिमनद	2.05%
▪ भूमिगत जल	0.68%
▪ नदियाँ एवं झीलें	0.02%

➤ सागरीय जल का उच्चतम वार्षिक तापमान अगस्त में तथा न्यूनतम फरवरी माह में अंकित किया जाता है।

➤ सागरीय जल का औसत वार्षिक तापान्तर 10°F होता है।

➤ समुद्र में 24 घण्टे में दो बार ज्वार-भाटा आता है।

➤ महासागरों का औसत वार्षिक तापक्रम 63°F (17.2°C) होता है।

➤ दक्षिणी गोलार्द्ध की अपेक्षा उत्तरी गोलार्द्ध में समुद्री जल का तापमान अधिक पाया जाता है।

➤ सागरीय जल में सर्वाधिक मात्रा में पाए जाने वाले लवण क्रमशः सोडियम क्लोराइड, मैग्नीशियम क्लोराइड हैं।

➤ महासागरों की औसत लवणता 35% है।

➤ समान खारेपन वाले स्थानों को मिलाकर खींची गई रेखा को समलवण रेखा (Isohaline) कहते हैं।

सर्वाधिक लवणता वाले क्षेत्र (क्रमानुसार)

1. वान झील	2. मृत सागर
3. साल्ट लेक	4. लाल सागर
5. फारस की खाड़ी	6. रूम सागर

महासागर व समुद्री जलधाराएँ

महासागर (वर्ग किमी)	जलधारा
प्रशान्त महासागर (क्षे. 16,57,23,740)	▪ क्यूरोशियो (सुशिमा) धारा ▪ क्यूराइल (कमचटका) धारा ▪ कैलीफोर्निया धारा ▪ पूर्वी ऑस्ट्रेलियाई धारा ▪ पेरू (हम्बोल्ट) धारा
हिन्द महासागर (क्षे. 7,34,25,500)	▪ दक्षिण-पश्चिम मानसूनी धारा ▪ उत्तर-पश्चिम मानसूनी धारा ▪ मोजाम्बिक धारा ▪ अंगुलहास धारा
अटलाण्टिक महासागर (क्षे. 8,29,63,800)	▪ फ्लोरिडा धारा ▪ गल्फ स्ट्रीम ▪ लैब्रोडोर धारा ▪ ग्रीनलैण्ड धारा

प्रशान्त महासागर में गुआम द्वीप के समीप स्थित मेरियाना गर्त सबसे गहरा गर्त है। इसे चैलेन्जर गर्त भी कहते हैं।

विश्व का भूगोल

विश्व महाद्वीप

महाद्वीप	क्षेत्रफल (% में)	महाद्वीप	क्षेत्रफल (% में)
एशिया	29.5	अण्टार्कटिका	9.6
अफ्रीका	20.0	यूरोप	6.5
उत्तरी अमेरिका	16.3	ऑस्ट्रेलिया	5.2
दक्षिणी अमेरिका	11.8		

विश्व प्रमुख सागर

सागर	क्षेत्रफल (वर्ग किमी में)	गहराई (मी में)
दक्षिण चीन सागर	81,42,960	1200
कैरीबियन सागर	27,53,000	2,400
भूमध्य सागर	25,03,000	1,485
बेरिंग सागर	22,68,180	1,400
पूर्व चीन सागर	12,49,150	188
अण्डमान सागर	7,97,720	865
ओखोटस्क सागर	15,27,570	840

विश्व प्रमुख गर्त

महासागरीय गर्त	स्थिति
चैलेन्जर/मेरियाना गर्त	उ. प्रशान्त महासागर
टोंगा गर्त	द. प्रशान्त महासागर
फिलीपीन्स गर्त	उ. प्रशान्त महासागर
टासकरोरा गर्त	उ. प्रशान्त महासागर
प्यूर्टोरिको गर्त	उ. अटलाण्टिक महासागर

विश्व प्रमुख पर्वत

पर्वत	स्थिति	सर्वोच्च चोटी	अधिकतम ऊँचाई (मी)
हिमालय	एशिया	माउण्ट एवरेस्ट	8848
एण्डीज	दक्षिण अमेरिका	अकांकागुआ	6960
रॉकी	उत्तरी अमेरिका	माउण्ट एल्बर्ट	4400
काराकोरम	एशिया	गॉडविन ऑस्टिन K_2	8611
ग्रेट डिवाइडिंग रेंज	ऑस्ट्रेलिया	माउण्ट कोसिस्को	2228
यूराल	रूस	नैरोडनाया	1894
एटलस	अफ्रीका	टाउब्काल	4165
आल्पस	यूरोप	माउण्ट ब्लैक	4807
अलास्का श्रेणी	अलास्का	माउण्ट मेकिन्ले	6194
काकेशस श्रेणी	यूरोप	एलब्रुश	5633

विश्व प्रमुख मरुस्थल

मरुस्थल	क्षेत्रफल (वर्ग किमी)	देश
सहारा	84,00,000	अल्जीरिया, चाड, लीबिया, माली, मॉरीटानिया, नाइजर, सूडान, ट्यूनीशिया, मिस्र, मोरक्को
ऑस्ट्रेलिया	15,50,000	ऑस्ट्रेलिया
अरब	13,00,000	सऊदी अरब, यमन, सीरिया
गोबी	10,40,000	मंगोलिया, चीन
कालाहारी	5,20,000	बोत्सवाना
तकलामकान	3,20,000	सीक्यांग (चीन)
नामीब	3,10,000	नामीबिया
काराकुम	2,70,000	तुर्कमेनिस्तान
थार	2,60,000	भारत, पाकिस्तान
अटाकामा	1,80,000	उत्तरी चिली

विश्व प्रमुख घास के मैदान

घास के मैदान	सम्बन्धित देश	घास के मैदान	सम्बन्धित देश
पम्पास	अर्जेन्टीना	डाउन्स	ऑस्ट्रेलिया
प्रेयरी	अमेरिका	केन्टरबरी	न्यूजीलैण्ड
वेल्ड	दक्षिण अफ्रीका	स्टेपी	यूरेशिया

विश्व प्रमुख झीलें

झील	क्षेत्रफल (वर्ग किमी)	अधिकतम गहराई (मी)	स्थिति/देश
कैस्पियन सागर	3,71,000	980	पूर्वी यूरोपीय देश तथा ईरान
सुपीरियर झील	82,350	406	कनाडा तथा अमेरिका
विक्टोरिया (न्यासा)	69,500	80	युगाण्डा, तंजानिया तथा कीनिया
अरल सागर	65,500	68	रूस
छाड़न झील	59,600	228	कनाडा, सं.रा. अमेरिका
मिशिगन झील	58,000	281	यूएसए
टेंगानिका झील	32,900	1,435	कांगो, तंजानिया, जाम्बिया तथा जैरे
ग्रेट बैरियर झील	31,800	82	कनाडा
बैकाल झील	30,500	1,940	रूस
मलावी झील (न्यासा झील)	29,600	678	मलावी तथा मोजाम्बिक

विश्व प्रमुख द्वीप

द्वीप	क्षेत्रफल (वर्ग किमी)	स्थिति
ग्रीनलैण्ड	21,75,000	आर्कटिक (उत्तरी ध्रुव) महासागर
न्यू गिनी	7,89,900	पश्चिमी प्रशान्त महासागर
बोर्नियो	7,51,0000	हिन्द महासागर
मेडागास्कर	5,87,041	हिन्द महासागर
बैफिन द्वीप	5,07,451	उत्तरी ध्रुव महासागर
सुमात्रा	4,22,200	हिन्द महासागर
होन्शू	2,30,092	उत्तरी-पश्चिमी प्रशान्त महासागर

विश्व प्रमुख नदियाँ

नदी	उद्‌गम स्थल	गिरने का स्थान	लम्बाई (किमी)
▪ नील	विक्टोरिया झील	भूमध्य सागर	6650
▪ अमेजन	एण्डीज पर्वत (पेरू)	अटलाण्टिक महासागर	6428
▪ यांग्टिसीक्यांग	तिब्बत का पठार	चीन सागर	6300
▪ मिसीसिपी-मिसौरी	इतास्का झील (यू.एस.ए.)	मैक्सिको की खाड़ी	6275
▪ यनीसी	तानुओला पर्वत	आर्कटिक सागर	5539
▪ ह्वांगहो	कुनलुन पर्वत	चीन की खाड़ी	5464
▪ ओबे	अल्टाई पर्वत, रूस	ओब की खाड़ी	5410
▪ कांगो	लुआलिया और लआपुला नदी का संगम	अटलाण्टिक महासागर	4700
▪ लीना	बैकल पर्वत	लाप्टेव सागर	4400
▪ मीकांग	तिब्बत का पठार	दक्षिण चीन सागर	4350

नदियों के किनारे बसे प्रमुख नगर

नगर	नदी
लन्दन (इंग्लैण्ड)	टेम्स
बर्लिन (जर्मनी)	स्प्री
वेलग्रेड (यूगोस्लाविया)	डेन्यूब
विएना (ऑस्ट्रिया)	डेन्यूब
लिस्बन (पुर्तगाल)	लीफें
लेनिनग्राड (रूस)	नेवा
स्टालिनग्राड (रूस)	वोल्गा
मास्को (रूस)	मोस्कावा
वारसा (पोलैण्ड)	विस्टुला
रोम (इटली)	टाइबर
पेरिस (फ्रांस)	सीन
बुडापेस्ट (हंगरी)	डेन्यूब
मैड्रिड (स्पेन)	मैन्जनियर
बगदाद (इराक)	टिगरिस
खारतूम (सूडान)	नील
अंकारा (टर्की)	किजिल
मॉण्ट्रियल (कनाडा)	सेन्ट लॉरेन्स
काहिरा (मिस्र)	नील
पर्थ (ऑस्ट्रेलिया)	स्वान
टोकियो (जापान)	अराकाव
ओटावा (कनाडा)	सेन्ट लॉरेन्स
सिडनी (ऑस्ट्रेलिया)	डार्लिंग
क्यूबेक (कनाडा)	सेन्ट लॉरेन्स
न्यूयॉर्क (सं.रा. अमेरिका)	हडसन
वाशिंगटन (सं.रा. अमेरिका)	पोटोमेक
कराची (पाकिस्तान)	सिन्धु
लाहौर (पाकिस्तान)	रावी
शंघाई (चीन)	यांग्टिसीक्यांग
चटगाँव (बांग्लादेश)	मैथनी
ब्यूनस आयर्स (अर्जेण्टीना)	लाप्लाटा
काबुल (अफगानिस्तान)	काबुल

विश्व प्रमुख नहरें

नहर	लम्बाई (किमी)	सन्धि स्थल
स्वेज नहर	169	भूमध्य सागर एवं लाल सागर
पनामा नहर	58	अटलाण्टिक एवं प्रशान्त महासागर
कील नहर	98	उत्तरी सागर एवं बाल्टिक सागर
ईरी नहर	584	ईरी झील एवं मिशीगन झील
सू नहर	—	सुपीरियर झील एवं ह्यूरन झील

विश्व प्रमुख जलप्रपात

जलप्रपात	देश	ऊँचाई (फुट)
एंजिल	वेनेजुएला	2,648
क्यूकेनामा	वेनेजुएला	2,000
रिबन	सं.रा. अमेरिका	1,612
अपर योंजमाइट	सं.रा. अमेरिका	1,430
टुगेला	दक्षिण अफ्रीका	1,350

प्रमुख देशों में स्थानान्तरित कृषि

कृषि	देश
चेन्ना	श्रीलंका
हुमा	जावा
कैगिन	फिलीपीन्स
लहांग	इण्डोनेशिया एवं मलेशिया
रोका	ब्राजील
तमाराई	थाइलैण्ड
कोनूको	वेनेजुएला

प्रचलित भौगोलिक उपनाम

उपनाम	देश/स्थान
हाथियों का देश	लाओस
चीनी का कटोरा	क्यूबा
पूरब का मोती	सिंगापुर
झीलों का देश	फिनलैण्ड
मध्यरात्रि का सूर्य	नॉर्वे
यूरोप का हृदय	स्विट्जरलैण्ड
नहरों का नगर	वेनिस
भूमध्य सागर की कुंजी	जिब्राल्टर
अन्ध महाद्वीप	अफ्रीका
पैगोडा का देश	म्यांमार (वर्मा)
सूर्योदय का देश	जापान
पवित्र भूमि	येरूशलम
कंगारुओं का देश	ऑस्ट्रेलिया
आइलैण्ड ऑफ पर्ल्स	बहरीन
सात पर्वतों का नगर	रोम
दक्षिण का ब्रिटेन	न्यूजीलैण्ड
यूरोप का स्वर्ग	स्विट्जरलैण्ड
दुनिया की छत	पामीर का पठार
स्वर्णिम द्वार का शहर	सेन फ्रांसिस्को
पिरामिड का देश	मिस्र
निषिद्ध शहर	ल्हासा (तिब्बत)
सफेद हाथियों का देश	थाइलैण्ड
लौंग का द्वीप	जंजीबार (अफ्रीका)
फैशन की नगरी	पेरिस
सोने और हीरों का देश	दक्षिण अफ्रीका

प्रमुख नगरों/स्थलों के परिवर्तित नाम

प्राचीन	नवीन	प्राचीन	नवीन
अबीसीनिया	इथियोपिया	पर्शिया	ईरान
कम्पूचिया	कम्बोडिया	वर्मा	म्यांमार
ब्रिटिश गुयाना	गुयाना	निप्पन	जापान
फारमोसा	ताइवान	मलाया	मलेशिया
नॉर्दन रोडेशिया	जाम्बिया	सिलोन	श्रीलंका
द.प. अफ्रीका	नामीबिया	सैण्डविच द्वीप	हवाई द्वीप
जायरे	कांगो	सैलिसबरी	हरारे
डच ईस्ट इण्डीज	इण्डोनेशिया	स्याम	थाइलैण्ड
गोल्ड कोस्ट	घाना	हॉलैण्ड	नीदरलैण्ड
पीकिंग	बीजिंग	सुवर्ण दीप	जावा
सेण्ट पीट्सबर्ग	लेनिनग्राद	मेसोपोटामिया	इराक

विश्व की प्रमुख जनजातियाँ

जनजातियाँ	देश/स्थल	जनजातियाँ	देश/स्थल
एबोरिजिन्स	ऑस्ट्रेलिया	जुलू	दक्षिण अफ्रीका
एटा	फिलीपीन्स	वेद्दा	श्रीलंका
आइनू	जापान	रेड इण्डियन	सं. रा. अमेरिका
कुर्द	ईरान, इराक	पिग्मीज	कांगो बेसिन
लैप्स	स्कैन्डि-नेवियन देश	बद्दू	अरब
माओरी	न्यूजीलैण्ड	बुशमैन	बोत्सवाना

भारत का भूगोल

संक्षिप्त परिचय

- भारत का कुल क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग किमी है, जो विश्व क्षेत्रफल का 2.42% है।
- भारत की कुल जनसंख्या 1,21,01,93,422 (जनगणना 2011) है, जो विश्व जनसंख्या का लगभग 16% है।
- भारत का देशान्तरीय विस्तार 68°7′ पूर्वी देशान्तर से 97°25′ पूर्वी देशान्तर के मध्य है।
- भारत का अक्षांशीय विस्तार 6°4′ उत्तरी अक्षांश से 37°6′ उत्तरी अक्षांश तक है। भारत का अक्षांशीय एवं देशान्तरीय विस्तार लगभग 30° है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का विश्व में सातवाँ स्थान है।
- भारत का दक्षिणतम बिन्दु इन्दिरा प्वॉइण्ट (पिगमेलियन प्वॉइण्ट) तथा उत्तरी बिन्दु इन्दिरा कॉल है।
- भारत का पूर्व से पश्चिम विस्तार 2933 किमी तथा उत्तर से दक्षिण विस्तार 3214 किमी है।
- भारत की स्थलीय सीमा 15,200 किमी है।
- देश के मुख्य धरातलीय भाग की समुद्री सीमा 6100 किमी है तथा द्वीपों सहित 7516.5 किमी है।
- मैकमोहन रेखा भारत एवं चीन के बीच अन्तर्राष्ट्रीय सीमा है। रेडक्लिफ सीमा भारत एवं पाकिस्तान के बीच अन्तर्राष्ट्रीय सीमा बनाती है।
- भारत के 9 राज्यों एवं 5 केन्द्रशासित प्रदेशों की सीमाएँ समुद्र के साथ लगती हैं।
- भारत में 28 राज्य एवं 7 केन्द्रशासित प्रदेश शामिल हैं।

भारत की स्थलीय सीमा से सटे देश

देश	सीमा (किमी)	देश	सीमा (किमी)
बांग्लादेश	4096	म्यांमार	1458
चीन	3917	भूटान	587
पाकिस्तान	3310	अफगानिस्तान	80
नेपाल	1752		

- कर्क रेखा भारत के मध्य से (8 राज्यों से) होकर गुजरती है। ये हैं—गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, पश्चिम बंग, त्रिपुरा तथा मिजोरम।
- भारत की मानक समय रेखा 82.5° इलाहाबाद के नैनी से गुजरती है। यह पाँच राज्यों से गुजरती है तथा ग्रीनविच समय रेखा से 5 घण्टे, 30 मिनट आगे है।
- सबसे अधिक राज्यों के साथ सीमा (8 राज्य) बनाने वाला राज्य उत्तर प्रदेश है।
- मन्नार की खाड़ी तथा पाक जलडमरूमध्य भारत एवं श्रीलंका के बीच जलीय सीमा बनाते हैं।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान सबसे बड़ा राज्य तथा गोवा सबसे छोटा राज्य है।
- भारत के पूर्वी तट को कोरोमण्डल तथा पश्चिमी तट को मालाबार तट कहते हैं।

भारत के सीमावर्ती राज्य

देश	सीमा पर स्थित भारतीय राज्य
पाकिस्तान	गुजरात, राजस्थान, पंजाब, जम्मू एवं कश्मीर
अफगानिस्तान	जम्मू एवं कश्मीर
चीन	जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश
नेपाल	उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंग, सिक्किम, उत्तराखण्ड
भूटान	सिक्किम, पश्चिम बंग, असोम, अरुणाचल प्रदेश
बांग्लादेश	पश्चिम बंग, असोम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम
म्यांमार	अरुणाचल प्रदेश, नागालैण्ड, मणिपुर, मिजोरम

- भारत में सबसे लम्बी तट रेखा वाला राज्य गुजरात है।
- भारत की सबसे ऊँची चोटी गॉडविन ऑस्टिन (K_2) है, जो काराकोरम श्रेणी में स्थित है।

भारत की प्रमुख नदियाँ

नदी	उद्‌गम स्थल	संगम/मुहाना	लम्बाई (किमी)
▪ गंगा	भागीरथी और अलकनन्दा का संगम स्थल देवप्रयाग	बंगाल की खाड़ी	2525
▪ ब्रह्मपुत्र	मानसरोवर झील के समीप स्थित चीमायुंगदुंग हिमानी	बंगाल की खाड़ी	2900
▪ सतलज	मानसरोवर झील के समीप स्थित राकसताल	चिनाब नदी	1050
▪ रावी	काँगड़ा जिले में रोहतांग दर्रे के समीप	चिनाब नदी	720
▪ व्यास	रोहतांग दर्रे के समीप तल	सतलज नदी	470
▪ झेलम	बेरेनाग (जम्मू-कश्मीर) के समीप शेषनाग झील	चिनाब नदी	725
▪ चिनाब	बारालाचा दर्रा (लाहोल-स्पीति)	सिन्धु नदी	1800
▪ यमुना	बन्दरपूँछ के पश्चिमी ढाल पर स्थित यमुनोत्री हिमानी	प्रयाग (इलाहाबाद) में गंगा नदी	1375
▪ चम्बल	मध्य प्रदेश में महू के समीप जनापाव पहाड़ी	यमुना नदी	1050
▪ घाघरा	मत्सातुंग हिमानी	गंगा नदी	1080
▪ गण्डक	नेपाल	गंगा नदी	425
▪ कोसी	गोसाई थान चोटी के उत्तर में	गंगा नदी	730
▪ बेतवा	विन्ध्याचल पर्वत	यमुना नदी	480
▪ सोन	अमरकण्टक की पहाड़ियाँ	गंगा नदी	780
▪ कृष्णा	महाबलेश्वर के समीप पश्चिमी घाट पहाड़	बंगाल की खाड़ी	1327
▪ गोदावरी	नासिक जिले (महाराष्ट्र) के दक्षिण-पश्चिम में 64 किमी दूर स्थित, त्र्यम्बक गाँव की एक पहाड़ी	बंगाल की खाड़ी	1465
▪ कावेरी	कर्नाटक के कुर्ग जिले में स्थित ब्रह्मगिरि पहाड़ी	बंगाल की खाड़ी	805
▪ तुंगभद्रा	कर्नाटक में पश्चिम घाट पहाड़	कृष्णा नदी	640

नदी	उद्‌गम स्थल	संगम/मुहाना	लम्बाई (किमी)
▪ पेन्नार	नन्दीदुर्ग पहाड़ी (कर्नाटक)	बंगाल की खाड़ी	570
▪ महानदी	मध्य प्रदेश के रामपुर जिले में सिंहावा के समीप	बंगाल की खाड़ी (कटक के समीप)	858
▪ नर्मदा	विन्ध्याचल पर्वत श्रेणियों में स्थित अमरकण्टक स्थान	खम्भात की खाड़ी	1057
▪ ताप्ती	बैतूल जिले (म.प्र.) के मुल्ताई नगर के पास	खम्भात की खाड़ी	724
▪ माही	विन्ध्याचल पर्वत श्रेणी	खम्भात की खाड़ी	560
▪ लूनी	अजमेर जिले में स्थित नाग पहाड़ (अरावली पर्वत)	कच्छ की खाड़ी	450
▪ घग्घर	कालका के समीप हिमालय	हनुमानगढ़ (राजस्थान)	494
▪ साबरमती	उदयपुर जिले का दक्षिण पश्चिमी भाग (अरावली पर्वत)	कच्छ का रन क्षेत्र	416

नर्मदा एवं ताप्ती नदियाँ भ्रंश घाटी में बहती हैं तथा दोनों एश्चुअरी बनाती हैं।

नदियों के किनारे बसे प्रमुख नगर

नगर	नदी	नगर	नदी
अहमदाबाद	साबरमती	नासिक	गोदावरी
कोलकाता	हुगली	उज्जैन	क्षिप्रा
गुवाहाटी	ब्रह्मपुत्र	श्रीनगर	झेलम
जबलपुर	नर्मदा	तिरुचिरापल्ली	कावेरी
मदुरै	बैगाई	डिब्रूगढ़	ब्रह्मपुत्र
पणजी	माण्डवी	कोटा	चम्बल
पुणे	मूठा	बद्रीनाथ	अलकनन्दा
सूरत	ताप्ती/तापी	लखनऊ	गोमती
अयोध्या	सरयू	श्रीरंगपट्टनम्	कावेरी
पंढरपुर	भीमा	अजमेर	लूनी
हैदराबाद	मूसी		

भारत के प्रमुख जलप्रपात

जलप्रपात	स्थिति	ऊँचाई (मी)
जोग या गरसोपा	शरावती नदी	255
येना	नर्मदा नदी	183
शिवसमुद्रम्	कावेरी नदी	90
गोकक	गोकक नदी	55
विहार	टोंस नदी	100
धुआँधार	नर्मदा नदी	10
हुंडरू	स्वर्णरेखा नदी	74

भारत की प्रमुख झीलें

झील	सम्बन्धित राज्य	झील	सम्बन्धित राज्य
डल	जम्मू एवं कश्मीर	पुलीकट	तमिलनाडु
वुलर	जम्मू एवं कश्मीर	लोकटक	मणिपुर
बैरीनाग	जम्मू एवं कश्मीर	शेषनाग	जम्मू एवं कश्मीर
राजसमंद	राजस्थान	अनंतनाग	जम्मू एवं कश्मीर
पिछौला	राजस्थान	जयसमंद	राजस्थान
सांभर	राजस्थान	डीडवाना	राजस्थान
सातताल	उत्तराखण्ड	देवताल	उत्तराखण्ड
नैनीताल	उत्तराखण्ड	कोलेरू	आन्ध्र प्रदेश
राकसताल	उत्तराखण्ड	चिल्का	उड़ीसा
मालाताल	उत्तराखण्ड	लोनार	महाराष्ट्र
हुसैनसागर	आन्ध्र प्रदेश	बेम्बानाद	केरल

भारत की प्रमुख नदी-घाटी परियोजनाएँ

बहुउद्देशीय परियोजना	राज्य	नदी
▪ भीमा परियोजना	महाराष्ट्र	पावना एवं कृष्णा
▪ हीराकुड जल विद्युत परियोजना	उड़ीसा	महानदी (परियोजना पर विश्व का सबसे लम्बा बाँध 4801 मी)
▪ सरदार सरोवर परियोजना	मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात	नर्मदा (इसका जलाशय इन्दिरा सागर के नाम से है तथा यह भारत की सबसे बड़ी मानव निर्मित झील है।)
▪ नर्मदा सागर परियोजना	मध्य प्रदेश	नर्मदा नदी
▪ चूखा जल विद्युत परियोजना	भारत और भूटान	वांग्चू नदी
▪ इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना	राजस्थान, पंजाब, हरियाणा	रावी, व्यास, सतलज
▪ फरक्का परियोजना	पश्चिम बंग	गंगा (यह परियोजना कोलकाता बन्दरगाह से कीचड़ हटाने व हुगली नदी के जल का खारापन दूर करने के काम में भी आती है।)

बहुउद्देशीय परियोजना	राज्य	नदी
▪ दामोदर घाटी परियोजना	पश्चिम बंग व झारखण्ड	दामोदर नदी [यह अमेरिका की टेनेसी घाटी (Tennessee Valley) परियोजना पर आधारित है।]
▪ इडुक्की परियोजना	केरल	पेरियार नदी
▪ थीन बाँध	पंजाब	रावी नदी
▪ माखड़ा नांगल बाँध परियोजना	हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान	सतलज नदी (विश्व का दूसरा, सबसे ऊँचा बाँध, 226 मी एवं इसका जलाशय गोविन्द सागर झील कहलाता है।)
▪ तुलबुल परियोजना	जम्मू-कश्मीर	झेलम नदी
▪ टनकपुर बाँध परियोजना	भारत और नेपाल	महाकाली नदी (भारत)
▪ सलाल पनबिजली परियोजना	जम्मू व कश्मीर	चिनाब
▪ पोचम्पाद परियोजना	आन्ध्र प्रदेश	गोदावरी
▪ कोसी परियोजना	बिहार (भारत-नेपाल)	कोसी
▪ सोन परियोजना	बिहार	सोन
▪ काकरापार परियोजना	गुजरात (सूरत)	ताप्ती
▪ उकाई परि-योजना (उकी)	गुजरात	ताप्ती
▪ माही परियोजना	गुजरात	माही
▪ साबरमती परियोजना	गुजरात (मेहसाना)	साबरमती
▪ गाँधी सागर परियोजना	मध्य प्रदेश	चम्बल
▪ राणा प्रताप सागर परियोजना	राजस्थान	चम्बल
▪ जवाहर सागर परियोजना	राजस्थान	चम्बल
▪ रिहन्द परियोजना	उत्तर प्रदेश	रिहन्द (सोन की सहायक) इसका जलाशय गोविन्द बल्लभ पंत सागर है।
▪ शारदा प्रोजेक्ट	उत्तर प्रदेश	घाघरा-शारदा
▪ माताटीला बाँध परियोजना	उत्तर प्रदेश	बेतवा
▪ टिहरी बाँध परियोजना	उत्तराखण्ड	भागीरथी
▪ नागार्जुन सागर परियोजना	आन्ध्र प्रदेश	कृष्णा
▪ तुंगभद्रा	आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक	तुंगभद्रा
▪ निजाम सागर	आन्ध्र प्रदेश	तुंगभद्रा
▪ शिवसमुद्रम	कर्नाटक	कावेरी (भारत का सबसे पुराना)

भारत के प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान एवं अभयारण्य

उद्यान/अभयारण्य	स्थान
▪ काजीरंगा उद्यान (एक सींग वाला गैंडा हेतु प्रसिद्ध)	जोरहाट (असोम)
▪ मानस वन्य जीव अभयारण्य	बारपेट (असोम)
▪ नामदफा वन्य जीव अभयारण्य	तिरप (अरुणाचल प्रदेश)
▪ पक्कुई वन्य जीव अभयारण्य	कामेंग (अरुणाचल प्रदेश)
▪ चन्द्रप्रभा अभयारण्य	वाराणसी (उत्तर प्रदेश)
▪ दुधवा राष्ट्रीय उद्यान	लखीमपुर खीरी (उत्तर प्रदेश)
▪ जिम कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान	नैनीताल (उत्तराखण्ड)
▪ मालन पशु विहार	पौड़ी-गढ़वाल (उत्तराखण्ड)
▪ गोविन्द पशु विहार	उत्तरकाशी (उत्तराखण्ड)
▪ सिमिलीपाल वन्य जीव अभयारण्य	मयूरभंज (ओडिशा)
▪ वेदान्तगल पक्षी विहार	चिंगलपेट (तमिलनाडु)
▪ बान्दीपुर राष्ट्रीय उद्यान	बान्दीपुर (कर्नाटक)
▪ शरावती घाटी वन्य जीव अभयारण्य	शिमोगा (कर्नाटक)
▪ रंगाथिट्टू पक्षी विहार	मैसूर (कर्नाटक)
▪ भद्रा अभयारण्य	चिकमंगलूर (कर्नाटक)
▪ नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान	दुर्ग (कर्नाटक)
▪ सोमेश्वर वन्य जीव अभयारण्य	कनारा (कर्नाटक)
▪ तुंगभद्रा वन्य जीव अभयारण्य	बेलारी (कर्नाटक)
▪ पेरियार वन्य जीव अभयारण्य (हाथी हेतु प्रसिद्ध)	इडुक्की (केरल)
▪ गिर राष्ट्रीय उद्यान (एशियाई शेर हेतु प्रसिद्ध)	जूनागढ़ (गुजरात)
▪ दचिग्राम अभयारण्य	श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर)
▪ जलदापारा वन्य जीव अभयारण्य	जलपाईगुड़ी (प. बंग)
▪ सुन्दरवन टाइगर रिजर्व	चौबीस परगना (प. बंग)

उद्यान/अभयारण्य	स्थान
▪ भीमबाँध अभयारण्य	मुंगेर (बिहार)
▪ गौतम बुद्ध वन्य जीव अभयारण्य	गया (बिहार)
▪ राजगीर अभयारण्य	राजगीर (बिहार)
▪ तोपचांची अभयारण्य	धनबाद (झारखण्ड)
▪ लावालोंग अभयारण्य	हजारीबाग (झारखण्ड)
▪ डालमा वन्य जीव अभयारण्य	सिंहभूम (झारखण्ड)
▪ बेतला वन्य जीव अभयारण्य	डाल्टनगंज (झारखण्ड)
▪ पंचमढ़ी वन्य जीव अभयारण्य (माधव राष्ट्रीय उद्यान)	होशंगाबाद (मध्य प्रदेश)
▪ बोरी अभयारण्य	होशंगाबाद (मध्य प्रदेश)
▪ कान्हा-किसली राष्ट्रीय उद्यान	बालाघाट (मध्य प्रदेश)
▪ गाँधीसागर वन्य जीव अभयारण्य	मन्दसौर (मध्य प्रदेश)
▪ बान्धवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान	शहडोल (मध्य प्रदेश)
▪ फासिल राष्ट्रीय उद्यान	मण्डला (मध्य प्रदेश)
▪ पन्ना राष्ट्रीय उद्यान	पन्ना (मध्य प्रदेश)
▪ सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान	होशंगाबाद (मध्य प्रदेश)
▪ इन्द्रावती राष्ट्रीय उद्यान	बस्तर (छत्तीसगढ़)
▪ बादलखोल वन्य जीव अभयारण्य	रायगढ़ (छत्तीसगढ़)
▪ उदयन्ती वन्य जीव अभयारण्य	रायपुर (छत्तीसगढ़)
▪ सीतानाती वन्य जीव अभयारण्य	रायपुर (छत्तीसगढ़)
▪ तमोड़ पिंगला वन्य जीव अभयारण्य	सरगुजा (छत्तीसगढ़)
▪ संजय राष्ट्रीय उद्यान	सरगुजा (छत्तीसगढ़)
▪ बोरीवली राष्ट्रीय उद्यान	मुम्बई (महाराष्ट्र)
▪ पेंच राष्ट्रीय उद्यान	नागपुर (महाराष्ट्र)
▪ रणथम्भौर वन्य जीव अभयारण्य व टाइगर प्रोजेक्ट	सवाई माधोपुर (राजस्थान)
▪ सरिस्का वन्य जीव अभयारण्य	अलवर (राजस्थान)
▪ केवलादेव घाना पक्षी विहार	भरतपुर (राजस्थान)
▪ रोहला राष्ट्रीय उद्यान	कुल्लू (हिमाचल प्रदेश)
▪ रास आइलैण्ड राष्ट्रीय उद्यान	रास द्वीप (अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह)

भारत के प्रमुख जलवायु प्रदेश

जलवायु	सम्बन्धित क्षेत्र
▪ लघु शुष्क ऋतु वाली मानसूनी जलवायु	मालाबार तट, कोंकण तट, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह
▪ उष्ण कटिबन्धीय सवाना	मालाबार एवं कोरोमण्डल तट को छोड़कर प्रायद्वीपीय पठार
▪ शुष्क ऋतु वाली मानसूनी जलवायु	पूर्वी तमिलनाडु, आन्ध्र प्रदेश का दक्षिण-पूर्वी भाग
▪ अर्द्ध शुष्क स्टेपी जलवायु	मध्यवर्ती राजस्थान, पश्चिमी पंजाब, हरियाणा
▪ उष्ण मरुस्थलीय जलवायु	राजस्थान का पश्चिमी क्षेत्र, उत्तरी गुजरात, दक्षिणी हरियाणा
▪ शुष्क शीत मानसूनी जलवायु	उत्तर का मैदान, असोम
▪ टुण्ड्रा जलवायु	कश्मीर, लद्दाख, उत्तरी हिमाचल
▪ ध्रुवीय जलवायु	हिमालय पर 5000 मी से अधिक ऊँचाई पर

स्मार्ट तथ्य

अलनिनो एक गर्म जलधारा है, जो पेरू के तट से आरम्भ होकर भारत के बंगाल की खाड़ी तक पहुँचती है, जिससे बंगाल की खाड़ी में कम दाब उत्पन्न होता है और पवन स्थल से समुद्र की ओर चलने लगती है। अलनिनो के भारत आने से सूखा पड़ता है।

भारत में मृदा

मृदा	प्रदेश
▪ जलोढ़ मृदा	गंगा का मैदान, असोम घाटी, गुजरात, पश्चिम तटीय मैदान
▪ काली (रेगुर) मृदा	विदर्भ, पश्चिमी मध्य प्रदेश, उत्तरी कर्नाटक, तमिलनाडु, बुन्देलखण्ड
▪ लाल-पीली मृदा	मध्य प्रदेश, दक्षिणी उत्तर प्रदेश, नागपुर पठार, मेघालय पठार
▪ लैटराइट मृदा	तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, ओडिशा, असोम के पहाड़ी क्षेत्र
▪ लवणीय मृदा	पंजाब एवं हरियाणा के अत्यधिक सिंचाई वाले क्षेत्र
▪ पीट मृदा	उत्तरी बिहार, ओडिशा, तमिलनाडु
▪ मरुस्थलीय मृदा	पश्चिमी राजस्थान, उत्तरी गुजरात, दक्षिणी हरियाणा

भारत में मृदा-फसल वितरण

मृदा	फसल
▪ काली मृदा	कपास, गन्ना, तम्बाकू, तिलहन
▪ जलोढ़ मृदा	चावल, गेहूँ, दलहन, सब्जियाँ
▪ लैटराइट मृदा	कॉफी, रबर, काजू, टैपियोका, रागी
▪ लाल-पीली मृदा	चावल, रागी, तम्बाकू, मूँगफली
▪ मरुस्थलीय मृदा	ज्वार, बाजरा, चना, जूट

➤ देश में औसत वार्षिक जल उपलब्धता 1869 BCM है। लवणीय एवं क्षारीय मृदा का उपचारीकरण चूना एवं जिप्सम मिलाकर किया जाता है।

भारत के प्रमुख फसल उत्पादक राज्य

फसल	राज्य (घटते क्रम में)
चावल	पश्चिम बंग, आन्ध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश
गेहूँ	उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा
तिलहन	राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र
मक्का	आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान
खाद्यान्न	उत्तर प्रदेश, पंजाब, आन्ध्र प्रदेश
सरसों	राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा
गन्ना	उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु
कपास	गुजरात, महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश
मूँगफली	गुजरात, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु
दलहन	महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश

स्मार्ट तथ्य

भारत में सिंचाई (क्रमानुसार)

1. नलकूप (सर्वाधिक) 2. नहर
3. कुएँ 4. तालाब

सर्वाधिक सिंचित राज्य (क्रमानुसार)

1. उत्तर प्रदेश 2. महाराष्ट्र
3. पंजाब 4. आन्ध्र प्रदेश

भारत में स्थानान्तरित कृषि

स्थानान्तरित कृषि	राज्य
पोंडू	आन्ध्र प्रदेश
कुमारी	पश्चिमी केरल
कमान, विंगा, धावी	ओडिशा
बन्त्रा	दक्षिणी-पूर्वी राजस्थान
जारा, एरका	दक्षिण भारत
झूम	उत्तर-पूर्वी भारत
वेवार, डहिवार, दीपा	मध्य प्रदेश

भारत की प्रमुख वनस्पतियाँ

वनस्पति	क्षेत्र	प्रमुख वृक्ष
▪ उष्ण कटिबन्धीय सदापर्णी वन	पश्चिमी घाट, अण्डमान और निकोबार द्वीप, उत्तरी-पूर्वी भारत	रोजवुड, महोगनी, एबोनी, रबड़
▪ उष्ण कटिबन्धीय पर्णपाती वन	पूर्वी मध्य प्रदेश, उत्तरी छत्तीसगढ़, झारखण्ड, ओडिशा	सागवान, साल, शीशम, महुआ, आँवला, सेमल, चन्दन
▪ उष्ण कटिबन्धीय शुष्क वन	महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा	बबूल, बेर, खजूर, नीम, खैर, पलास
▪ मरुस्थलीय वन	राजस्थान, पश्चिमी पंजाब, दक्षिणी-पश्चिमी हरियाणा	बबूल, कीकर, झाड़ियाँ, नागफनी
▪ पर्वतीय वन	1000 मी से अधिक ऊँचाई पर	विभिन्न प्रकार की वनस्पतियाँ पाई जाती हैं।

भारत के प्रमुख खनिज संसाधन

खनिज	प्राप्ति स्थल
एल्युमीनियम	मध्य प्रदेश, पश्चिम बंग, महाराष्ट्र
बॉक्साइट	झारखण्ड, बिहार, ओडिशा आन्ध्र प्रदेश
क्रोमाइट	कर्नाटक, महाराष्ट्र, झारखण्ड
कोयला	पश्चिम बंग (रानीगंज), झरिया, बोकारो, कर्णपुरा (झारखण्ड), महाराष्ट्र, ओडिशा, मध्य प्रदेश
कोबाल्ट	राजस्थान, केरल
ताँबा	झारखण्ड, राजस्थान, सिक्किम, कर्नाटक
हीरा	पन्ना (मध्य प्रदेश), बाँदा (उत्तर प्रदेश)
सोना	कोलार, हट्टी (कर्नाटक)
लौह-अयस्क	झारखण्ड, ओडिशा, गोवा, कर्नाटक
मैंगनीज	महाराष्ट्र, गोवा, मध्य प्रदेश
अभ्रक	झारखण्ड, तमिलनाडु
टिन	हजारीबाग (झारखण्ड)
थोरियम	केरल

भारत की प्रमुख जनजातियाँ

जनजाति	राज्य	जन-जाति	राज्य
बैगा, भुइयाँ, मुरिया	मध्य प्रदेश	खस	उत्तराखण्ड
बक्करवाल	जम्मू और कश्मीर	कोटा	तमिलनाडु
भोटिया	तराई हिमालय (उत्तराखण्ड, सिक्किम)	कूकी	मणिपुर, असोम
चेंचू	आन्ध्र प्रदेश	लेप्चा	सिक्किम
अंगामी, एओ	नागालैण्ड	मिकिर	असोम
अपतनी	अरुणाचल प्रदेश	मोपला	केरल
बड़गा	हिमाचल प्रदेश	टोडा	नीलगिरी पहाड़ियाँ
इरुला	तमिलनाडु	मुण्डा	झारखण्ड, पश्चिम बंग
जारवा	अण्डमान और निकोबार द्वीप	गोण्ड	मध्य प्रदेश, झारखण्ड

भारत में परिवहन

सड़क परिवहन

➤ भारत की सड़क प्रणाली विश्व की तीसरी विशालतम प्रणालियों में से एक है, जिसकी कुल लम्बाई 33.2 लाख किमी है।

➤ देश का सबसे छोटा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 47A है, जिसकी लम्बाई मात्र 6 किमी है।

➤ देश का सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 7 है, जिसकी लम्बाई 2369 किमी है।

➤ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 1 और 2 को सम्मिलित रूप से ग्राण्ड ट्रंक रोड (GT Road) कहा जाता है।

➤ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 1A में जवाहर सुरंग स्थित है। जम्मू और श्रीनगर को जोड़ने वाले बनिहाल दर्रे में ही यह सुरंग स्थित है।

प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग

राष्ट्रीय राजमार्ग	कहाँ से कहाँ तक	कुल लम्बाई (किमी)
राष्ट्रीय राजमार्ग-1	दिल्ली-पाक सीमा	1226
राष्ट्रीय राजमार्ग-2	दिल्ली-कोलकाता	1490
राष्ट्रीय राजमार्ग-3	आगरा-मुम्बई	1161
राष्ट्रीय राजमार्ग-4	मुम्बई-चेन्नई	1415
राष्ट्रीय राजमार्ग-5	कोलकाता-चेन्नई	1610
राष्ट्रीय राजमार्ग-6	कोलकाता-मुम्बई	1945
राष्ट्रीय राजमार्ग-7	वाराणसी-कन्याकुमारी	2369
राष्ट्रीय राजमार्ग-8	दिल्ली-जयपुर-मुम्बई	2058

➤ स्वर्णिम चतुर्भुज योजना के अन्तर्गत चारों महानगरों—दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई एवं कोलकाता को जोड़ा जाएगा, जिसकी कुल लम्बाई 5846 किमी होगी।

➤ उत्तर-दक्षिण गलियारे के अन्तर्गत श्रीनगर को कन्याकुमारी से तथा पूर्व-पश्चिम गलियारे के अन्तर्गत सिलचर को पोरबंदर से जोड़ा जाएगा, जिसकी कुल लम्बाई 1300 किमी होगी।

रेल परिवहन

➤ भारतीय रेल एशिया की सबसे बड़ी तथा विश्व की दूसरी सबसे बड़ी रेल व्यवस्था है।

➤ भारतीय रेलवे बोर्ड की स्थापना 1905 ई. में हुई थी तथा रेलवे का राष्ट्रीयकरण 1950 ई. में हुआ।

➤ वर्ष 1924-25 से एक्वर्थ समिति की सिफारिश के आधार पर रेल बजट को सामान्य राजस्व बजट से अलग कर दिया गया।

➤ भूमिगत मेट्रो रेल की सुविधा कोलकाता एवं दिल्ली में है। इसकी शुरूआत 24 अक्टूबर, 1984 को कोलकाता में हुई।

➤ गोवा, महाराष्ट्र, कर्नाटक एवं केरल के बीच मार्च, 1990 में कोंकण रेलवे परियोजना प्रारम्भ की गई।

➤ भारत में पहली रेल 1853 ई. में बम्बई से थाणे (34 किमी) चली थी।

➤ भारतीय रेल की सबसे लम्बी सुरंग कोंकण रेलवे पर 6.5 किमी लम्बी है।

➤ भारतीय रेल की पहली विद्युत रेलगाड़ी 3 फरवरी, 1925 को मुम्बई और कुर्ला के बीच चली।

➤ देश का एकमात्र सबसे पुराना चालू इंजन फेयरी क्वीन है।

➤ भोपाल एक्सप्रेस (भोपाल-दिल्ली) देश की पहली रेलगाड़ी है जिसे आईएसओ 9001 प्रमाण-पत्र मिला है।

➤ कोंकण रेलवे द्वारा विकसित विश्व का पहला टक्कररोधी उपकरण पूर्वोत्तर सीमान्त रेलवे पर 1A 776 किमी मार्ग पर स्थापित किया गया है।

➤ भूमिगत मेट्रो रेल की सुविधा कोलकाता एवं दिल्ली में है। इसकी शुरूआत 24 अक्टूबर, 1948 को कोलकाता में हुई।

➤ देश में तीन प्रकार के रेल मार्ग हैं

प्रकार	पटरियों की चौड़ाई
ब्रॉड गेज	1.676 मी
मीटर गेज	1.00 मी
नैरो गेज	0.7610 मी

➤ भारतीय रेल प्रशासन तथा प्रबन्धन का उत्तरदायित्व रेलवे बोर्ड पर है। रेलवे को 17 मण्डलों में बाँटा गया है तथा प्रत्येक मण्डल का प्रधान महाप्रबन्धक होता है।

भारत के रेल मण्डल एवं उनके मुख्यालय

मण्डल	मुख्यालय
मध्य रेलवे	मुम्बई वी.टी.
पूर्वी रेलवे	कोलकाता
उत्तर रेलवे	नई दिल्ली
पूर्वोत्तर रेलवे	गोरखपुर
पूर्वोत्तर सीमान्त रेलवे	मालीगाँव, गुवाहाटी
दक्षिण रेलवे	चेन्नई
दक्षिण-मध्य रेलवे	सिकन्दराबाद
दक्षिण-पूर्वी रेलवे	कोलकाता
पश्चिमी रेलवे	मुम्बई चर्च गेट
पूर्वी-मध्य रेलवे	हाजीपुर
उत्तर-पश्चिम रेलवे	जयपुर
पूर्वी तटीय रेलवे	भुवनेश्वर
उत्तर-मध्य रेलवे	इलाहाबाद
दक्षिण-पूर्व-मध्य रेलवे	बिलासपुर
दक्षिण-पश्चिम रेलवे	हुबली
पश्चिम-मध्य रेलवे	जबलपुर
कोलकाता मेट्रो	कोलकाता

भारत में रेलमार्ग की कुल लम्बाई 64 015 किमी है तथा सबसे लम्बी दूरी तय करने वाली रेलगाड़ी विवेक एक्सप्रेस (4278 किमी) है, जो डिब्रूगढ़ से कन्याकुमारी तक जाती है।

जल परिवहन

➤ केन्द्रीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण की स्थापना 1987 ई. में की गई थी। इसका मुख्यालय कोलकाता में है।

➤ व्यापारिक जहाजरानी बेड़े की दृष्टि से भारत का विश्व में 17वाँ स्थान है।

राष्ट्रीय जलमार्ग

जलमार्ग	लम्बाई	विस्तार	नदी
एन डब्ल्यू-1	1629 किमी	इलाहाबाद से हल्दिया तक	गंगा
एन डब्ल्यू-2	819 किमी	सादिया से धुबरी पट्टी तक	ब्रह्मपुत्र
एन डब्ल्यू-3	186 किमी	कोल्लम से कोट्टापुरम तक	चम्पाक्कारा
एन डब्ल्यू-4	1100 किमी	काकीनाडा से मरक्कानम तक	कृष्णा-गोदावरी

भारत के प्रमुख बन्दरगाह

पश्चिमी तट	पूर्वी तट
▪ कांडला (मुक्त व्यापार क्षेत्र स्थापित)	पारादीप (जापान को लौह निर्यात)
▪ मुम्बई (सबसे बड़ा व व्यस्त)	विशाखापत्तनम (सबसे गहरा बन्दरगाह)
▪ जवाहरलाल नेहरू (अत्याधुनिक)	एन्नौर (निजी क्षेत्र का आधुनिक बन्दरगाह)
▪ मार्मागोआ	तूतीकोरिन (सुदूरतम दक्षिण बन्दरगाह)
▪ मंगलौर (कुद्रेमुख लौह अयस्क निर्यात)	पोर्ट ब्लेयर (भौगोलिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण)
▪ कोचीन (प्राकृतिक बन्दरगाह)	

वायु परिवहन

➤ भारत में वायु परिवहन का प्रारम्भ 1911 ई. में हुआ, जब इलाहाबाद से नैनी के बीच विश्व की प्रथम विमान डाक सेवा का परिवहन किया गया।

➤ भारत में पहली अन्तर्राष्ट्रीय वायु सेवा 1922 ई. में कराची एवं मद्रास के बीच शुरू की गई।

➤ एयर इण्डिया मुख्यतः अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सेवाएँ उपलब्ध कराता है तथा इण्डियन एयरलाइंस भी पड़ोसी देशों जैसे दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों और मध्य एशियाई देशों में उड़ानें संचालित करता है।

➤ पवन हंस हेलीकॉप्टर लि. भारत की अग्रणी हेलीकॉप्टर कम्पनी है, जो विश्वसनीय हेलीकॉप्टर संचालन के लिए जानी जाती है। इसकी स्थापना 1985 ई. में हुई थी।

देश के प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे

नाम	स्थान
▪ छत्रपति शिवाजी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (सांताक्रूज)	मुम्बई
▪ सुभाषचन्द्र बोस हवाई अड्डा (दमदम)	कोलकाता
▪ इन्दिरा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	दिल्ली
▪ मीनाम्बक्कम अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	चेन्नई
▪ तिरुअनन्तपुरम अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	तिरुअनन्तपुरम
▪ अमृतसर अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	अमृतसर
▪ बेगमपेट अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	हैदराबाद
▪ कोच्चि अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	कोच्चि
▪ लोकप्रिय गोपीनाथ बोरडोलियो अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	गुवाहाटी
▪ गोवा अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	गोवा
▪ बंगलौर अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	बंगलुरु
▪ सरदार वल्लभ भाई पटेल अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	अहमदाबाद

भारत के शहरों व राज्यों के भौगोलिक उपनाम

उपनाम	वास्तविक नाम
▪ भारत का मैनचेस्टर	अहमदाबाद
▪ बिहार का शोक	कोसी नदी
▪ राजस्थान का हृदय	अजमेर
▪ पाँच नदियों की भूमि	पंजाब
▪ भारत का हॉलीवुड	मुम्बई
▪ राजस्थान का गौरव	चित्तौड़गढ़
▪ ब्लू माउण्टेंस	नीलगिरि की पहाड़ियाँ
▪ इस्पात नगरी	जमशेदपुर
▪ धान का कटोरा	छत्तीसगढ़
▪ बंगाल का शोक	दामोदर नदी
▪ पर्वतों की रानी	मसूरी
▪ फलों की डलिया	हिमाचल प्रदेश
▪ भारत का प्रवेश द्वार	मुम्बई
▪ समुद्र-पुत्र	लक्षद्वीप
▪ कर्नाटक का रत्न	मैसूर
▪ भारत का बगीचा	बंगलुरु
▪ दक्षिण का कश्मीर	केरल
▪ त्योहारों का नगर	मदुरै
▪ भारत का मसालों का बगीचा	केरल
▪ भारत का पेरिस	जयपुर
▪ दक्षिण की रानी	पुणे
▪ भारत का स्विट्जरलैण्ड	कश्मीर
▪ नवाबों का नगर	लखनऊ
▪ दक्षिण गंगा	गोदावरी नदी
▪ डायमण्ड हार्बर	कोलकाता
▪ महलों का शहर	कोलकाता
▪ भारत का दिल	दिल्ली
▪ सात टापुओं का नगर	मुम्बई
▪ अरब सागर की रानी	कोच्चि
▪ राष्ट्रीय राजमार्गों का चौराहा	कानपुर
▪ झीलों का नगर	श्रीनगर
▪ गुलाबी शहर	जयपुर
▪ पुलों की नगरी	श्रीनगर
▪ मन्दिरों एवं घाटों का नगर	वाराणसी
▪ उत्तर भारत का मैनचेस्टर	कानपुर
▪ स्वर्ण मन्दिर का शहर	अमृतसर

भारत के प्रमुख दर्रे

दर्रा	अवस्थिति
काराकोरम, जोजिला, बनिहाल, बुर्जिल	जम्मू-कश्मीर
शिपकी ला, बड़ालाचा ला	हिमाचल प्रदेश
माना, लिपुलेख	उत्तराखण्ड
नाथू ला, जेलेप ला	सिक्किम
बोमडी ला, दिफू	अरुणाचल प्रदेश
थाल घाट, भोर घाट	महाराष्ट्र
पाल घाट	केरल

प्रमुख भौगोलिक खोजें

अन्वेषक	खोज
▪ आर. एमण्डसन (नार्वे)	दक्षिणी ध्रुव पर पहुँचने वाला प्रथम व्यक्ति (1911 ई.)
▪ रॉबर्ट पियरी (अमेरिका)	उत्तरी ध्रुव की खोज (1909 ई.)
▪ क्रिस्टोफर कोलम्बस	पश्चिमी द्वीप समूह (1492), दक्षिण अमेरिका (1498 ई.)
▪ कैप्टन कुक	हवाई द्वीप समूह (1770 ई.)
▪ कोपरनिकस (पोलैण्ड)	सौरमण्डल (1540 ई.)
▪ फर्नेण्डीज डी लैसेप्स	स्वेज नहर का निर्माण (1869 ई.)
▪ केपलर (जर्मन)	ग्रहों का गति-नियम (1600 ई.)
▪ मैगलन	विश्व का भ्रमण, अटलाण्टिक के द. से प्रशान्त महासागर की खोज (1519 ई.)
▪ वास्कोडिगामा (पुर्तगाल)	केप ऑफ गुड होप होकर भारत आगमन (1498 ई.)

पर्यावरण तथा पारिस्थितिकी

➤ पर्यावरण से तात्पर्य है किसी जीव, मनुष्य अथवा क्षेत्र के आस-पास की परिस्थितियाँ। इन परिस्थितियों में प्राकृतिक एवं मानवीय, दोनों ही परिस्थितियों को शामिल किया जा सकता है।

➤ पारिस्थितिकी विज्ञान जीव-जन्तुओं के पर्यावरण के साथ सह-सम्बन्धों का अध्ययन करने वाला विज्ञान है। पारिस्थितिकी शब्द की उत्पत्ति ग्रीक भाषा के शब्द 'ओकियोस' (Okios) से हुई है।

➤ **भौतिक अथवा अजैव पर्यावरण** किसी क्षेत्र की उन प्राकृतिक परिस्थितियों का योगफल है जो वहाँ जीवन को सम्भव बनाती हैं। खनिज, जल, वायु तथा ऊर्जा इस पर्यावरण का निर्माण करने वाले प्रमुख तत्त्व हैं।

➤ **जैव अथवा जैविक पर्यावरण** इसके अन्तर्गत किसी क्षेत्र में पाए जाने वाले पौधों तथा जीव-जन्तुओं को सम्मिलित किया जाता है।

➤ पारितन्त्र के अन्तर्गत जीव-जन्तु अपने पर्यावरण के साथ अन्योन्य क्रिया करते हैं तथा इस अन्योन्य क्रिया के फलस्वरूप जैविक पदार्थ का उत्पादन एवं उपभोग होता है तथा तन्त्र के अन्तर्गत जीवन चलता रहता है।

➤ **खाद्य-शृंखला** वह प्रक्रिया जिसके द्वारा पारितन्त्र में जैविक पदार्थ का संचरण एक जीव से दूसरे जीव तक होता है। दूसरे शब्दों में किसी को खाने या किसी के द्वारा खाए जाने की प्रक्रिया एक खाद्य-शृंखला कहलाती है।

➤ किसी खाद्य-शृंखला में विभिन्न जीव जो एक ही स्रोत से अपना भोजन प्राप्त करते हैं, एक पोषण स्तर अथवा एक पोषी स्तर के सदस्य होते हैं।

➤ मानव नियन्त्रित अथवा संचालित पारितन्त्रों में उत्पादकता बढ़ाने के लिए किए गए मानवीय प्रयासों को **पारिस्थितिकी अनुदान** कहा जाता है।

➤ किसी पारितन्त्र में विभिन्न पोषी स्तरों पर उपलब्ध ऊर्जा की मात्रा को यदि आनुपातिक आयतों के रूप में दर्शाया जाए, और इन आयतों को एक-दूसरे के ऊपर रखा जाए तो इसे **पारिस्थितिकी पिरामिड** कहा जाता है।

➤ **प्रवाल भित्तियाँ** तट से कुछ दूर समुद्र के कम गहरे क्षेत्रों में पाए गए कैल्सियम कार्बोनेट के विस्तृत निक्षेप होते हैं जिनका निर्माण मूँगा प्राणी के कवचों इत्यादि से होता है।

➤ ये प्राणी बड़ी संख्या में एक साथ रहते हैं तथा एक-दूसरे से चिपके हुए कवचों का निर्माण करते हैं। इसलिए इनके मृत शरीरों के निक्षेपण से इन विस्तृत स्थलाकृतियों का निर्माण होता है, उदाहरणार्थ—ऑस्ट्रेलिया तट के साथ ग्रेट बेरियर रीफ।

➤ **जैव विविधता** किसी पारितन्त्र अथवा किसी जीवोम अथवा पृथ्वी पर पादपों तथा जीव-जन्तुओं की विविधता।

- वर्ष 1992 में रियो-डि-जिनेरो में जैव विविधता सम्बन्धी सभी पहलुओं पर विश्व शिखर वार्ता के दौरान एक व्यापक समझौता किया गया।
- जैव विविधता अभिसमय के 190 सदस्य देश हैं।

➤ **ग्लोबल वार्मिंग** वायुमण्डल के धरातल के समीप की परतों के तापमान में वृद्धि होना। इस वृद्धि का प्रमुख कारण जीवाश्म ईंधनों का उपयोग तथा वनों के ह्रास जैसी मानवीय क्रियाएँ तथा ग्रीन हाउस गैसें (कार्बन डाइ-ऑक्साइड, जल वाष्प, मीथेन तथा ओजोन) हैं।

केन्द्रीय मन्त्रिमण्डल ने भारत द्वारा अधिगम और साझा लाभ (Access and Benefit Sharing—ABS) पर नागोया प्रोटोकॉल को मंजूरी दे दी। संरक्षण और सतत् प्रयोग से सम्बन्धित जैव विविधता पर यह प्रोटोकॉल सहायक होगा।

भारतीय राजव्यवस्था





संविधान का निर्माण

संविधान की रूपरेखा

- संविधान-सभा, जिसका चुनाव प्रादेशिक विधानसभाओं (केवल निचला सदन) के सदस्यों द्वारा परोक्ष रूप से किया गया था, की पहली बैठक 9 दिसम्बर, 1946 को सम्पन्न हुई।
- डॉ. सच्चिदानन्द सिन्हा को सर्वसम्मति से संविधान सभा का अस्थायी अध्यक्ष चुना गया।
- 11 दिसम्बर, 1946 की बैठक में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को सभा का स्थायी अध्यक्ष चुना गया।
- डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की अध्यक्षता में संविधानं सभा की प्रारूप समिति की स्थापना 29 अगस्त, 1947 को की गई। अध्यक्ष को मिलाकर इसके सदस्यों की कुल संख्या सात थी।



- संविधान निर्माण की प्रक्रिया में कुल 2 वर्ष, 11 महीने और 18 दिन लगे।
- 26 नवम्बर, 1949 को संविधान-सभा के अध्यक्ष के हस्ताक्षर के बाद इसे पारित घोषित किया गया।
- वर्ष 1930 से ही सम्पूर्ण भारत में 26 जनवरी का दिन स्वाधीनता दिवस के रूप में मनाया जाता था इसलिए 26 जनवरी, 1950 को प्रथम गणतन्त्र दिवस मनाया गया।
- भारत का संविधान 26 नवम्बर, 1949 को अंगीकार किया गया तथा 26 जनवरी, 1950 को पूंर्ण रूप से लागू हो गया।

संविधान के स्रोत

देश का नाम	स्रोत
ब्रिटेन	संसदीय शासन, विधि निर्माण प्रक्रिया, एकल नागरिकता
यूएसए	मौलिक अधिकार, न्यायिक पुनरावलोकन, न्यायपालिका की स्वतन्त्रता, सर्वोच्च न्यायालय का गठन एवं शक्तियाँ, राष्ट्रपति पर महाभियोग
कनाडा	संघात्मक व्यवस्था, अविशिष्ट शक्तियों का केन्द्र के पास होना
आयरलैण्ड	नीति-निदेशक सिद्धान्त
जर्मनी	आपात उपबन्ध
ऑस्ट्रेलिया	प्रस्तावना की भाषा, समवर्ती सूची, केन्द्र-राज्य सम्बन्ध
जापान	विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया
फ्रांस	गणतन्त्र
रूस	मौलिक कर्त्तव्यों का प्रावधान

- नवनिर्मित संविधान में 22 भाग, 395 अनुच्छेद और 8 अनुसूचियाँ थीं।

संविधान की उद्देशिका

नेहरू द्वारा प्रस्तुत उद्देश्य संकल्प में जो आदर्श प्रस्तुत किए गए उन्हें ही संविधान की उद्देशिका में शामिल कर लिया गया। संविधान के 42वें संशोधन, 1976 द्वारा यथा संशोधित यह उद्देशिका निम्न प्रकार है

"हम, भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतन्त्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक, और राजनीतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतन्त्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बन्धुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, सम्वत् दो हजार छह विक्रमी) को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।"

- संविधान की प्रस्तावना को 'संविधान की कुंजी' भी कहा जाता है।
- संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष' तथा 'अखण्डता' शब्द 42वें संविधान संशोधन द्वारा 1976 में जोड़े गए थे।

प्रारूप समिति के सदस्य

- डॉ. भीमराव अम्बेडकर (अध्यक्ष)
- अल्लादी कृष्णास्वामी अय्यर
- कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी
- एन. गोपालस्वामी आयंगर
- सैयद मौहम्मद सादुल्ला (मुस्लिम लीग के प्रतिनिधि)
- एन माधवराव (बी एल मित्र के स्थान पर नियुक्त)
- डी पी खेतान (1948 में इनकी मृत्यु के बाद टी कृष्णमाचारी को सदस्य बनाया गया।)

संविधान सभा की प्रमुख समितियाँ एवं अध्यक्ष

संचालन समिति	*डॉ. राजेन्द्र प्रसाद*
संघ संविधान समिति	*पं. जवाहरलाल नेहरू*
झण्डा समिति	*जे बी कृपलानी*
प्रान्तीय संविधान समिति	*सरदार वल्लभभाई पटेल*
प्रारूप समिति	*डॉ. भीमराव अम्बेडकर*
संघ शक्ति समिति	*पं. जवाहरलाल नेहरू*

वर्तमान में भारतीय संविधान में 22 भाग, 395 अनुच्छेद तथा 12 अनुसूचियाँ हैं।

संविधान के भाग, अनुच्छेद एवं संबंधित विवरण

भाग/अनुच्छेद	विवरण
भाग-1/अनुच्छेद 1-4	संघ और उसका राज्य क्षेत्र, नए राज्य का निर्माण
भाग-2/अनुच्छेद 5-11	नागरिकता
भाग-3/अनुच्छेद 12-35	मौलिक अधिकार
भाग-4/अनुच्छेद 36-51	राज्य के नीति-निदेशक सिद्धान्त
भाग-4 ए/अनुच्छेद 51 ए	नागरिकों के मौलिक कर्त्तव्य। (1976 के 42वें संशोधन से जोड़ा गया था)
भाग-5/अनुच्छेद 52-151	संघ सरकार से सम्बन्धित
भाग-6/अनुच्छेद 152-237	राज्य सरकार से सम्बन्धित
भाग-7/अनुच्छेद 238	प्रथम अनुच्छेद के भाग 'बी' से जुड़ा है। 1956 में 7वें संविधान संशोधन से हटा दिया गया।
भाग-8/अनुच्छेद 239-242	केन्द्र शासित प्रदेशों का प्रशासन
भाग-9/अनुच्छेद 242-243 ओ	पंचायतें
भाग-9/अनुच्छेद 243 पी-243 जेड.जी.	नगरपालिका
भाग-18/अनुच्छेद 352-360	आपात् उपवन्ध
भाग-19/अनुच्छेद 361-367	प्रकीर्ण/विविध
भाग-20/अनुच्छेद-368	संविधान संशोधन
भाग-21/अनुच्छेद 369-392	अस्थायी, परिवर्तित और विशेष कानून
भाग-22/अनुच्छेद 393-395	संक्षिप्त नाम, प्रारम्भ, हिन्दी में प्राधिकृत पाठ और निरसन



भारतीय संविधान की अनुसूचियाँ

- **प्रथम अनुसूची** इसमें भारतीय संघ के घटक राज्यों (28 राज्य) एवं संघ शासित क्षेत्रों (7) का उल्लेख है।
- **द्वितीय अनुसूची** इसमें भारतीय राजव्यवस्था के विभिन्न पदाधिकारियों को प्राप्त होने वाले वेतन, भत्ते और पेन्शन आदि का उल्लेख किया गया है।
- **तृतीय अनुसूची** इसमें विभिन्न पदाधिकारियों द्वारा पद-ग्रहण के समय ली जाने वाली शपथ का उल्लेख है।
- **चौथी अनुसूची** इसमें विभिन्न राज्यों तथा संघीय क्षेत्रों की राज्यसभा में प्रतिनिधित्व का विवरण दिया गया है।
- **पाँचवीं अनुसूची** इसमें विभिन्न अनुसूचित क्षेत्रों और अनुसूचित जनजाति के प्रशासन और नियन्त्रण के बारे में उल्लेख है।
- **छठी अनुसूची** इसमें असोम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम राज्यों के जनजाति क्षेत्रों के प्रशासन के बारे में प्रावधान है।
- **सातवीं अनुसूची** इसमें केन्द्र एवं राज्यों के बीच शक्तियों के बँटवारे के बारे में दिया गया है। इसके अन्तर्गत तीन सूचियाँ हैं—संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची।
  - (अ) **संघ सूची** इस सूची में दिए गए विषय पर केन्द्र सरकार कानून बनाती है। संविधान के लागू होने के समय इसमें 97 विषय थे; वर्तमान समय में इसमें 98 विषय हैं।
  - (ब) **राज्य सूची** इस सूची में दिए गए विषय पर राज्य सरकार कानून बनाती है। राष्ट्रीय हित से सम्बन्धित होने पर केन्द्र सरकार भी कानून बना सकती है। संविधान के लागू होने के समय इसके अन्तर्गत 66 विषय थे, वर्तमान समय में इसमें 62 विषय हैं।
  - (स) **समवर्ती सूची** इस सूची में दिए गए विषय पर केन्द्र एवं राज्य दोनों सरकारें कानून बना सकती हैं। संविधान के लागू होने के समय समवर्ती सूची में 47 विषय थे—वर्तमान समय में इसमें 52 विषय हैं।
- **आठवीं अनुसूची** इसमें भारत की 22 भाषाओं का उल्लेख किया गया है।
- **नौवीं अनुसूची** संविधान में यह अनुसूची प्रथम संविधान संशोधन अधिनियम, 1951 द्वारा जोड़ी गई। इसके अन्तर्गत राज्य द्वारा सम्पत्ति के अधिग्रहण की विधियों का उल्लेख किया गया है।
- **दसवीं अनुसूची** यह संविधान में 52वें संशोधन, 1985 द्वारा जोड़ी गई। इसमें दल-बदल से सम्बन्धित प्रावधानों का उल्लेख है।
- **ग्यारहवीं अनुसूची** यह अनुसूची संविधान में 73वें संवैधानिक संशोधन (1993) द्वारा जोड़ी गई। इसमें पंचायती राज संस्थाओं को कार्य करने के लिए 29 विषय प्रदान किए गए हैं।
- **बारहवीं अनुसूची** यह अनुसूची संविधान में 74वें संवैधानिक संशोधन (1993) द्वारा जोड़ी गई। इसमें शहरी क्षेत्र की स्थानीय स्वशासन संस्थाओं को कार्य करने के लिए 18 विषय दिए गए हैं।

संघ सूची के प्रमुख विषय

रक्षा, विदेशी मामले, मुद्रा, रेलवे, नौसेना, वायु सेना, थल सेना, आयुध, परमाणु ऊर्जा, पासपोर्ट, वीजा, राष्ट्रीय राजमार्ग, बन्दरगाह, डाक-तार, टेलीफोन, डाकघर, बचत बैंक, स्टॉक एक्सचेन्ज, तेल क्षेत्र, अफीम की खेती, जनगणना, संघ लोक सेवा आयोग, निगम कर, समाचार-पत्रों के क्रय-विक्रय तथा उनके विज्ञापनों पर कर, संसद एवं सभी केन्द्रीय विश्वविद्यालय।

राज्य सूची के प्रमुख विषय

कानून व्यवस्था, पुलिस, उच्च-न्यायालय के अधिकारी व सेवक, कारागार, स्थानीय शासन, लोक स्वास्थ्य व स्वच्छता, अस्पताल, शव अन्तिम क्रिया व कब्रिस्तान, शवदाह एवं श्मशान, कृषि, पशुधन का परिरक्षण, भूमि, मछली पालन, बाजार, मेले, राज्य लोक सेवा, राज्य लोक ऋण, कृषि आय पर कर, भूमि व भवन कर।

समवर्ती सूची के प्रमुख विषय

दण्ड विधि, बन्दी, विवाह व विवाह विच्छेद, शिशु या वयस्क दत्तक ग्रहण, वन, शिक्षा, विधि वृत्ति, चिकित्सा वृत्ति, कीमत नियन्त्रण, कारखाने, विद्युत, जनसंख्या नियन्त्रण, परिवार नियोजन, सम्पत्ति का अर्जन, एवं अधिग्रहण, जन्म व मृत्यु का पंजीकरण आदि विषय समवर्ती सूची में रखे गए हैं।

संघ और राज्य क्षेत्र

- संविधान का भाग 1, प्रथम अनुसूची (अनुच्छेद 1 से 4) संघ और इसके क्षेत्र से सम्बन्धित हैं।
- संविधान का अनुच्छेद 1 के अनुसार, "इण्डिया जो कि भारत है, राज्यों का संघ होगा"।
- अनुच्छेद 3, वर्तमान राज्य क्षेत्रों में से नए राज्यों के निर्माण के विषय में व्याख्या करता है।



राज्यों का पुनर्गठन



- स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देशी रियासतों और ब्रिटिश शासित भारतीय रियासतों का विलय कर दिया गया।
- भाषा के आधार पर 1953 में आन्ध्र प्रदेश राज्य का गठन किया गया।
- बाद में फजल अली आयोग की सिफारिशों ने राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया। इसके आधार पर 14 राज्यों और 6 संघ शासित प्रदेशों का निर्माण किया।
- 1 मई, 1960 को मराठी एवं गुजराती भाषियों के बीच संघर्ष के कारण बम्बई राज्य का बँटवारा कर महाराष्ट्र एवं गुजरात—दो राज्यों की स्थापना की गई।
- भारत सरकार ने 18 दिसम्बर, 1961 को गोवा, दमन व दीव में पुर्तगालियों से मुक्त कराकर उन पर पूर्ण अधिकार कर लिया। बारहवें संविधान संशोधन द्वारा गोवा, दमन व दीव को प्रथम परिशिष्ट में शामिल करके भारत का अभिन्न अंग बना दिया गया।
- नागा आन्दोलन के कारण असोम को विभाजित करके 1 दिसम्बर, 1963 में नागालैण्ड को अलग राज्य बनाया गया।
- 1 नवम्बर, 1966 में पंजाब को विभाजित करके पंजाब (पंजाबी भाषी) एवं हरियाणा (हिन्दी भाषी) दो राज्य बना दिए गए।
- 25 जनवरी, 1971 को हिमाचल प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया।
- 21 जनवरी, 1972 को मणिपुर त्रिपुरा एवं मेघालय को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया।
- 20 फरवरी, 1987 को मिजोरम व अरुणाचल प्रदेश तथा 30 मई, 1987 को गोवा को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया।
- सन् 2000 में मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश से उत्तरांचल (उत्तराखण्ड) तथा बिहार से झारखण्ड नामक राज्य बनाए गए।

जम्मू और कश्मीर

- भारतीय संविधान जम्मू और कश्मीर को अनुच्छेद 370 के अन्तर्गत विशेष दर्जा प्रदान करता है।
- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 1, जम्मू और कश्मीर को भारतीय क्षेत्र के एक भाग के रूप में पन्द्रहवाँ राज्य निर्दिष्ट करता है।
- अनुच्छेद 370 के अनुसार, संघ और समवर्ती सूचियों में संसद की, राज्यों के लिए कानून बनाने की शक्तियाँ, उन मामलों में सीमित रहेंगी, जिनमें राज्य सरकारों की सहमति शामिल है।
- राज्य द्वारा नियुक्त एक संविधान सभा द्वारा जम्मू और कश्मीर के लिए एक पृथक् संविधान का निर्माण किया गया, जो 26 जनवरी, 1957 से अस्तित्व में आया।

राज्य/केन्द्रशासित प्रदेश एवं उनकी आधिकारिक भाषाएँ

राज्य	राजधानी	भाषा
आन्ध्र प्रदेश	हैदराबाद	तेलुगू, उर्दू
अरुणाचल प्रदेश	ईटानगर	मोनपा, मिजी, अका शेरडुक्पेन, नियशेक
असोम	दिसपुर	असमी
बिहार	पटना	हिन्दी, उर्दू
छत्तीसगढ़	रायपुर	हिन्दी
गोवा	पणजी	मराठी, कोंकणी
गुजरात	गाँधीनगर	गुजराती
हरियाणा	चण्डीगढ़	हिन्दी
हिमाचल प्रदेश	शिमला	हिन्दी, पहाड़ी
जम्मू एवं कश्मीर	श्रीनगर	उर्दू, कश्मीरी, डोगरी, पहाड़ी व लद्दाखी
झारखण्ड	राँची	हिन्दी
कर्नाटक	बंगलुरु	कन्नड़
केरल	तिरुअनन्तपुरम	मलयालम
मध्य प्रदेश	भोपाल	हिन्दी
महाराष्ट्र	मुम्बई	मराठी
मणिपुर	इम्फाल	मणिपुरी
मेघालय	शिलांग	खासी, गारो, अंग्रेजी

राज्य	राजधानी	भाषा
मिजोरम	आइजोल	मिजो, अंग्रेजी
नागालैण्ड	कोहिमा	अंगामी, ओ. चॉग
ओडिशा	भुवनेश्वर	उड़िया
पंजाब	चण्डीगढ़	पंजाबी
राजस्थान	जयपुर	हिन्दी, राजस्थानी
सिक्किम	गंगटोक	लेप्चा, भूटिया, नेपाली
तमिलनाडु	चेन्नई	तमिल
त्रिपुरा	अगरतला	त्रिपुरी
उत्तराखण्ड	देहरादून	हिन्दी, गढ़वाली, संस्कृत, (राजभाषा घोषित)
उत्तर प्रदेश	लखनऊ	हिन्दी, उर्दू
पश्चिम बंग	कोलकाता	बंगाली

केन्द्रशासित प्रदेश

राज्य	राजधानी	भाषा
अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह	पोर्ट ब्लेयर	हिन्दी, निकोबारी, बंगाली, तमिल, तेलुगू, मलयालम
चण्डीगढ़	चण्डीगढ़	हिन्दी, पंजाबी
दादरा एवं नगर हवेली	सिलवासा	गुजराती, हिन्दी
दमन और दीव	दमन	गुजराती
दिल्ली	दिल्ली	हिन्दी, पंजाबी, उर्दू
लक्षद्वीप	कावारत्ती	जेसेरी, महल
पुदुचेरी	पुदुचेरी	तमिल, तेलुगू, मलयालम



नागरिकता

- भारत में एकल नागरिकता का प्रावधान है।
- भारतीय नागरिकता अधिनियम, 1955 ई. के अनुसार निम्न में से किसी एक आधार पर नागरिकता प्राप्त की जा सकती है
  1. जन्म से (26 जनवरी, 1950 को या इसके बाद पैदा होने वाले व्यक्ति जन्म से ही भारत के नागरिक माने जाएँगे)।
  2. वंश-परम्परा द्वारा
  3. देशीयकरण द्वारा
  4. पंजीकरण द्वारा
  5. किसी क्षेत्र के भारत में समाहित होने पर
- भारतीय नागरिकता का अन्त भारतीय नागरिकता का अन्त निम्न प्रकार से हो सकता है
  1. नागरिकता का परित्याग करने से।
  2. किसी अन्य देश की नागरिकता स्वीकार कर लेने पर।
  3. सरकार द्वारा नागरिकता छीनने पर।



मौलिक अधिकार

- मौलिक अधिकार वे अधिकार हैं जो एक व्यक्ति के व्यक्तित्व के विकास के लिए अनिवार्य हैं और जाति, रंग, धर्म, नस्ल और लिंग का लिहाज किए बिना इनका उपयोग सभी के द्वारा किया जाता है।
- संविधान का भाग 3 (अनुच्छेद 12 से 35) मौलिक अधिकारों की व्याख्या करता है, भारतीय नागरिकों की अनिवार्य स्वतन्त्रता के मैग्नाकार्टा का निर्माण करता है।

> 1931 में कराची अधिवेशन (अध्यक्ष सरदार बल्लभ भाई पटेल) में कांग्रेस ने घोषणा-पत्र में मूल अधिकारों की माँग की। मूल अधिकारों का प्रारूप जवाहरलाल नेहरू ने बनाया था।

- ये अधिकार न्यायसंगत हैं और आवश्यक हो तो न्यायालय द्वारा इन्हें लागू भी किया जा सकता है।
- मूलतः ये सात थे लेकिन सन् 1979 में 44वें संविधान संशोधन द्वारा सम्पत्ति के अधिकार को हटा दिया गया।
- भारतीय संविधान निम्नलिखित मौलिक अधिकारों की गारन्टी देता है

समानता का अधिकार

- कानून के समक्ष समानता; (अनुच्छेद 14)
- धर्म, जाति, लिंग या जन्म स्थान में आधार पर राज्य द्वारा भेदभाव करने का निषेध; (अनुच्छेद 15)
- सार्वजनिक नियुक्तियों के मामलों के अवसरों की समानता; (अनुच्छेद 16)
- अस्पृश्यता का उन्मूलन (अनुच्छेद 17)
- सैनिक और शैक्षिक उपाधियों के अलावा अन्य उपाधियों का अन्त; (अनुच्छेद 18)

स्वतन्त्रता का अधिकार

- विचार और अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता (अनुच्छेद 19)
- अस्त्र-शस्त्र रहित तथा शान्तिपूर्वक सम्मेलन की स्वतन्त्रता (अनुच्छेद 19)
- समुदाय और संघ निर्माण की स्वतन्त्रता, भारत राज्य क्षेत्र में अबाध भ्रमण की स्वतन्त्रता, अबाध निवास की स्वतन्त्रता, वृत्ति, उपजीविका या कारोबार की स्वतन्त्रता (अनुच्छेद 19)
- अपराध की सजा के विषय में संरक्षण (अनुच्छेद 20)
- प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण (अनुच्छेद 21)
- बन्दीकरण की अवस्था में संरक्षण (अनुच्छेद 22)

> अनुच्छेद 21 (क) 6 से 14 वर्ष की आयु के सभी बच्चों के लिए निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान करता है। यह अनुच्छेद 86वें संविधान संशोधन द्वारा वर्ष 2002 में जोड़ा गया।

शोषण के विरुद्ध अधिकार

- मानव के व्यापार और बन्धुआ मजदूरी का निषेध। (अनुच्छेद 23)
- 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को उद्योगों, खानों और जोखिम भरे कार्यों में लगाने की मनाही। (अनुच्छेद 24)

धार्मिक स्वतन्त्रता का अधिकार

- अन्तःकरण की स्वतन्त्रता और धर्म को प्रदर्शित करने, आचरण और उसका प्रचार करने का अधिकार। (अनुच्छेद 25)
- धार्मिक क्रियाकलापों के प्रबन्धन की स्वतन्त्रता। (अनुच्छेद 26)
- किसी धर्म विशेष के बढ़ावे के लिए चन्दा देने या न देने की स्वतन्त्रता। (अनुच्छेद 27)
- शिक्षण संस्थाओं में पूजा के धार्मिक अनुदेशों से उपस्थिति की मुक्ति। (अनुच्छेद 28)

संस्कृति और शिक्षा सम्बन्धी अधिकार

- अल्पसंख्यकों की भाषा, लिपि या संस्कृति की रक्षा।
- अल्पसंख्यकों द्वारा शैक्षिक संस्थाएँ स्थापित करने और उन्हें संचालित करने का अधिकार।
- राज्य द्वारा स्थापित या राज्य कोष द्वारा सहायता प्राप्त किसी भी शैक्षिक संस्था में प्रवेश पाने पर मनाही का निषेध।

संवैधानिक उपचारों का अधिकार

- अनुच्छेद 32 के अन्तर्गत उपरोक्त अधिकारों को लागू करने के लिए न्यायिक रिटों का प्रावधान है जो निम्न हैं
- **बन्दी प्रत्यक्षीकरण** यह गलत तरीके से बन्दीकरण के विरुद्ध जारी किया जाता है और बन्दी बनाए गए व्यक्ति को निर्दोष साबित होने पर छोड़ दिया जाता है। यह आपराधिक जुर्म के मामलों में जारी नहीं किया जा सकता।
- **परमादेश** यह उस समय जारी किया जाता है, जब कोई पदाधिकारी अपने सार्वजनिक कर्त्तव्य का निर्वाह नहीं करता है।
- **प्रतिषेध** यह निचली अदालत को ऐसा कार्य करने से रोकता है जो उसके अधिकार क्षेत्र से बाहर है।
- **अधिकार पृच्छा** यह एक व्यक्ति को एक जन कार्यालय में काम करने से मना करता है जिसका उसे अधिकार नहीं है।
- **उत्प्रेषण** यह तभी जारी किया जाता है जब एक अदालत या न्यायालय अपने न्याय क्षेत्र से बाहर कार्य करता है। यह 'निषेध' से अलग है और यह कार्य सम्पादित होने के बाद ही जारी किया जाता है।

- डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने अनुच्छेद 32 (संवैधानिक उपचारों का अधिकार) को संविधान की आत्मा एवं हृदय बताया है।



राज्य के नीति-निदेशक सिद्धान्त

भाग 4 (अनुच्छेद 36 से 51) में राज्य के नीति-निदेशक सिद्धान्तों का प्रावधान किया गया है जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि राज्यों में उचित और समान सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था (एक कल्याणकारी राज्य) स्थापित की जा सके।

अनुच्छेद 36 सामाजिक व्यवस्था की सुरक्षा और बचाव।

अनुच्छेद 37 न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय नहीं है किन्तु इन्हें लागू करना राज्य का कर्त्तव्य ।

अनुच्छेद 38 सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय व्यवस्था।

अनुच्छेद 39 समान न्याय, सभी नागरिकों के लिए आजीविका के पर्याप्त साधन उपलब्ध कराना और स्त्री तथा पुरुषों के लिए समान काम के लिए समान वेतन सुनिश्चित करना तथा धन का समान वितरण।

अनुच्छेद 40 स्थानीय स्वशासन की इकाई के रूप में ग्राम पंचायतों का गठन।

अनुच्छेद 41 लोगों के लिए बेरोजगारी, वृद्धावस्था और रुग्णावस्था आदि की स्थिति में कार्य करने के अवसर, मजदूरी और जन-सहायता।

अनुच्छेद 42 कार्य करने की मानवीय अवस्था और प्रसूति दौरान आराम।

अनुच्छेद 43 आजीविका, मजदूरी और जीवन के एक बेहतर स्तर का समर्थन तथा उद्योगों के प्रबन्धन में मजदूरों के हिस्सा लेने के अधिकार को भी समर्थन।

अनुच्छेद 44 नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता (सिविल कोड)।

अनुच्छेद 45 निःशुल्क और अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने का समर्थन।

अनुच्छेद 46 कमजोर वर्गों के शैक्षिक और आर्थिक कल्याण को बढ़ावा है और उन्हें सामाजिक अन्याय से बचाना है।

अनुच्छेद 47 जन-स्वास्थ्य में सुधार लाने के लिए पोषक आहार के स्तर में और जीवन स्तर में वृद्धि करने का प्रयास।

अनुच्छेद 48 कृषि और पशुपालन में आधुनिक विधियों की व्यवस्था।

अनुच्छेद 49 ऐतिहासिक रुचि और राष्ट्रीय महत्त्व के सभी स्मारकों को सुरक्षित रखना।

अनुच्छेद 50 न्यायपालिका का कार्यपालिका से पृथक्करण।

अनुच्छेद 51 अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति और बन्धुत्व को बढ़ावा देने का प्रयास।



मौलिक कर्त्तव्य

सरदार स्वर्ण सिंह समिति की अनुशंसा पर मौलिक कर्त्तव्यों को सन् 1976 में 42वें संविधान संशोधन द्वारा अनुच्छेद 51 ए के अन्तर्गत संविधान में समाविष्ट किया गया।

वर्तमान में मौलिक कर्त्तव्यों की संख्या 11 है। ये निम्नलिखित हैं

1. प्रत्येक नागरिक का यह कर्त्तव्य होगा कि वह संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे।
2. स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे।
3. भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे।
4. देश की रक्षा करे।
5. भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे।
6. हमारी सामाजिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परीक्षण करे।
7. प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और उसका संवर्द्धन करे।
8. वैज्ञानिक दृष्टिकोण और ज्ञानार्जन की भावना का विकास करे।
9. व्यक्तिगत एवं सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत् प्रयास करे।
10. सार्वजनिक सम्पत्ति को सुरक्षित रखे।
11. माता-पिता या संरक्षक द्वारा 6 से 14 वर्ष के बच्चों हेतु निःशुल्क शिक्षा प्रदान करना (86वाँ संविधान संशोधन)।



संघीय कार्यपालिका

राष्ट्रपति

- भारतीय संघ की कार्यपालिका शक्तियाँ राष्ट्रपति में निहित हैं।
- राष्ट्रपति का कार्यकाल पाँच वर्ष का होता है।

राष्ट्रपति के चुनाव के लिए योग्यताएँ

- वह भारत का नागरिक होना चाहिए।
- उसने 35 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली हो।
- वह लोकसभा सदस्य के रूप में चुनाव के योग्य होना चाहिए।
- वह भारत सरकार या किसी भी राज्य सरकार या इनमें से किसी भी सरकार द्वारा नियन्त्रित किसी अन्य स्थानीय सत्ता के अधीन कोई भी लाभ के पद पर कार्यरत न हो।

राष्ट्रपति का चुनाव

- राष्ट्रपति का चुनाव एक निर्वाचक मंडल के सदस्यों द्वारा होता है। यह निर्वाचक मंडल संसद के दोनों सदनों के चुने गए सदस्यों और राज्य विधानसभाओं के चुने गए सदस्यों से निर्मित होता है।
- राष्ट्रपति का चुनाव एक समानुपाती प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार एकल हस्तान्तरणीय मत के माध्यम से होता है और गुप्त मत-पत्र द्वारा होता है।
- संसद के दोनों सदनों के मनोनीत सदस्य, राज्य विधानसभाओं के मनोनीत सदस्य और राज्य विधान-परिषद् के सदस्य राष्ट्रपति के चुनाव में भाग नहीं लेते।
- यदि व्यक्ति राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति के पद पर हो या संघ अथवा किसी राज्य की मंत्रिपरिषद् का सदस्य हो, तो वह लाभ का पद नहीं माना जाएगा।
- एक निर्वाचित विधानसभा के सदस्य के मत का मूल्य

$$= \frac{\text{राज्य की जनसंख्या}}{\text{राज्य विधानसभा के निर्वाचित सदस्यों की संख्या}} \times 100$$

- एक सांसद के मत का मूल्य

$$= \frac{\text{राज्य की विधानसभाओं के लिए नियत मतों की कुल संख्या}}{\text{संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्यों की संख्या}} \times 100$$

> जनसंख्या के लिए 1971 की जनगणना को आधार माना गया है तथा 2026 तक यही स्थिति रहेगी।

- राष्ट्रपति पद पर निर्वाचित घोषित होने के लिए वैध मतों की संख्या 50% से अधिक होनी चाहिए।
- राष्ट्रपति चुनाव के विषय में यदि कोई विवाद उत्पन्न होता है तो केवल सर्वोच्च न्यायालय को ही इस मामले में हस्तक्षेप का अधिकार है।

कार्य व शक्तियाँ

- **कार्यपालिका सम्बन्धी शक्तियाँ** महत्वपूर्ण अधिकारियों की नियुक्ति व पदच्युति, शासन संचालन सम्बन्धी शक्ति, सैनिक क्षेत्र में शक्ति, इत्यादि।
- **विधायी शक्तियाँ** विधायी क्षेत्रों का प्रशासन, सदस्यों का मनोनयन, अध्यादेश जारी करने की शक्ति, आदि।
- **संकटकालीन शक्तियाँ** संकट की स्थिति का सामना करने के लिए संविधान द्वारा राष्ट्रपति को

विशेष शक्तियाँ प्रदान की गई हैं। संकटकालीन प्रावधान निम्न हैं

- युद्ध वाहरी आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह की स्थिति से सम्बन्धित संकटकालीन व्यवस्था (अनु. 352)
- राज्यों में संवैधानिक तन्त्र के विफल होने से उत्पन्न संकटकालीन व्यवस्था (अनु 356)
- वितीय संकट (अनु 360)
- राष्ट्रपति पद की रिक्ति को छह महीने के अन्दर भरना होता है।
- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद भारत के प्रथम राष्ट्रपति थे। वे लगातार दो बार राष्ट्रपति निर्वाचित हुए।
- डॉ. एस राधाकृष्णन लगातार दो बार उप-राष्ट्रपति तथा एक बार राष्ट्रपति रहे।
- केवल वी वी गिरि के निर्वाचन के समय दूसरे चक्र की मतगणना करनी पड़ी।
- नीलम संजीव रेड्डी एकमात्र ऐसे राष्ट्रपति हुए जो एक बार चुनाव में हार गए, फिर बाद में निर्विरोध राष्ट्रपति निर्वाचित हुए।
- भारत की प्रथम महिला राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल हैं।

पद त्याग

राष्ट्रपति निम्न दशाओं में पाँच वर्ष से पहले भी पद त्याग सकता है

- उपराष्ट्रपति को संबोधित अपने त्याग-पत्र द्वारा
- महाभियोग द्वारा हटाए जाने पर (अनु. 56 एवं 61)। महाभियोग के लिए केवल एक ही आधार है, जो अनु. 61(1) में उल्लेखित है, वह है—संविधान का अतिक्रमण।

> - राष्ट्रपति, मुख्य न्यायाधीश की उपस्थिति में शपथ लेता है तथा मुख्य न्यायाधीश की अनुपस्थिति में सर्वोच्च न्यायालय के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश की उपस्थिति में।
> - राष्ट्रपति का वेतन संचित निधि पर भारित तथा आयकर से मुक्त होता है।
> - वह अपना त्याग-पत्र उप-राष्ट्रपति को सौंप सकता है।

उप-राष्ट्रपति

- अनुच्छेद 63 यह व्यवस्था करता है कि भारत का एक उप-राष्ट्रपति होगा।
- उप-राष्ट्रपति का चुनाव संसद के दोनों सदनों के सदस्यों द्वारा होता है। यह चुनाव एकल हस्तान्तरणीय मत के माध्यम से समानुपाती प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार होता है।
- उप-राष्ट्रपति के चुनाव से सम्बन्धित या इससे जुड़ा कोई भी विवाद सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्णित होता है जिसका न्यायादेश विशिष्ट और अन्तिम है।
- एक व्यक्ति के उप-राष्ट्रपति के रूप में चुनाव के लिए योग्यताएँ वही हैं जो राष्ट्रपति के चुनाव के लिए होती हैं सिवाय ये कि उप-राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार राज्यसभा के सदस्य के चुनाव के योग्य होना चाहिए।
- उप-राष्ट्रपति राज्यसभा का पदेन सभापति होता है तथा राज्यसभा का सदस्य नहीं होता है।
- जब वह राष्ट्रपति का कार्यभार सम्भालता है तो वह राज्यसभा के सभापति के रूप में कार्य नहीं करेगा और सभापति के वेतन को पाने का हकदार नहीं होगा।
- डॉ.एस राधाकृष्णन भारत के पहले उप-राष्ट्रपति थे।

प्रधानमन्त्री एवं मन्त्रिपरिषद्

- संविधान के अनुच्छेद 74 के अनुसार राष्ट्रपति को उसके कार्यों के सम्पादन व सलाह देने हेतु एक मन्त्रिपरिषद् होती है जिसका प्रमुख प्रधानमन्त्री होता है।
- संविधान के अनुच्छेद 75 के अनुसार प्रधानमन्त्री की नियुक्ति राष्ट्रपति करेगा और अन्य मन्त्रियों की नियुक्ति राष्ट्रपति, प्रधानमन्त्री की सलाह पर करेगा।
- पद ग्रहण से पूर्व प्रधानमन्त्री सहित प्रत्येक मन्त्री को राष्ट्रपति के सामने पद और गोपनीयता की शपथ लेनी होती है।
- मन्त्रिपरिषद् सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होती है। (अनुच्छेद 75 (3))
- प्रधानमन्त्री की सलाह पर ही राष्ट्रपति लोकसभा भंग करता है।
- देश के पहले प्रधानमन्त्री पं. जवाहरलाल नेहरू थे। वे वर्ष 1947 से 1964 तक भारत के प्रधानमन्त्री थे।
- प्रधानमन्त्री, योजना आयोग का पदेन अध्यक्ष भी होता है।
- देश की प्रथम महिला प्रधानमन्त्री श्रीमती इन्दिरा गाँधी थी।
- पी वी नरसिंह राव एवं एच डी देवगौड़ा, प्रधानमन्त्री का पद ग्रहण करते समय किसी भी सदन के सदस्य नहीं थे।
- ऐसे प्रधानमन्त्री जो पद ग्रहण करते समय राज्यसभा के सदस्य थे श्रीमती इन्दिरा गाँधी, इन्द्र कुमार गुजराल एवं मनमोहन सिंह।
- चौ. चरण सिंह एकमात्र ऐसे प्रधानमन्त्री रहे, जो कभी लोकसभा में उपस्थित नहीं हुए।
- विश्वास मत प्राप्त करने में असफल होने वाले प्रथम प्रधानमन्त्री विश्वनाथ प्रताप सिंह हैं।
- सबसे कम समय तक रहने वाले प्रधानमन्त्री अटलबिहारी वाजपेयी (मात्र 13 दिन)।
- गुलजारी लाल नन्दा दो बार भारत के अन्तरिम प्रधानमन्त्री बने।



विधायिका

संसद

➤ भारत की संसद राष्ट्रपति, राज्यसभा तथा लोकसभा से मिलकर बनी है।

➤ राज्यसभा को उच्च सदन कहा जाता है, जबकि लोकसभा को निम्न सदन।

राज्यसभा

➤ राज्यसभा या संसद का उच्च सदन, राज्यों के प्रतिनिधियों से बनता है।

➤ राज्यसभा के सदस्यों की अधिकतम संख्या 250 है। वर्तमान में यह संख्या 245 है, जिनमें से 233 सदस्यों का चुनाव राज्यों से तथा शेष 12सदस्य राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किए जाते हैं।

➤ कला, साहित्य विज्ञान और समाज सेवा के क्षेत्र में व्यक्तियों के विशेष योगदान के लिए राज्यसभा के सदस्य के लिए मनोनीत किया जाता है।

➤ राज्यसभा के सदस्य 6 वर्ष की अवधि के लिए निर्वाचित किए जाते हैं।

➤ यद्यपि राज्यसभा एक स्थायी सदन है, लेकिन इसके दो तिहाई सदस्य हर दो वर्ष बाद सेवानिवृत्त हो जाते हैं।

➤ प्रत्येक राज्य विधानमण्डल के निर्वाचित सदस्य अपने प्रतिनिधि आनुपातिक प्रतिनिधित्व के आधार पर एकल हस्तान्तरणीय मत के माध्यम से चुनते हैं।

➤ राज्यसभा में उत्तर प्रदेश की सबसे अधिक सीटें (31) हैं और महाराष्ट्र की दूसरी सर्वाधिक सीटें (19) हैं। उत्तर-पूर्वी राज्यों (असोम को छोड़कर) में प्रत्येक की एक सीट है।

राज्यसभा सदस्य की योग्यताएँ

➤ उम्मीदवार भारत का नागरिक होना चाहिए।

➤ उसकी आयु 30 वर्ष होनी चाहिए।

राज्यसभा की शक्ति और कार्य

➤ वैधानिक शक्तियों के विषय में राज्यसभा की शक्तियाँ लोकसभा की शक्तियों के समकक्ष ही हैं।

➤ कोई भी विधेयक तब तक कानून नहीं बन सकता जब तक कि राज्यसभा उसे पारित न कर दे।

➤ किसी भी धन विधेयक को राज्यसभा में पेश नहीं किया जा सकता।

➤ जब लोकसभा एक धन विधेयक को पारित कर देती है और इसे राज्यसभा में भेजा जाता है तो राज्यसभा इस विधेयक को 14 दिनों के लिए रोक कर रख सकती है। यह विधेयक को रद्द नहीं कर सकती।

➤ राज्यसभा को राज्यसभा में उपस्थित तथा मतदान देने वाले सदस्यों के कम-से-कम दो तिहाई सदस्यों के बहुमत से अखिल भारतीय सेवाओं के सृजन का अधिकार है। (अनु. 312)

भारत का उप-राष्ट्रपति, राज्यसभा का पदेन सभापति होता है।

लोकसभा

➤ लोकसभा संसद का प्रथम या निम्न सदन है, जिसकी अध्यक्षता करने के लिए एक अध्यक्ष होता है।

➤ लोकसभा अपनी पहली बैठक के पश्चात यथाशीघ्र अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का निर्वाचन करती है। (अनुच्छेद 93)

➤ मूल संविधान में लोकसभा की अधिकतम सदस्य-संख्या 550 निर्धारित की गई है। वर्तमान में लोकसभा की सदस्य संख्या 545 है। इन सदस्यों में 530 सदस्य राज्यों से तथा 13 सदस्य केन्द्रशासित प्रदेशों से निर्वाचित होते हैं तथा 2 सदस्य आंग्ल-भारतीय वर्ग के प्रतिनिधि के रूप में राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत होते हैं।

➤ अगस्त 2001 में संसद द्वारा पारित 84वें संविधान संशोधन विधेयक के अनुसार लोकसभा एवं विधानसभाओं की सीटों की संख्या 2026 ई. तक यथावत रखने का प्रावधान किया गया है।

➤ लोकसभा के सदस्यों का चुनाव गुप्त मतदान के द्वारा वयस्क मताधिकार (18 वर्ष) प्रणाली के आधार पर होता है।

- लोकसभा एवं राज्यसभा के अधिवेशन राष्ट्रपति के द्वारा ही बुलाए और स्थगित किए जाते हैं। लोकसभा की दो बैठकों में 6 माह से अधिक का अन्तर नहीं होना चाहिए।
- संविधान के अनुच्छेद 108 में संसद के संयुक्त अधिवेशन की व्यवस्था है। संयुक्त अधिवेशन राष्ट्रपति के द्वारा बुलाया जा सकता है। धन विधेयक के सम्बन्ध में लोकसभा का निर्णय अन्तिम होता है। इस सम्बन्ध में संयुक्त अधिवेशन की व्यवस्था नहीं है।

लोकसभा सदस्य की योग्यताएँ

➤ वह भारत का नागरिक हो।

➤ उसकी आयु 25 वर्ष या इससे अधिक हो।

➤ वह पागल तथा दिवालिया न हो।

➤ भारत सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के अन्तर्गत वह कोई लाभ के पद पर नहीं हो।

➤ लोकसभा का अधिकतम कार्यकाल सामान्यतः 5 वर्ष का होता है।

लोकसभा अध्यक्ष (स्पीकर)

➤ लोकसभा के अध्यक्ष का चुनाव सदस्यों के बीच में से ही होता है। इसे स्पीकर भी कहा जाता है।

➤ स्पीकर, लोकसभा भंग होने के बाद भी अपने पद पर बना रहता है, जब तक नई निर्वाचित लोकसभा का पहला अधिवेशन होता है।

➤ वह यह निर्णय करता है कि विशेष विधेयक धन विधेयक है या नहीं और उसका निर्णय अन्तिम होता है।

➤ स्पीकर पहली बार मतदान नहीं करता है। गतिरोध को दूर करने के लिए अपने मत का प्रयोग कर सकता है।

➤ लोकसभा अध्यक्ष को कुल सदस्यों की संख्या के 2/3 बहुमत द्वारा पद से हटाया जा सकता है।

➤ उसे पद से हटाने के बाद भी वह तब तक पद पर बना रहता है जब तक कि उसका उत्तराधिकारी कार्यभार नहीं सम्भाल लेता।

➤ सदन एक उपाध्यक्ष का भी चुनाव करता है जो अध्यक्ष की अनुपस्थिति में उसका कार्यभार सम्भालता है।

प्रोटेम स्पीकर वे साधारणतः नई लोकसभा के सबसे वरिष्ठ सदस्य होते हैं, जिन्हें राष्ट्रपति नई लोकसभा की बैठक की अध्यक्षता करने, नए सदस्यों को शपथ दिलाने, अध्यक्ष पद के निर्वाचन का संचालन करने के लिए नियुक्त करता है।

➤ राष्ट्रपति, लोकसभा के चुनाव के तुरन्त बाद एक अस्थायी अध्यक्ष की नियुक्ति करता है जो कि सदन में वरिष्ठ सदस्य होता है

➤ देश के पहले लोकसभा अध्यक्ष जी वी मावलंकर थे।

➤ मीरा कुमार देश की पहली महिला लोकसभा अध्यक्ष हैं।

विभिन्न राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों में लोकसभा/राज्यसभा की सीटों का वितरण

राज्य	सदस्य संख्या		राज्य	सदस्य संख्या		राज्य	सदस्य संख्या	
	लो.स.	रा.स.		लो.स.	रा.स.		लो.स.	रा.स.
उत्तर प्रदेश	80	31	हरियाणा	10	5	गोवा	2	1
बिहार	40	16	जम्मू-कश्मीर	6	4	छत्तीसगढ़	11	5
महाराष्ट्र	48	19	हिमाचल प्रदेश	4	3	उत्तराखण्ड	5	3
आन्ध्र प्रदेश	42	18	त्रिपुरा	2	1	झारखण्ड	14	6
मध्य प्रदेश	29	11	मणिपुर	2	1	संघीय क्षेत्र		
तमिलनाडु	39	18	पंजाब	13	7	दिल्ली	7	3
कर्नाटक	28	12	पश्चिम बंग	42	16	पुदुचेरी	1	1
गुजरात	26	11	मेघालय	2	1	चण्डीगढ़	1	-
राजस्थान	25	10	नागालैण्ड	1	1	दादरा तथा नगर हवेली	1	-
ओडिशा	21	10	सिक्किम	1	1	अण्डमान निकोबार	1	-
केरल	20	9	मिजोरम	1	1	लक्षद्वीप	1	-
असोम	14	7	अरुणाचल प्रदेश	2	1	दमन एवं दीव	1	-

महत्त्वपूर्ण संसदीय शब्दावली



▪ प्रश्नकाल संसद के दोनों सदनों में प्रत्येक बैठक के पहले घण्टे के समय को प्रश्नकाल कहा जाता है।

▪ शून्यकाल संसद के दोनों सदनों में प्रश्नकाल के ठीक बाद का समय सामान्यतः शून्यकाल के नाम से जाना जाता है। यह 12 बजे से प्रारम्भ होता है और 1 बजे तक चलता है।

▪ काम रोको प्रस्ताव किसी सार्वजनिक महत्त्व के विषय पर विचार करने के लिए यदि कोई सदस्य सदन की वर्तमान कार्यवाही को बन्द करने का प्रस्ताव रखता है तो उसे काम रोको प्रस्ताव कहते हैं।

▪ निन्दा प्रस्ताव विरोधी दल के नेता या सदस्यों द्वारा सरकारी नीतियों की आलोचना करने के लिए, पेश किया जाता है। प्रस्ताव नियमानुसार है या नहीं, यह फैसला लोकसभा अध्यक्ष करता है।

▪ लेखानुदान किसी कारण से यदि 1 अप्रैल से पहले विनियोग विधेयक पारित नहीं हो पाता है तो लोकसभा लेखानुदान पारित कर सरकार के लिए अग्रिम राशि दे सकती है, इसे लेखानुदान कहते हैं।

▪ ध्यानाकर्षण प्रस्ताव इसमें अध्यक्ष सभापति की स्वीकृति से कोई सदस्य सार्वजनिक हित की दृष्टि से अति सार्वजनिक महत्त्व के किसी मामले की ओर मन्त्री का ध्यान दिलाता है अथवा उससे सम्बन्धित प्रश्न करता है।

▪ स्थगन प्रस्ताव यह प्रस्ताव सरकार के विरुद्ध निन्दा प्रस्ताव होता है। यह प्रस्ताव किसी सदस्य द्वारा गम्भीर सार्वजनिक महत्त्व के विषयों पर सदन का ध्यान आकर्षित करने के लिए किया जाता है, जिस विषय पर तत्काल विचार न किए जाने पर घातक परिणाम हो सकते हैं।



न्यायपालिका

सर्वोच्च न्यायालय

सर्वोच्च न्यायालय में एक मुख्य न्यायाधीश और 30 अन्य न्यायाधीश होते हैं।

न्यायाधीशों की नियुक्तियाँ

- अनुच्छेद 124 में प्रावधान है कि राष्ट्रपति द्वारा सर्वोच्च न्यायालय के प्रत्येक न्यायाधीश की नियुक्ति, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश और उच्च न्यायालय के ऐसे न्यायाधीशों के परामर्श द्वारा की जाएगी, जिनसे परामर्श करना राष्ट्रपति आवश्यक समझे।
- मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर किसी न्यायाधीश की नियुक्ति के मामले में, भारत के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श लेना आवश्यक है।
- सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की अवकाश ग्रहण करने की अधिकतम आयु सीमा 65 वर्ष है।
- भारत के पहले मुख्य न्यायाधीश हीरालाल जे. कानिया थे।

योग्यताएँ

एक व्यक्ति को सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया जा सकता है यदि उसके पास निम्नलिखित योग्यताएँ हैं

- वह भारत का नागरिक हो।
- वह कम-से-कम 5 वर्ष तक उच्च न्यायालय अथवा दो या दो से अधिक न्यायालयों का जज रह चुका हो या वह कम-से-कम 10 वर्ष तक उच्चतम न्यायालय का वकील या अधिवक्ता रह चुका हो।

संसद की वित्तीय समितियाँ

- **प्राक्कलन समिति** इस समिति में लोकसभा के 30 सदस्य होते हैं। इसमें राज्यसभा के सदस्यों को शामिल नहीं किया जाता है। इसके सदस्यों का कार्यकाल 1 वर्ष का होता है।
- **लोक लेखा समिति** प्राक्कलन समिति की 'जुड़वाँ बहन' के रूप में ज्ञात इस समिति में 22 सदस्य होते हैं। जिसमें 15 सदस्य लोकसभा द्वारा तथा 7 सदस्य राज्यसभा द्वारा एक वर्ष के लिए निर्वाचित किए जाते हैं।
- **लोक उपक्रम समिति** इस समिति में 15 सदस्य होते हैं, जिनमें 10 लोकसभा तथा 5 राज्यसभा द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व की एकल संक्रमणीय मत पद्धति द्वारा निर्वाचित किए जाते हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के संवैधानिक कार्य

संविधान की व्याख्या से सम्बन्धित मामलों में अपील का न्यायाधिकार संविधान की धारा 132 ने यह व्यवस्था दी है कि भारत के क्षेत्र में उच्च न्यायालय के किसी भी निर्णय, डिक्री या अन्तिम निर्णय की अपील सर्वोच्च न्यायालय में स्वीकार्य है यदि उच्च न्यायालय यह प्रमाणित कर देता है कि मुकदमे में कानून की संवैधानिक व्याख्या से सम्बन्धित कोई महत्त्वपूर्ण प्रश्न उलझा है।

न्यायिक पुनरीक्षण

- सर्वोच्च न्यायालय को संयुक्त राज्य अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय की तरह न्यायिक पुनरीक्षण की शक्ल में व्यापक शक्तियाँ प्रदान की गई हैं।
- न्यायिक पुनरीक्षण के अधिकार के तहत सर्वोच्च न्यायालय संसद द्वारा पारित किए गए किसी भी कानून को असंवैधानिक घोषित कर सकता है, वह भी इस आधार पर कि यह संविधान की व्यवस्था का उल्लंघन करता है।

न्यायाधीश को हटाया जाना

- सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को केवले राष्ट्रपति के अध्यादेश द्वारा बर्खास्त किया जा सकता है। इसे संसद के प्रत्येक सदन के सम्बोधन के बाद पारित किया जाता है और इसे सदन के उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत का समर्थन प्राप्त होना चाहिए। इसे दुर्व्यवहार या अक्षमता सिद्ध होने के आधार पर, इसी सत्र में, ऐसी बर्खास्तगी के लिए राष्ट्रपति को पेश किया गया हो।
- संसद को ये शक्तियाँ दी गई हैं कि वह एक सम्बोधन और एक न्यायाधीश के व्यवहार या अक्षमता की जाँच या सबूत के प्रस्तुतीकरण की प्रक्रिया को नियन्त्रित करे।

उच्च न्यायालय

- संविधान के अनुसार प्रत्येक राज्य के लिए एक उच्च न्यायालय होगा। भारत में 21 उच्च न्यायालय हैं।

उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की योग्यताएँ

- वह भारत का नागरिक हो।
- कम-से-कम 10 वर्ष तक न्यायिक पद धारण कर चुका हो।
- कम से कम 10 वर्ष तक उच्च न्यायालय का अधिवक्ता रहा हो।
- उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की अवकाश ग्रहण करने की अधिकतम उम्र सीमा 65 वर्ष है। उच्च न्यायालय का न्यायाधीश अपने पद से, राष्ट्रपति को सम्बोधित कर कभी भी त्याग-पत्र दे सकता है।

भारत के उच्च न्यायालय

नाम	स्थापना वर्ष	राज्य क्षेत्रीय अधिकारिता	मूल स्थान	खण्डपीठ
बम्बई	1862	महाराष्ट्र, गोवा, दादरा एवं नगर हवेली और दमन तथा दीव	मुंबई	नागपुर, पणजी तथा औरंगाबाद
कलकत्ता	1862	पश्चिम बंग, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	कलकत्ता	पोर्ट ब्लेयर
मद्रास	1862	तमिलनाडु, पुदुचेरी	चेन्नई	मदुरै
इलाहाबाद	1866	उत्तर प्रदेश	इलाहाबाद	लखनऊ
कर्नाटक	1884	कर्नाटक	बंगलुरु	—
पटना	1916	बिहार	पटना	—
जम्मू एवं कश्मीर	1928	जम्मू कश्मीर	श्रीनगर	जम्मू
गुवाहाटी	1948	असम, मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा, नागालैंड, मिजोरम एवं अरुणाचल प्रदेश	गुवाहाटी	कोहिमा, आइजोल, इम्फाल, शिलांग, अगरतला और इटानगर
उड़ीसा	1948	ओडिशा	कटक	—
राजस्थान	1949	राजस्थान	जोधपुर	जयपुर
आन्ध्र प्रदेश	1954	आन्ध्र प्रदेश	हैदराबाद	—
मध्य प्रदेश	1956	मध्य प्रदेश	जबलपुर	ग्वालियर, इन्दौर
केरल	1958	केरल, लक्षद्वीप	अर्नाकुलम	—
गुजरात	1960	गुजरात	अहमदाबाद	—
दिल्ली	1966	दिल्ली	दिल्ली	—
हिमाचल प्रदेश	1971	हिमाचल प्रदेश	शिमला	—
पंजाब-हरियाणा	1966	पंजाब, हरियाणा, चण्डीगढ़	चण्डीगढ़	—
सिक्किम	1975	सिक्किम	गंगटोक	—
छत्तीसगढ़	2000	छत्तीसगढ़	बिलासपुर	—
उत्तराखण्ड	2000	उत्तराखण्ड	नैनीताल	—
झारखण्ड	2000	झारखण्ड	राँची	—

लोक अदालत

- हमारी न्यायिक व्यवस्था में न्यायिक विलम्ब, अधिक खर्च और अनिश्चितता जैसी कमियाँ बनी हुई हैं।
- यह संविधान में वर्णित सामाजिक न्याय दिलाने में बाधक है।
- भारत में सर्वप्रथम महाराष्ट्र राज्य में लोक अदालतों का गठन किया गया।
- लोक अदालत का उद्देश्य ऐसी व्यवस्था की रचना करना है जिससे लोगों को शीघ्र न्याय मिल सके।

शपथ एवं त्याग-पत्र विधियाँ

पद	शपथ	त्याग-पत्र
राष्ट्रपति	मुख्य न्यायाधीश	उपराष्ट्रपति
उपराष्ट्रपति	राष्ट्रपति	राष्ट्रपति
राज्यपाल	राज्य उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश	राष्ट्रपति
मुख्य न्यायाधीश	राष्ट्रपति	राष्ट्रपति
प्रधानमन्त्री	राष्ट्रपति	राष्ट्रपति

भारत का महान्यायवादी (अनुच्छेद 76)

- महान्यायवादी सरकार का प्रथम विधि अधिकारी होता है।
- महान्यायवादी की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है तथा वह उसके प्रसाद पर्यन्त पद धारण करता है।
- महान्यायवादी बनने के लिए वही अर्हताएँ होनी चाहिए, जो उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश बनने के लिए होती हैं।

नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षक (अनुच्छेद 148 से 151)

- नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षक की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है।
- इसकी पदावधि पद ग्रहण करने की तिथि से 6 वर्ष तक होगी, लेकिन यदि इससे पूर्व 65 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेता है तो वह अवकाश ग्रहण कर लेता है।
- सेवा निवृत्ति के पश्चात् वह भारत सरकार के अधीन कोई पद धारण नहीं कर सकता।

नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षक की नियुक्ति लोकधन के व्यय की निगरानी के लिए संसदीय प्रहरी (Watch Dog) के रूप में की जाती है।



राज्य कार्यपालिका

राज्यपाल

- राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा की जाती है। वह राज्य का मुख्य कार्यकारी अध्यक्ष होता है।
- राज्यपाल नियुक्त होने के लिए वह 35 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका हो। भारत का नागरिक हो।
- राज्यपाल के रूप में नियुक्त होने के लिए उसे उस राज्य का निवासी होना आवश्यक नहीं है।
- वह राष्ट्रपति के प्रसाद-पर्यन्त कार्य करता है जिसकी नियुक्ति पाँच वर्ष की अवधि के लिए की जाती है।
- राष्ट्रपति शासन के दौरान वह केन्द्र सरकार द्वारा नियुक्त परामर्शदाता की सहायता से सीधे तौर पर प्रशासन को चलाता है।

राज्यपाल की शक्तियाँ

- **विधायी शक्तियाँ** वह विधानमण्डल की बैठकों के लिए समय और स्थान को निश्चित करता है और उनका बुलावा भेजता है।
- वह वर्ष में एक बार सत्र के आरम्भ में विधानमण्डल की बैठकों को सम्बोधित करता है।
- विधानमण्डल द्वारा पारित किसी भी विधेयक पर उसकी स्वीकृति होनी आवश्यक है।
- जब भी विधानमण्डल का अधिवेशन नहीं चल रहा होता है तो उसे एक अध्यादेश को लागू करने की शक्ति प्राप्त है।
- **कार्यकारी शक्तियाँ** वह मुख्यमन्त्री की नियुक्ति करता है और मुख्यमन्त्री की सलाह पर अन्य मन्त्रियों की नियुक्ति करता है।
- वह राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष और इसके सदस्यों की नियुक्ति करता है।
- आपातकाल में वह केन्द्र के एजेन्ट के रूप में कार्य करता है।
- **वित्तीय शक्तियाँ** राज्य की विधानसभा में कोई भी धन-विधेयक राज्यपाल की सिफारिश के बिना पेश नहीं किया जा सकता।
- **विवेकाधीन शक्तियाँ** वह यह निर्णय करता है कि राज्य की सरकार को संविधान की व्यवस्था के अनुरूप चलाया जा सकता है या नहीं।
- यदि वह महसूस करता है कि इसे नहीं चलाया जा सकता है तो वह अनुच्छेद 356(1) के अन्तर्गत राष्ट्रपति को रिपोर्ट भेज सकता है।

मन्त्रिपरिषद्/मुख्यमन्त्री

- मुख्यमन्त्री को मन्त्रिपरिषद् मुखिया के रूप में मानते हुए संविधान, एक मन्त्रिपरिषद् की व्यवस्था करता है।
- राज्यपाल, मुख्यमन्त्री और उसके मन्त्रियों की नियुक्ति करता है। सामान्यतः सभी मन्त्रियों को राज्य विधानमण्डल का सदस्य होना अनिवार्य है परन्तु कभी-कभी एक गैर-सदस्य को भी मन्त्री नियुक्त किया जा सकता है।
- उस स्थिति में वह राज्य विधानमण्डल का सदस्य रहे विना 6 महीनों से अधिक अपने पद पर नहीं बना रह सकता।
- मन्त्रिपरिषद् राज्य विधानसभा के प्रति सामूहिक रूप से उत्तरदायी है।



राज्य विधायिका

विधानपरिषद्

- विधानपरिषद् राज्य विधानमण्डल का उच्च सदन होता है।
- वर्तमान में केवल छह राज्यों (उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, जम्मू एवं कश्मीर, महाराष्ट्र, बिहार तथा आन्ध्र प्रदेश) में विधानपरिषदें विद्यमान हैं।
- विधानपरिषद् का सदस्य बनने के लिए न्यूनतम आयु-सीमा 30 वर्ष है।
- विधानपरिषद् के प्रत्येक सदस्य का कार्यकाल 6 वर्ष होता है, किन्तु प्रति दूसरे वर्ष एक-तिहाई सदस्य अवकाश ग्रहण करते हैं तथा उनके स्थान पर नवीन सदस्य निर्वाचित होते हैं।
- विधानपरिषद् अपने सदस्यों में से दो को क्रमशः सभापति एवं उपसभापति चुनती है।

> 22 मई, 2010 को तमिलनाडु विधानपरिषद् विधेयक, 2010 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई जिसके फलस्वरूप 1 नवम्बर 1968 से विचाराधीन तमिलनाडु विधानपरिषद् का पुनः सृजन हुआ किन्तु वर्ष 2011 में वर्तमान सरकार ने विधानपरिषद् के पुनःसृजन न करने सम्बन्धी प्रस्ताव विधानसभा में पारित करा दिया।

विधानसभा

विधानसभा का कार्यकाल 5 वर्ष होता है। विशेष परिस्थिति में राज्यपाल को यह अधिकार है कि वह इससे पूर्व भी उसको विघटित कर सकता है।

- विधानसभा में निर्वाचित होने के लिए न्यूनतम आयु-सीमा 25 वर्ष है।
- प्रत्येक राज्य की विधानसभा में कम-से-कम 60 और अधिक-से-अधिक 500 सदस्य होते हैं। अपवाद— अरुणाचल प्रदेश (40), गोवा (40), मिजोरम (40), सिक्किम (32)।
- विधानसभा के सदस्यों का चुनाव वयस्क मताधिकार प्रणाली द्वारा होता है।

केन्द्र-राज्य सम्बन्ध

➤ भारत में केन्द्र-राज्य सम्बन्ध संघवाद की ओर उन्मुख है और संघवाद की इस प्रणाली को कनाडा के संविधान से लिया गया है।

➤ भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची में केन्द्र एवं राज्य की शक्तियों के बँटवारे से सम्बन्धित तीन सूचिया दी गई हैं—(i) संघ सूची, (ii) राज्य सूची और (iii) समवर्ती सूची।

➤ **संघ के प्रमुख राजस्व स्रोत** निगम कर, सीमा शुल्क, निर्यात शुल्क, कृषि भूमि को छोड़कर अन्य सम्पत्ति पर सम्पदा शुल्क, विदेशी ऋण, रेल, रिजर्व बैंक तथा शेयर बाजार।

➤ **राज्य के प्रमुख राजस्व स्रोत** व्यक्ति कर, कृषि, भूमि पर कर, सम्पदा शुल्क, भूमि एवं भवनों पर कर, पशुओं तथा नौकायान पर कर, विक्रय कर, वाहनों पर चुंगी।

➤ केन्द्र-राज्य सम्बन्धों को सुधारने हेतु इन्टर स्टेट काउंसिल, जोनल काउंसिल (5), नार्थ-ईस्टर्न काउंसिल आदि का गठन किया गया है।

केन्द्र-राज्यों सम्बन्धों पर सरकारिया आयोग का गठन-जून, 1983 में किया गया। इसने अपनी रिपोर्ट जनवरी, 1988 में सौंपी। एम.एम. पुंछी आयोग का गठन अप्रैल, 2007 में किया गया जिसने 2010 में अपनी रिपोर्ट सौंपी।



पंचायती राज

➤ पंचायती राज का उद्देश्य लोगों के संगठनों को वास्तविक शक्तियाँ सौंप कर लोकतन्त्र को ग्रामीण स्तर पर ले जाना है।

➤ सामुदायिक विकास परियोजनाओं को लोकप्रिय और अधिक प्रभावी बनाने के लिए बलवन्त राय मेहता समिति की यह मुख्य सिफारिश थी।

➤ इसका शुभारम्भ 2 अक्टूबर, 1959 को नागौर, राजस्थान से हुआ। बाद में इसे आन्ध्र प्रदेश में लागू किया गया।

➤ अनुच्छेद 40 के अनुसार संवैधानिक व्यवस्थाओं को आकार प्रदान करने के लिए, बलवन्त राय मेहता समिति ने ग्रामीण स्तर पर सबल लोकतान्त्रिक संस्थाओं के प्रवर्तन को प्रोत्साहित करने के लिए शक्तियों के लोकतान्त्रिक विकेन्द्रीकरण की सिफारिश की थी।

➤ पंचायती राज का लक्ष्य लोगों को विकास और योजनाओं से जोड़ना है ताकि अफसरशाही पर निर्भरता को कम किया जा सके।

➤ समिति ने त्रिस्तरीय पंचायती राज प्रणाली को लागू करने की सिफारिश की थी, जो अग्र प्रकार है

(अ) ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत

(ब) ब्लॉक स्तर पर पंचायत समिति, जिसके सदस्य ब्लॉक के अन्तर्गत आने वाले गाँवों की पंचायतों द्वारा निर्वाचित किए गए हों।

(स) जिला स्तर पर जिला परिषदें।

ग्रामसभा

➤ यद्यपि यह पंचायती राज प्रणाली का कोई स्तर (टीयर) नहीं है फिर भी लोकतान्त्रिक विकेन्द्रीकरण को पूर्ण बनाने में इसकी निर्णायक भूमिका है।

➤ यह एक सामान्य निकाय है जिसके सभी मतदाता, ग्राम पंचायत के न्याय-क्षेत्र के भीतर ही निवास करते हैं।

ग्राम पंचायत

➤ ग्राम पंचायत, पंचायती राज का पहला स्तर (टीयर) है।

➤ ग्राम सभा के सदस्यों द्वारा गुप्त मतदान करके ही सभी सदस्यों का चुनाव होता है।

पंचायत समिति

➤ पंचायती राज में पंचायत समिति को मध्य स्तर (टीयर) कहा जाता है। इसे जनपद पंचायत, तालुका पंचायत और अँचल पंचायत आदि भी कहा जाता है।

➤ इसमें शामिल हैं—(1) पंचायतों के सरपंच (पदेन), (2) स्थानीय सांसद, विधायक और विधानपरिषद् के सदस्य (मताधिकार सहित या मताधिकार रहित) (3) नारी प्रतिनिधि, अनुसूची जातियाँ और अनुसूचित जन-जातियाँ जो सहयोजित हैं और जिनकी सदस्यता आरक्षित है, और (4) नगरपालिकाओं और सहकारी समितियों आदि का प्रतिनिधित्व करने वाले व्यक्ति।

➤ इस निकाय का अध्यक्ष एक गैर-सरकारी व्यक्ति होता है जिसका चुनाव समिति के सदस्यों द्वारा होता है।

जिला परिषद्

➤ पंचायती राज प्रणाली का सबसे ऊपर का स्तर (टीयर) जिला परिषद् द्वारा निर्मित है।

➤ यह निचले स्तर पर ग्रामीण स्थानीय सरकारी निकायों के बीच एक कड़ी का काम करती है, जैसे पंचायत समिति और राज्य विधानमण्डल और संसद।

➤ एक जिलापरिषद् में सामान्यतः जिले की पंचायत समितियों के अध्यक्ष शामिल होते हैं, जिले से सम्बन्धित सांसद और विधायक।

➤ सहकारी समितियों के प्रतिनिधि।

➤ अनुसूचित जातियों, जनजातियों और कुछ सहयोजित सदस्यों के प्रतिनिधियों की एक विशेष संख्या।

➤ सामान्यतः परिषद् के सदस्यों द्वारा ही इसके अध्यक्ष का चुनाव किया जाता है।

➤ जिला विकास अधिकारी ही जिला परिषद् का मुख्य कार्यकारी अधिकारी या सचिव होता है और विभिन्न

प्रशासनिक और विकास विभाग के जिला अधिकारी इसके मतदान में हिस्सा न लेने वाले सदस्य होते हैं।

- कई राज्यों में जिला अधिकारी (कलेक्टर) भी एक मतदान न करने वाले सदस्य के रूप में परिषद् से सम्बद्ध होता है।
- जिला परिषद् का कार्यकाल 5 वर्ष है।

ग्राम पंचायतों में महिलाओं के लिए 50% सीटें आरक्षित हैं।

निर्वाचन आयोग (अनु. 324-329)

- निर्वाचन आयोग का गठन मुख्य निर्वाचन आयुक्त एवं निर्वाचन आयुक्तों से किया जाता है, जिनकी नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा की जाती है।
- मुख्य चुनाव आयुक्त का कार्यकाल 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो तब तक होता है। अन्य चुनाव आयुक्तों का कार्यकाल 6 वर्ष या 62 वर्ष जो पहले हो तब तक रहता है।
- पहले चुनाव आयोग एक सदस्यीय आयोग था, परन्तु अक्टूबर, 1993 में इसे तीन सदस्यीय आयोग बना दिया गया।

निर्वाचन आयोग के मुख्य कार्य निम्नलिखित हैं

- चुनाव क्षेत्रों का परिसीमन,
- मतदाता सूचियों को तैयार करवाना,
- विभिन्न राजनीतिक दलों को मान्यता प्रदान करना,
- राजनीतिक दलों को आरक्षित चुनाव चिह्न प्रदान करना,
- चुनाव करवाना,
- राजनीतिक दलों के लिए आचार संहिता तैयार करवाना।

सुकुमार सेन देश के पहले मुख्य चुनाव आयुक्त थे। यह एक संवैधानिक संस्था है, जिसके गठन तथा क्रियाकलाप की चर्चा संविधान के अनुच्छेद 324 में है।

वित्त आयोग

- संविधान के अनुच्छेद 280 में वित्त आयोग के गठन का प्रावधान किया गया है।
- वित्त आयोग के गठन का अधिकार राष्ट्रपति को दिया गया है।

वित्त आयोग	नियुक्ति वर्ष	अध्यक्ष	अवधि
पहला	1951 ई.	के सी नियोगी	1952-1957 ई.
दूसरा	1956 ई.	के संथानम	1957-1962 ई.
तीसरा	1960 ई.	ए के चन्द्रा	1962-1966 ई.
चौथा	1964 ई.	पी वी राजामन्नार	1966-1969 ई.
पाँचवाँ	1968 ई.	महावीर त्यागी	1969-1974 ई.
छठा	1972 ई.	ब्रह्मानन्द रेड्डी	1974-1979 ई.
सातवाँ	1977 ई.	जे एम शेलेट	1979-1984 ई.
आठवाँ	1983 ई.	वाई बी चह्वाण	1984-1989 ई.
नवाँ	1987 ई.	एन के पी साल्वे	1989-1995 ई.
दसवाँ	1992 ई.	के सी पन्त	1995-2000 ई.
ग्यारहवाँ	1998 ई.	प्रो. ए एम खुसरो	2000-2005 ई.
बारहवाँ	2003 ई.	डॉ. सी रंगराजन	2005-2010 ई.
तेरहवाँ	2007 ई.	डॉ. विजय एल केलकर	2010-2015 ई.

- वित्त आयोग में राष्ट्रपति द्वारा एक अध्यक्ष एवं चार अन्य सदस्य नियुक्त किए जाते हैं।
- राज्य वित्त आयोग का गठन भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243 (1) के द्वारा किया जाता है।

संघ लोक सेवा आयोग (यू पी एस सी)

संघ लोक सेवा आयोग में अध्यक्ष और 8 अन्य सदस्य शामिल होते हैं। इन्हें राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है और अपनी नियुक्ति की तारीख से लेकर 6 वर्ष अधिकतम 65 वर्ष तक अपने पद पर बने रहते हैं।

यू पी एस सी के मुख्य कार्य निम्नलिखित हैं

- संघ की सेवाओं में नियुक्ति के लिए परीक्षाओं का प्रबन्ध करना।
- यदि दो या दो से अधिक राज्य निवेदन करते हैं तो उन राज्यों को उन सेवाओं के लिए संयुक्त भर्ती की योजनाओं को बनाने और संचालित करने में सहायता करना।
- संघ सरकार को सिविल सेवाओं या सिविल पदों की भर्ती की विधियों से सम्बन्धित सभी मामलों पर परामर्श देना।

राजभाषा

- संविधान के भाग–17 के अनुच्छेद 343 के अनुसार संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी है।
- संविधान की आठवीं अनुसूची के अनुसार निम्नलिखित भाषाओं को राजभाषा के रूप में मान्यता प्राप्त है, जो इस प्रकार हैं

1. असमिया, 2. बांग्ला, 3. गुजराती, 4. हिन्दी, 5. कन्नड़, 6. कश्मीरी, 7. मलयालम, 8. मराठी, 9. उड़िया, 10. पंजाबी, 11. संस्कृत, 12. सिन्धी, 13. तमिल, 14. तेलुगु, 15. उर्दू, 16. कोंकणी, 17. मणिपुरी, 18. नेपाली, 19. मैथिली, 20. सन्थाली, 21. डोगरी, 22. बोडो।

लोकपाल एवं लोकायुक्त

- लोकपाल से सम्बन्धित प्रस्ताव भारत में पहली बार 1969 में आया था।
- इससे सम्बन्धित विधेयक कई बार संसद में प्रस्तुत हो चुके हैं परन्तु इसे अभी तक पारित नहीं कराया जा सका है।
- 2001 के लोकपाल सम्बन्धी विधेयक में यह प्रस्ताव किया गया कि लोकपाल एक त्रिस्तरीय संस्था होगी एवं प्रधानमन्त्री, केन्द्रीय मन्त्री, सांसद आदि इसके कार्यक्षेत्र में आएँगे और इनके सम्बन्ध में भ्रष्टाचार, पद के दुरुपयोग आदि की जाँच लोकपाल करेगा।
- जाँच करने के लिए लोकपाल के पास अपनी मशीनरी होगी लेकिन आवश्यकता होने पर वह सरकारी मशीनरी की सहायता ले सकता है।
- 27 दिसम्बर, 2011 को पुनः लोकपाल और लोकायुक्त विधेयक संसद के पटल पर रखा गया।

> भारत में आपातकाल की घोषणा 3 बार हो चुकी है।
> 1962 पहली आपातकालीन स्थिति की घोषणा अक्टूबर, 1962 में भारत-चीन युद्ध के समय हुई थी।
> 1971 द्वितीय आपातकाल की घोषणा दिसम्बर, 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के समय हुई थी।
> 1975 तीसरे आपातकाल की घोषणा जून, 1975 में हुई थी।

सूचना का अधिकार एक्ट, 2005

- प्रशासन की पारदर्शिता तथा लोगों के प्रति जवाबदेह होने की दिशा में सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून, 2005 एक क्रान्तिकारी कदम है।
- आरटीआई एक्ट को संसद द्वारा 15 जून, 2005 को पारित किया गया। सूचना का अधिकार विधेयक 12 अक्टूबर, 2005 को प्रभावी हुआ।

> आरटीआई कानून के तहत जनता को प्रार्थनापत्र को जमा कराने के 30 दिन के अन्दर आवश्यक सूचना उपलब्ध कराना अनिवार्य है।

ई-शासन (e-Governance)

- इसके अन्तर्गत सूचना प्रौद्योगिकी द्वारा शासन-प्रशासन की पहुँच जन-जन तक सुनिश्चित करना शामिल है।
- इसमें सूचना प्रौद्योगिकी का बहु-संजाल सरकार से जनता तक, सरकार से व्यवसाय तक, सरकार से सरकार तक सरकार से कर्मचारी तक तथा नागरिक से नागरिक तक सुनिश्चित करना है।

उद्देश्य

- सरकार की जवाबदेही एवं पारदर्शिता बढ़ाना।
- सरकार के निर्णयों में सुधार।
- सरकार में, लोगों के विश्वास में वृद्धि करना।

उपयोगिता

- ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोग भी देश-विदेश के घटनाक्रम से भली-भाँति परिचित हो सकेंगे।
- इसके माध्यम से योजनाओं तथा दस्तावेजों का सुव्यवस्थित रख-रखाव सम्भव हो सकेगा।
- सूचनाएँ सीधे सम्बद्ध व्यक्ति तक पहुँच सकेंगी।

भारत के राष्ट्रीय प्रतीक



- **राष्ट्रीय ध्वज** भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा है। इसमें तीन समान चौड़ाई की क्षैतिज पट्टियाँ हैं। सबसे ऊपर केसरिया, बीच में सफेद और नीचे गहरी हरी पट्टी है। इनमें से केसरिया शक्ति का प्रतीक, श्वेत शान्ति का प्रतीक और हरा समृद्धि का प्रतीक है। तिरंगा की श्वेत पट्टी के बीच में एक चक्र है जिसका रंग नीला (नेवी ब्लू) है और उसमें 24 तीलियाँ हैं। यह चक्र मौर्य सम्राट अशोक द्वारा सारनाथ में स्थापित सिंह स्तम्भ पर बने चक्र से लिया गया है। ध्वज की लम्बाई और चौड़ाई का अनुपात 3 : 2 है। राष्ट्रीय ध्वज का प्रारूप संविधान निर्मात्री सभा द्वारा 22 जुलाई, 1947 को अपनाया गया और 14 अगस्त, 1947 को प्रस्तुत किया गया।



- **राज चिह्न** भारत का राज चिह्न मौर्य सम्राट अशोक द्वारा सारनाथ में स्थापित 'सिंह स्तम्भ' से लिया गया है। भारत सरकार द्वारा यह चिह्न 26 जनवरी, 1950 को अपनाया गया। इस राज चिह्न के मूल स्तम्भ में शीर्ष पर चार सिंह हैं जिसमें केवल तीन सिंह ही दिखाई पड़ते हैं। इसके नीचे घण्टे के आकार सत्यमेव जयते के पद्म के ऊपर एक हाथी है। सिंह शीर्ष के नीचे स्थित पट्टी के मध्य में उभरी हुई नक्काशी में चक्र है, जिसके दाईं ओर एक सांड और बाईं ओर चौकड़ी भरता हुआ एक घोड़ा है तथा एक सिंह की उभरी हुई मूर्ति है। फलक के नीचे देवनागरी लिपि में 'सत्यमेव जयते' लिखा है।
- **राष्ट्रीय खेल** भारत का राष्ट्रीय खेल हॉकी है। हॉकी का उद्भव भारत में नहीं हुआ था, लेकिन 1928 ई. के एम्स्टर्डम ओलम्पिक से भारत में इसकी पहचान बनी, जब भारत ने इस ओलम्पिक में स्वर्ण पदक जीता। संविधान निर्माण के समय हॉकी भारतवासियों की पहली पसन्द थी। इसलिए हॉकी को भारत का राष्ट्रीय खेल घोषित किया गयां। हॉकी में भारत का वर्चस्व लगभग 50 सालों (1928-1980) तक रहा था। प्रसिद्ध हॉकी खिलाड़ी ध्यानचन्द को 'हॉकी का जादूगर' के नाम से जाना जाता है। यह एक अलग विषय है कि आज हॉकी का स्थान क्रिकेट ने ले लिया है।

➤ **राष्ट्रीय पंचांग (कैलेण्डर)** भारत का राष्ट्रीय पंचांग शक संवत पर आधारित है। 78 ई. में प्रारम्भ हुए शक सावत् का पहला महीना चैत्र का है। भारतीय संविधान ने इसे 22 मार्च, 1957 को राष्ट्रीय पंचांग के रूप में ग्रहण किया।

➤ **राष्ट्रगान** भारत का राष्ट्रीय गान गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा रचित 'जन-गण-मन' है। राष्ट्रीय गान को गाने का निर्धारित समय लगभग 52 सेकण्ड है। इसे राष्ट्रगान के रूप में स्वीकृति संविधान सभा ने 24 जनवरी, 1950 को प्रदान की थी। यह गीत सर्वप्रथम भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में 27 दिसम्बर, 1911 को गाया गया था। मूल रूप में यह गीत 5 पदों में है, किन्तु राष्ट्रीय गान के रूप में इसका मात्र प्रथम पद ही मान्य है।

➤ **राष्ट्रीय गीत** भारत का राष्ट्रीय गीत बंकिमचन्द्र चटर्जी द्वारा लिखित 'वन्देमातरम्' है। इसे 'आनन्दमठ' से लिया गया है। इस गीत को सर्वप्रथम 1896 ई. में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में गाया गया था। संविधान सभा ने 24 जनवरी, 1950 को इसे राष्ट्रीय गान का गौरव प्रदान किया।



➤ **राष्ट्रीय पशु** भारत का राष्ट्रीय पशु बाघ (*पैंथराटाइग्रिस-लिन्नायस*) है। यह पीले रंग और कत्थई धारीदार लोमचर्म वाला एक पशु है। बाघ की भारत में पायी जाने वाली प्रजाति को 'रॉयल बंगाल टाइगर' के नाम से जाना जाता है।



➤ **राष्ट्रीय पक्षी** भारत का राष्ट्रीय पक्षी 'मोर' (*पावो क्रिस्टेटस*) है, जो भारतीय वन्य जीव (संरक्षण अधिनियम), 1972 के अन्तर्गत पूरी तरह संरक्षित है।



➤ **राष्ट्रीय वृक्ष** भारत में बरगद (*फाइकस बेंघालेंसिस*) को राष्ट्रीय वृक्ष के रूप में मान्यता प्राप्त है, इसे 'वट' नाम से भी जाना जाता है क्योंकि यह कभी नष्ट नहीं होता है। लम्बे जीवन के कारण इस वृक्ष को अनश्वर माना जाता है। भारत में इसे 'पूज्य' माना जाता है।



➤ **राष्ट्रीय पुष्प** भारत का राष्ट्रीय पुष्प 'कमल' (*नेलम्बो न्यूसिफेरा*) है। यह हल्का गुलाबी रंग का होता है।

प्रमुख संविधान संशोधन

- **प्रथम (1951)** राज्यों के भूमि सुधार कानूनों को नवीं अनुसूची में रखकर न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र से बाहर कर दिया गया।
- **सातवाँ (1956)** भाषायी आधार पर राज्यों का पुनर्गठन किया गया। राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों में उन्हें विभाजित किया गया।
- **बारहवाँ (1962)** पुर्तगाली आधिपत्य वाले केन्द्रशासित प्रदेश गोवा, दमन तथा दीव को भारत का अंग बना लिया गया।
- **इक्कीसवाँ (1967)** सिंधी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची के अन्तर्गत पन्द्रहवीं भाषा के रूप में शामिल किया गया
- **छब्बीसवाँ (1971)** राजाओं की उपाधियाँ प्रिवीपर्स तथा विशेषाधिकार समाप्त।
- **छत्तीसवाँ (1975)** सिक्किम को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया।
- **बयालीसवाँ (1976)** प्रस्तावना में पन्थनिरपेक्ष, समाजवादी और अखण्डता शब्द जोड़े गए।
- राष्ट्रपति मन्त्रिमडल की सलाह मानने के लिए बाध्य।
- मौलिक कर्त्तव्यों का समावेश
- **चवालीसवाँ (1978)** सम्पत्ति के मौलिक अधिकार को समाप्त किया।
- सशस्त्र विद्रोह की स्थिति में और मन्त्रिमण्डल की लिखित सलाह पर आपात की घोषणा राष्ट्रपति करेगा।
- **बावनवाँ (1985)** दल-बदल विरोधी प्रावधान।
- **इकसठवाँ (1989)** मताधिकार की आयु 21 से घटाकर 18 की गई।
- **पैंसठवाँ (1990)** इसके द्वारा अनुच्छेद 338 में संशोधन करके अनुसूचित जाति और जनजाति आयोग को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया।
- **उन्हत्तरवाँ (1991)** दिल्ली का नाम राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र किया गया तथा विधानसभा की स्थापना की गई।
- **इकहत्तरवाँ (1992)** आठवीं अनुसूची में कोंकणी, मणिपुरी और नेपाली भाषा को सम्मिलित किया गया।
- **तिहत्तरवाँ (1992-93)** पंचायती राज।
- **पचासीवाँ (2001)** सरकारी सेवाओं में अनुसूचित जाति/जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए पदोन्नतियों में आरक्षण की व्यवस्था।
- **छियासीवाँ (2002)** राज्य द्वारा 6 से 14 साल तक के सभी बच्चों को निःशुल्क तथा अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध कराने का प्रावधान।
- **इकयानवेवाँ (2003)** दल-बदल में केवल सम्पूर्ण दल के विलय को मान्यता।
- केन्द्र में लोकसभा तथा राज्य में विधानसभा की कुल सदस्य संख्या के 15% से अधिक मन्त्री नहीं हो सकते।
- **बयानवेवाँ (2003)** संविधान की आठवीं अनुसूची में बोडो, डोगरी, मैथिली और संथाली भाषा का समावेश।
- **तिरानवेवाँ (2006)** निजी एवं बिना सरकारी अनुदान प्राप्त शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश हेतु सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़ों के लिए आरक्षण।
- **एक सौ नौवाँ (विधेयक)** लोकसभा तथा राज्यविधान सभाओं में अनुसूचित जातियों तथा जनजातियों एवं आंग्ल-भारतीयों के लिए आरक्षण 26 जनवरी, 2010 से आगामी दस वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया है।

भारतीय अर्थव्यवस्था



₹ पंचवर्षीय योजनाएँ

भारत में आर्थिक नियोजन की चर्चा सर्वप्रथम सर एम विश्वेश्वरैया ने 1934 ई. में प्रकाशित पुस्तक 'इकोनॉमी फॉर इण्डिया' में की थी।

- बॉम्बे प्लान नामक 15 वर्षीय एक योजना, 1944 ई. में मुम्बई के आठ उद्योगपतियों ने प्रस्तुत की।
- गाँधीवादी योजना को 1944 ई. में श्रीमन्नारायण ने प्रस्तुत किया।
- 1945 ई. में श्री एम एन राय ने जन–योजना (पीपुल्स प्लान) निर्मित की।
- सर्वोदय योजना को 1950 ई. में जयप्रकाश नारायण ने प्रस्तुत किया था।
- योजना आयोग की स्थापना 15 मार्च, 1950 को हुई थी (नियोगी समिति की सिफारिश पर)। यह एक गैर-संवैधानिक संस्था है।
- राष्ट्रीय विकास परिषद् की स्थापना 6 अगस्त, 1952 को की गई थी। यह परिषद् योजना आयोग द्वारा बनाई गई योजनाओं को अनुमति देती है।
- भारत में प्रथम पंचवर्षीय योजना की शुरूआत 1 अप्रैल, 1951 को की गई थी।
- प्रथम पंचवर्षीय योजना हैराल्ड-डॉमर मॉडल पर तथा द्वितीय पंचवर्षीय योजना पी सी महालनोबिस मॉडल पर आधारित थी।
- चौथी योजना को गाडगिल योजना के नाम से भी जाना जाता है।
- तीसरी एवं चौथी पंचवर्षीय योजनाओं के मध्य तीन वार्षिक योजनाएँ तथा सातवीं एवं आठवीं पंचवर्षीय योजनाओं के मध्य दो वार्षिक योजनाएँ चलाई गई थीं।

भारत की पंचवर्षीय योजनाएँ : एक दृष्टि में

योजना	अवधि	लक्षित विकास दर	प्राप्त विकास दर	प्राथमिक क्षेत्र
पहली योजना	1951-56	1.2	3.5	कृषि
दूसरी योजना	1956-61	2.5	4.2	भारी उद्योग
तीसरी योजना	1961-66	5.6	2.5	खाद्यान्न
चौथी योजना	1969-74	5.7	3.2	कृषि
पाँचवीं योजना	1974-79	4.4	5.0	निर्धनता उन्मूलन, आर्थिक आत्मनिर्भरता
छठी योजना	1980-85	5.2	5.5	कृषि, उद्योग
सातवीं योजना	1985-90	5.4	5.8	ऊर्जा, खाद्यान्न
आठवीं योजना	1992-97	5.6	6.5	मानव संसाधन, शिक्षा
नौवीं योजना	1997-02	6.5	5.5	सामाजिक न्याय
दसवीं योजना	2002-07	8.0	7.7	रोजगार, ऊर्जा
ग्यारहवीं योजना	2007-12	9.0	8.2	समावेशी विकास
बारहवीं योजना	2012-17	9.0	–	त्वरित, सतत् एवं समावेशी विकास

12वीं पंचवर्षीय योजना के प्रमुख लक्ष्य

प्रमुख क्षेत्र	लक्ष्य (% वृद्धि)
सकल जीडीपी में वृद्धि	9.0
उद्योग	9.6
सेवाएँ	10.0
कृषि, वानिकी, मत्स्य पालन	4.0
खनन	8.0
निर्माण	10.0
उत्पादन	9.8

प्रमुख क्षेत्र	लक्ष्य (% वृद्धि)
बिजली, गैस एवं जल आपूर्ति	8.5
व्यापार, होटल, परिवहन, संचार एवं भण्डारण	11.0
वित्त, बीमा, भवन निर्माण एवं व्यावसायिक क्षेत्र	10.0
सामुदायिक, सामाजिक एवं निजी सेवाएँ	8.0

निर्धनता उन्मूलन एवं विकास योजनाएँ

योजना/कार्यक्रम	प्रारम्भ वर्ष	मुख्य उद्देश्य
मनरेगा	2 फरवरी, 2006	ग्रामीण क्षेत्रों में काम का अधिकार देना
स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना	1 अप्रैल, 1999	ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी कम करना
प्रधानमन्त्री आदर्श ग्राम योजना	2009-10	50% अनुसूचित जाति की जनसंख्या वाले ग्रामों का विकास
मरुभूमि विकास कार्यक्रम	1977-78	मरुभूमि का उपचार करना
राजीव गाँधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना	2005	ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली उपलब्ध कराना
सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना	25 सितम्बर, 2001	ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना
स्वर्ण जयन्ती शहरी रोजगार योजना	1 दिसम्बर, 1997	शहरों में रोजगार के अवसर उत्पन्न करना
जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन	2005-06	शहरी निर्धनों को बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराना
प्रधानमन्त्री रोजगार योजना	2 अक्टूबर, 1993	शिक्षित बेरोजगारों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना
मिड डे मील योजना	15 अगस्त, 1995	विद्यालयों में मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराना
जनश्री बीमा योजना	10 अगस्त, 2000	बीमा सुविधा उपलब्ध कराना
पॉपुलेशन फर्स्ट योजना	2002	जनसंख्या वृद्धि को कम करना
निर्मल भारत योजना	2002	भारत को मलिन बस्ती से मुक्त करना
भारत निर्माण योजना	2005	ग्रामीण संरचना को मजबूत बनाना
इन्दिरा गाँधी मातृत्व सहयोग योजना	2010	ग्रामीण इलाकों में जच्चा-बच्चा को सुविधा प्रदान करना
राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना	2007	स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराना

इण्डिया विजन 2020 : प्रमुख लक्ष्य

क्षेत्र	लक्षित विकास दर
वयस्क पुरुष साक्षरता	96%
वयस्क महिला साक्षरता	94%
गरीबी रेखा से नीचे वाली जनसंख्या	13%
GDP में कृषि का हिस्सा	6.0%
GDP में उद्योग का हिस्सा	34.0%
GDP में सेवा क्षेत्र का हिस्सा	60.0%
बेरोजगारी दर	6.8%
जीवन प्रत्याशा	69%
शिशु मृत्यु दर	22.5%

➤ इण्डिया विजन 2020 दस्तावेज को योजना आयोग ने 23 जनवरी, 2003 को जारी किया था। इस दस्तावेज में भारत की वर्ष 2020 में स्थिति का पूर्वानुमान लगाया गया है।

मुद्रा एवं बैंकिंग

➤ भारत का पहला बैंक, बैंक ऑफ हिन्दुस्तान था, जिसकी स्थापना यूरोपीय पद्धति पर एलेक्जेण्डर एण्ड कम्पनी द्वारा 1770 ई. में कलकत्ता (कोलकाता) में की गई थी।

➤ बैंक ऑफ बंगाल, बैंक ऑफ मद्रास तथा बैंक ऑफ बॉम्बे की स्थापना क्रमशः 1806 ई., 1843 ई. एवं 1840 ई. में निजी अंशधारिता पर की गई थी। इन तीनों बैंकों को मिलाकर सन् 1921 में इम्पीरियल बैंक ऑफ इण्डिया की स्थापना की गई, जिसे 1 जुलाई, 1955 को राष्ट्रीयकरण के बाद स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया के नाम से जाना गया।

➤ सीमित देयता के आधार पर भारतीयों द्वारा संचालित, भारत का प्रथम बैंक, अवध कॉमर्शियल बैंक (1881) तथा पूर्ण स्वामित्व वाला प्रथम भारतीय बैंक, पंजाब नेशनल बैंक (1894) था।

➤ 1 जुलाई, 1955 को स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया के राष्ट्रीयकरण के समय इसके 8 सहयोगी बैंकों का भी राष्ट्रीयकरण किया गया था, परन्तु बाद में सरकार ने स्टेट बैंक ऑफ सौराष्ट्र तथा स्टेट बैंक ऑफ इन्दौर का स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया में विलय कर दिया। परिणामस्वरूप वर्तमान में स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया के सहयोगी बैंकों की संख्या पाँच रह गई है।

स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया के सहयोगी बैंक

1. स्टेट बैंक ऑफ ट्रावनकोर
2. स्टेट बैंक ऑफ पटियाला
3. स्टेट बैंक ऑफ मैसूर
4. स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद
5. स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर

➤ ₹ 50 करोड़ से अधिक जमा पूँजी वाले 14 बड़े व्यावसायिक बैंकों का राष्ट्रीयकरण 19 जुलाई, 1969 को किया गया।

➤ 15 अप्रैल, 1980 को, 200 करोड़ से अधिक जमा पूँजी वाले 6 निजी बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया।

➤ न्यू बैंक ऑफ इण्डिया का पंजाब नेशनल बैंक में विलय 4 सितम्बर, 1993 को हुआ था।

दो रुपये या उससे अधिक के नोट पर भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर के हस्ताक्षर होते हैं; तथा एक रुपये के नोट पर वित्त सचिव के हस्ताक्षर होते हैं।

➤ वर्तमान में राष्ट्रीयकृत बैंकों की कुल संख्या 19 है।

➤ भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना 1 अप्रैल, 1935 को ₹ 5 करोड़ की अधिकृत पूँजी से हुई थी तथा राष्ट्रीयकरण 1 जनवरी, 1949 को किया गया।

➤ रिजर्व बैंक 5, 10, 20, 50, 100, 500 तथा 1000 के नोट छापता है, जबकि सिक्कों का मुद्रण भारत सरकार करती है।

➤ भारतीय रुपये का प्रतीक चिह्न ₹ है, जिसे मुम्बई आई आई टी के पोस्ट ग्रेजुएट उदय कुमार ने डिजाइन किया।

➤ भुगतान संतुलन में सुधार हेतु रिजर्व बैंक द्वारा 19 अगस्त, 1944 को रुपये को चालू खाते में पूर्ण परिवर्तनीय घोषित कर दिया गया।

➤ विदेशों में सर्वाधिक कार्यालय स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया (59) के हैं।

➤ वर्तमान में सिक्कों के जरिए भुगतान करने एवं स्वीकार करने की अधितकम सीमा एक हजार रुपये है।

भारत में कार्यरत प्रमुख निजी बैंक

- ICICI बैंक
- HDFC बैंक
- IDBI बैंक
- इन्डस इण्ड बैंक
- ग्लोवल बैंक
- सेन्चुरियन बैंक
- टाइम्स बैंक

भारतीय रिजर्व बैंक के प्रमुख कार्य

- सरकार का बैंकर
- बैंकों का बैंक
- नोट निर्गमन
- साख नियन्त्रण
- विदेशी विनिमय नियन्त्रण

प्रमुख बैंकों का विलय

बैंक	बैंक (जिसमें विलय हुआ है)
बैंक ऑफ राजस्थान	ICICI बैंक
दाना बैंक (कजाकिस्तान)	पंजाब नेशनल बैंक
स्टेट बैंक ऑफ इन्दौर	भारतीय स्टेट बैंक
स्टेट बैंक ऑफ सौराष्ट्र	भारतीय स्टेट बैंक
रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैण्ड	HSBC बैंक

➤ गोपीनाथ समिति का गठन लघु बचत कोष की समीक्षा के लिए तथा नरसिम्हन समिति का गठन बैंकिंग सुधारों के लिए किया गया था।

➤ बैंकिंग लोकपाल योजना की शुरूआत 14 जून, 1995 को भारतीय रिजर्व बैंक ने की थी।

➤ भारत सरकार की स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया में हिस्सेदारी 59.73% है।

➤ पंजाब एण्ड सिंध बैंक तथा यूनाइटेड बैंक ऑफ इण्डिया में भारत सरकार की हिस्सेदारी शत-प्रतिशत है।

- बैंक दर भारतीय रिजर्व बैंक इस दर पर, सदस्य बैंकों को स्वीकार्य प्रतिभूतियों पर ऋण देता है।
- रेपो दर इस दर पर सार्वजनिक एवं निजी बैंक अल्प अवधि के लिए भारतीय रिजर्व बैंक से उधार लेते हैं।
- रिवर्स रेपो दर बैंकों द्वारा अपनी अतिरिक्त राशि को रिजर्व बैंक में जमा करने पर रिवर्स रेपो दर से ब्याज मिलता है।
- नकद आरक्षण अनुपात प्रत्येक व्यापारिक बैंक अपनी कुछ जमाओं का एक निर्धारित प्रतिशत भाग अपने पास सदैव नकद रूप में रखता है जिसे नकद आरक्षण अनुपात (CRR) कहते हैं।
- वैधानिक तरलता अनुपात बैंकों को अपनी जमाराशियों का कम-से-कम 25% के बराबर प्रतिभूतियों के रूप में रखना होता है। यह दर वैधानिक तरलता अनुपात (SLR) है।

भारत के प्रमुख प्रतिभूति मुद्रण केन्द्र

छापेखाने	स्थल
इण्डिया सिक्योरिटी प्रेस	नासिक (महाराष्ट्र)
सिक्योरिटी प्रिन्टिंग प्रेस	हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)
करेन्सी नोट प्रेस	नासिक (महाराष्ट्र)
बैंक नोट प्रेस	देवास (मध्य प्रदेश)
सिक्योरिटी पेपर मिल	होशंगाबाद (मध्य प्रदेश)

➤ भारत में बीमा क्षेत्र की शुरूआत 1918 ई. में ओरियण्टल लाइफ इन्श्योरेन्स कम्पनी की कलकत्ता में स्थापना के साथ हुई थी।

➤ बीमा कम्पनियों का सर्वप्रथम राष्ट्रीयकरण 1 सितम्बर, 1956 को किया गया था।

➤ भारतीय जीवन बीमा निगम की स्थापना 1956 ई. में ₹ 5 करोड़ की अधिकृत पूँजी से हुई थी।

➤ बीमा क्षेत्र में सबसे पहले प्रवेश करने वाला बैंक 'स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया' है।

➤ बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा), भारतीय बीमा क्षेत्र को नियन्त्रित करती है।

➤ कृषि एवं ग्रामीण विकास हेतु वित्त उपलब्ध कराने वाली प्रमुख संस्था राष्ट्रीय कृषि तथा ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड, स्थापना-जुलाई 1982) है।

➤ मालेगाम समिति का सम्बन्ध माइक्रोफाइनेंस से है।



स्टॉक एवं शेयर बाजार

- एशिया का सबसे पुराना शेयर बाजार बम्बई शेयर बाजार (BSE) है जिसकी स्थापना 1875 ई. में हुई।
- राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज की स्थापना 1992 ई. में **फेरवानी समिति** की अनुशंसा पर की गई थी। इसका मुख्यालय वर्ली (मुम्बई) में है।
- भारत में मान्यता प्राप्त **23 स्टॉक एक्सचेंज** हैं।
- भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (SEBI) शेयर बाजार को नियन्त्रित करने वाली संस्था है। इसकी स्थापना **एस ए दवे समिति** की संस्तुति पर 12 अप्रैल, 1988 को की गई थी।
- बम्बई स्टॉक एक्सचेंज का राष्ट्रीय सूचकांक 100 शेयरों का (आधारवर्ष 1983-84) तथा संवेदी शेयर सूचकांक 30 शेयरों का (आधारवर्ष 1978-79) है।

प्रमुख शेयर मूल्य सूचकांक

स्टॉक एक्सचेंज	सूचकांक
न्यूयार्क	डो जोन्स
बम्बई	डॉलेक्स, सेन्सेक्स, एस एण्ड पी सी एन एक्स निफ्टी, S & PCNX-500
टोकियो	निक्की
जर्मनी (फ्रैंकफर्ट)	मिड डेक्स
हाँगकाँग	हांग सेंग
सिंगापुर	सिमेक्स
दक्षिण कोरिया	सियोल कम्पोजिट
थाइलैण्ड	सेट
ताइवान	तेन
चीन	शंघाई
अमेरिका	नासदाक
ब्राजील	बोवेस्पा



राष्ट्रीय आय एवं राजस्व

- किसी वर्ष के दौरान उत्पादित अन्तिम वस्तुओं एवं सेवाओं के शुद्ध मूल्य के योग को राष्ट्रीय आय कहते हैं। इसमें विदेशों से अर्जित शुद्ध आय भी शामिल होती है।
- भारत की राष्ट्रीय आय का सर्वप्रथम आकलन दादाभाई नौरोजी ने अपनी पुस्तक 'प्लाण्ड इकोनॉमी फॉर इण्डिया' में किया था।
- वर्तमान में **केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन (CSO)** राष्ट्रीय आय की गणना करता है। वर्तमान में राष्ट्रीय आय की माप का आधारवर्ष 1999-2000 है।
- बजट शब्द की उत्पत्ति **फ्रांसीसी भाषा** के शब्द 'bougette' से हुई जो साधारणतः धन (राजस्व) के आय एवं उसके व्यय की सूची को कहते हैं। बजट, व्यष्टि अर्थशास्त्र (micro economics) की एक महत्वपूर्ण अवधारणा है।
- स्वतन्त्र भारत का प्रथम बजट (1947-49), आर के षण्मुखम् शेट्टी ने प्रस्तुत किया था।
- प्रथम वित्त आयोग का गठन 1951 ई. में किया गया था। इसके अध्यक्ष के सी नियोगी थे।
- तेरहवें वित्त आयोग के अध्यक्ष विजय एल केलकर हैं।

आर्थिक सुधारों से सम्बन्धित प्रमुख समितियाँ

रंगराजन समिति	बचत एवं निवेश
राजा चेलैया समिति	कर सुधार
केलकर समिति	प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष
रंगराजन समिति	सार्वजनिक व्यय

केन्द्र सरकार के प्रत्यक्ष कर
- आय कर
- निगम कर
- धन कर
- एस्टेट ड्यूटी
- व्यय कर

राज्य सरकार के प्रमुख प्रत्यक्ष कर
- भू-राजस्व
- होटल प्राप्तियों पर कर
- कृषि आय पर कर
- व्यवसाय कर
- रोजगार कर

केन्द्र सरकार के परोक्ष कर
- केन्द्रीय उत्पाद शुल्क
- सेवा कर
- सीमा शुल्क
- केन्द्रीय बिक्री कर

राज्य सरकार के प्रमुख परोक्ष कर
- बिक्री कर
- राज्य उत्पाद शुल्क
- वाहन कर
- प्रवेश कर
- विज्ञापन कर
- शिक्षा उपकर
- कच्चे जूट पर कर
- विद्युत कर
- स्टाम्प एवं पंजीयन शुल्क
- डीजल एवं पेट्रोल पर कर



कृषि एवं उद्योग

- कृषि एवं संगत क्षेत्र मिलकर, देश की कार्यशील जनसंख्या के 59.7% हिस्से को रोजगार उपलब्ध कराते हैं।
- राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना 1999 ई. में हुई।
- देश में गेहूँ के उत्पादन में उत्तर प्रदेश का प्रथम स्थान है, जबकि प्रति हेक्टेयर उत्पादन में पंजाब का प्रथम स्थान है।
- फलों एवं सब्जियों के उत्पादन में भारत का विश्व में द्वितीय स्थान है।
- देश में पहला लौह इस्पात कारखाना 1874 ई. में कुल्टी (पश्चिम बंगाल) नामक स्थान पर तथा सबसे पहला बड़े पैमाने का कारखाना 1907 ई. में तत्कालीन बिहार राज्य में स्वर्ण रेखा नदी की घाटी में साकची नामक स्थान पर जमशेदजी टाटा द्वारा स्थापित किया गया था।

➤ नई औद्योगिक नीति को 24 जुलाई, 1991 को लागू किया गया था।

➤ लघु उद्योगों के विकास के लिए आबिद हुसैन समिति का गठन किया गया था।

➤ हथकरघा क्षेत्र के विकास के लिए मीरा सेठ समिति का गठन किया गया था।

➤ देश में पहला वस्त्र पार्क तिरुपुर (तमिलनाडु) में स्थापित किया गया है।

भारत : प्रमुख फसलें

रबी

1. गेहूँ 2. चना 3. जौ 4. सरसों 5. तोरिया 6. मटर

खरीफ

1. धान 2. ज्वार 3. बाजरा 4. मक्का 5. कपास 6. गन्ना 7. सोयाबीन 8. अरहर

जायद

1. मूँग 2. उड़द 3. तरबूज 4. ककड़ी 5. खरबूजा 6. सूरजमुखी

नगदी

1. तिलहन 2. गन्ना 3. चुकन्दर 4. चाय 5. कपास 6. जूट 7. मेस्टा 8. कहवा 9. तम्बाकू 10. दलहन

कृषि उपजों के विपणन हेतु सहकारी क्षेत्रों में राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष संस्था के रूप में राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (NAFED) की स्थापना की गई है।

प्रमुख कृषि क्रान्तियाँ

▪ हरित क्रान्ति	खाद्यान्न उत्पादन
▪ श्वेत क्रान्ति	दुग्ध उत्पादन
▪ भूरी क्रान्ति	उर्वरक उत्पादन
▪ नीली क्रान्ति	मत्स्य उत्पादन
▪ पीली क्रान्ति	तिलहन उत्पादन
▪ लाल क्रान्ति	टमाटर उत्पादन
▪ गोल क्रान्ति	आलू उत्पादन
▪ रजत क्रान्ति	अण्डा उत्पादन
▪ सुनहरी क्रान्ति	बागवानी उत्पादन
▪ गुलाबी क्रान्ति	झींगा उत्पादन

कृषि के प्रकार

एपीकल्चर	मधुमक्खी पालन
हॉर्टीकल्चर	बागवानी
फ्लोरीकल्चर	फलों की कृषि
विटीकल्चर	अंगूर कृषि
वर्मीकल्चर	केंचुआ पालन
पिसीकल्चर	मत्स्य पालन
मैरीकल्चर	समुद्री जीवों का उत्पादन
आर्वरीकल्चर	वृक्षों तथा झाड़ियों की कृषि

अनिवार्य लाइसेन्स वाले उद्योग

- तम्बाकू एवं सम्बद्ध उत्पाद
- एल्कोहॉल युक्त पेयों का निर्माण एवं आसवन
- माचिसों सहित विभिन्न औद्योगिक विस्फोटक सामग्री
- खतरनाक रसायन
- इलेक्ट्रॉनिक एयरोस्पेस तथा रक्षा उपकरण

भारत में उद्योगों की स्थापना

क्र.सं.	उद्योग	स्थापित स्थल (सर्वप्रथम)
1.	सूती वस्त्र	कलकत्ता (कोलकाता) (1818)
2.	जूट	रिशरा (1855)
3.	सीमेण्ट	मद्रास (चेन्नई) (1904)
4.	कागज	सेरामपुर (1812)
5.	उर्वरक	तमिलनाडु (1906)

महारत्न कम्पनियाँ

- तेल एवं प्राकृतिक गैस लिमिटेड
- भारतीय इस्पात प्राधिकरण
- इण्डियन ऑयल कॉर्पोरेशन
- राष्ट्रीय ताप एवं विद्युत निगम
- कोल इण्डिया लिमिटेड

नवरत्न कम्पनियाँ

- राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड
- निवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन
- कोल इण्डिया लिमिटेड
- हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड
- भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड
- भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
- नेशनल एल्युमीनियम कम्पनी लिमिटेड
- भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड
- महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड
- भारत इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
- हिन्दुस्तान ऐरोनोटिक्स लिमिटेड
- पावर फाइनेन्स लिमिटेड
- नेशनल मिनरल डेवलपमेन्ट कॉर्पोरेशन
- पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड
- रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड
- शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड
- नवरत्न का दर्जा प्राप्त हो जाने पर कम्पनियों को अधिक प्रशासनिक तथा वित्तीय सहायता मिलती है। ये कम्पनियाँ सरकार की अनुमति के बगैर देश में या विदेश में संयुक्त उद्यम लगा सकती हैं और उनमें अपनी नेटवर्थ के 15% तक निवेश कर सकती हैं।

देश के प्रमुख इस्पात कारखाने

कारखाना	स्थल
टाटा आयरन एण्ड स्टील कम्पनी (टिस्को)	जमशेदपुर (निजी क्षेत्र झारखण्ड)
इण्डियन आयरन एण्ड स्टील कम्पनी (इस्को)	बर्नपुर (पश्चिम बंग)
विश्वेश्वरैया आयरन एण्ड स्टील कम्पनी	भद्रावती (कर्नाटक)
राउरकेला एकीकृत इस्पात संयन्त्र	राउरकेला (ओडिशा)



विदेश व्यापार

➤ विश्व व्यापार में भारत का हिस्सा मात्र 1.4% है।

➤ भारत द्वारा निर्यात की जाने वाली वस्तुओं में अभियान्त्रिकीय वस्तुओं (इन्जीनियरिंग गुड्स) का सर्वाधिक भाग (33%) है।

➤ भारत के आयात में सर्वाधिक हिस्सा पेट्रोलियम पदार्थों (32%) का है।

विदेश व्यापार *दस स्वायत्तशासी निकाय*

- कॉफी बोर्ड
- रबर बोर्ड
- चाय बोर्ड
- तम्बाकू बोर्ड
- मसाला बोर्ड
- निर्यात निरीक्षण परिषद्
- भारतीय विदेश व्यापार संस्थान
- भारतीय पैकेजिंग संस्थान
- कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण
- समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण

भारत के प्रमुख निर्यातक भागीदार देश

संयुक्त अरब अमीरात	11.6%
अमेरिका	10.4%
सिंगापुर	8.0%

भारत के प्रमुख आयातक भागीदार देश

- चीन (सर्वाधिक)
- स्विट्जरलैण्ड
- संयुक्त अरब अमीरात

प्रमुख निर्यातक राज्य

महाराष्ट्र	24%
गुजरात	22%
तमिलनाडु	9%
कर्नाटक	5.1%

➤ देश का पहला निर्यात संवर्द्धन औद्योगिक पार्क सीतापुर (जयपुर) में स्थापित किया गया है।

➤ एशिया का प्रथम निर्यात प्रसंस्करण केन्द्र काण्डला में (1965) स्थापित किया गया था।



मानव संसाधन

जनगणना महत्त्वपूर्ण तथ्य

प्रथम अनाधिकृत जनगणना	1872
प्रथम अधिकृत जनगणना	1881
जनगणना अधिनियम	1948
जनगणना कमिश्नर पद का सृजन	1881
रजिस्ट्रार जनरल पद का सृजन	1949
जनगणना संगठन	1951
प्रथम जनगणना कमिश्नर	डब्ल्यू प्लॉडेन
प्रथम रजिस्ट्रार जनरल	आर ए गोपालास्वामी
जन्म-मृत्यु पंजीकरण अधिनियम	1969
स्वतन्त्र भारत की पहली जनगणना	1951
जनगणना पर भोरे कमेटी रिपोर्ट	1946
परिवार नियोजन कार्यक्रम आरम्भ	1952
पहली राष्ट्रीय जनसंख्या नीति	1983
राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति	1983
छोटा परिवार सुखी परिवार	1983
करुणाकरन समिति	1991
राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग (स्वामीनाथन कमीशन)	1993

जनगणना 2011

कुल जनसंख्या (2011)	1,21,01,93,422
पुरुष	62,37,24,248
महिलाएँ	58,64,69,174
0-6 आयु वर्ग की जनसंख्या (2011)	15,87,89,287 (कुल जनसंख्या का 13.12%)

दशकीय जनसंख्या वृद्धि (2001-2011)

निरपेक्ष वृद्धि	18,14,55,986 (17.64%)
पुरुष संख्या में वृद्धि	9,15,01,158 (17.19%)
महिलाओं की संख्या में वृद्धि	8,99,54,828 (18.12%)

साक्षरता (2011)

साक्षरता	74.04%
पुरुषों में साक्षरता	82.14%
महिलाओं में साक्षरता	65.46%
सर्वाधिक साक्षरता वाला राज्य	केरल (93.91%)
न्यूनतम साक्षरता वाला राज्य	बिहार (63.82%)

जनसंख्या की दृष्टि से चार बड़े राज्य

क्र.सं.	राज्य	जनसंख्या
1.	उत्तर प्रदेश	19,95,81,477
2.	महाराष्ट्र	11,23,72,972
3.	बिहार	10,38,04,637
4.	पश्चिम बंग	9,13,47,736

जनसंख्या की दृष्टि से चार छोटे राज्य

क्र.सं.	राज्य	जनसंख्या
1.	सिक्किम	6,07,688
2.	मिजोरम	10,91,041
3.	अरुणाचल प्रदेश	13,82,611
4.	गोवा	14,57,723

सर्वाधिक दशकीय वृद्धि (2001-2011) वाले 4 राज्य

क्र.सं.	राज्य	दशकीय वृद्धि
1.	मेघालय	27.82%
2.	अरुणाचल प्रदेश	25.92%
3.	बिहार	25.07%
4.	जम्मू एवं कश्मीर	23.71%

न्यूनतम दशकीय वृद्धि (2001-2011) वाले 4 राज्य

क्र.सं.	राज्य	दशकीय वृद्धि
1.	नागालैण्ड	0.47%
2.	केरल	4.86%
3.	गोवा	8.17%
4.	आन्ध्र प्रदेश	11.10%

सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाले चार राज्य

क्र.सं.	राज्य	घनत्व (प्रति वर्ग किमी)
1.	बिहार	1102
2.	पश्चिम बंग	1029
3.	केरल	859
4.	उत्तर प्रदेश	828

न्यूनतम जनसंख्या घनत्व वाले चार राज्य

क्र.सं.	राज्य	घनत्व (प्रति वर्ग किमी)
1.	अरुणाचल प्रदेश	17
2.	मिजोरम	52
3.	सिक्किम	86
4.	नागालैण्ड	119

सर्वाधिक लिंगानुपात वाले चार राज्य

क्र.सं.	राज्य	लिंगानुपात
1.	केरल	1084
2.	तमिलनाडु	995
3.	आन्ध्र प्रदेश	992
4.	छत्तीसगढ़	991

न्यूनतम लिंगानुपात वाले चार राज्य

क्र.सं.	राज्य	लिंगानुपात
1.	हरियाणा	877
2.	जम्मू एवं कश्मीर	883
3.	सिक्किम	889
4.	पंजाब	893

सर्वाधिक साक्षरता दर वाले चार राज्य

क्र.सं.	राज्य	साक्षरता दर
1.	केरल	93.91
2.	मिजोरम	91.60
3.	त्रिपुरा	87.80
4.	गोवा	87.40

न्यूनतम साक्षरता दर वाले चार राज्य

क्र.सं.	राज्य	साक्षरता दर
1.	बिहार	63.82
2.	अरुणाचल प्रदेश	67.00
3.	राजस्थान	67.10
4.	झारखण्ड	67.63

सर्वाधिक पुरुष साक्षरता दर वाले चार राज्य

क्र.सं.	राज्य	साक्षरता दर
1.	केरल	96.02
2.	मिजोरम	93.72
3.	गोवा	92.81
4.	त्रिपुरा	92.18

न्यूनतम पुरुष साक्षरता दर वाले चार राज्य

क्र.सं.	राज्य	साक्षरता दर
1.	बिहार	73.50
2.	अरुणाचल प्रदेश	73.70
3.	आन्ध्र प्रदेश	75.60
4.	मेघालय	77.20

सर्वाधिक महिला साक्षरता दर वाले चार राज्य

क्र.सं.	राज्य	साक्षरता दर
1.	केरल	92.00
2.	मिजोरम	89.40
3.	त्रिपुरा	83.10
4.	गोवा	81.80

न्यूनतम महिला साक्षरता दर वाले चार राज्य

क्र.सं.	राज्य	साक्षरता दर
1.	राजस्थान	52.70
2.	बिहार	53.33
3.	झारखण्ड	56.21
4.	जम्मू एवं कश्मीर	58.01

जनगणना 2011 *स्मार्ट तथ्य*

सर्वाधिक जनसंख्या वाले जिले

1. थाणे (महाराष्ट्र)	1,10,54,131
2. उत्तर चौबीस परगना (पश्चिम बंग)	1,00,82,852

सर्वाधिक वृद्धि दर वाला राज्य/प्रदेश

1. दादरा एवं नगर हवेली	55.50%
2. दमन एवं दीव	53.54%

सर्वाधिक वृद्धि दर वाले जिले

1. कुरुंग कुमे (अरुणाचल प्रदेश)
2. यामन (पुदुचेरी)

सर्वाधिक जनसंख्या अनुपात (0-6 वर्ष) वाले जिले

1. कुपवाड़ा (जम्मू एवं कश्मीर)	22.50%
2. प. खासी पहाड़ी (मेघालय)	22.47%

सर्वाधिक लिंगानुपात वाले राज्य/प्रदेश

1. केरल	1,084
2. पुदुचेरी	1,038

सर्वाधिक लिंगानुपात वाले जिले

1. माहे (पुदुचेरी)	1,176
2. अल्मोड़ा (उत्तराखण्ड)	1,142

सर्वाधिक लिंगानुपात (0-6 वर्ष) वाले राज्य

1. मिजोरम	971
2. मेघालय	970

सर्वाधिक लिंगानुपात (0-6 वर्ष) वाले जिले

1. लाहौल व स्पीति (हिमाचल प्रदेश)	1013
2. तवांग (अरुणाचल प्रदेश)	1003

सर्वाधिक साक्षरता दर वाले राज्य/प्रदेश

1. केरल	93.91%
2. लक्षद्वीप	92.28%

सर्वाधिक साक्षरता दर वाले जिले

1. सरविप (मिजोरम)	98.76%
2. आइजोल (मिजोरम)	93.50%

सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाले राज्य/प्रदेश

1. दिल्ली	11,297 प्रति वर्ग किमी
2. चण्डीगढ़	9,252 प्रति वर्ग किमी

सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाले जिले

1. उत्तरी-पूर्व, दिल्ली	37,346 प्रति वर्ग किमी
2. चेन्नई, तमिलनाडु	26,903 प्रति वर्ग किमी

न्यूनतम जनसंख्या वाले जिले

1. दिबांग घाटी (अरुणाचल प्रदेश)	7,948
2. अन्जा (अरुणाचल प्रदेश)	21,089

न्यूनतम वृद्धि दर वाला राज्य/प्रदेश

1. नागालैण्ड	(-) 0.47%
2. केरल	4.86%

न्यूनतम वृद्धि दर वाले जिले

1. लागलेंग (नागालैण्ड)	(-) 58.39%
2. किफायर (नागालैण्ड)	(-) 58.39%

न्यूनतम जनसंख्या अनुपात (0-6 वर्ष) वाले जिले

1. कोलकाता (पश्चिम बंग)	6.69%
2. पथनामथिट्टा (केरल)	7.65%

न्यूनतम लिंगानुपात वाले राज्य/प्रदेश

1. दमन एवं दीव	618
2. दादरा एवं नगर हवेली	775

न्यूनतम लिंगानुपात वाले जिले

1. दमन (दमन एवं दीव)	533
2. लेह (जम्मू एवं कश्मीर)	583

न्यूनतम लिंगानुपात (0-6 वर्ष) वाले राज्य

1. हरियाणा	830
2. पंजाब	846

न्यूनतम लिंगानुपात (0-5 वर्ष) वाले जिले

1. झज्जर (हरियाणा)	774
2. महेन्द्रगढ़ (हरियाणा)	778

न्यूनतम साक्षरता दर वाले राज्य/प्रदेश

1. बिहार	63.82%
2. अरुणाचल प्रदेश	66.95%

न्यूनतम साक्षरता दर वाले जिले

1. अलीराजपुर (मध्य प्रदेश)	37.22%
2. बीजापुर (छत्तीसगढ़)	41.58%

न्यूनतम जनसंख्या घनत्व वाले राज्य/प्रदेश

1. अरुणाचल प्रदेश	17 प्रति वर्ग किमी
2. अण्डमान एवं निकोबार	46 प्रति वर्ग किमी

न्यूनतम जनसंख्या घनत्व वाले जिले

1. दिबांग घाटी, अरुणाचल प्रदेश	1 प्रति वर्ग किमी
2. सम्बा, जम्मू एवं कश्मीर	2 प्रति वर्ग किमी

देश की जनगणना का उत्तरदायित्व 'जनगणना आयोग' पर होता है। भारत में पहली बार जाति आधारित जनगणना 2011 में की गई।

भारत की 15वीं नियमित जनगणना दो चरणों में पूरी हुई। पहले चरण का आरम्भ 1 अप्रैल, 2010 को हुआ था, जब भवनों (मकानों) की सूची तैयार की गई। दूसरा और अंतिम चरण 9 फरवरी से 28 फरवरी, 2011 के बीच पूरा हुआ, जिससे देश की जनगणना सम्पन्न हुई। जनगणना की अंतरिम रिपोर्ट 31 मार्च, 2011 को प्रकाशित की गई।

सामान्य विज्ञान



विज्ञान की प्रमुख शाखाएँ

शाखाएँ	सम्बन्धित विषय
एस्ट्रोनॉमी (खगोलशास्त्र)	ग्रह, उपग्रह तथा अन्य आकाशीय पिण्ड
एग्रोस्टोलॉजी	घासों का अध्ययन
एन्थोलॉजी	पुष्पों का अध्ययन
एयरोनॉटिक्स	वायुयान सम्बन्धी प्रक्रिया
सिरेमिक्स	चीनी मिट्टी के बर्तन तैयार करने वाली प्रौद्योगिकी
कॉस्मोलॉजी	ब्रह्माण्ड का अध्ययन
क्रायोजेनिक्स	निम्न ताप का अध्ययन
साइटोलॉजी	कोशिका का अध्ययन
डेन्ड्रोलॉजी	वृक्षों तथा झाड़ियों का अध्ययन
डेन्ड्रो क्रोनोलॉजी	वृक्षों की आयु का अध्ययन
इकोलॉजी	वनस्पतियों तथा प्राणियों के पर्यावरण
एण्टोमोलॉजी	कीट-पतंगों का अध्ययन
एम्ब्रियोलॉजी	भ्रूण का अध्ययन
जेनेटिक्स	जीवों की आनुवंशिकता
जिरोन्टोलॉजी	वृद्धावस्था से सम्बन्धित तथ्य
होलोग्राफी	त्रि-विमीय चित्र
हाइड्रोपोनिक्स	जल-संवर्द्धन का अध्ययन
माइकोलॉजी	कवकों का अध्ययन
मेट्रोलॉजी	माप विज्ञान
न्यूरोलॉजी	मानव शरीर की तन्त्रिकाओं का अध्ययन
ओडोन्टोग्राफी	दाँतों का अध्ययन
ऑस्टियोलॉजी	हड्डियों का अध्ययन
पैलिओन्टोलॉजी	जीवाश्मों (फॉसिल्स) का अध्ययन
पोमोलॉजी	फलों के अध्ययन
फाइकोलॉजी	शैवालों के अध्ययन
सेरीकल्चर	रेशम के कीड़ों के पालन तथा उनसे रेशम उत्पादन का अध्ययन
सीरोलॉजी	रुधिर सीरम का अध्ययन
टैक्सोनॉमी	जीव जातियों के नामकरण एवं वर्गीकरण
वायरोलॉजी	विषाणुओं का अध्ययन

प्रमुख आविष्कार एवं उनके आविष्कारक

आविष्कार/खोज/प्रतिपादन	आविष्कारक/खोजकर्ता/प्रतिपादक
ताप का गतिवादी सिद्धान्त	कैल्विन
जेनेटिक कोड तथा कृत्रिम जीन	हरगोविन्द खुराना
नेत्रहीनों के लिखने-पढ़ने की लिपि	लुईस ब्रेल
रेडियो तथा वायरलेस टेलीग्राफी	जी. मारकोनी
विद्युत धारा तथा बैटरी	वोल्टा
आनुवंशिकता के नियम	ग्रेगरी मेण्डल
पीरियोडिक टेबिल	मेण्डलीफ
टाइपराइटर	क्रिस्टोफर लैथम शोल्ज
ट्रांजिस्टर	डब्ल्यू. शोकले
बैरोमीटर	टोरीसेली
रडार	ए.एच. टेलर एवं लियो सी. यंग
वायुयान	राइट ब्रदर्स
फाउण्टेन पेन	लेविस ई. वाटरमैन
मोटरकार (निर्माण)	हेनरी फोर्ड
ऑटोमोबाइल	कार्ल बेन्ज
टेलीफोन	ग्राह्म बेल
माइक्रोफोन	ग्राह्म बेल
हैलीकॉप्टर	ए. ओहमिशेन
लीवर का सिद्धान्त, आपेक्षिक घनत्व	आर्किमिडीज
क्रेस्कोग्राफ	जे.सी. बोस
शार्ट हैंड	पिटमैन
एक्स-किरणों की खोज	डब्ल्यू.सी. रोण्टजन
परमाणु विखण्डन	रदरफोर्ड
रमन प्रभाव	सी.वी. रमन
टेलिस्कोप	गैलीलियो
सेफ्टी रेजर	जिलेट
छापने की कला	गुटेनबर्ग
लिफ्ट	एलिसा ग्रेव ओटिस
नाभिकीय रिएक्टर	ए. फर्मी
भाप का इंजन	जेम्स वाट
साइकिल	मैकमिलन
रिवाल्वर	कोल्ट
गैस इंजन	डेमलर
सेफ्टी लैम्प	हम्फ्री डेवी
रेफ्रिजरेटर	जेम्स हेरिसन एवं ए. कैटलीन
इलेक्ट्रिक बल्ब, ग्रामोफोन	थॉमस अल्वा एडीसन
डायनमो	माइकल फैराडे
टेलीविजन	जे.एल. बेयर्ड
लोगेरिथ्म	जॉन नेपियर
तड़ित चालक	बेंजामिन फ्रेंकलिन
कॉस्मिक किरणें	आर.ए. मिलीकन
विकास का सिद्धान्त	चार्ल्स डार्विन
रेडियम की खोज	मैडम क्यूरी एवं पियरे क्यूरी

आविष्कार/खोज/प्रतिपादन	आविष्कारक/ खोजकर्ता/प्रतिपादक
परमाणु का सिद्धान्त	डाल्टन
थर्मस फ्लास्क	डेवर
थ्योरी ऑफ रिलेटिविटी	ए. आइन्स्टीन
फारेनहाइट थर्मामीटर	फारेनहाइट
विद्युत-विच्छेदन के नियम	माइकल फैराडे
क्वान्टम थ्योरी	मैक्स प्लॉंक
गुरुत्वाकर्षण, गति के नियम	न्यूटन
डायनामाइट	एल्फ्रेड नोबेल

आविष्कार/खोज/प्रतिपादन	आविष्कारक/ खोजकर्ता/प्रतिपादक
यूरेनियम का विखण्डन (एटम बम)	ओटोहान
ऑक्सीजन	जे. प्रीस्टले
प्रोटॉन	गोल्डस्टीन
इलेक्ट्रॉन	जे.जे. थामसन
न्यूट्रॉन	जेम्स चैडविक
क्लोरीन	शीले
परमाणु संरचना	बोहर
पोर्टलैण्ड सीमेन्ट	जोसेफ एस्पडीन



भौतिक विज्ञान

अदिश राशियाँ

- भौतिक राशि, जिनमें केवल परिमाण होता है दिशा नहीं, उन्हें अदिश राशियाँ कहा जाता है।
- द्रव्यमान, चाल, आयतन, कार्य, समय, ऊर्जा, विद्युत धारा, ताप, दाब ये सभी अदिश राशियाँ हैं।

सदिश राशियाँ

- भौतिक राशि, जिन्हें व्यक्त करने के लिए परिमाण के साथ दिशा की भी आवश्यकता होती है, सदिश राशियाँ कहलाती हैं।
- विस्थापन, वेग, त्वरण, बल, संवेग तथा आघूर्ण सदिश राशियाँ हैं।

महत्त्वपूर्ण राशियाँ

- दूरी किसी वस्तु द्वारा तय किए गए मार्ग की लम्बाई दूरी कहलाती है।
- विस्थापन एक निश्चित दिशा में दो बिन्दुओं के बीच की लम्बवत् दूरी को विस्थापन कहते हैं। यह धनात्मक, ऋणात्मक और शून्य कुछ भी हो सकता है।
- चाल किसी वस्तु द्वारा प्रति सेकण्ड में तय की गई दूरी चाल कहलाती है।
- वेग किसी वस्तु के विस्थापन की दर को वेग कहते हैं।
- त्वरण किसी वस्तु के वेग में परिवर्तन की दर को त्वरण कहते हैं।
- संवेग किसी वस्तु के द्रव्यमान तथा वेग के गुणनफल को उस वस्तु का संवेग कहते हैं।

राशि एवं उनके मात्रक

राशि	मात्रक (SI)	राशि	मात्रक (SI)
लम्बाई	मीटर	कोणीय वेग	रेडियन/ सेकण्ड
द्रव्यमान	किलोग्राम	आवृत्ति	हर्ट्ज
समय	सेकण्ड	संवेग	किमी/सेकण्ड
कार्य, ऊर्जा	जूल	आवेग	न्यूटन-सेकण्ड
विद्युतधारा	एम्पियर	पृष्ठ तनाव	न्यूटन/मीटर
ऊष्मागतिक ताप	केल्विन	विद्युत आवेश	कूलॉम
ज्योति तीव्रता	केन्डिला	विभवान्तर	वोल्ट
कोण	रेडियन	विद्युत प्रतिरोध	ओम
त्वरण	मीटर/ सेकण्ड^2	विद्युत धारिता	फैराडे
बल	न्यूटन	प्रेरक	हेनरी
दाब	पास्कल	चुम्बकीय-फ्लक्स	वेबर
शक्ति	वाट	ज्योति फ्लक्स	ल्यूमेन
क्षेत्रफल	वर्ग मीटर	प्रदीप्ति घनत्व	लक्स
आयतन	घन मीटर	प्रकाश तरंग दैर्घ्य	एंग्स्ट्राम
चाल	मीटर/सेकण्ड	प्रकाशीय दूरी	प्रकाश वर्ष

न्यूटन के गति-विषयक नियम

- **प्रथम नियम** यदि कोई वस्तु विराम अवस्था में है, तो वह विराम अवस्था में रहेगी और यदि एकसमान चाल से चल रही है, तो ऐसे ही चलती रहेगी जब तक उस पर बाह्य बल न लगाया जाए। इस नियम को गैलीलियो का नियम या जड़त्व का नियम भी कहते हैं।
- **द्वितीय नियम** किसी वस्तु पर कार्य करने वाले बल का मान वस्तु के द्रव्यमान तथा वस्तु में उत्पन्न त्वरण के गुणनफल के समानुपाती होता है।
- **तृतीय नियम** प्रत्येक क्रिया के बराबर तथा विपरीत दिशा में एक प्रतिक्रिया होती है।

गति नियम के अनुप्रयोग

प्रथम नियम पर आधारित
- रुकी हुई गाड़ी के अचानक चल जाने पर उसमें बैठे यात्री पीछे की ओर झुक जाते हैं तथा चलती हुई गाड़ी के अचानक रुक जाने पर यात्री आगे की ओर झुक जाते हैं।
- बन्दूक की गोली से शीशे में गोल छेद हो जाता है जबकि पत्थर मारने पर शीशा टूटकर बिखर जाता है।
- चलती रेलगाड़ी या बस से छलाँग लगाने पर कोई व्यक्ति आगे की ओर गिरता है।

द्वितीय नियम पर आधारित
- काँच के बर्तन को पैक करने से पहले भूसे अथवा कागज में लपेटा जाता है।
- क्रिकेट खिलाड़ी गेंद को कैच करते समय अपने हाथों को थोड़ा पीछे कर लेता है।
- गाड़ियों में शॉकर लगाए जाते हैं।

तृतीय नियम पर आधारित
- बन्दूक से गोली छोड़ते समय, बन्दूक का पीछे की ओर को हटना।
- नाव से जमीन पर उतरते समय, नाव का पीछे हटना।
- कुँए से पानी खींचते समय रस्सी टूट जाने पर व्यक्ति का पीछे की ओर गिर जाना।
- रॉकेट की गति के दौरान ईंधन गैसें तेजी से नीचे की ओर खिसकती हैं जिसकी प्रतिक्रिया के कारण रॉकेट ऊपर को चलता है।

वृत्तीय गति

- जब कोई वस्तु वृत्तीय पथ पर गति करती है, तो उसकी गति वृत्तीय गति कहलाती है।
- जब कोई वस्तु किसी वृत्ताकार मार्ग पर चलती है, तो उस पर एक बल वृत्त के केन्द्र की ओर कार्य करता है इसे अभिकेन्द्र बल कहते हैं।
- अपकेन्द्रीय बल एक छद्म बल है जिसकी दिशा अभिकेन्द्री बल के विपरीत दिशा में होती है।

- कपड़ा सुखाने की मशीन, दूध से मक्खन निकालने की मशीन अपकेन्द्रीय बल के सिद्धान्त पर कार्य करती है।
- आवश्यक अभिकेन्द्र बल प्रदान करने के लिए घुमावदार रेलवे ट्रेक व घुमावदार सड़कें एक तरफ को झुकी हुई या उठी हुई होती हैं।

घर्षण

घर्षण बल वह विरोधी बल है, जो दो सम्बन्धों के बीच होने वाली आपेक्षिक गति का विरोध करता है।

घर्षण को कम करने की विधियाँ
- स्नेहक का प्रयोग करके, उदाहरण–तेल अथवा ग्रीस
- बॉल-बियरिंग का प्रयोग करके
- साबुन के घोल का प्रयोग करके
- पाउडर का प्रयोग करके

कार्य

कार्य, बल तथा बल की दिशा में वस्तु के विस्थापन के गुणनफल के बराबर होता है। इसका मात्रक जूल है।

कार्य (W) = बल $(F) \times$ बल की दिशा में विस्थापन (d)

यदि बल व विस्थापन, परस्पर लम्बवत् होते हैं, तो किया गया कार्य शून्य होता है।

सरल मशीन
- सरल मशीन एक ऐसी युक्ति है, जिसमें किसी सुविधाजनक विन्दु पर बल लगाकर, किसी अन्य बिन्दु पर रखे हुए भार को उठाया जाता है।
- यह बल-आघूर्ण के सिद्धान्त पर कार्य करती है।
- उत्तोलक, घिरनी, आनत तल, स्क्रूजैक आदि सरल मशीन हैं।
- कैंची, प्लायर्स, सिंडासी, शीशा झूला, साइकिल के ब्रेक, हैण्ड पम्प प्रथम श्रेणी के उत्तोलक हैं।
- सरौता, नींबू निचोड़ने की मशीन, कूड़ा ढोने की मशीन आदि द्वितीय श्रेणी के उत्तोलक हैं।
- चिमटा, किसान का हल, मनुष्य का हाथ तृतीय श्रेणी के उत्तोलक हैं।

शक्ति

कार्य करने की दर को शक्ति कहते हैं। यह एक अदिश राशि है, इसका मात्रक वाट है।

$$\text{शक्ति} = \frac{\text{कार्य}}{\text{समय}}$$

1 वाट घण्टा = 3600 जूल,
1 किलोवाट घण्टा = 3.6×10^6 जूल,
1 अश्व शक्ति = 746 वाट

ऊर्जा

किसी वस्तु की कार्य करने की क्षमता को उस वस्तु की ऊर्जा कहते हैं।

- ऊर्जा एक अदिश राशि है, इसका मात्रक जूल है।

ऊर्जा रूपान्तरित करने वाले कुछ उपकरण

उपकरण	ऊर्जा का रूपान्तरण
डायनेमो	यान्त्रिक ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में
विद्युत मोटर	विद्युत ऊर्जा को यान्त्रिक ऊर्जा में
माइक्रोफोन	ध्वनि ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में
लाउडस्पीकर	विद्युत ऊर्जा को ध्वनि ऊर्जा में
विद्युत बल्ब	विद्युत ऊर्जा को प्रकाश व ऊष्मा ऊर्जा में
सोलर सेल	सौर ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में
मोमबत्ती	रासायनिक ऊर्जा को प्रकाश एवं ऊष्मा ऊर्जा में

गुरुत्वाकर्षण

- दो पिण्डों के बीच एक आकर्षण बल कार्य करता है जिसे गुरुत्वाकर्षण कहते हैं।
- गुरुत्व वह आकर्षण बल है जिससे पृथ्वी किसी वस्तु को अपने केन्द्र की ओर खींचती है।
- पृथ्वी के गुरुत्व के कारण ही पृथ्वी पर वायुमण्डल उपस्थित है, गुरुत्व के कारण ही वायुमण्डल के कण पृथ्वी को छोड़कर नहीं जा पाते।
- चन्द्रमा पर गुरुत्वीय त्वरण (g) का मान, पृथ्वी के गुरुत्वीय त्वरण मान का 1/6 होता है।
- पृथ्वी से चन्द्रमा पर जाने पर सरल लोलक का आवर्तकाल बढ़ जाता है क्योंकि चन्द्रमा पर गुरुत्वीय त्वरण का मान घट जाता है।

- जब लकड़ी तथा स्टील की गेंद को निर्वात में एक साथ नीचे गिराया जाता है, तो दोनों गेंद एक साथ पृथ्वी पर पहुँचती है। क्योंकि पृथ्वी द्वारा लगाया गया गुरुत्वाकर्षण बल सभी वस्तुओं पर एकसमान लगता है।
- जब लिफ्ट ऊपर की ओर जाती है, तो लिफ्ट में स्थित पिण्ड का भार बढ़ा हुआ प्रतीत होता है।
- जब लिफ्ट नीचे की ओर जाती है, तो लिफ्ट में स्थित पिण्ड का भार घटा हुआ प्रतीत होता है।
- जब लिफ्ट एकसमान वेग से ऊपर या नीचे गति करती है, तो लिफ्ट में स्थित पिण्ड के भार में कोई परिवर्तन प्रतीत नहीं होता है।
- डबलडेकर बसों में ऊपरी हिस्से में यात्रियों को खड़े होने की अनुमति नहीं होती क्योंकि मुड़ते समय गुरुत्वाकर्षण का केन्द्र कम होने के कारण इनके पलटने की सम्भावना अधिक रहती है।
- पहाड़ चढ़ते समय यात्री सदैव आगे की ओर क़ो झुकते हैं। ऐसा करने से यात्री का गुरुत्व केन्द्र उनके पावों के बीच से होकर गुजरता है तथा उन्हें अधिक सन्तुलन व स्थायित्व प्राप्त होता है।

- गुरुत्व के कारण जो त्वरण उत्पन्न होता है उसे गुरुत्व जनित त्वरण (g) कहते हैं तथा इसका मान 9.8 मी/से^{2} होता है।

- पृथ्वी तल से नीचे या ऊपर जाने पर g का मान घटता है।
- g का मान पृथ्वी के ध्रुव पर महत्तम होता है।
- g का मान विषुवत रेखा पर न्यूनतम होता है।
- पृथ्वी घूर्णन गति बढ़ने पर g का मान कम हो जाता है।
- पृथ्वी की घूर्णन गति घटने पर g का मान बढ़ जाता है।

उपग्रह

- किसी ग्रह के चारों ओर परिक्रमा करने वाले पिण्ड को उस ग्रह का उपग्रह कहते हैं।
- चन्द्रमा, पृथ्वी का प्राकृतिक उपग्रह है जबकि INSAT-B, पृथ्वी का कृत्रिम उपग्रह है।



- उपग्रह की कक्षीय चाल उसके द्रव्यमान पर निर्भर नहीं करती है। एक ही त्रिज्या की कक्षा में भिन्न-भिन्न द्रव्यमानों के उपग्रहों की चाल समान होगी।
- उपग्रह की कक्षीय चाल कक्षीय त्रिज्या पर निर्भर करती है। पृथ्वी तल के अति निकट चक्कर लगाने वाले उपग्रह की कक्षीय चाल लगभग 7.9 या 8 किमी/से होती है।
- पृथ्वी के अति निकट चक्कर लगाने वाले उपग्रह का परिक्रमण काल 84 मिनट होता है।
- भू-स्थायी उपग्रह पृथ्वी तल से लगभग 36000 किमी की ऊँचाई पर रहकर पृथ्वी का परिक्रमण करता है।
- यह पृथ्वी के अक्ष के लम्बवत् तल में पश्चिम से पूरब की ओर पृथ्वी की परिक्रमा करता है तथा परिक्रमण काल पृथ्वी के परिक्रमण काल (24 घण्टे) के बराबर होता है।

- भू-तुल्यकालिक कक्षा में संचार उपग्रह स्थापित करने की सम्भावना सबसे पहले आर्थर-सी क्लार्क ने व्यक्त की।
- तुल्यकाली उपग्रह का उपयोग रेडियो प्रसारण तथा मौसम सम्बन्धी भविष्यवाणी के लिए किया जाता है।
- पृथ्वी अपनी धुरी पर पश्चिम से पूरब की ओर घूर्णन करती है, इससे सूर्य तथा तारे पूरब से पश्चिम की ओर घूमते नजर आते हैं।

पलायन वेग

- पलायन वेग वह न्यूनतम वेग है जिससे किसी पिण्ड को पृथ्वी की सतह से ऊपर की ओर फेंके जाने पर वह गुरुत्वीय क्षेत्र को पार कर जाता है तथा कभी वापस नहीं आता है। इसका मान पृथ्वी तल पर 11.2 किमी/से होता है।
- पलायन वेग, कक्षीय वेग का $\sqrt{2}$ गुना होता है।
- चन्द्रमा पर पलायन वेग 2.38 किमी/से है, जिसके कारण वहाँ वायुमण्डल का अभाव है।

तरंग

- तरंग वह विक्षोभ है जो ऊर्जा का एक स्थान से दूसरे स्थान तक संचरण करता है।
- तरंग सामान्यतया दो प्रकार की होती हैं
  - (i) यान्त्रिक तरंगें (अनुदैर्घ्य तरंग तथा अनुप्रस्थ तरंग)
  - (ii) विद्युत चुम्बकीय तरंगें

तरंगों के प्रकार

➤ **अनुदैर्ध्य तरंग** जब तरंग गति की दिशा माध्यम के कणों के कम्पन करने की दिशा के अनुदिश (या समान्तर) होती है, तो ऐसी तरंग को अनुदैर्ध्य तरंग कहते हैं। ध्वनि तरंगें, अनुदैर्ध्य तरंगों के उदाहरण हैं।

➤ **अनुप्रस्थ तरंग** जब तरंग गति की दिशा माध्यम के कणों के कम्पन करने की दिशा के लम्बवत् होती है, तो इस प्रकार की तरंगों को अनुप्रस्थ तरंग कहते हैं। पानी की सतह पर उत्पन्न तरंगें, प्रकाश तरंगें अनुप्रस्थ तरंगे हैं।

➤ **विद्युत चुम्बकीय तरंगें** ये ऐसी तरंगें होती हैं, जिसके संचरण के लिए किसी माध्यम की आवश्यकता नहीं होती। प्रकाश, ऊष्मा, विद्युत चुम्बकीय तरंगों के उदाहरण हैं। ये तरंगें प्रकाश की चाल से संचरण करती हैं।

कैथोड किरणें, कैनाल किरणें, α, β-तरंग, ध्वनि तरंग तथा पराश्रव्य तरंगे विद्युत-चुम्बकीय तरंगें नहीं हैं।

ध्वनि तरंगें

➤ ध्वनि एक स्थान से दूसरे स्थान तक तरंगों के रूप में गमन करती है।

➤ ध्वनि तरंगें अनुदैर्ध्य यान्त्रिक तरंगें होती हैं।

➤ यान्त्रिक तरंगों के आवृत्ति परिसर मुख्यतः तीन है

श्रव्य तरंगें 20 हर्ट्ज से 20000 हर्ट्ज के बीच की आवृत्ति वाली तरंगों को श्रव्य तरंगें कहते हैं। इन तरंगों को हमारे कान सुन सकते हैं।

अपश्रव्य तरंगें 20 हर्ट्ज से नीचे की आवृत्ति वाली ध्वनि तरंगों को अपश्रव्य तरंगे कहते हैं। इसे सुन नहीं सकते।

पराश्रव्य तरंगें 20000 हर्ट्ज से ऊपर की तरंगों को पराश्रव्य तरंगें कहा जाता है, मनुष्य के कान इसे सुन नहीं सकते हैं। लेकिन बिल्ली, कुत्ता, मच्छर इन तरंगों को सुन सकते हैं। चमगादड़ इन तरंगों को उत्पन्न भी कर सकता है।

सोनार (Sonar) यह एक ऐसी विधि है, जिसके द्वारा समुद्र में डूबी हुई वस्तुओं का पता लगाया जाता है। इसके लिए पराश्रव्य तरंगों का प्रयोग किया जाता है।

पराश्रव्य तरंगों के उपयोग *(i)* संकेत भेजने में, *(ii)* समुद्र की गहराई का पता लगाने में, *(iii)* कीमती कपड़ों, वायुयान तथा घड़ियों के पुर्जों को साफ करने में, *(iv)* कल-कारखानों की चिमनियों से कालिख हटाने में, *(v)* दूध के अन्दर के हानिकारक जीवाणुओं को नष्ट करने में, *(vi)* अंधेरे में चमगादड़ का उड़ना, *(vii)* गठिया रोग के उपचार एवं मस्तिष्क के ट्यूमर का पता लगाने में।

प्रतिबल

प्रति एकांक क्षेत्रफल पर लगाए बल को प्रतिबल कहते हैं। इसका मात्रक न्यूटन/मी^{2} या पास्कल होता है।

विकृति

➤ किसी वस्तु के एकांक आकार में परिवर्तन उस वस्तु की विकृति कहलाती है।

➤ प्रतिबल तथा विकृति का अनुपात नियतांक होता है, इसे प्रत्यास्थता गुणांक कहते हैं।

$$E = \frac{\text{प्रतिबल}}{\text{विकृति}}$$

इसे हुक का नियम कहते हैं।

➤ यदि विकृति तथा प्रतिवल अनुदैर्ध्य हो, तो प्रत्यास्थता गुणांक को यंग प्रत्यास्थता गुणांक कहते हैं।

दाब

➤ किसी सतह के एकांक क्षेत्रफल पर लगने वाले बल को दाब कहते हैं।

$$\text{दाब} = \frac{\text{बल}}{\text{क्षेत्रफल}}$$

➤ इसका मात्रक न्यूटन/मी^{2} है। यह सदिश राशि है।

➤ वायुमण्डलीय दाब बैरोमीटर से नापा जाता है।

- बैरोमीटर का पाठ्यांक जव एकाएक नीचे गिरता है, तो आँधी आने की सम्भावना होती है।
- बैरोमीटर का पाठ्यांक जव धीरे-धीरे नीचे गिरता है, तो वर्षा होने की सम्भावना होती है।
- बैरोमीटर का पाठ्यांक जव धीरे-धीरे ऊपर चढ़ता है, तो दिन साफ रहने की सम्भावना होती है।

➤ हाइड्रोलिक लिफ्ट, हाइड्रोलिक प्रेस, हाइड्रोलिक ब्रेक आदि पास्कल नियम पर आधारित हैं।

➤ दाब बढ़ने पर पदार्थ का गलनांक बढ़ जाता है।

➤ गर्म करने पर जिन पदार्थों का आयतन घट जाता है, दाब बढ़ाने पर उनका गलनांक भी कम हो जाता है।

➤ सभी द्रवों का क्वथनांक दाब घटाने पर बढ़ जाता है।

पृथ्वी की सतह से ऊपर जाने पर वायुमण्डलीय दाब कम हो जाता है। जिसके कारण

- पहाड़ों पर खाना बनाने में कठिनाई होती है।
- वायुयान में बैठे यात्री के फाउण्टेन पेन से स्याही रिस जाती है।
- व्यक्ति की नाक से खून निकलने लगता है।
- जल 100°C से कम ताप पर उबलने लगता है।
- नमक मिले पानी का क्वथनांक कम होने के कारण इसमें भोजन जल्दी पक जाता है।
- अधिक ऊँचाई पर कम दाब के कारण वायु की मात्रा कम होती है, अतः साँस लेने में कठिनाई होती है।

आर्किमिडीज का सिद्धान्त

जब कोई वस्तु किसी द्रव में डुबोई जाती है, तो उसके भार में कमी होती है, भार में यह आभासी कमी वस्तु द्वारा हटाए गए द्रव के भार के बराबर होती है।

- लोहे की बनी छोटी-सी गेंद पानी में डूब जाती है तथा बड़ा जहाज तैरता रहता है क्योंकि जहाज द्वारा विस्थापित किए गए जल का भार उसके भार के बराबर होता है।
- हवा की अपेक्षा पानी में वस्तु को उठाना आसान होता है, क्योंकि पानी में वस्तु के भार में कमी होती है।
- हाइड्रोजन से भरे गुब्बारे हवा में उड़ते हैं क्योंकि हाइड्रोजन का भार इसके द्वारा प्रतिस्थापित वायु के भार से कम होता है।

घनत्व

➤ द्रव्यमान प्रति एकांक आयतन घनत्व कहलाता है।

➤ आपेक्षिक घनत्व = $\frac{\text{वस्तु का घनत्व}}{4^\circ C \text{ पर पानी का घनत्व}}$

➤ आपेक्षिक घनत्व को हाइड्रोमीटर से मापा जाता है।

➤ समुद्र के जल का घनत्व साधारण जल से अधिक होता है।

- लोहे का घनत्व जल के घनत्व से अधिक तथा पारे के घनत्व से कम होता है इसलिए लोहे का टुकड़ा पानी में डूब जाता है लेकिन पारे में तैरता रहता है।
- किसी बर्तन में पानी भरा है और उस पर बर्फ तैर रही है, जब बर्फ पूरी तरह पिघल जाएगी, तो पात्र में पानी का तल बढ़ता नहीं है, पहले के समान ही रहता है।
- जब बर्फ पानी में तैरती है, तो उसके आयतन का 1/10 भाग पानी के ऊपर रहता है।

पृष्ठ तनाव

➤ द्रव का ताप बढ़ाने पर पृष्ठ तनाव कम हो जाता है और क्रान्तिक ताप शून्य हो जाता है। $(T = F / L)$

➤ पृष्ठ तनाव का मात्रक न्यूटन/मी होता है।

- साबुन के घोल के बुलबुले, घोल के पृष्ठ तनाव कम होने के कारण बड़े बनते हैं।
- पतली सुई पृष्ठ तनाव के कारण ही पानी पर तैराई जा सकती है।
- पृष्ठ तनाव के कारण ही द्रव की बूँदें वृत्ताकार होती हैं।
- पानी में मिट्टी का तेल डालने पर पानी का पृष्ठ तनाव कम हो जाता है जिसके कारण पानी की सतह पर तैरते मच्छर के अण्डे आदि डूब जाते हैं।
- नदी से समुद्र में पहुँचने पर जहाज थोड़ा ऊपर उठ जाता है क्योंकि समुद्र में उपस्थित नमक के कारण इसका घनत्व अधिक होता है।

➤ साफ जल का पृष्ठ तनाव, साबुन के घोल के पृष्ठ तनाव से अधिक होता है। साबुन के घोल को जल में मिलाकर जल के पृष्ठ तनाव को कम किया जा सकता है।

➤ एक ही पदार्थ के अणुओं के मध्य लगने वाले आकर्षण बल को ससंजक बल कहते हैं जबकि विभिन्न पदार्थों के अणुओं के बीच के आकर्षण बल को आसंजक बल कहते हैं।

➤ आसंजक बल के कारण ही जल किसी वस्तु को भिगोता है, पारा काँच से नहीं चिपकता आदि।

केशिकत्व

➤ केशनली में द्रव के ऊपर चढ़ने या नीचे दबने की घटना को केशिकत्व कहते हैं।

- ब्लॉटिंग पेपर स्याही को शीघ्र सोख लेता है, क्योंकि इसमें बने छोटे-छोटे छिद्र केशनली की तरह कार्य करते हैं।
- लालटेन या लैम्प की बत्ती में केशिकत्व के कारण ही तेल ऊपर चढ़ता है।
- पेड़-पौधों की शाखाओं, तनों एवं पत्तियों तक जल और आवश्यक लवण केशिकत्व की क्रिया के द्वारा ही पहुँचते हैं।

बरनौली प्रमेय

➤ जब कोई आदर्श द्रव किसी नली में धारा रेखीय प्रवाह में बहता है, तो उसके मार्ग के प्रत्येक बिन्दु पर उसके एकांक आयतन की कुल ऊर्जा (दाब ऊर्जा, गतिज ऊर्जा एवं स्थितिज ऊर्जा) का योग नियत रहता है।

➤ वेन्चुरीमीटर, बुनसन बर्नर, कार्बन फिल्टर पम्प, मैगनस प्रभाव तथा वायुयान की गति बरनौली प्रमेय पर आधारित हैं।

सरल लोलक

➤ डोरी के द्वारा दृढ़ आधार से लटका एक गोलक सरल लोलक कहलाता है।

सरल लोलक का आवर्तकाल, $T = 2\pi\sqrt{\frac{l}{g}}$

जहाँ, l लोलक की लम्बाई है।

➤ लोलक का अधिकतम आवर्तकाल 84.6 मिनट है।

- लोलक घड़ी गर्मी में सुस्त तथा सर्दी में तेज होती है।
- यदि सरल लोलक को लिफ्ट में लटकाया जाए और लिफ्ट त्वरित गति से नीचे आ रही है, तो लोलक का आवर्तकाल बढ़ जाएगा और यदि लिफ्ट ऊपर की ओर जा रही है, तो लोलक का आवर्तकाल घट जाएगा।
- यदि लिफ्ट मुक्त रूप से गुरुत्व के अन्तर्गत गिर रही है, तब लोलक का आवर्तकाल अनन्त हो जाएगा।
- चन्द्रमा पर लोलक घड़ी को ले जाने पर उसका आवर्तकाल बढ़ जाएगा क्योंकि g का मान पृथ्वी पर g के मान का 1/6 गुना है।

ऊष्मा

- ऊष्मा एक ऊर्जा है जिससे हमें वस्तु की गर्माहट का अहसास होता है।
- इसका मात्रक कैलोरी, किलो कैलोरी तथा जूल है।
- 1 कैलोरी = 4.186 जूल।

ताप

- ताप, किसी वस्तु की गर्माहट तथा ठण्डक का मापन है।
- जब दो वस्तुएँ सम्पर्क में स्थित होती हैं, तो ऊष्मा का प्रवाह सदैव ऊँची ताप वाली वस्तु से नीचे ताप वाली वस्तु में होता है।
- वस्तु के ताप को मापने के लिए जो यन्त्र प्रयोग किया जाता है, उसे थर्मामीटर कहते हैं।
- मानव शरीर का सामान्य ताप 37°C या 98.4°F है।
- −40°C पर ताप सेल्सियस और फारेनहाइट समान होते हैं।
- डॉक्टरी थर्मामीटर 96°F से 110°F तक के ताप को मापता है।
- ताप के पैमाने का मापन

$$\frac{C}{5} = \frac{F-32}{9} = \frac{R}{4} = \frac{K}{5} = \frac{Ra-492}{9}$$

- पारे का हिमांक −39°C होता है तथा इससे नीचे का ताप मापने के लिए एल्कोहॉल युक्त थर्मामीटर का प्रयोग किया जाता है। एल्कोहॉल का हिमांक −25°C होता है।

किसी भी वस्तु का ताप −273.15°C से कम नहीं हो सकता है। इसे परम शून्य कहते हैं। इसे केल्विन पैमाने पर K लिखते हैं। अर्थात्

K = − 273.15°C एवं 273.16 K = 0°C

विशिष्ट ऊष्मा

- किसी पदार्थ की विशिष्ट ऊष्मा, ऊष्मा की वह मात्रा है, जो उस पदार्थ के एकांक द्रव्यमान में एकांक ताप वृद्धि उत्पन्न करती है।
- इसका मात्रक जूल/किग्रा केल्विन होता है।
- जल की विशिष्ट ऊष्मा सबसे अधिक होती है।
- ताप बढ़ने पर अधिकतर पदार्थों की विशिष्ट ऊष्मा बढ़ती है।
- जल की विशिष्ट ऊष्मा 0°C से 40°C तक ताप बढ़ने पर घटती है तथा इसके बाद बढ़ती है।
- जल की विशिष्ट ऊष्मा 15°C पर 4180 जूल/किग्रा केल्विन होती है।
- पारे की विशिष्ट ऊष्मा कम होती है।
- सोने की विशिष्ट ऊष्मा 130 जूल/किग्रा-केल्विन होती है।

- खाना पकाने के बर्तन एल्युमीनियम, कांस्य तथा इस्पात के बनाए जाते हैं, क्योंकि इन पदार्थों की विशिष्ट ऊष्मा कम तथा चालकता अधिक होती है।
- थर्मस फ्लास्क दौहरी काँच की दीवार के बने होते हैं जिसके कारण इनमें से ऊष्मा का संचरण न के बराबर होता है तथा रखी गई गर्म वस्तु गर्म व ठण्डी वस्तु ठण्डी बनी रहती है।
- रेल की पटरियों के बीच स्थान छोड़ा जाता है, क्योंकि रेल के चलने पर उत्पन्न ऊष्मा के कारण पटरी फैल जाती है।
- काँच के गिलास में काफी तेज गर्म पानी डालने पर यह टूट जाता है, क्योंकि गर्म होने के कारण अन्दर की सतह फैलती है।
- सर्दियों में हैण्डपम्प का पानी गर्म व गर्मियों में ठण्डा महसूस होता है, क्योंकि सर्दियों में बाहर का तापमान अपेक्षाकृत कम होता है तथा गर्मियों में अधिक होता है।
- मिट्टी के घड़े में पानी ठण्डा रहता है, क्योंकि इसके छिद्रों से वाष्पन के कारण लगातार ऊष्मा में कमी होती रहती है।
- कमरों में रोशनदान छत के समीप बनाए जाते हैं, क्योंकि गर्म वायु हल्की होने के कारण ऊपर उठती है व कमरे से बाहर निकल जाती है।
- गर्मी के मौसम में साइकिल की ट्यूब फट जाती हैं, क्योंकि इनमें उपस्थित वायु ताप के कारण फैलती है।
- बरसात के मौसम में अधिक गर्मी महसूस होती है, क्योंकि ऊष्मा वायुमण्डल से बाहर नहीं निकल पाती।

गुप्त ऊष्मा

- नियत ताप पर पदार्थ की अवस्था में परिवर्तन के लिए अनावश्यक ऊष्मा की मात्रा को पदार्थ की गुप्त ऊष्मा कहते हैं।
- बर्फ की गलन गुप्त ऊष्मा 80 कैलोरी/ग्राम है।
- वाष्पन की गुप्त ऊष्मा 540 कैलौरी/ग्राम है।

ऊष्मीय संचरण

- ऊष्मा का एक स्थान से दूसरे स्थान जाने को ऊष्मा का संचरण कहते है।
- ठोसों में ऊष्मा का संचरण चालन द्वारा होता है।
- गैसों तथा द्रवों में ऊष्मा का संचरण संवहन द्वारा होता है।
- सूर्य से ऊष्मा पृथ्वी पर संवहन विधि द्वारा पहुँचती है।

- उबलते जल की अपेक्षा भाप से जलने पर अधिक कष्ट होता है, क्योंकि जल की अपेक्षा भाप की गुप्त ऊष्मा अधिक होती है।
- 0°C पर बर्फ, 0°C पर जल से अधिक ठण्डी लगती है।
- 0°C पर पिघलती बर्फ में कुछ नमक, शोरा मिलाने से बर्फ का गलनांक 0°C से घटकर − 22°C तक हो जाता है, ऐसे हिम मिश्रण का उपयोग कुल्फी, आइसक्रीम आदि बनाने में किया जाता है।

प्रकाश

➤ प्रकाश एक प्रकार की ऊर्जा है जो विद्युत-चुम्बकीय तरंगों के रूप में संचारित होतीं है। प्रकाश, अनुप्रस्थ तरंग होती है।

➤ प्रकाश के वेग की गणना सबसे पहले रोमर ने की थी।

➤ वायु तथा निर्वात में प्रकाश की चाल सबसे अधिक (3×10^8 मी/से) होती है।

➤ सूर्य का प्रकाश पृथ्वी पर 8 मिनट 19 सेकण्ड में पहुँचता है।

प्रकाश का परावर्तन

➤ प्रकाश के चिकने पृष्ठ से टकराकर वापस आने की घटना को **प्रकाश का परावर्तन** कहते हैं।

➤ आपतित किरण, आपतन बिन्दु पर अभिलम्ब तथा परावर्तित किरण एक ही तल में होते हैं।

➤ आपतन कोण सदैव परावर्तन कोण के बराबर होता है।

समतल दर्पण से परावर्तन

➤ प्रतिबिम्ब काल्पनिक वस्तु के बराबर तथा पार्श्व उल्टा होता है।

➤ यदि कोई व्यक्ति v चाल से दर्पण की ओर चलता है, तो उसे दर्पण में अपना प्रतिबिम्ब $2v$ चाल से अपनी ओर आता प्रतीत होगा।

➤ समतल दर्पण में वस्तु का पूर्ण प्रतिबिम्ब देखने के लिए दर्पण की लम्बाई, वस्तु की लम्बाई से आधी होनी चाहिए।

➤ समलत दर्पणों द्वारा बने प्रतिबिम्बों की संख्या, $n = \left(\frac{360°}{\theta} - 1\right)$

गोलीय दर्पण

➤ गोलीय दर्पण दो प्रकार के होते हैं
(i) अवतल दर्पण, (ii) उत्तल दर्पण

➤ उत्तल दर्पण से बना प्रतिबिम्ब वस्तु से छोटा, सीधा एवं आभासी होता है जबकि अवतल दर्पण से बना प्रतिबिम्ब बड़ा व वास्तविक होता है।

अवतल दर्पण के उपयोग (*i*) दाढ़ी बनाने में, (*ii*) आँख, कान एवं नाक के डॉक्टर के द्वारा उपयोग में, (*iii*) गाड़ी की हेडलाइट में, (*iv*) सोलर कूकर में।

उत्तल दर्पण के उपयोग (*i*) गाड़ी में चालक की सीट के पास पीछे के दृश्य को देखने में (*ii*) सोडियम परावर्तक लैम्प में।

प्रकाश का अपवर्तन

➤ जब प्रकाश की किरण एक माध्यम से दूसरे माध्यम में जाती है, तो अपने मार्ग से विचलित हो जाती है। यह घटना **प्रकाश का अपवर्तन** कहलाती है।

➤ लाल रंग का अपवर्तनांक सबसे कम तथा बैंगनी रंग का अपवर्तनांक सबसे अधिक होता है।

➤ जब प्रकाश की किरण एक माध्यम से दूसरे माध्यम में जाती है, तो इसकी आवृत्ति अपरिवर्तित रहती है जबकि तरंगदैर्ध्य तथा वेग बदल जाता है।

➤ निरपेक्ष अपवर्तनांक $= \dfrac{\text{निर्वात में प्रकाश की चाल}}{\text{माध्यम में प्रकाश की चाल}}$

➤ ताप बढ़ने पर भी सामान्यतः अपवर्तनांक घटता है।

- आकाश का रंग नीला दिखाई देता है, क्योंकि नीला रंग सबसे अधिक प्रकीर्णित होता है तथा फैल जाता है।
- हम दर्पण में अपने आप को देख पाते हैं क्योंकि दर्पण से प्रकाश का परावर्तन होता है।
- पृथ्वी के वायुमण्डल से अपवर्तन के कारण ही हमें तारे टिमटिमाते प्रतीत होते हैं।
- खतरे के निशान लाल रंग के बनाए जाते हैं, क्योंकि लाल रंग का तरंगदैर्ध्य अधिक होता है जिसके कारण यह दूर तक दिखाई देता है।
- वर्षा के मौसम में इन्द्रधनुष दिखाई देता है, क्योंकि वायुमण्डल में उपस्थित जल के कण प्रिज्म का कार्य करते हैं।
- बिजली चमकते समय प्रकाश पहले दिखाई देता है तथा ध्वनि बाद में सुनाई देती है, क्योंकि प्रकाश की चाल ध्वनि की अपेक्षा अधिक होती है।
- गर्मियों में सफदे वस्त्रों का उपयोग अधिक किया जाता है, क्योंकि सफेद वस्त्र ऊष्मा के अच्छे परावर्तक व खराब अवशोषक होते हैं।
- सूर्योदय के पहले तथा सूर्योदय के बाद भी सूर्य दिखाई देता है।
- द्रव में अंशतः डूबी हुई सीधी छड़ टेढ़ी दिखाई पड़ती है।
- जल के अन्दर पड़ी हुई वस्तु वास्तविक गहराई से कुछ ऊपर दिखाई पड़ती है।

लेन्स

➤ लेन्स दो प्रकार के होते हैं
(i) उत्तल लेन्स (ii) अवतल लेन्स

➤ जब लेन्स अधिक अपवर्तनांक वाले द्रव में डुबाया जाता है, तो इसकी फोकस दूरी बढ़ जाती है तथा उत्तल लेन्स, अवतल लेन्स की भाँति तथा अवतल लेन्स, उत्तल लेन्स की भाँति होता है।

➤ वायु का बुलबुला द्रव में अवतल लेन्स की भाँति कार्य व्यवहार करता है।

मानव नेत्र

➤ स्पष्ट दृष्टि की न्यूनतम दूरी 25 सेमी होती है।

नेत्र दोष

➤ **निकट दृष्टि दोष** इस रोग से ग्रसित व्यक्ति नजदीक की वस्तु तो देख लेता है परन्तु दूर स्थित वस्तु को नहीं देख पाता है। इस दोष के निवारण में अवतल लेन्स का प्रयोग किया जाता है।

- **दूर दृष्टि दोष** इस रोग में निकट की वस्तु नहीं देख पाता है। इस दोष के निवारण के लिए **उत्तल लेन्स** का प्रयोग किया जाता है।
- **जरा दृष्टि दोष** इस दोष में व्यक्ति दूर तथा पास की वस्तुओं को नहीं देख पाता है। इस दोष का निवारण **द्विफोकसीय लेन्स** द्वारा किया जाता है।
- **अबिन्दुकता** इसमें नेत्र क्षैतिज दिशा में तो ठीक देख पाता है परन्तु ऊर्ध्व दिशा में नहीं देख पाता है। इसके निवारण के लिए **बेलनाकार लेन्स** का उपयोग किया जाता है।

आवेश

- पदार्थों को परस्पर रगड़ने पर उस पर जो आवेश की मात्रा संचित रहती है उसे स्थिर विद्युत आवेश कहते हैं।
- **बेन्जामिन फ्रैंकलिन (Benjamin Franklin)** ने दो प्रकार के आवेशों को **धनात्मक आवेश** तथा **ऋणात्मक आवेश** नाम दिया था।
- समान प्रकार के आवेश परस्पर प्रतिकर्षित करते हैं तथा विपरीत प्रकार के आवेश परस्पर आकर्षित करते हैं।
- किसी खोखले चालक के भीतर विद्युत क्षेत्र शून्य होता है।
- **चालक** जिन पदार्थों से होकर आवेश सरलता से प्रवाहित होता है उन्हें चालक कहते हैं; जैसे चाँदी, ताँबा, एल्युमीनियम आदि।
- **अचालक** जिन पदार्थों से होकर आवेश का प्रवाह नहीं होता है, उन्हें अचालक कहते हैं; जैसे— लकड़ी, रबर, कागज आदि।

विद्युत धारा

- किसी चालक में विद्युत आवेश के प्रवाह की दर को विद्युत धारा कहते हैं। इसका मात्रक **एम्पियर** है। यह एक सदिश राशि है।

ओम का नियम

- चालक के सिरों पर लगाया गया विभवान्तर उसमें प्रवाहित धारा के अनुक्रमानुपाती होता है।

$$I = \frac{V}{R} \text{ जहाँ, } R \text{ प्रतिरोध है।}$$

- धातुओं का ताप बढ़ाने पर उनका प्रतिरोध बढ़ता जाता है।
- अर्द्धचालकों का ताप बढ़ाने पर उनका प्रतिरोध घटता जाता है।
- विद्युत अपघट्य का ताप बढ़ाने पर उनका प्रतिरोध घट जाता है।
- धातुओं का विशिष्ट प्रतिरोध केवल धातुओं के पदार्थ पर निर्भर करता है।
- यदि किसी तार को खींचा जाता है या उसकी लम्बाई को दोगुना कर दिया जाता है, तो उसका प्रतिरोध बदल जाता है लेकिन उसका विशिष्ट प्रतिरोध अपरिवर्तित रहता है।
- किसी चालक के विशिष्ट प्रतिरोध के व्युत्क्रम को चालक की विशिष्ट चालकता कहते हैं। इसका मात्रक (ओम मीटर)$^{-1}$ होता है।
- **अमीटर** विद्युत धारा को ऐम्पियर में मापने के लिए अमीटर नामक यन्त्र का प्रयोग किया जाता है। इसे सदैव **श्रेणीक्रम** में लगाया जाता है। आदर्श अमीटर का प्रतिरोध शून्य होता है।
- **वोल्टमीटर** वोल्टमीटर का प्रयोग विभवान्तर मापने में किया जाता है। इसे परिपथ में सदैव **समानान्तर क्रम** में लगाया जाता है। एक आदर्श वोल्टमीटर का प्रतिरोध अनन्त होता है।
- **फ्यूज** विद्युत फ्यूज का प्रयोग परिपथ में लगे उपकरणों की सुरक्षा के लिए किया जाता है। यह टिन व सीसे की मिश्रधातु का बना होता है। इसका गलनांक कम होता है। इसे सदैव श्रेणीक्रम में जोड़ा जाता है।

$$\text{यूनिट} = \frac{\text{वोल्ट} \times \text{ऐम्पियर} \times \text{घण्टा}}{10000}$$

$$= \frac{\text{वाट} \times \text{घण्टा}}{10000}$$

> - तड़ित के प्रभाव से ऊँची इमारतों को बचाने के लिए तड़ित चालकों को इमारतों की चोटी पर लगाया जाता है।
> - विद्युत बल्ब के टूटने पर धमाके की आवाज होती है। इसका कारण है कि विद्युत बल्ब के अन्दर निर्वात होता है। बल्ब के टूटने पर निर्वात को भरने के लिए वायु तेजी से बल्ब के अन्दर जाने लगती है। वायु के तेजी से अन्दर जाने के कारण उत्पन्न ध्वनि ही हमें धमाके जैसी आवाज महसूस होती है।

- बल्ब का फिलामेण्ट टंगस्टन का बनाया जाता है, जिसका गलनांक 3110°C होता है।
- विद्युत फ्यूज कम गलनांक वाली धातु के बनाए जाते हैं ताकि अधिक धारा बहने पर यह पिघलकर विद्युत परिपथ को तोड़ दे।
- घरेलू परिपथ में सभी अवयव समान्तर क्रम में जोड़े जाते हैं।

चुम्बक

- चुम्बक लोहे तथा अन्य पदार्थों का एक टुकड़ा होता है जो लोहे के पदार्थों को अपनी ओर आकर्षित करता है और लटकाने पर उत्तर तथा दक्षिण ध्रुव में ठहरती है।
- चुम्बक को क्षैतिज तल में स्वतन्त्रतापूर्वक लटकाने पर उसका एक ध्रुव सदैव उत्तर की ओर तथा दूसरा सदैव

दक्षिण की ओर ठहरता है। उत्तर की ओर ठहरने वाले ध्रुव को उत्तरी ध्रुव तथा दक्षिण की ओर ठहरने वाले ध्रुव को दक्षिणी ध्रुव कहते हैं।

➤ समान ध्रुव मे प्रतिकर्षण एवं असमान ध्रुव में आकर्षण होता है।

चुम्बकीय पदार्थों का वर्गीकरण

▪ प्रतिचुम्बकीय पदार्थ	जस्ता, बिस्मथ, ताँबा, चाँदी, सोना, हीरा, नमक, जल आदि प्रतिचुम्बकीय पदार्थों के उदाहरण हैं।
▪ अनुचुम्बकीय पदार्थ	प्लेटिनम, क्रोमियम, सोडियम, एल्युमीनियम, ऑक्सीजन आदि अनुचुम्बकीय पदार्थों के उदाहरण हैं।
▪ लौह चुम्बकीय पदार्थ	लोहा, निकिल, कोबाल्ट, इस्पात लौह चुम्बकीय पदार्थों के उदाहरण हैं।

कैथोड किरणें

➤ कैथोड किरणों की खोज सर विलियम कुक ने की।

➤ ये सीधा रेखा में चलती हैं तथा स्फुर दीप्ति उत्पन्न करती हैं।

➤ कैथोड किरणें पतली धातु की चादर से पार निकल जाती हैं।

➤ इनका वेग प्रकाश के वेग का 1/10 गुना होता है।

धन किरणें तथा कैनाल किरणें

➤ इन किरणों की खोज गोल्डस्टीन ने की थी।

➤ धन किरणें धनावेशित कणों द्वारा बनी होती हैं।

➤ ये सीधी रेखा में गति करती हैं तथा चुम्बकीय व विद्युत क्षेत्र में निक्षेपित हो जाती हैं।

➤ ये गैसों को आयनीकृत कर देती हैं।

X-किरणें

➤ X-किरणें विद्युतचुम्बकीय तरंगें होती हैं इसकी तरंगदैर्ध्य परास 0.1 Å–100 Å तक होती है।

➤ X-किरणों की खोज रॉन्टजेन ने की थी।

➤ X-किरणें सीधी रेखा में चलती हैं।

➤ ये परावर्तन, अपवर्तन, व्यतिकरण, विवर्तन, ध्रुवण आदि घटनाओं को प्रदर्शित करती हैं।

➤ ये किरणें विद्युत तथा चुम्बकीय क्षेत्रों में विक्षेपित नहीं होती हैं।

➤ अधिक समय तक पड़ने पर X-किरणें मानव शरीर के लिए हानिकारक होती हैं।

➤ X-किरणें प्रकाश विद्युत प्रभाव का प्रदर्शन करती हैं।

X-किरणों के उपयोग

➤ शल्य चिकित्सा में X-किरणों का उपयोग मानव शरीर के भीतर टूटी हुई हड्डी, धँसी हुई गोली, पथरी आदि का पता लगाने में किया जाता है।

➤ रेडियोग्राफी में X-किरणों द्वारा कुछ रोगों का उपचार किया जाता है। कैंसर में शरीर के उस भाग पर X-किरणें डालने से रुग्ण सेल नष्ट हो जाते हैं।

➤ जासूसी में X-किरणों की सहायता से शरीर के अंदर किसी मूल्यवान वस्तु का पता लगाया जा सकता है।

➤ इंजीनियरिंग में X-किरणों का उपयोग भवन अथवा पुलों में लगे लोहे के शहतीरों के भीतर उपस्थित दरार, वायु के बुलबुले आदि का पता लगाने में किया जाता है।

➤ व्यवसाय में X-किरणों का उपयोग वास्तविक व कृत्रिम हीरे में अंतर करने, सीप के मोती का पता लगाने आदि में किया जाता है।

रेडियोसक्रियता

➤ रेडियोसक्रियता की खोज फ्रेंच वैज्ञानिक हेनरी बेकुरल, एम क्यूरी तथा पी क्यूरी ने की। इस खोज के लिए इन तीनों को संयुक्त रूप से नोबेल पुरस्कार मिला।

➤ जिन नाभिकों में प्रोटॉन की संख्या 83 या उससे अधिक होती है, वे अस्थायी होते हैं। स्थायित्व प्राप्त करने के लिए वे नाभिक स्वतः ही एल्फा (α), बीटा (β) एवं गामा (γ) किरणें उत्सर्जित करने लगते हैं, उन्हें रेडियोसक्रिय कहते हैं।

➤ राबर्ट पियरे एवं उनकी पत्नी मैडम क्यूरी ने नये रेडियोसक्रिय तत्व रेडियम की खोज की।

➤ सभी प्राकृतिक रेडियोसक्रिय तत्व α, β एवं γ किरणों के उत्सर्जन के बाद अन्ततः सीसे में बदल जाते हैं।

नाभिकीय रिएक्टर

नाभिकीय रिएक्टर एक ऐसी युक्ति है जो नाभिकीय विखण्डन से प्राप्त ऊर्जा का उपयोग विद्युत ऊर्जा के उत्पादन में करता है।

➤ रिएक्टर में ईंधन के रूप में यूरेनियम-235 या प्लूटोनियम-239 का प्रयोग किया जाता है।

➤ रिएक्टर में मन्दक के रूप में भारी जल या ग्रेफाइट का प्रयोग किया जाता है।

➤ रिएक्टर में नियन्त्रक (controller rod) के रूप में कैडमियम या बोरॉन छड़ का उपयोग किया जाता है।

नाभिकीय रिएक्टर के उपयोग

- इससे प्राप्त नाभिकीय ऊर्जा से विद्युत ऊर्जा प्राप्त की जा सकती है।
- रिएक्टर में अनेक प्रकार के समस्थानिक उत्पन्न किए जा सकते हैं जिसका उपयोग चिकित्सा, विज्ञान, कृषि आदि में किया जा सकता है।



रसायन विज्ञान

भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तन

- वे परिवर्तन जो केवल पदार्थ के भौतिक गुणों जैसे रंग, कठोरता, घनत्व, गलनांक आदि को प्रभावित करते हैं परन्तु पदार्थ के रासायनिक संघटन तथा रासायनिक गुणों पर कोई प्रभाव नहीं डालते हैं, भौतिक परिवर्तन कहलाते हैं।
- क्रिस्टलन, ऊर्ध्वपातन, क्वथन, गलन, वाष्पीकरण, वृक्षों को काटना, शर्करा, नमक का जल में घुलना आदि सभी भौतिक परिवर्तन हैं।
- रासायनिक परिवर्तन, पदार्थ के संघटन तथा रासायनिक गुणों को प्रभावित करते हैं। इन परिवर्तनों के फलस्वरूप नये पदार्थ का निर्माण होता है।
- ईंधन का दहन, मोमबत्ती का जलना, कागज का जलना, जल का विद्युत्-अपघटन, फलों का पकना आदि सभी रासायनिक परिवर्तनों के उदाहरण हैं।

> मोमबत्ती के जलने में भौतिक तथा रासायनिक दोनों परिवर्तन होते हैं।

क्वथनांक

- वह तापमान जिस पर किसी द्रव का वाष्पदाब, वायुमण्डलीय दाब के बराबर हो जाता है, उस द्रव का क्वथनांक कहलाता है।
- अशुद्धियों की उपस्थिति में क्वथनांक बढ़ जाता है यही कारण है कि समुद्री जल का क्वथनांक शुद्ध जल की अपेक्षा अधिक होता है। (क्योंकि समुद्री जल में अशुद्धियाँ उपस्थित होती हैं।)
- ऊँचाई पर जाने पर, वायुमण्डलीय दाब, समुद्र तल के दाब की अपेक्षा कम हो जाता है अतः जल कम तापमान (100°C से कम) पर उबलने लगता है तथा भोजन के पकने में अधिक समय लगता है।
- प्रेशर कुकर में दाब अधिक होने के कारण, जल अधिक ताप पर उबलता है जिस कारण भोजन शीघ्रता से पक जाता है।
- ऊँचाई पर जाने पर वायुमण्डलीय दाव, फेफड़ों के अन्दर, स्थित वायु के दाब से कम हो जाता है। अतः हमें साँस लेने में तकलीफ होने लगती है।

परमाणु, अणु तथा तत्व

- परमाणु किसी तत्व का वह सूक्ष्मतम कण है, जो रासायनिक अभिक्रिया में भाग लेता है, परन्तु स्वतन्त्र अवस्था में नहीं रह सकता।
- इलेक्ट्रॉन, प्रोटॉन व न्यूट्रॉन से मिलकर परमाणु बना होता है, जिनमें से प्रोटॉन तथा न्यूट्रॉन नाभिक में (परमाणु के केन्द्र में) उपस्थित रहते हैं जबकि इलेक्ट्रॉन नाभिक के चारों ओर घूमते हैं।
- अणु का निर्माण परमाणुओं के संयोग से होता है तथा यह वह सूक्ष्मतम कण है, जो स्वतन्त्र अवस्था में रह सकता है।
- तत्व में केवल एक ही प्रकार के परमाणु उपस्थित होते हैं। उदाहरण—कार्बन (C), सल्फर (S), हीरा या डायमण्ड, ग्रेफाइट आदि।

समस्थानिक तथा समभारिक

- समस्थानिकों में प्रोटॉनों की संख्या (अर्थात् परमाणु क्रमांक) समान होती है जबकि न्यूट्रॉनों की संख्या या द्रव्यमान संख्या (परमाणु क्रमांक + न्यूट्रॉनों की संख्या) भिन्न होती है। उदाहरण—$_1H^1, _1H^2, _1H^3$
- समभारिकों में द्रव्यमान संख्या समान तथा परमाणु क्रमांक भिन्न होता है। उदाहरण—$_{18}Ar^{40}, _{19}K^{40}$ तथा $_{20}Ca^{40}$

नाभिकीय विखण्डन

- नाभिकीय विखण्डन वह प्रक्रम है जिसमें एक भारी नाभिक, दो या अधिक मध्यम आकार के नाभिकों में टूट जाता है। इस प्रक्रम में अत्यधिक मात्रा में ऊष्मा व न्यूट्रॉन उत्पन्न होते हैं।
- परमाणु बम, अनियन्त्रित श्रृंखला नाभिकीय विखण्डन के सिद्धान्त पर कार्य करता है। इसमें ^{234}Pu का प्रयोग ईंधन के रूप में किया जाता है।

नाभिकीय संलयन

- इस प्रक्रम में दो या अधिक हल्के नाभिक जुड़कर एक भारी नाभिक का निर्माण करते हैं। इस प्रक्रम में भी अत्यधिक ऊर्जा उत्पन्न होती है।
- इस प्रक्रम के लिए अत्यधिक उच्च तापमान ($> 10^6$ K) की आवश्यकता होती है। अतः इसे ऊष्मानाभिकीय प्रक्रम भी कहा जाता है।
- हाइड्रोजन बम तथा सूर्य की ऊर्जा, नाभिकीय संलयन के सिद्धान्त पर ही आधारित हैं।
- हाइड्रोजन बम में एक सामान्य परमाणु बम, ड्यूटिरियम ऑक्साइड (D_2O) तथा ट्राइटियम ऑक्साइड (T_2O) के मिश्रण द्वारा घिरा रहता है।

> लेड वह स्थायी समस्थानिक है जो अधिकांश रेडियोसक्रिय विघटनों के फलस्वरूप उत्पाद के रूप में प्राप्त होता है।

कार्बन डेटिंग

➤ रेडियोकार्बन डेटिंग का प्रयोग कार्बन युक्त पदार्थों जैसे—लकड़ी, जीवाश्म आदि के आयु निर्धारण में किया जाता है। यूरेनियम डेटिंग का प्रयोग पृथ्वी, खनिज तथा चट्टानों के आयु निर्धारण में किया जाता है।

कोलॉइड

➤ ये विषमांगी विलयन होते हैं जिनमें दो प्रावस्थाएँ होती हैं—परिक्षिप्त प्रावस्था तथा परिक्षेपण माध्यम।

➤ ये विलयन, टिण्डल प्रभाव (अर्थात् कोलाइडी कणों द्वारा प्रकाश का प्रकीर्णन) तथा ब्राउनियन गति दर्शाते हैं।

➤ जब कोलॉइडी कण, परिक्षेपण माध्यम के प्रति आकर्षण रखते हैं, तो उन्हें द्रव-स्नेही कोलॉइड कहते हैं तथा जब कोलॉइडी कण, परिक्षेपण माध्यम के प्रति कोई आकर्षण नहीं रखते हैं, तो उन्हें द्रव-विरोधी कोलॉइड कहते हैं। द्रव-स्नेही कोलॉइड अधिक स्थायी तथा उत्क्रमणीय होते हैं।

➤ अपोहन (कोलॉइडों के शुद्धिकरण की एक विधि) का प्रयोग कृत्रिम गुर्दा मशीन (artificial kidney machine) की सहायता से रक्त (खून) के शोधन में किया जाता है।

➤ एलम (फिटकरी) का प्रयोग जल के शोधन में किया जाता है क्योंकि यह जल में उपस्थित अशुद्धियों को स्कन्दित कर देती है अर्थात् उन्हें नीचे तली में बैठा देती है।

➤ $FeCl_3$ का प्रयोग रक्त को रोकने के लिए किया जाता है क्योंकि यह रक्त को स्कन्दित कर देता है।

कोलॉइड तथा उनके उदाहरण

परिक्षिप्त प्रावस्था	परिक्षेपण माध्यम	कोलॉइड का प्रकार	उदाहरण
द्रव	गैस	ऐरोसॉल	कोहरा, बादल, कुहासा
ठोस	गैस	ऐरोसॉल (ठोस)	धुँआ, वाहनों से निकला अपशिष्ट
गैस	द्रव	फॉम	शेविंग क्रीम
द्रव	द्रव	पायस (इमल्शन)	दूध, फेस क्रीम
ठोस	द्रव	सॉल	मैग्निशिया मिल्क, कीचड़
गैस	ठोस	फॉम	फॉम, रबड़, स्पंज, प्यूमिस
द्रव	ठोस	जैल	जेली, पनीर, मक्खन
ठोस	ठोस	ठोस सॉल	रंगीन रत्न पत्थर, दूधिया काँच

बैटरी

➤ बैटरी वह युक्ति है जो रासायनिक ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित कर देती है। ये दो प्रकार की होती हैं

(i) प्राथमिक बैटरी (जिन्हें पुनः आवेशित नहीं किया जा सकता) गैल्वेनी सेल की भाँति व्यवहार करती हैं। उदाहरण—शुष्क सेल, मर्करी सेल आदि।

(ii) द्वितीयक बैटरी (जिन्हें आवेशित किया जा सकता है), गैल्वेनी सेल तथा विद्युत अपघटनी सेल दोनों की भाँति व्यवहार करती हैं। उदाहरण—सीसा संचायक बैटरी, निकैल-कैडमियम बैटरी आदि।

> विद्युत अपघटनी परिष्करण में, एनोड अशुद्ध धातु का बना होता है तथा कैथोड के रूप में शुद्ध धातु की पतली पत्ती का प्रयोग किया जाता है।

बैटरी	एनोड	कैथोड	विद्युत अपघट्य	उपयोग
लेक्लांशें सेल	जिंक	ग्रेफाइट	अमोनियम क्लोराइड तथा जिंक क्लोराइड का मिश्रण	ट्रॉन्जिस्टर, घड़ी
मर्करी सेल	जिंक-पारा अमलगम	HgO तथा कार्बन का पेस्ट	KOH तथा ZnO का मिश्रण	कैमरा, कान की मशीन (hearing aids)
सीसा संचायक बैटरी	लेड	लेड डाइ-ऑक्साइड में भरा लेड	सल्फ्यूरिक अम्ल का 38% विलयन	वाहनों (गाड़ियों), इन्वर्टर

संक्षारण

➤ धातुओं का उनकी सतह पर वायु एवं आर्द्रता के प्रभाव द्वारा नष्ट होना संक्षारण (corrosion) कहलाता है। यह एक विद्युत रासायनिक प्रक्रम है।

➤ वायु के सम्पर्क में आने पर लोहे की सतह जलयोजित फेरिक ऑक्साइड ($Fe_2O_3 \cdot xH_2O$) के निर्माण के कारण भूरी हो जाती है। यह भूरी पर्त जंग (rust) कहलाती है।

➤ चाँदी भी वायु में सिल्वर सल्फाइड (Ag_2S) के निर्माण के कारण काली पड़ जाती है तथा ताँबे की सतह, बेसिक कॉपर कार्बोनेट, $Cu(OH)_2.CuCO_3$ के निर्माण के कारण हरी हो जाती है।

➤ लोहे के संक्षारण को जंग लगना कहते हैं। यह प्रक्रम अशुद्धि, H^+ विद्युत-अपघट्य जैसे NaCl तथा गैस जैसे CO_2, SO_2, NO_2 आदि के द्वारा उत्प्रेरित होता है।

➤ विद्युत-लेपन, तेल, ग्रीस, पेन्ट, वार्निश आदि के लेपन तथा गैल्वेनीकरण (अर्थात् लोहे की वस्तुओं पर जिंक की पर्त के लेपन) द्वारा संक्षारण से बचाव किया जा सकता है।

कटे हुए सेब को वायु में रखने पर कुछ समय पश्चात् वह भूरा पड़ जाता है। इसका कारण यह है कि सेब में आयरन उपस्थित होता है जो वायु की उपस्थिति में ऑक्सीकृत होकर भूरा हो जाता है।

ऊर्जा के स्रोत

➤ **नवीकरणीय स्रोत** असीमित मात्रा में उपलब्ध होते हैं तथा कभी भी समाप्त नहीं होते हैं; जैसे—वायु, सूर्य का प्रकाश आदि।

➤ **अनवीकरणीय स्रोत** सीमित मात्रा में उपलब्ध होते हैं तथा एक लम्बे समय तक लगातार प्रयोग किए जाने पर समाप्त हो जाते हैं; जैसे—खनिज, कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस आदि।

ईंधन

➤ ईंधन वे पदार्थ हैं जो दहन पर (जलने पर) ऊष्मा तथा प्रकाश उत्पन्न करते हैं।

LPG एक गन्धहीन गैस है, अतः इसके रिसाव का पता लगाने के लिए इसमें एक प्रबल दुर्गन्ध युक्त पदार्थ एथिल मरकैप्टन (C_2H_5SH) मिलाया जाता है।

➤ किसी ईंधन के 1 ग्राम को वायु की अधिकता में जलाने पर उत्पन्न ऊष्मा, उस ईंधन का ऊष्मीय मान (calorific value) कहलाती है।

➤ रॉकेट में प्रयुक्त ईंधन प्रणोदक (propellant) कहलाते हैं। द्रव हाइड्रोजन तथा द्रव ऑक्सीजन के मिश्रण को प्रयुक्त प्रणोदक के रूप में प्रयोग किया जाता है।

कोयला

➤ कोयला, वानस्पतिक पदार्थों के कार्बोनीकरण द्वारा प्राप्त होता है। यह विभिन्न किस्मों में पाया जाता है पीट (60% C), लिग्नाइट या भूरा कोयला (70% C), बिटुमिनस कोल (80% C), ऐन्थ्रासाइट कोल (90% C)। इनमें से बिटुमिनस सर्वाधिक पाई जाने वाली किस्म है।

ज्वाला

ज्वाला के तीन भाग होते हैं

(i) **आन्तरिक भाग** बिना जले कार्बन के कणों की उपस्थिति के कारण काला होता है। इस भाग का तापमान सबसे कम होता है।

(ii) **मध्यम भाग** ईंधन के अपूर्ण दहन के कारण पीला होता है।

(iii) **बाह्य भाग** ईंधन के पूर्ण दहन के कारण नीला होता है। इस भाग का तापमान सर्वाधिक होता है तथा सुनार, सोने को पिघलाने के लिए इसी भाग का प्रयोग करते हैं।

अग्निशामक

➤ जल एक अच्छा अग्निशामक है अर्थात् इसका प्रयोग आग बुझाने के लिए किया जाता है क्योंकि अग्नि के सम्पर्क में आने पर यह वाष्प में परिवर्तित हो जाता है जो जलने वाले पदार्थ को घेरकर, उसकी ऑक्सीजन आपूर्ति के बाधित कर देती हैं। अतः आग बुझ जाती है (क्योंकि जलने के लिए ऑक्सीजन आवश्यक है।)

महत्त्वपूर्ण ईंधन तथा उनका संघटन

ईंधन	संघटन	स्रोत (प्राप्ति के)
▪ भाप अंगार गैस (वाटर गैस)	कार्बन मोनॉक्साइड (CO) + हाइड्रोजन (H_2)	लाल तप्त कोयले पर भाप प्रवाहित करके
▪ प्रोड्यूसर गैस	कार्बन मोनॉक्साइड (CO) + नाइट्रोजन (N_2)	लाल तप्त कोयले (कोक) पर अपर्याप्त वायु प्रवाहित करके
▪ कोल गैस	हाइड्रोजन (H_2), मेथेन, एथिलीन (C_2H_4) + एसीटिलिन (C_2H_2) + CO	लकड़ी के प्रभाजी आसवन द्वारा
▪ प्राकृतिक गैस	मेथेन (83%) + एथेन	पेट्रोलियम में
▪ द्रवित पेट्रोलियम गैस (LPG)	ब्यूटेन (C_4H_{10}) + प्रोपेन (C_3H_8)	तेल के कुँए से
▪ सम्पीडित प्राकृतिक गैस (CNG)	मेथेन (CH_4) 95%	पेट्रोलियम से
▪ बायो गैस या गोबर गैस	मेथेन (CH_4) + कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) + हाइड्रोजन (H_2) + नाइट्रोजन (N_2)	कार्बनिक अपशिष्टों से

- गर्म जल, ठण्डे जल की अपेक्षाकृत अच्छा अग्निशामक है क्योंकि यह शीघ्रता से वाष्पीकृत हो जाता है।
- विद्युत उपकरणों में लगने वाली आग अथवा तेल (या पेट्रोल) से लगने वाली आग को बुझाने के लिए जल का प्रयोग नहीं किया जाता है क्योंकि जल, विद्युत का चालक होता है तथा तेल से भारी होता है। अत: तेल, जल के ऊपर आकर जलने लगता है।
- कार्बन डाइ-ऑक्साइड का प्रयोग विद्युत तथा तेल से लगने वाली आग को बुझाने के लिए किया जाता है। यह बेकिंग सोडे तथा अम्ल की क्रिया से उत्पन्न होती है।
- पेट्रोल की गुणवत्ता को ऑक्टेन संख्या के रूप में मापा जाता है तथा डीजल की गुणवत्ता को सीटेन संख्या के द्वारा मापा जाता है। ट्रेटाएथिल लेड (TEL) एक अपस्फोटनरोधी यौगिक है।

निरापद दियासलाई

➤ निरापद दियासलाई में, तिल्ली के सिरे पर ऐन्टिमनी सल्फाइड तथा पोटैशियम क्लोरेट का मिश्रण लगा रहता है तथा दियासलाई की डिब्बी पर चूर्णित काँच तथा लाल फॉस्फोरस का मिश्रण लगा होता है।

अम्ल तथा क्षारक

➤ अम्ल वे पदार्थ हैं जो नीले लिटमस को लाल कर देते हैं तथा सामान्यतः जल में प्रोटॉन दान करते हैं।

➤ क्षारक वे पदार्थ हैं जो लाल लिटमस को नीला कर देते हैं। ये प्रोटॉन (H^+) को ग्रहण करते हैं।

➤ pH अम्लता/क्षारकता की माप है। कुछ महत्त्वपूर्ण पदार्थों के pH मान निम्न हैं

आमाशयी रस	1.0-3.0
यूरिन (मानव)	4.8-8.4
लार (मानव)	6.5-7.5
आँसू	7.4
दूध (गाय का)	6.3-6.6
समुद्री जल	8.5

काँच

➤ काँच (एक अक्रिस्टलीय ठोस अथवा अतिशीतित द्रव है) में मुख्यतः सिलिका (SiO_2) उपस्थित होता है।

➤ काँच अक्रिस्टलीय ठोस के रूप में एक अतिशीतित द्रव है। इस कारणवश काँच की क्रिस्टलीय संरचना नहीं होती है।

➤ विभिन्न रंग के काँच को प्राप्त करने के लिए काँच में निम्न पदार्थ मिलाए जाते हैं

रंग	प्रयुक्त पदार्थ
लाल	कॉपर ऑक्साइड (Cu_2O)
हरा	क्रोमियम ऑक्साइड (Cr_2O_3)
बैंगनी	मैंगनीज ऑक्साइड (MnO_2)
नीला	कोबाल्ट ऑक्साइड (CoO)
भूरा	आयरन आक्साइड (Fe_2O_3)

काँच की विभिन्न किस्में

क्र.सं.	काँच	संघटन	उपयोग
1.	सोडा या मृदु काँच	सोडियम कैल्सियम सिलिकेट ($Na_2O \cdot CaO \cdot 6SiO_2$)	बोतल, खिड़की के काँच आदि के निर्माण में।
2.	पोटैश या कठोर काँच	पोटैशियम कैल्सियम सिलिकेट (इसमें K_2O होता है)	रासायनिक उपकरण जैसे—बीकर, कीप, फ्लास्क आदि के निर्माण में।
3.	क्राउन काँच	इसमें बेरियम ऑक्साइड (BaO) होता है।	प्रकाशिक उपकरण बनाने में।
4.	फ्लिन्ट काँच	इसमें लेड ऑक्साइड (PbO) होता है।	प्रकाशिक उपकरण जैसे—लेन्स, प्रिज्म आदि के निर्माण में।
5.	जेना काँच	इसमें B_2O_3 तथा Al_2O_3 होता है।	प्रयोगशाला में प्रयुक्त बोतल बनाने में (क्योंकि अम्ल व क्षार से अप्रभावित रहता है।)
6.	क्रुक्स काँच	इसमें CeO_2 होता है।	धूप के चश्मे बनाने में (क्योंकि यह पैराबैंगनी प्रकाश को अवशोषित करता है।)
7.	दूधिया काँच	टिन ऑक्साइड (SnO_2), कैल्सियम फॉस्फेट तथा क्रायोलाइट से बनाया जाता है।	—
8.	लैमिनेटिड काँच	काँच की परतों के बीच बहुलक की शीट को स्थिर करके बनाया जाता है।	गोलीरोधक या बुलेटप्रुफ वस्तुओं के निर्माण में।

कठोर जल

➤ जल, जिसमें कैल्सियम के बाइकार्बोनेट घुले होते हैं, अस्थायी कठोर जल कहलाता है। स्थायी कठोर जल में कैल्सियम व मैग्नीशियम के विलेय क्लोराइड व सल्फेट उपस्थित होते हैं।

➤ साबुन, कठोर जल के साथ अविलेय सल्फेट क्लोराइट व बाइकार्बोनेट के निर्माण के कारण झाग नहीं देता है।

- जल की अस्थायी कठोरता को उबालकर अथवा कैल्सियम हाइड्रॉक्साइड ($Ca(OH)_2$) मिलाकर (क्लॉर्क प्रक्रम) दूर किया जाता है।
- जल की स्थायी कठोरता को दूर करने के लिए इसमें, सोडियम कार्बोनेट (Na_2CO_3) मिलाया जाता है।

भारी जल

- यह भारी हाइड्रोजन अर्थात् ड्यूटीरियम का ऑक्साइड है। (अणु भार = 20)
- इसका प्रयोग नाभिकीय रिएक्टर में किया जाता है।

तेल का कठोरीकरण

- तेल (असंतृप्त वसा) को निकैल उत्प्रेरक तथा हाइड्रोजन के साथ गर्म करने पर, यह एक ठोस पदार्थ, घी (संतृप्त वसा) में परिवर्तित हो जाता है। यह प्रक्रम तेल का कठोरीकरण कहलाता है।

औषधियाँ

औषधियाँ, वे रासायनिक पदार्थ हैं जिनका प्रयोग रोगों के निदान तथा दर्द को कम करने के लिए किया जाता है।

विभिन्न औषधियाँ एवं उनके उदाहरण

औषधि	उपयोग	उदाहरण
दर्दनिवारक या ऐनलजेसिक (analgesics)	दर्द को कम करने के लिए	ऐस्पिरिन, पैरासिटामोल, मॉर्फिन
ज्वरनाशी या ऐण्टिपायरेटिक (antipyretics)	ज्वर को कम करने के लिए	पैरासिटामोल, ऐस्पिरिन, फिनेसिटिन, ऐनलजिन, नोवलजिन
प्रशान्तक (tranquilizers)	तनाव एवं सामान्य तथा जटिल मस्तिष्क रोगों के उपचार के लिए	एक्वानिल, वेलियम, क्लोरोडाइजेपॉक्साइड, सिरेटोनिन, मेप्रोबेमेट
प्रतिजैविक या एन्टिसैप्टिक (antiseptic)	सूक्ष्मजीवों की वृद्धि को रोकने एवं उन्हें नष्ट करने के लिए (सजीवों पर प्रयुक्त की जाती हैं)	डेटॉल (क्लोरोजाइलिनॉल-एक प्रतिजैविक-व α-टरपिनॉल का मिश्रण), सेवलॉन, आयोडिन टिन्चर, आयोडोफॉर्म, बोरिक अम्ल, हाइड्रोजन परॉक्साइड
पूर्तिरोधी या ऐन्टिबायोटिक (antibiotic)	सूक्ष्मजीवों को नष्ट करने के लिए (ये सूक्ष्मजीवों से ही प्राप्त की जाती हैं)	पेनीसिलिन (1929 में फ्लेमिंग ने खोजा), ऐम्पीसिलिन, ऐमॉक्सीसिलिन, ऑफ्लोसेसिन, क्लोरेमफेनिकॉल
ऐन्टिमलेरियल (antimalarial)	मलेरिया के उपचार के लिए	क्लोरोक्विन
सल्फाड्रग	पूतिरोधी के स्थान पर प्रयुक्त की जाती हैं	सल्फानिलैमाइड, सल्फाडाइऐजिन
प्रतिअम्ल	अम्लता को कम करने के लिए	बेकिंग सोडा, मैग्नीशियम हाइड्रॉक्साइड

प्रमुख धातुएँ एवं उनके उपयोग

धातु	उपयोग
सोडियम (Na)	सड़क पर रोशनी के लिए प्रयुक्त पीले लैम्पों में।
ताँबा (Cu)	तार (विद्युत के चालन के लिए), बर्तन तथा पन्नी (foil) के निर्माण में।
एल्युमीनियम (Al)	तार, बर्तन, पन्नी (पैकिंग के लिए) के निर्माण में, अन्तरिक्ष व ऑटो उद्योग में।
आयरन (Fe)	बर्तन, चुम्बक (जो ट्रांसफॉर्मर की कोर में प्रयुक्त होती है), स्टेनलेस स्टील में।
जिंक (Zn).	गैल्वेनीकरण के लिए।
क्रोमियम (Cr)	विद्युत-लेपन के लिए, स्टेनलेस स्टील के निर्माण में।
निकैल (Ni)	विद्युत-लेपन के लिए, स्टेनलेस स्टील के निर्माण में।

धातु	उपयोग
गोल्ड (Au)	आभूषण में तथा भोज्य पदार्थों की सजावट के लिए।
चाँदी (Ag)	आभूषण में तथा भोज्य पदार्थों की सजावट के लिए।
प्लेटिनम (Pt)	आभूषण तथा सजावटी सामान बनाने के लिए।
पारा (Hg)	थर्मामीटर में तथा अतिचालक के रूप में, ट्यूबलाइट में (Hg वाष्प + ऑर्गन)
जिर्कोनियम (Zr)	परमाणु तथा अन्तरिक्ष अनुसंधान में।
टाइटेनियम (Ti)	परमाणु व अन्तरिक्ष अनुसंधान में तथा हवाई जहाज उद्योग में।

अक्रिय गैस एवं उनके उपयोग

अक्रिय गैस	उपयोग
हीलियम (He)	गुब्बारों में भरने में, गैस शीतलक नाभिकीय रिएक्टर में। द्रव हीलियम का प्रयोग क्रायोजेनिक अभिकर्मक (विभिन्न प्रयोगों को कम ताप पर करने) के रूप में किया जाता है। इससे अतिचालक चुम्बक बनाई जाती हैं। He + O_2 मिश्रण का प्रयोग कृत्रिम श्वसन में किया जाता है।
निऑन (Ne)	निरावेशन नलिका व प्रतिदीप्ति बल्ब में।
ऑर्गन (Ar)	अक्रिय वायुमण्डल उत्पन्न करने व विद्युत बल्ब में भरने के लिए।
रेडॉन (Rn)	कैंसर के उपचार के लिए।

महत्त्वपूर्ण यौगिकों के औद्योगिक एवं रसायनिक नाम तथा रासायनिक संघटन

औद्योगिक नाम	रासायनिक नाम	संघटन
▪ एलम	पोटैशियम एल्युमीनियम सल्फेट	$K_2SO_4 \cdot Al_2(SO_4)_3 \cdot 24H_2O$
▪ ऐल्कोहॉल	एथिल ऐल्कोहॉल	C_2H_5OH
▪ बेकिंग सोडा	सोडियम बाइकार्बोनेट	$NaHCO_3$
▪ विरजंक चूर्ण	कैल्सियम क्लोरो ऑक्सीक्लोराइड	$CaOCl_2$
▪ नीला थोथा	कॉपर सल्फेट	$CuSO_4 \cdot 5H_2O$
▪ ब्राइन (या नमक)	सोडियम क्लोराइड	$NaCl$
▪ बोरेक्स	सोडियम टेट्राबोरेट डेकाहाइड्रेट	$Na_2B_4O_7 \cdot 10H_2O$
▪ कैलोमल	मर्क्यूरस क्लोराइड	Hg_2Cl_2 या $HgCl$
▪ कॉस्टिक पोटाश	पोटैशियम हाइड्रॉक्साइड	KOH
▪ कॉस्टिक सोडा	सोडियम हाइड्रॉक्साइड	$NaOH$
▪ चॉक (मार्बल)	कैल्सियम कार्बोनेट	$CaCO_3$
▪ चिली साल्टपीटर	सोडियम नाइट्रेट	$NaNO_3$
▪ क्लोरोफॉर्म	ट्राइक्लोरोमेथेन	$CHCl_3$
▪ शुष्क बर्फ	ठोस कार्बन डाइऑक्साइड	CO_2
▪ एप्सम	मैग्नीशियम सल्फेट	$MgSO_4 \cdot 7H_2O$
▪ ग्लॉबर लवण	सोडियम सल्फेट डेकाहाइड्रेट	$Na_2SO_4 \cdot 10H_2O$
▪ हरा कसीस	फेरस सल्फेट	$FeSO_4 \cdot 7H_2O$
▪ जिप्सम	कैल्सियम सल्फेट डाइहाइड्रेट	$CaSO_4 \cdot 2H_2O$
▪ भारी जल	ड्यूटिरियम ऑक्साइड	D_2O
▪ हाइपो	सोडियम थायोसल्फेट पेन्टा हाइड्रेट	$Na_2S_2O_3 \cdot 5H_2O$
▪ हास गैस	नाइट्रस ऑक्साइड	N_2O
▪ लिथार्ज	लेड ऑक्साइड	PbO
▪ ल्यूनार कॉस्टिक	सिल्वर नाइट्रेट	$AgNO_3$
▪ मोसाइक गोल्ड	स्टेनस सल्फाइड	SnS_2
▪ मार्श गैस	मेथेन	CH_4
▪ मोर लवण	फेरस अमोनियम सल्फेट	$(NH_4)_2SO_4 \cdot FeSO_4 \cdot 6H_2O$
▪ म्यूरेटिक अम्ल	हाइड्रोजन क्लोराइड	HCl
▪ मॉर्बल, मोती	कैल्सियम कार्बोनेट	$CaCO_3$
▪ बिना बुझा चूना	कैल्सियम ऑक्साइड	CaO
▪ माणिक्य, नीलम	एल्युमीनियम ऑक्साइड	Al_2O_3
▪ नौसादर	अमोनियम क्लोराइड	NH_4Cl
▪ बुझा चूना	कैल्सियम हाइड्रॉक्साइड	$Ca(OH)_2$
▪ स्पिरिट	मेथिल ऐल्कोहॉल	CH_3OH
▪ सोडा एश	सोडियम कार्बोनेट	Na_2CO_3
▪ वाशिंग सोडा	सोडियम कार्बोनेट डेकाहाइड्रेट	$Na_2CO_3 \cdot 10H_2O$
▪ सफेद कसीस	जिंक सल्फेट	$ZnSO_4 \cdot 7H_2O$

रेडियोसमस्थानिकों या रेडियोआइसोटॉप के उपयोग

रेडियोसमस्थानिक	उपयोग
▪ आयोडीन-131 (I^{131})	घेंघे के उपचार के लिए
▪ आयोडीन-123 (I^{123})	मस्तिष्क चित्रण या ब्रेन इमेजिंग (brain imaging) के लिए
▪ कोबाल्ट-60 (Co^{60})	कैंसर के उपचार के लिए
▪ सोडियम-24 (Na^{24})	खून (रक्त) के संचार की जानकारी प्राप्त करने के लिए
▪ फॉस्फोरस-32 (P^{32})	ल्यूकेमिया के उपचार में
▪ कार्बन-14 (C^{14})	प्रकाश संश्लेषण की गतिकी के अध्ययन में

प्रमुख मिश्र धातुएँ, उनका संघटन तथा उपयोग

मिश्र धातु	संघटन	उपयोग
सोल्डर	टिन तथा लेड	धातुओं को जोड़ने में
काँसा	कॉपर तथा टिन	बर्तन, मूर्तियाँ आदि बनाने में
बेल मैटल	कॉपर, टिन	घण्टे, पुर्जे
गन मैटल	कॉपर, टिन और जिंक	बन्दूकें, हथियार, मशीनों के पुर्जे
पीतल	कॉपर और जिंक	तार, मशीनों के पुर्जे, बर्तन
एल्युमीनियम ब्रॉन्ज	कॉपर और एल्युमीनियम	सिक्के, सस्ते आभूषण
जर्मन सिल्वर	कॉपर, जिंक और निकैल	बर्तन, मूर्तियाँ इत्यादि
डेन्टल मिश्र धातु	सिल्वर, मरकरी, जिंक, टिन	दाँतों में भरने के लिए
स्टेनलेस स्टील	आयरन, क्रोमियम, निकैल	बर्तन, चिकित्सा के औजार
मैग्नेलियम	मैग्नीशियम और एल्युमीनियम	वायुयान तथा जहाजों के निर्माण में

स्मार्ट तथ्य

- बेरियम सल्फेट का उपयोग बेरियम मील के रूप में उदर के X-ray में होता है।
- आतिशबाजी के दौरान हरा रंग बेरियम व लाल रंग स्ट्रॉन्शियम की उपस्थिति को दर्शाता है।
- प्याज व लहसुन की गन्ध का कारण इनमें पोटैशियम की उपस्थिति है।
- आयरन पायराइट् (FeS_2) को झूठा सोना या बेवकूफों का सोना कहते हैं।
- जिंक ऑक्साइड को यशद पुष्प भी कहते हैं।
- जिंक फॉस्फाइड का उपयोग चूहा विष के रूप में होता है।

प्रमुख धातुएँ एवं उनके प्रमुख अयस्क

धातु	अयस्क
एल्युमीनियम (Al)	बॉक्साइट, डायस्पोर, क्रायोलाइट
सोना (Au)	कैलेवेराइट, पेट्साइट, सिल्वेनाइट्
कैल्सियम (Ca)	लाइम स्टोन, मार्बल, चॉक, जिप्सम, फ्लोरस्पार, रॉक फॉस्फेट
क्रोमियम (Cr)	क्रोमाइट
कॉपर (ताँबा) (Cu)	कॉपर पाइराइट (चैल्कोपाइराइट), कॉपर ग्लान्स (चैल्कोसाइट), क्यूपराइट
आयरन (लौह) (Fe)	हेमेटाइट, मैग्नेटाइट, सिडेराइट, आयरन पाइराइट
लेड (सीसा) (Pb)	गैलेना, सेरुसाइट, मैसीकॉट (लिथार्ज)
मैग्नीशियम (Mg)	मैग्नेसाइट, डोलोमाइट, कीसराइट, कार्नेलाइट
मैंगनीज (Mn)	पायरोलूसाइट, हौसमेनाइट
मरकरी (पारा) (Hg)	सिनेबार, कैलोमल
पोटैशियम (K)	कार्नेलाइट, साल्टपीटर
सिल्वर (चाँदी) (Ag)	सिल्वर ग्लान्स (अर्जेन्टाइट) हॉर्न सिल्वर
सोडियम (Na)	रॉक साल्ट, चिली साल्ट पीटर
टिन (Sn)	टिन स्टोन (कैसीटराइट)
यूरेनियम	पिच ब्लैण्ड (यूरेनीनाइट)
जिंक (जस्ता) (Zn)	जिंक ब्लैण्ड (स्फेलेराइट), केलेमाइन (जिंकस्पार)

पेस्टिसाइड

ये पदार्थ फसलों को हानि पहुँचाने वाले जीवों को नष्ट कर देते हैं। ये निम्न प्रकार के होते हैं

(i) कीटनाशी (insecticides) उदाहरण डीडीटी, गैमेक्सेन, एल्युमीनियम फॉस्फेट।

(ii) कवकनाशी (fungicide) उदाहरण बोर्दो मिश्रण, ऑर्गेनोमर्करी यौगिक।

(iii) शाकनाशी (herbicides) उदाहरण बेन्जीपॉम, सोडियम क्लोरेट, सोडियम आर्सेनेट।

(iv) दन्तनाशी (rodenticides) उदाहरण एल्युमीनियम फॉस्फाइड।



जीव विज्ञान

जीव विज्ञान, (लैमार्क एवं ट्रेविरेनस; 1802) विज्ञान की वह शाखा है, जिसके अन्तर्गत सजीवों का अध्ययन किया जाता है। इसकी मुख्यतः तीन शाखाएँ—जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान तथा सूक्ष्मजीव विज्ञान हैं।

जीव विज्ञान की विभिन्न शाखाओं के जनक

शाखा	जनक
जीव विज्ञान	अरस्तू
वनस्पति विज्ञान	थियोफ्रेस्टस
प्रतिरक्षा विज्ञान	एडवर्ड जैनर
आनुवंशिकी	ग्रेगर जॉन मेण्डल
कोशिका विज्ञान	रॉबर्ट हुक
पादप-शारीरिकी	एन. ग्रिऊ
जन्तु विज्ञान	अरस्तू
चिकित्साशास्त्र	हिप्पोक्रेटस
कवक विज्ञान	माइकेली
जीवाणु विज्ञान	ल्यूवेनहॉक
सूक्ष्मजैविकी	लूई पाश्चर
आधुनिक भ्रूण विज्ञान	वॉन बेयर

सजीव जगत

- हमारे चारों ओर अनेक जीव पाये जाते हैं, जीव विज्ञान की वह शाखा जिसमें जीवों का वर्गीकरण किया जाता है वर्गिकी (Taxonomy) कहलाती है।
- कैरोलस लिनियस ने जीवों के नामकरण की द्विनाम पद्धति प्रतिपादित की, इसके अनुसार वैज्ञानिक नाम वंश तथा जाति से मिलकर बना होता है।
- लीनियस ने वर्गीकरण की जो प्रणाली शुरू की उसी से आधुनिक वर्गीकरण प्रणाली की नींव पड़ी।
- आर.एच. व्हिटेकर (1969) ने सभी जीवों को पाँच जगतों—मोनेरा (जीवाणु, माइकोप्लाज्मा), प्रोटिस्टा (प्रोटोजोआ, कुछ शैवाल), फन्जाई (कवक), प्लान्टी (उच्च पादप, शैवाल) तथा एनिमेलिया में वर्गीकृत किया।
- विषाणु अत्यन्त सूक्ष्म, पूर्ण परजीवी, न्यूक्लिओप्रोटीन के कण होते हैं, जो केवल जीवित कोशिका के अन्दर सक्रिय होते हैं। विषाणु की खोज इवानोवस्की (Ivanowaski) ने 1892 में तम्बाकू में की।
- जीवाणु जीवाणु अतिसूक्ष्म, सरल, एक कोशिकीय, सर्वव्यापी, प्रोकैरियोटिक जीव हैं एवं इन जीवों को जीवाणु नाम एहरेनबर्ग (Ehrenberg) द्वारा 1829 में दिया गया।

कोशिका तथा कोशिकांग

कोशिका से सम्बन्धित कुछ खोजें

वैज्ञानिक	वर्ष	खोज
▪ फोन्टाना	1781	केन्द्रिका
▪ रॉबर्ट ब्राउन	1831	केन्द्रक
▪ पुरकिन्जे	1839	जीवद्रव्य नाम दिया
▪ डब्ल्यू. फ्लेमिंग	1877	समसूत्री कोशिका विभाजन की खोज की
▪ डब्ल्यू. फ्लेमिंग	1879	गुणसूत्रों का विभाजन एवं क्रोमेटिन शब्द का प्रतिपादन
▪ कोलीकर	1850	माइटोकॉण्ड्रिया
▪ बेन्डर्न एवं बोवेरी	1887	जाति में गुणसूत्रों की संख्या निश्चित होती है
▪ कैमेलियो गॉल्जी	1891	गॉल्जीकाय
▪ सी बेण्डा	1897	माइटोकॉण्ड्रिया नाम दिया
▪ डब्ल्यू.एस. सटन	1902	न्यूनकारी विभाजन का महत्त्व
▪ एफ. मिब्ज	1904	पादप कोशिका में माइटोकॉण्ड्रिया
▪ जे.बी. फार्मर	1905	अर्द्धसूत्री विभाजन नाम दिया
▪ एफ.ए. जॉनसन	1909	कियाज्मा का बनना
▪ टी.एच. मॉर्गन	1933	आनुवंशिकता में गुणसूत्रों की भूमिका

मानव शरीर तन्त्र

शरीर की संरचनात्मक एवं क्रियात्मक इकाई कोशिका है। समान कोशिकाएँ मिलकर ऊतक बनाती हैं। ऊतक मिलकर अंग तथा अंग मिलकर अंग-तन्त्र बनाते हैं। मानव के शरीर में विभिन्न प्रकार के अंग-तन्त्र जैसे—पाचन, श्वसन, परिसंचरण, तन्त्रिका तथा अन्तःस्रावी तन्त्र उपस्थित होते हैं।

मानव शरीर से सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण तथ्य

तथ्य	स्थिति/मात्रा
▪ अस्थियों की कुल संख्या	206
▪ सबसे छोटी अस्थि	स्टेपीज (मध्य कर्ण में)
▪ सबसे लम्बी अस्थि	फीमर (जंघा में)
▪ कशेरुकाओं की कुल संख्या	33
▪ पेशियों की कुल संख्या	639
▪ सबसे लम्बी पेशी	सारटोरियस
▪ बड़ी आँत की लम्बाई	1.5 मी

तथ्य	स्थिति/मात्रा
▪ छोटी आँत की लम्बाई	6.25 मी
▪ यकृत का भार (पुरुष में)	1.4-1.8 किग्रा
▪ यकृत का भार (महिला में)	1.2-1.4 किग्रा
▪ सबसे बड़ी ग्रन्थि	यकृत
▪ सर्वाधिक पुनरुद्भवन की क्षमता	यकृत में
▪ सबसे कम पुनरुद्भवन की क्षमता	मस्तिष्क में
▪ शरीर का सबसे कठोर भाग	दाँत का इनेमल
▪ सबसे बड़ी लार ग्रन्थि	पैरोटिड ग्रन्थि
▪ शरीर का सामान्य तापमान	98.4°F (37°C)
▪ शरीर में रुधिर की मात्रा	5.5 लीटर
▪ हीमोग्लोबिन की औसत मात्रा (पुरुष में)	13.16 g/dl
▪ हीमोग्लोबिन की औसत मात्रा (महिला में)	11.5-14 g/dl
▪ श्वेत रुधिर कोशिकाओं (WBCs) की संख्या	5000-10000/cu mm
▪ सबसे छोटी श्वेत रुधिर कोशिका	लिम्फोसाइट
▪ सबसे बड़ी श्वेत रुधिर कोशिका	मोनोसाइट
▪ श्वेत रुधिर कोशिकाओं का जीवनकाल	120 दिन

तथ्य	स्थिति/मात्रा
▪ लाल रुधिर कोशिकाओं (WBCs) का जीवनकाल	2-5 दिन
▪ रुधिर का थक्का बनने का समय	3-6 मिनट
▪ सर्वग्राही रुधिर वर्ग	AB
▪ सर्वदाता रुधिर वर्ग	O
▪ सामान्य रुधिर दाब	120/80 Hg
▪ वयस्क में हृदय गति	72 बार प्रति मिनट
▪ सबसे बड़ी धमनी	एब्डोमिनल एरोटा
▪ वृक्क का भार	150 ग्राम
▪ मस्तिष्क का भार	1220 से 1400 ग्राम
▪ मेरुदण्ड की लम्बाई	42-45 सेमी
▪ क्रेनियल तन्त्रिकाओं की संख्या	12 जोड़ी
▪ स्पाइनल तन्त्रिकाओं की संख्या	31 जोड़ी
▪ सबसे लम्बी तन्त्रिका	सिऐटिक
▪ सबसे पतली एवं छोटी तन्त्रिका	ट्रॉक्लियर
▪ सबसे बड़ी तन्त्रिका	ट्राइजेमिनल
▪ सबसे बड़ी कोशिका	तन्त्रिका कोशिका
▪ सबसे बड़ी अन्त:स्रावी ग्रन्थि	थायरॉइड

पोषण

➤ कार्बोहाइड्रेट्स, विटामिन, प्रोटीन आदि पोषण के प्रमुख तत्त्व हैं।

➤ वह आधार, जिसमें सभी पोषक तत्त्व उचित अनुपात में होते हैं सन्तुलित आहार कहलाता है।

➤ जल मानव शरीर का 70-80% भाग बनाता है।

विटामिनों के स्रोत, कार्य एवं कमी के प्रभाव

नाम	स्रोत	कार्यिकी प्रभाव	कमी का प्रभाव
	वसा में घुलनशील विटामिन		
विटामिन-A (रेटिनॉल)	दूध, मक्खन, अण्डा, जिगर तथा मछली का तेल	दृष्टि रंगाओं का संश्लेषण, एपिथीलियमी स्तरों की वृद्धि एवं विकास	कॉर्निया व त्वचा की कोशिकाओं का शल्कोष्ट रतौंधी, कुण्ठित वृद्धि
विटामिन-D (कैल्सीफेरॉल)	मक्खन, जिगर, मछली का तेल, गुर्दों, अण्डे, त्वचा और यीस्ट में सूर्य-प्रकाश में संश्लेषण	कैल्सियम व फॉस्फोरस का उपापचय, हड्डियों और दाँतों की वृद्धि	सूखा रोग, ऑस्टियोमैलेसियां
विटामिन-E (टोकोफेरॉल)	तेल, गेहूँ, अण्डे की जर्दी तथा सोयाबीन	कोशिकाकला की सुरक्षा, जननिक एपिथीलियम की वृद्धि, पेशियों की क्रियाशीलता	जनन क्षमता की कमी, जननांग तथा पेशी कमजोर
विटामिन-K (नैफ्थोक्विनोन)	हरी पत्तियाँ, अण्डा, जिगर, टमाटर, गोभी सोयाबीन, आँत के बैक्टीरिया	जिगर में प्रोथ्रॉम्बिन का संश्लेषण	चोट पर रुधिर का थक्का न जमने से अधिक रुधिर स्राव
	जल में घुलनशील विटामिन		
विटामिन-B_1 (थायमीन)	अनाज, फलियाँ, सोयाबीन, दूध, यीस्ट, अण्डा तथा माँस	कार्बोहाइड्रेट एवं अमीनो अम्ल उपापचय के लिए आवश्यक, एन्जाइमों का सहएन्जाइम	बेरी-बेरी
विटामिन-B_2 (राइबोफ्लैविन)	पनीर, अण्डे, यीस्ट, हरी पत्तियाँ, माँस तथा जिगर	उपापचय में महत्त्वपूर्ण सहएन्जाइमों, FAD तथा FMN का घटक	कीलोसिस

नाम	स्रोत	कार्यिकी प्रभाव	कमी का प्रभाव
विटामिन-B_3 (निकोटिनिक अम्ल)	यीस्ट, माँस, जिगर, मछली, अण्डा, दूध, मटर, मेवा तथा फलियाँ	उपापचय में महत्त्वपूर्ण सहएन्जाइमों NAD तथा NADP का घटक	पेलाग्रा
विटामिन-B_5 (पैन्टोथीनिक अम्ल)	अण्डा, जिगर, माँस, दूध, टमाटर, मूँगफली तथा गन्ना	अपचय के सहएन्जाइम-A का घटक	चर्म रोग, वृद्धि कम, बाल सफेद तथा जनन क्षमता कम
विटामिन-B_6 (पाइरोडॉक्सिन)	दूध, यीस्ट, अनाज, माँस, जिगर तथा मछली	प्रोटीन उपापचय में आवश्यक एन्जाइमों का सहएन्जाइम	रुधिरक्षीणता, चर्म रोग तथा पेशीय ऐंठन
विटामिन-H (बायोटीन)	माँस, गेहूँ, अण्डा, मूँगफली, चाकलेट, सब्जी, फल तथा यीस्ट	वसीय एवं अमीना अम्लों सहित कई अन्य पदार्थों का संश्लेषण अभिक्रियाओं में सहएन्जाइम	चर्म रोग, बालों का झड़ना
फोलिक अम्ल समूह	हरी पत्तियाँ, जिगर, सोयाबीन, यीस्ट, गुर्दे, फलियाँ, आँत के जीवाणु	वृद्धि, रुधिराणुओं का निर्माण, डीएनए का संश्लेषण	रुधिरक्षीणता, कुण्ठित वृद्धि
विटामिन-B_{12} (सायनोकोवाल-एमीन)	माँस, मछली, जिगर, अण्डा, दूध, आँत के जीवाणु	वृद्धि रुधिराणुओं का निर्माण, न्यूक्लिक अम्लों का संश्लेषण	रुधिरक्षीणता, तन्त्रिका तन्त्र की गड़बड़ियाँ
विटामिन-C (एस्कॉर्बिक अम्ल)	नींबू वंश के फल, टमाटर, सब्जियाँ, आलू, अन्य फल	अन्तःकोशिकीय सीमेन्ट, कोलेजन तन्तुओं, हड्डियों के मैट्रिक्स, दाँतों के डेन्टीन का निर्माण	स्कर्वी रोग

प्रमुख पाचक एन्जाइम एवं उनके कार्य

पाचक एन्जाइम	स्रोत	कार्य
▪ टाइलिन	लार ग्रन्थि	स्टार्च का माल्टोस में परिवर्तन
▪ एमाइलेज	लार ग्रन्थि, अग्न्याशय	पॉलीसैकेराइड का डाइसैकेराइड में परिवर्तन
▪ पेप्सिन	आमाशय	प्रोटीन को पेप्टाइड खण्डों में तोड़ना
▪ ट्रिप्सिन एवं काइमोट्रिप्सिन	अग्न्याशय	प्रोटीन एवं पॉलीपेप्टाइड को पेप्टाइड खण्डों में तोड़ना
▪ लाइपेस	अग्न्याशय	ट्राइग्लिसराइड को वसीय अम्ल एवं मोनोग्लिसराइड में तोड़ना

श्वसन

श्वसन एवं ऑक्सीकारक एवं ऊर्जा प्रदान करने वाली प्रक्रिया है, जिसमें जटिल कार्बनिक यौगिकों के टूटने से सरल कार्बनिक यौगिक वनते हैं।

श्वसन अंग	उदाहरण
▪ फेफड़े	मनुष्य, मेंढक, पक्षी, छिपकली, पशु इत्यादि
▪ त्वचा	मेंढक, केंचुआ
▪ गिल्स	टैडपोल, मछली, प्रॉन
▪ श्वसन नाल	कीट
▪ शरीर सतह	*अमीबा, युग्लीना*

रुधिर

➤ रुधिर एक हल्का क्षारीय (pH 7.4) अपारदर्शी, चिपचिपा, प्लाज्मा तथा रुधिर कणिकाओं का बना द्रव है।

➤ प्लाज्मा में 90-92% जल, 1-2% अकार्बनिक लवण, 6-7% प्लाज्मा प्रोटीन तथा 1-2% कार्बनिक यौगिक पाये जाते हैं।

➤ स्तनधारियों के अतिरिक्त सभी कशेरुकियों में लाल रुधिर कणिकाएँ अण्डाकार, द्विउत्तल एवं केन्द्रकीय होती हैं।

➤ इनमें श्वसन वर्णक हीमोग्लोबिन होता है, जो ऑक्सीजन के परिवहन का कार्य करता है।

➤ श्वेत रुधिर कणिकाएँ केन्द्रकयुक्त, वर्णकविहीन कोशिकाएँ है, ये रोगाणुओं से शरीर की रक्षा करती हैं।

➤ रुधिर प्लेटलेट्स रंगहीन तथा केन्द्रकहीन होती हैं और रुधिर का थक्का जमाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

रुधिर आधान

रुधिर समूह	रुधिर प्राप्तकर्ता वर्ग	रुधिरदाता वर्ग
A	A, AB	A, O
B	B, AB	B, O
AB	AB	A, B, AB, O
O	A, B, AB, O	O

परिसंचरण-तन्त्र

➤ **खुला परिसंचरण-तन्त्र तिलचट्टा, प्रान, कीट तथा मकड़ी आदि में पाया जाता है।**

➤ **बन्द परिसंचरण-तन्त्र एनीलिडा, मोलस्क तथा सभी कशेरुकियों में पाया जाता है।**

➤ **हृदय एक मोटा पेशीय संकुचनशील, स्वतः पम्पिंग अंग है।**

➤ **मछलियों में हृदय दो कोष्ठीय, उभयचरों तथा सरीसृपों में तीन कोष्ठीय तथा पक्षियों व स्तनियों में चार कोष्ठीय होता है।**

➤ **सामान्य मनुष्य का रुधिर दाब 120/80 mmHg होता है।**

➤ **नवजात शिशु की हृदय स्पन्दन लगभग 140 बार प्रति मिनट होती है।**

➤ **रुधिर का थक्का जमाने में प्रोथ्रॉम्बिन, फाइब्रिनोजन, Ca^{+2} तथा विटामिन K भाग लेते हैं।**

उत्सर्जन-तन्त्र

➤ **विभिन्न जन्तु भिन्न-भिन्न प्रकार के नाइट्रोजनी पदार्थ उत्सर्जित करते हैं।**

➤ **मानव शरीर का प्रमुख उत्सर्जी अंग वृक्क है। यह अनेक छोटी-2 संरचनात्मक एवं क्रियात्मक इकाइयों का बना होता है, इन्हें नेफ्रॉन कहते हैं।**

तन्त्रिका-तन्त्र

➤ **यह केन्द्रीय, परिधीय तथा स्वायत्त तन्त्रिका तन्त्र से मिलकर बना होता है।**

➤ **केन्द्रीय तन्त्रिका तन्त्र मस्तिष्क तथा मेरुरज्जु का बना होता है।**

➤ **मस्तिष्क तीन भागों अग्र-मस्तिष्क, मध्य-मस्तिष्क तथा पश्च-मस्तिष्क का बना होता है।**

विविध *स्मार्ट तथ्य*

विषाणुओं द्वारा होने वाले मनुष्यों में प्रमुख रोग

रोग	प्रभावित अंग
▪ गलसुआ	पैरोटिड लार ग्रन्थियाँ
▪ रोहे या ट्रेकोमा	नेत्र
▪ डेंगू	माँसपेशी एवं जोड़
▪ फ्लू या इन्फ्लुएंजा	श्वसन तन्त्र
▪ रेबीज या हाइड्रोफोबिया	तन्त्रिका तन्त्र
▪ खसरा	सम्पूर्ण शरीर
▪ चेचक	सम्पूर्ण शरीर, विशेषकर चेहरा तथा हाथ-पाँव
▪ पीलिया (भोजन व पानी के साथ शरीर में प्रवेश करने वाला विषाणु)	तन्त्रिका तन्त्र (स्पाइनल कॉर्ड के मोटर तन्त्रिका की क्षति)
▪ हरपीस	त्वचा, श्लेष्मकला
▪ मस्तिष्क शोध या एन्सेफेलाइटिस	तन्त्रिका तन्त्र

कवक जनित मानव रोग

रोग	प्रभावित अंग	रोगकारक कवक
▪ ऐस्पर्जिलस-आर्ति	कान तथा फेफड़े	*ऐस्पर्जिलस पलेवस, ऐ. फ्यूमिगेटस*
▪ छाले होना	गला व मुँह	*ऐ. नाइजर* तथा *मोनीलिया*
▪ क्रिप्टोकॉकसता	स्नायु तन्त्र	*क्रिप्टोकॉकस नियोफार्मेन्स*
▪ परागज ज्वर	समस्त शरीर	*आल्टरनेरिया, हेल्मिन्थोस्पोरियम फोमा* तथा *ट्राइकोडर्मा* जाति
▪ दाद	त्वचा	*माइक्रोस्पोरम लेनोसन*

शरीर के रोग तथा उनसे प्रभावित अंग

रोग	प्रभावित अंग
▪ आर्थाइटिस	जोड़ों की सूजन
▪ डिफ्थीरिया	गला, श्वास नली
▪ एग्जीमा	त्वचा
▪ पीलिया	यकृत
▪ प्लूरिसी	छाती
▪ पायरिया	दाँत तथा मसूड़े
▪ गठिया या र्यूमैटिज्म	जोड़ों में
▪ टिटनेस	तन्त्रिका तन्त्र, माँसपेशी
▪ कुष्ठ	त्वचा, तन्त्रिकाएँ
▪ हैजा	आँत, आहारनाल
▪ काली खाँसी	श्वसन तन्त्र
▪ प्लेग	फेफड़े, लाल रुधिर कणिकाएँ
▪ केटरेक्ट, ग्लाइकोमा	आँखें
▪ दाद	त्वचा
▪ क्रिप्टोकॉक्सिस	स्नायु तन्त्र
▪ हेपेटाइटिस-बी	यकृत
▪ ट्रेकोमा	अग्न्याशय, गुर्दे तथा आँखें
▪ डायबिटीज	अग्न्याशय, गुर्दे तथा आँखें
▪ घेंघा	थायरॉइड ग्रन्थि
▪ पर्किन्सन्स	मस्तिष्क
▪ निमोनिया	फेफड़े
▪ टायफॉइड	आँत
▪ रिकेट्स	हड्डियाँ
▪ सिफिलिस	जनन अंग
▪ दस्त	बड़ी आँत
▪ अतिसार	आँत का अग्रभाग
▪ सुजाक, श्वेत प्रदर	मूत्र मार्ग
▪ काला-अजार	रुधिर, प्लीहा व अस्थि मज्जा
▪ एथलीट फुट	पैर
▪ छाले होना	गला व मुँह
▪ मेनिनजाइटिस	स्पाइनल कॉर्ड (रीढ़ की हड्डी) तथा मस्तिष्क

जीवाणुओं द्वारा मनुष्यों में होने वाले प्रमुख रोग

रोग	प्रभावित अंग	लक्षण	जीवाणु
▪ निमोनिया	फेफड़े	फेफड़ों में संक्रमण, फेफड़ों में जल भर जाना, तीव्र ज्वर, श्वास लेने में पीड़ा होना	*डिप्लोकोकस न्यूमोनी (Diplococcus pneumoniae)*
▪ टिटेनस	तन्त्रिका तथा माँसपेशियाँ	शरीर में झटके लगना, जबड़ा न खुलना, बेहोशी	*क्लॉस्ट्रीडियम टिटैनी (Clostridium tetani)*
▪ बॉट्यूलिज्म या भोजन विषाक्तता	तन्त्रिका तन्त्र, श्वास लेने में पीड़ा	वमन (Vomiting), दोहरी दृष्टि	*क्लॉस्ट्रीडियम बॉट्यूलिनम (Clostridium botulinum)*
▪ मियादी बुखार	आँत का रोग	ज्वर दुर्बलता, अधिक प्रकोप होने पर आँतों में छेद हो जाना	*सालमोनेला टाइफी (Salmonella typhi or Eberthella typhosa)*
▪ कुष्ठ रोग	त्वचा तथा तन्त्रिकाएँ	व्रणों तथा गाँठों का बन जाना, हाथ तथा पैर की उँगलियों के ऊतकों का धीरे-धीरे नष्ट होना	*माइकोबैक्टीरियम लेप्री (Mycobacterium leproae)*
▪ क्षय रोग	शरीर का कोई भी अंग, विशेषकर फेफड़े	ज्वर, खाँसी, दुर्बलता, श्वास फूलना, बलगम आना तथा थूक में रुधिर का आना	*माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस (Mycobacterium tuberculosis)*
▪ हैजा	आँत या आहार नाल	निर्जलीकरण, वमन (Vomiting)	*विब्रिओ कोमा (Vibrio comma)*
▪ डिफ्थीरिया	श्वास नली (Trachea)	तीव्र ज्वर, श्वांस लेने में पीड़ा, दम घुटना	*कोरीनेबैक्टीरियम डिफ्थेरी (Corynebacterium diphtherae)*
▪ काली खाँसी	श्वसन तन्त्र	निरन्तर आने वाली तेज खाँसी, खाँसी के साथ वमन	*हीमोफिलस परटूसिस (Hemophilus pertussis)*
▪ सिफिलिस	जनन अंग, मस्तिष्क, तन्त्रिका तन्त्र	जननांगों पर चकते बनना, लकवा, त्वचा पर दाने, बालों का झड़ना	*ट्रेपोनेमा पैलिडम (Treponema pallidum)*
▪ प्लेग	बगलें या काँखें, फेफड़े, लाल रुधिर कणिकाएँ	तीव्र ज्वर, काँखों में गिल्टी का निकलना, बेहोशी	*पाश्चूरेला पेस्टिस (Pasteurella pestis)*
▪ मेनिनजाइटिस	मस्तिष्क के ऊपर की झिल्लियाँ; मस्तिष्क	तीव्र ज्वर, बेहोशी, मस्तिष्क की झिल्ली में शोथ या सूजन	*नीशेरिया मेनिनजाइटिडिस (Neisseria meningitidis)*

प्रोटोज़ोआ द्वारा मनुष्य में होने वाले प्रमुख रोग

रोग	प्रभावित अंग	लक्षण	परजीवी
▪ पायरिया	दाँतों की जड़ें तथा मसूड़े	मसूड़ों में सूजन, रुधिर-स्राव तथा मवाद का निकलना	*एन्टअमीबा जिन्जवेलिस (Entamoeba gingivalis)*
▪ दस्त	बड़ी आँत	बड़ी आँत में सूजन व दर्द, बार-बार दस्त का होना	*ट्राइकोमोनास होमिनिस (Trichomonas hominis)*
▪ अमीबियेसिस	बड़ी आँत (कोलोन)	कोलोन में सूजन, दस्त के साथ आँव (mucous) का आना	*एन्टअमीबा हिस्टोलिटिका (Entamoeba histolytica)*
▪ घातक अतिसार या पेचिश	आँत के अगले भाग	दस्त, सिर-दर्द तथा कभी-कभी पीलिया रोग का जनक	*जिआरडिया लैम्बलिया (Giardia lamblia)*
▪ सूजाक (पुरुषों में) तथा श्वेत प्रदर (स्त्रियों में)	पुरुषों में मूत्रमार्ग तथा स्त्रियों में योनि	मूत्र-त्याग में जलन व दर्द, स्त्रियों में श्वेत द्रव का निकलना तथा दर्द	*ट्राइकोमोनास वेजाइनेलिस (Trichomonas vaginalis)*
▪ दस्त	छोटी आँत	पेट में ऐंठन तथा दस्त	*आइसोस्पोरा होमीनिस (Isospora hominis)*
▪ काला-अजार	रुधिर, लसिका, प्लीहा तथा अस्थि मज्जा	ज्वर, एनीमिया, प्लीहा तथा यकृत में सूजन	*लीशमानिया (Leishmania)*
▪ निद्रा रोग	रुधिर, सेरीब्रोस्पाइनल द्रव तथा केन्द्रीय तन्त्रिका तन्त्र	तीव्र ज्वर, बेहोशी, रोगी को लम्बी निद्रा	*ट्राइपैनोसोमा गैम्बियन्स (Trypanosoma gambiens)*
▪ मलेरिया	लाल रुधिराणु, प्लीहा तथा यकृत	तीव्र ज्वर, सिर-दर्द, कमर में दर्द	*प्लाज्मोडियम (Plasmodium)*

चिकित्सा सम्बन्धी आविष्कार

आविष्कार	आविष्कारक	आविष्कार	आविष्कारक
▪ रुधिर परिसंचरण	विलियम हार्वे	▪ प्लेग तथा पेचिस की चिकित्सा	किटाजाटो
▪ रुधिर परिवर्तन	कार्ल लैण्डस्टीनर	▪ बीसीजी	यूरिन कालमेट
▪ विटामिन	फंक	▪ बेरी-बेरी रोग की चिकित्सा	आइजकमैन
▪ विटामिन-A	मैकुलन	▪ बैक्टीरिया	ल्यूवेनहॉक
▪ विटामिन-B	मैकुलन	▪ मलेरिया परजीवी व चिकित्सा	रोनाल्ड रॉस
▪ विटामिन-C	यूजोक्ट होल्क्ट	▪ अल्ट्रावायलेट किरणों द्वारा चिकित्सा	फ्रिन्सेन
▪ विटामिन-D	हॉपकिन्स	▪ आरएनए	आर्थर अर्ग तथा जेम्स वाटसन
▪ स्टैथोस्कोप	रेनेलैनक	▪ डीएनए	जेम्स वाटसन तथा क्रिक
▪ स्ट्रेप्टोमाइसिन	बॉक्समैन, सेलमेन	▪ इन्सुलिन	बेटिंग
▪ एल्फा ड्रग्स	डागमैक	▪ एस्प्रिन	ड्रेसन
▪ सिफलिस की चिकित्सा	पॉल एरिक	▪ एण्टीसेप्टिक सर्जरी	लिस्टर
▪ हाइड्रोफोबिया की चिकित्सा	लुई पाश्चर	▪ क्लोरोक्वीन (कुनैन) सिन्थेटिक	रेबी
▪ हृदय प्रत्यारोपण	क्रिश्चियन बर्नार्ड	▪ क्लोरोफॉर्म	सिम्पसन तथा हैरिसन
▪ हैजे का टीका	रॉबर्ट कोच	▪ काले बुखार की चिकित्सा	यू एस ब्रह्मचारी
▪ होम्योपैथी	हैनीमैन	▪ चेचक का टीका	एडवर्ड जेनर
▪ टीबी के कीटाणु तथा चिकित्सा	रॉबर्ट कोच	▪ जेनेटिक कोड	हरगोविन्द खुराना
▪ टायफॉइड के जीवाणु	रो बर्थ	▪ टेरामाइसिन	फिनले
▪ डायबिटीज तथा चिकित्सा	एफ बेटिंग		
▪ डीडीटी	पॉल मुलर		
▪ पेनिसिलिन	एलैक्जेण्डर फ्लेमिंग		
▪ पोलियो का टीका	जॉन्स ई साल्क		
▪ पीत बुखार की चिकित्सा	रीड		

मुख्य चिकित्सीय उपकरण

▪ पेसमेकर	हृदय गति	▪ इलेक्ट्रोएन्सेफैलोग्राफ	मस्तिष्क
▪ ऑटो एनालाइजर	ग्लूकोस, यूरिया, कोलेस्टेरॉल की जाँच	▪ कम्प्यूटेड टोमोग्राफी स्कैन (CT Scan)	सम्पूर्ण शरीर
		▪ इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफ	हृदय

जैव प्रौद्योगिकी

- डीएनए फिंगर प्रिन्टिंग का उपयोग विवादित जनकता के मामलों, अपराधियों की पहचान, प्रजातीय समूहों के सम्बन्धों को जानने के लिए किया जाता है।
- आनुवंशिक अभियान्त्रिकी में सोच समझकर कृत्रिम विधियों द्वारा कोशिकाओं की आन्तरिक रूपरेखा का परिवर्तन किया जाता है। इससे रिकोम्बिनेन्ट डीएनए बनाने के लिए जीन का स्थानान्तरण होता है।
- रेस्ट्रिक्शन एण्डोन्यूक्लिएस एन्जाइम के द्वारा डीएनए को विशिष्ट स्थानों पर काटा जाता है।
- हाइब्रिडोमा तकनीक के द्वारा मोनोक्लोनल एण्टीबॉडी का उत्पादन किया जाता है।

जीवाणु तथा दुग्ध उत्पादन

पदार्थ	जीवाणु
▪ बटर मिल्क	*लैक्टोबैसिलस वल्गेरिकस (Lactobacillus vulgaricus)*
▪ योगहर्ट	*लैक्टोबैसिलस वल्गेरिकस + स्ट्रेप्टोकोकस थर्मोफिलस (Lactobacillus thermophillus)*
▪ दही	*स्ट्रेप्टोकोकस लैक्टिक (Stretococcus lactis), लैक्टोबैसिलस (Lactobacillus)*
▪ पनीर	*लैक्टोबैसिलस लैक्टिस (Lactobacillus lactis)* तथा *स्ट्रेप्टोकोकस क्रिमोरिस (Streptococcus cremoris)*

जीवाणु एवं औद्योगिक पदार्थ

पदार्थ	जीवाणु
▪ एसीटोन-ब्यूटेनॉल	क्लॉस्ट्रीडियम एसिटोब्यूटाइलिकम (*Clostridium acetobutylicum*)
▪ लैक्टिक एसिड	लैक्टोबैसिलस डेलब्रकी (*Lactobacillus delbrueckii*)
▪ लाइसिन	माइक्रोकोकस ग्लूटैमिकस (*Micrococcus glutamicus*)
▪ इन्सुलिन तथा इन्टरफेरॉन	रिकोम्बीनेन्ट डीएनए वैराइटीज ऑफ ई. कोलाई (Recombinant DNA varieties of *E. coli*)
▪ स्ट्रेप्टोकाइनेस	स्ट्रेप्टोकोकस इक्वीसीमिलिस (*Streptococcus equisimilis*)

कवकों से प्राप्त होने वाले कुछ औद्योगिक उत्पाद

उत्पाद	कवक
▪ सिट्रिक अम्ल	एस्परजिलस नाइगर (*Aspergillus niger*)
▪ फ्यूमेरिक अम्ल	राइजोपस नाइग्रीकन्स (*Rhizopus nigricans*)
▪ लैक्टिक अम्ल	राइजोपस ओराइजी (*Rhizopus oryzae*)
▪ जिबरैलिक अम्ल	फ्यूसेरियम मोनिलीफॉर्म (*Fusarium moniliforme*)
▪ जाइमेस	सैकेरोमाइसिस प्रजातियाँ (*Saccharomyces* sp.)
▪ पेक्टीनेस	एस्परजिलस वंटाई (*Aspergillus wentii*)
▪ बीयर, रम, स्कॉच, शराब	सैकेरोमाइसिस प्रजातियाँ (*Saccharomyces* sp.)

महत्त्वपूर्ण प्रतिजैविक, उनके स्रोत तथा कार्य

प्रतिजैविक का नाम	सूक्ष्मजीवी का नाम	कार्य
▪ पैनिसिलिन	पेनिसिलियम नोटेटम (*Penicillium notatum*)	टोन्सलिटिस (tonsilitis), रहयूमेटिक बुखार से बचाव
▪ ग्राइसिओफुल्विन	पेनिसिलियम ग्राइसिओफुल्विम (*P. griseofulvim*)	दाद से बचाव
▪ स्ट्रेप्टोमाइसिन	स्ट्रेप्टोमाइसीज ग्राइसियस (*Streptomyces griseus*)	टीबी, मेनिनजाइटिस, न्यूमोनिया से बचाव
▪ क्लोरेमफेनिकोल	स्ट्रेप्टोमाइसीज वेनेजुएली (*S.venezualae*)	टायफॉइड, आँत के संक्रमण से बचाव
▪ ट्रेटासाइक्लीन	स्ट्रेप्टोमाइसीज ऑरियोफेसिएन्स (*S. auriofaciens*)	वायरल न्यूमोनिया, काली खाँसी तथा आँख के संक्रमण से बचाव
▪ टेरामाइसिन	स्ट्रेप्टोमाइसीज रिमोसस (*S. rimosus*)	सामान्य न्यूमोनिया, टायफॉइड, आँत के संक्रमण से बचाव
▪ इरिथ्रोमाइसिन	स्ट्रेप्टोमाइसीज इरीथ्रियस (*S. irithrisius*)	काली खाँसी, डिपथीरिया से बचाव
▪ बेसिट्रेसिन	बैसिलस लाइकेनीफॉरमिस (*Bacillus licheniformis*)	रेटिकुलेसिया तथा लिम्फोनीमा से बचाव

उपयोगी पादप

औषधियाँ प्रदान करने वाले पौधे

सामान्य नाम	वनस्पति नाम	कुल	पौधे का मुख्य भाग
सर्पगन्धा	राउवोल्फिया सरपेनटाइना (*Rauwolffia serpentina*)	एपोसाइनेसी	जड़
अफीम	पैपैवर सोम्नीफेरम (*Papaver somniferum*)	पेपेवरेसी	कैप्सूल फल
क्यूनीन	सिनकोना जाति (*Cinchona species*)	रूबिएसी	छाल
बैलाडोना	एट्रोपा बैलाडोना (*Atropa belladona*)	सोलेनेसी	सूखी पत्तियाँ एवं जड़ें
धतूरा	धतूरा स्ट्रोमोनियम (*Datura stramonium*)	सोलेनेसी	फल का रस
आँवला	एम्बिका ऑफिसिनेलिस (*Embica officinalis*)	यूफोर्बिएसी	फल
कुचला	स्ट्रिक्नोस मिक्स वोमिका (*Strycnos mix-vomica*)	लेग्युमिनोसी	बीज

वनस्पति विज्ञान से सम्बन्धित प्रमुख तथ्य

विशेषता	नाम	विशेषता	नाम
▪ सबसे छोटा विषाणु	मुख और खुरपका विषाणु (20 nm)	▪ सबसे छोटा पुष्प	*वुल्फिया माइक्रोस्पर्मिया*
▪ सबसे बड़ा विषाणु सुपर परजीवी	TMV (300 nm) पॉक्स (280 nm)	▪ सबसे बड़ा पुष्प	*रेफ्लेशिया आर्नोल्डी*
		▪ सबसे छोटा बीज	ऑर्किड
		▪ सर्वाधिक चौड़ी पत्ती	*विक्टोरिया रेजिया*
▪ सबसे छोटा जीवाणु	*डायलिस्टर* (2μ)	▪ सर्वाधिक भारी लकड़ी	*ग्वेकम ऑफिसिनेली*
▪ सबसे बड़ा जीवाणु	*बैगियाटोआ मिराबिलिस*	▪ सबसे बड़ा एककोशिकीय पादप	*एसीटेबुलेरिया*
▪ सबसे छोटा ब्रायोफाइटा	*जूपसिस*		
▪ सबसे बड़ा ब्रायोफाइटा	*डाऊसोनिया*	▪ पादप जगत के उभयचर	ब्रायोफाइटा
▪ सबसे बड़ा टेरिडोफाइटा	*साइऐथिया*	▪ वैस्कुलर क्रिप्टोगेम्स	टेरिडोफाइटा
▪ सबसे छोटा अनावृतबीजी	*जेमिया पिगमियां*	▪ वार्किंग फर्न	*एडिएन्टम*
▪ सबसे बड़ा अनावृतबीजी	*सिकोया गाइगेन्टिया*	▪ मेडिन हेयर फर्न	*एडिएन्टम*
▪ सबसे छोटा आवृतबीजी	*वुल्फिया*	▪ मेडिन हेयर ट्री	*जिंगो बाइलोबा*
▪ सबसे बड़ा आवृतबीजी	*युकेलिप्टस रेगनेन्स*	▪ सर्वाधिक प्रोटीनयुक्त शैवाल	*स्पाइरूलिना*

फल तथा उसके खाए जाने वाले भाग

फल	भाग	फल	भाग
पंपीता	मध्य फलभित्ति	नारंगी	रसीले हेयर
नारियल	भ्रूणपोष	कटहल	परिदल पुंज एवं बीज
टमाटर	फलभित्ति एवं बीजाण्डासन	मूँगफली	बीजपत्र एवं भ्रूण
सेब	पुष्पासन	गेहूँ	भ्रूणपोष एवं भ्रूण
नाशपाती	पुष्पासन	काजू	पुष्पवृन्त एवं बीजपत्र
आम	मध्य फलभित्ति	चना	बीजपत्र एवं भ्रूण
केला	मध्य एवं अन्तःभित्ति	लीची	एरिल
अमरूद	फलभित्ति एवं बीजाण्डासन	शहतूत	रसीले परिदलपुंज
अंगूर	फलभित्ति एवं बीजाण्डासन	अनन्नास	परिदलपुंज

जन्तु विज्ञान से सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण तथ्य

विशेषता	नाम	विशेषता	नाम
▪ सबसे बड़ी स्तनी	नीली व्हेल	▪ प्रतिदिन आवश्यक कैलोरी (महिला)	2400 किलोकैलोरी
▪ सबसे विशाल स्थलीय स्तनी	हाथी		
▪ सबसे बड़ी अस्थि	फीमर	▪ सबसे पुराना प्राइमेट	लीमर
▪ सबसे बड़ा अण्डा	शतुरमुर्ग	▪ सबसे पुराना ऑर्थोपोड	*पेरिपैटस*
▪ सबसे बड़ा शिरा	इन्फीरियर वेना केवा	▪ सबसे पुरानी स्तनी	*एकिडना*
▪ सबसे बड़ा स्थलीय पक्षी	शतुरमुर्ग	▪ सबसे पुराना कपि	गिब्बन
▪ विशालतम जीवित सरीसृप	टर्टिल	▪ सबसे विषैला भारतीय सर्प	किंग कोबरा
▪ विश्व में सबसे विषैला सर्प	ऑस्ट्रेलिया का पेनिन्सुलर टाइगर सर्प	▪ विषैली छिपकली	*हीलोडर्मा*
		▪ विषैली मछली	स्टोन मछली
▪ सबसे लम्बा स्तनी	जिराफ	▪ अण्डा देने वाली स्तनी	*एकिडना*, डक बिल्ड प्लेटीपस
▪ सबसे छोटी चिड़िया	हमिंग बर्ड		
▪ दाँत रहित स्तनी	चींटीखोर		
▪ शरीर का सबसे व्यस्त अंग	यकृत	▪ सबसे छोटा स्तनी	छछुँदर
▪ शरीर का सबसे भारी अंग	यकृत	▪ सबसे तेज उड़ने वाला पक्षी	कटिपुच्छ पक्षी
▪ सबसे भारी कशेरुका	लुम्बर	▪ सबसे तेज दौड़ने वाला जन्तु	चीता
▪ सबसे मजबूत पेशी	जबड़े की पेशी	▪ सबसे बड़ा सर्प	पाइथन
▪ प्रतिदिन आवश्यक कैलोरी (पुरुष)	3900 किलोकैलोरी	▪ सबसे ऊँचा स्तनी	जिराफ
		▪ घोंसला बनाने वाला साँप	किंग कोबरा



कम्प्यूटर

- एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, जो 'यूजर' द्वारा निर्देश प्राप्त कर, तय कार्यक्रम के उपयोग से संख्यात्मक आँकड़े या अन्य प्रकार की जानकारी यूजर को देता है, कम्प्यूटर कहलाता है।
- यह संचित प्रोग्राम अवधारणा पर अर्थात् दिए गए अनुदेशों पर कार्य करता है।
- **कम्प्यूटर का इतिहास** यान्त्रिक कैलकुलेटर की खोज ब्लेज पास्कल (1623-62) और गोटफ्रीड विल्हेम लेबिंट्ज (1646-1716) ने की। चार्ल्स बैवेज (1792-1871) ने जॉन नेपियर (1550-1617) द्वारा खोजे गए लघुगणक अंकों को समाहित कर सकने वाले ऑल-पर्पज कैलकुलेटिंग मशीन बनाने का विचार किया था।
- आधुनिक कम्प्यूटर क्रान्ति इस सदी के चौथे दशक में आरम्भ हुई थी। इसे वर्ष 1944 में इन्टरनेशनल विजनेस मशीन (IBM) और हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने मिलकर विकसित किया था। वर्ष 1946 में विश्व का पहली पूरी तरह से इलेक्ट्रॉनिक डिजिटल कम्प्यूटर ENIAC या इलेक्ट्रॉनिक न्यूमेरिकल इंटिग्रेटर एण्ड कैलकुलेटर बना। पहली पीढ़ी का यह कम्प्यूटर वैक्यूम ट्यूब टेक्नोलॉजी पर आधारित था। इसमें दस अंकों की बीस संख्याओं को स्टोर किया जा सकता था। यह दशमलव प्रणाली पर आधारित था। लेकिन वर्तमान के कम्प्यूटर द्विआधारी पद्धति (बाइनरी सिस्टम) पर आधारित होते हैं। डॉ. वॉन न्यूमैन ने वर्ष 1945 में कम्प्यूटर क्रान्ति को सही दिशा दी। उन्होंने कम्प्यूटर के कार्य हेतु बाइनरी सिस्टम का उपयोग किया। न्यूमैन द्वारा बनाया गया की-बोर्ड, सेन्ट्रल प्रोसेसर यूनिट (सीपीयू) पर आधारित था, इसमें इनपुट, आउटपुट, मैमोरी, अर्थमैटिक एण्ड लॉजिक यूनिट (एएलयू) और कन्ट्रोल यूनिट थे।

कम्प्यूटर के मुख्य कार्य

- मुख्य रूप से कम्प्यूटर चार प्रकार के कार्य करने में सक्षम है
  1. डाटा का संकलन तथा निवेशन (Collection and Input)
  2. डाटा का संचयन (Storage)
  3. डाटा संसाधन (Processing)
  4. डाटा/इन्फॉर्मेशन (Information) का निर्गम या पुनर्निर्गमन (Retrieval)

कम्प्यूटर प्रणाली

एक सामान्य कम्प्यूटर में निम्नलिखित शामिल होता है

- यह युक्ति मनुष्य से मशीन संचार के लिए प्रयुक्त की जाती है। सामग्री जिसे कम्प्यूटर में संसाधित किया जाना होता है, को इस युक्ति के जरिए प्रविष्ट किया जाता है, जैसे—की-बोर्ड (कुंजी पटल), ऑप्टिकल कैरेक्टर रीडर, मार्क रीडर मैग्नेटिक इंक कैरेक्टर रीडर।

आउटपुट युक्ति

यह युक्ति मशीन से मनुष्य संचार के लिए प्रयुक्त की जाती है। संसाधित परिणामों को इन युक्तियों के जरिए प्रणाली से पुनः प्राप्त किया जाता है, जैसे—वीडियो डिस्पले यूनिट (दृश्य प्रदर्शक इकाई), प्रिंटर (मुद्रक), प्लोटरस्।

सी पी यू

केन्द्रीय संसाधन इकाई कम्प्यूटर के सभी कार्यों को समेकित तथा संयोजित करके सम्पूर्ण प्रणाली को नियन्त्रित करती है। यह कुंजी पटल जैसी विभिन्न इनपुट युक्तियों द्वारा उसके अनुदेशों का पालन करता है तथा प्रिंटर जैसी विभिन्न बाह्य युक्तियों के लिए आउटपुट को संयोजित करता है। यह उन अनुदेशों, जो प्राथमिक स्टोरेज में संचित हैं, को लाने, उनकी व्याख्या करने तथा उन सभी हार्डवेयर इकाइयों, जो अनुदेशों को आगे ले जाने के लिए आवश्यक हैं, के लिए आदेश जारी करने के लिए उत्तरदायी है।

ए एल यू

- यह कम्प्यूटर के अंकगणितीय व तार्किक कार्यों को करने के लिए उत्तरदायी है। अंकगणितीय कार्य संख्या की तुलना करने तथा 'कम', 'बराबर' एवं 'अधिक को शामिल करने के लिए प्रयुक्त किए जाते हैं।

मेमोरी (स्मृति संग्राहक इकाई)

यह सामग्री (आँकड़े) तथा कार्यक्रम को संचित करने के लिए प्रयुक्त की जाती है। सम्पूर्ण स्मृति संग्राहक दो भागों में विभाजित है।

- प्राथमिक संचय इकाई (प्राइमरी यूनिट) यह कम्प्यूटर का स्मृति संग्राहक है जहाँ जानकारी को स्थायी रूप से संचित किया जाता है। इस स्मृति संग्राहक के दो स्पष्ट रूप हैं
- रोम (ROM) जब कम्प्यूटर को चलाने के लिए शुरू किया जाता हैं तो सभी प्रकार की जानकारी तथा आवश्यक अनुदेश इसमें शामिल होने हैं; यह जानकारी रोम में उपस्थित होती है तथा बनाते समय इसमें डाली जाती है और बाद में स्थायी रूप से चिप में संचय कर ली जाती है। यह स्मृति संग्राहक लिखने की बजाय केवल पठन में सक्षम है तथा इसलिए इसे रोम कहा जाता है। यह अपरिवर्तनशील स्मृति संग्राहक है।

➤ **रैम (RAM)** यह अपरिवर्तनशील स्मृति संग्राहक है। यह रैम सामग्री तथा अनुदेशों के रूप में स्थायी जानकारी संचय करने के लिए प्रयुक्त की जाती है।

नेटवर्किंग (संचार तन्त्र)

➤ इसका तात्पर्य विभिन्न कम्प्यूटरों को परस्पर जोड़ना है जिसमें ये सर्वर से जुड़े होते हैं तथा प्रत्येक कम्प्यूटर का अपना प्रोसेसर होता है।

➤ संचार तन्त्र के निम्न लाभ हैं

1. डाटा का आदान-प्रदान।
2. फाइलों का अन्तरण फ्लोपीस् के बिना सम्भव होना।
3. चिकित्सा, अभियन्ता आदि में स्पष्ट लाभ।
4. डाटा सुरक्षा।
5. कम स्मृति संग्राहक (मेमोरी) का उपयोग।
6. सामान्य हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर संसाधन, जैसे— मुद्रक (प्रिंटर), स्मृति संग्राहक (मेमोरी)।
7. कम खर्च।

➤ मुख्यतः तीन प्रकार के नेटवर्क होते हैं

लैन स्थानीय क्षेत्र (लोकल एरिया) नेटवर्क

मैन महानगर क्षेत्र (मेट्रोपोलिटन एरिया) नेटवर्क

वैन व्यापक क्षेत्र (वाइड एरिया) नेटवर्क

कम्प्यूटर का आधुनिक विकास

➤ **टैबलैट** एक प्रकार का लैपटॉप पीसी और मोबाइल पीसी जिसमें आकर्षक टूल्स तथा टच-स्क्रीन का समायोजन होता है।



➤ **कैमकॉडर** (विडियो कैमरा रिकॉर्डर) एक इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, जिसमें एक विडियो कैमरा तथा एक विडियो रिकॉर्डर एक साथ जुड़े होते हैं।

➤ **कॉम ड्राइवर** कॉम ड्राइवर कैपेसिटी Actuators है, जिसका प्रयोग रैखिक Actuators में यूटिलिटी इलेक्ट्रॉस्टैटिक बल तथा इलेक्ट्रॉनिक Conductive कॉम के बीच समतुल्य के लिए किया जाता है।

➤ **ब्लूटूथ** (2.4 GHz रेडियो-वेव) यह एक वायरलैस तकनीक है जिसका प्रयोग कम दूरी पर डाटा आदान-प्रदान के लिए किया जाता है।

➤ **i-Pad** यह टैबलेट है जिसे Apple द्वारा डिजाइन तथा विकसित किया गया।

सुपर कम्प्यूटर 'सीक्वेया'

अत्याधुनिक सीक्वेया नामक सुपर कम्प्यूटर का आविष्कार आईबीएम ने किया है, जिसकी गति बीस लाख लैपटॉप्स की गति से भी अधिक होगी। इसके अन्तर्गत 16 लाख कम्प्यूटर चिप्स लगी हैं एवं इसकी मेगोरी क्षमता 1.6 मेगावाइट्स है। आईबीएम द्वारा यह सुपर कम्प्यूटर अमेरिकी ऊर्जा विभाग के लिए बनाया गया है, जिसे कैलिफोर्निया की लॉरेन्स लाइवमोर नेशनल लैबोरेटरी में वर्ष 2012 में स्थापित किया गया

मोबाइल/संचार क्रान्ति से जुड़ी शब्दावलियाँ

- **ब्रॉडबैण्ड** ब्रॉडबैण्ड या विस्तृत पट्टी दूरसंचार से सम्बन्धित शब्द है। ब्रॉडबैण्ड का उपयोग अलग-अलग क्षेत्रों में अन्य अर्थों में भी किया जाता है। यह शब्द इंगित करता है कि संकेत भेजने के लिए प्रयुक्त अधिकतम एवं न्यूनतम आवृत्तियों का अन्तर (अर्थात् बैण्ड की चौड़ाई) अपेक्षाकृत बड़ी है।
- **2G** 2G एक दूसरी पीढ़ी की बेतार टेलीफोन प्रौद्योगिकी है। दूसरी पीढ़ी के 2G सेल्यूलर दूरसंचार नेटवर्क को 1991 में रेडियोलिंजा द्वारा फिनलैण्ड में GSM मानक पर वाणिज्यिक तौर पर प्रवर्तित किया गया था।
- **3G** अन्तर्राष्ट्रीय मोबाइल दूरसंचार-2000 को 3G या तीसरी पीढ़ी के रूप में बेहतर जाना जाता है, इसे अन्तर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (International Telecommunication Union) के द्वारा मोबाइल दूरसंचार के लिए मानक वर्ग के रूप में परिभाषित किया गया है।
- **Wi-Fi** यह वायरलैस लोकल एरिया नेटवर्क (WLAN) की एक कक्षा है।
- **Wi-MAX** एक दूरसंचार प्रोटोकॉल जो प्रचुर तथा स्थिर रूप में इन्टरनेट उपलब्ध कराता है।

➤ **स्मार्ट फोन** एक ऐसा मोबाइल फोन, जिसमें कम्प्यूटर की क्षमता तथा फोन की सभी सुविधा एक साथ उपलब्ध है।

➤ **टच-स्क्रीन** एक ऐसी डिस्प्ले डिवाइस, जिसमें डाटा टच करके इनपुट किया जाता है।

➤ **i-OS** (i-Phone OS) Apple द्वारा विकसित मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम i-Phone, जो i-Pod और i-Pad में प्रयोग होता है। Apple ने 2011 में i055 लॉंच किया है।

जैविक कम्प्यूटर

इज़राइल स्थित वेजमान इंस्टीट्यूट ऑफ साईंस के वैज्ञानिक इहुड शोप्रियो के नेतृत्व में पहला जैविक कम्प्यूटर तैयार किया गया है, जिनमें इनपुट और आउटपुट दोनों ही जीवन्त हैं।

डीएनए प्रयुक्त यह नैनो कम्प्यूटर जीवित प्रणाली से संचालित है। इसमें डीएनए चिप का प्रयोग होता है और यह जैविक अणु द्वारा ऊर्जा प्राप्त करता है।

यह कम्प्यूटर केवल कोशिकाद्रव्य की मदद से शरीर के पनपते गम्भीर रोगों की सूचना देने में सक्षम है।

भारत में कम्प्यूटर का विकास

➤ **एप्लाइड माइक्रोवेव इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग एवं अनुसन्धान सोसायटी (समीर)** माइक्रोवेव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र और इलेक्ट्रॉमैग्नेटिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसन्धान एवं विकास के लक्ष्य के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग भारत सरकार द्वारा मुम्बई में प्रयोगशाला 'समीर' की स्थापना वर्ष 1984 में की गई। यह डाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फण्डामेन्टल रिसर्च

सिम्प्यूटर
यह अंग्रेजी, हिन्दी, कन्नड़, तमिल, तेलुगू, बंगाली, मराठी में बात कर सकता है। इसे 'टाइम' पत्रिका ने 10 अनोखी तकनीकी खोजों के रूप में चुना है। हथेली के आकार का सिम्प्यूटर-सरल, सस्ता, मोबाइल कम्प्यूटर है, जो जल्दी ही व्यापारिक रूप से जारी किया जा सकता है।

(टीआईएफआर) मुम्बई में वर्ष 1977 में स्थापित विशेष माइक्रोवेव उत्पादन इकाई (एसएमपीयू) की एक यूनिट है।

➤ **भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क्स (एसटीपीआई)** भारत से सॉफ्टवेयर निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वर्ष 1991 में भारत सरकार, सूचना प्रौद्योगिकी मन्त्रालय द्वारा एक सोसायटी के रूप में भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क्स की स्थापना की गई। एसटीपीआई परामर्शी, प्रशिक्षण तथा कार्यान्वयन सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए आन्तरिक इंजीनियरी संसाधनों का रख-रखाव करता है।

भारत की सुपर कम्प्यूटर योजना

दसवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान देश के विभिन्न स्थानों में 10 सुपर कम्प्यूटिंग सुविधाओं से लैस केन्द्रों की स्थापना की गई। प्रत्येक केन्द्र में एक हजार प्रोसेसरों की क्षमता वाले सुपर कम्प्यूटिंग प्रणाली का विकास किया गया है।

➤ **परम पद्म** अप्रैल, 2003 में विकसित परम पद्म सुपर कम्प्यूटर की गणना क्षमता एक टेराफ्लॉप प्रति सेकण्ड है।

भारत के सुपर कम्प्यूटर

सुपर कम्प्यूटर	विकास में सहयोगी संस्थान
फ्लोसॉल्वर	राष्ट्रीय वैमानिकी प्रयोगशाला, बंगलुरु
पेस	अनुराग, हैदराबाद
टेरा फ्लॉप	बार्क
मल्टी माइक्रो	भारतीय विज्ञान संस्थान, मुम्बई
अनुपम (1999)	बार्क
मल्टी माइक्रो	भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलुरु
परम (1998)	सी-डैक
परम-1000 (1998)	सी-डैक
परम अनन्त (2000)	सी-डैक
परम पद्म (2003)	सी-डैक
कब्रू (2004)	आईएसएस
अनुपम-अरुणा (2003-04)	बार्क
एका (2007)	कम्प्यूटेशनल रिसर्च लैबोरेटरीज-टाटा समूह
अन्नपूर्णा (2010)	
सागा-220 (2010)	विक्रम साराबाई अन्तरिक्ष केन्द्र

➤ **कब्रू** इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमेटिकल साइंस (भारत) ने लैटिस गॉग थ्योरी पर आधारित भारत के दूसरे सर्वाधिक तेज सुपर कम्प्यूटर का विकास किया है।

➤ **राष्ट्रीय सेवा डिलीवरी गेटवे** राष्ट्रीय ई-गवर्नेन्स सेवा डिलीवरी गेटवे मिशन मोड परियोजना के तहत मानक आधारित सूचना स्विच है जो स्वच्छ, सरल विनिमय और आपसी तालमेल उपलब्ध कराएगा।

➤ **सामुदायिक सूचना केन्द्र** सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने ग्रामीण इलाकों के सामाजिक-आर्थिक विकास और गाँव-शहर के बीच के विकास के अन्तर को खत्म करने के लिए सूचना और संचार तकनीकों का लाभ ग्रामीणों तक पहुँचाने के लिए फरवरी, 2002 में पहाड़ी, दूरदराज के इलाकों में सामुदायिक सूचना केन्द्र (सीआईसी) स्थापित करने की शुरुआत की थी।

➤ **गरुड़-ग्रिड कम्प्यूटिंग** गरुड़ कम्प्यूटेशनल नोड्स, स्टोरेज और वैज्ञानिक उपकरण के राष्ट्रव्यापी ग्रिड पर विज्ञान अनुसन्धानकर्ताओं और प्रयोगकर्ताओं का समन्वय है। इसका उद्देश्य 21वीं सदी के लिए सघन विज्ञान के आँकड़ों के परिकलन के लिए आवश्यक तकनीकी प्रोन्नयन उपलब्ध कराना है।

इन्टरनेट

इन्टरनेट के कई पहलू—तकनीकी, संगठनात्मक एवं सामाजिक सम्पर्क स्थापित करने का पहला उदाहरण वर्ष 1962 में मैसाचुसेट्स टेक्नोलॉजी संस्थान के जेसीआर लिकप्लाइडर द्वारा लिखे गए अनेक ज्ञापनों के रूप में प्रकाश में आए।

इन्टरनेट की सेवाएँ

ई-मेल ई-मेल या इलेक्ट्रॉनिक मेल अभी तक का सबसे लोकप्रिय उपयोग है, जिसने संचार के क्षेत्र में क्रान्ति ला दी है। संवाद के अन्य माध्यमों की तुलना में सस्ता, तेज रफ्तार और अधिक सुविधाजनक होने के कारण ई-मेल ने दुनिया भर के कार्यालयों और घरों में अपनी जगह बना ली है।

ई-लर्निंग इसके माध्यम से विषय-विशेषज्ञ का राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मार्गदर्शन उपलब्ध हो जाता है। समाज के दलित वर्ग एवं विकलांग वर्ग के लिए यह तकनीक सुविधा वरदान से कम नहीं है।

ई-कॉमर्स इन्टरनेट की प्रगति की ही एक तार्किक परिणति ई-कॉमर्स है। किसी भी प्रकार के व्यवसाय को संचालित करने के लिए इन्टरनेट पर की जाने वाली कार्यवाही को 'ई-कॉमर्स' कहते हैं।

वर्ल्ड वाइड वेब यह सुविधा वैज्ञानिकों के बीच सूचना के आदान-प्रदान के सामान्य उद्देश्य से आरम्भ हुई थी और आज इन्टरनेट के सर्वाधिक लोकप्रिय और प्रचलित उपयोगों में से एक है।

ई-मनोरंजन सूचना प्रौद्योगिकी के युग में आधुनिक नेटवर्क से जुड़े हुए होते हैं। गतिविधियों का केन्द्र पुराने समय के टेलीफोन एक्सचेन्ज से मिलता-जुलता कनेक्शन सेन्टर होता है। यह किसी प्रवेश द्वार की तरह कार्य करता है।

ई-शिक्षा सूचना संचार प्रौद्योगिकी के जरिए शिक्षा प्राप्त करना ही ई-लर्निंग या ई-शिक्षा है—वह जीवन भर अच्छी शिक्षा देने का एक प्रभावी साधन है।

ई-प्रशासन इलेक्ट्रॉनिक प्रशासन से तात्पर्य इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में विकसित हुई युक्तियों का प्रशासन में प्रयोग करना है। ई-प्रशासन के माध्यम से सरकार और नागरिकों के बीच कम्प्यूटर के द्वारा सुरक्षित, विश्वसनीय और नियन्त्रित सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है।

कम्प्यूटर शब्दावली

- **प्रोग्राम** निर्देशों का एक सैट है, जो किसी कम्प्यूटर को दिए गए कार्य को पूरा करने में सक्षम बनाता है।
- **सॉफ्टवेयर** सॉफ्टवेयर उन प्रोग्रामों को कहा जाता है, जिनको हम हार्डवेयर पर चलाते हैं।
- **हार्डवेयर** यह किसी कम्प्यूटर के उन भागों को सामूहिक रूप से सन्दर्भित करते हैं, जिन्हें आप स्पर्श कर सकते हैं और महसूस कर सकते हैं।
- **फिनवेयर** यह हार्डवेयर में अन्तर्निहित सॉफ्टवेयर के रूप में परिभाषित है; जैसे—रोम, जो बेसिक इनपुट-आउटपुट सिस्टम (BIOS) है।
- **लिववेयर** सिस्टम पर काम करने वाले प्रयोक्ता को 'लिववेयर' कहा जाता है।
- **प्रोसेसिंग** समस्या का समाधान प्रस्तुत करने के लिए अनुचालित कार्रवाई का अनुक्रम।
- **कम्पाइलर** वह प्रोग्राम जो उच्चस्तरीय भाषा प्रोग्राम को मशीनी भाषा में परिवर्तित करता है। कम्पाइलर, प्रोग्राम के प्रत्येक कथन या निर्देश का अनुवाद करके उसे एक या अधिक मशीनी भाषा के निर्देशों में बदल देता है।
- **इन्टरप्रेटर** यह भी किसी उच्चस्तरीय प्रोग्राम को मशीनी भाषा में परिवर्तित करता है। परन्तु यह एक बार में प्रोग्राम के केवल एक कथन को एक या अधिक मशीनी भाषा के कथनों में अनुवाद करता है।
- **असेम्बलर** यह एक ऐसा प्रोग्राम होता है, जो असेम्बली भाषा में लिखे गए किसी प्रोग्राम को पढ़ता है और उसका अनुवाद मशीनी भाषा में कर देता है।
- **सिंगल यूजर** प्रारम्भिक कम्प्यूटरों पर एक बार में केवल एक उपयोगकर्ता का केवल एक कार्य (या प्रोग्राम) कराया जाता था। इस प्रकार के कम्प्यूटरों को सिंगल यूजर ऑपरेटिंग सिस्टम कहा जाता है।
- **मल्टी प्रोसेसिंग** इस तरह की प्रोसेसिंग द्वारा सीपीयू में अनेक प्रोसेसर होते हैं जो समानान्तर संचालित किए जाते हैं, इससे अनेक प्रोग्रामों को एक साथ कार्यान्वित करने की अनुमति दी जाती है।
- **मल्टी प्रोग्रामिंग** इस तरह की प्रोसेसिंग द्वारा एक ही समय में केन्द्र स्मृति संग्राहक में एक से अधिक प्रोग्रामों को रखने तथा उपलब्ध प्रोसेसर समय तथा बाह्य इकाइयों को बाँटने में समर्थ होती है।
- **[illegible] डाटा [illegible]** भी कहा जाता है। इस नीति में डाटा कम्यूनिकेशन लाइन्स द्वारा परस्पर जुड़े कम्प्यूटरों के नेटवर्क का उपयोग शामिल है। जहाँ प्रत्येक रिमोट लोकेशन सेन्ट्रल कम्प्यूटर तथा कुछ स्थानीय संसाधनों के साथ इनपुट-आउटपुट सम्प्रेषण के लिए छोटे कम्प्यूटर या लघु कम्प्यूटर हैं।
- **रीयल टाइम** रीअल टाइम प्रोसेसिंग ऐसे सिस्टमों को कहा जाता है जहाँ इनपुट डाटा को प्राप्त करते ही उसको तत्काल प्रोसेस कर दिया जाता है और तत्काल ही उसका आउटपुट दे दिया जाता है।
- **बिट** यह कम्प्यूटरों की मूल इकाई है। इसके एक (1) तथा शून्य (0) दो बिट हो सकते हैं।
- **निबल** चार बिटों का युग्म।
- **बाइट** आठ बिटों का युग्म।
- **शब्द** दो या दो से अधिक बाइट्स का युग्म।
- **डाटाबेस** यह विभिन्न प्रयोक्ताओं द्वारा आदान-प्रदान सामग्री का सामान्य संग्रह है। विशेष तौर पर इसकी मुख्य विशेषताएँ हैं
  - अतिरिक्त साम्रगी हटा दी जाती है।
  - साम्रगी किसी भी कार्यक्रम के लिए स्वतन्त्र है।
  - साम्रगी को एक साथ अनेक प्रयोक्ताओं द्वारा प्रयुक्त किया जाता है।
- **माइक्रोप्रोसेसर** एक एकल चिप आधारित युक्ति है जो अपने आप में पूरा प्रोसेसर है तथा अंकगणितीय तथा तार्किक कार्यों को करने में सक्षम है।
- **माइक्रो कम्प्यूटर** वर्ष 1980 में आईबीएम कम्पनी ने माइक्रो कम्प्यूटर उद्योग में प्रवेश किया। माइक्रो कम्प्यूटर में एक सिस्टम यूनिट, एक की-बोर्ड और विजुअल डिसप्ले यूनिट (VDU) होते हैं जबकि प्रिन्टर महज एक सहायक इकाई होता है।
- **मोड्यूलर** माइक्रो कम्प्यूटर का डिजाइन मोड्यूलर होता है। इसके मोड्यूल एक संवाहक से जुड़े रहते हैं। इसका संवाहक (या बस) PDP-11 के UNI-BUS का माइक्रो प्रोसेसर रूप है जबकि INTEL कम्प्यूटर MULTI-BUS आधारित होता है।
- **डेसकटॉप सिस्टम** चौथी पीढ़ी के माइक्रो कम्प्यूटरों जैसे IBM-PC और मैकिन्टोश आदि फ्लॉपी डिस्क ड्राइव (FDD) और CD ड्राइव्स वाले छोटे डेस्कटॉप सिस्टम हैं। इनमें एक माइक्रोप्रोसेसर, RAM और पाँच एक्सपेन्शन स्लॉट होते हैं।
- **हार्ड डिस्क ड्राइव** विनचेस्टर या हार्ड डिस्क की क्षमता फ्लॉपी डिस्क से काफी अधिक होती है, लेकिन

इन्हें फ्लॉपी डिस्क की तरह बदला नहीं जा सकता। आजकल की हार्ड डिस्क साढ़े तीन इंच तक छोटी हो सकती हैं।

- **ऑपरेटिंग सिस्टम** यह किसी भी कम्प्यूटर में ऐसे प्रोग्रामों का समूह है जो कम्प्यूटर में सभी ऑपरेशनों, जैसे–CPU मैमोरी, की-बोर्ड, फ्लॉपी डिस्क, VDU इत्यादि की देख-रेख और इन्तजाम रखता है। इसका मुख्य कार्य डिस्क में फाइलें सुरक्षित रखना और कम्प्यूटर और इसके अन्दर मौजूद अन्य पुर्जों में संचार बनाए रखना है।
- **एनीमेशन** अपनी कल्पना द्वारा बनाए गए चित्रों को स्थिर करके, सजीवता का प्रदर्शन करना तथा गतिशीलता का आभास करना।
- **रिजर्व शब्द** वह शब्द जो डाटा, नाम, फाइल नाम या प्रलिका नाम के रूप में प्रयुक्त किया जाता है।
- **रिमोट एक्सेस** कम्प्यूटर सिस्टम तथा उन एक या दो स्टेशनों, जो वास्तविक कम्प्यूटर प्रणाली से कुछ दूरी पर हैं, के बीच संचार।
- **रिस्पॉन्स टाइम** टाइम शेयरिंग सिस्टम में, टर्मिनल पर सन्देश के सृजन तथा टर्मिनल पर उत्तर की प्राप्ति के बीच व्यतीत समय।
- **रूटीन** विशेष कार्यों का या कार्यों के क्रम को निष्पादित बनाने के लिए कम्प्यूटर को निर्देश देने हेतु उचित क्रम में व्यवस्थित कूटबद्ध संकेतों का सैट।
- **सीरियल (क्रम)** एक समय में अनुक्रमिक क्रम में एकल युक्ति में कार्यों या प्रक्रियाओं को सम्भालना।
- **स्रोत भाषा** कम्प्यूटर प्रोग्राम को लिखने के लिए प्रोग्रामर द्वारा प्रयुक्त भाषा।
- **स्टोरेज** मैमोरी के समानार्थक।
- **स्रोत प्रोग्राम** उच्च-स्तरीय भाषा में लिखे कम्प्यूटर प्रोग्राम।
- **सिस्टम** प्रक्रियाओं या तकनीकों का समूह जो विशेष या वांछित कार्यों या ऑपरेशनों को सम्पादित करने के लिए सामूहिक प्रयास से मिलकर कार्य करते हैं।
- **टर्मिनल** कम्प्यूटर के साथ सम्प्रेषण के लिए एक युक्ति या बिन्दु।
- **बस** विभिन्न युक्तियों तक सामग्री (आँकड़ा) के सम्प्रेषण या ऊर्जा पहुँचाने के लिए प्रयुक्त पंक्ति या सर्किट।
- **डीबग** कम्प्यूटर प्रोग्राम या कम्प्यूटर में अनुचित कार्यों या इसके बाह्य उपस्करों में किसी त्रुटि का पता लगाना तथा उन्हें सुधारना।
- **डाटा-प्रोसेसिंग** डाटा पर निष्पादित कार्य।
- **फ्लो चार्ट** समस्या का परिभाषिक विश्लेषण या समाधान प्रस्तुत करने वाला लेखाचित्र जिसमें कार्यों, डाटा फ्लो या उपस्कर दर्शाने के लिए संकेत प्रयुक्त किए जाते हैं।
- **मैमोरी** कम्प्यूटर में चिप जहाँ बाइनरी कोड में जानकारी तथा अनुदेश संचित हैं।
- **ऑनलाइन** किसी उपकरण या प्रक्रिया से सन्दर्भित जो तत्काल प्रोसेसिंग तथा परिणाम के लिए कम्प्यूटर को सीधे जानकारी भेजता है।
- **ऑफलाइन** जो प्रत्यक्ष रूप से मुख्य कम्प्यूटर सिस्टम से जुड़ा नहीं होता है।
- **वेबसाइट** वह साइट जिस पर किसी विशेष तथ्य का नाम लिखने पर उस तथ्य के विषय में विस्तृत जानकारी प्राप्त होती है।
- **जूम** इसके द्वारा, किसी चित्र या तथ्य को बड़ा करके देखा जाता है।

भारत की प्रमुख वैज्ञानिक शोध संस्थाएँ

संस्थाएँ	मुख्यालय
राष्ट्रीय वनस्पति शोध संस्थान	लखनऊ (उ.प्र.)
वन शोध संस्थान	देहरादून (उत्तराखण्ड)
केन्द्रीय औषधि शोध संस्थान	लखनऊ (उ.प्र.)
केन्द्रीय खाद्य तकनीकी शोध संस्थान	मैसूर (कर्नाटक)
केन्द्रीय औषधि एवं सुगन्धित पादप संस्थान	लखनऊ (उ.प्र.)
राष्ट्रीय जैविक प्रयोगशाला	पालमपुर (हि. प्रदेश)
केन्द्रीय जूट तकनीकी शोध संस्थान	कोलकाता (प. बंग)
केन्द्रीय तम्बाकू शोध संस्थान	राजमुन्दरी (आ.प्र.)
भारतीय शर्करा तकनीकी संस्थान	कानपुर (उ.प्र.)
केन्द्रीय चावल शोध संस्थान	कटक (ओडिशा)
भारतीय लाख शोध संस्थान	राँची (झारखण्ड)
औद्योगिक विष विज्ञान शोध केन्द्र	लखनऊ (उ.प्र.)
हिन्दुस्तान एन्टीबायोटिक्स लि.	पूना (महाराष्ट्र)
राष्ट्रीय पर्यावरण इन्जीनियरिंग शोध संस्थान	नागपुर (महाराष्ट्र)
राष्ट्रीय मलेरिया संस्थान	नई दिल्ली

संस्थाएँ	मुख्यालय
बोस अनुसन्धान संस्थान	कोलकाता
वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसन्धान परिषद्	नई दिल्ली
राष्ट्रीय डेयरी शोध संस्थान	करनाल (हरियाणा)
भारतीय कैंसर शोध केन्द्र	मुम्बई (महाराष्ट्र)
भाभा परमाणु शोध केन्द्र	ट्रॉम्बे (महाराष्ट्र)
टाटा फण्डामेन्टल शोध संस्थान	मुम्बई (महाराष्ट्र)
केन्द्रीय चमड़ा शोध संस्थान	मद्रास (तमिलनाडु)
भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्	नई दिल्ली
केन्द्रीय राष्ट्रीय पादप संग्रहालय	कोलकाता (प.बंग)
केन्द्रीय नारियल शोध संस्थान	कोसरगोड (केरल)
केन्द्रीय पब्लिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग शोध संस्थान	नागपुर (महाराष्ट्र)
केन्द्रीय वैज्ञानिक उपकरण संस्थान	चण्डीगढ़
केन्द्रीय आलू शोध संस्थान	शिमला (हि.प्र.)
केन्द्रीय आम शोध संस्थान	लखनऊ (उ.प्र.)
कपास तकनीकी शोध प्रयोगशाला	मुम्बई (महाराष्ट्र)
केन्द्रीय गन्ना प्रजनन संस्थान	कोयम्बटूर (केरल)

सामान्य ज्ञान

शब्द संक्षेप

A

AAFI	एमेच्योर एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इण्डिया
ABC	ऑडिट ब्यूरो ऑफ सर्कुलेशन
ABM	एण्टी-बैलेस्टिक मिसाइल
ABVP	अंखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद्
AC	अल्टरनेटिंग करेन्ट
AD	एन्नो डोमिनी (ईस्वी सन्)
ADB	एशियन डेवलपमेंट बैंक
AIDS	एक्वायर्ड इम्यूनो डेफिशियेन्सी सिंड्रोम
AIIMS	आल इण्डिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज
AM	एण्टी मेरीडियन (मध्याह्न पूर्व)
AP	एसोसिएटेड प्रेस
ARC	एडमिनिस्ट्रेटिव रिफॉर्म्स कमीशन
ASI	आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इण्डिया
ASSOCHAM	एसोसिएटेड चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री
ATM	ऑटोमेटेड टेलर मशीन
AWACS	एयर बोर्न वार्निंग एण्ड कन्ट्रोल सिस्टम

B

BA	बकालोरियस आर्टियम, एकाडेमी बेचलर ऑफ आर्ट्स, ब्रिटिश एकाडेमी
BAMS	बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एण्ड सर्जरी
BARC	भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर
BBC	ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन
BC	बिफोर क्राइस्ट (ईसा पूर्व)
BCG	बेसिलस कालमेटी गुइरिन
BCCI	बोर्ड ऑफ कन्ट्रोल फॉर क्रिकेट इन इंडिया
BEL	भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
BHEL	भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
BIFR	बोर्ड फॉर इण्डस्ट्रियल एण्ड फाइनेंशियल रीकंस्ट्रक्शन
BIS	बैंक ऑफ इण्टरनेशनल सेटलमेंट
BRTS	बस रैपिड ट्रांजिट सिस्टम
BSE	बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज
BSF	बॉर्डर सिक्यूरिटी फोर्स

C

CADA	कमाण्ड एरिया डेवलपमेंट एजेन्सी
CBDT	सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज
CAZRI	सेन्ट्रल एरिड जोन रिसर्च इंस्टीट्यूट
CBS	कोर बैंकिंग सोल्यूशन
CDP	कम्युनिटी डेवलपमेंट प्रोग्राम
CIA	क्रिमिनल इन्वेस्टीगेशन एजेन्सी, सेन्ट्रल इन्टेलीजेन्स एजेन्सी (अमेरिका)
CID	क्रिमिनल इन्वेस्टीगेशन डिपार्टमेंट
CII	कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज
CIL	कोल इण्डिया लिमिटेड
CITU	सेन्टर ऑफ इण्डियन ट्रेड यूनियन्स
CNG	कम्प्रेस्ड नेचुरल गैस
COFEPOSA	कन्जर्वेशन ऑफ फॉरेन एक्सचेंज एण्ड प्रिवेंशन्स ऑफ स्मगलिंग एक्ट
COD	कैश ऑन डिलीवरी
CSO	सेन्ट्रल स्टैटिस्टिकल ऑर्गेनाइजेशन
CRPF	सेन्ट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स
CRPC	क्रिमिनल प्रोसीजर कोड
CTBT	कॉम्प्रीहेंसिव टेस्ट बैन ट्रीटी
CVC	चीफ विजिलेंस कमीशन

D

DDT	डाइक्लोरो डाईफेनिल-ट्राइक्लोरो-एथीन
DNA	डिऑक्सी-राईबोस न्यूक्लिक एसिड
DRDA	डिस्ट्रिक्ट रूरल डेवलपमेन्ट एजेन्सी
DRDO	डिफेंस रिसर्च एण्ड डेवलपमेन्ट ऑर्गेनाइजेशन
DTH	डायरेक्ट-टू-होम
DTP	डेस्क टॉप पब्लिशिंग

E

ECA	इकोनॉमिक कोआपरेशन एडमिनिस्ट्रेशन
ECG	इलेक्ट्रो-कार्डियोग्राम
eg	एक्जांपलि ग्रेशिया; उदाहरण के तौर पर; सच ऐज
EMI	इक्विटेड मंथली इंस्टालमेन्ट
EMS	यूरोपियन मॉनिटरिंग सिस्टम
ENSREG	यूरोपियन न्यूक्लियर सेफ्टी रेग्यूलेटरी ग्रुप
etc	एटसेटरा; (आदि, आदि)
EPZ	एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जोन
ERDA	एनर्जी रिसर्च एण्ड डेवलपमेन्ट एडमिनिस्ट्रेशन
ESCAP	इकोनॉमिक एण्ड सोशल कमीशन फॉर एशिया एण्ड पैसिफिक
ESIC	एम्प्लाइज स्टेट इन्श्योरेंस कॉरपोरेशन
EVM	इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन

F

FBI फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन
FCI फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया
FERA फॉरेन एक्सचेंज रेगुलेशन एक्ट (भारत)
FICCI फेडरेशन ऑफ इण्डियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री
FIR फर्स्ट इन्फॉर्मेशन रिपोर्ट
FM फ्रिक्वेंसी मॉड्यूलेशन

G

GATT जनरल एग्रीमेंट ऑन टैरिफ्स एण्ड ट्रेड
GCC गल्फ कॉपरेशन काउंसिल
GI गवर्नमेंट इश्यू
GIST ग्राफिक एण्ड इंटेलिजेंस बेस्ट स्क्रिप्ट टेक्नोलॉजी
GM जैनेटिकली मौडिफाइड
GMT ग्रीनविच मीन टाइम
GNP ग्रॉस नेशनल प्रोडक्ट
GPEI ग्लोवल पोलियो इरेडिकेशन इनिशिएटिव
GPO जनरल पोस्ट ऑफिस
GPS ग्लोवल पॉजिशनिंग सिस्टम
GRT ग्रास रेटेड टनेज
GSLV जियोसिंक्रोनेस सेटेलाइट लांच व्हीकल
GST गुड्स एण्ड सर्विसेज टैक्स

H

HAL हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड
HDI ह्यूमन डेवलपमेन्ट इण्डेक्स
HEL हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
HMT हिन्दुस्तान मशीन टूल्स
HSL हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड
HTML हाई टेक्सट मार्कअप लैंग्वेज
HUDCO हाउसिंग एण्ड अर्वन डेवलपमेन्ट कॉर्पोरेशन
HUVS हाई यील्ड वैरायटी सीड्स

I

IAA इन्टरनेशनल एयरपोर्ट्स अथॉरिटी
IAAS इण्डिया ऑडिट एण्ड एकाउन्ट्स सर्विस
IAEA इन्टरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेन्सी
IARI इण्डियन एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट
IBM इन्टरनेशनल बिजनेस मशीन्स
IBRD इन्टरनेशनल बैंक ऑफ रिकंस्ट्रक्शन एण्ड डेवलपमेन्ट
ICAR इण्डियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च
ICICI इण्डस्ट्रियल क्रेडिट इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड
ICWA इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड वर्क्स एकाउण्टस
IDA इन्टरनेशनल डेवलपमेन्ट एजेन्सी
IDBI इण्डस्ट्रियल डेवलपमेन्ट बैंक ऑफ इण्डिया
IDPL इण्डियन ड्रग्स एण्ड फार्मास्यूटिकल्स लि.
IFS इण्डियन फॉरेन सर्विस, इण्डियन फॉरेस्ट सर्विस
IMA इण्डियन मेडिकल एसोसिएशन
INA इण्डियन नेशनल आर्मी
INS इण्डियन नेवल शिप; इण्डियन न्यूजपेपर्स सोसायटी
INTUC इण्डियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस
INSAT इण्डियन नेशनल सेटेलाइट
INTELSAT इन्टरनेशनल टेली-कम्युनिकेशन सेटेलाइट
IPC इण्डियन पेनल कोड
IPL इण्डियन प्रीमियर लीग
IQ इन्टेलीजेन्स क्योसेंट
IRBM इन्टरमीडिएट रेन्ज बैलिस्टिक मिसाइल
IRCON इण्डियन रेलवे कंस्ट्रक्शन कम्पनी
ISAF इन्टरनेशनल सिक्यूरिटी असिस्टेंस फोर्स
ISI इण्डियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट, इण्टर-सर्विसेज इंटेलीजेंस (पाकिस्तान)
ISRO इण्डियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन
IST इण्डियन स्टैण्डर्ड टाइम
ITI इण्डस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट

J

JCO जूनियर कमीशण्ड आफिसर
JNNURM जवाहरलाल नेहरू नेशनल अर्बन रिनुअल मिशन

K

KG नाइट ऑफ द गार्टर, किण्डर गार्टेन
KMT कोमिनतांग (चीन की नेशनल आर्मी)

L

LASER लाइट एम्प्लीफिकेशन बाई स्टीमुलेटेड एमिशन ऑफ रेडियेशन
LCD लिक्विड क्रिस्टल डिस्प्ले
LED लाइट इमिटिंग डायोड
LIC लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन
LPG लिक्वीफाइड पेट्रोलियम गैस
LSD लिसर्जिक एसिड डी-एथिलाइ-माइड

M

MBBS बैचलर ऑफ मेडिसिन एण्ड बैचलर ऑफ सर्जरी
MCG मेलबोर्न क्रिकेट ग्राउंड
MIP मून इम्पैक्ट प्रोब
MMTC मिनरल्स एण्ड मेटल्स ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन
MNC मल्टी नेशनल कम्पनी
MNREGA महात्मा गाँधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना
MODVAT मोडीफाइड वैल्यू एडेड टैक्स
MRTPC मोनोपोली एण्ड रेस्ट्रिक्टिव ट्रेड प्रेक्टिसेज कमीशन

N

NABARD	नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एण्ड रूरल डेवलपमेन्ट
NACO	नेशनल एड्स कन्ट्रोल ऑर्गेनाइजेशन
NADA	नेशनल एंटी डोपिंग एजेन्सी
NAFED	नेशनल एग्रीकल्चर एण्ड कोआपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इण्डिया लि.
NASA	नेशनल एयरोनॉटिक्स एण्ड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन
NBT	नेशनल बुक ट्रस्ट
NCC	नेशनल कैडेट कोर
NCERT	नेशनल काउंसिल ऑफ एजूकेशन रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग
NDA	नेशनल डिफेन्स एकेडमी
NEPA	नेशनल एनवायरमेंट प्रोटेक्शन अथॉरिटी
NMDC	नेशनल मिनरल डेवलपमेन्ट कॉर्पोरेशन
NPA	नॉन पर्फोर्मिंग एसेट्स
NPSP	नेशनल पोलियो सर्विलांस प्रोजेक्ट
NIPC	नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन
NRI	नॉन रेजिडेन्शियल इण्डियन
NSSO	नेशनल सेम्पल सर्वे ऑर्गेनाइजेशन

O

ODI	वन डे इंटरनेशनल
OED	ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी
OEEC	ऑर्गनाइजेशन फॉर यूरोपियन इकोनॉमिक कोऑपरेशन
OGL	ओपन जनरल लाइसेंस
OXFAM	ऑक्सफोर्ड कमेटी फॉर फेमिन रिलीफ
OIGS	ऑन इण्डिया गवर्नमेंट सर्विस
OMR	ऑप्टिकल मार्क रीडर
ONGC	ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कमीशन

P

PAN	परमानेन्ट एकाउण्ट नम्बर
PDA	प्रिवेन्टिव डिटेंक्शन एक्ट
PIB	प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो
PIN	पोस्टल इण्डेक्स नम्बर
PM	पोस्ट मेरीडियम, प्राइम मिनिस्टर
POTA	प्रिवेंशन ऑफ टेररिस्ट एक्टिविटी
Pro-tem	प्रोटेम्पोर (अस्थायी)
PPP	पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप
PTI	प्रेस ट्रस्ट ऑफ इण्डिया; फिजिकल ट्रेनिंग इंस्ट्रक्टर
PVC	पोली विनाइल क्लोराइड, परमवीर चक्र

Q

QMG	क्वार्टर मास्टर जनरल
QMS	क्विक मेल सर्विस

R

RADAR	रेडियो डिटेक्टिंग एण्ड रेंजिंग
R&D	रिसर्च एण्ड डेवलपमेन्ट
RAM	रेण्डम एक्सेस मैमोरी
RNI	रजिस्ट्रार ऑफ न्यूजपेपर्स ऑफ इण्डिया
RRC	रिएक्टर रिसर्च सेन्टर

S

SAI	स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इण्डिया
SAIL	स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड
SEZ	स्पेशल इकोनॉमिक जोन
SCI	शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया
SCRA	स्पेशल क्लास रेलवे एप्रेन्टिस
SEATO	साउथ-ईस्ट एशिया ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन
SIM	सब्सक्राइवर आइडेंटिफिकेशन मोड्यूल
SITE	सेटेलाइट इंस्ट्रक्शन टेलीविजन एक्सपेरीमेंट
SLV	सेटेलाइट लांच व्हिकल
STD	सब्सक्राइवर ट्रंक डायलिंग, सेक्सुएली ट्रांसमिटेड डिसीजेज
SVP	सेचुरेटेड वेपर प्रेशर

T

TB	ट्यूबरक्लोसिस
TC	ट्रस्टीशिप काउंसिल (संयुक्त राष्ट्र)
TELCO	टाटा इंजीनियरिंग एण्ड लोकोमोटिव कम्पनी
TISCO	टाटा आयरन एण्ड स्टील कम्पनी
TMO	टेलीग्राफ मनीऑर्डर
TNT	ट्राई नाइट्रो टॉलुइन
TRAI	टेलीफोन रेग्युलेटरी अथॉटिटी ऑफ इंण्डिया
TTE	ट्रेवलिंग टिकट एक्जामिनर
TWA	ट्रांस-वर्ल्ड एयरलाइन्स

U

UNCTAD	यूनाइटेड नेशन्स कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रेड एण्ड डेवलपमेन्ट
UNESCO	यूनाइटेड नेशन्स एजुकेशनल साइंटिफिक एण्ड कल्चरल ऑर्गनाइजेशन
UNFCCC	यूनाइटेड नेशन्स फ्रेमवर्क कन्वेन्शन ऑन क्लाइमेट चेंज
UNI	यूनाइटेड न्यूज ऑफ इण्डिया
UNICEF	यूनाइटेड नेशन्स इन्टरनेशनल चिल्ड्रन्स एमरजेन्सी फण्ड

V

VAPP	वैक्सीन एसोसिएटेड पैरालाइटिक पोलियो
VAT	वैल्यू एडेड टैक्स
VPP	वैल्यू पेयबल पोस्ट
VRS	वोलंटरी रिटायरमेन्ट स्कीम

W

WADA वर्ल्ड एंटी डोपिंग एजेन्सी
WAY वर्ल्ड एसेम्बली ऑफ यूथ
wef विद इफेक्ट फ्रॉम (से प्रभावी या लागू)
WFTU वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ ट्रेड यूनियन्स
WLL वायरलेस इन लोकल लूप
WMO वर्ल्ड मेटियोरोलॉजिकल ऑर्गनाइजेशन
WPU वाइल्ड पोलियो वायरस
WSF वर्ल्ड सोशल फोरम
WWF वर्ल्ड वाइल्ड लाइफ फण्ड

Y

YMCA यंग मेन्स क्रिश्चियन एसोसिएशन
YWCA यंग विमेन्स क्रिश्चियन एसोसिएशन

Z

ZETA जीरो एनर्जी थर्मोन्यूक्लियर एसेम्बली
ZS जूलोजिकल सोसाइटी
ZIP जोनल इम्प्रूवमेंट प्लान

महत्त्वपूर्ण दिवस *राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय*

जनवरी

9 प्रवासी भारतीय दिवस
12 राष्ट्रीय युवा दिवस
15 थल सेना दिवस
25 राष्ट्रीय पर्यटन दिवस
26 गणतन्त्र दिवस/अन्तर्राष्ट्रीय कस्टम दिवस
30 शहीद दिवस

फरवरी

24 केन्द्रीय उत्पाद दिवस
28 राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

मार्च

द्वितीय गुरुवार–विश्व किडनी दिवस
8 अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस
15 विश्व विकलांग दिवस/विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस
21 विश्व वन दिवस निवारण दिवस, विश्व वानिकी दिवस
22 विश्व जल दिवस
23 विश्व मौसम विज्ञान दिवस/शहीद दिवस
24 विश्व तपेदिक/क्षयरोग दिवस

अप्रैल

7 विश्व स्वास्थ्य दिवस
18 विश्व विरासत दिवस
22 विश्व पृथ्वी दिवस

मई

प्रथम मंगलवार–विश्व दमा दिवस
द्वितीय रविवार–मातृ दिवस
1 श्रमिक दिवस
3 विश्व प्रेस स्वतन्त्रता दिवस/अन्तर्राष्ट्रीय सूर्य दिवस (सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए)
8 विश्व रेडक्रॉस दिवस
11 राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस
17 विश्व दूरसंचार दिवस
24 राष्ट्रमण्डल दिवस
31 विश्व तम्बाकू निषेध दिवस

जून

तृतीय रविवार–पिता दिवस
1 वर्ल्ड मिल्क डे (एफएओ)
5 विश्व पर्यावरण दिवस
15 विश्व रक्तदान दिवस
29 राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस

जुलाई

1 चिकित्सक दिवस
11 विश्व जनसंख्या दिवस
27 विश्व मधुमेह दिवस

अगस्त

प्रथम रविवार–अन्तर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस
6 हिरोशिमा दिवस
9 भारत छोड़ो दिवस
15 भारतीय स्वतन्त्रता दिवस
29 राष्ट्रीय खेल दिवस

सितम्बर

5 शिक्षक दिवस
8 विश्व साक्षरता दिवस (यूनेस्को)
14 राष्ट्रीय हिन्दी दिवस
16 विश्व ओजोन दिवस
27 विश्व पर्यटन दिवस

अक्टूबर

1 अन्तर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस
2 गाँधी जयन्ती/अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस/लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती
8 भारतीय वायुसेना दिवस
10 डाक दिवस (विश्व)
13 संयुक्त राष्ट्र प्राकृतिक आपदा दिवस
16 विश्व खाद्य दिवस
24 संयुक्त राष्ट्र दिवस

नवम्बर

- **12** राष्ट्रीय पक्षी दिवस
- **14** बाल दिवस/डायबिटीज दिवस
- **17** राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस
- **19** विश्व नागरिक दिवस
- **20** यूनिवर्सल चिल्ड्रेन डे (यूएन)
- **26** राष्ट्रीय विधि दिवस/विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस

दिसम्बर

- **1** विश्व एड्स दिवस
- **4** जलसेना दिवस (भारत)
- **7** सशस्त्र सेना झण्डा दिवस
- **10** विश्व मानवाधिकार दिवस
- **18** अल्पसंख्यक अधिकार दिवस (भारत)
- **23** किसान दिवस
- **24** राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस

विश्व के प्रमुख देश *राजधानियाँ एवं मुद्राएँ*

देश	राजधानी	मुद्रा
	एशिया	
भारत	नई दिल्ली	रुपया
पाकिस्तान	इस्लामाबाद	रुपया
नेपाल	काठमाण्डू	रुपया
श्रीलंका	कोलम्बो	रुपया
बांग्लादेश	ढाका	टका
भूटान	थिम्पू	गुलदुम
म्यांमार (बर्मा)	रंगून (यांगून)	क्यात
मालदीव	माले	रुपया
अफगानिस्तान	काबुल	अफगानी
चीन	बीजिंग	युआन
मंगोलिया	उलानबटोर	तुगरिक
जापान	टोकियो	येन
ताइवान	ताइपे	डॉलर
थाइलैण्ड	बैंकाक	थाईवहत
वियतनाम	हनोई	डांग
कम्बोडिया	नोम पेन्ह	रिएल
उत्तरी कोरिया	प्योंगयांग	वॉन
दक्षिणी कोरिया	सियोल	वॉन
हांगकांग	विक्टोरिया	डॉलर
फिलीपीन्स	मनीला	पेसो
सिंगापुर	सिंगापुर	सिंगापुरी डॉलर
मकाओ	मकाओ	पटाका
इण्डोनेशिया	जकार्ता	रुपया
मलेशिया	क्वालालम्पुर	डॉलर
लाओस	वियन्तियाने	न्यूकिपलाओ
साइप्रस	निकोसिया	साइप्रस पाउण्ड
ईरान	तेहरान	रियाल
इराक	बगदाद	इराकी दीनार
बहरीन	मनामा	दीनार
तुर्की	अंकारा	लीरा
सं.अ. अमीरात	आबूधाबी	दिरहम
सऊदी अरब	रियाद	सऊदी रियाल
कुवैत	कुवैत सिटी	कुवैती दीनार
यमन	साना	यमनी रियाल
सीरिया	दमिश्क	सीरियन पाउण्ड
लेबनान	बेरूत	पाउण्ड
कजाकिस्तान	अल्माटा	रूबल
उज्बेकिस्तान	ताशकन्द	रूबल
किर्गिजस्तान	बिशकेक	रूबल

देश	राजधानी	मुद्रा
जॉर्डन	अम्मान	जॉर्डन दीनार
इजराइल	जेरूसलम	न्यू गेकेल
कतर	दोहा	रियाल
ताजिकिस्तान	दुशाम्बे	रूबल
अजरबैजान	बाकू	मनात
	अफ्रीका	
मिस्र	काहिरा	पाउण्ड
दक्षिण अफ्रीका	प्रिटोरिया	रैण्ड
लीबिया	त्रून (त्रिपोली)	दीनार
मोरक्को	रबात	दरहम
नाइजीरिया	लागोस	नैरा
घाना	अकरा	केडी
ट्यूनीशिया	ट्यूनिश	दीनार
अंगोला	लुआंडा	क्वांजा
नामीबिया	विंडहॉक	रैंड
सूडान	खारतूम	पाउण्ड
कांगो	किंशासा	जैरे
सोमालिया	मोगादिशू	शिलिंग
सेशेल्स	विक्टोरिया	रुपया
इथोपिया	अदिस अबाबा	बिर्र
टोगो	लोमे	फ्रैंक
युगाण्डा	कम्पाला	शिलिंग
बोत्सवाना	गेबोरोन	पुला
कैमरून	याओण्डे	फ्रैंक
कीनिया	नैरोबी	शिलिंग
मॉरिशस	पोर्ट लुइस	रुपया
नाइजर	नियामी	फ्रैंक
तंजानिया	दारेस्सलाम	शिलिंग
जाम्बिया	लुसाका	क्वाचा
मेडागास्कर	अन्तानानरीबो	फ्रैंक
अल्जीरिया	अल्जीयर्स	दीनार
रवांडा	केगाली	फ्रैंक
जिम्बाब्वे	हरारे	डॉलर
सेनेगल	डकार	फ्रैंक
इरीट्रिया	अस्मारा	बिर्र
बुर्किनाफासो	क्वागादौगो	फ्रैंक
कांगो	ब्राजविले	फ्रैंक
माली	बमाको	फ्रैंक
मोजाम्बिक	मपूतो	मेटीकल
गिनी	कोनाक्रे	फ्रैंक

देश	राजधानी	मुद्रा
यूरोप		
ग्रीस	एथेन्स	यूरो
बेल्जियम	ब्रुसेल्स	यूरो
डेनमार्क	कोपेनहेगन	क्रोन
फ्रांस	पेरिस	यूरो
स्पेन	मेड्रिड	यूरो
पुर्तगाल	लिस्बन	यूरो
इटली	रोम	यूरो
बुल्गारिया	सोफिया	लेवा
ग्रेट ब्रिटेन	लन्दन	पाउण्ड स्टर्लिंग
रूस	मास्को	रूबल
अल्बानिया	लिराना	लेक
पोलैण्ड	वारसा	ज्लोटी
हंगरी	बुडापेस्ट	फ्रोरिंट
नार्वे	ओस्लो	क्रोन
जर्मनी	बर्लिन	यूरो
फिनलैण्ड	हेलसिंकी	यूरो
नीदरलैण्ड	एमस्टरडम	यूरो
चेक गणराज्य	प्राग	कोरूना
स्वीडन	स्टाकहोम	क्रोना
स्विट्जरलैण्ड	बर्न	फ्रैंक
सर्बिया	बेलग्रेड	दीनार
बोस्निया	सरायेबो	दीनार
यूक्रेन	कीव	हिरविनिया
जार्जिया	तिब्लिसी	रूबल
लिथुआनिया	विल्नियन	लितास
साइप्रस	निकासिया	यूरो
लातविया	रीगा	रूबल
बेलारूस	मिंमिस्क	रूबल
आस्ट्रिया	वियना	यूरो
स्लोवाक गणराज्य	ब्रातिस्लावा	यूरो
रोमानिया	बुखारेस्ट	ल्यू
माल्दाविया	किशीनेवा	रूबल
आयरलैण्ड	डबलिन	यूरो
मोन्टेनीग्रो	पोडगोरिका	यूरो
उत्तरी अमेरिका एवं कैरीबियन सागर के देश		
संयुक्त राज्य अमेरिका	वाशिंगटन डी सी	डॉलर
कनाडा	ओटावा	डॉलर
मैक्सिको	मैक्सिको सिटी	पीसो
क्यूबा	हवाना	पीसो
ग्रीनलैण्ड	रूक (गाडयाव)	क्रोन
पनामा	पनामा सिटी	वालबोआ
बारबाडोस	ब्रिजटाउन	डॉलर
अल-सल्वाडोर	सान सल्वाडोर	कोलन
हैती	पोर्ट ऑफ प्रिन्स	गौर्ड
जमैका	किंगस्टन	डॉलर
त्रिनिदाद एण्ड टोबैगो	पोर्ट ऑफ स्पेन	डॉलर

देश	राजधानी	मुद्रा
दक्षिण अमेरिका		
अर्जेण्टीना	ब्यूनस आयर्स	आस्ट्रल
बोलीविया	लापाज	बोलीवियानो
ब्राजील	ब्रासीलिया	क्रुजादो
चिली	सेण्टियागो	पीसो
कोलम्बिया	बोगोटा	पीसो
इक्वाडोर	क्विटो	सुर्के
फ्रेन्च गुयाना	कोयेन्ने	फ्रैंक
पराग्वे	असनश्यान	गुआरानी
पेरू	लीमा	न्यवोसोल
सूरीनाम	पारामारिबो	गिल्डर
उरूग्वे	मोन्टेवीडियो	पीसो
वेनेजुएला	काराकस	बोलिवर
ओसनियाई देश		
ऑस्ट्रेलिया	कैनबरा	डॉलर
फिजी	सूवा	डॉलर.
न्यूजीलैण्ड	वेलिंग्टन	डॉलर
पापुआ न्यू गिनी	पोर्ट मोरेस्वी	किना
पूर्वी तिमोर	डिली	यूएस डालर

विश्व *सर्वाधिक बड़ा, लम्बा, ऊँचा, छोटा*

▪ सबसे बड़ा महाद्वीप	एशिया
▪ सबसे छोटा महाद्वीप	ऑस्ट्रेलिया
▪ सबसे बड़ा देश	रूस (क्षेत्रफल की दृष्टि से)
▪ सबसे विशाल मन्दिर	अंकोरवाट का मन्दिर
▪ सबसे लम्बा वृक्ष	फाउण्डर का वृक्ष, कैलीफोर्निया (सं. रा. अमेरिका)
▪ सबसे विशाल जलप्रपात	एंजिल (वेनेजुएला)
▪ सबसे विशाल ज्वालामुखी	मौनालोआ (हवाई द्वीप)
▪ सर्वाधिक ऊँचा ज्वालामुखी	माउंट कोटोपैक्सी, इक्वेडोर (दक्षिण अमेरिका)
▪ सर्वाधिक लम्बी पर्वत शृंखला	एण्डीज (दक्षिण अमेरिका)
▪ सबसे बड़ा एवं गहरा महासागर	प्रशान्त महासागर
▪ सर्वाधिक लम्बी सीमा वाला देश	कनाडा
▪ सबसे छोटी सीमा वाला देश	जिब्राल्टर
▪ सर्वाधिक पड़ोसियों वाला देश	रूस एवं चीन (14 देश)
▪ सबसे बड़ी रेलवे लाइन	ट्रांस साइबेरियन रेलमार्ग (लंबाई 9,438 किमी)
▪ सबसे बड़ा चिड़ियाघर	एटोजा रिजर्व (नामीबिया)
▪ सर्वाधिक ऊँचा हवाई अड्डा	बेंगडा हवाई अड्डा (तिब्बत)
▪ सबसे व्यस्त हवाई अड्डा	शिकागो इन्टरनेशनल एयरपोर्ट, ओहायर फील्ड (सं. रा. अमेरिका)

▪ सबसे बड़ा मनोरंजन स्थल	डिज्नी वर्ल्ड, मध्य फ्लोरिडा (सं.रा. अमेरिका)
▪ सबसे लम्बी नदी	नील नदी
▪ सबसे चौड़ी नदी	अमेजन (द. अमेरिका)
▪ सबसे बड़ी खारे पानी की झील	कैस्पियन सागर (रूस)
▪ सबसे बड़ी मीठे पानी की झील	लेक सुपीरियर (सं.रा. अमेरिका)
▪ सबसे गहरी झील	बैकाल झील (साइबेरिया)
▪ सबसे बड़ा मरुस्थल	सहारा मरुभूमि (अफ्रीका)
▪ सबसे बड़ा बन्दरगाह	न्यूयार्क एवं न्यू जर्सी (सं.रा. अमेरिका)
▪ हीरा व्यापार का सबसे बड़ा केन्द्र	एंटवर्प (बेल्जियम)
▪ सबसे व्यस्त व्यापारिक नदी	राइन नदी (जर्मनी)
▪ सबसे बड़ा राजमार्ग	ट्रांस कैनेडियन राजमार्ग (सेंट जांस से बैंकूवर)
▪ सबसे लम्बी रेलवे सुरंग	सिंपलन टनेल (स्विट्जरलैण्ड)
▪ सबसे बड़ा नदी बाँध	हीराकुड बाँध (महानदी, भारत)
▪ सबसे विशाल दलदल	प्रीपेट दलदल (साइबेरिया क्षेत्र)
▪ सबसे ऊँची पर्वत चोटी	माउण्ट एवरेस्ट (नेपाल हिमालय, ऊँचाई-8,848 मी)
▪ सबसे बड़ा द्वीप समूह	इण्डोनेशिया (13,000 से अधिक द्वीप)
▪ सर्वाधिक जनसंख्या वाला नगर	शंघाई
▪ सबसे बड़ी खाड़ी	मैक्सिको की खाड़ी
▪ सबसे ऊँचा पठार	तिब्बत का पठार
▪ सबसे लम्बा रेलवे प्लेटफार्म	गोरखपुर (उ.प्र.)
▪ सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन	ग्रैण्ड सेन्ट्रल टर्मिनल, (न्यूयार्क 3)
▪ सबसे बड़ा डेल्टा	सुन्दरवन
▪ सर्वाधिक ऊँचाई पर स्थित झील	टिसी सिकरु (तिब्बत)
▪ सबसे ऊँचा झरना	साल्टो एंजेल्स फॉल (वेनेजुएला)
▪ सबसे बड़ा पार्क	यलोस्टोन पार्क (सं रा अमेरिका)
▪ सबसे बड़ी धूप-घड़ी	सम्राट यन्त्र, जयपुर, (राजस्थान)
▪ सबसे लम्बी सहायक नदी	मेडिरा (अमेजन की सहायक, लम्बाई 3,380 किमी)
▪ सबसे छोटी नदी	डी नदी (यूएसए)
▪ सबसे छोटा देश	वेटिकन सिटी
▪ सबसे ऊँची सड़क	लेह-मनाली मार्ग (भारत)
▪ सबसे बड़ा सड़क पुल	महात्मा गाँधी सेतु (पटना, भारत)
▪ सबसे ऊँचा नगर	वेनचुआन (तिब्बत)

▪ सबसे ऊँची राजधानी	लापाज (बोलिविया)
▪ सबसे ठण्डा प्रदेश बर्खोयांस्क (साइबेरिया)	बोस्टक (अन्टार्कटिका)
▪ सबसे ऊँची मीनार	कुतुबमीनार (भारत)
▪ सबसे बड़ा गिरजाघर	वेसिलिका ऑफ सेन्ट पीटर वेटिकन, (इटली)
▪ सबसे बड़ा महल	वेटिकन सिटी पैलेस (इटली)
▪ सबसे बड़ा प्लैनेटोरियम	मियाझाकी (जापान)
▪ सबसे ऊँचा पशु	जिराफ
▪ सबसे विशालकाय पशु	ब्लू ह्वेल
▪ सबसे बड़ा पक्षी	ऑस्ट्रिच (शुतुरमुर्ग)
▪ सबसे छोटा पक्षी	हमिंग बर्ड
▪ सर्वाधिक बुद्धिमान पशु	चिम्पैंजी
▪ सबसे लम्बी दीवार	चीन की दीवार
▪ सबसे बड़ा स्टेडियम	स्टारहोव स्टेडियम प्राग, (चेकोस्लोवाकि)
▪ सबसे बड़ा इनडोर स्टेडियम	सुपरडोम लुसियाना (सं रा अमेरिका)
▪ सर्वाधिक वर्षा का स्थान	मासिनराम (मेघालय, भारत)
▪ सबसे बड़ा घण्टाघर	द ग्रेट बेल ऑफ मास्को (रूस)
▪ सबसे बड़ा बन्दरगाह	न्यूयार्क (सं रा अमेरिका)
▪ सबसे बड़ा हवाई अड्डा	खालिद हवाई अड्डा रियाद, (सऊदी अरब)
▪ सबसे बड़ी गुम्बज	लुसियाना सुपरडोम (सं.रा. अमेरिका)
▪ सबसे बड़ी मूर्ति	स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी (सं राज्य अमेरिका)
▪ सबसे बड़ा संग्रहालय	ब्रिटिश संग्रहालय (लन्दन)
▪ सबसे बड़ा पुस्तकालय	कांग्रेस पुस्तकालय (लन्दन)
▪ सबसे बड़ा चिड़ियाघर	क्रूगर नेशनल पार्क (द अफ्रीका)
▪ सबसे बड़ा महाकाव्य	महाभारत
▪ सबसे बड़ा पार्क	वुड बफेलो नेशनल पार्क (कनाडा)
▪ सबसे बड़ा प्रायद्वीप	अरब प्रायद्वीप
▪ सबसे बड़ा द्वीप-समूह	इण्डोनेशिया
▪ सबसे बड़ा नदी-द्वीप	माजुली (ब्रह्मपुत्र नदी, असोम)
▪ सबसे लम्बा मुहाना	ओब नदी का मुहाना (रूस)
▪ सबसे बड़ी नहर	स्वेज नहर
▪ सबसे व्यस्त नहर	कील नहर
▪ सर्वाधिक ऊँचाई पर स्थित झील (नौकायन)	टिटिकाका (द. अमेरिका)
▪ सबसे बड़ा लैगून	लैगोआ डॉस पैटोस (ब्राजील)
▪ सबसे चौड़ा जलप्रपात	खोन जलप्रपात (लाओस)
▪ सबसे बड़ा जलडमरूमध्य	डेविस जलडमरूमध्य (ग्रीनलैण्ड एवं बैफिन द्वीप)

विश्व में प्रथम

▪ कागजी मुद्रा जारी करने वाला पहला देश	चीन
▪ सिविल सेवा प्रतियोगिता शुरू करने वाला पहला देश	चीन
▪ संयुक्त राष्ट्र संघ का प्रथम महासचिव	ट्रिग्वेली (नॉर्वे)

▪ एवरेस्ट-शिखर पर पहुँचने वाला पहला व्यक्ति	तेंजिंग शेरपा (भारत), एडमण्ड हिलेरी (न्यूजीलैण्ड)
▪ आधुनिक ओलम्पिक खेलों का आयोजन करने वाला प्रथम देश	यूनान
▪ कृत्रिम उपग्रह को अन्तरिक्ष में प्रक्षेपण करने वाला प्रथम देश	रूस
▪ चन्द्रमा पर मानव भेजने वाला प्रथम देश	सं रा अमेरिका
▪ प्रथम नगर जिस पर परमाणु वम गिराया गया	हिरोशिमा (जापान)
▪ चीन गणराज्य के प्रथम राष्ट्रपति	डॉ. सनयात सेन
▪ पुस्तक मुद्रित करने वाला पहला देश	चीन
▪ विश्व के चारों ओर समुद्री यात्रा करने वाला प्रथम व्यक्ति	फर्डीनेंड मैगलन
▪ वायुयान से पहली उड़ान भरने वाला व्यक्ति	राइट बन्धु
▪ गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के प्रथम सम्मेलन का आयोजन-स्थल	वेलग्रेड
▪ प्रथम फुटबॉल विश्व कप जीतने वाला देश	उरुग्वे
▪ संविधान की रचना करने वाला प्रथम देश	संयुक्त राज्य अमेरिका
▪ दक्षिणी ध्रुव पर पहुँचने वाला प्रथम व्यक्ति	एमण्डसेन (नार्वे)
▪ उत्तरी ध्रुव पर पहुँचने वाला प्रथम व्यक्ति	रॉबर्ट पियरी (यूएसए)
▪ उत्तरी ध्रुव पर पहुँचने वाली प्रथम महिला	कैरोलिन मिकेल सैन
▪ किसी मुस्लिम देश की प्रथम महिला प्रधानमन्त्री	बेनजीर भुट्टो (पाकिस्तान)
▪ अन्तरिक्ष में भेजा जाने वाला प्रथम अन्तरिक्ष शटल	कोलम्बिया
▪ अन्तरिक्ष में पहुँचने वाला प्रथम व्यक्ति	मेजर यूरी गागरिन (रूस)
▪ मंगल ग्रह पर उतरने वाला प्रथम अन्तरिक्ष यान	वाइकिंग-I
▪ भारत पर आक्रमण करने वाला प्रथम यूरोपवासी	सिकन्दर
▪ चन्द्रमा पर उतरने वाला प्रथम व्यक्ति	नील आर्मस्ट्रांग (सं रा अमेरिका)
▪ इंग्लैण्ड की प्रथम महिला प्रधानमन्त्री	मारग्रेट थैचर
▪ एवरेस्ट पर चढ़ने वाली प्रथम महिला	जुन्को तुवई (जापान)
▪ अंटार्कटिका महाद्वीप पर पहुँचने वाली प्रथम महिला	केरोलिन मिकल्सन
▪ विश्व में किसी देश की प्रथम महिला राष्ट्रपति	मारिया एस्टेला रजाबेल (अर्जेंटीना)
▪ विश्व में किसी देश की प्रथम महिला प्रधानमन्त्री	एस. भण्डारनायके (श्रीलंका)
▪ संयुक्त राष्ट्र महासभा की प्रथम महिला सभापति	श्रीमती विजयलक्ष्मी पंडित
▪ अन्तरिक्ष में जाने वाली प्रथम महिला	वेलेण्टिना तेरेश्कोवा (रूस)
▪ शान्ति के क्षेत्र में प्रथम नोबेल पुरस्कार से सम्मानित व्यक्ति	जीन एफ. ड्यूनांट एवं फ्रेडरिक पैरी
▪ शिक्षा को अनिवार्य करने वाला प्रथम देश	प्रशा
▪ सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश	चीन
▪ सर्वाधिक मतदाताओं वाला देश	भारत
▪ चन्द्रमा पर उतरने वाला पहला चालक विहीन अन्तरिक्ष यान	लूना-9
▪ एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पहला दोहरा शतक बनाने वाला खिलाड़ी	सचिन तेन्दुलकर

विभिन्न देशों के मुख्य राजनीतिक दल

देश	राजनीतिक दल
भारत	इण्डियन नेशनल कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी, सी पी एम, आदि।
पाकिस्तान	मुस्लिम लीग, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी
सं.रा. अमेरिका	रिपब्लिकन पार्टी, डेमोक्रेटिक पार्टी
इंग्लैण्ड	कंजर्वेटिव पार्टी, लेबर पार्टी, लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी
रूस	कम्युनिस्ट पार्टी, लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी, रशिया च्वाइस पार्टी
इराक	बाथ पार्टी
इजरायल	लेवर पार्टी, लिकुड पार्टी, हमास, पार्टी, साश पार्टी
फ्रांस	सोशलिस्ट पार्टी, नेशनल फ्रंट, यूनियन फॉर फ्रेंच डेमोक्रेसी
चीन	कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना
आस्ट्रेलिया	लिबरल पार्टी, लेबर पार्टी
बांग्लादेश	बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी
नेपाल	नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी, नेपाली कांग्रेस पार्टी
श्रीलंका	यूनाइटेड नेशनल पार्टी, फ्रीडम पार्टी
दक्षिण अफ्रीका	अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस, नेशनल पार्टी, इनगाथा फ्रीडम पार्टी

विश्व के प्रमुख देशों की संसद

देश	संसद का नाम
भारत	संसद (राज्यसभा एवं लोकसभा)
मिस्र	पीपुल्स असेम्बली
मालदीव/ईरान	मजलिस
नेपाल	राष्ट्रीय पंचायत
पोलैण्ड	सेजम
पाकिस्तान	नेशनल असेम्बली
फ्रांस	नेशनल असेम्बली व सीनेट
रूस	ड्यूमा

देश	संसद का नाम
द. अफ्रीका	पार्लियामेन्ट (नेशनल असेम्बली व सीनेट)
स्पेन	कोर्टेस
चीन	नेशनल पीपुल्स कौन्सिल
डेनमार्क	फोल्कटिंग
जर्मनी	बुन्डेस्टाग बुन्डेस्त्राट
सं.रा. अमेरिका	कांग्रेस (हाउस ऑफ रिप्रेजेन्टेटिव व सीनेट)
इराक	नेशनल असेम्बली
तुर्की	ग्रैण्ड नेशनल असेम्बली
इटली	चेम्बर ऑफ डिपुटीज व सीनेट यूनान चेम्बर ऑफ डिपुटीज
अफगानिस्तान	शोरा
ब्रिटेन	पार्लियामेन्ट
कनाडा	पार्लियामेन्ट
बांग्लादेश	जातीय संसद

विश्व की सबसे ऊँची पाँच इमारतें

इमारत (शहर)	देश	मंजिलों की संख्या	ऊँचाई	
			मीटर	फीट
बुर्ज खलीफा, दुबई	सं अ अमीरात	160	828	2,717
ताइपे 101, ताइपे	ताईवान	101	509	1,670
पेट्रोनस टावर-1, कुआलालम्पुर	मलेशिया	88	452	1,483
पेट्रोनस टावर 2, कुआलालम्पुर	मलेशिया	88	452	1,483
सिएर्स टावर, शिकागो	सं.रा. अमेरिका	110	442	1,450

विश्व की प्रमुख भाषाएँ

क्र. सं.	भाषा	बोलने वाली जनसंख्या (मिलियन में)
1.	चीनी (मण्दारिन)	1213
2.	हिन्दी	182
3.	स्पेनिश	329
4.	अंग्रेजी	328
5.	रूसी	144
6.	बंगाली	207

विश्व के प्रमुख देश

सबसे बड़े देश *	सबसे बड़े देश #	सबसे छोटे देश *	सबसे छोटे देश #
रूस	चीन	वेटिकन सिटी	वेटिकन सिटी
कनाडा	भारत	मोनाको	नौरू
चीन	यूएसए	नौरू	तुवालू
यूएसए	इण्डोनेशिया	तुवालू	पलाऊ
ब्राजील	ब्राजील	सैन मैरिनो	मोनाको
ऑस्ट्रेलिया	पाकिस्तान	लिक्टनस्टीन	सैन मैरिनो
भारत	बांग्लादेश	मार्शल द्वीप	लिक्टनस्टीन

* क्षेत्रफल में # जनसंख्या में

विश्व की महत्त्वपूर्ण सीमा रेखाएँ

सीमा रेखा	सम्बन्धित देश
▪ रेडक्लिफ रेखा	भारत और पाकिस्तान के मध्य
▪ मैकमोहन रेखा	भारत और चीन के मध्य
▪ डूरण्ड रेखा	पाकिस्तान व अफगानिस्तान के मध्य
▪ 17वीं समानान्तर रेखा	उत्तरी तथा दक्षिणी वियतनाम के मध्य
▪ 38वीं समानान्तर रेखा	उत्तरी व दक्षिणी कोरिया के मध्य
▪ 49वीं समानान्तर रेखा	सं.रा. अमेरिका व कनाडा के मध्य
▪ हिण्डन बर्ग रेखा	जर्मनी व पोलैण्ड के मध्य
▪ मैगिनॉट रेखा	जर्मनी व फ्रांस के मध्य

विश्व की प्रमुख गुप्तचर संस्थाएँ

गुप्तचर संस्था	देश
▪ सेन्ट्रल इन्टेलीजेन्स एजेन्सी, फैडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन	संयुक्त राज्य अमेरिका
▪ रिसर्च एण्ड एनालिसिस विंग (रॉ), इन्टेलीजेन्स ब्यूरो (आई बी), सेन्ट्रल ब्यूरो ऑफ इनवेस्टिगेशन (सी बी आई)	भारत
▪ सेन्ट्रल एक्सटर्नल लेजा डिपार्टमेन्ट	चीन
▪ बी एन डी	जर्मनी
▪ के जी बी (कोमितेत गोसुदरस्तवेन्नोई बजोपास्तनोस्ती)/जी आर यू	रूस
▪ सिक्योरिटी इन्टेलीजेन्स सर्विस	कनाडा
▪ एम आई (मिलिट्री इन्टेलीजेन्स)-5 एवं 6, स्पेशल ब्रांच, अल्ट्रा, जायन्ट इन्टेलीजेन्स	ब्रिटेन
▪ आई एस आई	पाकिस्तान
▪ मोसाद	इजरायल
▪ नाइचो	जापान
▪ सावाक	ईरान
▪ मुखबरात	मिस्र
▪ अल मुखबरात	इराक

विश्व के प्रमुख देशों के राष्ट्रीय चिह्न

देश	राष्ट्रीय चिह्न	देश	राष्ट्रीय चिह्न
भारत	अशोक चक्र	ऑस्ट्रेलिया	वैटल
बांग्लादेश	वाटर लिली	न्यूजीलैण्ड	किवी, सदर्न, क्रास, फर्न
नीदरलैण्ड	शेर	तुर्की	चाँद-तारा
यू. के.	सफेद लिली	नार्वे	शेर
सं. रा. अमेरिका	गोल्डेन रॉड	फ्रांस	लिली
इटली	सफेद लिली	जापान	गुलदाऊदी
ईरान	गुलाब का फूल	कनाडा	मैपल लीफ
स्पेन	ईगल	रूस	डबल हेडेड ईगल

विश्व के प्रमुख समाचार-पत्र

समाचार- पत्र	प्रकाशन-स्थल	समाचार- पत्र	प्रकाशन-स्थल
डॉन	कराची	प्रावदा	मास्को
द आइलैण्ड	कोलम्बो	बांग्लादेश ऑब्जर्वर	ढाका
ईस्टर्न सन	सिंगापुर	खलीज टाइम्स	दुबई
अल अहरम	काहिरा	मेनेची सिम्बुन	टोकियो
मर्डेका	जकार्ता	पीपुल्स डेली	बीजिंग
वाशिंगटन पोस्ट	वाशिंगटन	ला रिपब्लिका	रोम
न्यूयार्क टाइम्स	न्यूयार्क	डेली न्यूज	न्यूयार्क
ला मान्द	पेरिस		
गार्डियन, डेली मेल, केली मिरर			लन्दन
द टाइम्स ऑफ इण्डिया/द हिन्दू			भारत

विश्व की प्रमुख समाचार एजेन्सियाँ

एजेन्सी	देश
▪ पी.टी.आई. (हिन्दी में 'भाषा')	भारत
▪ यू.एन.आई. (हिन्दी में 'वार्ता')	भारत
▪ समाचार भारती	भारत
▪ हिन्दुस्तान समाचार	भारत
▪ इण्डियन न्यूज सर्विस (आई.एन.एस.)	भारत
▪ इण्डियन न्यूज एण्ड फीचर एयरलाइन्स	भारत
▪ रायटर्स	ब्रिटेन
▪ एजेन्सी फ्रांस प्रेस (ए.एफ.पी.)	फ्रांस
▪ यूनाइटेड प्रेस ऑफ अमेरिका	अमेरिका
▪ इण्टरनेशनल न्यूज सर्विस (आईएनएस)	अमेरिका
▪ एसोसिएटेड प्रेस (ए.पी.)	अमेरिका
▪ तास	रूस
▪ अन्तारा	इण्डोनेशिया
▪ ग्लोबल न्यूज एजेन्सी	नीदरलैण्ड्स
▪ शिन्हुआ	चीन

प्रमुख देशों के राष्ट्रीय स्मारक

स्मारक	स्थान	देश
झुकी हुई मीनार	पीसा	इटली
ग्रेट वॉल	उत्तर चीन	चीन
पिरामिड	गीजा	मिस्र
ताजमहल	आगरा	भारत
क्रेमलिन	मास्को	रूस
इम्पीरियल पैलेस	टोकियो	जापान
ओपेरा हाउस	सिडनी	ऑस्ट्रेलिया
एफिल टॉवर	पेरिस	फ्रांस
स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी	न्यूयॉर्क	यूएसए

प्रमुख विदेशी लेखक व पुस्तक

लेखक	पुस्तक का नाम
सर आइजक न्यूटन	प्रिंसीपिया
कैथरीन मेयो	मदर इण्डिया
मैक्सिम गोर्की	मदर
प्लेटो	रिपब्लिक
रूसो	द सोशल कॉन्ट्रैक्ट
परवेज मुशर्रफ	इन द लाइन ऑफ फायर
जॉन मिल्टन	पैराडाइज लॉस्ट
विन्सेन्ट चर्चिल	गैदरिंग स्टोमर्स हिस्ट्री ऑफ द सेकण्ड वर्ल्डवार
जार्ज ओरेविल	फार्म हाउस, एनिमल पार्क
चार्ल्स डार्विन	डिसेन्ट ऑफ मैन
शेक्सपियर	कॉमेडी ऑफ एरर्स, एज यू लाइक इट, ए मिड समर नाइट्स ड्रीम, हैमलेट, ओथेलो
जॉर्ज बर्नाड शॉ	मैन एण्ड सुपरमैन, एपिल कोर्ट, आर्म्स एण्ड द मैन सीजर एण्ड क्लियोपैट्रा
जे. के. गालब्रेथ	द चाइना पैसेज, द नेचर ऑफ मास पावर्टी, एम्बेसडर्स जनरल, द ट्राम्फ
लियो टॉल्सटाय	वार एण्ड पीस
जेड. ए. भुट्टो	ग्रेट ट्रैजडी
माओ-त्से-तुंग	ऑन कण्ट्राडिक्शन
कार्ल मार्क्स	दास कैपिटल
तस्लीमा नसरीन	लज्जा, विसर्जन, निर्वासन
पेनेलॉप लाइवली	मून टाइगर
एडम स्मिथ	वेल्थ ऑफ नेशन्स
एडॉल्फ हिटलर	मीन कैम्फ
अल्बर्ट आइंस्टीन	द वर्ल्ड एज आई सी ईट
आर्थर हेले	एयरपोर्ट
अरस्तू	पॉलिटिक्स
ई. एम. फोस्टर	ए पैसेज टू इण्डिया
नेल्सन मण्डेला	लांग वाक टू फ्रीडम
टोनी ब्लेयर	ए जर्नी
रस्किन बाँड	मिस्टर अलिवर्स डायरी
रूडयार्ड किपलिंग	जंगल बुक

विश्व के सरकारी दस्तावेजों के नाम

नाम	देश
▪ ग्रीन बुक	इटली और ईरान के राजकीय प्रकाशन
▪ व्हाइट बुक	पुर्तगाल, चीन व जर्मनी के सरकारी प्रकाशन
▪ ब्लू बुक	ब्रिटिश सरकार की सरकारी रिपोर्ट
▪ ओरेंज बुक	नीदरलैण्ड्स सरकार का सरकारी प्रकाशन
▪ यलो बुक	फ्रांस सरकार का सरकारी प्रकाशन
▪ व्हाइट पेपर	ब्रिटेन और भारत सरकार की किसी विशेष विषय पर सरकारी रिपोर्ट
▪ ग्रे बुक	बेल्जियम व जापानी सरकारों की सरकारी रिपोर्ट

विश्व के सबसे ऊँचे टावर

टावर/शहर	वर्ष	ऊँचाई (मी)	ऊँचाई (फुट)
टोकियो स्काई ट्री	2011	634	2,080
ग्वांग्झू टीवी एवं साइटसीइंग टावर	2009	610	2,011
कैन्टन टावर	2010	600	2010
कैनेडियन नैशनल टावर, टोरंटो	1975	553.3	1,815
ओस्टैंकिनो टावर, मास्को, रूस	1967	540.1	1,772

भारत में प्रथम

विमान वाहक युद्धपोत	आईएनएस विक्रान्त
स्वदेशी परमाणु पनडुब्बी	आईएनएस चक्र
फुटबॉल क्लब	मोहन बागान, 1889 में
जलविद्युत् परियोजना	शिवसमुद्रम, 1902
समाचार-पत्र	बंगाल गजट (जेम्स हिक्की)
भाषायी दैनिक	समाचार दर्पण
हिन्दी समाचार-पत्र	उदन्त मार्तंड
तार लाइन	डायमण्ड हार्बर से कलकत्ता (1853)
अन्तर्राष्ट्रीय दूरसंचार सेवा	मुम्बई से लन्दन (1851)
दूरदर्शन केन्द्र	नई दिल्ली (1959)
दूरदर्शन से रंगीन कार्यक्रम	15 अगस्त, 1982
मूक फिल्म	राजा हरिश्चन्द्र
बोलती (टॉकी) फिल्म	आलमआरा
उपग्रह	आर्यभट्ट (19 अप्रैल, 1975)
स्वदेश निर्मित उपग्रह	इन्सैट 2 ए (1992)
आण्विक भूमिगत परीक्षण	पोखरण (18 मई, 1974)
परखनली शिशु	1986 में जन्मी बेबी हर्षा
स्वदेशी प्रक्षेपास्त्र	पृथ्वी (1988)
अण्टार्कटिका अभियान	1982 में डॉ. एस.जेड. कासिम के नेतृत्व में
कोयले की खान	रानीगंज (प. बंगाल)

भारत *सर्वाधिक बड़ा, लम्बा, ऊँचा, छोटा*

सबसे ऊँची मीनार	कुतुबमीनार (दिल्ली)
सबसे लम्बा सड़क पुल	महात्मा गाँधी सेतु (पटना)
सबसे बड़ा पशुओं का मेला	सोनपुर (बिहार)
सबसे ऊँची चोटी	गॉडविन ऑस्टिन (K-2)
सबसे ऊँचा बाँध	भाखड़ा नांगल बाँध (पंजाब)
सबसे बड़ा रेगिस्तान	थार (राजस्थान)
सबसे बड़ा गुफा मन्दिर	कैलाश मन्दिर (एलोरा)
सबसे बड़ा चिड़ियाघर	जूलोजिकल गार्डन (कोलकाता)
सबसे बड़ी मस्जिद	जामा मस्जिद (दिल्ली)
सबसे लम्बी सुरंग	जवाहर सुरंग (जम्मू एवं कश्मीर)
सबसे बड़ा डेल्टा	सुन्दरवनम् डेल्टा (प.बंग)
सबसे अधिक वनों का राज्य	मध्य प्रदेश
सबसे बड़ा कॉरीडोर	रामेश्वर मन्दिर (तमिलनाडु)
सबसे ऊँचा जलप्रपात	जोग या गरसोप्पा (कर्नाटक)
सबसे लम्बी सड़क	ग्राण्ड ट्रंक रोड
सबसे ऊँचा दरवाजा	बुलन्द दरवाजा
सबसे लम्बी नदी	गंगा नदी
सबसे बड़ा गुम्बज	गोल गुम्बज (बीजापुर)
सबसे ऊँची मूर्ति	गोमतेश्वर (कर्नाटक)
सर्वाधिक वर्षा का स्थान	मासिनराम (मेघालय)
सर्वाधिक बड़ा लीवर पुल	हावड़ा ब्रिज (कोलकाता)
सबसे लम्बी नहर	इन्दिरा गाँधी नहर (राजस्थान)
सबसे लम्बा रेलवे प्लेटफॉर्म	गोरखपुर (उ.प्र.)
सबसे विशाल स्टेडियम	युवा भारती (साल्ट लेक) कोलकाता
सबसे बड़ा सूर्य मन्दिर	कोर्णाक सूर्य मन्दिर, पुरी (ओडिशा)
सबसे लम्बा रेल मार्ग	डिब्रूगढ़ से कन्याकुमारी (4278 किमी)
सबसे बड़ा प्राकृतिक बन्दरगाह	मुम्बई (महाराष्ट्र)
सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग	राष्ट्रीय राजमार्ग न.-7 (वाराणसी से कन्याकुमारी)
सबसे लम्बी तटरेखा वाला राज्य	गुजरात (1200 किमी)
खारे पानी की सबसे बड़ी झील	चिल्का झील (ओडिशा)
मीठे पानी की सबसे बड़ी झील	वुलर झील (जम्मू एवं कश्मीर)
सबसे लम्बी सहायक नदी	यमुना नदी
दक्षिण भारत की सबसे लम्बी नदी	गोदावरी
सर्वोच्च सम्मान	भारत रत्न
सर्वोच्च शौर्य सम्मान	परमवीर चक्र
सबसे बड़ा गुरुद्वारा	स्वर्ण मन्दिर (अमृतसर)
सबसे बड़ा गिरजाघर	सैन्ट-कैथेड्रल (गोवा)
सबसे ऊँचा टी.वी. टावर	पीतमपुरा (नई दिल्ली)
सबसे लम्बी तटरेखा वाला दक्षिण भारत का राज्य	आन्ध्र प्रदेश (1100 किमी)
सबसे लम्बा समुद्र तट	मैरिना बीच (चेन्नई)
सबसे अधिक मार्ग बदलने वाली नदी	कोसी नदी
सबसे बड़ी कृत्रिम झील	गोविन्द सागर
सबसे गहरी नदी घाटी	भागीरथी व अलकनन्दा
सबसे अधिक ऊँचाई पर स्थित युद्धस्थल	सियाचिन ग्लेशियर
सबसे बड़ा नदी द्वीप	माजुली (ब्रह्मपुत्र नदी, असोम)
सबसे बड़ा तारामण्डल	बिड़ला प्लैनेटोरियम (कोलकाता)

▪ सबसे ऊँचा हवाई पत्तन	लेह (लद्दाख)
▪ सबसे बड़ा राज्य ▪ (क्षेत्रफल की दृष्टि से)	राजस्थान
▪ सबसे बड़ा निवास	राष्ट्रपति भवन
▪ सर्वाधिक राज्यों की सीमा से लगा राज्य	उत्तर प्रदेश (8)
▪ सबसे बड़ा न्यूज पेपर (कागज) कारखाना	नेपानगर (मध्य प्रदेश)

भारत में प्रथम (पुरुष)

▪ प्रथम गवर्नर-जनरल	लॉर्ड विलियम बेंटिंक
▪ अन्तिम गवर्नर जनरल जो भारत का प्रथम वायसराय बना	लॉर्ड केनिंग
▪ भारत का भ्रमण करने वाला प्रथम चीनी यात्री	फाह्यान
▪ स्वतन्त्र भारत का प्रथम तथा अन्तिम गवर्नर-जनरल	सी. राजगोपालाचारी
▪ आई. सी. एस. में सफल होने वाला प्रथम भारतीय	सत्येन्द्रनाथ टैगोर
▪ चिकित्सा शास्त्र में नोबेल पुरस्कार पाने वाले प्रथम भारतीय मूल के वैज्ञानिक	हरगोबिन्द खुराना
▪ प्रथम चुनाव आयुक्त	सुकुमार सेन
▪ अन्तरिक्ष में पहुँचने वाले प्रथम भारतीय	राकेश शर्मा
▪ प्रथम नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक	सी. वी. रमन् (भौतिकी)
▪ स्वतन्त्र भारत का प्रथम कमाण्डर-इन-चीफ	जनरल करिअप्पा
▪ प्रथम परमवीर चक्र पाने वाला व्यक्ति	मेजर सोमनाथ शर्मा
▪ नोबेल पुरस्कार पाने वाले प्रथम भारतीय	रवीन्द्रनाथ ठाकुर
▪ प्रथम वायु सेनाध्यक्ष	एयर मार्शल एस. मुखर्जी
▪ अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय में प्रथम भारतीय न्यायाधीश	डॉ. नगेन्द्र सिंह
▪ प्रथम उप-राष्ट्रपति	डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन
▪ भारत रत्न पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रथम भारतीय	डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन
▪ स्वतन्त्र भारत के प्रथम गृहमन्त्री	सरदार बल्लभभाई पटेल
▪ प्रथम फील्ड मार्शल	जनरल मानिक शॉ
▪ स्वतन्त्र भारत के प्रथम प्रधानमन्त्री	पं. जवाहरलाल नेहरू
▪ भारतीय गणराज्य के प्रथम राष्ट्रपति	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
▪ इंगलिश चैनल को पार करने वाला प्रथम भारतीय	मिहिर सेन
▪ स्वतन्त्र भारत के प्रथम शिक्षा मन्त्री	अबुल कलाम आजाद
▪ राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रथम अध्यक्ष	डब्ल्यू सी. बनर्जी
▪ भारत में प्रिन्टिंग प्रेस का प्रचलन करने वाला प्रथम व्यक्ति	जेम्स हिक्की
▪ भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार पाने वाला प्रथम भारतीय	जी. शंकर कुरूप
▪ लोकसभा का प्रथम अध्यक्ष	गणेश वासुदेव मावलंकर
▪ नौ सेना का प्रथम सेनाध्यक्ष	वाइस एडमिरल आर. डी. कटारी
▪ अर्थशास्त्र में 'नोबेल पुरस्कार' से सम्मानित प्रथम भारतीय	डॉ. अमर्त्य सेन
▪ स्टालिन पुरस्कार प्राप्त करने वाला प्रथम भारतीय	सैफुद्दीन किचलू
▪ बिना ऑक्सीजन के एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचने वाला भारतीय	शेरपा अंग दोरजी
▪ भारत के प्रथम मुख्य न्यायाधीश	जस्टिस हीरालाल जे. कानिया
▪ भारत के केन्द्रीय मन्त्रिमण्डल से इस्तीफा देने वाला प्रथम मन्त्री	श्यामा प्रसाद मुखर्जी (1950)
▪ हृदय प्रत्यारोपणकर्त्ता सफल सर्जन	डा. पी. वेणुगोपाल
▪ संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी में भाषणकर्ता	अटल बिहारी वाजपेयी

भारत में प्रथम (महिला)

▪ राष्ट्रपति	श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल
▪ प्रधानमन्त्री	इन्दिरा गाँधी
▪ राज्यपाल	सरोजिनी नायडू (उ.प्र.)
▪ आई पी एस	किरण बेदी
▪ राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्षा	ऐनी बेसेन्ट
▪ इंग्लिश चैनल तैरकर पार करने वाली (भारत एवं विश्व दोनों में)	आरती साहा
▪ संघ लोक सेवा आयोग की अध्यक्षा	रोज मिलियन मैथ्यू
▪ नोबेल पुरस्कार विजेता	मदर टेरेसा (शान्ति हेतु)
▪ मिस वर्ल्ड	रीता फारिया
▪ मिस यूनिवर्स से सम्मानित	सुष्मिता सेन
▪ मेयर	तारा चेरियन (मद्रास, 1957)
▪ प्रथम मुख्यमन्त्री	सुचेता कृपलानी (उ.प्र.)
▪ पश्चिम बंगाल की पहली महिला मुख्यमन्त्री	ममता बनर्जी
▪ सर्वोच्च न्यायालय की न्यायाधीश	न्यायमूर्ति मीरा साहिब फातिमा बीवी
▪ उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश	न्यायमूर्ति लीला सेठ (हिमाचल प्रदेश)
▪ पहली कैबिनेट मन्त्री	राजकुमारी अमृत कौर
▪ 'माउन्ट एवरेस्ट' विजेता पर्वतारोही	बछेन्द्री पाल
▪ 'नार्मन बोरलॉग पुरस्कार' विजेता	डॉ. अमृता पटेल
▪ 'साहित्य अकादमी पुरस्कार'	अमृता प्रीतम (1956)
▪ 'भारत रत्न' से विभूषित	इन्दिरा गाँधी

'लेनिन शान्ति पुरस्कार' से पुरस्कृत	अरूणा आसफ अली
'भारतीय ज्ञानपीठ' पुरस्कार से पुरस्कृत	आशापूर्णा देवी (1976)
अण्टार्कटिका पहुँचने वाली	मेहर मूसा (1977)
उत्तरी ध्रुव पर पहुँचने वाली	प्रीति सेन गुप्ता (1993)
नौका द्वारा सम्पूर्ण विश्व की परिक्रमा करने वाली	उज्ज्वला पाटिल सेन (1988)
पायलट	फ्लाइंग ऑफिसर सुषमा मुखोपाध्याय
एयर लाइन्स पायलट	कैप्टन दुर्गा बनर्जी
'बोइंग 737' विमान की कमाण्डर	कैप्टन सौदामिनी देशमुख
शतरंज में ग्रैण्ड मास्टर विजेता	भाग्यश्री थिप्से (1988)
अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 100 विकेट प्राप्तकर्त्ता	इन्दुल जी (1986)
'अर्जुन पुरस्कार' से सम्मानित	एन. लम्सडेन (हॉकी 1961)
अन्तर्राष्ट्रीय फुटबॉल में 'हैट्रिक' करने वाली	योलान्दा डिसूजा (1978)
अशोक चक्र प्राप्तकर्ता	नीरजा भनोत (मरणोपरान्त)
स्नातक उपाधि प्राप्तकर्ता	कादम्बिनी गांगुली बोस एवं चन्द्रमुखी बोस (कलकत्ता विश्वविद्यालय, (1883)
इन्जीनियरिंग में स्नातक उपाधि प्राप्तकर्त्ता	इला मजूमदार (1951)
प्रथम महिला शासिका	रजिया सुल्तान
आई ए एस	अन्ना जार्ज
लोकसभा अध्यक्ष	मीरा कुमार
प्रथम दूरदर्शन समाचार वाचिका	प्रतिमा पुरी
संयुक्त राष्ट्र संघ के संगीत समारोह में भाग लेने वाली	एम. एस. सुब्बुलक्ष्मी (1966)
ओलम्पिक खेलों में भाग लेने वाली खिलाड़ी	मेरी लीला रो (1952)
ओलम्पिक खेलों में पदक जीतने वाली खिलाड़ी	कर्णम मल्लेश्वरी (भारोत्तोलन, सिडनी)
एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली	कमलजीत सन्धु (1970, 400 मी दौड़)
राष्ट्रमण्डल खेलों में पदक जीतने वाली	अमी धिया एवं कंवल ठाकुर सिंह (महिला युगल बैडमिण्टन, 1978)
चिकित्सा में स्नातक उपाधि प्राप्तकर्ता	विधुमुखी बोस (कोलकाता मेडिकल कॉलेज)
नाबार्ड की अध्यक्षा	रंजना कुमार
पुलिस महानिदेशक	कंचन चौधरी भट्टाचार्य
लेफ्टिनेन्ट जनरल	पुनीता अरोड़ा
इण्डियन एयरलाइन्स की अध्यक्षा	सुषमा चावला
राजदूत	विजय लक्ष्मी पण्डित (सोवियत संघ, 1947)
जिब्राल्टर स्ट्रेट तैरकर पार करने वाली	आरती प्रधान
पावर लिफ्टिंग में विश्व कीर्तिमान बनाने वाली	सुमिता लाहा (1989)
तीन खेलों (क्रिकेट, हॉकी एवं बास्केटबॉल) में देश का प्रतिनिधित्व करने वाली	शिरीन खुसरो कियाश
दो बार की माउन्ट एवरेस्ट विजेता	सन्तोष यादव
'रेमन मैग्सेसे' पुरस्कार प्राप्तकर्ता	किरण बेदी
दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित नायिका	देविका रानी
माउन्ट एवरेस्ट पर दो बार चढ़ने वाली सबसे कम आयु की पर्वतारोही	डिकीडोल्मा
विदेश सचिव	चोकिला अय्यर
देश की मुख्य सचिव	निर्मला बुच
अन्तरिक्ष यात्री	कल्पना चावला
सीबीआई की संयुक्त निदेशक	अर्चना सुन्दरलिंगम
मूर्तिदेवी पुरस्कार विजेता	प्रतिभा रॉय
राष्ट्रपति का चुनाव लड़ने वाली	कैप्टन लक्ष्मी सहगल
संयुक्त राष्ट्र संघ में असैनिक पुलिस सलाहकार	किरण बेदी
अन्तरिक्ष में सर्वाधिक समय व्यतीत करने वाली भारतीय मूल की प्रथम महिला	सुनीता विलियम्स

भारत के प्रमुख शास्त्रीय नृत्य/नर्तक

शास्त्रीय नृत्य	सम्बन्धित राज्य	प्रमुख नर्तक
भरत-नाट्यम	तमिलनाडु	यामिनी कृष्णामूर्ति टी. बाला सरस्वती, रुक्मिणी देवी, सोनल मानसिंह, मृणालिनी साराभाई, वैजयन्ती माला, हेमामालिनी
कथकली	केरल	मृणालिनी साराभाई, गुरु शंकरन, नम्बूदरीपाद, शंकर कुरूप, के.सी. पणिक्कर
मोहिनी-अट्टम	केरल	भारती शिवाजी, तंकमणि शांताराव
कुचिपुड़ी	आन्ध्र प्रदेश	यामिनी कृष्णमूर्ति, राधा रेड्डी, राजा रेड्डी, स्वप्न सुन्दरी
कत्थक	उ.प्र. तथा राजस्थान	बिरजू महाराज, अच्छन महाराज, गोपीकृष्ण, सितारा देवी, रोशन कुमारी, उमा शर्मा

शास्त्रीय नृत्य	सम्बन्धित राज्य	प्रमुख नर्तक
ओडिसी	ओडिशा	प्रोतिमा देवी, संयुक्ता पाणिग्रही, सोनल मानसिंह, केलुचरण महापात्र, माधवी मुद्गल
मणिपुरी	मणिपुर	सूर्यमुखी देवी, गुरु विपिन सिंह।

भारत के प्रमुख लोक नृत्य

राज्य	लोकनृत्य
असोम	बिहू, खेलगोपाल, कलिगोपाल, बोई साजू
पंजाब	नटपूजा, कीकली, भाँगड़ा, गिद्दा
हिमाचल प्रदेश	जद्दा, नाटी, चम्बा, छपेली
हरियाणा	धमाल, खोरिया, फाग, डाहीकल
महाराष्ट्र	लेझिजम, तमाशा लावनी, कोली
जम्मू-कश्मीर	दमाली, हिकात, दण्डी नाच, राऊ,
राजस्थान	गणगौर, झूमर, घूमर, झूलन लीला
गुजरात	गरबा, डाण्डिया रास, पणिहारी, रासलीला, लास्या, गणपति भजन,
बिहार	जट-जाटिन, घुमकड़िया, कीर्तनिया, पंवारियाँ, सोहराई, सामा, चकेवा, जात्रा
उत्तर प्रदेश	डांगा, झींका, छाऊ, लुझरी, झोरा, कजरी, नौटंकी, थाली, जट्टा
केरल	भद्रकली, पायदानी, कुड़ीअट्टम, कालीअट्टम, मोहिनीअट्टम
मध्य प्रदेश	दीवाली, चैत, रीना, टपाड़ी, सैला भगोरिया, हुल्को, मुन्दड़ी,
पश्चिम बंगाल	करणकाठी, गम्भीरा, जलाया, बाउल नृत्य, कथि, जात्रा
तमिलनाडु	कोल्लटम, करागम, कावड़ी कुम्मी, पिन्लकोलाट्टम
अरुणाचल प्रदेश	मुखौटा नृत्य, युद्धनृत्य
नागालैण्ड	कुमीनागा, रेंगमनागा, लिम, चोंग, युद्ध नृत्य, खैवा
मणिपुर	संकीर्तन, लाईहरीबा, थांगटा की तलम, बसन्तराम, राखाल
मिजोरम	चेरोकान, पाखुलिया नृत्य
झारखण्ड	सुआ, पंथी, राऊत, कर्मा, फुलकी डोरला, सरहुल, पाइका, नटुआ, छऊ, सरहुल
ओडिशा	अग्नि, डंडानट, पैका, जदूर, मुदारी, आया, सवारी, छाऊ
उत्तराखण्ड	चांचरी/झोड़ा, छपेली, छोलिया, झुमैलो, जागर, कुमायुँ नृत्य
कर्नाटक	यक्षगान, भूतकोला, वीरगास्से
आन्ध्र प्रदेश	घंटामर्दाला, बतकम्मा, कुम्मी, छड़ी, सिद्धि माधुरी
छत्तीसगढ़	सुआ करमा, रहस, राउत, सरहुल, बार, नाचा, घसिया बाजा, पंथी

प्रसिद्ध वाद्य यंत्र एवं वादक

वाद्य	वादक
बाँसुरी	हरि प्रसाद चौरसिया, रघुनाथ सेठ, पन्नालाल घोष, प्रकाश सक्सेना, देवेन्द्र मुक्तेश्वर, प्रकाश बढ़ेरा, राजेन्द्र प्रसन्ना
वायलिन	बालमुरली कृष्णंन, गोविन्दस्वामी पिल्लई, टी.एन. कृष्णन, आर.पी शास्त्री
सरोद	अली अकबर खाँ, अलाउद्दीन खाँ, अशोक कुमार राय, अमजद अली खाँ
सितार	पं. रविशंकर, उस्ताद विलायत खाँ
शहनाई	बिस्मिल्ला खाँ, शैलेश भागवात, अनन्त लाल, भोलानाथ तमन्ना, हरि सिंह
तबला	अल्लारक्खा, जाकिर हुसैन, लतीफ खाँ, गुदई महाराज, अम्बिका प्रसाद
हारमोनियम	रविन्द्र तलोगांवकर, अप्पा जुलगांवकर, महमूद
वीणा	ब्रह्मस्वरूप सिंह, एस. बालचन्द्रन, असद अली, गोपालकृष्ण
संतूर	पं. शिवकुमार शर्मा, तरुण भट्टाचार्य
सारंगी	पं. रामनारायण, ध्रुव घोष, अरुण काले, आशिक अली खाँ, वजीर खाँ, रमजान खाँ
जलतरंग	रामस्वरूप प्रभाकर, घासीराम निर्मल, जगदीश मोहन
गिटार	विश्वमोहन भट्ट, ब्रजभूषण काबरा, केशव तलेगावकर, नतिन मजूमदार

भारतीय लेखक व पुस्तक

लेखक	पुस्तक/पुस्तकें
अबुल फजल	आइने अकबरी, अकबरनामा
सूरदास	साहित्यलहरी, सूरसागर
कबीरदास	बीजक, रमैनी, सबद
गुलबदन बेगम	हुमायूँनामा
अलबरूनी	किताब-ए-हिन्द
मलिक मुहम्मद जायसी	पद्मावत
रवीन्द्रनाथ टैगोर	चित्रांगदा, गीतांजलि, गोरा, विसर्जन, हंग्री स्टोन्स
विष्णु शर्मा	पंचतन्त्र
विशाखदत्त	मुद्राराक्षस
पाणिनी	अष्टाध्यायी
कालिदास	रघुवंशम्, कुमारसम्भवम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम्
वात्स्यायन	कामसूत्र
विज्ञानेश्वर	मिताक्षरा
दीनबन्धु मित्र	नील दर्पण
कल्हण	राजतरंगिणी
प्लिनी	नेचुरल हिस्ट्री
चाणक्य	अर्थशास्त्र
वेदव्यास	भगवद्गीता, महाभारत

लेखक	पुस्तक/पुस्तकें
अश्वघोष	बुद्धचरितम्
जयदेव	गीतगोविन्द
बाणभट्ट	कादम्बरी
फिरदौसी	शाहनामा
कुलदीप नैयर	जजमेन्ट, नेबर्स, इण्डिय, द क्रिटिकल इयर्स इन जेल, इण्डिया आफ्टर नेहरू, बिटविन द लाइन्स
अरविन्द घोष	लाइफ डिवाइन, ऐशेज ऑन गीता, रिवर ऑफ स्मोक
शिवानन्द	डिवाइन लाइफ
अमृता प्रीतम	डेथ ऑफ ए सिटी, कागज ते कैनवास, फोर्टी नाइन डेज
प्रेमचन्द	गोदान, गबन, कर्मभूमि, रंगभूमि
विजय तेन्दुलकर	सखाराम बाइण्डर
सरोजिनी नायडू	गोल्डेन थ्रेसहोल्ड, ब्रोकन विंग्स, द सांग ऑफ इण्डिया
सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'	अनामिका, परिमल
यशपाल	दादा कामरेड
जयशंकर प्रसाद	कामायनी
मैथिलीशरण गुप्त	भारत-भारती, साकेत
रामधारी सिंह 'दिनकर'	कुरुक्षेत्र, उर्वशी
इन्दिरा गाँधी	इन्टरनल इण्डिया, माई ट्रुथ
अज्ञेय	कितनी नावों में कितनी बार
मोरारजी देसाई	नेचर क्योर
नयनतारा सहगल	ए वाइस ऑफ फ्रीडम
वी.एस. नायपॉल	एरिया ऑफ डार्कनेस
देवकी नन्दन खत्री	चन्द्रकान्ता
शरतचन्द्र चट्टोपाध्याय	देवदास, चरित्रहीन
किरण देसाई	द इनहेरिटेंस ऑफ लॉस
अरविन्द अडिगा	द व्हाइट टाइगर
आर के नारायण	मालगुडी डेज, इण्डियन थॉट : ए मिसेलनी, माई डेज : ऑटोबायोग्राफी, द वेन्डर ऑफ स्वीट्स, द बेचलर ऑफ आर्टर्स, मिस्टर सम्पत
ए पी जे अब्दुल कलाम	इग्नाइटेड माइन्ड्स, इण्डिया 2020 ए विजन फॉर द न्यू मिलेनियम
नीरद सी. चौधरी	ऑटोबायोग्राफी ऑफ एन अननोन इण्डियन्स, द हार्समैन एण्ड द न्यू एपोकलिप्स
महात्मा गाँधी	माई एक्सपेरिमेन्ट्स विद द ट्रुथ, कांक्विस्ट ऑफ सेल्फ, द वे टू कम्यूनल हारमोनी, नॉन वायलेन्स इन पीस एण्ड वार
किरण बेदी	ह्वाट वेन्ट रांग, फ्लाइट इण्टू फीयर
वेद मेहता	पोर्ट्रेट ऑफ इण्डिया

लेखक	पुस्तक/पुस्तकें
एस. राधाकृष्णन	एन आइडियलिस्ट व्यू ऑफ लाइफ
सलमान रुश्दी	मिडनाइट्स चिल्ड्रेन, शेम, सेटेनिक वर्सेज, फ्यूरी, शालीमार द क्लाउन
विक्रम सिंह	ए सूटेबल ब्वॉयज, द गोल्डन गेट
अरुंधती रॉय	गॉड ऑफ स्माल थिंग्स, द अल्जेब्रा ऑफ इनफिनिट जस्टिस, ग्रेटर कॉमन गुड, बहुजन हिताय
सलमान खुर्शीद	बिआंड कश्मीर
जवाहरलाल नेहरू	डिस्कवरी ऑफ इण्डिया
चेतन भगत	रिजूलेशन 2020, फाइव प्वाइंट समवन, 2 स्टेट्स, वन नाइट एट ए कॉल सेन्टर
खुशवन्त सिंह	ट्रेन टू पाकिस्तान, द कम्पनी ऑफ विमेन, द सिख टुडे, गुरुज, गॉड मैन
अमर्त्य सेन	च्वाइस ऑफ टेक्निक्स
देवानन्द	रोमांसिंग विद लाइफ-सन ऑटोबायोग्राफी
जसवंत सिंह	जिन्ना : इंडिया-पार्टीशन-इंडिपेंडेंस

समाधि-स्थल

▪ राजघाट	महात्मा गाँधी
▪ विजय घाट	लालबहादुर शास्त्री
▪ किसान घाट	चौधरी चरण सिंह
▪ वीर भूमि	राजीव गाँधी
▪ महाप्रयाण घाट	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
▪ नारायण घाट	गुलजारी लाल नन्दा
▪ शान्ति वन	जवाहरलाल नेहरू
▪ शक्ति स्थल	इन्दिरा गाँधी
▪ अभय घाट	मोरारजी देसाई
▪ समता स्थल	जगजीवन राम
▪ चैत्य भूमि	बी आर अम्बेडकर

भारत के सांस्कृतिक संस्थान एवं स्थापना वर्ष

संस्थान	वर्ष
▪ ललित कला अकादमी	1954
▪ संगीत नाटक अकादमी	1953
▪ राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय	1959
▪ साहित्य अकादमी	1954
▪ राष्ट्रीय पुस्तकालय (कोलकाता)	1948
▪ भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार	1881
▪ भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण	1945
▪ इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र	1954
▪ भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण	1861
▪ केन्द्रीय सचिवालय पुस्तकालय	1891

प्रमुख राष्ट्रीय आयोग, संगठन, प्राधिकरण

संस्था का नाम	स्थापना वर्ष	प्रमुख उद्देश्य
राष्ट्रीय बाल अधिकार आयोग	2007	बाल अधिकारों का संरक्षण तथा बच्चों से सम्बन्धित कानूनों एवं कार्यक्रमों का कार्यान्वयन।
राष्ट्रीय सांख्यिकीय आयोग	2006	निष्पक्ष ढंग से आँकड़े एकत्र करना तथा आँकड़े एकत्र करने वाली सांख्यिकीय एजेन्सियों के मध्य आने वाली समस्याओं को दूर करना।
आर्थिक रूप से पिछड़ों के लिए राष्ट्रीय आयोग	2006	आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों की पहचान के मापदण्ड तय करने के लिए राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों से विचार विमर्श करना
राष्ट्रीय न्यायिक परिषद्	2005	न्यायिक व्यवस्था में शीर्ष स्तर पर पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना।
राष्ट्रीय ज्ञान आयोग	2005	महत्त्वाकांक्षी ज्ञान लक्ष्यों के लिए उत्प्रेरक का कार्य करना और संस्थाओं को इसे प्राप्त करने में सहयोग देना।
राष्ट्रीय किसान आयोग	2004	भारतीय कृषि की समीक्षा एवं विभिन्न श्रेणी तथा क्षेत्रों के किसानों की स्थिति का आकलन करना।
राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग	2004	अनुसूचित जातियों के हितों की रक्षा अधिक प्रभावदायक रूप से करना।
अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थाओं हेतु राष्ट्रीय आयोग	2004	अल्पसंख्यक संस्थानों को निर्धारित विश्वविद्यालयों से सीधे मान्यता दिलाना।
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग	2003	अनुसूचित जनजातियों के हितों की रक्षा करना।
राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग	1993	मानवाधिकार हनन को नियन्त्रित करके नागरिक अधिकारों को सुनिश्चित करना।
राष्ट्रीय महिला आयोग	1993	महिलाओं को प्रदत्त कानूनी सुरक्षा उपयों की जाँच करना तथा उनके प्रभावी कार्यान्वयन हेतु उपायों के बारे में सरकार की सिफारिशें करना।
कर्मचारी चयन आयोग	1976	भारत सरकार तथा उसके अधीनस्थ कार्यालयों में वर्ग-तृतीय श्रेणी के गैर तकनीकी पदों की रिक्तता की पूर्ति करना।
भारतीय खाद्य निगम	1965	खाद्यान्नों की खरीद, आयात, वितरण भण्डारण तथा बिक्री व्यवस्था का संचालन करना।
केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क बोर्ड	1963	सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्कों के उद्ग्रहण तथा उनकी वसूली करना, तस्करी की रोकथाम करना और सीमा शुल्क केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नार्कोटिक्स से सम्बन्धित मामलों के प्रशासन हेतु नीति तैयार करना।
केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड	1963	प्रत्यक्ष करों के लगाने एवं वसूल करने सम्बन्धी मामलों का क्रियान्वयन करना।
नेशनल बुक ट्रस्ट	1957	शैक्षिक संस्थानों तथा जागरूक पाठकों को कम मूल्य पर उच्च साहित्य उपलब्ध कराना।
तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम	1956	हाइड्रोकार्बन का दोहन तथा कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस की ढुलाई कराना।
विधि आयोग	1955	दीर्घकालीन कानूनों के पुनर्निरीक्षण के साथ ही परिवर्तित सामाजिक एवं आर्थिक स्थितियों के अनुरूप उनमें परिवर्तन अथवा संशोधन करना।
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग	1953	विश्वविद्यालय शिक्षा, अध्यापन स्तर, परीक्षा तथा शोध कार्य को प्रोत्साहित करके उन्हें संयोजित करना।
निर्वाचन आयोग	1950	निर्वाचनों का निरीक्षण, निर्देशन और नियन्त्रण करना।
परमाणु ऊर्जा आयोग	1948	देश हित में परमाणु ऊर्जा की महत्ता को स्वीकार करके परमाणु ऊर्जा विषयक गतिविधियों का समुचित संचालन एवं सदुपयोग करना।
वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसन्धान परिषद्		देश की विभिन्न शिक्षा संस्थाओं तथा विश्वविद्यालयों में वैज्ञानिक एवं औद्योगिक शोध हेतु सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करना।

भारत में विश्व धरोहर

➤ संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) का वर्ल्ड हेरिटेज सेन्टर विभिन्न सदस्य देशों में स्थित उन सभी सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक, रचनाओं एवं स्थलों की पहचान, सुरक्षा एवं संरक्षण का कार्य करता है, जो कि सम्पूर्ण मानव जाति के लिए विशिष्ट मूल्य के हैं।

➤ विश्व धरोहरों के संरक्षण का प्रथम प्रयास वर्ष 1959 में मिस्र में अस्वान बाँध के खतरे से प्राचीन अबु सिम्बेल को बचाने के रूप में किया गया।

➤ 16 नवम्बर, 1972 को पेरिस में यूनेस्को की साधारण बैठक में सदस्य देशों ने विश्व सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहर संरक्षण सन्धि पर सहमति प्रकट की।

➤ भारत ने 14 नवम्बर, 1977 को इस सन्धि का अनुमोदन किया।

धरोहर	वर्ष
▪ ताजमहल (आगरा, उत्तर प्रदेश)	1983
▪ लाल किला (आगरा, उत्तर प्रदेश)	1983
▪ अजन्ता की गुफाएँ (औरंगाबाद, महाराष्ट्र)	1983
▪ एलोरा की गुफाएँ (औरंगाबादं, महाराष्ट्र)	1983
▪ कोणार्क का सूर्य मन्दिर (पुरी, ओडिशा)	1884
▪ महाबलिपुरम् स्मारक समूह (काँचीपुरम्, तमिलनाडु)	1984
▪ काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (नौगाँव-गोलाघाट, असोम)	1984
▪ मानस वन्यजीव अभयारण्य (बारपेटा, असोम)	1985
▪ केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (भरतपुर, राजस्थान)	1985
▪ गोवा के गिरजाघर एवं मठ (गोवा)	1986
▪ फतेहपुर सीकरी (आगरा, उत्तर प्रदेश)	1986
▪ हम्पी स्मारक समूह (बेल्लारी, कर्नाटक)	1986
▪ खजुराहो मन्दिर (छतरपुर, मध्य प्रदेश)	1986
▪ एलिफेंटा की गुफाएँ (कालबा, महाराष्ट्र)	1987
▪ पट्टडकल स्मारक समूह (बीजापुर, कर्नाटक)	1987
▪ सुन्दरवन राष्ट्रीय उद्यान (गंगा डेल्टा, पश्चिम बंग)	1987
▪ महान चोल मन्दिर-बृहदीश्वर मन्दिर (तंजावुर, तमिलनाडु)	1987
▪ नन्दादेवी राष्ट्रीय उद्यान (चमोली, उत्तराखण्ड)	1988
▪ साँची बौद्ध स्मारक (विदिशा, मध्य प्रदेश)	1989
▪ कुतुबमीनार एवं परिसर के स्मारक हुमायूँ का मकबरा (दिल्ली)	1993
▪ दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (दार्जिलिंग पश्चिम बंग)	1999
▪ महाबोधि मन्दिर परिसर (गया, बिहार)	2002
▪ भीमबेटका की गुफाएँ (होशंगाबाद, मध्य प्रदेश)	2003
▪ गंगईकोंड कोलिश्वरम मन्दिर (पेराम्बलूर, तमिलनाडु)	2004
▪ ऐरावतेश्वर मन्दिर (तंजावुर, तमिलनाडु)	2004
▪ चम्पानेर-पावागढ़ पुरातत्त्व परिसर (पंचमहल, गुजरात)	2004
▪ छत्रपति शिवाजी टर्मिनस (मुम्बई, महाराष्ट्र)	2004
▪ नीलगिरि माउण्टेन रेलवे (तमिलनाडु)	2005
▪ फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान (चमोली, उत्तराखण्ड)	2005
▪ दिल्ली का लाल किला (नई दिल्ली)	2007
▪ कालका-शिमला रेलवे (हिमाचल प्रदेश)	2008
▪ सिमलीपाल वन्य जीव अभयारण्य (ओडिशा)	2009
▪ नोक्रेक वन्य जीव अभयारण्य (मेघालय)	2009
▪ पचमढ़ी वन्य जीव अभयारण्य (मध्य प्रदेश)	2009
▪ भितरकणिका राष्ट्रीय उद्यान (ओडिशा)	2010
▪ जन्तर-मन्तर (जयपुर, राजस्थान)	2010

संयुक्त राष्ट्र संघ

➤ संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना 24 अक्टूबर, 1945 को हुई थी।

➤ इसका प्रधान कार्यालय न्यूयार्क में है और इसके सदस्यों की वर्तमान संख्या 193 है।

➤ अंग्रेजी, फ्रेंच, चीनी, अरबी और स्पेनिश संयुक्त राष्ट्र संघ के कार्यालय की भाषाएँ हैं जबकि कार्यकारी भाषाएँ अंग्रेजी और फ्रेंच हैं।

➤ संयुक्त राष्ट्र संघ के ध्वज की पृष्ठभूमि हल्की नीली है और उस पर श्वेत रंग से राष्ट्र संघ का प्रतीक बना हुआ है। इसमें दो जैतून की वक्राकार शाखाएँ हैं जो ऊपर खुली हैं और उनके बीच विश्व का मानचित्र बना है।

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष

2002	प्रकृति पर्यटन तथा पर्वतों का अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष
2003	स्वच्छ पानी का अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष
2004	धान (चावल) का अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष
2005	भौतिक विज्ञान वर्ष तथा माइक्रो क्रेडिट का अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष
2006	आर्थिक सुधार वर्ष (आई एम एफ द्वारा घोषित) उभरते बाजारों का वर्ष (आई एफ सी द्वारा घोषित)
2007	अन्तर्राष्ट्रीय डॉल्फिन वर्ष
2008	अन्तर्राष्ट्रीय पृथ्वी वर्ष
2009	विश्व सद्भावना वर्ष
2010	विश्व जैव-विविधता वर्ष
2011	विश्व वन वर्ष
2012	सहकारिता वर्ष

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा स्वीकृत अन्तर्राष्ट्रीय दशक

2001-2010	उपनिवेशवाद उन्मूलन
2003-2012	साक्षरता दशक
2005-2015	जीवन के लिए जल हेतु कार्यवाही दशक
2006-2016	बालिका उत्तरजीविता दशक

संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रमुख अंग

महासभा	▪ यह संयुक्त राष्ट्र का एकमात्र अंग है, जिसमें संघ के सभी सदस्य देशों को सदस्यता प्राप्त है एवं उन्हें समान मताधिकार दिया गया है। ▪ इसका अधिवेशन वर्ष में कम-से कम एक बार अवश्य बुलाया जाता है, जो सामान्यतः सितम्बर माह में न्यूयार्क में होता है।
सुरक्षा परिषद्	▪ सुरक्षा परिषद् विश्व शान्ति एवं सुरक्षा से सम्बन्धित राष्ट्र संघ के दायित्वों को पूरा करने वाली आदेशात्मक संस्था है। ▪ इसके पाँच स्थायी सदस्य हैं—अमेरिका, ब्रिटेन, चीन, फ्रांस तथा रूस। जब तक सुरक्षा परिषद् का अस्तित्व है तब तक इन पाँचों की स्थायी सदस्यता बनी रहेगी। ▪ सुरक्षा परिषद् के दस अस्थायी सदस्य भी होते हैं जिन्हें महासभा द्वारा दो वर्ष के लिए चुना जाता है। ▪ अंग्रेजी वर्णमाला के अक्षरों के क्रम में सभी देश एक-एक मास के लिए सुरक्षा परिषद् की अध्यक्षता करते हैं। ▪ सुरक्षा परिषद् के प्रत्येक स्थायी सदस्य को निषेधाधिकार (Veto) प्राप्त होता है। इस व्यवस्था के अनुसार यदि पाँच सदस्यों में से कोई एक भी किसी महत्त्वपूर्ण निर्णय के विपक्ष में वोट दे देता है तो वह विषय अस्वीकृत समझा जाएगा।
आर्थिक एवं सामाजिक परिषद्	▪ इस परिषद् में 54 सदस्य हैं। ▪ इसके कार्यों में युद्ध एवं शस्त्र की राजनीति को छोड़कर अन्तर्राष्ट्रीय महत्त्व के विषय आते हैं। यह आर्थिक, सामाजिक, शिक्षा तथा स्वास्थ्य से सम्बन्धित विभिन्न समस्याओं का अध्ययन कर उन पर रिपोर्ट तैयार करती है तथा उनसे सम्बन्धित सुझाव महासभा एवं अन्य सम्बन्धित संस्थाओं को भेजती है।
अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय	▪ इस न्यायालय में 15 सदस्य होते हैं जो महासभा एवं सुरक्षा परिषद् द्वारा निर्वाचित किए जाते हैं। ▪ इसका मुख्यालय हेग (नीदरलैण्ड्स) में है। ▪ अन्तर्राष्ट्रीय विधि के क्षेत्र में मान्यता प्राप्त व्यक्ति ही न्यायाधीश के रूप में चुने जाते हैं। न्यायाधीशों कार्यकाल 9 वर्ष का होता है एवं उनके दोबारा चुने जाने पर कोई प्रतिबन्ध नहीं है।
न्यास परिषद्	▪ इस परिषद् के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र का उन राष्ट्रों के प्रशासन एवं सुरक्षा से सम्बन्धित दायित्व स्पष्ट होता है, जो द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात् भी स्वतन्त्र नहीं हो पाए। ▪ इसमें 11 राज्य रखे गए, जिनमें ब्रिटिश टोबोलैण्ड, फ्रांसीसी टोबोलैण्ड, कैमरून, सोमालीलैण्ड, टैगानिका, पश्चिम समाओं आदि को स्वतन्त्रता प्राप्त हो चुकी है।
सचिवालय	▪ यह संयुक्त राष्ट्र का प्रशासनिक अंग है। ▪ सचिवालय में एक महासचिव तथा अन्य कर्मचारी होते हैं। महासचिव की नियुक्ति 5 वर्ष के लिए सुरक्षा परिषद् की सिफारिश पर महासभा द्वारा की जाती है।

संयुक्त राष्ट्र विशिष्ट अभिकरण एवं अन्य संगठन

संगठन	स्थापना वर्ष	मुख्यालय
अन्तर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU)	1865	जेनेवा (स्विट्जरलैण्ड)
अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO)	1919	जेनेवा (स्विट्जरलैण्ड)
अन्तर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (ICAO)	1944	मॉन्ट्रियल (कनाडा)
विश्व बैंक (World Bank)	1945	वाशिंगटन डीसी (यूएसए)
खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO)	1945	रोम (इटली)
अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)	1945	वाशिंगटन डीसी (यूएसए)
यूनेस्को (UNESCO)	1946	पेरिस (फ्रांस)
अन्तर्राष्ट्रीय सामुद्रिक संगठन (IMO)	1948	लन्दन (ब्रिटेन)
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)	1948	जेनेवा (स्विट्जरलैण्ड)
विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO)	1951	जेनेवा (स्विट्जरलैण्ड)
संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (UNHCR)	1951	जेनेवा (स्विट्जरलैण्ड)
अन्तर्राष्ट्रीय वित्त निगम (IFC)	1956	वाशिंगटन डीसी (यूएसए)
अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अभिकरण (IAEA)	1957	विएना (ऑस्ट्रिया)
अन्तर्राष्ट्रीय विकास अभिकरण (IDA)	1960	वाशिंगटन डीसी (यूएसए)
अन्तर्राष्ट्रीय दूरसंचार संगठन (INTELSAT)	1964	वाशिंगटन डीसी (यूएसए)
संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP)	1965	न्यूयार्क (यूएसए)

संगठन	स्थापना वर्ष	मुख्यालय
संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (UNIDO)	1966	वियना (ऑस्ट्रिया)
विश्व बौद्धिक सम्पदा संगठन (WIPO)	1967	जेनेवा (स्विट्जरलैण्ड)
संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कोष (UNEP)	1972	कीनिया
व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबन्ध सन्धि संगठन (CTBT)	1996	वियना (ऑस्ट्रिया)
रासायनिक हथियार निषेध संगठन (OPCW)	1997	द हेग (नीदरलैण्ड्स)
अन्तर्राष्ट्रीय कृषि विकास कोष (IFAD)	1976	रोम (इटली)
संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या विकास कोष (UNFPA)	1989	न्यूयार्क (यूएसए)
विश्व व्यापार संगठन (WTO)	1995	जेनेवा (स्विट्जरलैण्ड)

अन्य अन्तर्राष्ट्रीय संगठन : *एक परिचय*

संगठन	स्थापना वर्ष	मुख्यालय
अन्तर्राष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन (INTERPOL)	1914	लियोन (फ्रांस)
राष्ट्रमण्डल (Commonwealth)	1931	लन्दन (ब्रिटेन)
अरब लीग (Arab League)	1945	काहिरा (मिस्त्र)
उत्तर अटलांटिक सन्धि संगठन (NATO)	1949	ब्रुसेल्स (बेल्जियम)
आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (OECD)	1961	पेरिस (फ्रांस)
पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन (OPEC)	1960	वियना (ऑस्ट्रिया)
एम्नेस्टी इन्टरनेशनल	1961	लन्दन (ब्रिटेन)
रेडक्रॉस	1863	जेनेवा (स्विट्जरलैण्ड)
अफ्रीकी संघ (AU)	1963	वियना (आस्ट्रिया)
समूह-77 (G-77)	1964	जेनेवा (स्विट्जरलैण्ड)
एशियाई विकास बैंक	1966	मनीला (फिलीपीन्स)
दक्षिण-पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन	1967	जकार्ता (इण्डोनेशिया)
दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (ASEAN)	1985	काठमाण्डू (नेपाल)
एशिया प्रशान्त आर्थिक सहयोग संगठन (APEC)	1989	सिंगापुर
समूह-15 (G-15)	1989	जेनेवा (स्विट्जरलैण्ड)

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

भारतीय परमाणु अनुसन्धान *मील के पत्थर*

- **1944** टाटा आधारभूत अनुसन्धान संस्थान (TIFR) की मुम्बई में स्थापना।
- **1948** डॉ. भाभा की अध्यक्षता में 10 अगस्त, 1948 को परमाणु ऊर्जा आयोग की स्थापना।
- **1954** परमाणु ऊर्जा प्रतिष्ठान की मुम्बई में स्थापना, परमाणु नीतियों के क्रियान्वयन के लिए परमाणु विभाग की स्थापना।
- **1965** एक मेगावाट क्षमता वाले रिएक्टर 'अप्सरा' की स्थापना।
- **1960** 40 मेगावाट क्षमता वाले भारत के दूसरे रिएक्टर 'साइरस' की स्थापना।
- **1967** परमाणु ऊर्जा प्रतिष्ठान का नामकरण—भाभा परमाणु अनुसन्धान संस्थान (BARC) किया गया।
- **1969** भारत में परमाणु बिजली उत्पादन आरम्भ, तारापुर बिजली घर सक्रिय।
- **1971** हैदराबाद में परमाणु ईंधन सम्मिश्र की स्थापना, कलपक्कम (चेन्नई) में रिएक्टर अनुसन्धान केन्द्र ('इन्दिरा गाँधी परमाणु अनुसन्धान केन्द्र')
- **1972** फास्ट ब्रीडर रिएक्टरों के क्षेत्र में परीक्षण के लिए शून्य ऊर्जा वाले 'पूर्णिमा-1' रिएक्टर की स्थापना।
- **1974** 18 मई को पोखरण क्षेत्र में भारत का प्रथम भूमिगत परमाणु परीक्षण।
- **1984** 27 जनवरी से चेन्नई के निकट कलपक्कम स्थित मद्रास (चेन्नई) परमाणु बिजलीघर में देश के पहले 335 मेगावाट क्षमता वाले रिएक्टर ने उत्पादन आरम्भ किया।
- **1986** गांधीनगर में प्लाज्मा शोध संस्थान स्थापित।

➤ 1989 12 मार्च से नरोरा (उ. प्र.) स्थित संयन्त्र के पहले रिएक्टर में कार्य आरम्भ। सितम्बर में 'आदित्य' नामक भारतीय टोकामैक कार्यशील। 'पूर्णिमा-3' क्रिटिकल ईंधन के रूप में यूरेनियम-233 प्रयुक्त करने वाला विश्व का प्रथम रिएक्टर।

➤ 1996 विश्व के सर्वप्रथम न्यूट्रॉन सोर्स रिएक्टर 'कामिनी' की इन्दिरा गाँधी परमाणु अनुसन्धान केन्द्र में स्थापना।

➤ 1998 पोखरण क्षेत्र में 11 मई को तीन परमाणु परीक्षण सम्पन्न।

➤ 1999 कैगा (कर्नाटक) में 220-220 मेगावाट क्षमता वाले दो दाबित भारी पानी रिएक्टर स्थापित।

➤ 2004 500 मेगावाट की आरम्भिक क्षमता वाले देश के प्रथम 'प्रोटोटाइप तीव्र प्रजनक रिएक्टर' के निर्माण की प्रक्रिया आरम्भ।

➤ 2005 6 मार्च को तारापुर परमाणु बिजलीघर की चौथी इकाई 'टी.ए.पी.पी.-4' ने क्रान्तिकता प्राप्त की, पहली बार पूर्णतः स्वेदशी प्रक्रिया से 540 मेगावाट क्षमता वाला रिएक्टर बनाना सम्भव।

➤ 2006 4 जनवरी को मद्रास परमाणु बिजलीघर की पहली इकाई ने 'एम.ए.पी. एस.-1' पुनः क्रान्तिकता प्राप्त की, 21 मई को तारापुर प्लाण्ट (TAPP-3) ने क्रान्तिकता प्राप्त की।

➤ 2007 26 जनवरी को कैगा नाभिकीय ऊर्जा परियोजना के तीसरे संयन्त्र कैगा-3 (320 मेगावाट) ने क्रान्तिकता प्राप्त की, 31 अगस्त को तारापुर परमाणु विद्युत गृह की यूनिट 3 व 4 राष्ट्र को समर्पित।

➤ 2008 6 सितम्बर को 34 वर्ष बाद भारत को एनएसजी से स्वीकृति प्राप्त हुई। अब भारत अपने एटमी रिएक्टरों के लिए न केवल परमाणु ईंधन प्राप्त कर सकता है वरन् बाहरी देश उसे ईंधन, उपकरण और तकनीक उपलब्ध कराने के अलावा भारत में संयन्त्र भी लगा सकते हैं।

➤ 2010 केन्द्र द्वारा महाराष्ट्र स्थित जैतपुर में फ्रांस की एक फर्म के सहयोग से 9900 मेगावाट के नाभिकीय ऊर्जा संयन्त्र की स्थापना की अनुमति।

भारतीय रक्षा प्रौद्योगिकी

➤ 1958 में रक्षा अनुसन्धान एवं विकास संगठन (DRDO) की स्थापना की गई थी। इसका उद्देश्य रक्षा क्षेत्र में अनुसन्धान एवं विकास करना है। डीआरडीओ का मुख्यालय दिल्ली में है एवं इसके महानिदेशक, रक्षामन्त्री के वैज्ञानिक सलाहकार होते हैं।

➤ DRDO के अन्तर्गत, चरम प्रौद्योगिकी अनुसन्धान प्रयोगशाला (Terminal Ballintic Qussile Laboratory) के मुख्यालय की स्थापना चंडीगढ़ में 1961 में की गई।

➤ 1983 भारत में 'समेकित निर्देशित प्रक्षेपास्त्र विकास कार्यक्रम' आरम्भ किया गया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न प्रक्षेपास्त्र विकसित किए गए जैसे—

पृथ्वी 1998 में ज़मीन से जमीन पर मार करने वाली इस कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया गया। इसकी अधिकतम मारक क्षमता 250 किमी है।

अग्नि यह जमीन से जमीन पर मार करने वाली मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है। अग्नि प्रक्षेपास्त्र की तीन श्रेणियाँ हैं—अग्नि I, अग्नि II एवं अग्नि III, इसकी अधिकतम मारक क्षमता 3500 किमी तक है।

त्रिशूल यह कम दूरी का जमीन से जमीन पर वार करने वाला प्रक्षेपास्त्र है। इसकी अधिकतम मारक क्षमता 9 किमी है।

आकाश यह जमीन से हवा में मार करने वाला मध्यम दूरी का प्रक्षेपास्त्र है। इसकी अधिकतम मारक क्षमता 25 किमी है। इसे मोबाइल संचार से भी छोड़ा जा सकता है।

नाग यह टैंकरोधी निर्देशित प्रक्षेपास्त्र है जिसकी अधिकतम मारक क्षमता 4 किमी है। इसको 'दागो और भूल जाओ' प्रक्षेपास्त्र भी कहा जाता है क्योंकि एक बार दागने के पश्चात् इसे दोबारा निर्देशित करने की जरूरत नहीं होती।

ब्रह्मोस यह जमीन से जमीन पर मार करने वाला मध्यम दूरी का प्रक्षेपास्त्र है। यह भी 'दागो और भूल जाओ' पद्धति पर कार्य करता है। इसकी अधिकतम मारक क्षमता 290 किमी है। ब्रह्मोस प्रक्षेपास्त्र का विकास भारत एवं रूस ने संयुक्त रूप से किया है।

सागरिका 'सागरिका' मिसाइल समुद्र के अन्दर से छोड़ी जाने वाली मिसाइल है। इसका विकास विशेष रूप से परमाणु ईंधन चालित पनडुब्बी से छोड़े जाने हेतु किया जा रहा है। यह भारत की प्रथम परमाणु क्षमता सम्पन्न बैलिस्टिक मिसाइल है। इसकी मारक क्षमता 700 किमी तक है। इसकी लम्बाई 8.5 मी तथा व्यास एक मी है। इसे 'के-15' के नाम से भी जाना जाता है।

अर्जुन अर्जुन एक युद्धक टैंक है, जिसकी अधिकतम गति 70 किमी प्रति घण्टा है।

पिनाका यह मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर है जिसका नाम भगवान शंकर के धनुष 'पिनाक' के नाम पर रखा गया है। यह 40 सेकण्ड में 100-100 किग्रा के 12 रॉकेट एक के बाद एक 39 किमी तक प्रक्षेपित कर सकता है।

ध्रुव यह एक एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर है जो अधिकतम 245 किमी प्रति घण्टा की गति से उड़ान भर सकता है। इसमें दो चालकों सहित 14 व्यक्ति एक साथ जा सकते हैं।

तेजस यह भारत में निर्मित प्रथम हल्का लड़ाकू विमान है। इसमें जी. ई. 404 अमेरिकी कम्पनी जनरल इलेक्ट्रॉनिक का इंजन लगा है, जिसके स्थान पर जल्द ही स्वदेश निर्मित कावेरी इंजन लगाया जाएगा। यह विमान 600 किमी प्रति घण्टा की गति से उड़ सकता है।

अस्त्र यह मध्यम दूरी का हवा से हवा में मार करने वाला प्रथम प्रक्षेपास्त्र है। इसकी अधिकतम मारक क्षमता 25 किमी है।

धनुष यह जमीन से जमीन पर मार करने वाला प्रक्षेपास्त्र एवं 'पृथ्वी' प्रक्षेपास्त्र का नौसैनिक रूपान्तरण है। इसकी अधिकतम मारक क्षमता 150 किमी है।

प्रहार यह पृथ्वी से पृथ्वी पर त्वरित आक्रमण करने वाले प्रक्षेपास्त्र किमी है व यह पिनाक (40 किमी) एवं पृथ्वी (250-350 किमी) के बीच की श्रेणी में आता है। इसका विकास डीआरडीओ द्वारा किया गया है।

टारपीडो देश में पहली बार विकसित टारपोडो जल के नीचे काम करने वाला एक हथियार है। यह पानी के अन्दर ही दुश्मन सेना की पनडुब्बियों को नष्ट कर देता है।

पीजे-10 सतह से सतह पर मार करने वालीर सुपर सोनिक क्रूज मिसाइल। इसकी मारक क्षमता 280° किमी है।

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसन्धान

- राष्ट्रीय अन्तरिक्ष अनुसन्धान समिति का गठन 1962 में प्रसिद्ध अन्तरिक्ष वैज्ञानिक डा. विक्रम साराभाई ने की।
- अन्तरिक्ष अनुसंधान को संचालित करने के लिए अन्तरिक्ष विभाग का गठन 1972 में किया गया।
- भारत अन्तरिक्ष विकास एवं आविष्कारों से सम्बन्धित प्रमुख चार संस्थान निम्नलिखित हैं
  1. विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र, तिरुअनन्तपुरम
  2. सतीश धवन अन्तरिक्ष केन्द्र, आंध्र प्रदेश
  3. अन्तरिक्ष अनुप्रयोग उपयोग केन्द्र, अहमदाबाद
  4. इसरो उपग्रह केन्द्र, बंगलुरुभारत के प्रमुख अन्तरिक्ष कार्यक्रम

प्रक्षेपित उपग्रह	प्रक्षेपण स्थल	प्रक्षेपक (रॉकेट)
आर्यभट्ट (19.04.75)	कॉस्मोड्रोम	इण्टरकॉसमॉस
भास्कर-I (07.06.79)	कॉस्मोड्रोम	इण्टरकॉसमॉस
एप्पल (19.06.81)	कोरू, फ्रेंच गुयाना	एरियन-4
भास्कर-2 (20.11.81)	कॉस्मोड्रोम	इण्टरकॉसमॉस
इन्सैट-1ए (10.04.82)	केप केनेवरल	डेल्टा
इन्सैट-1बी (30.08.83)	केप केनेवरल	शटल चैलेंजर
इन्सैट-1 डी (12.06.90)	केप केनेवरल	शटल चैलेंजर
इन्सैट-2बी (23.07.93)	कोरू, फ्रेंच गुयाना	एरियन-4
इन्सैट-2सी (07.12.95)	कोरू, फ्रेंच गुयाना	एरियन-4
इन्सैट-3बी (22.03.00)	कोरू, फ्रेंच गुयाना	एरियन-5
जीसैट-1सी (18.04.01)	श्रीहरिकोटा	जीएसएलवी-डी1
इन्सैट-3सी (24.01.02)	कोरू, फ्रेंच गुयाना	एरियन-4
(मेटसैट) (कल्पना-1) (12.09.02)	श्रीहरिकोटा	पीएसएलवी-सी 4
इन्सैट-3ई (28.09.03)	कोरू, फ्रेंच गुयाना	एरियन-5 जी
एजुसैट (20.09.04)	श्री हरिकोटा	जीएसएलवी-एफ 1
इन्सैट-4ए (22.12.05)	कोरू, फ्रेंच गुयाना	एरियन-5
कार्टोसेट-2ए (28.04.08)	श्रीहरिकोटा	पीएसएलवी-सी9
आईएमएस-1 (28.04.08)	श्रीहरिकोटा	पीएसएलवी-सी9
चन्द्रयान-1 (22.10.08)	श्रीहरिकोटा	पीएसएलवी-सी11
ओसियन सैट-2 बी (23.09.09)	श्रीहरिकोटा	पीएसएलवी-सी14
कार्टोसेट 2 बी (12.07.10)	श्रीहरिकोटा	पीएसएलवी-सी15
रिसोर्स सैट-2 (20.04.11)	श्रीहरिकोटा	पीएसएलवी-सी16
यूथसैट (20.04.11)	श्रीहरिकोटा	पीएसएलवी-सी16
जी सैट-8 (21.05.11)	कोरू, फ्रेंच गुयाना	एरियन-5 वीए 202
जी सैट-12 (15.07.11)	श्रीहरिकोटा	पीएसएलवी-सी17

भारतीय प्रतिरक्षा *विविध तथ्य*

भारतीय सेना की सर्वोच्च शक्ति राष्ट्रपति में निहित है। वह तीनों सेनाओं का संवैधानिक प्रमुख होता है।

भारतीय थल सेना कमान

कमान	मुख्यालय	कमान	मुख्यालय
उत्तरी	उधमपुर	पश्चिमी	शिमला
दक्षिणी	पुणे	दक्षिणी-पश्चिमी	जयपुर
मध्यवर्ती	लखनऊ		
पूर्वी	कोलकाता		

भारतीय नौसेना कमान

क्र.	कमान	मुख्यालय	क्र.	कमान	मुख्यालय
1.	पूर्वी	विशाखापट्टनम	3.	दक्षिणी	कोच्चिं
2.	पश्चिम	मुम्बई			

भारतीय वायु सेना कमान

	कमान	मुख्यालय
1.	पश्चिमी	नई दिल्ली
2.	पूर्वी	शिलांग
3.	मध्य	इलाहाबाद
4.	दक्षिणी-पश्चिमी	गाँधीनगर
5.	दक्षिणी	तिरुअनन्तपुरम
	सहयोगी कमान	
6.	प्रशिक्षण कमान	बंगलुरु
7.	रख-रखाव कमान	नागपुर

तीनों सेनाओं के पदाधिकारी

थल सेना अधिकारी	नौसेना अधिकारी	वायु सेना अधिकारी
जनरल	एडमिरल	एयर चीफ मार्शल
लेफ्टिनेंट जनरल	वाइस एडमिरल	एयर मार्शल
मेजर जनरल	रियर एडमिरल	एयर वाइस मार्शल
ब्रिगेडियर	कोमोडोर	एयर कोमोडोर
कर्नल	कैप्टन	ग्रुप कैप्टन
लेफ्टिनेंट कर्नल	कमाण्डर	विंग कमाण्डर
मेजर	लेफ्टिनेंट कमाण्डर	स्कवैड्रन लीडर
कैप्टन	लेफ्टिनेंट	फ्लाइट लेफ्टिनेंट
लेफ्टिनेंट	सब-लेफ्टिनेंट	फ्लाइंग ऑफिसर

सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा प्रतिष्ठान

सार्वजनिक प्रतिष्ठान	मुख्यालय	स्थापना
▪ हिन्दुस्तान एयरोनोटिक्स लि. (एच ए एल)	बंगलुरु	1964
▪ हिन्दुस्तान इलैक्ट्रोनिक्स लिमिटेड (बी ई एल)	बंगलुरु	1954
▪ मझगाँव डॉक लिमिटेड	मुम्बई	1960
▪ गार्डन रीच बिल्डर्स एण्ड इन्जीनियर्स लिमिटेड	कोलकाता	1934
▪ गोवा शिपयार्ड लिमिटेड	वास्को-डि-गामा	1967
▪ भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बी डी एल)	हैदराबाद	1970
▪ मिश्र धातु निगम लिमिटेड	हैदराबाद	1973

भारत के प्रमुख सैन्य प्रशिक्षण संस्थान

थल सेना

➤ नेशनल डिफेन्स एकेडमी (NDA), खड़कवासला (पुणे के निकट)
➤ नेशनल डिफेन्स कॉलेज, नई दिल्ली
➤ इण्डियन मिलिट्री एकेडमी (IMA), देहरादून
➤ इण्डियन सर्विस स्टाफ कॉलेज, वेलिंग्टन (तमिलनाडु)
➤ इन्फेण्ट्री स्कूल, मऊ
➤ आर्म्ड सेण्टर, अहमदनगर (महाराष्ट्र)
➤ आर्टीलरी स्कूल, देओलाली

नौ सेना

➤ आई. एस. एस. 'चिल्का', भुवनेश्वर
➤ आई. एन. एस. 'तिसरकार्स' विशाखापट्टनम
➤ आई. एन., एस. गरुड़, कोच्चि
➤ आई. एन. एस. 'शिवाजी', लोनावला
➤ जल सेना अकादमी, गोवा

वायु सेना

➤ एयर फोर्स एडमिनिस्ट्रेटिव कॉलेज, कोयम्बटूर
➤ एयर फोर्स एकेडमी, हैदराबाद
➤ एयर फोर्स टेक्निकल कॉलेज, जलाहाली (बंगालुरु)
➤ पैराटूपर ट्रेनिग स्कूल, आगरा

भारत की आन्तरिक सुरक्षा व्यवस्था

संगठन का नाम	स्थापना वर्ष	मुख्यालय
इंटेलीजेंस ब्यूरो (IB)	1920 ई.	नई दिल्ली
राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC)	1948 ई.	–
प्रादेशिक सेना	1948 ई.	–
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF)	1939 ई.	नई दिल्ली
असम रायफल्स	1835 ई.	शिलाँग
केन्द्रीय जाँच ब्यूरो (CBI)	1953 ई.	नई दिल्ली
इण्डो-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP)	1962 ई.	नई दिल्ली
होम गार्ड्स	1962 ई.	–
सीमा सुरक्षा बल (BSF)	1965 ई.	नई दिल्ली
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF)	1969 ई.	नई दिल्ली
तट रक्षा बल	1978 ई.	नई दिल्ली
राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG)	1984 ई.	नई दिल्ली
नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो	1986 ई.	नई दिल्ली
रैपिड एक्शन फोर्स (RAF)	1992 ई.	नई दिल्ली

पुरस्कार एवं सम्मान

राष्ट्रीय पुरस्कार

भारत रत्न

➤ कला, साहित्य, विज्ञान तथा विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के साथ जनसेवा के लिए यह देश का सर्वोच्च सम्मान है।

➤ इसकी स्थापना वर्ष 1954 में की गई थी।

वर्ष 1977 में जनता पार्टी सरकार द्वारा भारत रत्न तथा पद्म पुरस्कारों को बन्द कर दिया गया था, किन्तु 1980 में कांग्रेस सरकार ने पुन: शुरू किया।

➤ यह अलंकरण कांस्य निर्मित पीपल के पत्ते के आकार का होता है। यह $2\frac{1}{16}$ इंच लम्बा, $1\frac{7}{8}$ इंच चौड़ा $\frac{1}{8}$ इंच मोटा होता है। इस अलंकरण के मुख्य भाग पर सूर्य की आकृति अंकित होती है, जिसके नीचे भारत रत्न शब्द खुदे होते हैं। इसके पिछले भाग पर राष्ट्रीय चिन्ह और इसके नीचे सत्यमेव जयते लिखा होता है।

पद्म पुरस्कार

➤ भारत रत्न के बाद पद्म पुरस्कार देश का दूसरा सबसे बड़ा सम्मान है। इसकी स्थापना वर्ष 1954 में हुई थी।

➤ ये पुरस्कार सरकारी कर्मचारियों द्वारा की गयी सेवा सहित किसी भी क्षेत्र में की गयी उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए प्रदान किए जाते हैं।

पद्म पुरस्कार तीन प्रकार के हैं

➤ पद्म विभूषण, पद्म भूषण एवं पदम श्री।

वीरता पुरस्कार

परमवीर चक्र वीरता के लिए दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार जो थल सेना, वायु सेना, जल सेना में दुश्मन के सामने बहादुरी के सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन या आत्मबलिदान के लिए दिया जाता है। इसकी शुरूआत वर्ष 1914 में हुई थी।

महावीर चक्र देश का यह द्वितीय सर्वोच्च शौर्य पुरस्कार उस बहादुर सैनिक को प्रदान किया जाता है जिसने शत्रु के दमन में अद्वितीय पराक्रम प्रदर्शित किया हो।

वीर चक्र शौर्य एवं वीरता का तीसरा सर्वोच्च पुरस्कार उसे प्रदान किया जाता है, जिसने शत्रुओं का सामना अदम्य साहस करके उसे पीछे धकेला हो अथवा मौत के घाट उतार दिया हो।

अशोक चक्र यह पुरस्कार देश का सर्वोच्च शान्तिकालीन शौर्य पुरस्कार है। यह पुरस्कार भी शौर्य प्रदर्शन में उल्लेखनीय भूमिका निभाने वाले बहादुर कर्मी को प्रदान किया जाता है।

कीर्ति चक्र शौर्य का यह पुरस्कार उस वीर को प्रदान किया जाता है, जिसने शत्रु के मुकाबले में अभूतपूर्व साहस का प्रदर्शन किया हो।

प्रत्येक वर्ष गणतन्त्र दिवस पर देश के बहादुर बच्चों को राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। इसके अन्तर्गत भारत अवार्ड, गीता चोपड़ा अवार्ड, संजय चोपड़ा अवार्ड, बापू गैधानी अवार्ड भी प्रदान किए जाते हैं।

शौर्य चक्र युद्ध की परिस्थितियों में अद्भुत शौर्य प्रदर्शित करने वाले शूरवीरों को यह पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

भारत रत्न से सम्मानित व्यक्तियों की सूची

नाम	वर्ष
एस. राधाकृष्णन	1954
सी. राजगोपालाचारी	1954
सी वी रमन	1954
जवाहरलाल नेहरू	1955
गोविन्द बल्लभ पन्त	1957
डी के कर्वे	1958
बी सी राय	1961
राजेन्द्र प्रसाद	1962
एम.जी. रामचन्द्रन	(1988 मरणोपरान्त)
डॉ बी.आर. अम्बेडकर	(1990, मरणोपरान्त)
डॉ नेल्सन मण्डेला	1990
राजीव गाँधी	(1991, मरणोपरान्त)
लता मंगेशकर और उस्ताद बिस्मिल्लाह खाँ	2001
जाकिर हुसैन	1963
लाल बहादुर शास्त्री	(1966, मरणोपरान्त)
इन्दिरा गाँधी	1971
वी.वी. गिरि	1975
के कामराज	(1976, मरणोपरान्त)
मदर टेरेसा	1980
विनोबा भावे	1982
फ्रन्टियर गाँधी, खान अब्दुल गफ्फारखाँ (प्रथम विदेशी नागरिक)	1987
सरदार बल्लभभाई पटेल	(1991, मरणोपरान्त)
मोरारजी देसाई	1991
गुलजारी लाल नन्दा	1997
अमर्त्य सेन, रविशंकर, गोपीनाथ बोर्दोलोई	(1999, मरणोपरान्त)
पण्डित भीमसेन जोशी	2008

साहित्य पुरस्कार



➤ **अकादमी पुरस्कार** साहित्य अकादमी पुरस्कार, ललित कला अकादमी पुरस्कार, संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार प्रतिवर्ष प्रदान किए जाते हैं। साहित्य अकादमी, उत्कृष्ट साहित्य के लिए तथा अन्य दो कला व संगीत के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य के लिए पुरस्कार देती है।

➤ **इकबाल सम्मान** मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त यह सम्मान उर्दू साहित्य के लिए दिया जाता है।

➤ **कबीर सम्मान** सर्वाधिक सम्मानित यह पुरस्कार मध्य प्रदेश सरकार द्वारा दिया जाता है। यह पुरस्कार भारतीय भाषा में सामाजिक उत्कृष्ट कविता लेखन के लिए दिया जाता है।

➤ **ज्ञानपीठ पुरस्कार** यह भारत का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार है। यह पुरस्कार किसी भी भारतीय को किसी भी भारतीय भाषा में उत्कृष्ट साहित्य रचना के लिए दिया जाता है। ज्ञानपीठ पुरस्कार, भारतीय ज्ञानपीठ संस्था द्वारा प्रायोजित होता है। यह सांस्कृतिक संस्था 1949 ई. में शान्ति प्रसाद जैन द्वारा स्थापित की गई थी।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पुरस्कार

➤ **शान्तिस्वरूप भटनागर पुरस्कार** यह पुरस्कार भारत की वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद् द्वारा स्वर्गीय श्री शान्तिस्वरूप भटनागर की स्मृति में दिया जाता है।

➤ **भाभा पुरस्कार** यह पुरस्कार परमाण्विक अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट सहयोग के लिए दिया जाता है। इस पुरस्कार की प्रायोजक 'सोसायटी ऑफ न्यूक्लियर मेडिसन' है।

➤ **हरिओम आश्रम पुरस्कार** यह पुरस्कार यू जी सी द्वारा प्रदान किया जाता है। भौतिक विज्ञान में शोध कार्य के लिए सी. वी. रमन पुरस्कार, उपयोगी विज्ञान क्षेत्र में शोध के लिए डॉ होमी जहाँगीर भाभा पुरस्कार, सैद्धान्तिक विज्ञान के क्षेत्र में डॉ. मेघनाद साहा पुरस्कार व जीव विज्ञान क्षेत्र में सर जगदीश चन्द्र बसु पुरस्कार इसके अन्तर्गत दिए जाते हैं।

➤ **बोरलॉग पुरस्कार** यह पुरस्कार कोरोमण्डल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड द्वारा डॉ. नॉर्मन ई बोरलॉग के सम्मान में प्रत्येक वर्ष दिया जाता है। पुरस्कार भारतीय वैज्ञानिकों को कृषि एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए दिया जाता है।

➤ **साराभाई पुरस्कार** विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान के लिए दिए जाने वाले इस पुरस्कार को हरिओम आश्रम ट्रस्ट नाडियाड (गुजरात) प्रायोजित करती है। यह पुरस्कार 12 अगस्त को डॉ. साराभाई के जन्म दिवस के अवसर पर दिए जाते हैं।

➤ **कलिंग पुरस्कार** ओडिशा के पूर्व मुख्यमन्त्री बीजू पटनायक ने विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए यह पुरस्कार आरम्भ किया। यह पुरस्कार प्रतिवर्ष यूनेस्को द्वारा ऐसे व्यक्ति को प्रदान किया जाता है, जो सामान्य तरीके से विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के क्षेत्र में असाधारण कार्य करे।

फिल्म एवं संगीत पुरस्कार

➤ **दादासाहेब फाल्के पुरस्कार** सूचना एवं प्रसारण मन्त्रालय द्वारा दिया जाने वाला यह पुरस्कार भारतीय सिनेमा के विकास में उल्लेखनीय योगदान के लिए वर्ष 1969 से दिया जा रहा है।

➤ **तुलसी सम्मान** राष्ट्रीय स्तर पर जनजातीय लोक कला के विकास में योगदान के लिए यह सम्मान मध्य प्रदेश सरकार द्वारा दिया जाता है।

➤ **कालिदास सम्मान** रूपंकर कलाओं व रंगकर्म के क्षेत्र में सृजनात्मक श्रेष्ठता हेतु यह पुरस्कार मध्य प्रदेश सरकार द्वारा दिया जाता है।

➤ **लता मंगेशकर सम्मान** सुगम संगीत के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए यह सम्मान मध्य प्रदेश सरकार द्वारा दिया जाता है।

➤ **राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार** यह पुरस्कार भारत सरकार के सूचना तथा प्रसारण मन्त्रालय द्वारा उत्कृष्ट फिल्मों तथा उनसे सम्बद्ध कलाकारों को प्रदान किया जाता है।

अन्य पुरस्कार

➤ **भारतेन्दु हरिश्चन्द पुरस्कार** भारत के सूचना और प्रसारण मन्त्रालय ने वर्ष 1983 में इस पुरस्कार को प्रारम्भ किया। यह पुरस्कार जनसम्पर्क के क्षेत्रों—पत्रकारिता, प्रकाशन, विज्ञापन, फिल्म व प्रसारण आदि के लिए मूलरूप से हिन्दी में लेखन के लिए प्रदान किया जाता है।

➤ **जमनालाल बजाज पुरस्कार** रचनात्मक क्षेत्र में योगदान के लिए प्रत्येक वर्ष यह पुरस्कार दिया जाता है।

➤ **धनवन्तरि पुरस्कार** यह पुरस्कार चिकित्सा के क्षेत्र में दिया जाता है।

➤ **इन्दिरा गाँधी शान्ति पुरस्कार** भारत सरकार द्वारा 25 लाख या इसके समान विदेशी मुद्रा का पुरस्कार ऐसे व्यक्ति को प्रदान किया जाता है, जो अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति, निशस्त्रीकरण, जातीय समानता और सद्भाव के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करते हैं।

➤ **अन्तर्राष्ट्रीय सूझबूझ के लिए पं. जवाहरलाल नेहरू पुरस्कार (1965)** यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष अन्तर्राष्ट्रीय समझ व विश्व की जनता में मित्रता के क्षेत्र में असाधारण योगदान करने वाले व्यक्ति को दिया जाता है। पुरस्कार का प्रबन्धन भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद् द्वारा किया जाता है।

अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार

नोबेल पुरस्कार



➤ नोबेल पुरस्कार का प्रारम्भ वर्ष 1901 में डाइनामाइट के आविष्कारक तथा प्रमुख उद्योगपति अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत के अनुरूप किया गया।

➤ वर्ष 1886 में अल्फ्रेड नोबेल की मृत्यु के बाद उन्होंने अपनी वसीयत में अपने उद्योगों की वार्षिक आय पुरस्कारों के लिए दान कर दी।

➤ यह पुरस्कार प्रतिवर्ष 10 दिसम्बर को दिए जाते हैं।

नोबेल पुरस्कार के विशिष्ट क्षेत्र

- रसायन शास्त्र (Chemistry)
- भौतिकी (Physics)
- चिकित्सा (Physiology or Medicine)
- साहित्य (Literature)
- विश्व शान्ति (World Peace)
- अर्थशास्त्र (Economics) (1967 में स्थापित एवं 1969 में पहली बार वितरित)

वर्ष 1974 के बाद से यह नियम बना दिया गया है कि मरणोपरान्त किसी को नोबेल पुरस्कार नहीं दिया जाएगा।

नोबेल पुरस्कार से सम्मानित भारतीय/ भारतीय मूल के व्यक्ति

नाम	क्षेत्र	वर्ष
रवीन्द्रनाथ टैगोर	साहित्य	1913
डॉ. सी.वी. रमन	भौतिकी	1930
डॉ. हरगोविन्द खुराना	चिकित्सा	1968
मदर टेरेसा	शान्ति	1976
डॉ. एस. चन्द्रशेखर	भौतिकी	1983
डॉ. अमर्त्य सेन	अर्थशास्त्र	1998
वी. एस. नायपॉल	साहित्य	2001
वेंकटरमण रामकृष्ण (संयुक्त रूप से)	रसायन	2009

रैमन मैग्सेसे पुरस्कार



➤ फिलिपींस के पूर्व राष्ट्रपति रैमन मैग्सेसे की स्मृति में सन् 1958 से मैग्सेसे पुरस्कार प्रारम्भ किए गए। यह पुरस्कार शासकीय सेवा, जन सेवा, समुदाय नेतृत्व, पत्रकारिता और रचनात्मक संचार कला तथा अन्तर्राष्ट्रीय समझ के पाँच क्षेत्रों में दिए जाते हैं।

➤ इसे 'एशिया का नोबेल पुरस्कार' भी कहा जाता है।

➤ मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित सबसे पहले भारतीय विनोबा भावे (वर्ष 1958) थे।

साहित्य/पत्रकारिता पुरस्कार

➤ **पुलित्जर पुरस्कार** इस पुरस्कार का आरम्भ अमेरिकी प्रकाशक जोसेफ पुलित्जर ने वर्ष 1917 में किया था। पत्रकारिता के क्षेत्र में यह विश्व का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार है।

➤ **ई. एम. फॉस्टर अवार्ड** यह पुरस्कार एक प्रकाशन कम्पनी द्वारा स्थापित किया गया। इसके तहत एक भारतीय साहित्यकार को अंग्रेजी साहित्य में योगदान के लिए पुरस्कार दिया जाता है।

➤ **द बुकर प्राइज** यह पुरस्कार बुकर पब्लिक लिमिटेड कम्पनी द्वारा प्रायोजित किया जाता है। यह सबसे अच्छे उपन्यास के लिए प्रत्येक वर्ष दिया जाता है। पुरस्कार में ब्रिटिश कॉमनवेल्थ आयरलैण्ड गणतन्त्र व दक्षिण अफ्रीका के नागरिकों द्वारा लिखे अंग्रेजी उपन्यास भी शामिल हो सकते हैं।

➤ **मान बुकर** 1969 से प्रारम्भ यह पुरस्कार, किसी एक कथावृत्ति के लिए राष्ट्रमण्डल देशों के कथाकारों को दिया जाता है।

➤ साहित्य के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कारों के बाद यह सबसे बड़ा पुरस्कार माना जाता है।

➤ मान बुकर अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार 2 वर्ष में एक बार अंग्रेजी भाषा में/अनुदित उत्कृष्ट कथा साहित्य के लिए किसी साहित्यकार को दिया जाता है।

फिल्म पुरस्कार



➤ **ऑस्कर अवार्ड** फिल्म निर्माण के विभिन्न पहलुओं पर मिलने वाला यह सर्वाधिक प्रतिष्ठित पुरस्कार है। यह प्रत्येक वर्ष प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार वर्ष 1929 से नेशनल एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर एण्ड साइंसेज, सं.रा. अमेरिका द्वारा दिया जाता है।

ऑस्कर के लिए नामित विदेशी भाषा की श्रेणी में भारतीय फिल्में

- मदर इण्डिया (1957)
- सलाम बॉम्बे (1988)
- लगान (2001)
- श्वास (2004)
- पहेली (2005)
- रंग दे बसंती (2006)

➤ **ग्रैमी अवार्ड** यह पुरस्कार नेशनल एकेडमी फॉर रिकॉर्डिंग आर्ट्स एण्ड साइंसेज, सं. रा. अमेरिका द्वारा संगीत के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियों के लिए दिया जाता है।

खेल-खिलाड़ी

खेल स्पर्द्धाएँ

ओलम्पिक खेल

ओलम्पिक खेलों का आरम्भ	776 ई. पू.
आधुनिक ओलम्पिक खेलों का आरम्भ	1896 ई. एंथेस (यूनान)
आदर्श वाक्य	साइंटियस, अल्टियस, फोरिटयस
लोगो	पाँच चक्र (नीला, पीला, काला, हरा तथा लाल रंग)
2008 में ओलम्पिक खेलों का आयोजन	बीजिंग (चीन)
2012 में ओलम्पिक खेलों का आयोजन (प्रस्तावित)	लंदन (इंग्लैण्ड)



➤ ओलम्पिक खेलों का आयोजन प्रत्येक चार वर्ष के अन्तराल पर होता है।

➤ भारत ने सर्वप्रथम 1900 ई. में इस खेल में भाग लिया था।

➤ हॉकी में भारत ने 1928 ई. में पहला स्वर्ण पदक जीता।

प्रत्येक 4 वर्ष बाद दो प्रकार के ओलम्पिक खेलों का आयोजन होता है–ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन।

➤ 1940 एवं 1944 में द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण ओलम्पिक नहीं हो पाया था।

➤ ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक में सिर्फ वही खेल शामिल किए जाते हैं जो कम-से-कम 50 देशों में लोकप्रिय हों। इनमें 21 खेल (वर्तमान में) शामिल हैं।

➤ शीतकालीन ओलम्पिक, जो 16 दिनों तक चलते हैं, इनमें उन्हीं खेलों को शामिल किया जाता है जो कम-से-कम 25 देशों में खेले जाते हों। इनमें केवल 7 खेल (वर्तमान में) शामिल हैं।

➤ शीतकालीन ओलम्पिक खेल (2014) सोची, रूस में होंगे।

स्मार्ट तथ्य

- 1952 में हेलसिंकी ओलम्पिक में के डी जाधव ने कुश्ती में रजत पदक जीता था।
- लिएण्डर पेस ने अटलांटा ओलम्पिक (1996) में टेनिस स्पर्द्धा में काँस्य टेनिस पदक जीता।
- कर्णम मल्लेश्वरी ने वर्ष 2000 में सिडनी ओलम्पिक में भारोत्तोलन में काँस्य पदक जीता।
- बीजिंग ओलम्पिक 2008 में अभिनव बिन्द्रा ने 10 मी एयर रायफल की व्यक्तिगत स्पर्द्धा में स्वर्ण पदक जीता। बीजिंग ओलम्पिक 2008 में ही सुशील कुमार ने कुश्ती प्रतिस्पर्द्धा में 66 किग्रा के फ्री-स्टाइल वर्ग में तथा विजेंदर सिंह ने मुक्केबाजी मे काँस्य पदक जीता।

राष्ट्रमण्डल खेल



➤ राष्ट्रमण्डल खेल प्रत्येक चार वर्ष के अन्तराल पर आयोजित किए जाते हैं।

➤ पहले ये 'ब्रिटिश एम्पायर गेम्स' के नाम से जाने जाते थे।

➤ वर्ष 1942 और 1946 में विश्वयुद्ध के कारण ये खेल आयोजित नहीं हुए।

➤ खेलों का प्रतीक (लोगो) का शुभारम्भ 1966 ई. में पहली बार हुआ।

➤ 19वें राष्ट्रमण्डल खेल, नई दिल्ली का शुभंकर 'शेरा' था। यहाँ पहली बार महिला मुक्केबाजी को शामिल किया गया।

राष्ट्रमण्डल खेल

पहले राष्ट्रमण्डल खेलों का आयोजन	अगस्त, 1930 हैमिल्टन (कनाडा)
पहली बार टीवी पर प्रसारण	वैंकुवर (1954)
आदर्श वाक्य	ह्युमनिटी, इक्वलीटि, डेस्टिनी
2006 में आयोजित (18वाँ राष्ट्रमण्डल खेल)	मेलबॉर्न (ऑस्ट्रेलिया)
2010 में आयोजित (19वाँ राष्ट्रमण्डल खेल)	नई दिल्ली (भारत)
2014 में आयोजन (20वाँ राष्ट्रमण्डल खेल)	ग्लासगो (स्कॉटलैण्ड)
2018 में आयोजन (21वाँ राष्ट्रमण्डल खेल)	गोल्ड कोस्ट (ऑस्ट्रेलिया)

एशियाई खेल

पहले एशियाई खेल का आयोजन	मार्च, 1951 (नई दिल्ली)
प्रतीक चिह्न	चमकता सूर्य
2010 में आयोजित	ग्वांग्झू (चीन)
2014 में आयोजन	इंचियान (दक्षिण कोरिया)
आयोजनकर्ता	एशियन गेम्स फेडरेशन
भाग लेने वाले देशों की संख्या	44

दक्षेस खेल

पहली बार आयोजन	1986
प्रथम आयोजन स्थल	काठमाण्डू (नेपाल)
2011 में आयोजित शीतकालीन	औली (उत्तराखण्ड)
भाग लेने वाले देशों की संख्या	7
आयोजित खेलों की संख्या	4

➤ दक्षिण अफ्रीका में क्षेत्रीय खिलाड़ियों में सहयोग एवं मैत्रीभाव को विकसित करने के उद्देश्य से 'दक्षेस खेल' का शुभारम्भ किया गया।

क्रिकेट

➤ एकदिवसीय क्रिकेट में दोहरा शतक बनाने का रिकॉर्ड दो भारतीय खिलाड़ियों—सचिन तेंदुलकर (200) तथा वीरेन्द्र सहवाग (219) के नाम है।

➤ टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने का व्यक्तिगत रिकॉर्ड ब्रायन लारा (400) के नाम है।

▪ परिमाप	क्रिकेट के पिच की लम्बाई 22 गज (20.11 मी) होती है। स्टम्प की ऊँचाई 28 इंच होती है।
▪ सम्बद्ध शब्दावली	रबर, स्पिन, गुगली, चायनामैन, फ्लाइट, स्विंग, फुलटॉस, शार्ट पिच, ओवर, स्टम्पड आउट, बोल्ड, फालोआन, पिच, क्रीज, अम्पायर, इनिंग्स, ग्लब्स, बाउण्डरी, फील्डर, शॉर्ट रन, ओवर दि विकेट, राउण्ट दि विकेट, कवर, एक्सट्रा कवर, मिडऑन, मिडऑफ, मिडविकेट, स्लिप, प्वाइंट
▪ प्रमुख ट्राफियाँ	विश्व कप, टी-20 विश्व कप, आई सी सी ट्रॉफी, रणजी ट्रॉफी, दिलीप ट्रॉफी, देवघर ट्रॉफी, विजय हजारे ट्रॉफी, ईरानी ट्रॉफी, एशेज (ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैण्ड टेस्ट शृंखला)
▪ महत्त्वपूर्ण खेल स्थल	लाड्र्स (लन्दन, इंग्लैण्ड); मेलबोर्न (ऑस्ट्रेलिया); वानखेड़े स्टेडियम (मुम्बई); फिरोजशाह कोटला स्टेडियम (दिल्ली); ईडन गार्डन (कोलकाता)

क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था इन्टरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) है। इसका मुख्यालय दुबई में है।

एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप *संक्षिप्त नजर*

वर्ष/मैदान	विजेता
▪ 1975 (लाड्र्स, इंग्लैण्ड)	वेस्टइण्डीज
▪ 2011 (मुम्बई, भारत)	भारत
▪ 2015 (ऑस्ट्रेलिया व न्यूजीलैण्ड)	प्रस्तावित
▪ 2019 (इंग्लैण्ड)	प्रस्तावित

टी-20 विश्व कप *संक्षिप्त नजर*

वर्ष	विजेता
2007 (द. अफ्रीका)	भारत
2009 (इंग्लैण्ड)	पाकिस्तान
2010 (वेस्टइण्डीज)	इंग्लैण्ड
2012 (श्रीलंका)	प्रस्तावित
2014 (बांग्लादेश)	प्रस्तावित

हॉकी *एक नजर*

▪ परिमाप	मैदान का आकार-लम्बाई 91.44 मी व चौड़ाई 50 से 55 मी।
▪ सम्बद्ध शब्दावली	राइट बैक, लेफ्ट बैक, आउट साइड राइट, सेन्टर फारवर्ड, सेन्टर हाफ, सेन्टर लाइन, कार्नर स्ट्रोक, टाइ ब्रेकर, सडन डेथ।
▪ प्रमुख ट्रॉफियाँ	हॉकी विश्व कप, रंगास्वामी कप, बेटन कप, ध्यानचन्द ट्रॉफी, आगा खाँ कप, अजलान शाह कप, लालबहादुर शास्त्री कप, महाराजा रंजीत सिंह गोल्ड कप।

हॉकी भारत का राष्ट्रीय खेल है।

➤ सिलारू (हिमाचल प्रदेश) में भारत का सबसे ऊँचा हॉकी का स्ट्रोटर्फ (रबड़ मैदान) बनाया गया है।

विश्व कप हॉकी *संक्षिप्त नजर*

वर्ष	विजेता	वर्ष	विजेता
1971	पाकिस्तान	2002	जर्मनी
1973	हॉलैण्ड	2006	जर्मना
1975	भारत	2010	ऑस्ट्रेलिया

विश्व कप हॉकी 2014 का आयोजन हेग (नीदरलैण्ड) में होगा।

फुटबॉल *एक नजर*

▪ परिमाप	मैदान का आकार—लम्बाई 91 से 120 मी व चौड़ाई 45 से 91 मी।
▪ सम्बद्ध शब्दावली	सेन्टर, मिडफिल्ड, स्ट्राइक, बैक, फारवर्ड, गोली, किक, फ्री किक, डायरेक्ट किक, इनडायरेक्ट किक, कार्नर किक, ऑफ साइड, सेकिन्ड हॉफ, हैण्डबॉल, ट्राइ ब्रेकर, सडन डेथ, सीजर्स किक
▪ प्रमुख ट्रॉफियाँ	फीफा कप (विश्व कप), यूरो कप, कोपा अमेरिका कप, यूरोपियन चैम्पियन क्लब कप, सन्तोष ट्रॉफी, डूरंड कप,, रोवर्स कप, सुब्रतो कप
▪ महत्त्वपूर्ण खेल स्थल	वैम्बले (लन्दन, इंग्लैण्ड); साल्ट लेक स्टेडियम (कोलकाता)

➤ फुटबॉल का जन्म भी क्रिकेट की भाँति इंग्लैण्ड में ही माना जाता है।

➤ 1857 ई. में इंगलैण्ड, में विश्व का पहला फुटबॉल क्लब 'शेफील्ड फुटबॉल क्लब' का गठन हुआ।

फुटबॉल विश्व कप *संक्षिप्त नजर*

वर्ष	विजेता	वर्ष	विजेता
1930	उरुग्वे (पहला विश्व कप)	1986	अर्जेण्टीना
		1994	ब्राजील
1966	इंग्लैण्ड	1998	फ्रांस
1974	पश्चिम जर्मनी	2002	ब्राजील
1978	अर्जेण्टीना	2006	इटली
1982	इटली	2010	स्पेन

विश्व कप फुटबॉल 2014 का आयोजन ब्राजील तथा 2018 का आयोजन रूस में होगा।

लॉन टेनिस

- यह मैदानों (कोर्ट) पर खेला जाता है।
- ग्रैंड स्लैम के अन्तर्गत आस्ट्रेलियाई ओपन, फ्रेंच ओपन, विम्बलडन ओपन तथा अमेरीकी ओपन टेनिस चैंपियनशिप आते हैं।
- फ्रेंच ओपन लाल क्ले कोर्ट पर खेला जाता है।
- ऑस्ट्रेलियाई और अमेरिकी ओपन कृत्रिम मैदान (हार्ड कोर्ट) पर खेले जाते हैं।
- विंबलडन एकमात्र ग्रैंडस्लैम है, जो घास के मैदान पर खेला जाता है।

टेबिल टेनिस *एक नजर*

▪ परिमाप	टेनिस की टेबल 9 फीट लम्बी, 5 फीट चौड़ी तथा 2.5 फीट ऊँची होती है। बीच में एक नेट द्वारा विभाजित होती है।
▪ सम्बद्ध शब्दावली	बैक हैण्ड स्ट्रोक, ड्यूस, फाल्ट, डबल फाल्ट, ग्राउण्ड स्ट्रोक, स्मैश, वॉली, हाफ वॉली, लेट।
▪ प्रमुख ट्रॉफियाँ	विश्व टीम कप, वारनाब्लैक कप, पीठापुरम कप, त्रावणकोर कप, इन्दिरा कप, कमला रामानुजन कप, स्वेथलिंग कप, यू-थाण्ट कप, इण्डिया कप, पद्मावती कप

बैडमिन्टन *एक नजर*

▪ परिमाप	सिंगल के लिए कोर्ट 44 फीट लम्बा व 17 फीट चौड़ा और डबल्स के लिए 44 फीट लम्बा व 20 फीट चौड़ा होता है।
▪ सम्बद्ध शब्दावली	कोर्ट, शटल, रैकिट, सेन्टर लाइन, साइड लाइन, नेट, फाल्ट, डबल फाल्ट, बैक हैण्ड स्मैश, क्रॉस शॉट, लेट ड्रॉप, मैच प्वाइन्ट।
▪ प्रमुख ट्रॉफियाँ	उबेर कप, रहमतुल्ला कप, सुदीरमन कप, अब्दुल रहमान कप, नारंग कप, मेयर्स कप, चाइना कप।

वॉलीबॉल *एक नजर*

▪ परिमाप	वॉलीबॉल के कोर्ट की लम्वाई 18 मी व चौड़ाई 9 मी होती है। नेट की लम्बाई 243 सेंमी होती है।
▪ सम्बद्ध शब्दावली	रोटेसन, डबल हिट, ब्लाकिंग, डिग, नैट, डबल हिट, नेट फाल्ट, सर्विस।
▪ प्रमुख ट्रॉफियाँ	विश्व कप, ग्राण्ड चैम्पियन्स कप, शिवांथी गोल्ड कप

पोलो

- पोलो का जन्म भारत के मणिपुर राज्य में माना जाता है।
- फारस में इस खेल को 'पुलु' के नाम से खेला जाता था।

▪ परिमाप	पोलो का मैदान 275 मी लम्बा व 183 मी चौड़ा होता है। गोलपोस्ट की चौड़ाई 7.32 मी व ऊँचाई 3.05 मी तथा प्रत्येक टीम में घोड़ों पर सवार 4 खिलाड़ी होते हैं।
▪ सम्बद्ध शब्दावली	चकर, बॉल, गोल, हुक, बंकर, मैलेट, गैलोपिंग, फ्री हिट।
▪ प्रमुख ट्रॉफियाँ	एजरा कप, पृथ्वीपाल सिंह कप, राधा मोहन कप क्लासिक कप

बास्केटबॉल

- पहली बार बास्केटबॉल 1891 ई. में मैसाच्यूट्स, संयुक्त राज्य अमेरिका में खेला गया।
- बॉस्केटबॉल में पोल की ऊँचाई 10 फीट होती है। यह एक इन्डोर तथा आउटडोर खेल है, जो पश्चिम देशों में अत्यधिक लोकप्रिय है।

▪ परिमाप	कोर्ट का आकार–28 × 15 मी, रिंग का व्यास–45 सेमी, बास्केट की लम्बाई–40 सेमी, जमीन से बास्केट की ऊँचाई–3.05 मी, बॉल का भार-600-650 ग्राम।
▪ सम्बद्ध शब्दावली	गार्ड, गोल प्वाइन्ट, टाइम वाच, स्टॉप वाच, सेन्टर लाइन, ड्रिबल, डबल फाउल, सेन्टर, फ्रन्ट कोर्ट, फ्री थ्रो, फील्ड गोल, हेड गोल, रेफरी, टाइमकीपर, सकोरर, साइट लाइन, पर्सनल कान्टेक्ट, जंपवाल, प्लेइंग, टाइम, रिंग, इन्टरमिशन, शिफ्टिंग जोन, कॉन्टिन्यूटी पास, डेड बॉल, बास्केट हैनिंग, बैक बोर्ड, लीड पास, फ्लोटिंग साइडवेज, फाउल आउट।
▪ प्रमुख ट्रॉफियाँ	अमेरिका कप, यूरोपीय चैम्पियनशिप, मुनिस्वामी कप, विलियम टॉड मेमोरियल ट्रॉफी, प्रिन्स वसालत झा ट्रॉफी, गोल्डन ईगल ट्रॉफी, राष्ट्रीय चैम्पियनशिप।

मुक्केबाजी *एक नजर*

▪ परिमाप	मुक्केबाजी के रिंग का आकार 4.9 × 4.9 से 6.10 × 6.10 मी होता है जो चारों ओर से तीन रस्सियों से घिरा होता है। रिंग जमीन से 90 से 122 सेमी तक ऊँचा होता है।
▪ सम्बद्ध शब्दावली	ऑक्जीलरी प्वाइन्ट, सिस्टम, रैबिट पन्च, ब्रेक, कट, डिफेन्स, डाउन, हुक, जैब, नाक आउट, राउण्ड, अपर कट, लोअर कट, सेकण्ड्स आउट, किडनी पन्च।
▪ मुक्केबाजी के वर्ग	लाइट फ्लाईवेट 49 किग्रा तक; फ्लाईवेट 51 किग्रा तक; हैवी वेट 91 किग्रा तक; सुपर हैवी वेट 91 किग्रा से अधिक।

गोल्फ *एक नजर*

▪ परिमाप	गोल्फ कोर्स की लम्बाई 5500 से 6000 मी होती है। गोल्फ कोर्स को अधिकतम 18 होल में विभाजित किया जा सकता है।
▪ सम्बद्ध शब्दावली	बेस्टबॉल, डोर्मी, फेयर वेग, फोरबॉल, ग्रीड होल्स, लिंक्स, पुट, रफ, टी, वैफी, बंकर, वाई, क्लब, बैगल, डफ, स्टाइमी, डिवोट, मैशी।
▪ प्रमुख ट्रॉफियाँ	वाकर कप, राइडर कप, डनहिल कप

शतरंज *एक नजर*

▪ परिमाप	शतरंज एक वर्गाकार बोर्ड पर खेला जाता है, जिसमें 64 खाने 8 की पंक्तियों में बँटे होते हैं, इनमें 8 पैदल, 2 हाथी, 2 ऊँट, 2 घोड़े, 1 वजीर व 1 राजा होता है।
▪ सम्बद्ध शब्दावली	चेकमेट, स्टेलमेट, चेक, कैशल, किंग, क्वीन, नाइट, ग्रेण्डमास्टर, एलोरेन्टिंग।
▪ प्रमुख ट्रॉफियाँ	विश्व ब्लिट्ज कप, एशियाई चम्पियनशिप, दुबई ओपन, नायडू ट्रॉफी, वी वी शास्त्री ट्रॉफी।

मैराथन

➤ मैराथन की दूरी 26 मील 385 गज या 42.195 किमी होती है।

विभिन्न देशों के राष्ट्रीय खेल

देश	राष्ट्रीय खेल	देश	राष्ट्रीय खेल
ऑस्ट्रेलिया	क्रिकेट	अमेरिका	बेसबॉल
चीन	टेबल टेनिस (पिंग पोंग)	रूस	फुटबॉल, शतरंज
इंग्लैण्ड	क्रिकेट	ब्राजील	फुटबॉल
भारत	हॉकी	भूटान	तीरन्दाजी
जापान	जूडो	पाकिस्तान	हॉकी
मलेशिया	बैडमिन्टन	स्पेन	बुल फाइट (साँडों की लड़ाई)
स्कॉटलैण्ड	रग्बी फुटबॉल		

खेल के मैदानों के विशेष नाम

खेल	खेल क्षेत्र का नाम	खेल	खेल क्षेत्र का नाम
बैडमिन्टन	कोर्ट	गोल्फ	कोर्स
बेसबॉल	डायमण्ड	लॉन टेनिस	कोर्ट
मुक्केबाजी	रिंग	स्केटिंग	रिंग
क्रिकेट	पिच	कुश्ती	रिंग, अखाड़ा

खेल में प्रत्येक पक्ष के खिलाड़ियों की संख्या

बास्केटबॉल	5	वॉलीबॉल	6
बैडमिन्टन	1 या 2	वाटरपोलो	7
जिमनास्टिक	8	हॉकी	11
कबड्डी	7	टेबल टेनिस	1 या 2
रग्बी फुटबॉल	15	खो-खो	9
क्रिकेट	11	बेसबॉल	9
लॉन टेनिस	1 या 2	फुटबॉल	11

खेलों से सम्बन्धित राष्ट्रीय पुरस्कार *एक नजर*

पुरस्कार का नाम	विशेष तथ्य
▪ राजीव गाँधी खेल रत्न पुरस्कार	वर्ष 1991-92 में शुरूआत उत्कृष्ट खिलाड़ी को खेलों में उसकी उपलब्धि हेतु प्रदान किया जाता है। सबसे पहले यह पुरस्कार शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनन्द को मिला (सन् 1991-92 में।)
▪ ध्यानचन्द पुरस्कार	वर्ष 2002 में शुरुआत क्रीड़ाओं में जीवन भर की उपलब्धि के लिए दिया जाता है यह पुरस्कार।
▪ अर्जुन पुरस्कार	वर्ष 1961 में शुरूआत किसी खिलाड़ी को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उसके पिछले तीन वर्ष की उपलब्धि पर यह पुरस्कार दिया जाता है।
▪ द्रोणाचार्य पुरस्कार	वर्ष 1985 में शुरुआत विख्यात खेल प्रशिक्षकों को सम्मानित किया जाता है।

सामान्य ज्ञान 2013

'सामान्य ज्ञान' के अन्तर्गत आने वाले सभी विषयों का समेकित अध्ययन इस पुस्तक में प्रस्तुत किया गया है, जो आपकी 'तैयारी' को 'सफलता' में परिवर्तित करेगा...

- एसएससी, रेलवे, बैंक, क्लर्क, आर्मी, एयरफोर्स, नेवी, कांस्टेबिल तथा राज्य-स्तरीय परीक्षाओं के लिए उपयोगी
- चित्र, ग्राफिक्स, आरेख तथा तालिकाओं में आंकड़ों तथा तथ्यों का प्रस्तुतीकरण
- प्रतियोगी परीक्षाओं के विस्तृत आयाम को देखते हुए पुस्तक को 'सारगर्भित' तथा 'सम्पूर्ण' बनाया गया है।
- नवीनतम, मान्य आंकड़ों एवं तथ्यों का सम्पूर्ण कवरेज

arihant
Inspiring Minds. Inspiring Lives





अरिहन्त पब्लिकेशन्स (इण्डिया) लिमिटेड


9788183482936
Code : G080 ₹ 25